निमाड़ी मुहावरे

मध्यप्रदेश के निमाड़ जनपद की वाचिक परम्परा

वसन्त निरगुणे

निमाड़ी मुहावरे

मध्यप्रदेश के निमाड़
जनपद की वाचिक परम्परा

वसन्त निरगुणे

प्रधान सम्पादक
गणेश भालचन्द्र बागदरे

सम्पादक
अशोक मिश्र

आदिवासी लोक कला एवं तुलसी साहित्य अकादमी
मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् भोपाल का प्रकाशन

प्रकाशक - आदिवासी लोक कला एवं तुलसी साहित्य अकादमी
मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्
मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, आधार तल, बाण गंगा, भोपाल-462003
मध्यप्रदेश, भारत
फोन - 0755-2551878, 2760668
E-mail : mplokkala@rediffmail.com

प्रकाशन वर्ष - वर्ष 2011 प्रथम संस्करण

स्वत्वाधिकार - आदिवासी लोक कला एवं तुलसी साहित्य अकादमी
मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्

शब्दांकन - आदिवासी लोक कला एवं तुलसी साहित्य अकादमी
मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्

मुद्रण - शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय, भोपाल

मूल्य - 300/- (रुपये तीन सौ केवल)

- पुस्तक से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्यायालयीन कार्य क्षेत्र भोपाल होगा।
- पुस्तक में प्रकाशित समस्त सामग्री लेखक की है, आवश्यक नहीं कि प्रकाशक इससे सहमत हो।

भाषा में मनुष्य की सर्जना विशिष्ट है, जहाँ भाषा एक सांस्कृतिक विश्व होती है। शनै:-शनै: समुदायों में भाषा एक अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान का भी रूप लेती है, जिसमें भाषा के दो रूप अर्थात् 'लोक सम्प्रेषण' और 'संस्कृति रचना का आधार' शामिल होते हैं।

सम्प्रेषण और संस्कृति की ये शक्तियाँ, एक भाषा परम्परा के दो छोर हैं– सुदीर्घ काल में एक समृद्ध भाषा अपनी विशिष्ट ध्वनियाँ, मुद्राएँ, अर्थ और भंगिमाएँ विकसित कर लेती है। इसमें वह सारा समाज शामिल होता है, जो उस खास भाषा का उपयोग करता है। इस भाषिक समृद्धि में 'जीवन के अनुभव' और 'अनुभव के ज्ञान की भाषा' विकसित होना आरंभ हो जाती है। प्राचीन भाषाओं के पास कथन और अभिव्यक्तियों के अपने विशेष ढंग विकसित होने लगते हैं– जब हम किसी भाषा की कहावतें, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि अध्ययन करते हैं, तब हमारे अवधान में 'जीवनानुभव के ज्ञान परम्परा की भाषिक अभिव्यक्तियाँ' और उनकी भंगिमाएँ ही होना चाहिये। वास्तव में यह भाषिक सम्पदा 'समूह अनुभव के जीवन के सार' और उसी के सूत्र हैं। 'सूत्र' की वास्तविक शक्ति उसके संक्षेपीकरण में होती है। यह अर्थों के भाषा में व्यक्त 'कूट पद' नहीं हैं, बल्कि वे संभव सामान्यता में बहुत प्रचलित और सुपरिचित अर्थों के भाषिक सूत्र जैसे होते हैं। उनके अर्थ खोलने और प्रकट करने किसी विशेष व्याख्या की आवश्यकता नहीं होती, वे समूह चित्त में पहिले ही सुपरिचित होते हैं– इसलिए एक विशेष स्थिति, घटना या दशा में ये भाषिक सूत्र पूरी स्थिति पर एक संक्षिप्त और सारपूर्ण टिप्पणी जैसे होते हैं– यहाँ भाषा बहुत अर्थवान और शक्तिशाली हो जाती है। किसी भाषा की सम्प्रेषण और रचना में अभिव्यक्ति की शक्ति को, यह सूत्र बहुत बढ़ा देते हैं। प्राचीन भाषाओं और लोक भाषाओं की शक्ति उनकी इन्हीं भाषिक सम्पदाओं में निहित होती है। अपेक्षाकृत नयी भाषाओं में, भाषिक सम्प्रेषण और अभिव्यक्तियों के सपाटपन और एकायामी होने का एक कारण यह भी है कि इनमें जीवन अनुभव की यह भाषा सम्पदा बहुत कम अथवा सीमित होती है।

हिन्दी क्षेत्र में प्रचलित प्राचीन समृद्ध लोकभाषाएँ इसीलिए एक संस्कृति भी हैं, क्योंकि उनके पीछे 'जीवन के अनुभव' की एक विशाल परम्परा में भाषाएँ बेहद अर्थगर्भा और संश्लिष्ट हैं। एक शब्द के दस-दस, बीस-बीस समानार्थी शब्द होते हैं और कहावतों, मुहावरों और लोकोक्तियों की एक परम्परा ही उनमें समाहित होती है- जो सूत्र रूप में अर्थों की एक समष्टि हैं। दूसरी ओर रचना में भाषा स्वयं एक संस्कृति को रचती है और एक सांस्कृतिक परम्परा से स्वयं प्रतिकृत होकर सर्जना का एक अनन्त विश्व रच देती है- जिन भाषओं के पास केवल सम्प्रेषण का समाज है, संस्कृति का नहीं, उनमें भाषिक अर्थों की अनुगूँज बहुत गहरी नहीं होती- भाषा की संस्कृति का निर्माण एक बहुत लम्बी प्रक्रिया है, जिसमें सम्प्रेषण के साथ सांस्कृतिक प्रतीकों और अभिप्रायों, अर्थों और संकेतों के एक समानान्तर विश्व का निर्माण होता है। वास्तव में वे भाषाएँ जिस सम्पदा से इतनी ऐश्वर्यवान होतीं हैं, वह तत्त्वत: सांस्कृतिक सम्पदा और प्रसंगत: भाषा की अपनी सम्पदा होती है। दोनों का एक दूसरे से घनिष्ट और परस्पर संबंध है।

मध्यप्रदेश के लोकांचलों में प्रचलित भाषाएँ उन जनपदों की संस्कृति और उसकी पहचान हैं- इनकी वाचिकता के विश्व में प्रवेश कर हम इन जनपदीय भाषाओं की अर्थ सम्पदा के क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। निमाड़ी भाषा के मुहावरों का यह संग्रह इस अर्थ में बड़ा महत्त्वपूर्ण है। इसका संग्रह मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति के अध्येता श्री वसन्त निरगुणे ने किया है, अकादमी इनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है। आशा है कि भाषा दर्शन में उत्सुक अध्येताओं के लिए यह प्रयास महत्त्वपूर्ण प्रतीत होगा।

- सम्पादक

मुहावरे मेरे जन्म के साथ चले हैं! जब मैं माँ के गर्भ में आया, तब मेरा 'पुंसवन संस्कार' हुआ। यह खबर लगते ही घर- परिवार में जैसे खुशी छा गई। 'बधाइयाँ बजने लगी।' लोग कहने लगे- 'बहू आशा से है।' उस समय से माँ का विशेष ध्यान रखा जाने लगा। घर में जो बहू का पैर भारी हो गया था। उसे भारी भरकम काम भी नहीं करने दिया जाता। मैं जो पेट में था। इस बात को धरती से आकाश तक फैलने में कोई देर नहीं लगी। धरती भी तो सबकी माँ है, आकाश पिता है। धरती-आकाश से यह बात कैसे छुप सकती थी? मैं माँ के पेट में पल रहा था। 'मुझमें जीव पड़ गया था।' मैं पेट में बाहर निकलने के लिये 'हाथ-पैर मारने लगा।' उस अंधेरी कोठरी से बाहर आने के लिये छटपटाने लगा, लेकिन समय से पूर्व मैं बाहर नहीं आ सकता था। नौ महीने मुझे वहीं गुजारने थे, जिसमें मेरा तन और मन बनना था। मेरा समय पूरा हुआ और मेरा जन्म हुआ। मैं आपको बता दूँ, मेरा जन्म यूँ ही नहीं हो गया। इसके पीछे मेरे माता-पिता की अनेक मान-मनौतियाँ और पूर्व जन्मों का ऋणानुबंध रहा है। मेरा जन्म बहुत मुश्किल से हुआ। इस प्रकार मेरा आगमन सृष्टि के आँगन में हुआ और मेरी जीवन गाथा का शुभारंभ हुआ।

इस उदाहरण को अभिधा में सीधे-सीधे भी कहा जा सकता था, लेकिन तब वह बात नहीं बनती, जो इस काव्यात्मक गद्य से निर्मित हो गई है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि मुहावरे ही बोली या भाषा के गठन (वाक्य) को जहाँ सशक्त और प्रभावपूर्व बनाते हैं, वहीं मुहावरे अभिव्यक्ति (भाषा) को सौन्दर्ययुक्त भी बनाते हैं। मूल बात यह है कि कहावत, अलंकार, समास आदि से भी कहीं अधिक मुहावरों का इस्तेमाल हम बोलचाल और काव्य-भाषा के व्यवहार में करते हैं। इसका मतलब मुहावरे हमारे आसपास दैनन्दिनी व्यवहार की कोख से उत्पन्न होते हैं और हमारी अभिव्यक्ति को एक नये कल्पनाशील चुम्बकीय आकर्षण से भर देते हैं। इसमें अक्षर को न जानने वाले, केवल शब्द संज्ञान में जीने वाले साधारण जन से लगाकर पढ़े-लिखे लेखक, साहित्यकार और पत्रकार तक शामिल हैं, जो अक्षर, शब्द और शब्दार्थ से भलीभाँति परिचित होते हैं। इनका भी बिना मुहावरे के काम नहीं चल पाता।

मुहावरेदार भाषा पढ़ते-पढ़ते या बोलते-बोलते हमारे मन-मस्तिष्क में उतरती चली जाती है। इसलिए एक कुशल वक्ता और लेखक बोलते या लिखते समय हमेशा सतर्क रहता है और मुहावरों का ऐसा प्रयोग करता है, जिससे उसके वक्तव्य अथवा लेखन में ताजगी और आकर्षण बना रहे। मुहावरे स्वयं में भरपूर लाक्षणिक होते हैं, जिसकी व्यंजना बहुत दूर तक के वागर्थ अथवा 'शब्दार्थ' को पकड़ती है और उसका व्यापक प्रभाव छोड़ती है।

अरबी के इस मुहावरे शब्द ने न केवल हिन्दी में बल्कि उत्तर भारत की समस्त बोलियों में अपनी जगह बना ली है। मुहावरा हिन्दी का मुहावरा बन गया है। बोलियों ने भी इसे आत्मसात् कर लिया। यह लोकसाहित्य की एक विधा के रूप में प्रतिष्ठित हो गया। साहित्य में स्वीकृत होने के पूर्व मुहावरा लोकोक्ति में समाहित रहा है, लेकिन अब मुहावरा साहित्य में अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखता है और उसके हिन्दी और बोलियों में कई मुहावराकोश प्रकाशित हुए हैं। हिन्दी बोलियों की उपज है, इसलिए बोलियों के मुहावरों का जितना अधिक संकलन और प्रकाशन होगा, उतना अधिक हिन्दी में मुहावरों का विश्व समृद्ध होगा।

मध्यप्रदेश की बुंदेली, बघेली, मालवी और निमाड़ी बोलियाँ अपने-अपने सांस्कृतिक अंचल की समृद्ध बोलियाँ हैं। प्रत्येक बोली के अपने मुहावरे, कहावतें और पहेलियाँ हैं, जिनमें मुहावरे सबसे अधिक संख्या में बोले जाते हैं। मुहावरे बोलियों के श्रृँगार हैं।

इस संग्रह में निमाड़ी के दस हजार से अधिक मुहावरे संकलित किये गये हैं, जो लगभग मेरे चालीस वर्षों की मेहनत का फल हैं। इतने मुहावरे कोई एक दिन में नहीं इकट्ठे किये जा सकते। ये एक-एक कर स्मृति में जमा होते गये, जो लोगों के व्यवहार से अर्जित हुए हैं। कहने का मतलब एक-एक निमाड़ी मुहावरा कभी न कभी मेरे अनुभव से गुजरा है, तभी तो जब इन्हें तरतीब से लिखने बैठा, तो लगे-लगे एक के बाद एक याद आते चले गये। ये मुहावरे पीढ़ियों के अनुभव की पोटलियाँ है, जब भी खोलो, इनमें कुछ न कुछ नया मिल ही जाता हैं। इनके संग्रह में किसी एक व्यक्ति का नाम नहीं लिया जा सकता है, इसमें हजारों लोग शामिल हैं, जिसमें बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएँ आदि धरती, प्रकृति और संस्कृति तीनों शामिल है। एक तरह से पूरा निमाड़ शामिल है। पर्व-त्योहार और सारे संस्कार शामिल हैं। मुहावरे एक जीवन प्रक्रिया का नाम है। रोज नये मुहावरे बनते हैं, इसलिए इन्हें किसी कोश में बांधना बेमानी है इसे संग्रह ही कहना उचित होगा।

निमाड़ी मुहावरे प्रकाशित करने का श्रेय आदिवासी लोककला एवं तुलसी साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्- भोपाल को है। यह मेरे श्रम का सम्मान है। यह तो अभी शुरूआत है, अंत नहीं है। आभार

- वसन्त निरगुणे

7, उमा विहार, नयापुरा
कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

अईं की वईं लगावणूं।
इधर की उधर लगाना। चुगली करना।

अईं–वईं करणूं।
इधर की उधर करना। बहाने करना।

अईं की नऽ वईं की।
न इधर की न उधर की। कहीं के न रहना।

अईं–वईं मुण्डो मारनूं।
इधर–उधर मुँह मारना। जबरन हस्तक्षेप करना।

अईं कुवो वईं (खाई) कराय।
इधर कुँआ उधर खाईं। दोनों तरफ मुसीबत में फँसना।

अईं–वईं देखणूं।
इधर–उधर देखना। अनसुनी करना। टालमटोल करना।

अईं–वईं की फेंकणूं।
इधर–उधर की फेंकना। गप्प हाँकना। बढ़ा–चढ़ाकर कहना।

अईं–वईं टटम्बा देणूं।
इधर–उधर टटम्बे मारना। फालतू या निरर्थक घूमना। आवारा। बिना काम काज का।

अईं–वईं मुंडो मारनूं।
इधर–उधर मुँह मारना। ताँक–झाँक करना। प्रतिष्ठा पाने की कोशिश करना।

अईं जाणूं, वईं जाणूं।
इधर जाना, उधर जाना। कुछ काम नहीं करना।

अक्कल फूटी।
बुद्धि का चकराना। निरुत्तर होना।

अक्कल आवणूं।
अकल आना। समझ में आ जाना।

अक्कल देणूं।
अकल देना। समझाना।

अक्कल दवड़ावणूं।
अकल दौड़ाना। सोच–विचार करना। ज्यादा सोचना

अक्कल सठियावणूं।
अकल सठियाना। बुद्धि भ्रष्ट होना। बुद्धि का न चलना। समयोचित बात न करना।

अक्कल चकरावणूं।
अकल चकराना। बुद्धि अचम्भित होना।

अक्कल की खाणूं।
अकल की खाना। बुद्धिमानी से कमाना।

अक्कल का घोड़ा दौड़ावणूं।
अकल के घोड़े दौड़ाना। बहुत अधिक कल्पना की उड़ान भरना।

अक्कल खरच करणूं।
अकल खर्च करना। समझदारी से कार्य करना।

अक्कल दंग रयी जाणूं।
अकल का दंग रह जाना। बुद्धि का चमत्कृत रह जाना।

अक्कल पऽ दगड़ा पड़णूं।
अकल पर पत्थर पड़ना। अवसर पर कुछ भी नहीं सूझना। उल्टी बुद्धि का होना।

अक्कल पऽ ताला पडणूं।
अक्ल पर ताला पड़ना।

अक्कल मारी जाणूं।
अकल मारी जाना। विवेक शून्य होना।

अक्कल को अजीरण।
अकल का अजीर्ण। अधिक बातें करने वाला। बे सिर पैर की बात करने वाला।

अक्कल को दुश्मन।
अकल का दुश्मन। मूर्ख, बेवकूफ।

अकल बड़ी की भयसी। (सर्व.)
अक्ल बड़ी की भैंस। गलती करने पर व्यंग्य किया जाता है। अवसर पर बुद्धि का उपयोग न करना।

अक्कल की दुम।

अकल की दुम। स्वयं को अधिक बुद्धिमान समझना।

अक्कल का पाछऽ लट्ठ लई नऽ पड़णूं। (सर्व)
अक्ल के पीछे लट्ठ लेकर घूमना। बुद्धि से काम न लेना। काम बिगाड़ना।

अक्कल चरनऽ जाणूं।
अक्ल चरने जाना। बुद्धि से काम न लेना, नासमझी की बातें करना।

अक्कल सी नातो टूटणूं।
अकल से नाता टूटना। कुछ न समझना, मूर्खता करना।

अक्कल को फुतलो।
अकल का पुतला। बहुत अधिक बुद्धिमान। प्रज्ञावान।

अक्कल को पूरो।
अक्ल का पूरा। व्यंग्य से-मूर्ख।

अकबकई जाणूं।
अकबका जाना। आश्चर्य में पड़ जाना। अचम्भित रह जाना।

अकेलो राम।
अकेला राम। अकेले का भरोसा।

अकेलो-दुकेलो।
अकेले-दुकेलो। बिना साथी के।

अकेला चणा सी भाड़ नी फूटती। (सर्व.)
अकेले चने से भाड़ नहीं फूटती। अकेले व्यक्ति से काम नहीं होता।

अक्कल सी काम लेणूं।
अकल से काम लेना। समझदारी से काम करना।

अक्कल उधार लेणऽ जाणूं।
अकल उधार लेने जाना। दूसरों की सलाह से कार्य करना।

अक्कल काई उधार लेणऽ जाणूं पड़ज?
अकल क्या उधार लेने जाना पड़ता है?। व्यंग्य से- स्वयं की बुद्धि का उपयोग नहीं करना।

अक्कल चकराणूं।
अक्ल चकराना। आश्चर्य करना।

अक्कल की वात।
अक्ल की बात। बुद्धिमानी की बात।

अक्कल को दिवाळो निकलणूं।
अक्ल का दिवाला निकलना। कुछ भी समझ में नहीं आना।

अक्कल खऽ येची आवणूं। (खाणूं)।
अकल को बेच आना। (खाना)। बुद्धि से काम लेने में कंजूसी करना।

अक्कल खोरो।
अकल खोरा। अत्यन्त तेजस्वी। बुद्धिमान।

अक्कल को अधेलो।
अकल का अधेला। बुद्धि में कमी होना।

अक्कल को टोटो।
अकल का टोटा। बुद्धि की कमी।

अक्कल को नांव गेलसप्पो।
अकल का नाम गेलसप्पा। बुद्धि से शून्य। अर्द्ध पागल।

अक्कल नी होय तो बोलणूं नी।
अकल नहीं हो तो बोलना नहीं चाहिए। बिना बुद्धि (तर्क) के बीच में बोलना ठीक नहीं।

अक्कल को ठिकाणो नी।
अकल का ठिकाना नहीं। समयोचित नहीं बोलने वाला।

अक्कल को पाणी भरणूं।
अकल का पानी भरना। आर्श्चयचकित होना।

अक्कल चली नी।
अक्कल चलना नहीं। बुद्धि का कुन्द हो जाना।

अक्कल मऽ चलणी लगणूं।
अक्कल में चलनी लगना। समझदारी की बात समझ में न आना। बुद्धि का छन जाना।

अक्कल को दरवाजो खुलणो नी।
अकल का दरवाजा खुलना नहीं। जरा भी बुद्धि नहीं आना। मूर्ख।

अक्कल बटी रही थी तवं तू कां थो?
अकल बँट रही थी, जब तू कहाँ था?। व्यंग्य में- महामूर्ख।

अक्कल ठिकाणऽ आवणूं।
अक्कल ठिकाने आना। सबक मिलना। नसीहत लगाना।

अकाल पड़णूं।
अकाल पड़ना। अभाव में आना।

अक्काड़ी लगावणूं।
अक्काड़ी लगाना। सब कुछ खर्च कर देना। धन खर्च कर देना।

अकड़ी नऽ रयणूं।
अकड़कर रहना। घमण्ड में रहना।

अकड़ बतावणूं।
अकड़ बताना। घमण्ड बताना। हठ करना।

अकड़ी नऽ चलणूं।
अकड़कर चलना। ऐंठ कर चलना।

अकड़ी जाणूं।
अकड़ जाना। कड़ा हो जाना। क्रोध दिखाना। रूठ जाना।

अकड़ नी जाणूं।
अकड़ नहीं जाना। दुर्दशा में भी नम्रता न आना।

अकड़ निकळणूं।
अकड़ निकलना। अपमानित होकर उद्दण्डता छोड़ना।

अकड़ू भुट्टो।
अकड़ू भुट्टा। अधिक घमण्डी। उद्दण्ड होना।

अकलवरी को काम करनूं।
अक्कल का काम करना। बुद्धि से श्रेष्ठ काम करना।

अखरनऽ वाली बात।
अखरने वाली बात। मन में अच्छा नहीं लगना। बात का चुभना।

अखरनऽ लगणूं।
अखरने लगना। बुरा लगना।

अखूट धन-सम्पत्ति होणूं।
अखूट सम्पत्ति होना। धनवान व्यक्ति होना।

अक्षर सी वास्तो नी।
अक्षर से सम्बन्ध नहीं। निरक्षर। अनपढ़।

अक्षर-अक्षर घोटणूं।
अक्षर-अक्षर घोटना। एक-एक शब्द कण्ठस्थ कर लेना।

अक्षर नी आवतो।
अक्षर नहीं आता। निरक्षर। अनपढ़।

अखाड़ो बणानूं।
अखाड़ा बनाना। लड़ाई का स्थान बनाना। वाद विवाद खड़ा कर देना।

अखाड़ो गोदणूं।
अखाड़ा गोदना। कुश्ती का मैदान तैयार करना।

अखाड़ा सी भागणूं।
अखाड़े से भागना। हार स्वीकार करके चले जाना।

अखाड़ो जमाणूं या जमणूं।
अखाड़ा जमाना। जमना। किसी जगह बहुत से आदमियों का एक साथ जमावड़ा होना या जुटाना।

अग्या बैताल होगूं।
अग्या वैताल होना। बहुत तेज, चंचल होना। साहसी। बात-बात पर क्रोध करने वाला।

अगर-मगर करनूं।
अगर-मगर करना। हिले हवाले करना। आना-कानी करना। व्यर्थ तर्क करना।

अगाड़ी-पिछाड़ी सोचणूं।
आगे-पीछे सोचना। भविष्य और अतीत के बारे में सोचकर कार्य करना।

अगास का तारा तोड़णूं। (सर्व.)
आकाश के तारे तोड़ना। असम्भव कार्य करना।

अग्गास मऽ बुरको करनूं। (सर्व.)
आकाश में छेद करना। असम्भव कार्य करना।

अगास-पाताल एक करनूं। (सर्व.)
आकाश-पाताल एक करना। शक्ति से अधिक कार्य करना।

अग्गम नी सोचणूं।
आगे की नहीं सोचना।
वर्तमान के बारे में पहले सोचना चाहिए। बाद में भविष्य को सोचना।

अग्गम पच्छम की सोचणूं।
आगे-पीछे की सोचना। हानि-लाभ या भला-बुरा सोचकर कार्य करना।

अग्गर ढोवणूं।
अग्गर ढोना। अनिच्छा से बोझा ढोना।

अंक मऽ भरनूं।
अंक में भरना। लिपटाना।

अंक देणूं।
अंक देना। आलिंगन करना। गोद में लेना।

अंग-अंग फड़कणूं।
अंग-अंग फड़कना। शरीर के प्रत्येक अंग से स्फुरण होना। तत्पर होना।

अंग-अंग ढीलो होणूं।
अंग-अंग ढीला होना। थक जाना। सुस्त होना।

अंग-अंग फूलो नी समावणूं।
अंग-अंग फूला नहीं समाना। अत्यधिक प्रसन्न होना। गौरव से भर जाना।

अंग-अंग मुस्कुरावणूं।
अंग-अंग मुस्कराना। रोम-रोम से प्रसन्नता छलकना।

अंग-अंग शिथिल होणूं।
अंग-अंग शिथिल होना। पूरे शरीर में कमजोरी होना।

अंग उभरनूं।
अंग उभरना। यौवन के लक्षण दिखना। लड़की का जवान होना।

अंग-अंग मऽ आग लगणूं।
अंग-अंग में आग लगना। क्रोध अथवा ईर्ष्या से पूरा बदन जलना।

अंग टूटणूं।
अंग टूटना। बदन में दर्द होना।

अंग मोड़णूं।
अंग मोड़ना। सिकुड़ना। पीछे हटना।

अंग लगणूं।
अंग लगना। हजम होना। स्वास्थ्य बढ़ना।

अंग लगावणूं।
अंग लगाना। बाँहों में भरना। लिपटाना।

अंग चुरावणूं।
अंग चुराना। संकुचित होना।

अंग बचाणूं।
अंग चुराना। काम में मन नहीं लगाना। काम से जी चुराना।

अंगड़-खंगड़।
लोहा लंगड़। टूटा फूटा, फालतू सामान।

अंगूर खट्टा छे। (सर्व.)
अंगूर खट्टे हैं। कठिनाई से प्राप्त होने वाली चीज।

अंगूठों दिखाणूं। (सर्व.)
अंगूठा दिखाना। बताना। किसी वस्तु को देने या कोई काम करने से साफ इन्कार करना।

अंगूठो नचावणूं।
अंगूठा नचाना। चिढ़ाना।

अंगूठी को नग।
अंगूठी का नग। अत्यन्त प्रिय और सुन्दर।

अंगूठी को नगीनों होणूं।
अंगूठी का नगीना होना। बहुत प्रिय होना।

अंगळई उठावणूं।
अंगुली उठाना। किसी की ओर संकेत करना, दोष देना। दोषी ठहराना।

अंगळई काटणूं।
अंगुली काटना। अचम्भित होना।

अंगळई नऽ पऽ नचावणूं।
अंगुली पर नचाना। ईशारों पर काम करवाना। अपने अनुकूल करना।

अंगळई पऽ नाचणूं।
अंगुली पर नाचना। वशीभूत होना।

अंगळई लगावणूं।
अंगुली लगाना। छूना, मारना, थोड़ा सा परिश्रम करना।

अंगळई करनूं।
अंगुली करना। परेशान करना।

अंगळई पकड़ी नऽ पोचयो पकड़णूं।
अंगुली पकड़कर पहुँचा पकड़ना। थोड़ा सहारा पाकर अधिक की इच्छा करना।

अंगार उगलणूं।
अंगार उगलना। कड़ी या कटु बातें कहना।

अंगार बरसणूं।
अंगार बरसना। बहुत तेज धूप पड़ना। किसी बात पर बहुत क्रोध करना।

अंगार नऽ पऽ चलणूं।
अंगारों पर चलना। जानबूझकर अहितकर कार्य करना या खतरा उठाना।

अंगार नऽ पऽ लोटणूं।
अंगारों पर लोटना। कष्ट पाना, ईर्ष्या होना, रोष प्रकट करना। दूसरों को कष्ट देना।

अ

अंगार उठावणूं।
अंगारे उठाना। सत्य की कड़ी परीक्षा करना।

अंगार होणूं।
अंगार होना। क्रोध से लाल होना।

अंगार माथा पऽ धरणूं।
अंगार माथे पर रखना। बहुत कष्ट सहन करना।

अंगार नऽ पऽ पांय धरणूं।
अंगारों पर पैर रखना। कठिन काम करना।

अंगार नऽ पऽ चलणूं।
अंगारों पर चलना। अत्यन्त कठिन काम। जान जोखिम में डालना। एक अनुष्ठान।

अचम्भो होणूं।
अचम्भा होना। आश्चर्य होना। अचरज होना।

अचार न्हाखणूं।
अचार डालना। अच्छी तरह से पिटाई होना। किसी काम में न आना।

अच्छो होणूं।
अच्छा होना। सब कुछ ठीक या भला होना।

अच्छो-अच्छो।
अच्छा-अच्छा। सबसे श्रेष्ठ, बड़ा-बड़ा।

अच्छो आवणूं।
अच्छा आना। ठीक समय पर आना।

अच्छो करणूं।
अच्छा करना। शुभ कार्य करना।

अच्छो कयणूं।
अच्छझ कहना। प्रशंसा करना।

अच्छा दिन आणूं।
अच्छे दिन आना। भाग्य का खुलना।

अच्छी कटणूं या काटणूं।

अच्छे से कटना या काटना। आराम से सुखदायी दिन गुजरना।

अच्छा कऽ अच्छो कयणूं।
अच्छे को अच्छा ही कहना। अच्छे की बुराई नहीं करना।

अच्छो सोचणूं नऽ अच्छो करणूं।
अच्छा सोचो और अच्छा करो। सकारात्मकता जीवन में फलित होती है।

अच्छाई को साथ नी छोड़णूं।
अच्छाई का साथ नहीं छोड़ना। अच्छाई के साथ सदैव रहना चाहिए।

अच्छा सी पाळो पड़णूं।
अच्छे से पाला पड़ना। व्यंग्य में बेढंगे आदमी से साबका पड़ना।

अच्छो रयणूं।
अच्छे रहना। स्वस्थ रहना।

अछोळ होणूं।
अछोल होना। भीड़ कम होना।

अछूती कूख।
अछूती कोख। नि:सन्तान। बाँझ स्त्री।

अछूती वात।
अछूती बात। सबसे मौलिक बात।

अजगर की तरह पड़ी रह्यणूं।
अजगर की तरह पड़ा रहना। आलस्य में दिन बिताना।

अजगर का मुंडा मऽ जाणूं।
अजगर के मुँह में जाना। किसी बड़े काम या व्यक्ति के द्वारा सामान्य और छोटे व्यक्तियों का अस्तित्त्व का लोप हो जाना।

अजायब घर मऽ धरनऽ का काबिल छे।
अजायबघर में रखने काबिल है। आश्चर्यजनक। अद्भुत। कुछ विशेष।

अजगर कोई काम करज?
अजगर कोई काम करता है? आलसी आदमी श्रम से बचता है।

अटकल लगाणूं।
अटकल लगाना। अनुमान लगाना।

अटकल झाड़णूं।
अटकल झाड़ना। अन्दाज से कुछ भी कहे जाना। अटकल बाज।

अटकल पच्चू हाँकणूं।
अटकल पच्चू हाँकना। अन्दाज से बड़ी-बड़ी बातें करना।

अटकन होणूं।
अटकन होना। बीच में काम रुक जाना।

अटक होणूं।
अटक होना। कार्य में कोई रुकावट आ जाना। अवरोध।

अटल हुई जाणूं।
अटक हो जाना। निश्चिन्त हो जाना। पक्का हो जाना। अड़ जाना।

अटणूं।
अटना। धूल जमा हो जाना।

अटवाड़ी-खटवाड़ी लई नऽ सोवणूं।
अटवाड़ी-खटवाड़ी लेकर सोना। काम धन्धा छोड़कर मौन अवस्था में ओढ़ कर सो जाना।

अटपट बोलनू।
अटपट बोलना। कुछ तो भी बोलना। जो समझ में न आये।

अटूट रिस्तो होणूं।
अटूट रिश्ता होना। न टूटने वाला गहरा रिश्ता।

अंटी करणूं।
अंटी करना। वस्तु को अपने अधिकार में कर लेना। वस्तु को छिपा लेना या चुरा लेना।

अंटी मारणूं।
अंटी मारना। जुए में कौड़ी छिपा लेना। दाँव लगा लेना।

अट्ठा पंजा लगाणूं।
अट्ठे पंजे लगाना। दाँव लगाना, धात लगाना, जुगाड़ लगाना।

अठवाड़ी वसूलनूं।
अठवाड़ी वसूलना। हाट बाजार में दी गई उधारी वसूल करना।

अठखेल नऽ करनूं।
अठखेलियाँ करना। खेल करना।

अठन्नी को काई माजनो।
अठन्नी का क्या मोल? छोटे सिक्के की कोई औकात नहीं।

अड़चन न्हाखणूं।
अड़चन डालना। अवरोध पैदा करना।

अड्डो जमावणूं।
स्थायी। नियमित आकर बैठना।

अड़ी नऽ बठणूं।
अड़कर बैठना। हठ करना।

अड़ी दड़ी नऽ बठणूं।
अड़कर बैठ जाना, उठने का नाम नहीं। सत्याग्रह कर देना।

अड़ी नऽ उबणूं।
अड़कर खड़े होना। मार्ग अवरुद्ध कर देना।

अड़ी पऽ काम आवणूं।
अड़ी पर काम आना। विपत्ति में सहायता करना।

अड़ियल टट्टू होणूं।
अड़ियल टट्टू होना। रुक-रुक (अड़-अड़कर) कर काम करना।

अड़ई देणूं।
अड़ा देना। रोक देना। लड़की को मायके में अड़ा देना।

अड़िग रयणूं।
अड़िग रहना। अपनी जगह या बात पर जमे रहना।

अड़ी-अड़ी नऽ चलनूं।
अड़-अड़ कर चलना। रुक-रुक कर चलना।

अड़म रस्तो चलनूं।
अड़म रास्ते पर चलना। उबड़-खाबड़ दुर्गम राह चलना।

अड़म झोड़पो।
अड़म झोड़पा। अंड-बंड चलने वाला।

अडंगो लगावणूं।
अड़ंगा लगाना। बाधा पहुँचाना।

अडबणूं।
अड़बना। समेट लेना।

अंडा पऽ बठणूं।
अंडों पर बैठना। अण्डे सेना।

अड्डा पऽ बठणूं।
अड्डे पर बैठना। वैश्या बन जाना।

अण्ड-बण्ड बकणूं।
अण्ड-बण्ड बकना। निरर्थक गलत बातें जोर-जोर से बोलना।

अडंगी मारणूं।
अडंगी मारना। रुकावट डालना।

अड़ी न्हाखणूं।
अड़ी डालनी। रुकावट डालना। जिद करना।

अढ़ाई चावल की खिचड़ी पकावणूं।
अढ़ाई चावल की खिचड़ी पकाना। अपना अलग कार्य करना। असहयोगी रुख।

अढ़ाई दिन को मिजवान।
अढ़ाई दिन का मेहमान। थोड़े दिन का जीवन।

अतर लगाणूं।
अतर लगाना। इत्र लगाना। सम्मान करना। हाथ की मुट्ठी पर इत्र लगाकर सम्मान करने की परम्परा है।

अतरन्-मतरन्।

अतरना-मतरना। झाड़ फूँक करना। तंत्र-मंत्र करना।

अतड़ी लमऽ वळ पडणूं।
अतड़ी में बल पड़ना। आँतों में ऐंठन होना, दर्द उठना।

अतड़ी हेडणूं।
अतड़ी निकालना। पेट में चाकू मार कर अतड़ियों को बाहर करना।

अतड़ी खैचणूं।
अतड़ी खींचना। चाकू मार कर अतड़ियाँ खींच लेना। धौंस देना। डराना।

अतड़ी नऽ कुलबुलाणूं।
अंतड़ियाँ कुलबुलाना। भूख लगना।

अतड़ी नऽ जलणूं।
अतड़ियाँ जलना। तेजी से भूख उछलना।

अतड़ी नऽ गळा मऽ आवणूं।
अतड़ियाँ गले में आना। विपत्ति में फँसना।

अतड़ी नऽ आग लगणूं।
अतड़ियों में आग लगना। भूख के कारण बेहाल होना।

अतड़ी नऽ सिकुड़ना।
न खाने के कारण आँतों का ऐंठना। खूब भूख लगना।

अतड़ी नऽ भेळी होणूं।
अतड़ियाँ भेली होना। पेट में असहनीय दर्द होना।

अति करणूं।
अति करना। किसी कार्य या बात में अतिरेक करना।

अति को मुंड़ो काळो।
अति का मुँह काला। अति किसी चीज में नहीं होना चाहिए।

अथ सी इति तक। (सर्व.)
आदि से अन्त तक।

अथाह सागर मऽ डूबणूं।
अथाह समुद्र में डूबना। गहरे सोच विचार में डूबना।

अथाह सागर मऽ गोता लगावणूं। (सर्व.)
अथाह समुद्र में गोते लगाना। अत्यन्त गहरी बातों में रुचि लेना। मर्म को जानने की कोशिश करना।

अथाह समन्दर मऽ छोड़ देणूं।
अथाह समुद्र में छोड़ देना। जहाँ मदद की आवश्यकता हो, वहीं अधबीच में साथ छोड़ देना।

अथ कथा इति। (सर्व.)
अब कथा समाप्त होती है।

अथाणो न्हाखणूं।
अचार डालना। व्यंग्य में किसी का न होना।

अदवई सी देणूं।
अधवई से देना। खेत की बुवाई। कटाई आधे-आधे हिस्से में देना।

अदवाण खींचणू।
अदवान खींचना। खटिया की पैर तरफ की लम्बी रस्सी खींचना। कसावट लाना।

अदला-बदली करणूं।
अदला-बदली करना। हेर-फेर करना।

अदब करणूं।
अदब करना। सम्मान करना। आदर करना।

अदब मऽ रयणूं।
अदब में रहना। सभ्यता से रहना।

अद्दर-अद्दर चलणूं।
ऊपर-ऊपर चलना। घमण्ड में चूर होना।

अद्दर सी हेटऽ तक बिगड़णूं।
ऊपर से नीचे तक बिगड़ना। बड़े आफिसर से लगाकर चपरासी नेता से छुटभैया तक भ्रष्ट होना।

अधर मऽ लटकणूं।
अधर में लटकना। बीच में फँस जाना।

अधर मऽ छोड़णूं। (पटकणूं)।

अधर में छोड़ना। पटकना। बीच में साथ छोड़ जाना।

अधूरो काम करनूं।
अधूरा काम करना। आधा काम करके छोड़ देना।

अंधेरो छाई जाणूं।
अंधेरा छा जाना। कुछ भी दिखाई न देना। कुछ भी समझ में न आना।

अंधेरा मऽ राखणूं।
अन्धेरे में रखना। अज्ञान में रखना। स्थिति को न बताना। सच्ची बात न बताना।

अन्धा करनूं।
अन्धा करना। ज्ञान शून्य कर देना। नेत्रहीन।

अन्धो होणूं।
अन्धा होना। दिखाई न देना। समझ में न आना। एक ही बात को मानना।

अन्धा कुआ मऽ ढकेलणूं।
अन्धे कुँए में ढकेलना। सत्यानाश करना। जहाँ से नई राह न सूझे।

अंधा का हाथ बटेर लगणूं।
अंधे के हाथ बटेर लगना। अनायास अयोग्य को कुछ मूल्यवान चीज मिल जाना।

अन्धा खऽ आँख मिलणूं।
अन्धे को आँख मिलना। मनचाही चीज मिल जाना। लाभ होना।

अन्धा खऽ अन्धो कयणूं।
अन्धे को अन्धा कहना। बुरे को बुरा कहना।

अन्धा खऽ चिराग दिखाणूं।
अन्धे को चिराग दिखाना। अज्ञानी को ज्ञान देना। रास्ता दिखाना।

अन्धो पीसऽ नऽ कुतरा खाय।
अन्धा पीसे कुत्ते खाये। अज्ञानी कमाये और दूसरे उसका मजा उठाये।

अंधेरा-उजाला मऽ काम करणूं।
अंधेरे उजाले में काम करना। चोरी छिपे काम करना। वक्त बेवक्त काम करना।

अन्धा का आगऽ रोवणूं नऽ अपणा दीदा खोणूं।
अन्धे के आगे रोना और अपनी आँखें खोना। अज्ञानी अथवा नासमझ (मूर्ख) को समझाने से कोई लाभ नहीं।

अन्धेर मचावणूं।
अन्धेर मचाना। मनमानी करना। लूटना।

अन्धेर करनूं।
अन्धेर करना। अन्याय करना।

अन्धा कुआ मऽ पड़णूं।
अन्धे (अन्धेरे) कुँए में गिरना। घोर अन्याय करना।

अन्धेरा मऽ तीर चलावणूं।
अन्धेरे में तीर चलाना। अन्दाज से काम करना। समय खराब करना।

अन्धेरा मुंडा निकलणूं।
अन्धेरा मुँह निकलना। सूर्योदय से पूर्व अलस भोर में निकलना।

अंधेर-उजाला मऽ।
अन्धेरे-उजाले में। वक्त बेवक्त। सुख-दुःख में।

अन्धेर नगरी चौपट राजा। (सर्व.)
अन्यायपूर्ण व्यवस्था।

अन्धा की लाकड़ी।
अन्धे की लकड़ी। एक मात्र सहारा।

अन्धा धुन्ध उड़ाणूं। (चळणूं)।
अन्धाधुंध उड़ाना। चलाना। बिना सोचे-विचारे खर्च करना। बिना सोचे-विचारे चलना।

अन्धेरगर्दी करणूं।
अन्धेरगर्दी करना। अन्याय करना। दूसरों को सताना।

अंधरा मऽ उजाळो होणूं।

अंधेरे में उजाला होना। आशा का प्रकाश फैलना। निराशा दूर होना।

अन्धेरी रात होणूं।

अन्धेरी रात होना। दु:ख का समय आना। अन्याय-अव्यवस्था।

अंधेरी छाणूं।

अंधेरी छाना। काले बादलों से अंधेरा छाना। शोक, निराशा होना। दिखाई न देना।

अन्धेरा मऽ टटोळणूं। (चपलणूं)।

अन्धेरे में टटोलना। चपलना। अनुमान से काम करना। अंधेरे में कुछ ढूँढना।

अन्धा लंगड़ा को साथ होणूं।

अन्धे और लंगड़े का साथ होना। एक दूसरे का पूरक होना।

अन्धा खऽ काई चायजे, बस एक आँख।

अन्धे को क्या चाहिए बस एक आँख। अधिक आवश्यकता में थोड़ी चीज भी मनचाही मिल जाय तो सन्तुष्टि मिल जाती है।

अन्धेरो पीणूं।

अन्धेरा पीना। उजाला करना। दु:ख दूर करना।

अन्धो बणाणूं।

अन्धा बनाना। धोखा देना। आँख में धूल झोकना।

अन्धा बणणूं।

अन्धा बनना। लापरवाह। बेफिक्र होना।

अन्धेर खातो होणूं।

अन्धेर खाता होना। अन्याय। अनुचित कार्य होना।

अन्धेर मचणूं।

अन्धेर मचना। गड़बड़ी होना।

अंधेरी कोठरी मऽ पलणूं।

अंधेरी कोठरी में पलना। गर्भ। कोख में पलना।

अंधेरो देखणूं।

अंधेरा देखना। बुरा समय देखना। विपत्ति उठाना।

अन्धभक्त होणूं।

अन्ध भक्त होना। किसी की हर बात को मानने वाला।

अन्धविस्वास करणूं।

अन्धविश्वास करना। आँख मीचकर बात स्वीकार करना।

अनसुणो करणूं।

अनसुना करना। ध्यान न देना।

अनजान बणणूं।

अनजान बनना। जानते हुए भी न जानना।

अनमानती।

बिचारी। असहाय। जो मिले खाकर पड़ी रहने वाली।

अनमोल हीरो बणणूं।

अनमोल हीरा बनना। अमूल्य, सर्वश्रेष्ठ।

अन्न अंगऽ नी लगणूं।

अन्न अंग में नहीं लगना। भोजन खाने पर भी खून न बनना। सेहत का न बढ़ना।

अन्न जल उठणूं।

अन्न जल उठना। आबोदाना उठना। जीविका के साधन न रहना। मर जाना।

अन्न माटी होणूं।

अन्न मिट्टी होना। सड़ जाना। नष्ट हो जाना।

अन्न से तन।

भोजन से ही शरीर बनता है।

अन्न जसो मन।

अन्न जैसा मन। जैसे भोजन करेंगे, वैसा मन होगा।

अन्न पाणी लगणूं।

अन्न पानी लगना। स्वास्थ्य सुधरना। खाने-पीने का असर दिखना।

अन्न कऽ लात नी मारनूं।
अन्न को पैर नहीं मारना। अन्न (सभी अनाज) को देवता माना गया है, इसलिए उसे ठोकर का निषेध है।

अन्न जल छोड़णूं।
अन्न जल छोड़ना। उपवास करना। कुछ न खाना। मरणासन्न।

अन्न जल (पाणी) होणूं।
अन्न पानी होना। कहीं रहना बदा होना, कोई न कोई सम्बन्ध होना।

अन्न को दाणो मुंडा मऽ नी जाणूं।
अन्न का दाना मुँह में न जाना। कुछ न खाना।

अनाप-सनाप बकणूं।
अनाप-सनाप बकना। उटपटांग, व्यर्थ की बातें करना।

अन्नाज का गाड़ा घिसाज।
अनाज की गाड़ियाँ चलती है। खेत में खूब अन्न पैदा होना।

अनाज को दुस्मन।
अनाज का दुश्मन। पेटू। बहुत खाने वाला।

अनन्त निद्रा मऽ सोवणूं।
अनन्त निद्रा में सोना। मृत्यु को प्राप्त होना।

अन्न को कीड़ो।
अन्न का कीड़ा। मनुष्य अन्न का कीड़ा है। अन्न ही खाता है।

अन्न सी छेटी पड़णूं।
अन्न से दूरी होना। भूखे मरना।

अन्न की वोखारी नऽ भराज।
अन्न की कोठियाँ भरती हैं। घर में खूब अनाज का होना।

अन्न चौकी नऽ सी नपाज।
अनाज चौकियों से नपता है। खूब अनाज का होना, जिसकी नपाई करना मुश्किल होता है।

अन्नज धन होज।
अनाज ही धन होता है। किसान के लिये जितना अधिक अनाज होता है, वही उनके लिये धन होता है।

अनधन सी परिपूरण होणूं।
अन्न धन से परिपूरित होना। घर में सब तरह का आनन्द होना।

अनधन लछमी की कमी नी हंई।
अन्नधन सम्पत्ति की कमी न होना। घर में सुख सम्पदा ऐश्वर्य का वास है।

अनधन सी कोई बड़ो नी बणतो।
अन्नधन से कोई बड़ा नहीं होता। केवल धनवान होने से कोई बड़प्पन नहीं प्राप्त कर सकता, उसके लिये दिल दिमाग भी बड़ा होना चाहिए।

अपणा पांय पऽ कुल्हाड़ी मारनूं।
अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना। जानबूझकर विपत्ति में फँसना। स्वयं की गलती से हानि उठाना।

अपणा पांय पर खड़ो होणूं।
अपने पैर पर खड़ा होना। अपने बलबूते पर जीवन निर्वाह योग्य आमदनी करना।

अपणा पांय पयलऽ देखणूं।
अपने पाँव पहले देखना। अपनी सामर्थ्य पहले देखना।

अपणो घर पयलऽ देखणूं।
अपना घर पहले देखना। अपनी परिस्थिति का मूल्यांकन पहले करना चाहिए।

अपणा माथऽ लेणूं।
अपने माथे पर लेना। जिम्मेदारी उठाना।

अपणा मुंडा मियां मिट्ठू बणणूं। (सर्व.)
अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना। अपनी तारीफ आप करना।

अपणा गिरेबान मऽ झांकणूं।
अपने गिरेबान में झाँकना। अपनी हैसियत को स्वयं नापना।

अपणो उल्लू सीधो करनूं। (सर्व.)
अपना उल्लू सीधा करना। अपना मतलब या कार्य निकालना। अपना ही स्वार्थ सिद्ध करना।

अपणा कर्‌यो को फल पावणूं।
अपने किये का फल पाना। जैसा कर्म करना उसका फल भी वैसा ही मिलता है।

अपणोज राग अलापणूं।
अपना ही राग अलापना। अपना-अपना ही कहना, दूसरों की कोई बात नहीं सुनना।

अपणो ढोल पीटणूं।
अपना ढोल पीटना। अपनी बात कहना। अपना ही प्रचार करना।

अपणो ठिकाणो करनूं।
अपना ठिकाना करना। किसी जगह रहने की व्यवस्था करना।

अपणो परायो होणूं।
अपना पराया होना। मित्र या सगा शत्रु होना।

अपणा घर खऽ समझणूं।
अपने घर को समझना। घर की जिम्मेदारी समझना। गृहस्थी समझना।

अपणो-बिराणो समझणूं।
अपना-बिराना समझना। भला-बुरा समझना।

अपणो-अपणो करनूं।
अपना-अपना करना। स्वार्थ में लगे रहना।

अपणो-अपणो देखणूं।
अपना-अपना देखना। स्वार्थ में लीन होना।

अपणा मऽ मस्त रयणूं।
अपने में मस्त रहना। अपने बारे में ही सोचना। खोये रहना।

अपणी नींद सवणुं नऽ अपनी नींद जागणूं।
अपनी नींद सोना और अपनी नींद जागना। बेफिक्र होना। किसी प्रकार की चिन्ता न होना।

अपणा राम होणूं।
अपने राम होना। अपने में लीन होना। स्वयं का महत्त्व समझना।

अपणी पऽ आवणूं।
अपनी पर आना। हठ करना। जिद करना। अपना स्वभाव दिखाना।

अपणी खऽ लाट साब समझणूं।
अपने को लाट साब समझना। खुद को बड़ा आदमी समझना।

अपणा खऽ गुनागार समझणूं।
अपने को गुनाहगार समझना। अपने आपको दोषी समझना। पश्चाताप करना।

अपणा गिरह को काई जाणूं।
अपने गिरह का क्या जाना। स्वयं का कुछ भी खर्च नहीं होना।

अपणा गिरह से खरचणूं।
अपने गिरह से खरचना। अपनी जेब से खर्च करना।

अपणा गिरेबान मऽ मुंडो न्हाखणूं।
अपने गिरेबान में मुँह डालना। अपने गुण दोष देखना।

अपणा तक राखणूं।
अपने तक रखना। किसी गुप्त बात को उजागर न करना। अपने तई गुप्त रखना।

अपणा तोसा भरोसा रयणूं।
अपने भरोसे पर रहना। स्वयं के आत्म विश्वास के साथ रहना।

अपणी आणी -काणी सी रयणूं।
अपने आन-कान से रहना। अपनी इज्जत से रहना। मर्यादा से रहना।

अपणा पांय पर दगड़ो लेणूं।
अपने पाँवों पर पत्थर लेना। अपनी मुसीबत स्वयं बुलाना।

अपणा हक्क का लेण लड़णूं।
अपने हक के लिये लड़ना। अधिकार के लिये सतर्क रहना।

अपणा हाथ सी अपणी कबर खोदणूं।
अपने हाथ से अपनी कब्र खोदना। अपनी मौत को आमन्त्रित करना। अपने को नष्ट करना।

अपणी छाती पऽ हाथ धरी नऽ कयणूं।
अपनी छाती पर हाथ रखकर कहना। दूसरे को विश्वास में लेना।

अपणी बीती बतावणूं।
अपनी बीती बताना। खुद पर जो गुजरी, उसका बयान करना।

अपणी हरई-मरई केखऽ बतावणूं।
अपनी आप बीती किसे बताना। अपने धोखे खाये की बात किसे बताये। अपनी गलती किसे बताना।

अपणा निच्च अंधेरो होय तो केखऽ कयणूं?
अपने नीचे अंधेरा हो तो किसे कहें? अपनी गलती की सार्वजनिक स्वीकृति न करना।

अपणा डोला नऽ सामनऽ चूनो लगावणूं।
अपनी आँखों के सामने चूना लगाना। देखते-देखते धोखा देना।

अपणा डोळा नऽ सी देखणूं।
अपनी आँखों से देखना। प्रत्यक्ष आँखों से देखना। चश्मदीद।

अपणा हाथ सी धरनूं।
अपने हाथ से रखना। प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरुरत नहीं।

अपणा हाथ कटाड़णूं।
अपने हाथ कटवाना। पूर्व सहमति दे देना, बाद में प्रश्न उठाने से कोई लाभ नहीं।

अपणा हाथ की वात होणूं।
अपने हाथ की बात है। व्यक्ति के माध्यम से सरलता से कार्य होना।

अ

अपणा हाथ को मैल होणूं।
अपने हाथ का मैल है। अपने श्रम से कमाया हुआ पैसा है।

अपणो हाथ देणूं।
अपना हाथ देना। रिश्ते के लिये हाथ बढ़ाना।

अपणा हाथ मऽ नी होणूं।
अपने हाथ में न होना। अपने बस की बात नहीं।

अपणा हाथ की कठपुतली होणूं।
अपने हाथ की कठपुतली होना। इशारे पर चलना।

अपणा हाथ टेकणूं।
अपने हाथ टेकना। हताश होना।

अपणा घुटना टेकणूं।
अपने घुटना टेकना। दासता स्वीकार करना।

अपणो रस्तो नापणूं।
अपना रास्ता नापना। बिना किये निकल जाना।

अपणा रस्ता को काटो होणूं।
अपने रास्ते का कांटा होना। दुश्मन होना।

अपणा रस्ता पऽ चलणूं।
अपने रस्ते पर चलना। अपने उसूलों पर चलना।

अपणी खिचड़ी अल्लग पकाणूं। (सर्व.)
अपनी खिचड़ी अलग पकाना। अपने को सबसे अलग रखना।

अपणो सिक्को खोटो होणूं। (सर्व.)
अपना सिक्का खोटा होना। अपने बच्चे या आदमी में बुराई होना।

अपणो बोयो खुदज काटणूं।
अपना बोया आप ही काटना। जैसा करना वैसा पाना।

अपणी आबरू अपणा हाथ होणूं।
अपनी इज्जत अपने हाथ होना। अपनी इज्जत बनाना-बिगाड़ना अपने हाथ में होना।

अपणोज घर समझणूं।
अपना ही घर समझना। नि:संकोच रहना।

अपणा पऽ आवणूं।
अपने पर आना। अचानक जिम्मेदारी आना।

अपणा गळा अपणा हाथ सी नी होणूं।
अपना गला अपने हाथ से नहीं होना। अपनी बीमारी अपने से ठीक नहीं होती।

अपणी गळी मऽ शेर होणूं।
अपनी गली में शेर होना। अपने क्षेत्र में प्रभावशाली होना।

अपणो सो मुंडो लई नऽ होणूं।
अपना सा मुँह लेकर होना। मायूस होना। चेहरा उतर जाना। खिसिया कर चले जाना। लज्जित होना।

अपणा हाथ सी जाणूं।
अपने हाथ से जाना। अपनी पहुँच से निकल जाना। अधिकार से विलग होना।

अपणी रोटी सेंकणूं।
अपनी रोटी सेकना। अपना लाभ करना।

अपणी ढपली अपणो राग गावणूं। (सर्व.)
अपनी ढपली अपना राग गाना। अपनी-अपनी सोच के अनुसार कार्य करना।

अपणी मौत मरनूं।
अपनी मौत मरना। स्वयं अपने कर्मों के कारण मरना।

अपणा काम सी काम राखणूं।
अपने काम से काम रखना। किसी के लफड़े में नहीं पड़ना। केवल अपना कार्य करना।

अपणी जांघ उघाड़णूं।
अपनी जाँघ उघाड़ना। स्वयं बेहयाई का काम करना।

अपणी जान सबखऽ प्यारी लगणूं।
अपनी जान सबको प्यारी लगती है। अपने प्राणों का मोह सबको होता है।

अपणी बला दूसरा का माथऽ मढ़णूं।
अपनी बला दूसरे के सिर पर मड़ना। अपनी झंझट, कार्य या दोष दूसरों पर लगा देना।

अपणा बाप की औल्याद होणूं।
अपने बाप की औलाद होना। खरा होना। सामर्थ्यवान होना।

अपणा रस्ता पऽ चलणूं।
अपने रास्ते पर चलना। अपने तरीके से आगे बढ़ना। काम करना।

अपणा रास्ता मऽ काटा बोणूं।
अपने रास्ते में कांटे बोना। स्वयं अपना अहित करना। अपने को नुकसान पहुँचाना।

अपणा सामनऽ कोई खऽ नी गिणणूं।
अपने सामने कोई को न गिनना। अपने आगे सबको तुच्छ समझना।

अपणा मर्‌या बिगर सरग नी दिखतो।
अपने मरे बगैर स्वर्ग नहीं दिखता। स्वयं कोई काम किये बिना उसका फल न मिलना।

अपणी माय खऽ डाकणी कुण कयज?
अपनी माँ को डाकन कौन कहता है? स्वयं अपनी माँ की बुराई कोई नहीं करता। यद्यपि कुछ न कुछ बुराई सबमें होती है।

अपनी मरजी को राजा होणूं।
अपनी मर्जी का राजा होना। अपनी मनमर्जी से चलने वाला। स्वयं के मन के अनुसार चलने वाला।

अपटा-अपटी करनूं।
अपटा-अपटी करना। उठा-पटक करना।

अपणी बात को धनी होणूं।
अपनी बात को धनी होना। बात का पक्का। बादे का पक्का।

अपणी जान पऽ खेलणूं।
अपनी जान पर खेलना। जान की परवाह न करते हुए कार्य कर देना। साहस का कार्य।

अपणी राह खुद बणाणूं।
अपनी राह खुद बनाना। अपने जीने का तरीका स्वयं निश्चित करना।

अपणा आप खऽ भूली जाणूं।
होश खो बैठना। किसी काम में निमग्न होना अथवा किसी मनोयोग के कारण बेसुध होना।

अफवाह उड़ानूं।
अफवाह उड़ाना। अप्रमाणिक बातें फैलाना।

अफवाह नऽ गरम होणूं।
अफवाह गर्म होना। चर्चा में आना।

अफीम खाणूं।
अफीम खाना। होश हवाश में न रहना। मदहोश रहना।

अफरी जाणूं।
अफरी जाना। पेट फूल जाना। भर जाना।

अफरा-तफरी करनूं।
अफरा-तफरी करना। इधर-उधर छुपाना। चोरी करना।

अफसरसाही करनूं।
अफसरसाही करना। रुआब जमाना। आर्डर चलाना।

अब-तब जाणूं।
अब-तब जाना। मृत्यु का समय निकट होना।

अबे-तुबे करनूं।
अबे-तुबे करना। अनादर पूर्वक बातें करना।

अबलग नी आणूं।
अब तक नहीं आना। पहुँच अनिश्चय।

अबी को अबी गायब होणूं।
अभी का अभी गायब होना। आँख में धूल झोंककर चले जाना।

अबऽ सब कई तो हुई गयो।
अब सबकुछ हो जाना। सब कुछ समाप्त हो जाना।

अभय होणूं।
अभय होना। निडर होना। किसी से नहीं डरना।

अभयदाण देणूं।
अभयदान देना। जान बख्शना। निर्भय होकर विचरण करना। मरने का भी डर नहीं होना।

अभिनय करनूं।
अभिनय करना। नाटक करना। नकल करना। दिखावा करना।

अभी-अभी आया नऽ अभी-अभी चल्या।
अभी-अभी आये और अभी-अभी चले। आना और चले जाना। यह कोई आना नहीं होता।

अभी तो हाथ भी नी सूख्या।
अभी तो हाथ भी नहीं सूखे। अभी-अभी भोजन किया है।

अभी हाथ की मयन्दी भी नी हिटी।
अभी हाथ की मेहन्दी भी नहीं छूटी। विवाह के तुरन्त बाद पति का मर जाना।

अभी मूछ की रेख नऽ नी फूटी।
अभी मूछों की रेखा भी नहीं फूटी। अभी किशोरावस्था नहीं गई।

अभी कच्ची पाळ होणूं।
अभी कच्ची पाल होना। छोटे-छोटे बच्चे हैं।

अभी सूरज माथा पऽ बी नी आयो।
अभी सूर्य सिर पर भी नहीं आया। अभी दोपहर नहीं हुई है।

अभी सूरज ढल्यो नी।
अभी सूर्य ढला नहीं। अभी शाम नहीं हुई।

अभी पांय धरयोज ज।
अभी पैर रखा ही है। अभी आना।

अभी धरी नऽ आयोजज।
अभी धर कर आया। अभी पहुँचाकर आना।

अम्मर होणूं।

अमर होना। सदा के लिये स्थान बना लेना।

अमरौती खाई नऽ आवणूं। (सर्व.)
अमरौती खाकर आना। अमर होकर आना।

अमिट छाप छोड़णूं।
अमिट छाप छोड़ना। सदा-सदा के लिये याद रहना। स्थायी प्रभाव डालना।

अमरित बरसणूं।
अमृत बरसना। अत्यन्त आनंद में होना, बहुत सुखद, प्रिय होना।

अमाड़ी की भाजी नऽ रोटा खाणूं।
अमाड़ी की भाजी और जुवार की रोटी खाना। निमाड़ का एक खास भोजन, जो सबको प्रिय लगता है।

अयोध्या सूनी होणूं।
अयोध्या सूनी होना। जैसे राम सीता और लक्ष्मण के कारण अयोध्या सूनी हो गई थी, उसी प्रकार किसी प्रिय के जाने से एकदम सूना पन हो जाता है।

अरमान निकालणूं।
अरमान निकालना। इच्छा पूरी करना।

अरमान रई जाणूं।
अरमान रह जाना। इच्छा पूरी नहीं होना।

अरमान राखणूं।
अरमान रखना। मन में कुछ करने की प्रबल इच्छा रखना।

अरमान धर्‌या का धर्‌या रई गया।
अरमान धरे के धरे रहना। इच्छा पूर्ण न होना।

अरमान नऽ पऽ पाणी फिरनूं।
अरमानों पर पानी फिरना। मन की इच्छा पूरी न होना।

अरमान नऽ को खून होणूं।
अरमानों का खून होना। इच्छाओं को जबर्दस्ती दबा देना, समाप्त कर देना।

अलख जगाणूं।
अलख जगाना। पुकार-पुकार कर परमात्मा को सबमें ढूँढना। नये कार्य की शुरूआत करना।

अललटप्पू होणूं।
अललटप्पू होना। यूं ही व्यर्थ घूमना। किसी काम में मन न लगना।

अल्ला खऽ प्यारो होणूं।
अल्लाह को प्यारा होना। मृत्यु को प्राप्त होना।

अल्लाह मेहरबान होय तो गधो पेलबान होणूं।
अल्लाह मेहरबान तो गधा पहलवान। सब कुछ ठीक हो तो कमजोर व्यक्ति भी प्रभावशाली ताकतवर हो सकता है।

अल्यांग-वल्यांग लगावणूं।
इधर-उधर लगाना। चुगली करना।

अल्यांग-वल्यांग की हांकणूं।
इधर-उधर की हाँकना। गप्प मारना।

अल्यांग की दुनिया वल्यांग हुई जाणूं।
इधर की दुनिया उधर हो जाना। चाहे दुनिया बदल जाये।

अवगति होणूं।
अवगति होना। दुर्दशा होना। मुक्ति नहीं मिलना।

अवाजा तवाजा बोलणूं।
अवाजा तवाजा बोलना। ऊँच-नीच बोलना। व्यंग्य करना।

अवेर धवेर करणूं।
अवेर धवेर करना। घर की चीजों का व्यवस्थित करना।

अवरधा बढ़णूं।
अवरधा बढ़ना। उम्र बढ़ना।

अवसर-अवसर की वात होणूं।
अवसर-अवसर की बात होना। समय-समय की बात। कभी सुख, कभी दुःख।

अवकाश ग्रहण करणूं।
अवकाश ग्रहण करना। नौकरी की अवधि पूरी होकर मुक्त होना।

अवसर ताकणूं।
अवसर ताकना। मौके की तलाश।

अवसर मार्‌यो जाणूं।
अवसर मारा जाना। मौका चूक जाना।

अवारगी करणूं।
आवारगी करना। आवारा घूमना। आवारागर्दी करना।

अवाज देणूं।
आवाज देना। पुकारना। बुलाना।

अवाज मऽ दम होणूं।
आवाज में दम होना। दमदार आवाज। प्रभावशाली बोलने वाला।

आई पड़णूं।
आ पड़ना। अचानक जिम्मेदारी आ जाना। सहने अथवा करने के लिए कोई काम आ जाये।

आई टपकणूं। (धमकणूं)।
आ टपकना। धमकना। अचानक आ जाना। एकाएक जिसकी उम्मीद नहीं हो, उसका आ जाना।

आई खड़ी होणूं।
आ खड़ी होना। सम्मुख उपस्थित होना।

आई लछमी खऽ ठुकराणूं।
आई लक्ष्मी को ठुकराना। मिलते धन को नहीं लेना।

आईनो बतावणूं।
आईना दिखाना। हकीकत। वास्तविकता दिखाना।

आईना मऽ मुंडो देखणूं।
आईने में मुँह देखना। अपनी योग्यता की परख करना।

आईना की माफिक साफ होणूं।
आईने की तरह साफ होना। स्पष्ट होना। समझ में आ जाना।

आई गई होणूं।
आई गई होना। पुरानी बात होना।

आई को टळणो।
आई का टलना। मृत्यु से बचना।

आई बला खऽ टालनूं।
आई बला को टालना। आई मुसीबत को टालना।

आऊँ कि जाऊँ होना।
आना कि जाना होना। असमंजस में फँस जाना। निर्णय नहीं कर पाना।

आक देणूं।
आक देना। आँकना। चिह्नित करना। सांडों को 'आका' जाता है।

आक को फूल होणूं।
आक को फूल होना। महत्त्वपूर्ण होना। आक का फूल केवल शिव पर चढ़ता है।

आकरो होणूं।
आकारा होना। कड़क होना। रूखा स्वभाव।

आकार देणूं।
आकार देना। कार्य रूप में बदलना।

आकुर आवणूं।
आकुर आना। पकना। किसी कार्य या बात से त्रस्त होना।

आकुल व्याकुल होणूं।
आकुल व्याकुल होना। बेचैन होना। तड़फ जाना।

आकास पताल एक करणूं। (सर्व.)
आकाश पाताल एक करना। सब जगह ढूँढना। बहुत श्रम करना।

आकास पताल को फरक होणूं। (सर्व.)
आकाश पाताल का फर्क होना। बुनियादी फर्क। बहुत अन्तर। असमानता।

आकास का तारा तोड़णूं। (सर्व.)
आकाश के तारे तोड़ना। असम्भव कार्य करना।

आकास का तारा गिणणूं।

आकाश के तारे गिनना। नींद न आना। रात भर जागना।

आकास का फूल होणूं।
आकाश के फूल होना। पहुँच से बाहर चले जाना। असम्भव बात होना।

आकास मऽ दियो बळणूं।
आकाश में दिया जलना। यशस्वी होना। प्रभावशाली होना। महापुरुष होना।

आकास पताळ की सोचणूं।
आकाश पाताल की सोचना। भविष्य में होने वाले परिणामों पर विचार करना।

आकास मऽ थेगळो लगावणूं।
आकाश में थेगला लगाना। बहुत चतुराई करना।

आकास मऽ बुरको करणूं।
आकाश में छेद करना। असम्भव को सम्भव करना।

आकास मऽ धोती सुखावणूं।
आकाश में धोती सुखाना। ऊँचे-ऊँचे कार्य करना। बड़े होने का लक्षण।

आकास सी वात करनूं।
आकाश से बातें करना। बहुत ऊँचा होना।

आकास-पताल मऽ गब्बड़ी भरनूं।
आकाश पाताल में कुलांचे भरना। जी-जान से प्रयत्न करना।

आकास मऽ उड़णो।
आकाश में उड़ना। ऊँची-ऊँची कल्पना करना। अपने को श्रेष्ठ मानना। गर्व करना।

आकास पऽ चढ़णूं।
आकाश पर चढ़ना। बहुत ऊँचे पर पहुँचना। मान देना। (घमण्ड करना)

आकास का देवता बणणूं।
आकाश के देवता बनना। बहुत भले और नेक बनना। पूजनीय होना।

आँख लगणूं।
आँख लगाना। नींद आ जाना। प्रेम होना।

आँख अटकणूं। (अटकाणूं)।
आँख अटकना। अटकाना। प्रेम हो जाना या करना।

आँख आणूं।
आँख आना। आँख में बीमारी होना। लाली, सूजन और दुखना।

आँख उठईं नऽ नी देखणूं।
आँख उठाकर न देखना। शर्मिन्दा होना।

आँख उठई नऽ देखणूं।
आँख उठाकर देखना। गुस्ताखी करना।

आँख उठाणूं।
आँख उठाना। देखना। देखने की हिम्मत करना।

आँख ऊपर नी उठणूं।
आँख ऊपर नहीं उठना। लज्जावश सिर झुका रहना।

आँख को अंधो होणूं।
आँख का अंधा होना। मूर्ख। देखते हुए भी न देख पाना। समझ पाना।

आँख अंधो पण गांठ को पूरो होणूं।
आँख का अंधा गाँठ का पूरा होना। मूर्ख धनी और कंजूस।

आँख को काटो होणूं।
आँख का काँटा होना। आँख में चुभने वाला। अप्रिय होना। शत्रु होना।

आँख को तारो होणूं।
आँख का तारा होना। बहुत प्रिय होना।

आँख को पाणी उतरी जाणूं।
आँख का पानी उतर जाना। निर्लज्ज हो जाना।

आँख को सुरमो होणूं।
आँख का सुरमा होना। अत्यन्त प्रिय होना। आँख का अंजन होना।

आँख की किरकिरी होणूं।
आँख की किरकिरी होना। आँख में खटकना।

आँख की पुतली होणूं।
आँख की पुतली होना। बहुत प्रिय होना।

आँख नऽ खुलनूं।
आँखें खुलना। समझ में आना। ज्ञान होना। जागना।

आँख खोल देणूं।
आँख खोल देना। सावधान करना।

आँख देखतऽ कुँआ मऽ पड़णूं।
आँख के देखते कुए में गिरना। जानबूझकर हानि उठाना।

आँख टेढ़ी करणूं।
आँख टेढ़ी करना। क्रोधित करना।

आँख चुराणूं।
आँख चुराना। सामने आने में शर्माना। बचकर निकलना।

आँख डबडबावणूं।
आँख डबडबाना। आँखों में आँसू भर जाना।

आँख नऽ को देखेल।
आँखों देखा। खुद की आँखों से देखना।

आँख नी ठयरनूं। (थमणूं)।
आँख नहीं ठहरना। एक जगह आँख न टिकना। अत्यन्त सुन्दर या आकर्षक।

आँख पईचाणणूं।
आँख पहचानना। आँख का इशारा समझना। आँख के भाव जान लेना।

आँख बदली जाणूं।
आँख बदल जाना। बेमुरव्वत हो जाना। देखने का भाव बदल जाना।

आँख बिछावणूं।
आँख बिछाना। प्रेम से स्वागत करना।

आँख मारनूं।
आँख मारना। इशारा करना। कोई शरारत करना। प्रेम का निमंत्रण देना।

आँख नऽ मटकावणूं।
आँखें मटकाना। अत्यधिक इतराना। चंचलता दिखाना।

आँख मऽ खटकणूं।
आँख में खटकना। बुरा लगना। अप्रिय लगना।

आँख नऽ ललचावणूं।
आँखें ललचाना। देखने की प्रबल इच्छा।

आँख वाळो होणूं।
आँख वाला होना। चतुर। ज्ञानवान।

आँख खिलणूं।
आँख खिलना। देखकर प्रसन्न होना।

आँख नऽ खुल्ली की खुल्ली रयणूं।
आँखें खुली की खुली रहना। आश्चर्य होना। प्राण निकल जाना।

आँख चढ़ावणूं।
आँखें चढ़ाना। गुस्से में आना।

आँख पावणूं।
आँख पाना। समझ में आना। ज्ञान पाना। दृष्टि पाना।

आँख नऽ का सामनऽ या आगऽ आवणूं।
आँखों के आगे आना। किये का फल भोगना।

आँख नऽ का आगऽ तिरमिर्‍या आवणूं।
आँखों में तारे आना। कमजोरी आना। चक्कर आना। कुछ न दिखना।

आँख नऽ की देखेल वात कयणूं।
आँखों देखी कहना। सच्ची बात बताना। प्रत्यक्ष देखी घटना बताना।

आँख नऽ कऽ बांधी लेणूं।
आँखों को बाँध लेना। बहुत सुन्दर होना। मनमोहक।

आँख नऽ पऽ बिठाणूं।

आँखों पर बिठाना। बहुत सम्मान देना।

आँख नऽ मऽ आँख डालनूं।
आँखों में आँख डालना। प्यार से देखना।

आँख-आँख सी कयणूं।
आँखों-आँखों में कहना। इशारे-इशारे में बात करना।

आँख नऽ मऽ काटा की माफिक चुभणूं।
आँखों में काँटे की तरह चुभना। आँखों को अच्छा नहीं लगना।

आँख छिपाणूं। (चुराणूं)।
आँख छिपाना। चुराना। सामना न करना। बचकर निकलना। कतराना।

आँख सी चुकणूं।
आँख चूकना। असावधान होना।

आँख का आगऽ अंधेरो छाणूं।
आँख के आगे अंधेरा छाना। कुछ नहीं दिखाई देना। बेहोशी छा जाना। कष्टदायक स्थिति।

आँख मऽ खटकणूं।
आँख में खटकना। बहुत बुरा लगना।

आँख का आगऽ घूमणूं।
आँख के सामने घूमना। आँख के सामने हूबहू दिखना।

आँख गड़ई नऽ देखणूं।
आँख गड़ाकर देखना। बहुत ध्यानपर्वूक देखना।

आँख नऽ चार होणूं।
आँखें चार होना। आमना-सामना होना। प्रेम होना।

आँख नऽ चुधियाणूं।
आँखें चुंधियाना। आँख चकाचौंध होना। आश्चर्य में पड़ना।

आँख नऽ तरसणूं।
आँखे तरसना। दर्शन के लिए व्याकुल होना।

आँख नऽ पथरई जाणूं।
आँखें पथरा जाना। प्रतीक्षा करते-करते थक जाना। आँखें धुँधला जाना।

आँख का इशारा नऽ पऽ नाचणूं।
आँख के इशारों पर नाचना। पूरी तरह से वश में होना।

आँख पऽ पट्टी बाँधणूं। (परदा डालणूं)।
आँख पर पट्टी बाँधना। बुद्धि भ्रष्ट करना।

आँख नऽ तरेरनूं।
आँखें तरेरना। गुस्से से देखना।

आँख दिखाणूं।
आँखें दिखाना। गुस्सा करना।

आँख नऽ लाळ पीळी करनूं।
आँखें लाल-पीली करना। क्रोध करना या होना।

आँख पलटणूं।
आँख पलटना। रुख बदलना। गुस्से में न बोलना।

आँख फाड़ी नऽ देखणूं।
आँखें फाड़कर देखना। आँखें चौड़ी करके देखना। आश्चर्य या भय से देखना।

आँख फोड़णूं।
आँखें फोड़ना। आँखों पर बहुत जोर डालना। अंधा कर देना।

आँख भरी नऽ देखणूं।
आँखें भरकर देखना। खूब अच्छी तरह से देखना।

आँख नऽ मिचकाणूं।
आँखें मिचकाना। इशारा करना। बार-बार पलकें छपकाना।

आँख नऽ मऽ चढ़णूं।
आँखों में चढ़ना। देखने में अच्छा लगना। मन को भा जाना।

आँख नऽ मऽ चरबी छाणूं।
आँखों में चर्बी छाना। अत्यन्त घमण्डी होना और उस घमण्ड का दिखना।

आँख मऽ जादू होणूं।
आँख में जादू होना। ऐसी आँखें, जिन्हें देखते ही मोहित हो जाना।

आँख मऽ पाणी आवणूं।
आँख में पानी भर जाना। रोना आ जाना।

आँख लड़णूं।
आँख लड़ना। प्रेम हो जाना।

आखरी दिन होणूं।
आखिरी दिन होना। अन्तिम समय की इच्छा होना।

आखिर खराब होणूं।
आखिर खराब होना। बुढ़ापे में फजीहत होना।

आखिरी संभालणूं।
आखरी सँभालना। बुढ़ापे में सुख देने वाले काम करना। परलोक सुधारना।

आखिरी करी नऽ बतावणूं।
आखिर करके बताना। किसी भी हालत में काम पूरा करके दिखाना।

आखरी वक्त आवणूं।
आखरी वक्त आना। मृत्यु समीप आना।

आखरी सलाम करनूं।
आखरी सलाम करना। मृत्यु से पूर्व की विदाई लेना अथवा किसी ऐसी जगह जाना, जहाँ से लौटकर आना मुश्किल होना।

आखिर मऽ जात बतावणूं।
आखिर में जात दिखाना। अन्त समय में धोखा देना। साथ छोड़ना।

आग लगणूं।
आग लगना। उत्तेजित होना। महँगाई बढ़ना।

आग लगावणूं।
आग लगाना। झगड़ा कराना। मनमुटाव कराना।

आग उगलणूं।
आग उगलना। क्रोध भरी बातें करना। उत्तेजना बढ़ाने वाली बातें कहना।

आग पीणूं।
आग पीना। क्रोध को दबा जाना। झगड़े को शान्त करना।

आग देणूं।
आग देना। अन्तिम क्रिया करना। चिता में आग लगाना। समाप्त करना।

आग पड़णूं।
आग पड़ना। बाजार भाव में तेजी होना।

आग फुकाणूं।
आग फुकाना। बुरा लगना। जल जाना।

आग खाणूं अंगारा मूतणूं।
आग खाना और अंगारा मूतना। बुरे कर्म का बुरा नतीजा। बढ़-चढ़कर बुरे कार्य करना।

आग बढ़ावणूं।
आग बढ़ाना। गुस्सा। लड़ाई-झगड़ा बढ़ाना।

आग मूतणूं।
आग मूतना। अन्याय करना।

आग बबूल्यो होणूं।
आग बबूला होना। अत्यधिक क्रोधित होना।

आग को फुतल्यो होणूं।
आग का पुतला होना। अत्यन्त क्रोधित होना।

आग बरसणूं।
आग बरसना। तेज धूप पड़ना।

आग बरसाणूं।
आग बरसाना। शत्रु पर खूब गोलियाँ चलाना। खूब जली-कटी सुनाना।

आँख मऽ खून उतरनूं।
आँख में खून उतरना। बेहद क्रोध आना।

आँख मऽ गिरणूं।
आँख से गिरना। विश्वास उठ जाना।

आँख मऽ डर नी होणूं।

आँख में डर नहीं होना। निर्भीक होना। बेशर्म होना।

आँख मऽ धूळो झोकणूं।
आँखों में धूल झोंकना। धोखा देना।

आँख मऽ सी उतरनूं।
आँखों से उतरना। विश्वास खो देना।

आँख मिचौली खेलनूं।
आँख मिचौली खेलना। धोखा देने की कोशिश करना।

आँख नऽ निकाळ लेणूं।
आँखें निकाल लेना। कठोर दण्ड देना।

आँख नऽ फटी रई जाणूं।
आँखें फटी रह जाना। आश्चर्य या आनन्द में आँखें खुली रह जाना।

आँख का तीर चलावणूं।
आँख के तीर चलाना। तिरछी नजरों से देखकर मोहित होना।

आँख नऽ सी ताड़ी जाणूं।
आँखें देखकर ताड़ लेना। देखकर ही समझ लेना।

आँख नऽ देखी, कान नऽ सुणी, सच्ची होज।
आँखों देखी, कानों सुनी सत्य बात होती है। विश्वास योग्य। स्वयं के अनुभव से उपजी।

आँख न मऽ जगा बणाणूं।
आँखों में जगह बनाना। किसी के दिल में स्थान बनाना। सम्मान पाना।

आँख सी गंगा-जमना बहना।
आँखों से गंगा-जमना बहना। अत्यधिक रोना।

आँख नऽ सी रस बरसणूं।
आँखों से रस बरसना। प्रेमपूर्ण दृष्टिपात करना।

आँख-आँख मऽ रात काटणू।
आँख-आँख में रात काटना। किसी चिन्ता या व्यग्रता में रात काटना।

आँख नऽ म प्यास होणूं।
आँखों में प्यास होना। देखने की ललक या इच्छा होना।

आँख सी एक आँसू तक नी निकलणूं।
आँख से एक आँसू तक नहीं निकलना। तनिक भी दु:ख नहीं होना।

आँख नऽ सी परदो हटणूं।
आँखों से परदा हटना। अज्ञान दूर होना।

आँख सी सब कई वाची लेणूं।
आँख से सब कुछ पढ़ लेना। चेहरा देखकर भाव जान लेना।

आँख सी काजळ चुरावणूं।
आँख से काजल चुराना। अत्यन्त चालाक चोर। ऐसी चोरी करना, जिसकी जरा-सी भी भनक न लगना।

आँख कान खुल्ला रखणूं।
आँख कान खुले रखना। अत्यन्त सावधानी से काम करना। होशियारी से देखना-सुनना।

आँख कान मऽ चार अंगुळ की छेटी होणूं।
आँख कान में चार अंगुल का फर्क है। स्वयं देखी और दूसरों से सुनी बात में बहुत अन्तर होता है।

आँख नऽ फेरी लेणूं।
आँखें फेर लेना। किसी ओर से उदासीन होना।

आँख नऽ मऽ झांकणू।
आँखों में झाँकना। आँखों से मन के भाव जानने की कोशिश करना।

आग ठण्डी पड़णूं।
आग ठण्डी पड़ना। झगड़ा अथवा क्रोध शान्त होना।

आग मऽ घी को काम करनूं।
आग में घी का काम करना। उत्तेजक होना। क्रोध भड़काना।

आगऽ पाछ रयणूं।
आगे-पीछे रहना। किसी की चौकसी करना।

आगऽ बड़णूं।
आगे बढ़ना। सामने आना, उन्नति करना।

आगऽ पाछऽ कोई नी होणूं।
आगे-पीछे कोई न होना। कोई वंशज का न होना।

आग लगई नऽ पाणी न्हाखणूं।
आग लगाकर पानी डालना। स्वयं पहले भड़काना, फिर स्वयं शान्त करना।

आग पऽ पाणी न्हाखणूं।
आग पर पानी डालना। बढ़ते क्रोध को शान्त करना।

आग बणी जाणूं।
आग बन जाना। अत्यधिक क्रोधित हो जाना। क्रोध की आँच सबको लगना।

आग पऽ लोटणूं।
आग पर लोटना। बेचैन होना, क्रोध से बेहाल होना। दु:खी होना।

आग फूस को बैर होणूं।
आग फूस का बैर होना। स्वाभाविक विरोध। शत्रुता होना।

आग मऽ कूदणूं।
आग में कूदना। जानबूझकर जान जोखिम में डालना।

आग लगई नऽ तमासो देखणूं।
आग लगाकर तमाशा देखना। लड़ाई करवाकर आनन्द लेना।

आग सुलगणूं।
आग सुलगना। असन्तोष। विद्रोह पनपना।

आग सुलगावणूं।
आग सुलगाना। और झगड़ा बढ़ाना। मनमुटाव बढ़ना।

आगऽ सोचणूं।
आगे सोचना। भविष्य के बारे में सोचना।

आगऽ निकळणूं।
आगे निकलना। बहुत उन्नति करना। सर्वश्रेष्ठ होना।

आगऽ देखी नऽ चलनूं।
आगे देखकर चलना। सोच-समझकर काम करना। भविष्य की योजना बनाकर चलना।

आगऽ नाचणूं।
आगे नाचना। मन में साकार होना।

आगऽ आगऽ नाचणूं।
आगे-आगे नाचना। सामने बढ़चढ़कर काम करना।

आगऽ-पाछऽ की सोचणूं।
आगे-पीछे की सोचना। कोई काम करने से पहले उसके परिणाम का विचार कर लेना।

आगऽ राखणूं।
आगे रखना। प्रस्तुत करना। पल्ले महत्तव देना।

आगऽ सी कईं करनूं।
आगे से कुछ करना। भविष्य में कुछ न कुछ करना।

आग सी खेलणूं।
आग से खेलना। खतरे उठाना। जानबूझकर भयानक परिस्थिति का बनाना। साहसी कार्य करना।

आग उगलणूं।
आग उगलना। किसी के विरुद्ध कटुवचन कहना। भड़काने वाली बात कहना।

आग की लपटनऽ उठणूं।
आग की लपटें उठना। विद्रोह करना। किसी लड़ाई का तेज होना। क्रान्ति आदि का प्रारम्भ होना।

आग पऽ घी डालनूं।
आग पर घी डालना। किसी द्वेष-भाव, झगड़े या विवाद को और बढ़ाना।

आग फैलणूं।
आग फैलना। किसी आन्दोलन आदि का उग्र रूप धारण करना।

आगऽ बढ़ेल पांय पाछऽ नी धरनूं।
आगे रखा पैर पीछे नहीं हटाना। भावी स्थिति दृढ़ करके तब वर्तमान को छोड़ना।

आगऽ पैर नी पड़णूं।
आगे पैर नहीं पड़ना। आगे कार्य बढ़ाने की हिम्मत न होना। दुश्चिन्ता या भय से गति रुक जाना।

आगऽ-पाछऽ घूमणूं।
आगे-पीछे घूमना। हर समय साथ रहना। खुशामद करना।

आग खऽ हवा देणूं।
आग को हवा देना। लड़ाई-झगड़े को उकसाना। क्रोध भड़काना।

आगऽ होणूं।
आगे होना। नेतृत्व करना।

आगऽ आवणूं।
आगे आना। उन्नति करना। प्रकाश में आना। प्रसिद्ध होना।

आगऽ-आगऽ चलणूं।
आगे-आगे चलना। किये गये निश्चय से आगे चलना। तेज चलना। बुद्धि से कुछ नया सोचना।

आगऽ को पांय जमई नऽ फिरी पाछऽ को धरनूं। (उठावणूं)।
आगे का पैर जमाकर फिर पीछे का पैर रखना या उठाना। पहले स्थिति सुदृढ़ होने पर आगे का काम करना।

आगऽ को पांय पाछऽ पड़णू।
आगे का पैर पीछे पड़ना। पीछे हटना या अवनति होना।

आग दबावणूं।
आग दबाना। क्रोध को रोक लेना। झगड़े को रोक देना।

आग निकळणूं।
आग निकलना। क्रोध निकलना। भड़ास निकलना।

अंगारा नऽ पऽ चलणूं।
अंगारों पर चलना। कठिन परीक्षा से गुजरना।

आंग-आंग मऽ आग लगणूं।

अंग-अंग में आग लगना। पूरा बदन जलना। अंग-प्रत्यंग से क्रोध की ज्वालाएँ निकलना।

आंग देणू।
अंग देना। समर्पित होना। अपने आपको बलिदान कर देना। हिस्सा देना।

आंग पऽ लेणूं।
अंग पर लेना। जबावदारी अपने माथे ले लेना। उत्तरदायित्व लेना। प्रभावित होना।

आंग को होय तो लागणूं।
अंग का हो तो लगे। खाया-पीया शरीर को न लगने वाला।

आंग की बोटी नऽ फड़कणूं।
अंग की बोटियाँ फड़कना। शरीर का उत्तेजित होना।

आंग मऽ आवणूं।
अंग में आना। शरीर में किसी देवी अथवा देवता का अंश आना।

आंग सी निकळी जाणूं।
अंग से निकल जाना। कोई भूत या चुड़ैल का शरीर से निकल जाना।

आंग भारी होणूं।
अंग भारी होना। किसी देवी-देवता अथवा भूत-चुड़ैल का आंशिक अंश शरीर में आना। केवल शरीर का मामूली हिलना।

आंग तोड़णूं।
अंग तोड़ना। शरीर का मरोड़ना। बहुत मेहनत करना।

आंग मऽ नी रयणूं।
अंग में नहीं रहना। किसी बाधा के वश में रहना।

आंग संभाळनूं।
अंग सँभालना। स्वस्थ होना। शरीर में माँस भर जाना।

आंग नी संभाळनूं।
अंग नहीं सँभालना। दुर्बल होना। दुबलापन होना।

आंग पऽ छुरी चलावणूं।
अंग पर छुरी चलाना। अपने आपको प्रताड़ित करना।

आंग खऽ देखणूं। (निरखणूं)।
अंग को देखना। निरखना या अपने शरीर को देखकर मुग्ध होना। शरीर की चिन्ता करना।

आंग भायर पड़णूं।
अंग बाहर पड़ना। दिनोंदिन मोटापा बढ़ना।

आंग सिकुड़णूं।
अंग सिकुड़ना। शरीर का संकुचित होना।

आंग दिखावणूं।
अंग दिखाना। शरीर दिखाना। अभद्र प्रदर्शन करना।

आंग बेचणूं।
अंग बेचना। वेश्यावृत्ति करना।

आंग मऽ फुर्ती होणूं।
अंग में स्फूर्ति होना। शरीर में स्फूर्ति होना।

आंग मऽ सुस्ती होणूं।
शरीर में सुस्ती होना। शरीर से आलसी होना।

आंग खऽ वज्जर बणाणूं।
अंग को वज्र बनाना। शरीर को कठोर बनाना।

आंगठा की झाल चोटी पर पहुँचणूं।
अँगूठे की झाल चोटी तक पहुँचना। नीचे से ऊपर तक बहुत बुरा लगना। क्रोध में डालना।

आंग चुरावणूं।
अंग चुराना। काम से जी चुराना। काम में मन नहीं लगना।

आंग को चामड़ो बचावणूं।
अंग का चमड़ा बचाना। शरीर को आराम देना। शरीर बचाना। काम में आलसी करना।

आंग का चामड़ा का जूता बी नी बणता।
अंग के चमड़े के जूते भी नहीं बनते। मरने पर मनुष्य

को जला दिया जाता है या गाड़ दिया जाता है। उसकी चमड़ी तक काम में नहीं आती। इससे तो गाय-ढोर अच्छे जिनकी चमड़ी के जूते बनते हैं।

आंग को जीतऽ जी मोल होणूं।
अंग का जीते जी ही मोल होता है। जीवित रहते तक मनुष्य का शरीर अमूल्य है, मरने के पश्चात् उसका कोई मूल्य नहीं होता।

आंग की हल्दी बी नी छूटणूं।
अंग की हल्दी भी नहीं छूटना। शरीर की हल्दी भी नहीं छूटना। मतलब अभी-अभी विवाह होना, लेकिन कोई दुर्घटना हो जाना। दूल्हे की मृत्यु।

आंग मऽ आवणूं।
अंग में कोई देवी-देवता, भूत, चुड़ैल का आना। बाहरी बाधा होना।

आचमन करणूं।
आचमन करना। चरणामृत पीना।

आँच आवणूं।
आँच आना। नुकसान होना। दुःख पहुँचना। प्रभावित होना।

आँच नी आवणऽ देणूं।
आँच नी आने देना। कुछ भी हानि न होने देना।

आँच सयणूं।
आँच सहना। दुःख या विपत्ति होना।

आंचल की हवा देणू (मिलणूं)।
आँचल की हवा देना या मिलना। शान्ति मिलना। किसी स्त्री के स्नेह की छत्रछाया में शान्ति मिलना।

आंचल संभालणूं।
आँचल सँभालना। शरीर के अग्र भाग को ठीक से सँभालना।

आँचल पकड़णूं।
आंचल पकड़ना। सहारा देना। विवाह करना।

आंचल मऽ बांधणूं।
आँचल में बाँधना। पा लेना। सहज उपलब्ध होना। हर समय पास रखना।

आंचल को उड़णूं।
आँचल का उड़ना। सिर अथवा सीने से पल्लू का हवा से हटना।

आंचल खिसकणूं।
आँचल खिसकना। सिर अथवा सीने से पल्लू का खिसकना। स्त्री का आँचल खिसकना अच्छा नहीं माना जाता।

आँचल लहराबणूं।
आँचल लहराना। आँचल का हवा में उड़ना। उल्मुका होना।

आँचल देणूं।
आँचल देना। आँचल की छाया करना। गोद में लेना। बच्चे को दूध पिलाना। ममत्व जागना।

आँचल मऽ समावणूं।
आँचल में समाना। गोद में आ जाना। प्रेम से छाती से लगा लेना। दिल में समा जाना।

आँचल की लाज राखणूं।
आँचल की लाज रखना। इज्जत बचाना। गौरव बढ़ाना।

आंचल पकड़ी नऽ चलणूं।
आँचल पकड़कर चलना। बच्चे का सहारे से ही चलना। पीछे-पीछे आना।

आँचल नी छोड़णूं।
आँचल नहीं छोड़ना। पीछे ही पड़े रहना।

आंचल संवारनूं।
आँचल सँवारना। अपने आपको व्यवस्थित करना। सुघड़ दिखाने की कोशिश करना।

आंचल की कसम खाणूं।
आँचल की कसम खाना। माँ की कसम खाना। प्रेम की कसम उठाना।

आंचल सी गंगा-जमना निकलणूं।
आँचल से गंगा-जमुना का निकलना। स्तनों से ममत्व के कारण दूध का निकल आना।

आंचल मऽ सात गठाण नऽ बांधणू।
आँचल में सात गठानें बाँधना। पक्का निश्चय करना। एक टोटका।

आँचल सी दूर होणूं।
आँचल से दूर होना। समीप से दूर चले जाना। दूरी बढ़ना।

आज काळ करणूं।
आजकल करना। टाल-मटोल करना।

आज काल मऽ।
आजकल में। शीघ्र ही, दो-चार दिन में।

आजकाल को मेहमान होणूं।
आजकल का मेहमान होना। एक-दो दिन में मृत्यु होने की सम्भावना।

आजकाळ का फेर मऽ पड़णूं।
आजकल के फेर में पड़ना। समय टालना। सन्देह के कारण कोई काम न करना।

आज को काळ लगावणूं।
आज का कल लगाना। देर करना। टालमटोली करना।

आजिज आवणूं।
आजिज आना। परेशान। दु:खी होना।

आज आपणो काळ को भरोसो नी।
आज अपना कल का कोई भरोसा नहीं। वर्तमान अपना है, भविष्य का भरोसा नहीं।

आज होय नी, काल होय नी।
नहीं आज होगा, नहीं कल होगा। किसी काम का न होना। निश्चयपूर्वक मना कर देना।

आज का काम आजज करणूं।
आज का काम आज ही करना। किसी काम में विलम्ब न करना। तत्काल करना।

आज को काम काल पर नी टाळणूं।
आज का काम कल पर नहीं टालना। आज का काम आज ही करना। कल पर नहीं टालना।

आज नगद काल उधार। (सर्व.)
आज नगद कल उधार। कल कभी नहीं आता। नगद राशि देकर क्रय-विक्रय करना व्यापार का गुर है।

आटी पड़णूं।
आटी पड़ना। मनमुटाव होना। बुराई होना।

आटो करणूं (बणाणूं)।
आटा करना या बनाना। मार-मारकर आटा बना देना। खूब पिटाई।

आटो गीलो होणूं।
आटा गीला होना। काम बिगड़ जाना। धनाभाव होना। परेशानी होना।

आटा दाळ को भाव मालूम पड़णूं।
आटे-दाल का भाव मालूम पड़ना। जिम्मेदारी आना। व्यावहारिक ज्ञान होना।

आटा दाळ की फिकर होणूं।
आटे-दाल की फिक्र करना। जीवन निर्वाह की चिन्ता होना।

आटा मऽ लोण समाणूं।
आटे में नमक समाना। स्वाद के अनुसार आटे के अनुपात में नमक मिलाना।

आटा दाळ का फेर मऽ पड़णूं।
आटे दाल के फेर में पड़ना। जीवन निर्वाह की चिन्ता करना।

आटा का साथ घुन पिसाणूं।
आटे के साथ घुन पिसना। बड़े व्यक्ति के साथ छोटे आदमी का कष्ट उठाना।

आटा मऽ घाटो होणूं।
आटे में घाटा होना। धनाभाव होना।

आटऽ साटऽ होणूं।
आटे साटे होना। परस्पर दो परिवारों की पुत्रियों का सम्बन्ध होना। एक दूसरे की लड़की लेना-देना।

आठ आना।
आठ आने। आधा।

आठ-आठ आँसू रड़णू (रड़ाड़णूं)।
आठ-आठ आँसू रोना या रुलाना। अधिक रोना। अथवा अधिक रुलाना।

आठ दूनी सोळा करनूं।
आठ दूनी सोलह करना। दुगुना कमाना।

आठो पयर याद आवणूं।
आठो प्रहर याद आवणूं। प्रतिपल स्मृति में रहना।

आठो पयर चौसठ घड़ी।
हर समय।

आड़ लगावणूं।
आड़ लगाना। किसी चीज को छिपाना। ओट करना।

आड़ मऽ बठणूं।
आड़ में बैठना। किसी की ओट में बैठना। सहारा लेना।

आड़ करनूं।
आड़ करना। दीवाल खड़ी करना। टाटी या परदा लगाना।

आड़ मऽ दपड़णूं।
आड़ में छिपना। किसी आसरे के पीछे छिपना।

आड़ सी वात करनूं।
आड़ से बात करना। ओट लगाकर बात करना। आमने-सामने नजर मिलाकर बात न करना।

आड़ लेणूं।
आड़ लेना। बहाने करना। सहारा ढूँढना।

आड़ऽ-आड़ऽ जाणूं।
आड़े-आड़े जाना। बिना मिले परभारे चले जाना।

आड़ राखणूं।
आड़ रखना। शर्म रखना। अन्तर रखना।

आड़ऽ आवणूं।
आड़े आना। विघ्न डालना। राह रोकना। सहायता न करना।

आड़ो-तिरछो होणूं।
आड़ा-तिरछा होना। आनाकानी करना। त्यौरी बदलना। हिले-हवाले करना। गलत बात बोलना।

आड़ऽ हाथ लेणूं।
आड़े हाथ लेना। खरी खोटी सुनाना। भला-बुरा कहना।

आड़ो होणूं।
आड़ा होना। बाधक बनना। रुकावट डालना। गिर पड़ना।

आड़ा समय मऽ काम आवणूं।
आड़े समय में काम आना। विपत्ति में सहायता करना।

आड़ मऽ आवणूं।
आड़ में आना। सहारा लेना। छिपना।

आड़ में खेल करणूं।
आड़ में खेल करना। किसी के सहारे अपना स्वार्थ साधना।

आड़ी तिरछी वात नऽ करणूं।
आड़ी तिरछी बातें करना। टेढ़ी बात कहना।

आडम्बर करनूं।
आडम्बर करना। झूठा दिखावा करना।

आड़त करनूं।
आड़त करना। दलाली करना।

आड़त्यो बणणूं।
आड़त्या बनना। दलाल बनना। मध्यस्थ बनना।

आड़ी वखत को सहारो होणूं।
आड़े वक्त का सहारा होना। कठिन समय में काम आना।

आड़ मऽ सब चलणूं।
आड़ में सब चलना। चोरी-छिपे सब काम होना।

आड़ की आड़ अरु शरम की शरम होणूं।
आड़ की आड़ और शर्म की शर्म होना। ओट में मर्यादा बची रहती है।

आण काण सी रयणूं।
आन-कान से रहना। मर्यादा में रहना। इज्जत से रहना।

आण होणूं।
आन होना। रोक होना। कसम होना। इज्जत होना।

आण तोड़णूं।
आन तोड़ना। मर्यादा तोड़ना। वचन तोड़ना।

आण राखणूं।
आन रखना। हठ रखना। मान-मर्यादा रखना।

आणो-गोणो करनूं।
आना-गौना करना। विवाह के कई दिनों/वर्षों बाद लड़की को रस्म के साथ ससुराल भेजना।

आणो लई जाणूं।
आना ले जाना। विवाह पश्चात् रीतिरिवाज के अनुसार लड़की को ससुराल भेजना।

आणो फेरनो।
आना फेरना। लेने आने पर लड़की को पहली बार भी ससुराल नहीं भेजना। गौने की रस्म को ठुकराना।

आणो आवणूं।
आणा आना। पहली बार ससुराल से लड़की को लिवाने आना। कई बार सामान्य स्थिति में भी इस मुहावरे का उपयोग होता है, जब कोई किसी को लेने आता है। तब इसका अर्थ 'बुलावा' हो जाता है।

आतो रयणूं।
आते रहना। कभी-कभी घर की तरफ आने का प्रेमपूर्वक आग्रह।

आता-जाता रयणूं।
आते-जाते रहना। बार-बार आने का प्रेमपूर्वक आग्रह।

आतंक जमावणूं।
आतंक जमाना। भय या डर पैदा करना। डराना।

आतज धूम मचावणूं।
आते ही धूम मचाना। प्रवेश करते ही हो हल्ला मचाना। शरारत करना।

आता खऽ आव, जाता खऽ जाव कयणूं।
आते को आओ और जाते को जाओ कहना। आने वाले का स्वागत और जाने वाले को भावभीनी विदाई कम से कम शब्दों 'अरू आवजो' से करना- निमाड़ की संस्कृति का अंग है।

आता-जाता जरा देखणूं।
आते-जाते जरा देखना। सुध लेना। खबर लेना। हालचाल पूछना।

आत्मसम्मान सी रयणूं।
आत्मसम्मान से रहना। अपनी इज्जत से रहना। स्वाभिमान से रहना।

आत्मसम्मान बेचणूं।
आत्मसम्मान बेचना। अपने मान-सम्मान को ताक में रखकर स्वार्थ सिद्ध करना। भले-बुरे का विवेक छोड़ देना।

आत्मा ठंडी होणूं (पड़णूं)।
आत्मा ठंडी होना या पड़ना। शान्ति देना या मिलना। भूख मिटना। तृप्ति होना।

आत्मा को गवाही नी देणूं।
आत्मा का गवाही न देना। किसी कार्य में मन की स्वीकृति न होना।

आत्मा को खून होणूं।
आत्मा का खून होना। आन्तरिक इच्छा के विरुद्ध कुछ करने के लिए बाध्य होना।

आत्मा को तड़फणूं।
आत्मा का तड़फना। मन का व्याकुल होना।

आत्मा को कयणूं।

आत्मा का कहना। सच्चे दिल से कहना।

आत्मा को थिर होणूं।
आत्मा का थिर होना। मन का शान्त होना। स्थिर होना।

आत्मा को रोवणूं।
आत्मा का रोना। मन का दुखना। गतात्मा का रोना।

आत्मा को निकलणूं।
आत्मा का निकलना। प्राण निकलना। अत्यन्त दुखी होना।

आत्मा को खुश होणूं।
आत्मा का खुश होना। मन का अत्यधिक प्रसन्न होना। अधिक सन्तुष्टि होना या मिलना।

आत्मा को चोर होणूं।
आत्मा का चोर होना। अपनी नजरों में स्वयं गुनहगार होना।

आत्मा की आवाज सणनूं।
आत्मा की आवाज सुनना। भीतर की बातें सुनना। आत्मा के अनुसार चलना।

आत्मा खऽ मारनूं।
आत्मा को मारना। स्वयं के जमीर को मारना। विवेक नहीं सुनना।

आत्मा सी बड़ों कोई नी।
आत्मा से बड़ा कोई नहीं। शरीर में आत्मा ही सब कुछ है।

आत्मा ज परमात्मा छे।
आत्मा ही परमात्मा है। आत्मा ही ईश्वर है। जो आत्मा के दर्शन कर लेता है, वह परमात्मा को देख लेता है या पा लेता है।

आत्मा की खुराक भजन छे।
आत्मा की खुराक भजन है। ईश्वर की भजन, भक्ति, प्रार्थना करने से ईश्वर प्रसन्न होता है। आत्मा तृप्त होती है।

आत्म चिन्तन करणूं।
आत्मचिन्तन करना। आत्मा का मनन करना। आत्मा के बारे में सोचना।

आत्मा को गिरणूं।
आत्मा का गिरना। आत्मा का पतित होना। बुरे कार्यों में लिप्त होना।

आत्मा को गुनहगार होणूं।
आत्मा का गुनहगार होना। स्वयं की गलती स्वीकारना।

आत्मा की शुद्धि होणूं।
आत्मा की शुद्धि होना। भीतर की बुराइयों का नष्ट होना। गलतियाँ करने पर पश्चाताप करना।

आत्मा को पवितर होणूं।
आत्मा का पवित्र होना। आत्मा का निर्मल होना। किसी प्रकार का मन में राग-द्वेष, छल-छिद्र का न होना।

आंतड़ी नऽ कुलबुलाणूं।
आंतड़ियाँ कुलबुलाना। बहुत भूख लगना।

आंतड़ी नऽ बळ पड़णूं।
अंतड़ियों में बल पड़ना। अत्यधिक पेट दर्द होना।

आंत नऽ गळा मऽ आवणूं।
आँतें गले में आना। भारी मुसीबत में फँसना।

आदत बणानूं (न्हाखणूं)।
आदत बनाना। डालना। अभ्यास में आना।

आदत बिगड़णूं।
आदत बिगड़ना। बुराई सीखना। बुरा स्वभाव होना।

आदत खराब होणूं।
आदत खराब होना। बुरे कामों में संलग्न होना।

आदत सी बाज आणूं।
आदत से बाज आना। व्यवहार से तंग आना।

आदी-अधूरी वात करनूं।
आधी-अधूरी बात करना। थोड़ी बात कहकर रुक जाना।

आदो होणूं।
आधा होना। दुर्बल होना। कमजोर होना। आत्मविश्वास गिरना।

आदमी बणणऽ की कौसिस करणूं।
आदमी बनने की कोशिश करना। अच्छाई को धारण करना।

आदमी देखणूं।
आदमी देखना। भले-बुरे का ध्यान रखना।

आदमी आदमी खऽ पयचाणणूं।
आदमी आदमी को पहचानना। अच्छे-बुरे का भेद करना।

आदमी करणूं।
आदमी करना। पति बनाना। इच्छा से विवाह करना।

आदमी खऽ आदमी नी समझणूं।
आदमी को आदमी नहीं समझना। अपने को बड़ा समझना। घमण्डी होना।

आदमी खऽ पईचाणणूं (परखणूं)।
आदमी को पहिचानना या परखना। किसी के गुण-दोष विचारना।

आदमी बणणूं।
आदमी बनना। सभ्य बनना। अच्छे आचरण करना। पति बनना।

आदमी रखणूं।
आदमी रखना। किसी को नौकर रखना। सहायक रखना। अन्य व्यक्ति से संबंध रखना।

आदमी लगाणूं।
आदमी लगाना। किसी काम में मजदूर रखना।

आदमी का उठी जाणूं।
आदमी को उठ जाना। मृत्यु हो जाना।

आदमी की जात होणूं।
आदमी जात होना। मनुष्यत्व का होना।

आदमी आदमी सी बड़ो नी होणूं।
आदमी-आदमी से बड़ा नहीं होता। मनुष्य-मनुष्य बराबर होता है। चाहे अमीर हो या गरीब।

आदि नऽ अन्त होणूं।
आदि न अन्त होना। न शुरुआत का और न आखिर का पता होना। रहस्य न खुलना।

आदि अंत का बारा मऽ सोचणूं।
आदि अन्त के बारे में सोचना। किसी बात पर पूरी तरह विचार करना।

आदम जात होणूं।
आदम जात होना। मनुष्य मात्र।

आदम आद होणूं।
आदम आद होना। आधा-आधा बराबर का हिस्सा होना।

आद्दर सी हेटऽ तक।
ऊपर से नीचे तक। चोटी से लगाकर एड़ी तक। पूरा-पूरा।

आदमकद होणूं।
आदमकद होना। आदमी की ऊँचाई के बराबर।

आदर लेणूं।
आदर लेना। इरादा पक्का करना। मन में करने का निश्चय करना।

आदमी खऽ कसणूं।
आदमी को कसना। आदमी की परीक्षा लेना।

आदमी नी घणचक्कर होणूं।
आदमी नहीं घनचक्कर होना। आदमी की बजाय कुछ और होना।

आधऽ-आध करणूं।
आधा-आधा करना। एक चीज के दो बराबर हिस्से करना।

आधार होणूं।
आधार होना। पेट में कुछ जाना। सहारा होना।

आधो-आधो करनूं।
आधा-आधा करना। बराबर हिस्सों में बाँटना।

आधो तीतर आधो बटेर होणूं।
आधा तीतर आधा बटेर होना। मिलावट होना। ईजोड़ बिजोड़।

आधो रई जाणूं।
आधा रह जाना। दुबला हो जाना।

आधारशिला धरणूं।
आधारशिला रखना। किसी कार्य या निर्माण का आरम्भ करना।

आधी खऽ छोड़ी नऽ अवखी कऽ पकड़णूं।
आधी को छोड़ पूरी को पाने की कोशिश करना। थोड़ी से सन्तुष्ट न होकर अधिक की चाहत।

आधा अधूरा मन सी काम करनूं।
आधे अधूरे मन से काम करना। पूरी लगन से काम न करना।

आधो अधूरो होणूं।
आधा अधूरा होना। पूरा ज्ञान न होना। पूरी तरह से समझदार न होना।

आधो य्हां नऽ आधो व्हां होणूं।
आधा यहाँ और आधा वहाँ होना। कहीं भी पूरे मन से नहीं होना। चल-विचल होना।

आधो खाणो नऽ सुखी रयणूं।
आधा खाना और सुखी रहना। भले ही आधा पेट खाना मिले पर सुख से तो रहें।

आण राखणूं।
आन रखना। प्रतिज्ञा पूरी करना। इज्जत रखना।

आन का लेणऽ मरनूं।
आन के लिए मरना। इज्जत बचाने के लिए कठिन से कठिन परिस्थिति के लिए तैयार रहना।

आन बान शान होणूं।
आन बान शान होना। धन-दौलत, इज्जत, शान-शौकत होना।

आन छोड़णूं।
आन छोड़ना। प्रण छोड़ना, जिद छोड़ना, सम्मान घटाना।

आना पाई चुकतो करणूं।
आना पाई चुकता करना। लेन-देन का हिसाब पूरा करना।

आनंद मऽ रयणूं।
आनन्द में रहना। सुख-शान्ति से रहना।

आनंद करणूं।
आनंद करना। खुशी मनाना। मौज करना। सुखी रहना।

आनन-फानन मऽ काम करनूं।
आनन-फानन में काम करना। बहुत जल्दबाजी चाहे जैसे काम करना।

आनाकानी करणूं।
आनाकानी करना। मना करना। हिले-हवाले करना।

आन पऽ मरी मिटणूं।
आन पर मर मिटना। प्राण देकर प्रतिज्ञा निभाना।

आन देणूं।
आन देना। कसम देना।

आप बीती सुनाणूं।
आपबीती सुनाना। अपने दु:ख की कहानी सुनाना। अपने अनुभव सुनाना।

आपा धापी करणूं।
आपाधापी करना। भाग-दौड़कर अपनी फिक्र करना।

आपा सी भायर होणूं।
आपे से बाहर होना। होशहवाश खो देना।

आपो दिखाणो।
आपा दिखाना। अपनापन दिखाना। गुस्सा दिखाना।

आपो खोणूं।
आपा खोना। अपने ऊपर नियंत्रण न रख पाना। क्रोध करना।

आप-आप करनूं।

आप-आप करना। खुशामद करना। सम्मानपूर्वक सम्बोधन बार-बार करना।

आप तो आपज छे।
आप तो आप ही हैं। बेजोड़ होना।

आपत्ति उठावणूं।
आपत्ति उठाना। विरोध दर्ज करना।

आई पड़नूं।
आ पड़ना। मुसीबत आना। अचानक आ जाना।

आपस की वात होणूं।
आपस की बात होना। निजी झगड़ा होना।

आपस को आदमी होणूं।
आपस का आदमी होना। मित्र या सम्बन्धी होना।

आप रूप होणूं।
आप रूप होना। परम श्रेष्ठ होना।

आपस मऽ उलझनूं।
आपस में उलझना। परस्पर झगड़ा करना।

आपस मऽ कटी मरनूं।
आपस में कट मरना। परस्पर लड़कर नष्ट हो जाना।

आपस मऽ गांठ पड़नूं।
आपस में गाँठ पड़ना। परस्पर शत्रुता होना।

आप सी आप कुछ करनूं।
आप ही आप कुछ करना। स्वत: अपनी बुद्धि या प्रेरणा से कार्य करना।

आपस को मामळो होणूं।
आपस का मामला होना। निजी समस्या होना। झगड़ा होना।

आपज अपणो जवाब होणूं।
आप ही अपना जवाब होना। सबसे अलग होना। अनोखा होना। अद्वितीय होना।

आपस मऽ निपटणूं।
आपस में निपटना। परस्पर झगड़ा सुलझाना। सुलह करना।

आपस मऽ बठी नऽ वैर नी करनूं।
आपस में बैठकर वैर न करना। साथ-साथ रहने पर दुश्मनी न करना।

आपस मऽ रयणूं नऽ अबोलो कसो?
आपस में रहना और अबोला कैसे? पास-पास रहना और बिना बोले कैसे रहना।

आपस की हरमरई कोई खऽ नी कयणूं।
आपस की बीती किसी को न कहना। परस्पर मित्रता में कहा-सुनी किसी को कहने लायक नहीं होती।

आप कऽ भूलनूं।
आपको भूलना। अपनी औकात को भूलना। अज्ञान में रहना। घमण्ड करना।

आप कऽ आसमान मऽ खींचणूं।
आपको आसमान में खींचना। स्वयं की प्रशंसा करना।

आप आप की पड़णूं।
आप आपकी पड़ना। अपनी-अपनी चिन्ता करना। फिकर करना।

आपा सी बायर होणूं।
आपा से बाहर होना। बहुत गुस्से में होना। बदहवास होना।

आफत झेलणूं।
आफत झेलना। मुसीबत झेलना।

आफत मचावणूं।
आफत मचाना। मुसीबत खड़ी करना। बेचैनी होना।

आफत मऽ पड़णूं।
आफत में पड़ना। कष्ट में पड़ना।

आफत माथा पऽ लेणूं।
आफत माथे पर लेना। कठिनाई उठाने की जिम्मेदारी लेना।

आफत मोल लेणूं।
आफत मोल लेना। जानबूझकर मुसीबत ले लेना।

आफत सी पुड़िया होणूं।
आफत की पुड़िया होना। झगड़ालू होना। मुसीबत में फँसाने वाला होना।

आफत को मार्‍यो होणूं।
आफत का मारा होना। विपत्तिग्रस्त होना।

आफत को पर काळो होणूं।
आफत का पर काला होना। विपत्ति से निकलने वाला होना। चमत्कार होना।

आफत उठाणूं।
आफत उठाना। मुसीबत उठाना।

आफत खड़ी करनूं।
आफत खड़ी करना। मुसीबत खड़ी करना। परेशानी खड़ी करना।

आफत मऽ पड़णूं।
आफत में पड़ना। संकट में पड़ना।

आफत सी बचणूं।
आफत से बचना। मुसीबत से बचना।

आफत को घर होणूं।
आफत का घर होना। मुसीबत ही मुसीबत का होना।

आफत सी घबराणूं नी।
आफत से घबराना नहीं। संकट से घबराना नहीं। साहस से सामना करना।

आब खोणूं।
आब खोना। चमक जाना। सम्मान नष्ट होना।

आब उतरणूं।
आब उतरना। चमक उतरना। सम्मान नष्ट होना।

आब चढ़ाणूं।
आब चढ़ावाना। चमकाना।

आब राखणूं।
आब रखना। प्रतिष्ठा या मर्यादा की रक्षा करना।

आबोदाणो उठणूं।
आबोदाना उठना। मृत्यु समीप होना।

आबरू उतरनूं।
आबरू उतरना। सम्मान नष्ट होना।

आबरू को डर होणूं।
आबरू का डर होना। इज्जत का डर लगना।

आबरू का लेणऽ मरनूं।
आबरू के लिए मरना। सम्मान की रक्षा हेतु कष्ट उठाना।

आबरू खाक मऽ मिलणूं।
आबरू खाक में मिलना। प्रतिष्ठा या इज्जत खाक में मिलना।

आबरू पऽ पाणी फिरनूं।
आबरू पर पानी फिरना। सम्मान नष्ट होना।

आबरू पऽ आई पड़णूं।
आबरू पर आ पड़ना। इज्जत जाने की आशंका।

आबरू दई देणूं।
आबरू दे देना। सम्मान खोना।

आबरू बेची देणूं।
आबरू बेच देना। इज्जत खोना।

आबरू मऽ बट्टो लगणूं।
आबरू में बट्टा लगना। सम्मान कम होना।

आबरू लेणूं।
आबरू लेना। किसी की जानबूझकर इज्जत उतारना। अपमानित करना।

आबहवा बिगड़णूं।
आबोहवा बिगड़ना। वातावरण खराब होना। मौसम बिगड़ना।

आबहवा रास आवणूं।
आबोहवा रास आना। वातावरण अनुकूल होना।

आबाद होणूं।
आबाद होना। बसना।

आबाद करणूं।
आबाद करना। रौनक करना।

आबादी कम करनूं।
आबादी कम करना। बच्चों की उत्पत्ति रोकना।

आबादी बढ़ावणूं।
आबादी बढ़ाना। अधिक बच्चे पैदा करना।

आबादी को दबाव बढ़णूं।
आबादी का दबाव बढ़ना। अत्यधिक आबादी होना।

आबादी का बोझ सी धरती को दबणूं।
आबादी के बोझ से धरती का दबना। अत्यधिक आबादी से समस्या बढ़ना।

आब की ताब होणूं।
आब की ताब होना। चमक का प्रकाश होना।

आब खोना।
आब खोना। ऐसा काम करना, जिससे पूर्व प्रतिष्ठा खो देना।

आबरू लुटणूं।
आबरू लुटना। बेईज्जत होना।

आभा फूटणूं।
आभा फूटना। चमकना। उदय होना।

आभार माननूं।
आभार मानना। उपकृत होना।

आम खाणऽ सी काम, गुठली गिणनऽ सी काई काम।
आम खाने से काम, गुठली गिनने से क्या काम? सार से मतलब होना।

आम का आम नऽ गुठली का दाम मिलणूं।
आम का आम और गुठली का दाम मिलना। मूल वस्तु के लाभ के साथ ही और लाभ होना।

आम फळ नऽ को राजा आय।
आम फलों का राजा है। आम सब फलों में सर्वश्रेष्ठ है।

आंय-बांय बकणूं।
आंय-बांय बकना। ऊटपटाँग बोलना।

आर लगावणूं।
आर लगाना। तकादा करना। बार-बार टोकना।

आया-गया को मान करनूं।
आये-गये का मान करना। अतिथियों का यथोचित सम्मान करना।

आरती उतारणूं।
आरती उतारना। आदर-सत्कार करना। सम्मान देना। पूजा करना।

आरपार होणूं।
आरपार होना। बहुत चतुर होना। चोर-उचक्का होना।

आराम देणूं।
आराम देना। सुख-सुविधा देना।

आराम आणूं।
आराम आना। ठीक होना।

आराम सी गुजरनूं।
आराम से गुजरना। सुख-शान्ति से जीवन का निर्वाह होना।

आराम सी कईं करनूं।
आराम से कुछ करना। धीरे-धीरे कार्य करना।

आराम बड़ी चीज होणूं।
आराम बड़ी चीज है। आराम (विश्राम) करने से आदमी तरोताजा होता है।

आराम हराम छे।
आराम हराम है। शांति न मिलना।

आरी चलणूं।
आरी चलना। काटने का प्रयत्न करना। उपेक्षित होना।

आलथी-पालथी मारनूं।
आलथी-पालथी मारना। व्यवस्थित होकर बैठना। जमकर बैठना।

आलकी-पालकी मारी नऽ बठणूं।
आलकी-पालकी मारकर बैठना। पालथी मारकर बैठना।

आलकी की पालकी, जय कनैया लाल की।
एक प्रकार का बच्चों का खेल गीत।

आव देखणूं नी ताव देखणूं।
न आव देखना न ताव देखना। परिस्थिति देखकर बात न करना। भला-सोचे बगैर बात करना।

आवाज देणूं।
आवाज देना। पुकारना। सचेत करना।

आवाज कान मऽ पड़णूं।
आवाज कान में पड़ना। सुनाई देना।

आवाज बुलन्द होणूं।
आवाज बुलन्द होना। किसी बात को जोर से उठाना। विरोध करना।

आवाज मऽ कसक होणूं।
आवाज में कसक होना। आवाज में दर्द या करुणा होना।

आवाज मऽ जादू होणूं।
आवाज में जादू होना। मधुर आकर्षक आवाज।

आवाड़ो लगणूं।
अवाड़ा लगना। कुम्हार का मिट्टी के कच्चे बर्तनों को पकाने का 'आवा' लगाना।

आवागमन सी छुटकारो मिलणूं।
आवागमन से छुटकारा मिलना। मोक्ष प्राप्त कर लेना।

आवा जाही करणूं।
आवा जाही करना। आना-जाना करना। बार-बार आना।

आवाज सी पइचाणनूं।
आवाज से पहचानना। आवाज व्यक्ति की पहचान बन जाती है। उसे सुनकर व्यक्ति विशेष को पहचान सकते हैं।

आवाज खऽ दबाणूं।
आवाज को दबाना। किसी व्यर्थ या विवादास्पद बात को रोकना।

आवाज भर्रई जाणूं।
आवाज भर्रा जाना। स्वर का सुरीलापन खत्म हो जाना। बोलने की शक्ति का रुकना।

आवाज बन्द होणूं।
आवाज बन्द होना। मरना। समाप्त होना। चुप होना।

आवाज उठावणूं।
आवाज उठाना। आन्दोलन करना।

आवाज ऊँची करनूं।
आवाज ऊँची करना। किसी बात की जोर से माँग करना।

आवाज कसणूं।
आवाज कसना। दोषारोपण करना। व्यंग्य करना।

आवाज खुलणूं।
आवाज खुलना। गला साफ होना।

आवाज भारी होणूं।
आवाज भारी होना। आवाज में गम्भीरता आना। आवाज भर जाना।

आवभगत करणूं।
आवभगत करना। स्वागत-सत्कार करना।

आश्चर्य को ठिकाणो नी रयणूं।
आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहना। अचम्भित होना।

आश बंधणूं।
आशा बंधना। उम्मीद जगना।

आशा टूटणूं।
आशा टूटना। उम्मीद का टूटना।

आशा लगावणूं।
आशा लगाना। उम्मीद करना या लगाना।

आशा ज जीवन होणूं।
आशा ही जीवन होना। आशा पर सारा जीवन टिका है।

आशा-निराशा दुई को जोड़ो होणूं।
आशा-निराशा का जोड़ा है। जहाँ आशा है, वहाँ निराशा भी है।

आशा की डोरी टूटणूं।
आशा की डोर टूटना। स्वप्न भंग हो जाना।

आस होणूं।
आस होना। विश्वास होना। गर्भ से होना।

आस बंधणूं।
आस बँधना। इन्तजार करना, तसल्ली होना।

आसण जमावणूं।
आसन जमाना। स्थायी रूप से बैठना।

आसण डोलनू।
आसन डोलना। चित्त विचलित होना। घबरा जाना।

आसण देणूं।
आसन देना। आदर से बैठाना।

आसमान टूटी पड़णूं।
आसमान टूट पड़ना। अचानक विपत्ति आना।

आसमान उठावणूं।
आसमान उठाना। तूफान मचाना। हो हल्ला करना। किसी बात को लेकर जिद पर अड़ जाना।

आसमान सी पड़णूं।
आसमान से गिरना। घमण्ड में चूर होकर पतित होना। बिना कुछ प्राप्ति के टपक पड़ना। सन्न रह जाना।

आसमान मऽ थेगळो लगावणूं।
आसमान में थेगला लगाना। असम्भव कार्य करने की कोशिश करना।

आसमान मऽ बुरको करणूं।
आसमान में छेद करना। असम्भव कार्य करना।

आसमान बतावणूं।
आसमान बताना। पराजित करना। कुश्ती में चित करना।

आसमान मऽ उड़णूं।
आसमान में उड़ना। ऊँची-ऊँची बातें करना या इतराना।

आसमान पऽ चढ़णूं।
आसमान पर चढ़ना। अत्यधिक घमण्ड करना।

आसमान पऽ थूकणूं।
आसमान पर थूकना। पर लाँछन लगाना। योग्य या श्रेष्ठ व्यक्ति।

आसमान फाटणूं।
आसमान फटना। भयंकर विपत्ति का आना। भारी दुःख का आना। अत्यधिक वर्षा होना।

आसमान पऽ दिमाग चढ़णूं।
आसमान पर दिमाग चढ़ना। अत्यधिक घमण्ड में चूर होना।

आसमान साफ होणूं।
आसमान साफ होना। बादल इत्यादि का न होना। निरापद होना। किसी संकट की आशंका नहीं।

आसमान सिर पऽ उठाणूं।
आसमान सिर पर उठाना। उपद्रव या। होहल्ला करना।

आसमान खऽ छूणूं।
आसमान छूना। बहुत ऊँचा होना। कुछ असम्भव कार्य कर लेना।

आसमान सी बात करनूं।
आसमान से बात करना। बहुत बड़ी-बड़ी बातें करना।

आसमान की सैर करनूं।
आसमान की सैर करना। बड़ी-बड़ी बातें सोचना। ऊँची-ऊँची कल्पना करना।

आसमान को थर्राणूं।
आसमान का थर्राना। जुल्म-सितम का होना।

आसमान का तारा तोड़णूं।

आसमान के तारे तोड़ना। असम्भव कार्य करना।

आसमान का तारा गिणनूं।
आसमान के तारे गिनना। असम्भव कार्य करना।

आसमान पऽ चढ़ावणूं।
आसमान पर चढ़ाना। अधिक प्रशंसा करना।

आसमान सी गिरीकर खजूर मऽ अटकणूं।
आसमान से गिरकर खजूर में अटकना। एक परेशानी से निकलकर दूसरी परेशानी में फँसना।

आसमानी-सुल्तानी करणूं।
आसमानी-सुल्तानी करना। ऊँची-नीची बातें करना। अफलातूनी बातें करना।

आसमान सी टक्कर लेणूं।
आसमान से टक्कर लेना। बड़े व्यक्ति की बराबरी करना।

आस्तीन को साँप होणूं।
आस्तीन का साँप होना। विश्वासघाती होना। पास में छुपा दुश्मन।

आस्तीन चढ़ाणूं।
आस्तीन चढ़ाना। लड़ने को तैयार होना।

आस्तीन मऽ सांप पालणूं।
आस्तीन में साँप पालना। दुश्मन का पोषण करना।

आसरो देखणूं।
आसरा देखना। सहारा ढूँढना। छाया ढूँढना।

आसरा मऽ रयणूं।
आसरे में रहना। सहारे में रहना। भरोसे रहना।

आसरो मिलनूं।
आसरा मिलना। सहारा मिलना।

आह करणूं।
आह करना। दु:ख प्रकट करना।

आह भरणूं।
आह भरना। ठंडी साँस लेना। दु:ख या पश्चाताप करना।

आह पड़णूं।
आह पड़ना। किसी को सताने का फल मिलना।

आह भरी नऽ रई जाणूं।
आह भरकर रह जाना। मन-मसोसकर रह जाना।

आह-वाह करनूं।
आह-वाह करना। निंदा और प्रशंसा की मिलाजुली अभिव्यक्ति।

आहुति देणूं।
आहुति देना। त्याग या बलिदान करना।

आहट लेणूं।
आहट लेना। चुपके से पता लेना। बात को जानने की कोशिश करना।

आहणा पांय आवणूं।
आहने पैर आना। बिना जूते के नंगे पैर आना।

इ

इकलौतो बेटो होणूं।
इकलौता बेटा होना। माता-पिता का एकमात्र पुत्र होना।

इकलौती सन्तान होणूं।
इकलौती सन्तान होना। अपने माँ-बाप का अकेला होना। कोई सगा भाई-बहन नहीं होना।

इकलौती सन्तान लाड़ मऽ बिगड़नूं।
इकलौती सन्तान लाड़ में बिगड़ना। अकेले पुत्र या पुत्री माँ-बाप के अधिक प्यार में उच्छृंखल हो जाते हैं।

इकलौतो पूत, नात मिलऽ नी दोर।
इकलौते पुत्र पर कोई नकेल नहीं होती। इकलौते पुत्र पर माँ-बाप के कोई बन्धन नहीं होते, इसलिए वह मनमौजी तरीके से चलने का आदी हो जाता है।

इक्कलखोरो होणूं।
इक्कलखोर होना। अकेले रहने वाला। अकेले सुविधाएँ भोगने वाला। दूसरों को कुछ भी नहीं समझने वाला।

इक्कड़ होणूं।

इक्कड़ होना। अकेला होना।

इकसार होणूं।
इकसार होना। समतल होना। बराबर होना।

इकहरा बदन को होणूं।
इकहरा शरीर होना। दुबला-पतला होना।

इक हाड़्यो होणूं।
इक हाड़ियो होना। एक हड्डी का होना। नितान्त दुबला-पतला होना।

इक्सीस पड़णूं।
इक्कीस पड़ना। भारी पड़ना। श्रेष्ठ सिद्ध होना।

इक्का-दुक्का होणूं।
इक्का-दुक्का होना। एक या दो लोगों का आना-जाना। कम संख्या में होना।

इक्कीसी होणूं।
इक्कीसी होना। बढ़-चढ़कर होना। श्रेष्ठ सिद्ध करना।

इक्को छे।
इक्का है। मतलब झक्की है।

इकमेल होणूं।
इकमेल होना। एक साथ काम करना। एक मत होना। मिल जाना।

इकतरफा बात करणूं।
इकतरफा बात करना। पक्षपात करना।

इकतरफो फैसलो करनूं।
इकतरफा फैसला करना। दोनों पक्षों की बात न सुनकर निर्णय करना।

इकट्ठो हिसाब चुकतो करनूं।
इकट्ठा हिसाब चुकता करना। एक साथ जमकर लड़ाई करना।

इक्कीस विस्वा सही होणूं।
इक्कीस विस्वा सही होना। शास्त्र सम्मत सत्य होना।

इक्कीस बाविस करणूं।
इक्कीस बाविस करना। बर्बाद करना।

इक्कीस बाविस को अन्तर होणूं।
इक्कीस बाविस का अन्तर होना। बहुत फर्क होना।

इकट्ठो करणूं।
इकट्ठा करना। जमघट लगाना। समेटना या एकत्रित करना।

इक्कड़ो रोटो सेकणूं।
इक्कड़ी रोटी सेकना। एक तरफ रोटी को अधिक सेक देना। एक तरफ होना।

इच्छा पूरी होणूं।
इच्छा पूरी होना। मन में चाही हुई बात जैसी की वैसी साकार हो जाना।

इच्छा करणूं।
इच्छा करना। किसी चीज को चाहना, प्राप्त करने की चाहना होना।

इच्छा का अनुसार चलणूं।
इच्छा के अनुरूप चलना। मर्जी के मुताबिक चलना।

इच्छा मरी जाणूं।
इच्छा मर जाना। इच्छा समाप्त होना।

इच्छा को फैलणूं।
इच्छा का फैलना। एक के बाद एक इच्छाओं का बढ़ना।

इच्छा मृत्यु होणूं।
इच्छा मृत्यु होना। चाहने पर मृत्यु होना। साधना अथवा वरदान से यह शक्ति व्यक्ति अपने में विकसित कर सकता है। भीष्म पितामह को यह शक्ति प्राप्त थी।

इच्छा का विरुद्ध चलणूं।
इच्छा के विरुद्ध चलना। इच्छा के विपरीत कार्य करना।

इच्छा नऽ कऽ बस मऽ करनूं।
इच्छाओं को वश में करना। इच्छाओं का दमन करना।

इच्छा सी काम करणूं।
इच्छा से काम करना। स्वेच्छा अथवा स्वप्रेरणा से कार्य करना।

इच्छा जागणूं।
इच्छा जागना। प्राप्त करने की लालसा पैदा होना।

इच्छा होय तो करणूं।
इच्छा हो तो करना। सच्चे मन की स्वीकृति से काम करना।

इज्जत बिगड़णूं।
इज्जत बिगड़ना। प्रतिष्ठा नष्ट होना।

इज्जत खाक मऽ मिलणूं।
इज्जत खाक में मिलना। अपनी या किसी और की प्रतिष्ठा समाप्त होना, समाप्त करना, कलंकित होना।

इज्जत कमाणूं।
इज्जत कमाना। मर्यादा या प्रतिष्ठा कमाना।

इज्जत उतारणूं।
इज्जत उतारना। किसी की प्रतिष्ठा नष्ट कर देना।

इज्जत को सवाल होणूं।
इज्जत का सवाल होना। मर्यादा की रक्षा का प्रश्न होना।

इज्जत अपणा हाथ मऽ होणूं।
इज्जत अपने हाथ में होना। प्रतिष्ठा बनाना–बिगाड़ना अपने पर निर्भर होना।

इज्जत लूटणूं।
इज्जत लूटना। जबरन मर्यादा के इज्जत करना। अस्मत लूटना।

इज्जत लुटाणूं।
इज्जत लुटाना। ऐसा काम करना, जिससे इज्जत खराब हो।

इज्जत बेचणूं।
इज्जत बेचना। अस्मत (शरीर) बेचना।

इज्जत बढाणूं।
इज्जत बढ़ाना। अधिक मान–सम्मान बढ़ाना।

इज्जत बनाणूं।
इज्जत बनाना। और अधिक मान–प्रतिष्ठा बढ़ाना।

इज्जत लेणूं।
इज्जत लेना। शील भंग करना। सम्मान को आहत करना।

इज्जत करणूं।
इज्जत करना। सम्मान करना या आदर देना।

इज्जत खोणूं।
इज्जत खोना। सम्मान गँवाना।

इज्जत डुबावणूं।
इज्जत डुबाना। मान–मर्यादा नष्ट करना।

इज्जत देणूं।
इज्जत देना। सम्मान देना।

इज्जत दुई कवड़ी की करणूं।
इज्जत दो कौड़ी की करना। सम्मान खराब करना। मर्यादा खराब करना।

इज्जत पऽ पाणी फेरणूं।
इज्जत पर पानी फेरना। सम्मान खोना।

इज्जत मिट्टी मऽ मिलणूं (मिलावणूं)।
इज्जत मिट्टी में मिलना या मिलाना। मान–मर्यादा इज्जत का नाश होना। करना।

इज्जत मऽ बट्टो लगणूं।
इज्जत में बट्टा लगाना। सम्मान में दाग या कलंक लगना। हेटी होना।

इज्जत का काकरा करनूं।
इज्जत में पत्थर पड़ना। मान मर्यादा का बिगड़ना। मर्यादा में रहना।

इज्जत सी रयणूं।
इज्जत से रहना। मान प्रतिष्ठा से रहना।

इज्जत का खातिर।
इज्जत के खातिर। इज्जत के लिए मर मिटना। इज्जत बनाने के लिए हर कोशिश करना।

इज्जत होय तो सब कईं होणूं।

इज्जत हो तो सब कुछ होना। इज्जत मनुष्य का गहना है, शोभा है।

इतरी सी वात होणूं।
इतनी सी बात होना। छोटी-सी बात होना। सामान्य बात होना।

इतरो सो मुंडो लई नऽ रई जाणूं।
इतना-सा मुँह लेकर रह जाना। उदास होना। अपमानित होना। लज्जित होना।

इतरो सो मुंडो निकळी आवणूं।
इतना सा मुँह निकल आना। लज्जित होना। कमजोर होना।

इतरी से इतरी कर देणूं।
इतनी से इतनी कर देना। बहुत बढ़ा देना।

इतिश्री करनूं (होणूं)।
इतिश्री करना या होना। समाप्त करना। होना।

इतिहास बणानूं।
इतिहास बनाना। कुछ बड़े कार्य करके नाम कमाना।

इत्मीनान की साँस लेणूं।
इत्मीनान की साँस लेना। राहत अनुभव करना।

इतरा मऽ कईं होणूं।
इतने में कुछ न होना। उसी समय होना। जरा-सा मिलने पर कुछ न हो पाना।

इत्मीनान होणूं।
इत्मीनान होना। भरोसा होना।

इतरातो फिरणूं।
इतराता फिरना। बहुत घमण्ड करना।

इत्ते मान होणूं।
इत्तेमान होना। इसी प्रकार होना।

इत्तिफाक होणूं।
इत्तिफाक होना। संयोग होना।

इधर-उधर की लगावणूं।
इधर-उधर की लगाना। झूठी शिकायत करना। यहाँ की बात वहाँ कहना।

इधर की उधर लगावणूं।
इधर की उधर लगाना। बात को फैलाना। चुगली करना। लड़ाई-झगड़े करवाना। यहाँ की बात वहाँ करना।

इधर-उधर घुमणूं।
इधर-उधर घूमना। बिना किसी उद्देश्य के घूमना।

इधर-उधर होणूं।
इधर-उधर होना। भाग जाना। छिप जाना। तितर-बितर होना। बचने की कोशिश करना।

इधर-उधर देखणूं।
इधर-उधर देखना। निरुत्तर होना। हिचकिचाना।

इधर-उधर झाकणूं।
इधर-उधर झाँकना। निरुत्तर होना। गुप्तचरी करना।

इधर-उधर रयणूं।
इधर-उधर रहना। बेमतलब लोगों के यहाँ रहना।

इधर-उधर सी कईं करनूं।
इधर-उधर से कुछ करना। जगह-जगह थोड़ा-बहुत काम करना।

इधर को माल उधर करणूं।
इधर का माल उधर करना। चोरी-चकारी करना। बेईमानी करना।

इधर की दुनिया उधर होणूं।
उधर की दुनिया उधर होना। असम्भव बात होना।

इधर या उधर होणूं।
इधर या उधर होना। अन्तिम निर्णय होना। कोई न कोई परिणाम निकलना।

इधर सी उधर करनूं।
इधर से उधर करना। गड़बड़ी पैदा करना। अव्यवस्था करना।

इधर को उधर होणूं।

इधर का उधर होना। बदल जाना। परिवर्तित होना।

इधर कुआ उधर खाई होणूं।
इधर कुँआ उधर खाईं होना। दोनों स्थिति में नुकसान होना।

इधर उधर की उड़ावणूं।
इधर-उधर की उड़ाना। व्यर्थ की बातें करना। बेबुनियाद बातें करना।

इधर-उधर की फाँकना।
बेकार। बिना प्रसंग की बातें करना।

इधर-उधर की वात होणूं।
इधर-उधर की बात होना। अफवाह फैलना। अपमानित बातें होना।

इधर-उधर सी काम करणूं।
इधर-उधर से काम करना। व्यर्थ में। बिना लाभ के काम कर लेना।

इधर-उधर को काम करनूं।
इधर-उधर का काम करना। मुख्य काम छोड़कर कुछ अन्य काम करना।

इधर-उधर सी उधार पाव लेणूं।
इधर-उधर से उधार लेना। उधार यानी कर्ज ले-लेकर गृहस्थी चलाना या कोई कार्य करना।

उधर-उधर सी अटोपणूं।
उधर-उधर से अटोपना। बिना मुरव्वत के सामान या रुपये-पैसे बटोरना।

इधर-उधर मुंडो मारनूं।
इधर-उधर मुँह मारना। जबरन अधिकार जमाना। किसी चीज को पाने की कोशिश करना।

इना रस्ता पऽ चलणूं।
इस मार्ग पर चलना। संकेतित मार्ग चुनना।

इणा-गिणा लोग होणूं।
इने-गिने लोग होना। लोगों की संख्या कम होना।

इनाम देणूं।
इनाम देना। पुरस्कृत करना।

इनाम का लायक काम करनूं।
इनाम के लायक काम करना। प्रशंसनीय अथवा पुरस्कार के योग्य काम करना।

इनाम इकरार करनूं।
इनाम इकरार करना। पुरस्कृत करना।

इनी दुनिया मऽ कोई केको नी रयणूं।
इस दुनिया में कोई किसी का नहीं होना। रिश्तों में खटास आना। समय पर साथ नहीं देना।

इनी पगड़ी की लाज रखणूं।
इस पगड़ी की लाज रखना। इज्जत या प्रतिष्ठा का ख्याल करना।

इना कान सी सण्णु नऽ उना कान सी उड़ावणूं।
इस कान से सुनना और उस कान से उड़ाना। अनसुनी करना। ध्यान से न सुनना।

इनी वात पऽ मति जाणूं।
इस बात पर नहीं जाना। इस बात पर ध्यान नहीं देना। ऐसा मत सोचो। इस विषय पर मत बोलो।

इनी वात मऽ मरी मिटणूं।
इस बात पर मर मिटना। निछावर होना।

इनीज दुनिया मऽ रयणूं।
इसी दुनिया में रहना। संसार में ही व्यवहार करना।

इनी वात पर दगड़ो धरणूं।
इस बात पर पत्थर रखना। इस विषय पर बात नहीं करना। बन्द करना। भूल जाना।

इनी वात को कोई ठिकाणो नी।
इस बात का कोई ठिकाना नहीं आधारहीत बात।

इन्सान सी हैवान बणणूं।
इन्सान से हैवान बनना। भले से बुरा बनना।

इन्सान इन्सान ख नी पईचाणनू।
इन्सान होकर इन्सान को न पहचानना। भले-बुरे की पहचान न होना।

इन्सान सी बड़ो कुण छे।
इन्सान से बड़ा कौन है? जीवों में इन्सान से बुद्धिमान और बड़ा कौन है?

इंच-इंच को हिसाब लेणूं।
इंच-इंच का हिसाब लेना। जरा-जरा से खर्च का हिसाब लेना। हिसाब में गड़बड़ी न होने देना।

इंच भर होणूं।
इंच भर होना। बहुत थोड़ा होना।

इन्तजाम करनूं।
इन्तजाम करना। व्यवस्था करना। काम की तैयारी करना। झगड़ा करने को तैयार होना। अच्छी तरह निपटने के लिए विवश होना।

इन्तजाम सी निकलणूं।
इन्तजाम से निकलना। पूरी तैयारी से जाना। झगड़ा करने या विरोधी से निपटने की तैयारी से जाना।

इन्साफ की वात करनूं।
इन्साफ की बात करना। न्यायसंगत बात करना।

इन्साफ देणूं।
इन्साफ देना। न्याय देना।

इन्साफ सी चलनूं।
इन्साफ से चलना। उचित न्यायसंगत काम करना।

इन्तजाम ढीलो होणूं।
इन्तजाम ढीला होना। अच्छा प्रबन्ध न होना। व्यवस्था गड़बड़ाना।

इन्द्री नऽ को दास होणूं।
इन्द्रियों का दास होना। संयम से न रहना। इन्द्रियों के वश में होना।

इन्द्र की परी होणूं।
इन्द्र की परी होना। अत्यन्त सुन्दर होना।

इन्जन बणणूं।
इन्जन बनना। परिवार की गाड़ी खींचने में प्रमुख होना।

इनाज पांय नऽ पऽ खड़ो होणूं।
इन्हीं पैरों पर खड़ा होना। आत्मनिर्भर होना।

इनाज जीवन मऽ भव पूरो होणूं।
इसी जीवन से भव पूरा होना। मनुष्य के इसी जीवन में ही सब कुछ होना।

इबारत लिखणूं।
इबारत लिखना। नई परिभाषा गढ़ना।

इमारत ढहणूं।
इमारत ढहना। वृद्धावस्था आना। धनी से कंगाल होना।

इहलीला खतम होणूं।
इहलीला समाप्त होना। मृत्यु होना।

इरादा को पक्को होणूं।
इरादा का पक्का होना। दृढ़ निश्चयी होना।

इरादा पऽ डटी रयणूं।
इरादे पर डटे रहना। निश्चय को न बदलना। सुदृढ़।

इल्जाम लगावणूं।
इल्जाम लगाना। दोषारोपण करना।

इलाज करनूं।
इलाज करना। सुधार करना। बुराई रोकने का प्रबन्ध करना।

इल्लत लेणूं (लगणूं)।
इल्लत लेना या लगना। मुसीबत लेना। बुरा मालूम होना।

इल्लत काटणूं।
इल्लत काटना। ज्यों-त्यों शीघ्र समाप्त करना।

इशारा पऽ चलणूं।
इशारे पर चलना। किसी दूसरे के कहे अनुसार चलना।

इ	ई

इशारा पऽ नाचणूं।
इशारे पर नाचना। किसी अन्य के कहे पर खूब काम करना। तुरन्त आज्ञा पालन करना।

इस कान सुणनूं उस कान निकाळ देणूं।
इस कान सुनना उस कान निकाल देना।

इस पार या उस पार होणूं।
इस पार या उस पार होना। अन्तिम निर्णय। परिणाम जो भी हो।

इस हाथ की खबर उस हाथ कऽ नी लगणूं।
इस हाथ की खबर उस हाथ को न लगना। निकटतम व्यक्ति को भी जानकारी न होना।

ई कुण आय?
ये कौन है? ये कौन व्यक्ति हैं। चरित्र पर सन्देह करना। परिचय माँगना।

ईख का समान होणूं।
ईख के समान होना। मीठा और कोमल होना। रस भरा होना।

ईख की तरह निचोड़णूं।
ईख की तरह निचोड़ना। पूरा रस ले लेना। बहुत सताना।

ईट का जबाब पत्थर सी देणूं।
ईंट को जवाब पत्थर से देना। शत्रु का प्रबल विरोध करना।

ईट सी ईट बजावणूं।
ईंट से ईंट बजाना। पूरी तरह नष्ट कर देना।

ईट पत्थर फेंकणूं।
ईंट पत्थर फेंकना। पागल होना। क्रोध में अंधा होना।

ईट तक बिकवाणूं।
ईंट तक बिकवाना। सब कुछ नष्ट करवाना। सब कुछ ले लेना।

ईद को चांद होणूं।
ईद का चाँद होना। बहुत दिनों बाद दिखाई देना या मिलना।

ईद को चाँद दिखणूं।
ईद का चाँद दिखना। त्योहार होना।

ईद को चांद देखणूं।
ईद का चाँद देखना। प्रेयसी का मुँह देखना।

ईद मिलणूं।
ईद मिलना। ईद पर गले लगकर मिलना।

ईमान बेचणूं।
ईमान बेचना। रिश्वत या पैसे के लालच में बेईमानी करना।

ईमान सी कयणूं।
ईमान से कहना। सच कहना।

ईमान राखणूं।
ईमान रखना। सच्चाई रखना।

ईमान को कापणूं।
ईमान का काँपना। भीतर की सच्चाई हिल जाना। डरना। ईमान डगमगा जाना।

ईमान बई जाणूं।
ईमान बह जाना। नीयत एकदम खराब होना। सत्य पर न रहना।

ईमान उठई नऽ आळ्या मऽ धरणूं।
ईमान उठाकर ताक में रखना। ईमान से च्युत होना। बेईमानी करना।

ईमान उठाणूं।
ईमान उठाना। ईमान की कसम खाना।

ईमान को सौदो करनूं।
ईमान का सौदा करना। ईमान को बेच देना। बेईमानी करना।

ईमान की रक्षा करनूं।

ईमान की रक्षा करना। ईमानदारी पर चलना।

ईमान ठिकाणऽ आवणूं।
ईमान ठिकाने पर आना। झूठ के नाता तोड़कर सच पर चलने का निश्चय करना।

ईमान ठिकाणऽ नी होणूं।
ईमान ठिकाने पर न होना। ईमान डगमगा जाना। बुरे काम में संलग्न होना।

ईमान डोलणूं (डिगणूं)।
ईमान डोलना या डिगना। सत्य डगमगा जाना। सत्य छोड़कर बेईमानी आरम्भ करना।

ईमानदारी सी चलणूं।
ईमानदारी से चलना। सच के सहारे चलना।

ईमान धरम की बात करनूं।
ईमान धरम की बात करना। सत्य या उचित बात की तरफदारी करना।

ईमान धरम सी कयणूं।
ईमान धर्म से कहना। कसम खाकर किसी बात को सच्चा सिद्ध करना।

ईमान पऽ छोड़णूं।
ईमान पर छोड़ना। भलमनसाहत के भरोसे निश्चिन्त रहना।

ईमान मऽ फरक आवणूं।
ईमान में फर्क आना। अच्छा स्वभाव बिगड़ना। सच्चाई कम होना।

ईश्वर का भरोसा रयणूं।
ईश्वर के भरोसे रहना। ईश्वर पर सम्पूर्ण विश्वास रखना।

ईश्वर को भरोसो।
ईश्वर का भरोसा। भगवान पर पूर्ण विश्वास।

ईश्वर खऽ दोष देणूं।
ईश्वर को दोष देना। असन्तोष जताना। अपनी दशा को कोसना।

ईश्वर खऽ प्यारो होणूं।
ईश्वर को प्यारा होना। मृत्यु होना।

ईश्वर पऽ छोड़णूं।
ईश्वर पर छोड़ना। ईश्वर की मर्जी पर भरोसा होना।

ईश्वर का नाम पऽ सब करणूं।
ईश्वर के नाम पर सब करना। ईश्वर पर भरोसा कर सब काम शुरू करना।

ईर्ष्या सी जलणूं।
ईर्ष्या से जलना। कुढ़ना। बहुत ईर्ष्या-द्वेष करना।

ईर्ष्या खऽ पल्लू मऽ नी बांधणूं।
ईर्ष्या को पल्लू में न बाँधना। ईर्ष्या-द्वेष आदि से बचकर रहना।

उ

उकड़ू बठणूं।
उकड़ू बैठना। किसी दबाव में सिकुड़कर बैठना। भयभीत होकर बैठना।

उबलती कढ़ाई मऽ हाथ न्हाखणूं।
उकळती कढ़ाई में हाथ डालना। कठिन परीक्षा से गुजरना।

उखड़ी जाणूं।
उखड़ जाना। एक जगह छोड़कर दूसरी जगह बस जाना।

उखड़ी पड़णूं।
उखड़ पड़ना। यकायक गुस्सा होना।

उखड़्यो उखड़्यो रयणूं।
उखड़ा-उखड़ा रहना। परेशान रहना। बात-बात में क्रोध होना।

उखड़ी वात नऽ करणूं।
उखड़ी बातें करना। निराशा भरी बातें करना। असम्बद्ध बातें करना।

उखाड़ी नऽ फेंकणूं।

उखाड़कर फेंकना। स्थायी रूप से भगा देना।

उखाड़ पछाड़ करनूं।
उखाड़ पछाड़ करना। प्रबल विरोध करना। गिराना। विवाद करना।

उखाड़ी नऽ दिखाणूं।
उखाड़कर दिखाना। दूसरों के सम्मुख किसी को स्थायी रूप से भगा देना।

उखड़ी नऽ जमणूं।
उखड़कर जमना। एक बार अव्यवस्थित होकर व्यवस्थित होना।

उखड़ी-उखड़ी सांस चलणूं।
उखड़ी-उखड़ी साँस चलना। हिचकियाँ भरना। मृत्यु के समीप होना।

उगतो सूरज देखणूं।
उगता सूरज देखना। प्रगति का दिन देखना। उन्नति और सुख का अनुभव करना।

उगतो सूरज होणूं।
उगता सूरज होना। प्रगतिशील होना।

उगता सूरज खऽ सब कोई नमस्कार करज।
उगते सूरज को सब कोई नमस्कार करते हैं। प्रगति करने वाले का सभी सम्मान करते हैं।

उगळ देणूं।
उगल देना। रहस्य बता देना।

उगळई लेणूं।
उगलवा लेना। रहस्य कबूल करवा लेना।

उगी आवणूं।
उग आना। अंकुरित होना। बड़ा होना। जवान होना।

उग्र होणूं।
उग्र होना। गुस्सा होना। क्रोध करना।

उंगळी करणूं।
अँगुली करना। छेड़ना। उत्तेजित या परेशान करना।

उंगळी काटी लेणूं।
अँगुली काट लेना। आश्चर्य में पड़ना। आश्चर्यचकित रह जाना।

उंगळई उठावणूं।
अँगुली उठाना। दोषारोपण करना। नुक्श निकालना। इशारा करना।

उंगळई पऽ नाचणूं।
अँगुली पर नाचना। इशारे पर कार्य करना। इशारों पर नाचना।

उंगळई पऽ नचावणूं।
अँगुली पर नचाना। इच्छानुसार कार्य कराना। वश में करना।

उंगळई चाटणूं।
अँगुली चाटना। स्वाद ले लेकर खाना। स्वादिष्ट खाना।

उंगळई का इशारा पर नाचणूं।
अँगुली के इशारे पर नाचना। उचित-अनुचित सोचे बगैर आदेश मानते जाना।

उंगळी दिखावणूं।
अँगुली दिखाना। इशारा या इंगित करना। धमकाना।

उंगळी नी दिखई सकणूं।
अँगुली नहीं दिखा सकना। दोष या गलती निकालने का अवसर न होना।

उंगळई पकड़णूं।
अँगुली पकड़ना। सहारा लेना।

उंगळई पकड़ी नऽ पोयचो पकड़णूं।
अँगुली पकड़कर पहुँचा पकड़ना। धीरे-धीरे अधिकार कर लेना। धीरे-धीरे कब्जा करना।

उंगळी पऽ उठावणूं।

अँगुली पर उठाना। आसानी से वश में कर लेना। परेशान करना।

उंगळ्ई लगावणूं।
अँगुली लगाना। मारना।

उंगळ्ई बतावणो को धरम होणूं।
अँगुली बताने का धर्म होना। किसी को सही-सही मार्ग दिखाना।

उघड़ी जाणूं।
उघड़ जाना। खुल जाना। बात का मालूम हो जाना।

उघाड़ा को काई बिगड़णूं।
उघाड़े का क्या बिगाड़ना? बिना वस्त्र या बिना इज्जत वाले की इज्जत चली भी जाये तो उसका क्या बिगड़ना है?

उघाड़ा पुगाड़ा नऽ दोंद दुगाड़ा।
उघाड़ा पुगाड़ा और दोंद दुगाड़ा। एकदम नग्न होना। निर्धन, जिसके पास पहनने-ओढ़ने की व्यवस्था नहीं।

उघड़ी पड़णूं।
उघड़ पड़ना। अपने असली रूप में आना।

उचटी जाणूं।
उचट जाना। अच्छा न लगना।

उचटती नजर सी देखणूं।
उचती नजर से देखना। किसी को शीघ्रता में देखना। लापरवाही से देखना।

उचाट होणूं।
उचाट होना। मन नहीं लगना।

उचटी नऽ लगणूं।
उचटकर लगना। अनायास बिना मेहनत के लाभ मिलना।

उछलकूद करणूं।
उछलकूद करना। इधर-उधर घूमना। शीघ्रता करना। चंचलता दिखाना। क्रोध दिखाना।

उछळी पड़णूं।
उछल पड़ना। बहुत खुश होना। आश्चर्य करना।

उछाळ देणूं।
उछाल देना। बदनामी करना। अपमानित करना।

उछलतो फिरनूं।
उछलता फिरना। उत्साह से इधर-उधर घूमना। अधिक प्रसन्न होना।

उछाळ पऽ होणूं।
उछाल पर होना। भाव में तेजी होना।

उछळी-उछळी नऽ चलणूं।
उछल-उछलकर चलना। कूदते हुए चलना। आगे बढ़-बढ़कर निकलना।

उछळी-उछळी नऽ वात करणूं।
उछल-उछलकर बात करना। बीच-बीच में बढ़-चढ़कर बातें करना।

उजबक होणूं।
उजबक होना। मूर्ख होना।

उजड़्यो घर वसणूं।
उजड़ा घर बसना। विदुर का विवाह होना। विधवा स्त्री का पुनर्विवाह होना।

उजड़ी जाणूं।
उजड़ जाना। सम्पत्ति नष्ट होना। हानि सहना।

उजड़ी नऽ बसणूं।
उजड़ कर बसना। एक बार नष्ट होकर पुनः आबाद होना।

उजड़्यो बाग होणूं।
उजड़ा बाग होना। बगीचे का उजड़ना। पेड़-पौधों का सूख जाना।

उजड़्यो अवात होणूं।
उजड़ा अवात होना। पति का मर जाना। सौभाग्य का उजड़ जाना।

उजड़ई कूख होणूं।
उजड़ी कोख होना। बाँझ स्त्री। निस्संतान स्त्री।

उजाड़ई गाय होणूं।
उजाड़ी गाय होना। आवारा गाय। स्त्री।

उजाड़ई सांड होणूं।
उजाड़ सांड होना। आवारा पशु। आवारा युवक।

उजाड़्या घर की ढेळ होणूं।
उजड़े घर की ढेल होना। सब कुछ नष्ट होने की अन्तिम निशानी।

उजळो धन होणूं।
उजळा धन होना। ईमानदारी से कमाई सम्पत्ति। योग्य पुत्र-पुत्री का होना।

उजळी चादर होणूं।
उजली चादर होना। भला निष्कलंक। चरित्रवान व्यक्ति होना।

उजळो मुंडो करणूं।
उजला मुँह करना। अच्छे काम करना। यशस्वी काम करना। कर्ज आदि चुकाना।

उजळा कपड़ा पेरनूं।
उजला कपड़ा पहनना। उज्ज्वल छवि बनाना। साफ-सुथरे कपड़े पहनना।

उजळो दिमाग होणूं।
उजली समझ होना। कुशल बुद्धि होना।

उजळी तबियत पाणूं।
उजली तबियत पाना। अच्छी समझ रखने वाला। सकारात्मक सोच वाला। सुलझा व्यक्ति।

उजळा काम करणूं।
उजले काम करना। अच्छे काम करना।

उजळा बाळ होणूं।
उजले बाल होना। सफेद बाल होना। बुढ़ापा आना। परिपक्व अवस्था।

उजळा बाळ होणऽ लगणूं।
उजले बाल होने लगना। बुढ़ापे का संकेत होना।

उजळो फळ पाणूं।
उजला फल पाना। पुत्ररत्न पाना।

उजड़ेल घर वसणूं।
उजड़ा घर बसना। पुनः विवाह होना। निस्संतान को पुत्र प्राप्त होना।

उजागर करणूं।
उजागर करना। सबको बता देना। बात को फैला देना। प्रसिद्ध करना।

उजाळो फैलणूं।
उजाळा फैलना। दिन निकलना। ज्ञान का प्रकाश फैलना।

उजाळो होणूं।
उजाला होना। रौनक बढ़ना। दिन निकलना। आनन्द का कारण होना।

उजाळो करनूं।
उजाला करना। प्रसिद्ध होना। व्यंग्य में- असंयत काम करना। मर्यादा के विरुद्ध चलना।

उटांगळो होणूं।
उटांगला होना। आवारा होना।

उठी नऽ खड़ो होणूं।
उठकर खड़ा होना। चलने को तैयार होना।

उठी जाणूं।
उठ जाना। खड़े हो जाना। तैयार होना। खर्च होना। मर जाना।

उठी-उठी नऽ देखणूं।
उठ-उठकर देखना। उत्सुकता दिखाना।

उठी-उठी नऽ बठणूं।
उठ-उठकर बैठना। अधिक उत्सुक होना। बेचैन होना।

उठणूं-बठणूं होणूं।
उठना-बैठना होना। सम्बन्ध होना। घनिष्टता होना।

उठता-बठता करणूं।

उठते-बैठते कर देना। कोई काम सहज और बिना अतिरिक्त परिश्रम के चलते-फिरते कर देना।

उठी पड़णूं।
उठ पड़ना। जाग जाना। जोश में आना। गतिशील होना।

उठई नी रखणूं।
उठाना या रखना। पूरा प्रयत्न करना।

उठई देणूं।
उठा देना। किराये पर देना। उन्नत करना।

उठा धरी करणूं।
उठा-धरी करना। एक जगह से दूसरी जगह कोई चीज रखना। व्यर्थ का काम करना।

उठाण पऽ होणूं।
उठान पर होना। प्रगति करने का समय होना। उन्नति करना।

उठक-बैठक करणूं।
उठक-बैठक करना। व्यर्थ परिश्रम करना।

उठा-पटक करणूं।
उठा-पटक करना। झगड़ा। मारपीट करना। झंझट करना।

उठई मारनूं।
उठा मारना। बहुत अधिक परेशान करना।

उठइगिरो होणूं।
उठईगिरा होना। दूसरे का सामान चोरी से उठाने वाला होना।

उठतऽ-बठतऽ।
उठते-बैठते। हर समय, हर घड़ी।

उठती जवानी।
उठती जवानी। बढ़ती जवानी। नवयौवन।

उठई लेणूं।
उठा लेना। मृत्यु की माँग करना। मरने के लिए तैयार होना। जीवन की निरर्थकता महसूस करना।

उड़ी नऽ जाणूं।
उड़ जाना। शीघ्रता से जाना।

उड़ी चलणूं।
उड़ चलना। शीघ्र भाग जाना।

उड़ती खबर होणूं।
उड़ती खबर होना। अफवाह होना। अनिश्चित सूचना।

उड़ी नऽ पहुँचणूं।
उड़कर पहुँचना। बहुत उत्सुक होना। पहुँचने की आतुरता।

उड़ती चिड़िया खऽ पईचाणनूं।
उड़ती चिड़िया को पहचानना। सबकी जानकारी रखना। अपरिचित को भी जान जाना।

उड़ती चिड़िया पकड़णूं।
उड़ती चिड़िया पकड़णूं। आहट को पहचान लेना। व्यवहार कुशल। सावधान होना।

उड़ती चिड़िया फसाणूं।
उड़ती चिड़िया फंसाना। दूसरे को प्रभावित करने (वश में करने) में कुशल होना।

उड़ती नजर सी देखणूं।
उड़ती नजर से देखना। लापरवाही से देखना। महत्त्व नहीं देना।

उड़न छू होणूं।
उड़न छू होना। भाग जाना। लापरवाह होना।

उड़द मतरनूं।
उड़द मतरना। जादू-टोना करना।

उड़्यो-उड़्यो फिरणूं।
उड़ा-उड़ा फिरना। अधिक परेशान होना। घमण्ड में चूर होना।

उड़णऽ लगणूं।
उड़ने लगना। अपने आपको बड़ा समझना।

उड़ई नऽ लाणूं।
उड़ाकर लाना। चुराकर लाना।

उड़ई देणूं।
उड़ा देना। चोरी करना। बात फैलाना।

उड़ान भरणूं।
उड़ान भरना। ऊँची कल्पना करना। ऊँचे ख्वाब देखना।

उड़ान मारणूं।
उड़ान मारना। दूर-दूर तक जाना।

उड़ी-उड़ी वात करणूं।
उड़ी-उड़ी बातें करना। बहकी-बहकी बातें करना। बिना आधार के बातें करना।

उड़न खटोला पऽ बठणूं।
उड़न खटोले पर बैठना। हवाई सफर करना। कल्पना में रहना।

उड़ती चिड़िया का पंख गिणणूं।
उड़ती चिड़िया के पंख गिनना। अत्यधिक चतुर। सावधान रहना।

उड़ती चिड़िया भापणूं।
उड़ती चिड़िया भापना। आने वाले संकट या आगत को पहचानने की शक्ति रखना।

उड़ई रखणूं।
उड़ा रखना। झूठी खबर फैलाना। बदनामी करना।

उड़ी-उड़ाई वातनऽ होणूं।
उड़ी-उड़ाई बातें होना। इधर-उधर से सुनी-सुनाई बातें होना।

उतरण फुतरण होणूं।
उतरन-फुतरन होना। पहनी हुई पुरानी चीजें।

उतरेल मुंडो होणूं।
उतरा मुँह होना। उदास चेहरा। उदासीनता छाना।

उतरी जाणूं।
उतर जाना। पद से नीचे आना। शेखी कम होना। तेवर कम होना।

उतरेल होणूं।
उतरा हुआ होना। बुरे स्वभाव का व्यक्ति होना। नीचे स्तर की सोच रखने वाला होना। मूल्यहीन।

उतरण पेरनूं।
उतरन पहनना। दूसरों के पहने हुए पुराने कपड़े पहनना।

उतरती उमर को होणूं।
उतरती उम्र का होना। अधेड़ अवस्था होना।

उतरती संझा को होणूं।
उतरती संध्या का होना। डूबता सूर्य। संध्या का धीरे-धीरे होना।

उतरी पड़णूं।
उतर पड़ना। आमादा हो जाना। तत्पर हो जाना।

उतार-चढ़ाव होणूं।
उतार-चढ़ाव होना। ऊँच-नीच होना। सुख-दुःख का आना। हानि-लाभ होना। भले-बुरे दिन देखना।

उतार देणूं।
उतार देना। पद से हटा देना।

उतार पऽ होणूं।
उतार पर होना। भाव कम होते जाना। प्रवाह कम होना। अवनति होना। दशा गिरना। ढलती उम्र।

उतार फेंकणूं।
उतार फेंकना। अलग कर देना। दूर करना। हटाना।

उतारो करनूं।
उतारा करना। टोने-टोटके के रूप में किसी के ऊपर से कोई वस्तु घुमाना। जादू-टोना करना।

उतारू होणूं।
उतारू होना। करने के लिए तैयार होना। उद्यत होना। किसी काम के लिए पक्का निश्चय करना।

उतार-फुतार को होणूं।
उतार-फुतार का होना। पहना हुआ। उपयोग में लाया हुआ। घिसी-पिटी पुरानी चीज।

उतार मऽ धीरऽ चलणूं।
उतार में धीरे चलना। जरावस्था में सँभलकर चलना।

उत्तर नी दई पाणूं।
उत्तर नहीं पाना। जवाब देने की स्थिति में न होना।

उत्तर नी बणी पड़णूं।
उत्तर न बन पड़ना। उत्तर देने में असमर्थ होना।

उथळ-पुथळ मचावणूं।
उथल-पुथल मचाना। व्यवस्था फैलाना। शान्ति भंग करना।

उथल-पुथल होणूं।
उथल-पुथल होना। अस्त-व्यस्त होना। घबरा जाना।

उथळो होणूं।
उथला होना। कम गहरा होना। चंचल स्वभाव का व्यक्ति होना। कम जानकार।

उथळा पानी मऽ डूबणूं।
उथले पानी में डूबना। कम गहरे पानी में डूबना। अगम्भीर होना।

उथलो आदमी होणूं।
उथला आदमी होना। छोटी सोच वाला व्यक्ति होना। जवाबदारी को गम्भीरता से न समझने वाला व्यक्ति होना।

उथळी सोच होणूं।
उथली सोच होना। कमतर सोचने-समझने वाला व्यक्ति होना।

उथळापण को भरणूं।
उथलापन का भरना। गहरी सोच-समझ विकसित होना।

उथळो मनख छिछळो रहेणूं।
उथला आदमी छिछोरा होना। कम सोच-समझ रखने वाला आदमी छिछोरा स्वार्थपूर्ण हँसी-मजाक करने वाला होता है।

उदय होणूं।
उदय होना। सूर्य का निकलना। प्रकट होना। प्रारम्भ होना।

उदय सी अस्त तक फैलणूं।
उदय से अस्त तक फैलना। पूर्व से पश्चिम तक सारी धरती। संसार में फैलना।

उदर भरणूं।
उदर भरना। पेट भरना। पेट पालना। दो टाइम की रोटी जुटाना। जीविका चलाना।

उदर पोषण करणूं।
उदर पोषण करना। पेट भरने की व्यवस्था करना।

उदर जिलाणूं।
उदर जिलाना। पेट पालना। भोजन की समुचित व्यवस्था करना।

उदर मऽ उंदरा दौड़णूं (कूदणूं)।
उदर में चूहे दौड़ना या कूदना। जोर की भूख लगना।

उदर पूर्ति करणूं।
उदरपूर्ति करना। अच्छी तरह से भोजन करना।

उदर की आग बुझावणूं।
उदर की आग बुझाना। भोजन करना।

उदर को सवाळ होणूं।
उदर का प्रश्न होना। पेट भराई की समस्या होना। भुखमरी की आशंका होना। ठीक से भोजन उपलब्ध न होना।

उदर को जलणूं।
उदर का जलना। भूखे मरना।

उदार होणूं (बणनूं)।
उदार होना या बनना। दयावान, दानशील, विशाल हृदय बनना। व्यंग्य में- इनका दिखावा करना।

उदारता को परिचय देणूं।
उदारता का परिचय देना। दयावान, दानशील, विशाल हृदय होने का व्यवहार करना।

उदार होणऽ सी काम नी चलणूं।
उदार होने से काम नहीं चलना। केवल शाब्दिक उदार

होने से काम नहीं चलता, उसे आचरण या व्यवहार में भी लाना जरूरी है।

उदाहरण होणूं (बणनूं)।
उदाहरण होना या बनना। आदर्श कायम करना। बनना।

उदो सुदो करणूं।
उदा-सुदा करना। उल्टा-पुल्टा करना। औंधा-सीधा करना। गड़बड़ करना।

उदो जाय सुदा का पास।
उदा जाय सुदा के पास। उल्टा जाये सीधे के पास। चोर का सीधे-सादे व्यक्ति से व्यवहार करना।

उदड़ो देणूं।
उदड़ा देना। थोक में बेचना और लेना।

उदड़ो करणूं।
उदड़ा करना। थोक वस्तुओं का मोलभाव करना।

उद्यम करनूं।
उद्यम करना। प्रयत्न या प्रयास करना। तरकीब लगाना।

उद्योग धंधा मऽ पड़णूं।
उद्योग धंधे में पड़ना। व्यापार में लगना। काम-धन्धा करना।

उद्योग करणूं।
उद्योग करना। प्रयत्न करना। धन्धा करना।

उद्‌बोधन करणूं।
उद्‌बोधन करना। सम्बोधित करना। भाषण करना।

उद्‌घाटन करणूं।
उद्‌घाटन करना। किसी चीज की शुरुआत करना। सबके लिए खोलना।

उधड़ी जाणूं।
उधड़ जाना। बुरी तरह से फट जाना। बुरी तरह आलोचित हो जाना।

उधेड़ डालनूं (देणूं)।
उधेड़ डालना या देना। भला-बुरा कह डालना। बुरी तरह मारना-पीटना। हानि पहुँचना। नष्ट करना।

उधेड़बुन मऽ पड़णूं (लगणूं)।
उधेड़बुन में पड़ना या लगना। विचारमग्न होना। प्रयत्नशील होना। चिन्तित होना।

उधार बठणूं।
उधार बैठना। तैयार रहना।

उधार खाई नऽ बठणूं।
उधार खाकर बैठना। किसी भी कार्य को करने के लिए तत्पर रहना। कर्ज करके बैठना।

उधार सम्बन्धनऽ की कैंची होयज।
उधार सम्बन्धों की कैंची होती है। उधार करने से रिश्तों में दरार आ जाती है। यहाँ तक कि सम्बन्ध टूट भी जाते हैं।

उधार खाणूं भूसा मऽ आग लगावणूं।
उधार खाना भूसे में आग लगाना। बहुत ऋण लेकर कर्ज में डूब जाना।

उधार चढ़णूं (चढ़ाणूं)।
उधार चढ़ना या चढ़ाना। ऋण लेना। ऋण होना।

उधार को खाणूं नऽ आग को तापणूं।
उधार का खाना और आग का तापना। उधार का खाना केवल तनाव का लेना।

उन्नीस विस्वा होणूं।
उन्नीस-बीस होना। थोड़ा कम-ज्यादा होना। थोड़ी भिन्नता होना। अन्तर होना।

उन्नीस होणूं।
उन्नीस होना। कम होना। दोषपूर्ण होना।

उन्नीस-बीस को फरक होणूं।
उन्नीस-बीस का फर्क होना। दो मनुष्य और वस्तु में थोड़ा अन्तर होना।

उपरा-उपरी होणूं।
उपरा-उपरी होना। ऊपर-ऊपर व्यवहार होना। जबरदस्ती

घुसना। एक-दूसरे से बढ़ जाने की इच्छा होना। अलग-थलग होना।

उप्पर पड़णूं।
ऊपर पड़ना। जबरन कार्य में शामिल होने की कोशिश करना।

उप्परवाळा की मेहरबानी होणूं।
ऊपरवाले की मेहरबानी होना। ईश्वर की कृपा होना।

उप्परवाळो जाणऽ।
उप्परवाला जाने। ईश्वर सब जानते हैं। परमात्मा की मर्जी पर बात छोड़ना।

उपर मन सी काम करनूं।
ऊपरी मन से काम करना। बिना इच्छा अथवा विवशता से काम करना।

उफनी पड़णूं।
उफन पड़ना। जल्दी क्रोध में आ जाना।

उफ तक नी करनूं।
उफ तक नहीं करना। हानि या दु:ख को चुपचाप सहना। जरा भी नहीं बोलना।

उफाण आवणूं।
उफान आना। क्रोध आना। तेजी होना। बाढ़ आना।

उफाण उतरनूं।
उफान उतरना। क्रोध। जोश कम होना। बाढ़ या तूफान कम होना।

उफान ठण्डो पड़णूं।
उफान ठण्डा पड़ना। जोश समाप्त होना। तेजी कम होना।

उफाण लेणूं।
उफान लेना। बहुत नाराज होना।

उफणई जाणूं।
उफना जाना। गुस्से में आ जाना।

उबळई पड़णूं।
उबल पड़ना। मन की भड़ास निकालना।

उबकाई आवणूं।
उबकाई आना। अच्छा न लगना। मितली आना।

उबाळ आवणूं।
उबाळ आना। जोश से भर जाना। उत्तेजित होना।

उबरणूं (उबारणूं)।
उबारना। उद्धार होना। उद्धार करना। बचना। बचाना।

उभरी नऽ आवणूं।
उभरकर आना। सबके सामने आना। सबसे अलग। ऊँचा होना।

उभरी जाणूं।
उभर जाना। उन्नति करना। स्थिति में सुधार आना।

उभरतो सितारो होणूं।
उभरता सितारा होना। उन्नति का समय होना।

उभार देणूं।
उभार देना। बढ़ावा देना। प्रोत्साहन देना।

उभार पऽ होणूं।
उभार पर होना। जवान होना। उन्नति पर होना।

उभी रयणूं।
उभा रहना। खड़े रहना। प्रतीक्षा करना।

उभी-उभी नऽ थकी जाणूं।
खड़े-खड़े थक जाना। प्रतीक्षा करते-करते थक जाना।

उभेळ होणूं।
खड़े होना। किसी पद के लिए खड़े होना।

उभेल खऽ उभेल रयण देव।
खड़े हुए को खड़ा रहने दो। जो जिस स्थिति में है, उसे वैसा ही रहने दो।

उभऽ-उभऽ सोवणूं।
खड़े-खड़े सोना। खड़े-खड़े नींद निकालना।

उमड़णूं-घुमड़णूं।
उमड़ना-घुमड़ना। बादलों का चारों ओर फैल आना। छा जाना। अँधेरा छा जाना।

उमड़ी नऽ आणूं।
उमड़कर आना। बादलों का चारों ओर से अधिक मात्रा में एकत्र होना।

उमड़ी पड़णूं।
उमड़ पड़ना। चारों ओर से बादलों का घिरना।

उम्मर भर को पट्टो लिखाड़णूं।
उम्र भर का पट्टा लिखवाना। जीवन भर के लिए अधिकार प्राप्त करना।

उम्मर होणूं।
उम्र होना। वयोवृद्ध होना। अधिक उम्र होना।

उम्मर का दिन भरणूं।
उम्र के दिन भरना। जीवन की लम्बी यात्रा के अन्तिम दु:ख भरे दिन काटना।

उम्मीद सी होणूं।
उम्मीद से होना। गर्भवती होना।

उम्मर को उतार होणूं।
उम्र का उतार होना। बुढ़ापा आना। जवानी बीत जाना।

उम्मर कटणूं।
उम्र कटना। जीवन व्यतीत होना।

उमर को कच्चो होणूं।
उम्र का कच्चा होना। बच्चा होना। किशोरवय का होना।

उमर कैद होणूं।
उम्र कैद होना। आजीवन कारावास होना।

उमर को पैमानो भरी जाणूं।
उम्र का पैमाना भर जाना। अत्यधिक वृद्ध होना। अधिक उम्र होना। मृत्यु के समीप होना।

उमर का दिन भरणूं।
उम्र के दिन भरना। कष्टप्रद जीवन व्यतीत करना।

उम्मीद करणूं (रखणूं)।
उम्मीद करना या रखना। सन्तान पाने की सम्भावना होना। आशा करना।

उम्मीद का सहारा जीवणूं।
उम्मीद के सहारे जीना। आशा के सहारे जीना। जीने की आशा शेष होना।

उम्मीद पऽ पाणी फिरणूं।
उम्मीद पर पानी फिरना। आशाएँ धूमिल होना। समाप्त होना।

उमर ढलणूं।
उम्र ढलना। जवानी का उतार होना।

उमर तेर करणूं।
उम्र तेर करना। जैसे-तैसे जीवन काटना।

उमर पूरी होणूं।
उम्र पूरी होना। बुढ़ापा अन्तिम छोर पर यानी मृत्यु के करीब पहुँचना।

उमर भर को पट्टो लिखई लेणूं।
उम्र भर का पट्टा लिखा लेना। जीवन भर के लिए कोई अधिकार पा लेना।

उमर भर की रोटी नऽ को इन्तजाम करणूं।
उम्र भर की रोटियों का इन्तजाम करना। जीवन भर की सुख-सुविधाओं का प्रबन्ध करना। जीवन की तरफ से निश्चिन्त होना।

उमर पऽ जाणूं।
उम्र पर जाना। अवस्था पर जाना। कई मामलों में उम्र को नहीं गिना जाता। उम्र गिनना।

उमर चोर होणूं।
उम्र चोर होना। वास्तविक से कम उम्र का दिखाई देना।

उमर तमाम होणूं।
उम्र तमाम होना। जीवन समाप्त होना।

उमड़ी-घुमड़ी नऽ वादळ बरसणूं।

उमड़-घुमड़कर बादल बरसना। खूब वृष्टि होना।

उमड़ी-घुमड़ी नऽ रोणूं।

उमड़-घुमड़कर रोना। बिलख-बिलख कर रोना।

उम्मीद बंधणू।

उम्मीद बँधना। आशान्वित होना।

उम्मीद टूटणूं।

उम्मीद टूटना। आशा टूटना। इच्छा पूरी न होना।

उम्मीद का बळ पऽ टिकणूं।

उम्मीद के बल पर टिकना। आशा के सहारे जीना। वरना मृत्यु कब की आ जाती।

उर सी लगावणूं।

उर से लगाना। हृदय से लगा लेना। बहुत प्यार करना।

उर सी निकाळ देणूं।

उर से निकाल देना। हृदय से निकाल देना। पूरी तरह से उपेक्षित होना।

उर मऽ समई लेणूं।

उर में समा लेना। हृदय में बसा लेना। अत्यधिक प्रेम होना।

उर मऽ दाह होणूं।

उर में जलन होना। ईर्ष्या-द्वेष होना। मन रुष्ट होना।

उरिण होणूं।

उरिण होना। ऋण-मुक्त होना।

उलझन मऽ न्हाखणूं।

उलझन में डालना। मुसीबत में फँसाना। चिन्ता में डालना। झंझट में डालना।

उलटी देणूं।

उलट देना। स्थिति को बिगाड़ देना। विपरीत स्थिति कर देना।

उलट पड़णूं।

उलट पड़ना। जुट जाना। नाराज होना।

उलटफेर होणूं।

उलटफेर होना। बदल जाना। सब कुछ परिवर्तित हो जाना।

उलट फेर की वातनऽ करणूं।

उलटफेर की बातें करना। एक बात पर दृढ़ न रहना। धोखाधड़ी की बातें करना।

उलझी नऽ रई जाणूं।

उलझकर रह जाना। फँस जाना। उलझन में पड़ जाना। परेशानी में पड़ना।

उलझन दूर करणूं।

उलझन दूर करना। परेशानी मिटाना।

उलझी नऽ सुलझणूं।

उलझकर सुलझना। परेशानी से छुटकारा पाना।

उलझन मऽ पड़णूं।

उलझन में पड़ना। परेशानी में आना। कष्ट में पड़ना।

उलझी-उलझी नऽ मरनूं।

उलझ-उलझकर मरना। झगड़-झगड़कर परेशान होना। किसी जटिलता में फँसते जाना।

उलझी पड़नूं।

उलझ पड़ना। सहसा झगड़ा करना।

उलझी मरणूं।

उलझ मरना। झगड़ा करते जाना।

उल्टा गळा करणं।

उल्टा गला करना। अपना ही काम बिगाड़ना।

उलटो बोलणूं।

उल्टा बोलना। अनुचित बोलना। विपरीत बात करना।

उलटो करणूं।

उल्टा करना। विपरीत करना। विरोध करना। सहसा अतिक्रमण करना।

उलटो काम करणूं।
उल्टा काम करना। गलत काम करना। व्यवस्था के खिलाफ काम करना।

उलटो चक्कर चलाणूं (चलणूं)।
उल्टा चक्कर चलाना या चलना। विपरीत परिस्थिति होना। दशा बदल जाना।

उलटो जमानो आवणूं।
उल्टा जमाना आना। प्रतिकूल समय आना। बुरा वक्त आना। लोगों का व्यवहार बदल जाना।

उलटो पहाड़ो पड़णूं।
उल्टा पहाड़ा पढ़ना। गलत बात करना या सीखना।

उलटो पाठ पड़णूं।
उल्टा पाठ पढ़ना। उल्टी या गलत बातें सीखना। बुरे गुण ग्रहण करना।

उल्टो पईयो घूमणूं।
उल्टा पहिया घूमना। दशा अच्छी से बुरी हो जाना।

उलटो लटकणूं।
उल्टा लटकना। पैर के बल लटकना। मतलब बहुत कोशिश करना।

उलटो वार करनूं।
उल्टा वार करना। पलटवार करना। सम्भावना के विपरीत काम करना।

उलटो सवाळ करनूं।
उल्टा सवाल करना। विपरीत प्रश्न करना। अपराधी द्वारा दोषी पर दोषारोपण होना।

उलटो सीधो काम करणूं।
उल्टा-सीधा काम करना। गलत काम करना।

उलटो-सीधो बोलणूं (बकणूं)।
उल्टा-सीधा बोलना या बकना। बकवास करना। गालियाँ देना।

उलटो हिसाब करणूं।
उल्टो हिसाब करना। विपरीत परिवर्तन करना।

उलटी चाल चलणूं।
उल्टी चाल चलना। परम्परा के विपरीत व्यवहार करना।

उलटी छुरी चलावणूं।
उल्टी छुरी चलाना। कैसे भी काम बनाने की कोशिश करना।

उलटी धारा मऽ ववणूं।
उल्टी धार में बहना। असम्भव, कष्टप्रद काम करना। विपरीत दिशा में जाना।

उलटी धार राखणूं।
उल्टी धार रखना। गलत शिक्षा देना। बुरी बातें सीखना।

उलटी हवा ववणूं।
उल्टी हवा बहना। परिस्थिति एकदम विपरीत होना।

उलटी टांगऽ नऽ करणूं।
उल्टी टाँगें करना। हरा देना। दुर्दशा करना।

उलटी टांग नऽ गळा मऽ आवणूं।
उल्टी टाँगें गले में आना। अपने गलत काम का दुष्परिणाम भुगतना।

उलटी धार मऽ तैरणूं।
उल्टी धार में तैरना। असम्भव, कष्टसाध्य काम करना।

उलटी पट्टी पढ़ाणूं।
उल्टी पट्टी पढ़ाना। विपरीत बातें सिखाना। अनुचित बातें सिखाना। बहकाना।

उलटी पढ़ाई पढ़ी नऽ आवणूं।
उल्टी पढ़ाई पढ़कर आना। दूसरी जगह से बुराई सीखकर आना।

उलटी खोपड़ी को होणूं।
उल्टी खोपड़ी का होना। उल्टा आचरण के विपरीत चलने वाला। मूर्ख।

उलटी नद्दी ववाड़णूं।

उल्टी नदी बहाना। विपरीत दिशा में चलना। असम्भव कार्य करना।

उलटा उस्तरा सी मूंडणूं।
उल्टे उस्तरे से मूँडना। मूर्ख बनाना। अपना मतलब शर्तिया साध लेना।

उलटा मुंड़ा पड़णूं।
उल्टे मुँह गिरना। दूसरे का अहित करने की जगह स्वयं का अहित कर लेना।

उलटी सांस चलणूं।
उल्टी साँस चलना। मृत्यु के सन्निकट होना।

उलटा पांय फिरणूं।
उल्टे पैर फिरना। शीघ्र ही लौट जाना।

उल्लू सीदो करनूं।
उल्लू सीधा करना। अपना मतलब निकलना।

उल्लू बनावणूं (बनणूं)।
उल्लू बनाना या बनना। मूर्ख या बेवकूफ बनाना या बनना।

उल्लू को पट्ठो होणूं।
उल्लू का पट्ठा होना। मूर्ख का भी मूर्ख यानी अत्यधिक मूर्ख होना।

उलटी माळा फेरनूं।
उल्टी माला फेरना। अहित चाहना। उल्टा कार्य करना। किसी की हानि या दुर्दशा की कामना करना।

उलटी दिशा मऽ चलणूं।
उल्टी दिशा में चलना। विपरीत चलना। बुरे मार्ग पर चलना।

उलटी विद्या सिखावणूं।
उल्टी विद्या सिखाना। बुराई सिखाना।

उलटी गंगा बहाणूं।
उल्टी गंगा बहाना। परम्परा के विपरीत कार्य करना। उल्टा काम करना।

उलटी–सीधी हांकणूं।
उल्टा–सीधा हाँकना। बेकार की असह्य असम्बद्ध बातें करना।

उलटी हवा चलणूं।
उल्टी हवा चलना। परिस्थिति विपरीत हो जाना।

उलटी राय देणूं।
उल्टी राय देना। अनुचित करने का कहना।

उलटा छूरा सी मूंडणूं।
उल्टे छुरे से मूँडना। ठगना। खराब माल देना अधिक दाम लेना। बेवकूफ बनाना।

उलटा पांव पड़णूं।
उल्टे पाँव पड़ना। हानि होना। अपशकुन होना।

उलटा रास्ता पऽ चलणूं।
उल्टे रास्ते चलना। गलत काम करना।

उलथो करनूं।
उलथा करना। उल्टा करना। अनुवाद करना।

उलाहणो देणूं।
उलाहना देना। शिकायत करना।

उल्लू बोलणूं।
उल्लू बोलना। कोई स्थान उजाड़ हो जाना।

उल्लू समझणूं।
उल्लू समझना। मूर्ख समझना।

उसांस भरणूं।
उसांस भरना। दु:ख प्रकट करना। आहें भरना। शोक दिखाना।

उस्ताद निकळणूं।
उस्ताद निकलना। बहुत होशियार होना।

उस्ताद बणणूं।
उस्ताद बनना। अधिक होशियार। माहिर होना।

उस्तादी का हाथ दिखाणूं (सिखाणूं)।

उस्तादी के हाथ दिखाना या सिखाना। अपनी होशियारी की कला दिखाना या सिखाना।

उस्ताद सी उस्तादी करनूं।
उस्ताद से उस्तादी करना। गुरु या होशियार व्यक्ति से भी होशियारी करना।

उस्तादों का उस्ताद होणूं।
उस्तादों के भी उस्ताद होना। गुरु के गुरु होना। अत्यधिक होशियार होना।

ऊक्खल मऽ माथो देणूं।
उखल में सिर देना। जानबूझकर कष्ट सहन करना। चोट सहन करना।

ऊकळ्ई जाणूं।
उकला जाना। बौखला जाना।

ऊकाळो आवणूं।
उकाला आना। जोश आना। उत्साहित होना।

ऊखड़ा मऽ सोवणूं।
उखड़ें में सोना। साधनों का अभाव होना।

ऊखड़ी जाणूं।
उखड़ जाना। जड़ों से अलग हो जाना। मूल रहित होना। गिर जाना।

ऊखाड़ पछाड़ करणूं।
ऊखाड़ पछाड़ करना। तोड़-फोड़ कराना। उठाना-गिराना। झगड़ा करना।

ऊखड़्यो-ऊखड़्यो रयणूं।
ऊखड़ा-ऊखड़ा रहना। ना खुश रहना। परेशान रहना।

ऊखाड़ी देणूं (फेंकणूं)।
ऊखाड़ देना या फेंकना। नष्ट कर देना। अलग कर फेंक देना।

ऊखा वखत होणूं।
उषाकाल होना। प्रात:काल होना।

ऊगासणो होणूं।
ऊगासना होना। पूर्व लालिमा का फैलना। सूर्योदय के पूर्व का समय।

ऊगौणो जाणूं।
ऊगाणा की ओर जाना। पूर्व दिशा की ओर जाना। आगे बढ़ना।

ऊंघतो रयणूं।
ऊंघते रहना। सोते रह जाना। कुछ भी उपलब्ध न होना।

ऊँच-नीच होणूं।
ऊँच-नीच होना। कुछ बुरे काम हो जाना। गलत काम या दुर्घटना होना।

ऊँच-नीच समझणूं।
ऊँच-नीच समझना। हानि-लाभ सोचना। अच्छा-बुरा समझना।

ऊँचो-नीचो दिखावणूं।
ऊँचा-नीचा दिखाना। भला-बुरा समझाना। लाभ-हानि दिखाना।

ऊँचो-नीचो सुणावणूं।
ऊँच-नीच सुनाना। फटकारना। गालियाँ देना।

ऊंचो-नीचो सोचणूं।
ऊँच-नीच सोचना। परिणाम की चिन्ता करना।

ऊंचो-नीचो पांय पड़णूं।
ऊँचा-नीचा पैर पड़ना। गलत काम करना। अनैतिक सम्बन्ध होना।

ऊँचो चढ़णूं।
ऊँचा चढ़ना। उन्नति करना। ऊँचा उठना।

ऊँचो उठणूं।
ऊँचा उठना। उन्नति करना।

ऊँचो काम करनूं।
ऊँचा काम करना। बड़ा, सबसे अलग अच्छा काम करना।

ऊँचो नाम करणूं।
ऊँचा नाम करना। प्रसिद्धिपूर्ण काम करना। सर्वश्रेष्ठ पहचान कायम करना।

ऊँचा मनसूबा राखणूं।
ऊँचे मनसूबे रखना। बड़े इरादे, ऊँचे सपने देखना।

ऊँचो सुणणूं।
ऊँचा सुनना। बहरा होना। कम सुनना।

ऊच्चो हाथ रयणूं (होणूं)।
ऊँचा हाथ होना या रहना। बड़ा योगदान होना। उदार होना।

ऊच्चो होणूं।
ऊँचा होना। पद-प्रतिष्ठा अधिकार बड़ा होना।

ऊँची-नीची सुणणूं।
ऊँची-नीची सुनना। भला-बुरा सुनना।

ऊच्चा बोल को माथो निच्चो होणूं।
ऊँचे बोल का सिर नीचे होना। घमण्डी का गर्व भंग होना।

ऊँचो सोचणूं।
ऊँचा सोचना। अच्छा सोचना। उच्च विचार रखना।

ऊँचो सूझणूं।
ऊँचा सूझना। उचित-अनुचित का विचार करना। सबके भले के लिए सोचना।

ऊँचाई छूणूं।
ऊँचाइयाँ छूना। अधिक उन्नति करना। बुलन्दियों पर पहुँचना।

ऊँचो घर होणूं।
ऊँचा घर होना। प्रतिष्ठित। धनी परिवार होना। सम्मानित परिवार।

ऊँचो बोलणूं।
ऊँचा बोलना। तेज आवाज में बोलना।

ऊँचो बोल बोलणूं।
ऊँचे बोल बोलना। जली-कटी। कड़ुवा बोलना।

ऊँचो बोल होणूं।
ऊँचा बोल होना। जोर-जोर से बोलने की आदत होना। कर्कश स्वर होना।

ऊँचो बोल होणूं।
ऊँचा बोल होना। किसी चीज की अधिक कीमत माँगना।

ऊच्चा हाथ करणूं।
ऊँचे हाथ करना। किसी चीज के लिए स्पष्ट मना करना। किसी कार्य को करने के लिए अक्षम हो जाना।

ऊँचो हाथ मारणूं।
ऊँचा हाथ मारना। बड़ी चोरी। लूट करना।

ऊँची आवाज मऽ बोलणूं।
ऊँची आवाज में बोलना। जोर से बोलना। क्रोध में बोलना।

ऊँची उड़ान भरनूं।
ऊँची उड़ान भरना। बड़ी कल्पना करना। बड़ी योजना पर काम करना।

ऊँची पकड़ होणूं।
ऊँची पकड़ होना। किसी कार्य को सफल करने की कुंजी होना। बड़े लोगों से परिचय होना।

ऊँची पहुँच होणूं।
ऊँची पहुँच होना। प्रभावशाली लोगों से सीधा परिचय होना।

ऊँची हस्ती होणूं।
ऊँची हस्ती होना। बड़ा प्रतिष्ठित आदमी। धन-सम्पन्न होना।

ऊज्जड़ होणूं।
ऊज्जड़ होना। सुनसान उजाड़ होना। उजड़ जाना।

ऊजड्डपणा करणूं।
ऊजड्डपन करना। जंगलीपन करना। अभद्र व्यवहार करना।

ऊजाड़्यो ढोर होणूं।
ऊजाड़िया ढोर होना। पशु की तरह आवारा होना।

ऊँट का मुंडा मऽ जीरो होणूं।
ऊँट के मुँह में जीरा होना। बड़े आदमी को थोड़ी-सी चीज देना। ज्यादा आवश्यकता वाले को कम वस्तु देना।

ऊँट को एक भी सीदो नी होणूं।
ऊँट का एक भी सीधा न होना। ऊँट का प्रत्येक अंग टेढ़ा होता है। बदमाश व्यक्ति हर जगह से टेढ़ा यानी उजड्ड होता है।

ऊँट बकरी को साथ होणूं।
ऊँट बकरी का साथ होना। छोटे-बड़े सब साथ होना।

ऊँट का गळा मऽ बिल्ली बांधणूं।
ऊँट के गले में बिल्ली बाँधना। बेमेल सम्बन्ध करना।

ऊँट को करवट बदलनूं।
ऊँट का करवट बदलना। परिणाम परिवर्तित होना।

ऊँट बैल को जोतणो।
ऊँट बैल को जोतना। बेमेल काम करना। असंगत काम करना।

ऊँट खऽ सुई का नाका निकालणूं।
ऊँट को सुई के छेद में से निकालना। असम्भव कार्य करने की चेष्टा करना।

ऊँट को ऊँट होणूं।
ऊँट का ऊँट होना। कद में बहुत लम्बा होना।

ऊँट की चाल चलणूं।
ऊँट की चाल चलना। उछल-उछलकर चलना।

ऊँटपटाँग काम करणूं।
ऊँटपटांग काम करना। बेकार के काम करना। गलत काम करना।

ऊँट को किनी करवट बठणूं।
ऊँट का किस करवट बैठना। अनिश्चित स्थिति होना।

ऊड़ को पूड़ होणूं।
ऊड़ का पूड़ होना। मूर्ख होना। अजनबी होना।

ऊतल पातळ होणूं।
ऊतल पातल होना। बराबर होना। कर्जा उतारना।

ऊद्‌बिलाव जसो होणूं।
ऊद्‌बिलाव जैसा होना। बदसूरत होना। मूर्ख होना।

ऊधम करणूं (मचाणूं)।
ऊधम करना। मचाना। बहुत हल्ला करना। मस्ती करना।

ऊना का दूना करनूं।
एक के दो करना। दुगुना लाभ कमाना।

ऊपर आवणूं (उठणूं)।
ऊपर आना या उठना। प्रगति करना। उन्नति करना।

ऊपर-ऊपर काम करनूं।
ऊपर-ऊपर काम करना। किसी को पता हुए बगैर उच्च अधिकारियों से मिलकर काम करना। चुपचाप काम करना।

ऊपर-ऊपर जाणूं।
ऊपर-ऊपर जाना। कुछ भी समझ में न आना।

ऊपर की वात होणूं।
ऊपर की बात होना। पहुँच से बाहर की बात होना।

ऊप्पर-ऊप्पर करणूं (होणूं)।
ऊपर-ऊपर करना या होना। दिखावटीपन करना या होना। नकलीपन होना।

ऊप्पर को दम भरनूं।
ऊपर का दम भरना। खाली माली आश्वासन देना। प्रेम का दिखावा करना।

ऊप्पर की आमदणी होणूं।
ऊपर की आमदनी होना। रिश्वत लेना।

ऊप्पर-ऊप्पर की बात करनूं।
ऊपर-ऊपर की बात होना। दिखावा करना। बनावट होना।

ऊप्पर की सांस ऊप्पर अरू निच्च की सांस निच्च रई

जाणूं।
ऊपर की साँस ऊपर और नीचे की साँस नीचे रह जाना। आश्चर्य में पड़ जाना। सकते में आना।

ऊप्पर चढ़णूं (सवार होणूं)।
ऊपर चढ़ना या सवार होना। आक्रमण करना। अधिकार करना।

ऊप्पर डालणूं।
ऊपर डालना। जवाबदारी दे देना।

ऊप्पर-ऊप्पर देखणूं।
ऊपर-ऊपर देखना। घमण्ड में रहना। अनदेखी करना।

ऊप्पर पहुँचणूं।
ऊपर पहुँचना। मर जाना। स्वर्ग में जाना।

ऊप्पर लेणूं।
ऊपर लेना। जबावदारी लेना।

ऊप्पर आवणूं।
ऊपर आना। चिढ़ जाना। चढ़ जाना।

ऊप्पर की ऊप्पर खाई जाणूं।
ऊपर की ऊपर खा जाना। परभोर रकम वसूल लेना। अकेले ही हजम कर जाना।

ऊप्पर मंढणूं।
ऊपर मढ़ना। दोषारोपण करना।

ऊप्पर जाणऽ की तैयारी करणूं।
ऊपर जाने की तैयारी करना। मरणासन्न होना। मृत्यु के समीप होना।

ऊप्पर सी पाणी देणूं नीच्चऽ सी जड़ काटणूं।
ऊपर से पानी देना, नीचे से जड़ काटना। कपटी व्यवहार करना।

ऊपरी खरच होणूं।
ऊपरी खर्च होना। फुटकर खर्च। बिना हिसाब किताब का खर्च।

ऊपरटप्पी मन सी कयणूं।
ऊपरटप्पी मन से कहना। मात्र औपचारिकता निभाने के लिए कहना।

ऊभ चुभ होणूं।
ऊभ चुभ होना। अस्त-व्यस्त होना।

ऊभरी नऽ आवणूं।
उभरकर आना। प्रसिद्ध होना।

ऊब्यो रयणूं।
खड़े रहना। प्रतीक्षा में खड़े रहना। इन्तजार करना।

ऊबो होणूं।
खड़ा होना। किसी काम में मदद के लिए तैयार होना। पद के लिए खड़ा होना।

ऊबा पांय पछो आवणूं।
खड़े पाँव पीछे आना। तुरन्त वापस होना।

ऊबो पछाड़ा खाणूं।
खड़े-खड़े पछाड़े खाना। क्रोध या दुःख से पृथ्वी पर गिरना।

ऊमकार पड़णूं।
ऊमकार पड़ना। आँखों में सूजन आना।

ऊल चूल मऽ पड़णूं (होणूं)।
ऊल चूल होना या में पड़ना। अस्त-व्यस्त होना। असमंजस में पड़ना।

ऊल जलूल होना।
ऊल जलूल होना। बेकार होना।

ऊसर खेती करनूं।
ऊसर खेती करना। बिना उपजाऊ धरती पर खेती करना। असम्भव कार्य करना।

ए

एक दिल होणूं।
एक दिल होना। एकमत होना। अभिन्न होना।

एक सार होणूं।
एक सार होना। एक जैसे होना। ठोस होना।

एक तार होणूं।
एक तार होना। एक सूत्र में बँधे होना।

एक सरीखो होणूं।
एक सरीखा होना। एक जैसा होना। हमशक्ल होना। गुण-अवगुण एक जैसा होना।

एकज बाप का होणूं।
एक ही बाप का होना। एक पिता से दो माताओं की अलग-अलग सन्तान होना।

एकज वात होणूं।
एक ही बात होना। दूसरी बात की गुंजाइश नहीं होना। शंका की कोई गुंजाइश नहीं।

एकज मुंडा बोलणूं।
एक ही मुँह से बोलना। सबकी एक ही राय होना।

एक मुंडा सी कयणूं।
एक मुँह से कहना। एक के विचार दूसरों से मिलना।

एकज रेल का तूमड़ा होणूं।
एक ही बेल के तूमड़े होना। एक मूल से जुड़े लोग होना। एक जैसी विचारधारा और आचरण वाले होना।

एकज थैली का चट्टा-बट्टा होणूं।
एक ही थैली के चट्टे-बट्टे होना। एक ही मूल के कई रूप होना। एक ही मूल विचार से जुड़े होना।

एकज लाकड़ी सी सबखऽ गेरणूं।
एक ही लकड़ी से सबको हाँकना। सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना।

एकज साँचा मऽ ढळेल होणूं।
एक ही साँचे में ढला होना। सब एक सरीखे होना। एक ही गुण-अवगुण समान होना।

एकळो राम होणूं।
अकेला राम होना। नितान्त अकेला होना। मनमौजी फक्कड़।

एकळो दम होणूं।
एकला दम होना। बिल्कुल अकेला अपने पर निर्भर होना।

एकेलो-दुकेलो होणूं।
अकेला-दुकेला होना। बिना साथी के होना।

एक तो करेलो ऊप्पर सी नीम चढ़्यो (होणूं)।
एक तो करेला ऊपर से नीम चढ़ा होना। बुरे के साथ रहकर और बुरा होना।

एक तो दुबळो ऊप्पर सी दो असाड़ होणूं।
एक तो दुबला ऊपर से दो अषाढ़ होना। मुसीबत पर और मुसीबत आना।

एक डोळा सी देखणूं।
एक आँख से देखना। समान दृष्टि से देखना।

एक डोळा नी सुहाणो।
एक आँख नहीं सुहाना। बहुत बुरा लगना।

एक आँख सी सबखऽ देखणूं।
एक आँख से सबको देखना। समान दृष्टि से बराबर देखना।

एक अवाज पऽ दौड़ी पड़णूं।
एक आवाज पर दौड़ पड़ना। त्वरित कार्य पर तत्पर होना।

एक आवाज मऽ बोलणूं।
एक आवाज में बोलना। एक मत होना। मेल-मिलाप से रहना।

एक आध होणूं।
एक आधा होना। बहुत कम संख्या में होना।

एक अरसो होणूं।
एक अरसा होना। बहुत समय होना। कई वर्ष बीत जाना।

एक-एक करीनऽ खतम होणूं।
एक-एक करके समाप्त होना। बारी-बारी से सब नष्ट हो जाना।

एक आवाड़ा का बरतन होणूं।
एक आवे के बर्तन होना। एक समान होना।

एक-एक करी नऽ देखणूं।
एक-एक करके देखना। एक-एक से झगड़ा करना। निपटना।

एक-एक करी नऽ टलणूं।
एक-एक करके टलना। एक-एक कर चले जाना। सारी विपत्तियाँ चली जाना।

एक का दस करनूं।
एक के दस करना। अत्यधिक लाभ उठाना। कमाना।

एक का दुई करनूं।
एक के दो करना। दुगुना लाभ लेना।

एक-एक खऽ आजमावणूं।
एक-एक को आजमाना। एक-एक की परीक्षा करना।

एक-एक को देखी लेणूं।
एक-एक को देख चुकना। एक-एक की परीक्षा ले लेना। सबको परख लेना।

एक-एक कोणो छाणी मारनूं।
एक-एक कोना छान मारना। छोटी से छोटी जगह में देख लेना।

एक-एक खऽ भुगतणूं।
एक-एक को भुगतना। एक-एक को आजमा लेना। लड़ने की आजमाइश करना।

एक-एक कौड़ी जोड़णूं।
एक-एक कौड़ी जोड़ना। धीरे-धीरे। थोड़ा-थोड़ा करके धन एकत्र करना।

एक नऽ एक ग्यारा होणूं।
एक और एक ग्यारह होना। संगठन से शक्ति का बढ़ना। एक साथ होने से ताकत बढ़ती है।

एक-एक दाणा सी तरसणूं।
एक-एक दाने से तरसना। भूखे मरना। बहुत गरीब होना।

एक-एक दाणा सी मोहताज होणूं।
एक-एक दाने से मोहताज होना। बहुत गरीब होना। खाने को परेशान होना।

एक-एक दिन पहाड़ लगणूं।
एक-एक दिन पहाड़ लगना। समय बड़ी मुश्किल से कटना।

एक-एक पळ भारी होणूं।
एक-एक पल भारी होना। समय का छोटा हिस्सा भी बहुत मुश्किल से कटना।

एक-एक नस पईचाणणूं।
एक-एक नस पहचानना। एक-एक कमजोरियों को जानना। अच्छी-बुरी नीयत को जानना।

एक-एक रोम-रोम खऽ जाणणूं।
एक-एक रोम-रोम को जानना। बारीक-बारीक रहस्य को जानना। अच्छी-बुरी नीयत को जानना।

एक-एक चाल खऽ जाणणूं।
एक-एक चाल को जानना। षड़यंत्र को जानना।

एक-एक पैसा का लेणऽ मरनूं।
एक-एक पैसे के लिए मरना। अत्यन्त कंजूसी करना।

एक कदम चलणूं मुश्किल होणूं।
एक कदम चलना मुश्किल होना। चलने में बिल्कुल असमर्थ होना। अधिक थकान होना।

एक-एक पैसो दांत सी पकड़णूं।
एक-एक पैसा दाँत से पकड़ना। अत्यन्त कंजूस होना।

एक-एक रंग जाणणूं।
एक-एक रंग जानना। एक-एक स्वभाव या प्रवृत्ति से वाकिफ होना।

एक करनूं।
एक करना। संगठित करना। एकत्र करना।

एक कान सी सुणनूं नऽ दूसरा कान सी निकालणूं।
एक कान से सुनना और दूसरे कान से निकालना। अनसुनी करना। किसी बात पर ध्यान न देना।

एक की चार जोड़णूं।
एक की चार जोड़ना। बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कहना।

एक की दो लगावणूं (करणूं)।
एक की दो लगाना। कहना। चुगली करना। बढ़ा-चढ़ाकर कहना।

एक की दस (सौ सुवावणूं)।
एक की दस या सौ सुनाना। बहुत झगड़ालू होना।

एक की तीन करणूं।
एक की तीन करना। बहुत अधिक लाभ लेना।

एक का तीन लेणूं।
एक के तीन लेना। अधिक ब्याज लेना।

एक का पीछऽ एक चलणूं।
एक के पीछे एक चलना। अनुसरण करना।

एक कोना मऽ धरी देणूं।
एक कोने में रख देना। उपेक्षित कर देना या अपमान करना।

एक बाजू कर देणूं।
एक बाजू कर देना। एक तरफ कर देना। उपेक्षित कर देना।

एक खूटा सी बंधणू (बांधणू)।
एक खूँटे से बँधना या बाँधना। एक मालिक के सेवक होना। बलपूर्वक बाँध देना।

एक गुरू का चेला होणूं।
एक गुरु के चेले होना। समान गुण-दोष वाले होना।

एक घड़ी को मिजवान होणूं।
एक घड़ी का मिजवान होना। मृत्यु के समीप होना।

एक झण्डा का निच्च आवणूं।
एक झण्डे के नीचे आना। एक विचार या संगठन में आना। एक मत होना।

एक छत्र राज होणूं।
एकछत्र राज्य होना। सम्पूर्ण अधिकार में होना। कोई विरोधी नहीं होना।

एक ठौर होणूं।
एक ठौर होना। एक मत होना।

एक जबान होणूं।
एक जबान होना। पक्का वायदा। जबान (बात) का पक्का होना। समान विचार होना।

एक बोली बोलणूं।
एक बोली बोलना। एक सरीखा बोलना। समान मत होना।

एक बाजू कुओ, दूसरी बाजू खाई होणूं।
एक तरफ कुँआ, दूसरी तरफ खाई होना। दुविधा में फँसना। विषम परिस्थिति में फँसना।

एक कुम्हार का बर्तन भांडा होणूं।
एक कुम्हार के बर्तन भांडे होना। एक मूल के स्वभाव आकार-प्रकार होना।

एक जान होणूं।
एक जान होना। दो शरीर एक आत्मा होना। एक विचार में बँधे लोग होना। घनिष्ट मित्र होना।

एक जुट होणूं।
एकजुट होना। संगठित होना।

एक जसो होणूं।
एक जैसे होना। समान आकृति और स्वभाव में मिलना।

एक झलक दिखाणूं (देखणूं)।
एक झलक दिखाना या देखना। थोड़ी देर के लिए आना। आकर चले जाना। सरसरी निगाह से देखना।

एक टक देखणूं।
एकटक देखना। टकटकी लगाकर देखना।

एक टांग (पैर) पर खड़ो रयणूं।
एक टाँग पर खड़े रहना। आज्ञा मानने को सदा तैयार रहना।

एक डाळ का पंछी होणूं।
एक डाल के पंछी होना। एक समूह या परिवार के होना।

एक तीर सी दुई शिकार करनूं।
एक तीर से दो शिकार करना। थोड़े से प्रयास से अधिक फल प्राप्त करना।

एक दम मऽ काम करनूं।
एक दम में काम करना। एक ही प्रयास में काम करना।

एक नम्बर को धन्धो करणूं।
एक नम्बर को धन्धा करना। ईमानदारी से काम करना। अच्छा (श्रेष्ठ) काम करना।

एक नम्बर पऽ होणूं।
एक नम्बर पर होना, उत्तम। प्रशंसनीय या श्रेष्ठ होना।

एक नऽ एक नवो काम करनूं।
एक न एक नया काम करना। हमेशा नवीनतम अनूठे काम करते रहना।

एक नशो होणूं।
एक नशा होना। काम में लगन होना। धुन का पक्का होना।

एक नी चलणूं।
एक न चलना। विवश होना।

एक नजर न्हाखणूं।
एक दृष्टि डालना। सरसरी नजर से देखना। उपेक्षित नजर से देखना।

एक नजर मऽ ताड़णूं।
एक नजर में ताड़ना। बहुत जल्दी मंशा या वास्तविकता जान लेना।

एक नी माननूं।
एक न मानना। हठ करना। किसी बात पर सहमत न होना।

एक नी सुणनूं।
एक न सुनना। किसी बात पर ध्यान न देना।

एक नाव पर सवार होणूं।
एक नाव पर सवार होना। एक ही परिस्थिति में होना।

एक पंथ दुई काज होणूं।
एक पंथ दो काज होना। एक प्रयत्न से दो काम होना। दो फल प्राप्त करना।

एकज थाळी मऽ खाणूं।
एक ही थाली में खाना। घनिष्ठ व्यवहार होना। एक जाति (समूह) का होना।

एक पऽ एक होणूं।
एक पर एक होना। एक-एक में लड़ाई। विरोध होना।

एक पाई फरक नी पड़णूं।
एक पाई फर्क नहीं पड़ना। जरा-सा भी अन्तर नहीं आना। यथावत स्थिति।

एक पेट का होणूं।
एक पेट के होना। सहोदर भाई-बहन होना।

एक पैर पऽ खड़ो रयणूं।
एक पैर पर खड़े रहना। कठिन तपस्या करना। तत्पर रहना।

एक पांय भित्तर नऽ एक पांय बायर होणूं।
एक पैर भीतर और एक पैर बाहर होना। सदैव घूमते रहना। अस्थिर रहना।

एक बगल करणूं।
एक बगल करना। अलग हटा देना। बाजू में करना। महत्त्व न देना।

एक असल मांय-बाप को होणूं।
असली माँ-बाप का होना। वैध माता-पिता की सन्तान होना।

एक वात कयणूं।
एक बात कहना। निश्चित मत प्रकट करना।

एक बूंद पाणी का लेण तरसणूं।

एक बूँद पानी के लिए तरसना। पानी की भयंकर कमी होना। अकेले परेशान होना।

एक मऽ एक करनूं (मिलाणूं)।
एक में एक करना या मिलाना। एक दूसरे को मिलाना। मिश्रित करना।

एक म्यान मऽ तलवार होणूं।
एक म्यान में तलवार होना। दो विरोधी तत्त्व एक साथ होना।

एक लेणू नऽ दो देणूं।
एक लेना न दो देना। कोई सम्बन्ध न रखना।

एक आँख सी रोणू नऽ एक आँख सी हँसणूं।
एक आँख से रोना और एक आँख से हँसना। सुख और दुःख साथ-साथ होना।

एक की एक सी नी बणनूं।
एक की एक से नहीं बनना। परस्पर मेल न होना।

एक का ऊप्पर एक धरनूं।
एक के ऊपर एक धरना। एक के बाद एक क्रम से रखना।

एक गरम तो दूसरो नरम होणूं।
एक गरम तो दूसरा नर्म होना। एक गुस्सेबाज तो दूसरा शान्त होना।

एक घूँट पाणी को बी नी पूछणूं।
एक घूँट पानी का भी नहीं पूछना। ठीक से आवभगत न होना। उपेक्षित करना।

एक दूसरा को मुंडो ताकणूं।
एक दूसरे का मुँह ताकना। कोई उत्तर न बन पड़ना। निरुत्तर होना।

एक डोरा मऽ पिरावणूं।
एक धागे में पिराना। एक सूत्र में बाँधना। एक साथ मिलाना।

एक पऽ एक पड़णूं।
एक पर एक गिरना। बहुत भीड़ होना। टूट पड़ना।

एक पराण दो सरीर होणूं।
एक प्राण दो शरीर होना। अत्यन्त घनिष्ठ होना।

एक रंग मऽ रंगणूं।
एक रंग में रंगना। एक समान प्रभाव या विचार होना।

एक लड़ी मऽ पिरोणूं।
एक लड़ी में पिराना। एक सूत्र में पिरोना या बाँधना। शृंखलाबद्ध करना।

एक हाथ सी ताली नी बजणूं।
एक हाथ से ताली नहीं बजना। एक के किये से कुछ न होना। दोनों दोषी होना। अकेले से कोई काम नहीं।

एकज दाम बिकणूं।
एक ही दाम में बिकना। सबकी समान कीमत होना।

एकज तराजू पऽ तोलणूं।
एक ही तराजू पर तौलना। एक ही मापदण्ड से सबको परखना।

एक हाथ सी देणू दूसरा हाथ सी लेणूं।
एक हाथ से देना दूसरे हाथ से लेना। किये का फल तुरन्त मिलना।

एकज राग अलापणूं।
एकज राग अलापना। एक ही बात बार-बार कहना।

एक सिक्का का दो पयलू होणूं।
एक सिक्के के दो पहलू होना। हर वस्तु के दो पक्ष होना।

एक-एक दाणा पऽ खाणावाला की मुहर होणूं।
एक-एक दाने पर खानेवाले की मुहर होना। दाने-दाने पर लिखा है खाने वाले का नाम।

एक-एक पाई चुकई देणूं।
एक-एक पाई चुका देना। सब कर्ज चुका देना।

एकाएक आई जाणूं (टूटी पड़णूं)।
एकाएक आ जाना या टूट पड़ना। अचानक आ जाना। झपट पड़ना।

एक सिरा सी खारिज करणूं।
एक सिरे से खारिज करना। शुरू से हटा देना। निरस्त कर देना।

एक सुर मऽ बोलनूं।
एक सुर में बोलना। एकमत होना।

एको करणूं।
एका करना। एकजुट होना। संगठित होना। एकमत होना।

एड़ लगाणूं (मारनूं)।
एड़ लगाना या मारना। बाधा पहुँचाना। घोड़े को एड़ी लगाकर तेज भगाना।

एड़ी नऽ घिसणूं।
एड़ियाँ घिसना। बहुत घूमना। कष्ट उठाना। बेकार घूमना।

एड़ी सी चोटी को जोर लगावणूं।
एड़ी से चोटी तक का जोर लगाना। बहुत मेहनत करना। प्रयत्न करना।

एड़ी चोटी को पसीनो एक करणूं।
एड़ी चोटी का पसीना एक करना। अत्यधिक परिश्रम करना।

एड़ी सी चोटी तक झाळ लगणूं।
एड़ी से चोटी तक आग लगना। अत्यधिक क्रोध आना।

एतबार करनूं (जमणू)।
एतबार करना या जमना। भरोसा करना। विश्वास होना।

एवज मऽ काम करनूं।
एवज में काम करना। बदले में काम करना। किसी दूसरे का कार्य करना।

एहसान उतारनूं।
एहसान उतारना। उपकार का बदलना देना।

एहसान जताणूं (बतावणूं)।
एहसान जताना या बताना। किये गये कार्य को बताना। उपकार का बखान करना।

एहसान सी दबी जाणूं।
एहसान से दब जाना। बहुत अधिक कृतज्ञ होना।

एंचातानी करणूं।
खींचतान करना। परस्पर एक-दूसरे को भला-बुरा कहना।

एंच पेंच लड़ाणूं।
एंच पेंच लड़ाना। झगड़ा करना। उलझन या बाधा पैदा करना।

एंड बेंड बकणू।
एंड बेंड बकना। बुरा-भला बकना। गालियाँ निकालना।

ऐक्कल सोयड़ो होणू।
ऐक्कल सोयड़ा होना। अकेला। स्वार्थी होना।

ऐक्खारो होणूं।
एक्खारा होना। खुरापाती होना। कुरखाने वाला।

ऐचक तानो होणू।
ऐचक ताना होना। भेंगी आँख होना।

ऐचाताणी करणूं।
ऐचातानी करना। किसी को बलपूर्वक कहीं ले जाना।

ऐचातानी होणूं।
ऐचातानी होना। आर्थिक तंगी होना। गरीबी। निर्धनता होना।

ऐंठी जाणूं।
ऐंठ जाना। अकड़ जाना। रूठ जाना। गुस्सा हो जाना।

ऐंठी लेणूं।
ऐठ लेना। हथिया या हड़प लेना। दबा या ठग लेना।

ऐंठी नऽ राखणूं।
ऐठकर रखना। दबारक रखना।

ऐंठी नऽ चलणूं।
ऐठकर चलना। घमण्ड दिखाना।

ऐठ ढीली होणूं।
ऐठ ढीली होना। घमण्ड मिटाना। मारना-पीटना।

ऐठ दिखाणूं।
ऐठ दिखाना। अकड़ दिखाना। बेकार में हर व्यक्ति से झगड़ते रहना।

ऐठ नी जाणूं।
ऐठ नहीं जाना। अकड़ न जाना। भुगतने पर भी जैसे के वैसे रहना।

ऐंठ मऽ रयणूं।
ऐंठ में रहना। घमण्ड। अकड़ में रहना।

ऐठो-ऐठो फिरणूं।
ऐठा-ऐठा फिरना। अकड़ा हुआ घूमना।

ऐठू होणूं।
ऐठू होना। अकड़ू। घमण्डी। झगड़ालू होना।

ऐंड बेंड होणूं।
ऐंड बेंड होना। विचित्र होना।

ऐंड बेंड बकणूं।
ऐंड बेंड बकना। गाली-गलौच करना।

ऐंड बेंड चलणूं।
ऐंड बेंड चलना। गलत-सलत काम करना।

ऐटम बम होणूं।
ऐटम बम होना। बहुत क्रोधी होना।

ऐन-मेन होणूं।
ऐन-मेन होना। बिल्कुल हूबहू वैसा होना।

ऐन नाक का निच्च होणूं।
ऐन नाक के नीचे होना। बहुत पास होना।

ऐन वक्त पऽ आवणूं।
ऐन वक्त पर आना। उचित समय पर आना।

ऐब देखणूं।
ऐब देखना। नुक्श देखना। बुराईयाँ देखना।

ऐब निकाळणूं।
ऐब निकालना। अवगुण या दोष निकालना।

ऐब लगावणूं।
दोषारोपण करना।

ऐरो गैरो होणूं।
ऐरा गैरा होना। आलतू-फालतू आदमी होना। मामूली आदमी होना।

ऐरो-गेरो नत्थू खैरो होणूं।
ऐरा-गेरा नत्थू खेरा होना। तुच्छा, छोटा या मामूली आदमी होना।

ऐल फैल बकणूं।
ऐल-फैल बकना। गाली-गलौच करना।

ऐश करनूं।
ऐश करना। मजे करना। खूब सुखमय जीवन बिताना।

ऐसो वैसो समझणूं।
ऐसा-वैसा समझना। तुच्छ समझना। बुरा। हीन समझना।

ऐसी की तैसी करणूं।
ऐसी की तैसी करना। मारना-पीटना। अपमानित करना।

ऐसी कम तैसी करणूं।
ऐसी कम तैसी करना। बुरी तरह मार पिटाई करना। अपमानित करना।

ऐसी की तैसी होणूं।
ऐसी की तैसी होना। हारना। अपमान। दुर्दशा होना।

ऐसी वैसी जगह बठणूं।
ऐसी वैसी जगह बैठना। गलत लोगों के साथ सम्बन्ध रखना।

ऐसो वैसो म्हारा खीचा मऽ पड़ेल रयणूं।
ऐसा-वैसा मेरी जेब में पड़े रहना। चालाकी में अन्यों से कमतर न होना। प्रभावशाली लोगों से सीधे सम्बन्ध रखना।

ऐसी वैसी बात करनूं (कयणूं या होणूं)।
ऐसी-वैसी बात करना या कहना या होना। गलत काम। अपराध करना। कहना। होना।

ऐसी जगह मारनूं जां पाणी भी नी मांगणूं।
ऐसी जगह मारना, जहाँ पानी भी न माँगे। अत्यधिक दुर्गति करना, जहाँ बचाने वाला कोई न हो।

ओ

ओक लगावणूं।
ओक लगाना। अंजुरी से पानी पीना। मुँह पर हाथ लगाकर पानी पीने का संकेत करना। तैयार रहना। इच्छुक होना।

ओखळई मऽ माथो देणूं।
ओखली में सिर देना। कष्ट या परेशानी उठाने के लिये तैयार होना।

ओखळई मऽ माथो दियो तो धमका सी काई डरनूं।
ओखली में सिर दिया तो धमके से क्या डरना। किसी काम को शुरु करने पर कठिनाइयों/कष्टों से क्या डरना?

ओगणिस बीस को फरक होणूं।
उन्नीस बीस का फर्क होना। थोड़ा अन्तर होना। जरा सा फर्क।

ओंगा चढ़ावणूं।
ओंगा चढ़ाना। लड़ने को तैयार होना। धोती को तैश में ऊपर चढ़ाना।

ओग्गल-पोग्गल होणूं।
ओग्गल-पोग्गल होना। ढीला पोला होना। चकित रह जाना।

ओछो काम करनूं।
ओछे काम करना। तुच्छ काम करना। बुरा काम करना। अपराध करना।

ओछेपण दिखावणूं।
ओछापन दिखाना। तुच्छता/नीचता दिखाना।

ओछा को उधार नी करनूं।
ओछे का उधार नहीं करना चाहिए। तुच्छ व्यक्ति से व्यवहार नहीं करना।

ओछी वात नी करनूं।
ओछी बात नहीं करना। छोटी या तुच्छ नीचता भरी बात न करना।

ओछो होणूं।
ओछा होना। नीच/तुच्छ स्वभाव का होना।

ओछी नजर सी देखणूं।
ओछी नजर से देखना। बुरा समझना।

ओछो वार करणूं।
ओछा वार करना। नीचतापूर्ण अमानवीय व्यवहार करना।

ओछा की संगत मऽ बठणूं।
ओछे की संगत में बैठना। बुरे लोगों से मित्रता होना।

ओछो बन्दम होणूं।
ओछा आदमी होना। छिछोरा व्यक्ति होना। अगम्भीर।

ओछी पूंजी होणूं।
ओछी पूँजी होना। कम पूँजी (धन) होना।

ओछी बुद्धि न्हाटी बुद्धि होणूं।
ओछी बुद्धि या निकृष्ट बुद्धि होना। कम बुद्धि व्यक्ति छोटे दिल दिमाग का होना।

ओछा का मुंडो नी लगणूं (लगावणूं)।
ओछे के मुँह नहीं लगना या लगाना। छिछोरे व्यक्ति से व्यवहार नहीं करना या व्यवहार में न आना।

ओछा की औकात खुली जाज।
ओछे की औकात खुल जाती है। तुच्छ या नीच व्यक्ति का स्वभाव व्यवहार से मालूम पड़ जाता है।

ओज टपकणूं।
ओज टपकना। अधिक प्रभावशाली होना। तेजस्वी होना।

ओट मऽ होणूं।
ओट में होना। आड़ में होना। छिप जाना।

ओट करणूं।
ओट करना। आड़ करना। पर्दा लगाना। रक्षा करना।

ओट लगाणूं।
ओट लगाना। सहारा देना। रोक लगाना।

ओट लेणूं।
ओट लेना। आड़ में छिपना। चुनौती स्वीकार करना।

ओट मऽ शिकार करणूं।
ओट में शिकार करना। किसी का सहारा लेकर स्वार्थ सिद्ध करना।

ओट मऽ कोई काम करनूं।
ओट में कोई काम करना। किसी के सहारे चुपचाप काम करना या बनाना।

ओट करी लेणूं।
ओट कर लेना। आड़ कर लेना। अपने आपको सुरक्षा में कर लेना।

ओट होणूं।
आड़ होना। कोई आसरा होना। कोई सहारा होना। बचने का उपाय होना।

ओठ दबाणूं।
ओठ दबाना। बोलने में संकोच करना।

ओठ चबाणूं (काटणूं)।
ओठ चबाना। काटना या क्रोध करना।

ओठ चाटणूं।
ओठ चाटना। अधिक स्वाद से खाना।

ओठ खुलणूं।
ओठ खुलना। गुप्त बात बता देना।

ओठ सी लेणूं।
ओठ सी लेना। चुप रहना। रहस्य को दबा जाना।

ओठ फड़कणूं।
ओठ फड़कना। कुछ कहते-कहते रुक जाना।

ओठ पऽ वात आणूं।
ओठ पर बात आना। न कहने लायक बात कह देना।

ओठ बांधी लेणूं।
ओठ बाँध लेना। चुप्पी लगा जाना।

ओठ हिलणूं।
ओठ हिलना। बुदबुदाना या बहुत धीरे बोलना।

ओठ-ओठ नऽ मऽ बड़बड़ाणूं।
ओठों-ओठों में बड़बड़ाना। धीरे-धीरे असन्तोष प्रकट करना।

ओठ नऽ पऽ धरेल होणूं।
ओठों पर रखा होना। अच्छी तरह से कण्ठस्थ होना। तुरन्त उत्तर देना।

ओठ नऽ सी तोड़णूं।
ओठों से तोड़ना। अत्यधिक मुलायम चीज खाना।

ओठ बिचकाणूं।
ओठ बिचकाना। नापसन्द करना। घृणा करना।

ओठ नऽ पऽ हँसी दौड़ी जाणूं।
ओठों पर हँसी दौड़ जाना। हँसी की हल्की रेखा फैल जाना। मुस्कान आ जाना।

ओठ चाटता रयी जाणूं।
ओठ चाटते रह जाना। ललचाते रह जाना।

ओठ चिपकणूं।
ओठ चिपकना। बहुत मीठा होना।

ओठ नऽ पऽ जबान फेरणूं।
ओठों पर जबान फेरना। बहुत प्यास लगना। ललचाना।

ओढ़णूं बिछोणूं होणूं।
ओढ़ना-बिछौना होना। हर समय साथ रहने वाला। पूरी तरह से प्रभावित करने वाला।

ओढ़नी ओढ़णूं।
ओढ़नी ओढ़ना। सिर पर दुपट्टा डालना। इज्जत करना।

ओढ़नी बदलणूं।
ओढ़नी बदलना। सखी बनाना। पक्की सहेली होना।

ओ

ओढ़नी ओढ़ाणूं।
ओढ़नी ओढ़ाना। सगाई पक्की करना।

ओढ़नी लयराणूं।
ओढ़नी लहराना। खुशी प्रकट करना। नृत्य करना।

ओढ़ लेणूं।
ओढ़ लेना। जबाबदारी स्वीकार करना।

ओर-छोर नी होणूं।
ओर-छोर नहीं होना। बहुत लम्बा। रहस्य पूर्ण होना।

ओर-छोर नी मिलणूं।
ओर-छोर न मिलना। अन्त न मिलना।

ओर-छोर एक करणूं।
ओर-छोर एक करना। सभी जगह खोजना। अधिक प्रयत्न करना।

ओर होणूं।
ओर होना। एक तरफ होना। एक पक्ष में जाना।

ओलाणूं देणूं।
ओलाणा देना। व्यंग्य करना।

ओलखाण करनूं।
ओलखान करना। परिचय करना।

ओळा पड़णूं।
ओला पड़ना। ओले। बर्फ गिरना। मौसम खराब होना।

ओस गिरनूं।
ओस गिरना। उत्साह ठंडा पड़ना। भीगना।

ओस चाटणूं।
ओस चाटना। थोड़ी सी वस्तु सा धन से मन समझाना।

ओस को मोती होणूं।
ओस का मोती होना। शीघ्र नष्ट होने वाली। थोड़ी देर चमकने वाली। पेड़ों की सुन्दरता बढ़ाना।

ओह आह करणूं।
ओह आह करना। कराहना। पीड़ा उठाना।

औ

ओहो आहा होणूं (कटणूं)।
ओहो आहा होना या करना। हँसी मजाक होना या करना।

औकात दिखाणूं।
औकात दिखाना। तुच्छता या नीचता दिखाना।

औकात पयचाणणूं।
औकात पहचानना। अपनी हैसियत जानना। अपनी वास्तविकता पहचानना।

औकात मऽ आवणूं (रयणूं)।
औकात में आना या रहना। अपनी वास्तविकता पहचानना। सीमा में रहना।

औकात भूलणूं।
औकात भूलना। अपनी हैसियत भूलना। अपने को महान समझना।

औकात सी भायर काम करणूं।
औकात से अधिक काम करना। ताकत से अधिक काम करना।

औकात सी बढ़ी नऽ वात करणूं।
औकात से बढ़कर बात करना। बढ़-चढ़कर बोलना। अपने को श्रेष्ठ समझना।

औगुण भरेल होणूं।
अवगुण भरे होना। बहुत अधिक बुराईयों में लिप्त होना।

औगुण चित्त नी धरणूं।
अवगुण चित्त न रखना। बुराईयों की ओर ध्यान न देना।

औघट घाट उतरणूं।
औघट घाट उतरना। गलत रास्ते पर चलना।

औघट घाट होणूं।
औघट घाट होना। हानिकारक स्थान। अवसर होना।

औघड़ होणूं।
औघड़ होना। गंदगी में रहने वाला।

औढर दाणी होणूं।
औढरदानी होना। खुले हाथ से दान देने वाला।

औतार होणूं।
औतार होना। ईश्वर का अंश पुरुष में आना।

औतार लेणूं।
औतार लेना। भगवान के रूप में मनुष्य पैदा होना। महान होना। बदल जाना।

औतार होणूं।
औतारी होना। ईश्वर की तरह शक्तिशाली होना।

औणा–पौणा करणूं।
औना–पौना करना। बेईमानी करना। कपट का व्यवहार करना।

औना–पौना दाम लेणूं।
औना–पौना दाम लेना। अधिक मूल्य की वस्तु कम कीमत में बेच देना। हानि उठाकर बेचना।

और इरादो होणूं।
और इरादा होना। कुछ हानि पहुँचाने की मंशा होना।

और होणूं।
और होना। बदल जाना।

और घर देखणूं।
और घर देखना। दूसरे के यहाँ जाना।

औरत करणूं।
औरत करना। दूसरा विवाह करना।

औरत बणी नऽ घर मऽ घुसणूं (बठणूं)।
औरत बनकर घर में घुसना या बैठना। कायर होकर बैठना। साहसहीन होना।

औरत बणणूं।
औरत बनना। कायर, डरपोक या साहसहीन होना।

औरत की कमई खाणूं।
औरत की कमाई खाना। स्त्री से वैश्यावृत्ति कराना। भाड़ू होना।

औरत कऽ भी मात करणूं।
औरत को भी मात करना। स्त्री सुलभ गुण–अवगुण की अधिकता होना।

औरत जसा नखरा करनूं।
औरत जैसे नखरे करना। किसी काम के लिये बार–बार मना करना।

औरत नऽ मऽ बठणूं।
औरतों में बैठना। औरतों जैसा व्यवहार करना।

औरत सी गयो बीतो होणूं।
औरत से गया बीता होना। अत्यन्त लचीला होना। कोमल होना। औरतों के गुण वाला।

और तरह को बन्दम होणूं।
और तरह का आदमी होना। अलग किस्म का आदमी होना। असाधारण होना।

और तरह को काम करणूं।
और तरह का काम करना। गलत या अनूठा काम करना। अलग तरह का काम करना।

और तरह की वात होणूं।
और तरह की बात होना। कुछ अलग निराली बात होना।

और तरह को मामलो होणूं।
और तरह का मामला होना। कुछ अलग समस्या होना।

और तरह को मन होणूं।
और तरह का मन होना। उदासी या परेशानी होना।

और ही बात होणूं।
और ही बात होना। कुछ अलग अद्वितीय होना।

और ही कुछ निकलणूं।
और ही कुछ निकलना। एकदम अलग निकलना। सम्भावना के विपरीत निकलना।

औरस पुत्र होणूं।
औरस पुत्र होनी। गोद लिया पुत्र।

और सी और होणूं।
और से और होना। कुछ का कुछ होना।

और तो और होणूं।
और तो और होना। सबके साथ यह भी होना।

औळती मऽ खड़ो होणूं।
औलती में खड़ा होना। भींगना। विषम परिस्थिति में फँसना।

औलाद निपत्तर निकलणूं।
औलाद निपात्र निकलना। सन्तान खराब निकलना।

औलाद सुपातर निकलणूं।
सन्तान अच्छी निकलना।

औलाद वाळो होणूं।
औलाद वाला होना। भला आदमी होना। उत्तरदायित्व निभाने वाला।

औसान होणूं।
अवसान होना। मृत्यु होना।

औतान बढ़णूं।
औतान बढ़ना। अण्डकोषों का बढ़ना।

औसाण बतावणूं।
औसान बताना। उपकार को बोलकर बताना।

औसाण भूलनूं।
औसान भूलना। परोपकार भूलना।

क

ककड़ी सी बीज बड़ो होणूं।
ककड़ी से बीज बड़ा होना। मूल को सार बात बीजवत होना चाहिए।

कंकड़ पत्थर होणूं।
कंकड़ पत्थर होना। बेकार की चीज होना। महत्वहीन होना।

कंकड़ पत्थर फेंकणूं।
कंकड़ पत्थर फेकना। दोषारोपण करना।

कंकड़ सी बी गयो बीतो होणूं।
कंकड़ से भी गया बीता होना। किसी काम का नहीं होना। समय पर कंकड़ भी काम आ जाता है।

कंकड़ बिणनूं।
कंकड़ बिनना। बुराई निकालना।

कंकाल होणूं।
कंकाल होना। अत्यन्त दुबला होना।

कंकाल बचणूं।
कंकला बचना। केवल हड्डियाँ शेष रहना।

क भी नी आवतो।
क भी नहीं आता। निरक्षर।

ककड़ी की चोरी जान पऽ आई जाणूं।
ककड़ी की चोरी जान की आफत आना। बहुत छोटी चोरी की बड़ी सजा देना।

ककहरो वाचणूं।
ककहरा पढ़ना। पढ़ाई-लिखाई में संलग्न होना। व्यंग्य में अभी तो केवल बारखड़ी पढ़ना।

क ख ग सीखणूं।
क ख ग सीखना। किसी भी चीज या विधा की प्रारम्भिक जानकारी प्राप्त करना।

केखऽ टिटंगी लगावणूं।
किसको टिटंगी लगाना। किसी को तरजीह या महत्त्व न देना। घमण्डी होना।

केखी माय नऽ सोठ खाई।
किसकी माँ ने सोठ खाई। कौन चुनौती स्वीकार कर सकता है।

केखी माय नऽ दूध पियो।
किसकी माँ ने दूध पिया। कौन बदला लेगा, देखना? बदले की भावना।

केखी माय को दूध पियो।
किस माँ का दूध पिया। चुनौती स्वीकार करना। सामना करना।

कग्गज का घोड़ा दौड़ावणूं।
कागज के घोड़े दौड़ाना। पत्र भेजा। कहीं कुछ लिखा हुआ भेजना।

कग्गज जसो पतलो होणूं (हल्को होणूं)।
कागज जैसा पतला होना या हल्का होना। अत्यन्त दुबला-पतला होना। हल्का होना।

कंगाली मऽ आटो गीलो होणूं।
कंगाली में आटा गीला होना। गरीबी में और गरीबी आना। विपत्ति में और विपत्ति आना।

कंगाली मऽ बेहाली होणूं।
कंगाली में बेहाली होना। गरीबी में एक-एक पैसे के तरसना।

कगार पऽ होणूं।
कगार पर होना। किनारे पर होना। मृत्यु के करीब होना। लक्ष्य के समीप होना।

कगार पऽ उबो होणूं।
कगार पर खड़ा होना। अलग होना। रहना।

कागज पऽ चढ़ावणूं।
कागज पर चढ़ाना। लिख लेना। टीप लेना।

कंघी चोटी करणूं।
कंघी चोटी करना। कंघी से बाल संवारना। शृंगार करना।

कंघी चोटी मऽ रयणूं।
कंघी चोटी में रहना। बनठन के रहना। हमेशा शृंगारित रहना।

कंघी चोटी सी फुरसत नी मिलणूं।
कंघी चोटी से फुरसत नहीं मिलना। हमेशा शृंगार में रहना।

कंघी का दाता घिसावणूं (टूटणूं)।
कंघी के दाते घिसाना या टूटना। दाँत टूटना। बुढ़ापा आना।

कई को भी नी रयणूं।
कहीं का भी नहीं रहना। किसी भी योग्य न रहना। असमंजस की स्थिति में होना।

कई असो नी होणूं।
कहीं ऐसा नहीं होना। विलक्षण।

कईं असो वसो नी होणूं।
कहीं ऐसा-वैसा नहीं होना। असाधारण या विशिष्ट होना।

कई नी चलणूं।
कुछ नहीं चलना। अधिकार से बाहर होना। वश न चलना।

कई नी होणूं।
कुछ नहीं होना। जरा भी नहीं बिगड़ना। कुछ नुकसान न होना।

कईं को कईं हुई जाणूं।
कुछ का कुछ हो जाना। अपेक्षा के विपरीत हो जाना। बदल जाना।

काई को काई होणूं।
कुछ का कुछ होना। स्थिति बदल जाना। जो चाहा था वह न होना।

के की छोरी नऽ के को छोरो।
किसकी लड़की और किसका लड़का। किसी की तरफ़दारी न करना। किसी से कोई मतलब नहीं। तटस्थ होना।

के का वाट जान देणूं।
किसके खातिर जान देना। किसके लिये इतना श्रम करें। निरर्थक प्रयास।

कच-कच करणूं।
कच-कच करना। तर्क-वितर्क करना। विवाद करना। निरर्थक बहुत बातें करना।

कच-कच होणूं।
कच-कच होना। झगड़ा होना। विवाद होना।

कचर-कचर करणूं।
कचर-कचर करना। बहुत बातें करना। खाते वक्त मुँह बजाना।

कचरकूट होणूं।
कचर कूट होना। झगड़ालू प्रवृत्ति का होना। जरा-जरा सी बात पर उलझने वाला।

कचर कूट मचायणूं (करणूं)।
कचर कूट मचाना या करना। बहुत हल्ला-गुल्ला मचाना। निरर्थक झगड़ना।

कचरो भरेल होणूं।
कचरा भरा होना। सब चीजें अनुपयोगी होना। मूर्ख होना।

कचरो होणूं।
कचरा होना । काम बिगड़ जाना। व्यर्थ हो जाना। तुच्छ। हीन होना।

कचरो करनूं।
कचरा करना। काम खराब कर देना। बिगाड़ देना।

कचरो साफ करणूं।
कचरा साफ करना। बुराई दूर करना। गंदगी हटाना। आलतू-फालतू व्यर्थ की चीजों को हटा देना।

कचरा मऽ न्हाखणूं।
कचरे में डालना। बेकार समझकर एक तरफ डालना। सँभालकर न रखना।

कचरा मऽ हीरो फेकाणूं।
कचरे में हीरे का फिकना। अत्यन्त योग्य व्यक्ति की कदर न होना।

कचरो बगदो उठावणूं।
कचरा बगदा उठाना। व्यर्थ की चीजों का उठा लेना। बुराईयों को छाँट देना।

कचेरी चढ़णूं।
कचहरी चढ़ना। न्यायालय में जाना। झगड़ा बढ़ना।

कचेरी लगावणूं।
कचहरी लगाना। बातें करने वालों की भीड़ जमा करना।

कचेरी को मुंडो देखणूं।
कचहरी का मुँह देखना। झगड़े को न्यायालय तक ले जाना।

कचेरी सी तंग होणूं।
कचहरी से तंग होना। अदालत में मुकदमा लड़ते-लड़ते परेशान हो जाना।

कचेरी का कुत्ता होणूं।
कचहरी के कुत्ते होना। अदालत के लालची कर्मचारी होना।

कचेरी को कीड़ो होणूं।
कचहरी का कीड़ा होना। अदालत में लड़ते-लड़ते सारे कानून-कायदे कमजोरियों को जानना।

कचेरी सी डर लगणूं।
कचहरी से डर लगना। लड़ाई-झगड़े के बाद अदालत की परेशानियों से डरना।

कचेरी बर्खास्त होणूं।
कचहरी बर्खास्त होना। अदालत बन्द होना। जुटे लोगों को जाने का कहना।

कचेरी मऽ हाजिर होणूं।
कचहरी में उपस्थित होना। अदालत में या किसी बड़े व्यक्ति के सामने जाना।

कचालू करणूं।
कचालू करना। पीट-पीटकर बेहाल करना।

कुचूमर निकलणूं।
कुचूमर निकलना। हार जाना। किसी लक्ष्य प्राप्ति में पूरी तरह से टूट जाना। असफल होना। हानि उठाना।

कुचूमर निकाळणूं।
कचूमर निकालना। किसी को मारपीटकर या श्रम कराते-कराते बेहाल कर देना।

कच्चो-करणूं।
कच्चा करना। साहस छुड़ाना। झूठा ठहराना। शर्मिन्दा

करना। ढीली लम्बी सिलाई करना। ईंट गारे का निर्माण करना।

कच्चो काम करणूं।
कच्चा काम करना। अस्थिर या गलत काम करना।

कच्चो होणूं।
कच्चा होना। परिपक्व नहीं होना। पूर्ण दक्ष न होना। साहसहीन होना। धैर्यवान न होना।

कच्चा कान को होणूं।
कच्चे कान का होना। विश्वसनीय नहीं होना।

कच्चो आसामी होणूं।
कच्चा आसामी होना। पूर्ण भरोसेमंद न होना। अपनी बात पर दृढ़ न रहने वाला।

कच्चो खिलाड़ी होणूं।
कच्चा खिलाड़ी होना। कम अनुभवी या जानकार। होना अनाड़ी।

कच्चो घड़ो होणूं।
कच्चा घड़ा होना। ऐसा व्यक्ति जिसे इच्छानुसार बदला जा सके। ऐसी वस्तु जिसे दुबारा काम न लिया जा सके।

कच्चो चिट्ठो खोलणूं।
कच्चा चिट्ठा खोलना। कमजोरियाँ बताना। सारा भेद खोलना।

कच्चा धागा सी बंधणूं।
कच्चा धागों से बँधना। अत्यन्त कमजोर सम्बन्ध। सूत्र में बँधना। अधिक मित्रता या प्रेम होना।

कच्चो खाई जाणूं।
कच्चा चबा जाना। अत्यन्त क्रुद्ध होना। दु:ख देना। सजा देना।

कच्चो पड़णूं।
कच्चा पड़ना। हिम्मत हारना। गलत साबित होना। पीछे हटना। संकुचित होना।

कच्चो-पक्को करणूं।
कच्चा-पक्का करना। पूर्णत: अन्तिम निर्णय न करना। अधूरा काम करना।

कच्ची उमर होणूं।
कच्ची उम्र होना। कम उम्र का होना। अनुभवहीन होना।

कच्ची खाणूं।
कच्ची खाना। हिम्मत हारना। धोखे में आना।

कच्ची जुबान देणूं।
कच्ची जबान देना। अधूरी स्वीकृति या बात करना।

कच्ची गोटी खेलणूं।
कच्ची गोटी खेलना। अनुभवहीन चाल चलना।

कच्ची गोळई नऽ खेलणूं।
कच्ची गोलियाँ खेलना। अनुभवहीन चाल चलना। असफल होना।

कच्चा घड़ा मऽ पाणी भरणूं।
कच्चे घड़े में पानी भरना। कठिन या असम्भव काम करना या कराना।

कच्चा पाना पऽ लिखणूं।
कच्चे पाने पर लिखना। अस्थाई कागज पर लिखना। याददास्त के लिये नोट करना।

कच्ची कली तोड़णूं।
कच्ची कली तोड़ना। छोटे बच्चों को जानबूझकर नुकसान पहुँचाना। हानि पहुँचाना। हत्या करना।

कच्ची कळी होणूं।
कच्ची कली होना। कम उम्र की लड़की किशोरी होना।

कच्ची पाळ होणूं।
कच्ची पाल होना। छोटे-छोटे बाल बच्चे होना।

कच्ची गृहस्थी होणूं।
कच्ची गृहस्थी होना। अकेला कमाने वाला और अधिक बच्चे वाला परिवार होना।

कच्ची नींद उठणूं (उठाणूं)

कच्ची नींद उठना या उठाना। आधी नींद में जगना या जगाना। नींद पूरी हुए बगैर जाग जाना।

कच्ची नीव पऽ खड़ो होणूं।
कच्ची नींवं पर खड़ा होना। आधार कमजोर होना।

कच्ची नीव होणूं।
कच्ची नींव होना। कमजोर आधार होना। मिट्टी घास फूस से बना घर।

कच्चो टापरो होणूं।
कच्चा टापरा होना। मिट्टी घासफूस लकड़ी से बना मकान होना। अस्थाई घर।

कच्च्या बच्चा होणूं।
कच्चे बच्चे होना। अधिक बच्चे होना।

काचो-पाको करणूं।
कच्चा-पक्का करना। अधूरा करना। बिगाड़ देना। अनिश्चित होना।

काचो पड़णूं।
कच्चा पड़ना। पीछे हटना। कमजोर पड़ना। झूठ पड़ना।

काची-पाकी खवाड़णूं।
कच्चा-पक्का खिलाना। अनुकूल भरपेट भोजन न मिलना।

कच्छ-मच्छ होणूं।
कच्छ-मच्छ होना। एक जैसा होना।

कछुआ की चाल चलणूं।
कछुआ चाल चलना। धीमी गति से कार्य करना।

कछुआ की तरह अंग सिकुड़णूं।
कछुए की तरह अंग सिकुड़ना। अपने आप को सीमित करना। समेटना।

कजराळ्यो करणूं।
कजराला करना। बुरे काम करना। काले कारनामे करना।

कजरो सारणूं।
कजरा सारना। आँखों में नियमित काजल लगाना।

कजरो पाड़णूं।
कजरा पाड़ना। दिया जलाकर काजल बनाना।

कजा को दिन आवणूं।
कजा का दिन आना। मौत या शामत आना।

कंटक बणनूं।
कंटक बनना। विरोधी या बाधक बनना।

कट-कट करणूं।
कट-कट करना। झगड़ा करना। तर्क-वितर्क करना।

कट्टर होणूं।
कट्टर होना। बहुत कड़ा, विचारों का पक्का होना।

कट्टर पंथी होणूं।
कट्टर पंथी होना। अन्धविश्वासी होना।

कटी-कटी नऽ झुरनूं।
कट-कट कर झुरनूं। अपने आप में दुखी होते रहना। रोते रहना।

कटी-कटी खऽ रई जाणूं।
कट-कट कर रह जाना। लज्जित। दुःखी होकर रह जाना।

कटी-कटी नऽ मरी जाणूं।
कट-कटकर मर जाना। अत्यन्त दुःख झेलना। आपस में बुरी तरह लड़ना।

कटी-कटी नऽ गिरनूं (मरनूं)।
कट-कटकर गिरना या मरना। वीरतापूर्वक लड़कर जान देना।

कटेल-कटेल रयणूं।
कटा-कटा रहना। अलग-अलग रहना। अप्रसन्न रहना।

कटेल पऽ लोण छीटणूं।
कटे पर नमक छीटना। दुःखी को और दुःखी करना।

कटखाण्यो कुतरो।
कटखना कुत्ता। काटने वाला कुत्ता। बहुत लड़ने वाला आदमी।

कटेल ऊंगली पऽ नी मूतणूं।
कटी ऊँगली पर नहीं मूतना। जरा भी सहायता न करना। भला न करना।

कटेल झाड़ की तरह गिरनूं।
कटे हुए पेड़ सा गिरना। बिना आधार के बेसहारा हो जाना। हताश। निराश हो जाना।

कटिबृद्ध होणूं।
कटिबद्ध होना। तैयार होना।

कटी मरनूं।
कट मरना। जान दे देना। अत्यधिक लड़ना-झगड़ना।

कटी पतंग होणूं।
कटी पतंग होना। कोई आधार या सहारा न होना।

कूटी-कूटी न भरणूं।
कूट-कूटकर भरना। ठूँस-ठूँसकर भरना।

कटु अनुभव होणूं।
कटु अनुभव होना। बहुत खराब स्थिति से गुजरना। अप्रिय। चुभने वाली घटना।

कठफुतली बणणूं।
कठपुतली बनना। वश में होना।

कठफुतलई सई नाचणूं (नचाणूं)।
कठपुतली की तरह नाचना या नचाना। दूसरे के इशारे पर काम करना या कराना।

कठण समय सी गुजरनूं।
कठिन समय से गुजरना। मुसीबत के दिन आना।

कठमुल्लो होणूं।
कठमुल्ला होना। अन्धविश्वासी और मूर्ख होना।

कठिण समय मऽ काम आवणूं।
कठिन सयम में काम आना। विपत्ति में सहायता करना।

काठ का उल्लू।
काठ का उल्लू। बहुत मूर्ख होना।

कंठ फूटणूं।
कंठ फूटना। बोल निकलना।

कंठी देणूं।
कंठी देना। शिष्य बनाना।

कंठ मऽ बठणूं।
कंठ में बैठना। पूर्वतया स्मरण होना।

कंठी माला पयरनूं।
कंठी माला पहनना। साधू संत होना।

कंठ मऽ सरसती बठणूं।
कंठ में सरस्वती बैठना। पूरी तरह याद होना।

कंठस्थ होणूं।
कंठस्थ होना। पूरी तरह याद हो जाना।

कंठ लगावणूं।
कंठ लगाना। गले लगाना। प्रेम से मिलना।

कंठ सूखणूं।
कंठ सूखना। प्यास लगना। गला सूखना।

कड़क होणूं।
कड़क होना। कठोर होना। शक्तिशाली होना।

कड़की उठणूं।
कड़क उठना। जोर से बोलना। कहना।

कड़की नऽ बोलणूं।
कड़ककर बोलना। जोर से। साहस पूर्वक होना।

कड़की उठावण।
कड़की उठाना। आर्थिक तंगी से गुजरना।

कड़ुवो घूँट पीणूं।
कड़ुवा घूँट पीना। अरुचिकर काम करना।

कड़ुवो बोलणूं।
कड़वा बोलना। अप्रिय बोलना। बुरा लगाने वाला बोलना।

कड़ुवो लगणूं।

कड़वा लगना। बुरा लगना। अच्छा नहीं लगना।

कड़ुवो होणूं।
कड़वा होना। बुरा होना। लड़ाकू होना।

कड़वाहट पैदा करनूं।
कड़वाहट पैदा करना। मन में कटुता पैदा करना। ईर्ष्या द्वेष भरना।

कड़ो कदम उठावणूं (धरनूं)।
कड़ा कदम उठाना या धरना। कठोर कार्यवाही करना।

कड़ो मुकाबलो होणूं।
कड़ा मुकाबला होना। जबर्दस्त प्रतिस्पर्द्धा होना। घमासान लड़ाई होना।

कड़ो जी करनूं।
कड़ा जी करना। कठोर व्यवहार करना। साहस करना।

कड़ो जी होणूं।
कड़ा जी होना। कठोर मन बनाना। करुणाहीन होना।

कड़ो पड़णूं।
कड़ा पड़ना। कठोर होना। दृढ़ निश्चयी होना।

कड़ो सुभाव होणूं।
कड़ा स्वभाव होना। कठोर स्वभाव होना। दया करुणाहीन होना।

कड़ाई मऽ माथो देणूं।
कढ़ाई में सिर देना। जानबूझकर विपत्ति में फँसना।

कड़ाई चढ़णूं।
कढ़ाई चढ़ना। घर में पकवान बनना।

कड़ाई गरम होणूं।
कढ़ाई गर्म होना। भोजन की तैयारी होना।

कड़ी निगाह राखणूं।
कड़ी निगाह रखना। अच्छी तरह देखभाल करना।

कड़ी परीक्सा लेणूं।
कड़ी परीक्षा लेना। कठोर परीक्षा या जाँच लेना।

कड़ी मेहनत करनूं।
कड़ी मेहनत करना। अत्यधिक परिश्रम करना।

कड़ी हार होणूं।
कड़ी हार होना। बुरी तरह से पराजित होना।

कड़ी शरत रखणूं।
कड़ी शर्त रखना। अत्यधिक कठिन शर्त रखना।

कड़ी जोड़णूं।
कड़ी जोड़ना। सम्बन्ध स्थापित करना। शृंखला बनाना।

कड़ी टूटणूं।
कड़ी टूटना। श्रृंखला टूटना। सम्बन्ध समाप्त होना।

कड़कड़ाती ठंड पड़णूं।
कड़कड़ाती जाड़ा पड़ना। अत्यधिक ठण्ड पड़ना।

कुड़कुड़ावणूं।
कुड़कुड़ाना। खुले में ठण्ड लगना। अत्यधिक ठण्ड पड़ना। बड़बड़ करना।

कीड़ी चाल चलणूं।
चींटी चाल चलना। बहुत धीमे-धीमे चलना। अत्यन्त सुस्त।

कीड़ी का पर निकळणूं।
चींटी के पर निकलना। घमण्ड में चूर होना। मृत्यु के करीब जाना।

कीड़ी काटणऽ का बराबर दर्द होणूं।
चींटी काटने के बराबर दर्द होना। मामूली सा दर्द होना।

कीड़ी को अण्डा लई नऽ चलणूं।
चींटी का अण्डे लेकर चलना। वर्षा होने का स्पष्ट संकेत होना।

कीड़ी का पांय मऽ झांझर बंधेल छे।
चींटी के पैर में पायजेब बँधी है। उसकी आवाज भी परमात्मा सुनता है।

कीड़ी हाथी खऽ हरई सकज।

चींटी हाथी को हरा सकती है। चींटी हाथी की सूँड में चली जाय तो हाथी की जान पर बन आती है।

कोड़ो चलावणूं।
कोड़ा चलाना। अच्छी तरह से मार पिटाई करना।

कोड़ो मार्‌या बगैर घोड़ो चलतो नी।
कोड़ा खाये बगैर घोड़ा चलता नहीं है। जिसे मार खाने की आदत हो गई हो, वह मार खाये बगैर काम नहीं कर सकता।

कोंडी मारी नऽ बठणूं।
कोंडी मार कर बैठना। आलथी-पालथी मारकर बैठना। धरना देना।

कंडो उठावणूं।
कंडा उठाना। मृत्यु का साक्षी होना। शव यात्रा में आगे-आगे जलता कंडा लेकर चलना।

कंडा थापणूं।
कंडे थापना। उपले बनाना। बेगार का काम करना।

कंडा बिणनूं।
कंडे बिनना। उपले (अलोणे कंडे) चुनना। बेगार का काम करना।

कंडा की राखोड़ी उठावणूं।
कंडे की राख उठाना। जले हुए कंडे की राख समेटना। किसी कार्य की बची हुई कार्यवाही करना।

कड़की आवणूं।
कड़की आना। तंगी आना। गरीबी आना।

कुड़की आवणूं।
कुड़की आना। कुर्की आना। अदालत से सम्पत्ति जप्त करने का आदेश निकलना।

कुड़ी-कुड़ी नऽ घर भरनूं।
कुढ़-कुढ़ कर घर भरना। रो-रोकर परेशान करना।

कुड्डल होणूं।
कुड्डल होना। बदजात होना।

कढ़ी मऽ उबाल आवणूं।
कढ़ी में उबाल आना। थोड़ी देर का जोश आना।

कढ़ी को फैलणूं।
कढ़ी का फैलना। बात का बिगड़ जाना।

कण-कण करनूं।
कण-कण करना। दु:खी होना। बीमार होना।

कणतो रयणूं।
कणता रहना। हमेशा कुछ न कुछ शिकायत करना। दुखी रहना।

कणमणो होणूं।
कणमना होना। अस्वस्थ होना।

कणो होणूं।
कणा होना। साँप का बच्चा होना।

कण्णू-कुथणूं।
कण्णू-कुथणूं। आह-वाह करना। करांजना।

कणक देणूं।
कणक देना। चून देना। कीड़ों-मकोड़ों चींटियों को आटा डालना।

कोण केको।
कौन-किसका? यहाँ कोई किसी का नहीं होता।

कण-कण नऽ मण-मण।
कण-कण से मन बनता है। बूँद-बूँद से घड़ा भरता है। छोटी बचत से पैसा इकट्ठा होता है। थोड़े से अधिक की चाहना।

कतरण उतारनूं।
कतरण उतारना। कतर ब्यौत करना। काँट-छाँट करना।

कतरनी होणूं।
कतरनी होना। अत्यधिक बोलना। कैची जैसी जबान चलना।

कतरनी सईं जुबान चलणूं।

कैंची जैसी जुबान चलना। अत्यधिक बात करना। बात काटना।

कतरई नऽ निकलणूं।
कतरा कर निकलना। बचकर निकलना। स्थितियों से बचना। किसी काम को करने से बचना।

कतर ब्यौत करणूं।
कतर ब्यौत करना। काँट-छाँट करना। खर्च कम करना।

कतरी न्हाखणूं।
कतर डालना। निर्दयतापूर्वक हानि पहुँचाना।

कुतरी न्हाखणूं।
कुतर डालना। दाँतों से काट देना। चूहों द्वारा काटना।

कुतरी सई भूकणूं।
कुतिया के समान भौंकना। व्यर्थ हल्ला करना।

कुतरी का मुंडा नी लगणूं।
कुतिया के मुँह न लगना। व्यर्थ बोलने वाले से सम्बन्ध न रखना। मुँहजोर से दूर रहना।

कुतरी भूकऽ कि कानसर्‌या ले।
कुतिया भूके कि कानसर्‌या ले। असमंजस में होना या रहना।

कुतरी का कान खड़ा होणूं।
कुतिया के कान खड़े होना। असम्बद्ध व्यक्ति की बात सुनना।

कुतरा की मऊत मरणूं।
कुत्ते की मौत मरना। पीड़ा दायक मृत्यु होना। असामयिक मृत्यु होना।

कुतरा की दुम।
कुत्ते की दुम। अपना स्वभाव न छोड़ना।

कुतरा खीर नी खाणूं।
कुत्ते खीर नहीं खाना। आपस में लड़-लड़कर मरना।

कोताई करनूं।
कोताई करना। कंजूसी करना।

कोथेलई भरनूं।
कोथली भरना। झोली भरना। अपना स्वार्थ सिद्ध करना। अपने लिये पैसे जमा करना।

कथनी अरु करनी मऽ फरक होणूं।
कथनी और करनी में फर्क होना। कहे अनुसार काम न करना।

कुथणू-करांजणूं।
कूथना करांजना। बहाने बाजी करना। बीमार होने का नाटक करना।

कथा सुनावणूं।
कथा सुनाना। विवरण। वर्णन करना। कथा-व्यथा सुनाना।

कथा कराड़णूं।
कथा कराना। सत्यनारायण भगवान की पूजा पाठ और कथा पाठ कराना। मनोरथ सफल। पूर्ण होना।

कथा मऽ जाणूं।
कथा में जाना। सत्यनारायण। भागवत कथा सुनने जाना। किसी बात के विस्तार में जाना।

कथा बणावणूं।
कथा बनाना। किसी बात की कहानी गढ़ लेना।

कथा सार कयणूं (लिखणूं)।
कथा सार कहना या लिखना। संक्षेप में कहानी कहना या लिखना। मूल बात बताना।

कदर करनूं।
कदर करना। आदर-सम्मान इज्जत करना।

कदर घटनूं।
कदर घटना। इज्जत कम होना।

कदर का काकरा करणूं।
कदर का काकरा करना। इज्जत खराब करना। बदनाम करना।

कदर नी जाणनूं।
कदर नहीं जानना। महत्त्व नहीं समझना।

कदर छे तो सब कई छे।
कदर है तो सब कुछ है। मान-सम्मान ही सब कुछ है।

कदर हल्की करनूं।
कदर हल्की करना। इज्जत कम करना। मान-सम्मान गिराना।

कदम आगऽ बढ़ावणूं।
कदम आगे बढ़ाना। उन्नति करना। प्रगति करना।

कदम गलत पड़णूं।
कदम गलत पड़ना। गलत काम कर बैठना। भूल करना।

कदम उखड़ी जानूं।
कदम उखड़ जाना। मुकाबले में न ठहर जाना। युद्ध का मैदान छोड़कर भाग जाना। हार जाना।

कदम मिलई नऽ चलणूं।
कदम मिलाकर चलना। साथ-साथ चलना। सहयोग करना।

कदम नऽ पऽ गिरी पड़णूं।
कदमों पर गिर पड़ना। गिड़गिड़ाना। माफी माँगना। गलती स्वीकार करना।

कदम मऽ पऽ माथो रखणूं (टेकणूं)।
कदमों पर सिर रखना। टेकना। प्रणाम करना। विनती करना। आदर करना।

कदम-कदम पऽ टोकणूं (रोखणूं)।
कदम-कदम पर टोकना। रोकना। बात-बात पर विरोध करना। रोड़े अटकाना। हर समय टोकना।

कदम नऽ पऽ लोटणूं।
कदमों पर लोटना। दासता स्वीकार करना। शरण में आना।

कदम फिसलनूं।
कदम फिसलना। करते-करते कोई गलत बुरा कार्य करना।

कदम उठावणूं।
कदम उठाना। आगे बढ़ना। आगे कार्य शुरु करना।

कदम पाछऽ लेणूं।
कदम पीछे लेना। किसी कार्य को रोक देना। वापस लेना। करते हों तो न करना।

कदम नऽ मऽ चाँद सितारा धरणूं।
कदमों में चाँद सितारे धरना। असम्भव कार्य करना। प्रिय चाही गई चीज लाकर रख देना।

कदम हटई लेणूं।
कदम हटा लेना। निर्णय बदल देना।

कदम धरणूं।
कदम धरना। प्रवेश करना।

कदम पड़्या सन्तन का, व्हां-व्हां बंठाढार।
जहाँ-जहाँ पाँव पड़े सन्तों के वहाँ-वहाँ बंटाढार। दुष्ट व्यक्ति जहाँ भी पहुँचता है, वहाँ कुछ न कुछ नुकसान अवश्य होता है।

कदम गिणी-गिणी नऽ धरणूं।
कदम गिन-गिनकर रखना। धीरे-धीरे चलना।

कदम धोई-धोई न पीणूं।
कदम धो-धोकर पीना। अत्यन्त आदर करना। आदर्शों पर चलना।

कदम डगमगावणूं।
कदम डगमगाना। भ्रमित होना। प्रभावहीन होना।

कदम ताळ करनूं।
कदम ताल करना। कदम से कदम मिलाकर चलाना। लय ताल के साथ चलना।

कंधा पऽ ढोणूं।
कंधे पर ढोना। दायित्व उठाना। निर्वाह करना।

कंधा ढीला करनूं।
कंधे ढीले करना। दायित्व का बोझ न उठाना। कर्त्तव्य में ढिलाई करना।

कंधा सी कंधो मिलई नऽ चलणूं।
कंधे से कंधा मिलाकर चलना। आपसी सहयोग से चलना।

कंधो मिलई नऽ चलणूं।
कंधा मिलाकर चलना। बराबर से चलना। बराबर साथ में काम करना।

कंधो पकड़ी नऽ चलणूं।
कंधा पकड़कर चलना। किसी और के सहारे चलना। कमजोर होना।

कंधा पऽ बठाड़णूं।
कंधे पर बिठाना। सहारा देना। बहुत ऊपर चढ़ाना। सम्मान देना। लाड़ प्यार करना।

कंधो टूटणूं।
कंधा टूटना। बोझ से दबना।

कंधो लगावणूं (देणूं)।
कंधा लगाना या देना। अर्थी को कंधे पर ढोना। मृत्यु का स्मरण करना। शमशान वैराग्य होना।

कंधा पऽ उठावणूं।
कंधे पर उठाना। सम्मान देना।

कंधो बदलणूं।
कंधा बदलना। एक कंधे का बोझ दूसरे पर डालना।

कंधा सी कंधो छिलनूं।
कंधा से कंधा छिलना। बहुत भीड़ होना। कंधे से कंधा टकराना।

कंधा सी कंधो मिलई न चलणूं।
कन्धे से कन्धा मिलाकर चलना। पूरे समर्थन के साथ सहयोग करना।

कंधो उतरनूं।
कंधा उतरना। कंधा चोटिल होना। हाथ का काम न करना।

कनकौआ उड़ावणूं।
कनकौआ उड़ाना। पतंग उड़ाना। आकाश में थिगाना।

कनकौआ काटणूं।
कनकौआ काटना। सम्बन्ध तोड़ना।

कनावड़ो पड़णूं।
कनावड़ा पड़ना। शर्मिन्दा होना।

कन्नी काटणूं।
कन्नी काटना। किसी काम से बहाना करके निकल जाना। बचना।

कन्या राशि होणूं।
कन्या राशि होना। स्त्रैण होना। ढीला होना। निकम्मा या सुस्त होना।

कान मऽ डालणूं।
कान में डालना। सूचनार्थ बात कह देना। केवल स्मरण रहे।

कान सी निकाळ देणूं।
कान से निकाल देना। सुनी हुई बात को जानबूझकर भुला देना।

कान सी निकळई जाणूं।
कान से निकल जाना। सुनी हुई बात को स्वाभाविक रूप से भूल जाना।

कानऽ कान खबर नी होणूं।
कानोकान खबर नहीं होना। किसी को कुछ पता नहीं होना। कुछ भी सुनने में न आना।

कानऽ कान फैलणूं।
कानोकान फैलना। एक से दूसरे, दूसरे से तीसरे ऐसे बहुत से लोगों तक बात फैलना।

कान मऽ ऊंगळई देणूं।
कान में ऊँगली देना। नहीं सुनना।

कान सर्‌या लेणूं।
कान सर्‌या लेना। चुपचाप बात सुनने की कोशिश करना।

कान का परदा फाटी जाणूं।
कान के परदे फट जाना। बहुत तेज आवाज सुनना। बहरा हो जाना।

कान साफ करनूं।
कान साफ करना। अच्छी तरह से सुनने की शक्ति प्राप्त करना।

कान सी सुणेल अरु डोळ्या नऽ सी देखेल।
कान से सुनी और आँखों से देखी। कान से सुनना और आँखों से देखने में बहुत फर्क होता है।

कान को मैल साफ करनूं।
कान का मैल साफ करना। अच्छी तरह से कान साफ करना, जिससे साफ सुनाई दे। सुनकर भ्रम दूर करना।

कान का कीड़ा झड़णूं।
कान के कीड़े झड़ना। गलतफहमियाँ दूर होना।

कान नऽ पऽ विश्वास नी होणूं।
कानों पर विश्वास न होना। सुनी हुई बात पर भरोसा न करना। झूठी खबर होना।

कान बजणूं।
कान बजना। कान में सन-सन की आवाज होना। सर्दी जुकाम होना।

कान छिदाणूं।
कान छिदाना। कर्ण छेदन होना।

कान नी देणूं।
कान नहीं देना। कोई ऐसी वैसी बात को न सुनना।

कपकपी चढ़णूं।
कपकपी चढ़ना। ठंड लगना। ठिठुरना। काँप जाना।

कापी जाणूं।
काँप जाना। हिल जाना। उठना। डर जाना।

कपड़ा लत्ता फाड़णूं।
कपड़े लत्ते फाड़ना। क्रोध से बेहाल होना।

कप्फन खऽ कवड़ी नी होणूं।
कफन के लिये एक कौड़ी न होना। बहुत कंगाल होना।

कप्फन माथा पऽ बांधणूं।
कफन सिर पर बाँधना। मरने-मारने के लिये तैयार होना।

कप्फन तक येची देणूं।
कफन तक बेच देना। अत्यन्त गरीबी का आलम होना। नीयत बिगड़ जाना।

कबर मऽ पांय लटकावणूं।
कब्र में पैर लटकाना। मरने की स्थिति में होना।

कबर खोदी नऽ लाणूं।
कब्र खोदकर लाना। कहीं से भी सबूत पाना या पता लगाना।

कबर खोदणूं।
कब्र खोदना। अपनी मौत बुलाना।

कबर का मुरदा उखाड़णूं।
कब्र के मुरदे उखाड़ना। पुरानी बातों को याद करना। बीती बातों को सामने लाना।

कूबड़ निकळई आवणूं।
कूबड़ निकल आना। बुढ़ापा आ जाना।

कूबड़ी हाथ मऽ आवणूं।
कूबड़ी हाथ में आना। शरीर से कमजोर होना। लकड़ी (कूबड़ी) के सहारे से चलना।

कबरबिज्जू बोलणूं।
कबर बिज्जू बोलना। अनिष्ट की आशंका।

कबूल करनूं।
कबूल करना। स्वीकार करना। अपराध मानना।

कबूतर की सईं लोटणूं।
कबूतर की तरह लोटना। बेपनाह तड़फना।

कबूतर उड़ावणूं।
कबूतर उड़ाना। फालतू काम करना।

कबूतर का सई गुटरगूं करणूं।
कबूतर की तरह गुटरगूं करना। आगे-पीछे घूमना।

कबड्डी खेलणूं।
कबड्डी खेलना। आवारागर्दी करना। फालतू दौड़ना।

कबजा सी भायर होणूं।

कब्जे से बाहर होना। अधिकार में न होना। वश में न होना।

कब्जो देणूं।
कब्जा देना। किसी मकान, जगह या खेत का अधिकार सौंपना। मालिकाना हक देना।

कब्जो छुड़ावणूं।
कब्जा छुड़ाना। गिरवी रखी चीज का ऋण चुकाकर प्राप्त करना।

कब्जा मऽ राखणूं।
कब्जे में रखना। अधिकार में रखना। ताबे में रखना।

कब्जा तोड़ी नऽ घर मऽ घुसणूं।
कब्जे तोड़कर घर में घुसना। दरवाजा तोड़कर घर में चोरी करना।

कब का?
कब के? बहुत पहले चले जाना। बहुत देर पहले की घटना होना।

कभी तोला कभी मासा होणूं।
कभी तोला कभी मासा होना। कभी ज्यादा कभी कम होना। कभी कुछ और कभी कुछ होना।

कभी न कभी तो होयगऽ।
कभी न कभी तो होगा। मतलब भविष्य में अवश्य होगा।

कभी कईं तो कभी कई कयणूं।
कभी कुछ तो कभी कुछ कहना। हमेशा बात बदलते रहना।

कभी असो-वसो हुई जाज।
कभी-कभी ऐसा-वैसा हो जाता है। कभी ऊँच-नीच हो जाती है।

कभी झूठ नी बोलणूं।
कभी झूठ नहीं बोलना। कभी झूठ का सहारा नहीं बोलना चाहिए।

कभी नाव गाड़ी पऽ तो कभी गाड़ी नाव पऽ।
कभी नाव गाड़ी पर तो कभी गाड़ी नाव पर। संयोग बलवान होता है। अन्योन्याश्रित।

कभी दरसण देणूं।
कभी दर्शन देना। कभी-कभी मिलने को आतुरता दिखना।

कम कीमत होणूं।
कम कीमत होना। मूल्य कम होना। आदर कम होना।

कम खरच करणूं।
कम खर्च करना। अधिक पैसा बर्वाद न करना।

कम्मर कसणूं।
कमर कसना। पक्का निश्चय करना। तैयार होना।

कम्मर झुकणूं।
कमर झुकना। बुढ़ापा आना।

कम्मर टिकावणूं।
कमर टिकाना। काम करते-करते थोड़ा विश्राम करना।

कम्मर टेढ़ी होणूं।
कमर टेढ़ी होना। काम करके अधिक थक जाना।

कम्मर टेट होणूं।
कमर टेट होना। कमर अकड़ जाना।

कम्मर तोड़णूं।
कमर तोड़ना। अधिक नुकसान पहुँचाना। बुरी तरह हराना।

कम्मर बांधणूं।
कमर बाँधना। तैयारी करना। निश्चय होना।

कम्मर मऽ दम होणूं।
कमर में दम होना। क्षमता होना। शक्ति होना।

कम्मर सीधी करनूं।
कमर सीधी करना। आराम करना। तनिक विश्राम करना।

कम्मर हिलावणूं।

कमर हिलाना। साधारण काम करना।

कमती तोलनूं।
कम तोलना। बेईमानी करना।

किम्मत नी आवणूं।
कीमत नहीं आना। उचित मूल्यांकन न होना।

कमान संभाळणूं।
कमान सम्भालना। प्रबन्ध अपने हाथ में लेना।

कमान सी तीर निकळई जाणूं।
कमान से तीर निकल जाना। कोई बात वश से बाहर हो जाना।

कमान हुई जाणूं।
कमान हो जाना। झुक जाना।

कमानू खाणूं।
कमाना खाना। स्वयं जीविका अर्जित करना।

कमाणू-धमाणूं।
कमाना-धमाना। परिश्रम से धन कमाना।

कमाल करणूं।
कमाल करना। बहुत अच्छा काम करना। अधिक कुशलता दिखाना। अद्भुत काम करना।

कमाल को आदमी होणूं।
कमाल का आदमी होना। अधिक कुशल योग्य व्यक्ति होना। असाधारण गुण वाला।

कमान चढ़ावणूं।
कमान चढ़ाना। क्रोध में होना। त्यौरी चढ़ना।

कमाई खोई बठणूं।
कमाई खो बैठना। जीविका का साधन खो देना।

कमाई खाणऽ लायक होणूं।
कमा खाने के योग्य होना। धन अर्जित करने की क्षमता होना।

कमी न राखणूं (छोड़णूं)।
कमी न रखना या छोड़ना। पूरा प्रयत्न करना। अच्छी तरह से मेहनत करना।

कयती की कयती जाणूं।
कहती कि कहती जाना। बात कहते ही जाना, कहीं रुकने का नाम नहीं लेना।

कया सुणी होणूं।
कहा-सुनी होना। झगड़ा होना। गालीगलौच होना। बोलचाल होना।

कयणऽ मऽ आवणूं।
कहने में आना। बहकावे में आना। कहावत में आना।

कयणऽ की वात।
कहने की बात। जो बात कहने सरीखी है, उसे कहना। भला-बुरा कहना।

कयणो को होणूं।
कहने का होना। नाम मात्र का होना।

कयणऽ कयणऽ मऽ फरक होणूं।
कहने-कहने में फर्क होना। कहने की अपनी-अपनी शैली या अंदाज।

कयणऽ सी कुम्हार गदड़ा पऽ नी बठतो।
कहने से कुम्हार गधे पर नहीं बैठता। स्याना आदमी किसी की नहीं सुनता।

कया सुण्या की माफी।
कहने-सुनने की माफी करना। जो बोलचाल हुई, उसे भूल जाना।

कयणऽ का भायर जाणूं।
कहने के बाहर जाना। कहने के अनुसार न चलना।

कयामत आवणूं।
कयामत आना। बड़ा संकट आना।

कयामत को दिन आवणूं।

कयामत का दिन आना। घोर विपत्ति आना। ईश्वरी न्याय का दिन आना।

कयामत ढाणूं।
कयामत ढाना। गजब करना।

कयास लगावणूं।
कयास लगाना। अन्दाज लगाना।

करवट खाणूं।
करवट बदलना। व्यवहार बदलना। पलट जाना। समय परिवर्तन। प्रतिकूल होना।

करवट नऽ लेणूं।
करवटें न लेना। नींद न आना। जागना।

करवट तक नी लेणूं।
करवट तक नहीं लेना। बिल्कुल सुध नहीं लेना। भूल जाना। गहरी नींद में होना।

करवट बदलतऽ रात बीतणूं।
करवट बदलते रात बीतना। पूरी रात नींद न आना। बेचैन होना। जागना।

कर्‌या धर्‌या पऽ पाणी फिरनूं।
किये धरे पर पानी फिरना। अच्छा करते-करते एक गलती से सब कुछ नष्ट हो जाना।

कर्‌यो सार्‌यो बराबर करणूं।
किया कराया बराबर करना। परिश्रम बेकार जाना।

कर्‌यो धर्‌यो बेकार जाणूं।
किया कराया बेकार जाना। परिश्रम व्यर्थ होना।

करी गुजरनूं।
कर गुजरना। किसी काम को कर दिखाना।

करतब दिखावणूं।
करतब दिखाना। हुनर दिखाना।

करम को लेख।
करम का लेख। भाग्य में जो लिखा होगा, वह होकर रहेगा।

करम को हेटो होणूं।
करम का हेटा होना। भाग्यहीन होना। कर्म करने में आलसी।

करम खऽ रोवणूं।
करम को रोना। तकदीर को दोष देना।

करम फूटणूं।
करम फूटना। मिलते-मिलते किसी उपलब्धि का न मिलना। भाग्य मंद होना।

करम ठोकणूं।
करम ठोकना। पछताना या दुःखी होना।

करामात दिखावणूं।
करामात दिखाना। गलत काम करना। सम्भावना के विरुद्ध काम करना।

करार आवणूं।
करार आना। आराम आना।

करारी चोट करनूं।
करारी चोट करना। बुरी तरह से हारना। बहुत बुरी मार मारना।

करार करनूं।
करार करना। शर्त लगाना। पक्की बात करना।

करोड़नऽ मऽ एक होणूं।
करोड़ों में एक होना। अद्वितीय। अनोखा। विशेष होना।

करजो करनूं (उठावणूं)।
कर्जा करना या उठाना। धन उधार लेना। ऋण लेना।

करजो चढ़णूं।
कर्जा चढ़ना। अधिक ऋण बढ़ जाना।

करजो उतारनूं (पटावणूं)।
कर्जा उतारना या पटाना। ऋण चुका देना।

करजा मऽ डूबणूं।
कर्ज में डूबना। अत्यधिक ऋण होना।

करजो डूबणूं।
कर्जा डूबना। उधारी दिये गये धन का न आना।

करजो खाई नऽ बठणूं।
कर्जा खाकर बैठना। उधारी न चुकाना।

करजो लई-लई नऽ खाणूं।
कर्ज ले लेकर खाना। उधार ले लेकर खाना। बड़ी मुश्किल से पेट भरना। परिवार चलाना।

कर कड़ो भट्ट होणूं।
करकड़ा भट होना। अत्यधिक कठोर होना। शरीर सिकुड़ना।

कल करणूं।
कल करना। टालमटोल करना। आज का काम कल करने को कहना।

कल-कल करणूं।
कल-कल करना या झरने। नदी के पानी बहने की आवाज होना। व्यर्थ की आवाजें करना। फालतू बकना।

कळ नी पड़णूं।
कल नहीं पड़ना। बेचैन होना। अधीर होना। शान्ति न मिलना। सुख न मिलना। चैन न मिलना।

कल बिगड़णूं।
कल बिगड़ना। शरीर या मशीन के पुर्जे खराब होना।

कल की कयणूं।
कल की कहना। भविष्य की सोचना।

कल काऽ मत कयणूं।
कल को मत कहना। भविष्य में उलाहना मत देना। सचेत करना।

कलम करनूं।
कलम करना। काटना।

कलम घिसणूं।
कलम घिसना। लिखाई का काम करना। कलर्की करना।

कलम चलावणूं।
कलम चलाना। लिखा-पढ़ी का काम करना। किसी को पक्के रूप में लिख देना।

कलम को धणी होणूं।
कलम का धनी होना। उच्चकोटि का साहित्यकार होना।

कलम को कसाई होणूं।
कलम का कसाई होना। लिखा-पढ़ी द्वारा हानि पहुँचाने वाला होना।

कलम चूमणूं।
कलम चूमना। लेखन की अत्यधिक प्रशंसा करना।

कलम उठावणूं।
कलम उठाना। लिखने के लिये तैयार होना। लेखक होना।

कलम तोड़णूं।
कलम तोड़ना। श्रेष्ठतम लिखना। लिखने की हद पार कर देना।

कलम को मजदूर होणूं।
कलम का मजदूर होना। लिखने का पेशा करना।

कलम को सिपाही होणूं।
कलम का सिपाही होना। जबाबदारी से लेखन कार्य करने वाला होना।

कलम पऽ जीणऽ वालो होणूं।
कलम पर जीने वाला होना। लेखन से जीविका चलाने वाला होना।

कलम नी रुकणूं।
कलम नही रुकना। उत्तरोत्तर लिखते ही जाना। अच्छा लेखन करना।

कलमो पढ़णूं।
कलमा पढ़ना। गुणगान करना। प्रशंसा करना।

कळो करनूं।
कलह करना। लड़ाई-झगड़ा करना। जरा-जरा सी बातों पर घर में लड़ना।

कलम पकड़ी नऽ लिखणूं सिखावणूं।
कलम पकड़कर लिखना सिखाना। गुरु होना। शिक्षक होना। लिखना प्रारम्भ कराना।

कलम लगावणूं।
कलम लगाना। पेड़-पौधों की नई प्रजाति तैयार करना। तने से पौधा तैयार करना।

कल मुंहों होणूं।
कलमुँहा होना। बुरा आदमी होना। बदचलन होना।

कलाई पकड़णूं।
कलाई पकड़ना। स्त्री के सतीत्व पर हमला करना।

कलाकारी दिखावणूं।
कलाकारी दिखाना। होशियारी दिखाना। चतुराई से चोरी करना। धोखा देना।

कलाबाजी करणूं (खाणूं)।
कलाबाजी करना या खाना। सिर नीचे करके पलटी खाना। मूर्ख या लूटने की कोशिश करना।

कळी-कळी खिलणूं।
कली-कली खिलना। बहुत प्रसन्न होना। रोम-रोम में प्रसन्नता झलकना।

कलेजो खाणूं।
कलेजा खाना। बहुत तंग करना। बार-बार कहकर परेशान करना।

कलेजो बालणूं।
कलेजा जलाना। दुःख देना। दुखी करना।

कलेजो ठण्डो पड़णूं।
कलेजा ठण्डा पड़ना। शान्त होना। सन्तुष्ट होना।

कलेजो फाटणूं।
कलेजा फटना। बहुत कष्ट होना। ईर्ष्या होना।

कलेजो कांपणू।
कलेजा काँपना। भीतर तक हिल जाना। हृदय में बेचैनी होना।

कलेजो थर-थर कांपणूं।
कलेजा थर-थर काँपना। हृदय हिल जाना। डर लगना।

कलेजो थामी नऽ बठणूं।
कलेजा थामकर बैठना। दिल कड़ा करना। दिल पकड़कर रह जाना। मन मसोसकर रह जाना। दिल पर सबसे अधिक असर होना।

कलेजा को टुकड़ो होणूं।
कलेजे के टुकड़े होना। अत्यधिक दुःख पहुँचना। दिल पर गहरी चोट होना।

कलेजा की कोर होणूं।
कलेजे की कोर होना। बहुत प्रिय होना।

कलेजो बड़णूं।
कलेजा बढ़ना। साहस में बृद्धि होना। साहसी होना।

कलेजो निकलणूं।
कलेजा निकलना। प्राणान्तक कष्ट पहुँचना। प्रिय वस्तु चली जाना।

कलेजा को टुकड़ो होणूं।
कलेजा का टुकड़ा होना। अत्यन्त प्रिय व्यक्ति या संतान होना।

कलेजो हेड़ी नऽ धरणूं।
कलेजा निकालकर रखना। सब कुछ कर देना। सत्य सिद्ध कर देना। हृदय की असली बात प्रकट करना।

कलेजा पऽ दग्गड़ धरणूं।
कलेजे पर पत्थर रखना। अत्यन्त कठोन होना। दर्द को दबाना।

कलेजा पऽ सांप लोटणूं।
कलेजे पर साँप लोटना। किसी बात का ध्यान करके दुःख या जलन होना।

कलेजा मऽ आग बलणूं।
कलेजे में आग जलना। बहुत दुःख होना। द्वेष से जलन होना।

कलेजा सी लगई नऽ रखणूं।
कलेजे से लगा रखना। प्रिय को दूर न होने देना। प्रयत्न पूर्वक रक्षा करना।

कलेजा सी लगावणूं।
कलेजे से लगाना। छाती से लगाना, प्यार करना।

कलेजा पऽ छूरी रेतणूं।
कलेजे पर छूरी रेतना। दु:ख या तकलीफ पहुँचाना।

कलेजो खवाड़णूं।
कलेजा खिलाना। बहुत प्रिय वस्तु देना। पालन करने में कमी न रखना।

कलेजो चीरी नऽ बतावणूं।
कलेजा चीर कर बताना। पूरा विश्वास दिलाना।

कलेजे में बुरका पड़णूं।
कलेजे पर बुरका पड़ना। बहुत बुरा लगना। बहुत पसंद आना।

कलेजा पऽ हाथ रखणूं।
कलेजे पर हाथ रखना। सच्ची बात आत्मा से स्वीकार करना।

कलेजो धक-धक होणूं।
कलेजा धक-धक होना। भयभीत होना। डर जाना।

कलेजो फूली उठणूं।
कलेजा फूल उठना। अत्यन्त प्रसन्न होना। गर्व करना।

कलेजो मुंडा मऽ आवणूं।
कलेजा मुंह को आना। जी घबराना। संताप होना। खुशी होना।

कलेजा का पार होणूं।
कलेजे के पार होना। गहरा असर होना।

कलेजा मऽ ठेस लगणूं।
कलेजे में ठेस लगना। मन को पीड़ा पहुँचना।

कलेजा मऽ दम होणूं।
कलेजे में दम होना। हिम्मत होना। साहस दिखाना।

कलेजा मऽ उतरनूं।
कलेजे में उतरना। मन को प्रभावित करना।

कलेजा पऽ हाथ धरनूं।
कलेजे पर हाथ रखना। इत्मिनाना से सोचना। सच्चाई स्वीकार करना।

कवड़ी-कवड़ी जोड़णूं।
कवड़ी-कवड़ी जोड़ना। एक-एक पैसा इकट्ठा करना। बचत करना। थोड़ा-थोड़ा मेहनत से पैसा इकट्ठा करना।

कवड़ी का पचास होणूं।
कवड़ी के पचास होना। बहुत से बहुत सस्ता होना।

कवड़ी मऽ नी पूछणूं।
कवड़ी में नहीं पूछना। मुफ्त में भी नहीं लेना।

कवड़ी नऽ का दाम बिकणूं।
कौड़ियों के दाम बिकना। एकदम सस्ता बिकना।

कवड़ी-कवड़ी लेणूं।
कवड़ी-कवड़ी लेना। एक पैसा भी नहीं छोड़ना।

कवड़ी-कवड़ी सी मोहताज होणूं।
कवड़ी-कवड़ी से मोहताज होना। अत्यन्त गरीबी। धन से एकदम खाली।

कवड़ी बी नी होणूं।
कवड़ी भी नहीं होना। एक भी पैसा नहीं होना। अत्यन्त गरीब होना।

कवड़ी को काम नी करनूं।
कौड़ी का काम नहीं करना। आलसी। जरा भी काम में मन नहीं लगना।

कवड़ी का भाव बेचणूं।
कौड़ी के भाव बेचना। सस्ते दामों में बेच देना।

कवड़ी जसा डोला होणूं।
कौड़ी जैसी आँखें होना। बड़ी-बड़ी सुन्दर आँखें होना।

कश्ती पार लगावणूं।
कशती पार लगाना। नाव किनारे पर लगाना। बेड़ा पार लगाना। उद्धार हो जाना।

कशमकश होणूं।
कशमकश होना। खींचातानी होना।

कश लगावणूं।
कश लगाना। बीड़ी, चिलम या सिगरेट का कश लगाना। बीड़ी सिगरेट या चिलम पीना।

कसम खाणूं।
कसम खाना। सौगंध लेना।

कसम खाणऽ कऽ।
कसम खाने की। एक चीज भी नहीं बचना। एक भी जरा सी भी नहीं बचना।

कसर निकालणूं।
कसर निकालना। कमी पूरी करना। बदला लेना।

कसम देणूं।
कसम देना। प्रतिज्ञा करना।

कसर राखणूं।
कसर रखना। दोष या कमी रहने देना।

कसर नी छोड़णूं।
कसर नहीं छोड़ना। किसी कार्य में जरा सी भी कमी न रखना।

कसर पड़णूं।
कसर पड़ना। कमी रह जाना। घाटा या हानि होना।

कसाई होणूं।
कसाई होना। निर्दय होना। कठोर होना। दया नहीं होना।

कसाईपणो करणूं।
कसाईचना करना। निर्दयता करना। मारना-पीटना। कठोर व्यवहार करना।

कसाई का खूटा सी बंधणूं।
कसाई के खूटे से बँधना। क्रूरव्यक्ति के साथ रहना। दु:ख सहना।

कसाई निकलणूं।
कसाई निकलना। निर्दय। कठोर होना। दयाहीन होना।

कसौटी पऽ कसणूं।
कसौटी पर कसना। ठीक से जाँच करना।

कसौटी पऽ खरो उतरनूं।
कसौटी पर खरा उतरना। परीक्षा या जाँच में सफल होना।

कसी नऽ राखणूं।
कसकर रखना। बाँधकर रखना। नियंत्रण में रखना।

कसी-कसी नऽ मारनूं।
कस-कस कर मारना। बुरी तरह से पीटना।

कह कहो लगाणूं।
कहकहा लगाना। बहुत जोर से हँसना।

कहा सुणी होणूं।
कहा सुनी होना। बोलचाल होना। लड़ाई झगड़ा होना।

कहर बरसाणूं।
कहर बरसाना। अत्याचार करना।

कहर टूटणूं।
कहर टूटना। आफत आना।

कहाँ की वात कहाँ करनूं।
कहाँ की बात कहां करना। इधर-उधर चुगली करना।

कहीं को नी रयणूं।
कहीं का नहीं रहना। किसी योग्य न रहना।

कहीं को नी राखणूं।
कहीं का न रखना। बेईज्जत करना। बदनाम कर देना। नाक नीची कर देना।

कहीं धूप कहीं छाया होणूं।
कहीं धूप कहीं छाया होना। विपरीत स्थिति होना। सुख और दुख होना। अमीर गरीब होना।

कहीं ठौर नी मिलणूं।
कहीं ठौर न मिलना। कोई आश्रय या सहारा न मिलना।

कां का कां जाणूं।
कहाँ का कहाँ जाना। बहुत दूर बिना लक्ष्य के निकल जाना।

कां की कां लगावणूं।
कहाँ की कहाँ लगाना। सब दूर फैला देना। अफवाह फैलाना।

कां को टाको कां भिड़ावणूं।
कहाँ की बात (सम्बन्ध) कहाँ भिड़ाना। किसी की बात किसी अन्य अप्रासंगिक जगह लगाना। गलत जगह सम्बन्ध बनाना।

काकरा विणणूं।
कंकर बिनना। गलती निकलना। आलोचना करना।

काकरो नी धरणूं।
काकरा न रखना। हुबहू नकल होना। पुत्र–पुत्री, माता–पिता की नकल होना।

काँख मऽ छोरो नऽ गाँव मऽ डंडेरो।
काँख में लड़का और गाँव में ढिंढोरा। झूठा प्रचार करना।

काँख मऽ दगाउणूं।
काँख में दबाना। हर समय साथ रहना। वश में रखना।

कांख खुजावणूं।
काँख खुजाना। बात छिपाने को कोशिश करना।

काग उड़ावणी करणूं।
काग उड़ावनी करना। पितरों को तर्पण करना। श्राद्ध डालना।

कागला की चोंच मऽ अनार को दाणो।
कौए की चोंच में अनार का दाना। बुरे व्यक्ति को भाग्य से अच्छी चीज मिल जाना।

काग को बठणू नऽ डाल को टूटणूं।
कौए का बैठना और डाल का टूटना। संयोग वश नुकसान होना।

कागज की नाव होणूं।
कागज की नाव होना। डूबने का अंदेशा होना। कच्चा प्रयास होना।

कागज का घोड़ा दौड़ावणूं।
कागज के घोड़े दौड़ाना। आवश्यक लिखा पढ़ी करना।

कागा बोलणूं।
कागा बोलना। सुनसान होना। एक दो आदमियों का जुटना।

कागज पऽ चढ़ावणूं।
कागज पर चढ़ाना। बही खाते या डायरी में लिख लेना।

कागज फाड़णूं।
कागज फाड़ना। सबूत नष्ट करना।

कागज की पुड़िया होणूं।
कागज की पुड़िया होना। नश्वर होना।

कागज सरीखो पातलो होणूं।
कागज सरीखा पतला होना। बहुत पतला और हल्का होना।

काँच देखणूं।
काँच देखना। मुँह देखना। कोई न कोई दाग होना। दोष होना। कमी की ओर संकेत करना।

काँच सी चेहरा को दाग नी छिपणूं।
काँच से चेहरे का दाग नहीं छिपना। दर्पण सच बोलता है। चेहरे के भाव या दाग दिखा देता है।

काँच का टुकड़ा उठई लावणूं।
काँच के टुकड़े उठा लाना। एक सस्ती और टूटने वाली चीज खरीदकर लाना। हल्की चीज लाना।

काँच बटन करणूं।
काँच बटन करना। सिले हुए कपड़े में काँच बटन टाँकना। तैयार करना। अधिकांश काम हो जाना।

काँच निहारणूं।
काँच निहारना। दिनरात शृंगार में तल्लीन होना।

कांच का घर होणूं।
काँच का घर होना। टूटने–फूटने वाला घर होना। विपत्ति की सम्भावनायुक्त घर होना।

कांच की चूड़ी नऽ पेरणूं।
काँच की चूड़ियाँ पहनना। काँच की चूड़ियाँ स्त्रियों के लिये सुहाग की निशानी है।

काचो पड़णूं।
कच्चा पड़ना। कमजोर पड़ना। झूठा पड़ना।

काची–पाकी खवाड़णूं।
कच्ची–पक्की खिलाना। अधपका भोजन खिलाना। अनुकूल भोजन न मिलना।

काचो चबाउणूं।
कच्चा चबाना। क्रोध में बेरहमी से मारने की धमकी देना।

काचो कचकड़ो होणूं।
कच्चे कचकड़े होना। एकदम कच्चा जल्दी टूटने वाला होना।

काचो राखणूं।
कच्चा रखना। मिट्टी का आँगन रखना। जिस पर लीपा पोता जा सके।

कांछी देणूं।
काँछ देना। छोड़ देना। नागा करना।

कांछ काछणूं।
कांछ काछना। धोती की लांग लगाना।

काज बिगाड़नूं।
काज बिगाड़ना। समारोह आदि में विघ्न डालना।

काजू बादाम उड़ावणूं।
काजू बादाम उड़ाना। खूब ऐश करना।

काजळ पेरावणूं।
काजल पहिनना। मूर्ख बनाना। देखते–देखते चोरी करना।

काजल चुरावणूं।
काजल चुराना। प्रेम हो जाना। बेचैनी होना। आँखें मिलना। चोरी करने में चतुर माहिर।

काजल की कोठड़ी।
काजल की कोठरी। कलंकित। दूषित स्थान।

काटऽ तो खून नी निकलणूं।
काटे तो खून नहीं निकलना। मर्मान्तक दुःख होना। किसी भयानक रहस्यमयी दुःखदायी बात सुनकर सन्न रह जाना।

काटणऽ दवड़णूं।
काटने दौड़ना। नाराज होना। चिड़चिड़ापन होना।

काटऽ नी कटणूं।
काटे न कटना। बिताये न बीतना। बहुत कठिन होना।

काट निकालणूं।
काट निकालना। बदले का उपाय सोचना। बराबरी से जवाब देना।

काटकूट करनूं।
काटकूट करना। कतर ब्यौत करना। अपमानित करना।

काटा बोवणूं।
कांटे बोना। क्षति पहुँचाना। कष्ट देना। अनिष्ट करना। व्यवधान पैदा करना।

काटा सई खटकणूं।
काँटे के समान खटकना। जरा भी अच्छा नहीं लगना।

काटा सुईं होणूं।
कांटे के समान होना। सूखकर दुबला पतला होना। चुभने वाला होना।

काटा–काटा खड़ा होणूं।
कांटे–कांटे खड़े होना। सिहर जाना। रोम–रोम काँप जाना।

काटा की नोक पऽ धरनूं।
कांटे की नोक पर रखना। कठिन पीड़ा देना।

काटा नऽ पऽ चलणूं।
कांटों पर चलना। कष्ट पूर्ण मार्ग पर चलना।

काटा अरु फूल को चोली दामन को साथ होणूं।
काँटे और फूल का चोली दामन का साथ होना। जहाँ फूल होते हैं। वहाँ काँटे भी अवश्य होते हैं। सुख के बाद दुःख आता ही है।

काटा नऽ पऽ लोटणूं।
काँटों पर लेटना। बेचैन होना। दु:ख में तड़पना। अत्यधिक कष्ट सहना।

काटा नऽ मऽ उलझणूं।
कांटो में उलझना। कठिनाई में पड़ना और निकल न पाना।

काटा बिछावणूं।
काँटे बिछाना। परेशानी खड़ी करना।

काटा सोरनूं।
साफ करना। कठिनाइयों को दूर करना। संकट को हटाना।

काटा गाड़णूं।
कांटे गाड़ना। चुभोना, दु:ख देना, तकलीफ देना या तंग करना।

काटाज काटाज मिलणूं।
कांटे ही कांटे मिलना। दु:ख ही दु:ख मिलना।

कांटा नऽ सी बचणूं।
कांटों से बचना। दु:ख या परेशानी देने वाली स्थितियों से बचना।

काटा की वागड़ खेंचणूं।
कांटों की बागड़ खींचना। कष्टों का अम्बार लगाना।

काटा जसो खटकणूं।
काँटे जैसा खटकना। बहुत बुरा लगना।

काटा बोणूं।
काँटे बोना। बुराई पैदा करना। अड़चन डालना।

काटा बिछाणूं।
काँटे बिछाना। अड़चन डालना। बाधा उत्पन्न करना।

काटा को ताज पेरणूं।
काँटे का ताज पहिनना। मुसीबतों से भरा दायित्व ग्रहण करना।

काटा को मुकाबळो होणूं।
काँटे का मुकाबला होना। बराबर का मुकाबला होना।

काटा की सेज होणूं।
काँटों की सेज होना। कठिन कार्य। अत्यन्त दु:खदायी। कठिन जबाबदारी पूर्ण कार्य।

काटा नऽ पऽ चलनूं।
काँटों पर चलना। मुसीबतों से गुजरना।

काटा भर्‌यो रस्तो होणूं।
काँटों से भरा रास्ता होना। कठिन मार्ग होना। मुसीबतों भरा रास्ता।

काटी खाणऽ खऽ दवड़णूं।
काट खाने को दौड़ना। रुखेपन से या गुस्से से उत्तर देना। हर बात पर बिगड़ना।

काटी न्हाखणूं।
काट डालना। टुकड़े-टुकड़े कर देना। जघन्य हत्या कर देना।

काटी पीटी नऽ बरोबर करनूं।
काट-पीटकर बराबर करना। टुकड़े करके रखना।

काटी खाणूं।
काट खाना। रुखाई से उल्टा जबाव देना।

काटू मारु करणूं।
काटू-मारु करना। हत्या करने को घूमते फिरना।

काटो दूर करणूं (होणूं)।
काँटा दूर करना या होना। दुश्मन को नष्ट करना या होना।

काटो निकालणूं (निकलणूं)।
काँटा निकालना या निकलना। बाधा या कष्ट दूर कराना या करना। आशंका मिटाना या मिटना। शक। दु:ख दूर करना।

काटो गड़णूं (चुभणूं)।
काँटा गड़ना या चुभना। हृदय में पीड़ा होना। मन में शंका होना। कोई बात मन में लग जाना। बुरा मान जाना।

काटो मुड़णूं।

काँटा मुड़ना। चुभना। अत्यधिक दर्द होना।

काटो दिल मऽ लगणूं (फसणूं)।
कांटा दिल में लगना। फंसना। मन के भीतर तक कोई बात लग जाना।

काठो दिल करणूं।
काठा दिल करना। कठोर दिल करना।

काड़ो पीणूं।
काड़ा पीना। काली मिर्च, तुलसी, अदरक, नमक को पानी में उबालकर पीना। गरारा करना।

काणो मन मऽ सुगाणो।
काना मन में सुगाणा। काना व्यक्ति अपने आपको बहुत होशियार समझता है।

काती पिंजी नऽ बरोबर करणूं।
कात-पिंज कर बराबर करना। किये धरे को नष्ट कर देना।

कातर नजर सी देखणूं।
कातर दृष्टि से देखना। करुणामय होना। करुणा की नजर से देखना।

कादरमन को एक अधारो।
कादरमन का एक आधार होना। डरपोक मन का रामनाम ही आधार है। दुःख का निवारक राम ही है।

कान पऽ हाथ धरनूं।
कान पर हाथ रखना। अनभिज्ञता प्रकट करना। छोड़ने की प्रतिज्ञा करना। श्रद्धा प्रकट करना। कुछ भी न सुनना।

कान काटणूं।
कान काटना। छोटे मुँह बड़ी बात करना। हराना।

कान भरनूं।
कान भरना। किसी की शिकायत करना।

कान फूकणूं।
कान फूकना। प्रेरणा देना। सलाह देना। कान में कुछ कहना।

कान कतरनूं।
कान कतरना। मात करना। बढ़कर होना।

कान को काचो होणूं।
कान का कच्चा होना। बहकावे में आना। शीघ्र विश्वासी। हरएक की बात मानने वाला।

कान खड़ा होणूं (करणूं)।
कान खड़े होना या करना। चौकन्ना होना। सचेत होना या करना।

कान खाणूं।
कान खाना। बार-बार बात करना। एक ही बात को बार-बार दुहराना। बहुत शोर करना।

कान खुलणूं।
कान खुलना। समझ में आना। शिक्षा लेना।

कान खोलणूं।
कान खोलना। ध्यान में लाना। भूल बता देना। चेताना। सचेत होना।

कान धरणूं।
कान धरना। ध्यानपूर्वक सुनना। सुना हुआ याद रखना।

कान पकड़ी नऽ निकाळई देणूं।
कान पकड़कर निकाल देना। अपमान के साथ बाहर करना।

कान लोचणऽ की फुरसत नी होणूं।
कान खुजाने की फुरसत न होना। कुछ भी समय खाली न होना। जरा भी फुरसत नहीं।

कान ताता करणूं।
कान गरम करना। दबाव डालना। दंड देना।

कान पऽ जूं नहीं रेंगना।
कान पर जूं नहीं रेंगना। जरा भी नहीं सुनना। कुछ भी कार्यवाही न करना। कुछ भी परवाह न होना। बेखबर होना।

कान मऽ पड़ाणूं।
कान में पड़ना। सुनाई दे जाना।

कान मऽ कयणूं।
कान में कहना। चुपके या रहस्यपूर्ण तरीके से कहना।

कान मऽ डालनूं।
कान में डालना। कोई रहस्य की बात चुपके से कान में कह देना या सुनाना।

कान मऽ भनक पड़णूं।
कान में भनक पड़ना। कोई बात आंशिक रूप से सुनना। संकेत में मालूम पड़ना।

कान मऽ मिसरी घोलणूं।
कान में मिश्री घोलना। अच्छी लगने वाली मीठी बात करना।

कान मऽ रुई डाली नऽ बठणूं।
कान में रुई डालकर बैठना। किसी बात पर ध्यान न देना। अनसुनी करना।

कान सी कान लगावणूं।
कान से कान लगाना। धीरे-धीरे या चुपचाप बात करना।

कान फटणूं (फाड़णूं)।
कान फटना। कान फाड़ना। बहुत शौक होना। बहुत शोर मचाना।

कान खोली नऽ कयणूं।
कान खोलकर कहना। अच्छी तरह खोलकर कह देना। स्पष्ट समझकर सुनाना।

कान दई नऽ सुणणूं।
कान देकर सुनना। बड़े ध्यान से सुनना। कान लगाकर सुनना।

कान पकड़ी नऽ उठक-बठक करनूं।
कान पकड़कर उठ-बैठ करना। अपनी भूल को स्वीकार करना। कान पकड़कर प्रायश्चित करना।

कान पाकणूं।
कान पकना। सुनते-सुनते उकता जाना। थक जाना।

क

कान फेरी लेणूं।
कान फेर लेना। बात सुनने से इन्कार करना। बात सुनने में उदासीन होना।

कान नऽ कऽ विश्वास नी होणूं।
कानों पर विश्वास न होना। सुनी हुई बात पर भरोसा न होना।

कान भरई जाणूं।
कान भर जाना। पर्याप्त सुन लेना। सुनते-सुनते ऊब जाना।

कान नऽ मऽ तेल डालनूं।
कान में तेल डालना। अनसुनी करना।

कान मऽ उड़ती बात मालूम पड़नूं।
कानों में उड़ती बात पड़ना। यों ही मालूम पड़ जाना।

कान सी निकाळी देणूं।
कान से निकाल देना। सुनी हुई बात भूल जाना।

कान आँख खोल नीऽ राखणूं।
कान आँख खोलकर रखना। सचेत रहना। सुनने और देखने में सतर्क रहना।

काना फूँसी करणूं।
काना फूँसी करना। गुपचुप चर्चा करना। कान में बात करना।

कानून की लपेट मऽ आवणूं।
कानून की लपेट में आना। कानून के शिकंजे में आना। गैरकानूनी कार्य का परिणाम भुगतना।

कानून छांटणूं (बघारनूं)।
कानून छाँटना या बघारना। तर्क-वितर्क करना।

कानून हाथ मऽ लेणूं।
कानून हाथ में लेना। सरकारी नियम तोड़कर स्वेच्छा से चलना।

कानोकान खबर नी होणूं।
कानोकान खबर नहीं होना। कुछ भी मालूम न पड़ना।

रहस्य प्रकट न होने देना।

कान मऽ ऊंगली डालणूं।
कान में ऊंगली डालना। जानबूझकर नहीं सुनना।

कापी जाणूं।
काँप जाना। डर जाना। हिल जाना। किसी बात का गहरा असर होना।

कापी करनूं।
कापी करना। नकल करना।

काफियो तंग होणूं।
काफिया तंग होना। हालत खराब होना। दु:खी होना।

काफी होणूं।
काफी होना। बहुत कुछ होना। सीमा से अधिक होना।

काफूर होणूं।
काफूर होना। भाग जाना। समाप्त होना।

काफर होणूं।
काफर होना। चतुर होना। चंचल होना।

काफली होणूं।
काफली होना। अत्यधिक चंचल होना।

काबर का पांय होणूं।
काबर के पैर होना। काबर (मैना) जैसे सुन्दर (पीले) पैर होना।

काबू मऽ होणूं।
काबू में होना। वश में होना।

काबू मऽ करणूं।
काबू में करना। वश में करना।

काबू सी भायर होणूं।
काबू से बाहर होना। वश में न होना। उच्छृंखल होना।

काबा कासी एक करणूं।
काबा काशी एक करना। सभी धर्मों के तीर्थ स्थलों पर मन्नत माँगना।

काम की वात करनूं।
काम की बात करना। महत्त्वपूर्ण पहल करना। जरूरी बात करना।

काम मऽ आवणूं।
काम में आना। उपयोगी होना। मारा जाना। शहीद होना।

काम को होणूं।
काम का होना। लाभप्रद होना। बहुत उपयोगी होना।

काम तमाम करणूं।
काम तमाम करना। मार डालना। कार्य पूरा कर देना।

काम निकालणूं।
काम निकालना। मतलब निकालना। गुजारा करना।

काम निकलणूं।
काम निकलना। कार्य सिद्ध होना।

काम बणणूं।
काम बनना। काम पूरा होना। स्वार्थ सिद्ध होना। इच्छा पूरी होना।

काम पड़णूं।
काम पड़ना। आवश्यकता होना।

काम चमकणूं।
काम चमकना। व्यवसाय अच्छा चलना।

काम सी काम राखणूं।
काम से काम रखना। केवल अपने ही कार्य में ध्यान रखना।

काम मऽ लेणूं (लाणूं)।
काम में लेना या लाना। उपयोग में लेना या लाना।

काम चलणूं।
काम चलना। सामान्य गति से कार्य चलना। अच्छा धंधा होना।

काम पऽ जाणूं।
काम पर जाना। नौकरी धन्धे पर जाना।

काम करनऽ की हिम्मत होणूं।
करने की हिम्मत होना। किसी भी काम में आने वाली कठिनाइयों से नहीं डरना।

काम मऽ डूबी जाणूं।
काम में डूब जाना। बहुत तल्लीनता से कार्य करना।

काम अटकणूं।
काम अटकना। काम रुक जाना। होते–होते काम अधूरा रह जाना। स्वार्थ होना।

काम आई पड़णूं।
काम आ पड़ना। अचानक काम का बोझ आ जाना।

काम करनूं (करी जाणूं)।
काम करना या कर जाना। प्रभाव डालना या कर जाना।

काम को आदमी होणू।
काम का आदमी होना। उपयोगी होना।

काम बिगाड़णूं (चौपट करणूं)।
काम बिगाड़ना या चौपट करना। काम खराब करना। हानि पहुँचाना।

काम चमकणूं।
काम चमकना। व्यवसाय जमना। अच्छी तरह से चलना।

काम चलावणूं।
काम चलाना। चाहे जैसे गुजारा करना।

काम चोर होणूं।
काम चोर होना। काम से बचने वाला होना।

काम पड़णूं।
काम पड़ना। जरूरत होना। स्वार्थ पूरा करने की स्थिति में होना।

काम पड़णऽ पऽ गधा कऽ काको बणानूं।
काम पड़ने पर गधे को काका बनाना। स्वार्थ पूरा करने के लिये बुरे आदमी की खुशामद करना।

काम लगणूं।
काम लगना। कार्य या धन्धा प्रारम्भ होना। रोजगार मिलना। पतन के कगार पर पहुँचना।

काम समेटणूं।
काम समेटना। काम पूरा करना।

काम सी जी चुरावणूं।
काम से मन चुराना। काम करने की इच्छा नहीं होना।

काम मऽ मन नी लगणूं।
काम में मन नी लगना। काम करने का मन नहीं होना। टालमटूली करना।

काम बढ़ावणूं।
काम बढ़ाना। काम धन्धे का विस्तार करना। व्यंग्य में काम में बाधा उत्पन्न करना।

काम लेणूं।
काम लेना। काम कराना।

काम देणूं।
काम देना। रोजगार देना।

काम होणूं।
काम होना। आवश्यकता पूर्ण होना।

काम की चक्की मऽ पिसणूं।
काम की चक्की में पिसना। रात दिन काम में लगे रहना। खटते रहना।

काम तीन तेरा होणूं।
काम तीन तेरह होना। काम बिखर जाना। बिगड़ जाना।

काम संवारणूं।
काम सँवारना। किसी बिगड़ते काम को बना लेना।

काम फेल होणूं।
काम फेल होना। धन्धा फेल होना।

काया पलट होणूं।
काया पलट होना। कुछ से कुछ होना। रूपान्तर हो जाना।

काया पलटी देणूं।
काया पलट देना। रूप एकदम बदल देना।

कायल होणूं।
कायल होना। श्रेष्ठता का प्रशंसक होना। प्रभावित होना।

कायरता दिखावणूं।
कायरता दिखाना। डरपोकपन दिखाना।

कारस्तानी करनूं।
कारस्तानी करना। चालबाजी करना। धोखा देना।

कारखानो खोलणूं।
कारखाना खोलना। अधिक उत्पादन करना। ज्यादा चीजें बनाना।

कारोबार करनूं।
कारोबार करना। अच्छा उद्योग धन्धा करना।

कारज करणूं।
कारज करना। अच्छी तरह मृत्यु संस्कार करना।

काल का गाल मऽ जाणूं।
काल के गाल में जाना। मृत्यु के करीब आना।

काल आवणूं।
काल आना। मृत्यृ निकट आना।

काळो अक्षर भइसी बराबर होणूं।
काला अक्षर भैंस बराबर होना। निरक्षर। अनपढ़ होना।

काळ का मुंडा मऽ जाणूं।
काल के मुँह में जाना। मृत्यु के निकट होना।

काळ का मऽ होणूं।
काल के वश में होना। मृत्यु के हाथ में होना।

काळ कोठड़ी में जाणूं।
काल कोठड़ी में जाना। दुःखदायी स्थान पर जाना। मृत्यु की सम्भावना से घिरना।

काळो कानून होणूं।
काला कानून होना। अविवेकपूर्ण अत्याचार करने वाला नियम (कानून) होना।

काळो दिन होणूं।
काला दिन होना। सबसे खराब दिन। घनघोर विपत्तियाँ लाने वाला दिन। मृत्यु तक पहुँचाने वाला दिन होगा।

काळो दिल होणूं।
काला दिल होना। कुटिल स्वभाव होना।

काळो बजार होणूं।
काला बाजार होना। चोर बाजार होना। चोरी से किया व्यापार होना।

काळो मुंडो करनूं।
काळा मुँह करना। बदनामी का काम करना। लज्जा के कारण चला जाना। व्यभिचार करना।

काळो मुंडो नऽ पेळा पांय होणूं।
काला मुँह और पीले पैर होना। बदनामी करके बहुत दूर चले जाना।

काळो मुंडो होणूं।
काला मुँह होना। बदनामी होना। बहुत दूर निकल जाना। छुटकारा मिलना।

कालो धन्धो करणूं।
काले धन्धे करना। अवैध काम करना।

काळो पीळो होणूं।
काला पीला होना। गुस्सा होना। किसी बात पर बिगड़ जाना।

काळो नाग होणूं।
काला नाग होना। अत्यधिक दुष्ट होना।

काळो भुजंग होणूं।
काला भुजंग होना। एकदम काला होना।

काळो चोर होणूं।
काला चोर होना। पक्का चोर होना। कोई भी होना।

काळो धन कमाणूं।
काला धन कमाना। अवैध धन पैसा कमाना। तस्करी सट्टे आदि से पैसा कमाना। ऊपरी कमाई।

काळो धन लगावणूं।
काला धन लगाना। बेईमानी से कमाया धन किसी काम में खर्च करना।

काळो-काळो सब अपणोज साळो।
काले-काले सब अपने ही साले। एक जैसे दिखने वाले सभी लोग अपने ही रिश्तेदार हैं।

काळो अपणोज साळो।
काला अपना ही साला। सभी के साथ रिश्तेदारी जोड़ना।

कालिख पोतणूं।
कालिख पोतना। बदनामी करना।

कालिख को टीको लगावणूं।
कालिख का टीका लगाना। बदनाम कर देना।

काळी करतूत करनूं।
काली करतूत करना। बुरे कार्य करना। अपराधों में संलग्न होना।

काली पीली आँखनऽ करनूं।
काली पीली आँखें करना। क्रोध करना।

काळी भइसी होणूं।
काली भैंस होना। काले रंग की मोटी स्त्री होना।

काळा माथा की होणूं।
काले माथे की होना। बुरा सोचने वाली स्त्री होना।

काळी माई को अवतार होणूं।
काली माई का अवतार होना। भयंकर स्वभाव की स्त्री होना।

काळी कमाई करनूं।
काली कमाई करना। गलत ढंग से धन कमाना।

काली कमली पऽ चढ़ऽ नी दूसरो रंग।
काली कमली पर चढ़े न दूजा रंग। अपरिवर्तनीय स्वभाव। दूसरा प्रभाव न होना।

काळा बाळ सफेद होणूं।
काले बाल सफेद होना। बुढ़ापा आना।

काळा कोस पऽ होणूं।
काले कोस पर होना। बहुत दूर होना।

काला कारनामा करनूं।
काले कारनामे करना। बुरे कार्य करना।

काळा पाणी भेजनूं।
काले पानी भेजना। दुर्गम। कष्टप्रद स्थान पर भेजना।

काव-काव करनूं।
कांव-कांव करना। कर्कश बोलना। झगड़ा करना।

कावड़ उठावणूं।
कावड़ उठाना। पानी भरना। बोझा देना।

काशी करवत लेणूं।
काशी कवरट लेना। काशी में स्वेच्छा से प्राणों का त्याग करना।

किन्तु परन्तु करनूं।
किन्तु परन्तु करना। बहाना करना। किसी काम से बचने का प्रयत्न करना।

किच-किच करनूं।
किच-किच करना। झगड़ा करना।

किच किची खाणूं।
किच-किची खाना। क्रोध के कारण दाँतों को भींचना।

किताबी कीड़ों होणूं।
किताबी कीड़ा होना। अधिक पढ़ने वाला होना।

किताब नऽ चाटणूं।
किताबें चाटना। खूब पढ़ाकू होना। विद्वान होना।

किनारो करनूं।
किनारा करना। चले जाना। सम्बन्ध तोड़ लेना।

किनारऽ लगणूं।
किनारे लगना। पार पहुँचना। एक तरफ होना। मेहनत सफल होना।

किनार पऽ बठणूं।
किनार पर बैठना। एक सिरे पर बैठना। कोई एक निर्णय करना। तटस्थ होना।

किनारऽ-किनारऽ चलणूं।
किनारे-किनारे चलना। एक तरफ चलना। बचकर निकलना।

किनारा पऽ डुबावणूं (डुबाणूं)।
किनारे पर डूबना या डुबाना। अन्तिम समय में धोखा देना। असफल होना।

किनारऽ बठी नऽ लयर नऽ गिणणूं (उठावणूं)।
किनारे बैठकर लहरें गिनना या उठाना। एक तरफ से हलचल पैदा करना। क्रान्ति करना।

किनारऽ करणूं।
किनारे करना। एक तरफ कर देना। अलग कर देना। सम्बन्ध तोड़ लेना।

किरकरी होणूं।
किरकरी होना। बेइज्जती होना।

किरण फूटणूं।
किरण फूटना। सूर्योदय होना। प्रातःकाल होना।

किराया को टट्टू होणूं।
किराये का टट्टू होना। पैसे लेकर काम करना।

किलकारी मारनूं।
किलकारी मारना। बच्चे का खिलखिलाकर हँसना। बहुत प्रसन्न होना।

किलो जितणूं (फतह करणूं)।
किला जीतना या फतह करना। शक्तिशाली शत्रु को जीतना।

किला बांधणूं।
किला बाँधना। मनसूबे करना।

किलो होणूं।
किला (गढ़) होना। सुरक्षित स्थान होना। किसी चीज के अधिक उत्पादन की जगह होना।

किलाबंदी करनूं।
किलाबंदी करना। बचने का पुख्ता इन्तजाम करना।

किवाड़ लगावणूं।
किवाड़ लगाना। दरवाजा बन्द करना। प्रवेश निषेध करना।

किस खेत की मूळी होणूं।
किस खेत की मूली होना। तुच्छ या साधारण होना। महत्त्वपूर्ण नहीं होना। व्यर्थ या अनुपयोगी होना।

किसमत अच्छो होणूं।
किस्मत अच्छा होना। सौभाग्यशाली होना।

किसमत आजमाणूं।
किस्मत आजमाना। किसी काम की सफलता का प्रयत्न करना।

किसमत को खेल होणूं।
किस्मत का खेल होना। भाग्य का परिणाम होना।

किसमतज खोटी होणूं।
किस्मत ही खोटी होना। भाग्यहीन। तकदीर खराब होना।

किसमत को दरवज्जो खुलणूं।
किस्मत का दरवाजा खुलना। अच्छा समय आना।

किसमत को धणी होणूं।
किस्मत का धनी होना। अच्छा भाग्य होना। हर जगह सफल होना।

किसमत को फेर होणूं।
किस्मत का फेर होना। भाग्य बदल जाना। दुर्दिन का आना।

किसमत का खुलणूं।
किस्मत खुलना। अनुकूल समय आना। सफलता मिलना।

किस्मत मऽ नी होणूं।
किस्मत में न होना। किसी वस्तु प्राप्ति की सम्भावना न होना।

किस्सो खतम होणूं।
किस्सा समाप्त होना। झगड़ा मिटना या मिटाना।

किस्सो तमाम होणूं।
किस्सा तमाम होना। बात खतम होना। आपत्ति समाप्त होना। समझौता होना।

किरया करम होणूं।
क्रिया-कर्म होना। अन्तिम संस्कार होना।

कीच्चड़ उछालणूं।
कीचड़ उछालना। बुराई करना। दोषारोपण करना।

कीच्चड़ मऽ कमळ होणूं।
कीचड़ में कमल होना। बुरे वातावरण में भला होना।

कीच्चड़ मऽ धकेलणूं।
कीचड़ में धकेलना। बुराई की तरफ ले जाना। फेंक देना। फँसा देना।

कीच्चड़ मऽ दग्गड़ फेकणूं।
कीचड़ में पत्थर फेंकना। बुरे आदमी से झगड़ा करना।

कीट-पतंग समझणूं।
कीट-पतंग समझना। साधारण समझना।

कीड़ो-मकोड़ो समझणूं।
कीड़ा-मकोड़ा समझना। तुच्छ, अति साधारण समझना।

कीड़ो काटणूं।
कीड़ा काटना। किसी चीज में जबरन हस्तक्षेप करना। परेशान होना। शरारत की इच्छा करना।

कीड़ा पड़णूं।
कीड़े पड़ना। दुर्दशा होना।

कीड़ा लगणूं।
कीड़ा लगना। कोई चीज सड़ जाना। कीड़ों द्वारा काटना।

कीमत लगावणूं।
कीमत लगाना। मूल्य तय करना।

कीमत उछळणूं।
कीमत उछलना। सहसा मूल्य बढ़ना।

कीमत चुकावणूं।
कीमत चुकाना। बदला लेना। हानि उठाना।

कीमत वसूलणो।
कीमत वसूलना। मूल्य प्राप्त करना। बदला लेना।

कीर्तन करणूं।
कीर्तन करना। अत्यधिक प्रशंसा करना।

कुनकुरी होणूं।
कुनकुनी होना। थोड़ी-थोड़ी गरम होना।

कुनकुनो होणूं।
कुनकुना होना। कम गरम होना।

कुनकुनी धूप होणूं।
कुनकुनी धूप होना। हल्की-हल्की धूप होना। जाड़े की धूप।

कुहरो छटणूं।
कुहरा छँटना। निराशा दूर होना।

कुहासो छंटणूं।
कुहासा छँटना। निराशा दूर होना।

कूच करणूं।
कूच करना। आगे बढ़ना। चले जाना। मर जाना।

कूच को डंको बजावणूं।
कूच को डंको बजाना। काफिले को आगे बढ़ने का आदेश देना।

कूट-कूटकर भरनूं।
कूट-कूटकर भरना। कोई बात अधिक मात्रा में भरना।

कूड़ो करकट इकट्ठो होणूं।
कूड़ा करकट इकट्ठा होना। अनुपयोगी वस्तुओं-व्यक्तियों का एकत्र होना।

क | **ख**

कूड़ मगज होणूं।
कूड़ मगज होना। मन्द बुद्धि। मूर्ख होना।

कूदी पड़णूं।
कूद पड़ना। सहसा या अकारण बीच में सम्मिलित होना।

कूप मंडूक होणूं।
कूप मण्डूक होना। अज्ञानी होना।

कैंची की तरह जबान चलणूं।
कैंची की तरह जबान चलना। असमय अधिक बोलना।

कैंची चलावणूं।
कैंची चलाना। काँट-छाँट करना।

कैलासवासी होणूं।
कैलाशवासी होना। स्वर्गवासी होना।

कोई किसी को नी होणूं।
कोई किसी का नहीं होना। कोई साथ देने वाला न होना।

कोख उजड़णूं।
कोख उजड़ना। गर्भपात होना।

कोख की लाज राखणूं।
कोख की लाज रखना। माता-पिता का गौरव बढ़ाना। यश बढ़ाना।

कोठा पऽ बठणूं।
कोठे पर बैठना। वेश्यावृत्ति करना।

कोढ़ होणूं।
कोढ़ होना। अछूत बीमारी होना।

कोनो-कोनो देखणूं।
कोना-कोना देखना। अच्छी तरह से खोजना।

कोना मऽ पड़ी रयणूं।
कोने में पड़े रहना। उपेक्षित होना। अनुपयोगी होना।

कोयला की दलाली करणूं।
कोयले की दलाली करना। अपयश देने वाला काम करना।

कोर कसर नी छोड़णूं।
कोर कसर नहीं छोड़ना। किसी काम को जानबूझकर और अच्छा करना।

कोरो कागज होणूं।
कोरा कागज होना। निर्दोष। भला होना।

कोरी वातनऽ करनूं।
कोरी बातें करना। काम न करके केवल वादा करना।

कोल्हू को बैल होणूं।
कोल्हू का बैल होना। हर समय काम में लगा रहना।

कोसो दूर होणूं।
कोसो दूर होना। बहुत दूर होना। मतभेद होना।

कोहणी मारनूं।
कोहनी मारना। संकेत करना।

कौड़ी नऽ का मोल मऽ लेणूं।
कौड़ियों के मोल में लेना। बिल्कुल सस्ता लेना।

कौड़ी-कौड़ी जोड़नूं।
कौड़ी-कौड़ी जोड़ना। एक-एक पैसा इकट्ठा करना। कंजूसी करना।

कौड़ी-कौड़ी को हिसाब देणूं (लेणूं)।
कौड़ी-कौड़ी का हिसाब देना या लेना। आय-व्यय का पूरा हिसाब देना या लेना।

कौल को पक्को होणूं।
कौल का पक्का होना। वचन निभाना। बात का सच्चा होना।

ख

खकार करनूं।
खकार करना। गले में अटके हुए को आवाज करके थूकना।

खंक होणूं।
खंक होना। सूखकर दुबला होना। हल्का होना। भूखा होना।

खग जाणऽ खग की भासा।
खग जाने खग की भाषा। चोर-चोर एक दूसरे की बात समझ लेते हैं।

खंगाली न्हाखणूं।
खंगाल डालना। सब कुछ ले जाना। मार डालना। अच्छी तरह देख लेना।

खचर-पचर करणूं।
खचर-पचर करना। ठोका पीटी करना। निरर्थक आवाज करना।

खचरा मऽ पड़णूं।
खचरे में पड़ना। कठिनाई में पड़ जाना। किसी काम में रुकावट आ जाना।

खचा-खच भरणूं।
खचाखच भरना। पूरा-पूरा भर जाना। ठसाठस भरना। बहुत भीड़ होना।

खजानो भरणूं।
खजाना भरना। खूब पैसे कमाना। बचत करना।

खजाना को मुंडो खोलणूं।
खजाने का मुँह खोलना। खुले हाथ से दान देना। उदारता से दान देना।

खजानो खाली होणूं।
खजाना खाली होना। सारा इकट्ठा किया धन चला जाना।

खजानो मिलणूं।
खजाना मिलना। बहुत धन-दौलत मिलना।

खजानो लूटणूं (लुटाणूं)।
खजाना लूटना या लुटाना। डाका-डालना। डाके में खजाना खाली हो जाना। अथवा स्वयं सारा धन दान करना।

खजानो होणूं।
खजाना होना। बहुत धन-सम्पत्ति होना। किसी वस्तु संग्रह अथवा गीत, कथा, गाथा, कहावत, पहेलियाँ आदि का स्मृति में संग्रह होना। कोई भी चीज इफरात से होना।

खजायेल कुतरो होणूं।
खजवाहा कुत्ता होना। खुजली की बीमारी से इधर-उधर घूमने वाला।

खजाना को सांप (नाग) होणूं।
खजाने का साँप होना। धन को बिल्कुल नहीं खर्च करने वाला। कंजूस व्यक्ति। धन का रक्षक।

खट-खट करणूं।
खट-खट करना। कई चीज को अनावश्यक ठोकना या बजाना। ध्यान बंटाना। दखल देना।

खट होणूं।
खट होना। अत्यधिक तर्क-वितर्क करने वाला। जिद्दी। मूर्ख।

खट सी माथो फोड़णूं।
खट से सिर फोड़ना। मूर्ख से विवाद करना।

खटणऽ सी फायदो नी।
खटने से कोई लाभ नहीं। निरर्थक श्रम से कोई प्राप्ति नहीं होना।

खटकी जाणूं।
खटक जाना। झगड़ा हो जाना। मनमुटाव हो जाना। अखर जाना। दिल में लग जाना।

खट सी देणूं।
खट से देना। फौरन। बिना देरी के देना।

खटका सी रयणूं।
खटके से रहना। अच्छे से टिपटाप रहना। व्यवस्थित रहना।

खटको होणूं।
खटका होना। जबर्दस्त प्रभाव होना।

खटको दिखावणूं।
खटका दिखाना। रूआब दिखाना। धन-दौलत का प्रदर्शन करना।

खट-खट बजाणूं।

खट-खट बजाना। दरवाजा बजाना। दस्तक देना।

खटखटावणूं।
खटखटाना। दरवाजा बजाना। दस्तक देना या याद दिलाना।

खटराग करणूं।
खटराग करना। बाहरी आडम्बर फैलाना। झंझट का काम शुरू करना।

खट रस।
षट रस। छह प्रकार के रस। आस्वाद। माथापच्ची।

खटराग।
झंझट, ऊहापोह, झमेला।

खटकरम करणूं।
खटकरम करना। यथा सम्भव प्रयत्न करना। बुरे काम करना।

खटाई मऽ पड़णूं।
खटाई में पड़ना। कोई काम का न होना। अधूरा होना। विवाद में पड़ना। दुविधा में पड़ना।

खटाई मऽ डालनूं।
खटाई में डालना। दुविधा में छोड़ देना। बनते काम में रुकावट डालना। अड़चन आना। अधूरा काम छोड़ देना।

खटास आवणूं (पड़णूं या होणूं)।
खटास आना या पड़ना या होना। अनबन होना। मन न लगना। मन से दूर होना। मन में मैल आना। मतभेद होना।

खटास मऽ डालणूं।
खटास में डालना। कोई निश्चय न करना। कार्य को यूं ही पड़े रहने देना।

खटाई खाणूं।
खटाई खाना। गर्भवती महिला का संकेत।

खटिया तोड़णूं।
खटिया तोड़ना। फालतू आराम करते रहना। निश्चिन्त होना। बेकार होना।

खटिया संभालणूं।
खटिया सम्भालना। बीमार होना।

खटिया पऽ पड़ी रयणूं।
खटिया पर पड़े रहना। फालतू समय गुजरना। काम न करना।

खटिया खड़ी करणूं।
खटिया खड़ी करना। भला-बुरा कहना। आलोचना करना।

खटिया सेवणूं।
खटिया सेना। रोगी का खाट पर पड़े रहना।

खटिया उठावणूं।
खटिया उठाना। अस्तित्व समाप्त करना। वर्चस्व खत्म करना। व्यवहार न रहना।

खटिया भवतो होणूं।
खटिया के आसपास रहना। आलसी। दिन रात सोने की फिकर में होना।

खटिया बाहर निकालणूं।
खटिया बाहर निकालना। मर जाना।

खट्टो खाणूं।
खट्टा खाना। अप्रसन्न होना। रहना। अच्छा नहीं लगना। किसी के प्रति मन उदास हो जाना।

खट्टो-मीठो होणूं।
खट्टो-मीठो होना। अच्छा या बुरा होना। जी ललचाना।

खट्टो होणूं।
खट्टा होना। मन उचट जाना। अविश्वास होना। घृणा का भाव होना।

खट्टा-मीठा दिन होणूं।
खट्टे मीठे दिन होना। भले बुरे दिन होना। सुख-दुख का आना जाना।

खट्टारा होणूं।
खटारा होना। खराब होना। चलने लायक न होना।

खट्टा अंगूर।
खट्टे अंगूर। कठिनाई से प्राप्त होने वाली चीज। वह वस्तु जो सहज न प्राप्त हो।

खट्टो खाणऽ को मन करणूं।
खट्टा खाने का मन करना। गर्भवती महिला का मन खट्टा खाने के लिए मचलता है।

खड़क होणूं।
खड़क होना। उबड़ खाबड़ रास्ता होना। सड़क की गिट्टी निकल जाना।

खड़ गूंज्यो होणूं।
खड़ गूंजा होना। बाल मुंडवाकर घुटवा सिर होना। सिर पर फोड़े फुंसी होकर बाल झड़ना। उबड़ खाबड़ होना।

खड़ो रयणूं।
खड़ा रहना। प्रतीक्षा करना।

खड़ो होणूं।
खड़ा होना। सहायता करना या देना।

खड़ो जबाब देणूं।
खड़ा जबाव देना। साफ इन्कार करना।

खड़ो-खड़ो मूतणूं।
खड़े-खड़े मूतना। अन्याय। अभद्रता करना। बुरे कार्यों में लिप्त होना।

खड़ऽ-खड़ऽ आवणूं।
खड़े-खड़े आना। थोड़ी देर के लिये आना।

खड़ा पांय आवणूं।
खड़े पैर आना। तुरन्त आना और चले जाना। झटपट। बिना रुके।

खड़ऽ खड़ऽ करणूं।
खड़े-खड़े करना। कोई काम खड़े-खड़े करना। तुरन्त करना।

खड़ऽ खड़ऽ निकाल देणूं।
खड़े-खड़े निकाल देना। तुरन्त नौकरी। काम से अलग कर देना।

खड़ऽ खड़ऽ कामऽ होणूं।
खड़े-खड़े काम होना। तुरत-फुरत कार्य का होना। बिना रुके कार्य करना।

खड़ऽ खड़ऽ खेल खतम होणूं।
खड़े-खड़े खेल समाप्त होना। बहुत जल्दी सब कुछ समाप्त हो जाना। देखते-देखते काम बिगड़ जाना।

खड़ऽ खड़ऽ बेची आवणूं।
खड़े-खड़े बेच आना। बड़ा चालाक होना।

खड़ऽ-खड़ऽ पछाड़ खाणूं।
खड़े-खड़े पछाड़ खाना। खड़े-खड़े गिर जाना। क्रोध या शोक से जमीन पर धड़ाम से गिरना।

खड़्यो खड़्यो फिरणूं।
खड़े-खड़े फिरना। चिन्तित। घबराये हुए घूमना। फौरन लौट आना।

खड़ियो उठावणूं।
खड़िया उठाना। भीख माँगना।

खड़ियो टांगणूं।
खड़िया टाँगना। घर-घर भीख माँगना।

खड़ूस होणूं।
खड़ूस होना। कंजूस होना। अव्यावहारिक होना। रूखा होना।

खड़ो होणूं।
खड़ा होना। उम्मीदवारी के लिये नामांकन भरना। चुनाव में खड़े होना।

खड़ो करणूं।
खड़ा करना। किसी काम के लिये राजी करना। पक्ष में करना। आश्वासन। सहायता देकर आगे करना।

खड़ो नी रयणूं।
खड़ा नहीं रहना। सामना न करना।

खड़्यो बामण देव का बरोबर।
खड़ा ब्राह्मण देव के बराबर। आँगन में आया ब्राह्मण देवता के बराबर सम्मान पाता है।

खत लिखणूं।
खत लिखना। पत्र लिखना। समाचार देना।

खत को मजमून भापणूं।
खत का मजमून भांपना। खत के भीतर के समाचार बिना खोले जान लेना।

खतरो मोल लेणूं।
खतरा मोल लेना। जानबूझकर संकट में पड़ना।

खतरा की घंटी बजणूं (बजावणूं।)
खतरे की घंटी बजना या बजाना। खतरे की सूचना देना। सचेत करना।

खतरा उठावणूं।
खतरे उठाना। संकट में पड़ना। जान जोखिम में डालना।

खतम करणूं।
खत्म करना। समाप्त करना। जान से मार डालना।

खतम होणूं।
खत्म होना। समाप्त होना।

खतरो दूर होणूं (करणूं)।
खतरा दूर होना या करना। आपत्ति या संकट दूर होना या करना।

खतरनाक होणूं।
खतरनाक होना। हानि पहुँचाने वाला होना। नुकसान देह।

खता करणूं।
खता करना। गलती करना। अपराध करना।

खतरनाक मोड़ सी गुजरणूं।
खतरनाक मोड़ से गुजरना। हानि पहुँचाने वाली स्थिति से निकलना।

खतरनाक आदमी सी पाळो पड़णूं।
खतरनाक आदमी से पाला पड़ना। क्रूर या हानि पहुँचाने वाले व्यक्ति के सम्पर्क में आना।

खदकणूं।
खदकना। कोई चीज धीरे-धीरे सीजना। मन में उमंग होना। अन्दर ही अन्दर प्रसन्न होना।

खदर-बदर होणूं।
खदर-बदर होना। विचलित होना। बिखर जाना।

खद्दर पहिननूं।
खादी पहनना। सादगी से रहना। मोटा कपड़ा पहनना।

खनखनावणूं।
खनखनाना। बजना। एकदम सूखे होना। खासकर बीजों के लिये इस मुहावरे का उपयोग किया जाता है।

खपरा छावणूं।
खपरा छाना। छत पर कवेलू रखना।

खपरा थापणूं।
खपरे थापना। मिट्टी से कवेलू बनाना।

खपई देणूं।
खपा देना। जान लेना। जान लगा देना। मार डालना।

खपा होणूं।
खपा होना। गुस्सा होना। क्रोध करना।

खपी जाणूं।
खप जाना। बर्बाद हो जाना। मर जाना। काम में आ जाना।

खप्पर भरणूं।
खप्पर भरना। देवी की विशेष पूजा। खप्पर में मदिरा आदि भरकर देवी को चढ़ाना। मनौती पूजा।

खप्प-खप्प चलनूं।
खप्प-खप्प चलना। बड़ी-बड़ी डग भरके चलना। पैर धरती पर पटक-पटक चलना। विशेष चाल।

खसो होणूं।
खसा होना। पागल होना। अतिरेक करना।

खसापणा करणूं।

खप्पन करना। पागलपन करना। जिद करना। अतिरेक करना।

खप्त सवार होणूं।
खप्त सवार होना। धुन लगना। सनक होना। जिद चढ़ जाना।

खपत होणूं।
खपत होना। अधिक बिक्री होना। माल की माँग बनी रहना।

खप्पट्टा निकलणूं (निकालणूं)।
खपटे निकलना या निकालना। छिल जाना। आलोचना करना।

खबर लगणूं।
खबर लगना। पता हो जाना। सूचना मिल जाना।

खबर चलणूं।
खबर चलना। पता लग जाना। सूचना प्राप्त हो जाना।

खबर उड़णूं (उड़ावणूं)।
खबर उड़ना या उड़ाना। अफवाह फैलना। चर्चा होना। फैलना। फैलाना।

खबर गरम होणूं।
खबर गर्म होना। चारों ओर हो जाना।

खबर फैलणूं।
खबर फैलना। सब जगह बात फैलना। अफवाह होना। समाचार मिलना।

खबर लेणूं।
खबर लेना। हाल चाल जानना। पता लगाना। डाँटना, फटकारना। मार-पीटना।

खबर मऽ रयणूं।
खबर में रहना। प्रसिद्ध होना। चर्चा में होना। अखबारों में छपना।

खम ठोकणूं।
खम ठोकना। लड़ने के लिये ताल ठोकना। जोर आजमाने का संकेत करना। चुनौती देना। दृढ़ता दिखाना।

खम ठोकी नऽ अखाड़ा मऽ उतरनूं।
खम ठोककर अखाड़े में उतरना। ताल ठोककर या निश्चय पूर्वक लड़ने की चुनौती देना।

खमीर उठणूं (उठावणूं)।
खमीर उठना या उठाना। आटे या मैदा को सड़ाना या सड़ना। जलेबी आदि का आटा तैयार करना। खमीर उठाकर खाने के कई व्यंजन बनाये जाते हैं।

खमीर बिगड़णूं।
खमीर बिगड़ना। व्यवहार बदलना। स्वभाव बदल जाना।

खयाली दुनिया मऽ होणूं।
ख्यालों की दुनिया में होना। कल्पनालोक में होना।

ख्याली घोड़ा दौड़ावणूं।
ख्याली घोड़े दौड़ाना। बड़ी-बड़ी और दूर-दूर की कल्पनाएँ करना। दिवास्वप्न।

ख्याल करनूं।
खेल करना। ख्याल करना। खेल खेलना। ध्यान रखना। कृपा करना। याद करना।

खयाल मऽ रयणूं।
ख्याल में रहना। याद रहना। ताक में रहना। ध्यान में रहना।

खयाल रखणूं।
ख्याल रखना। सुरक्षा का ध्यान रखना। देखते भालते रहना। रखवाली करना।

खयाल सी उतरनूं।
ख्याल से उतरना। भूल जाना।

खयाली पुलाव पकावणूं।
ख्याली पुलाव पकाना। कल्पना में हर चीज प्राप्त करने की कोशिश करना।

खर होणूं।
खर होना। गधा या मूर्ख होना।

खर दिमाग होणूं।
खट दिमाग होना। दुष्ट प्रकृति का होना।

खर पतवार होणूं।
खर पतवार होना। फसल के बीच में अनचाही घास का उग आना। बढ़ते को रोकने का प्रयास करना। अड़चन आना।

खरच काट्टो करणूं।
खरच काट्टा करना। मृत्यु भोज करना।

खरचो चलावणूं।
खर्चा चलाना। परिवार के पालन पोषण के लिये व्यय देना।

खरचा मऽ डालणूं।
खर्चे में डालना। व्यय हेतु विवश करना। फालतू पैसा खर्च करवाना।

खरचा मऽ पड़णूं।
खर्चे में पड़ना। व्यर्थ खर्च हेतु विवश होना। कर्जे में आना।

खरबूजा कऽ देखी नऽ खरबूजा को रंग बदलनूं।
खरबूजे को देखकर खरबूजे का रंग बदलना। किसी की देखा देखी करना। व्यक्ति को देखकर धारणा या विचार बदल देना। नकली या दोगला होना।

खरो आदमी होणूं।
खरा आदमी होना। सच्चा व्यक्ति होना। ईमानदार। साफ-साफ कहने वाला।

खरो उतरनूं।
खरा उतरना। सच्चा होना। सही होना। ठीक जान पड़ना।

खरो आसामी होणूं।
खरा आदमी होना। लेन-देन में ईमानदार होना। तुरन्त दाम देने वाला। व्यवहारिक व्यक्ति।

खरो खेल होणूं।
खरा खेल होना। सच्चा व्यवहार होना।

खरो खेल फर्रुखाबादी।
खरा (खड़ा) खेल फर्रुखाबादी। सच्चा और साफ व्यवहार करना।

खरो-खरो बोलणूं।
खरा-खरा बोलना। सच्चा और साफ बोलना।

खरो-खोटो होणूं।
खरा-खोटा होना। अच्छा-बुरा या भला-बुरा होना। मन बिगड़ना।

खरो-खोटो बोलणूं।
खरा-खोटा बोलना। भला-बुरा बोलना। गालियाँ देना।

खराद पऽ चढ़ावणूं।
खराद पर चढ़ाना। ठीक आकार देना। काँट-छाँटकर ठीक करना। सुधारना।

खराब करनूं।
खराब करना। बिगाड़ देना। नष्ट करना।

खराबी होणूं।
खराबी होना। दोष होना। बुराई होना। फजीहत होना।

खराब सी खराब होणूं।
खराब से खराब होना। बहुत बुरा। दुष्ट होना।

खराबी मऽ पड़णूं।
खराबी में पड़ना। बुरी हालत होना। अच्छा न होना।

खरी-खरी सुनाणूं।
खरी-खरी सुनाना। साफ-साफ बात कहना। फटकारना। कड़वी बात कह देना।

खरी-खरी बात करणूं।
खरी-खरी बात करना। स्पष्ट बेलाग कहना।

खरी सुनाणूं (कयणूं)।
खरी सुनाना या कहना। बेहिचक। अप्रिय सत्य कहना। सुना देना।

खरी-खोटी सुनाणूं।

खरी-खोटी सुनाना। भला-बुरा कहना। सत्य-असत्य सब कह देना।

खर्च उठावणूं।
खर्च उठाना। व्यय भार वहन करना।

खर्च चलावणूं।
खर्च चलाना। व्यय देते रहना। निर्वाह के लिये धन देते रहना।

खर्च मऽ डालणूं।
खर्च में डालना। व्यय के खाते में लिखना।

खर्च मऽ पड़णूं।
खर्च में पड़ना। विवश होकर खर्च करना।

खर्राटा भरणूं।
खर्राटा भरना। गहरी नींद में नाक बजाना। बेखबर सोना।

खल बली मचाणूं (मचावणूं)।
खलबली मचना या मचाना। हलचल मचना या मचाना। उत्सुकता पैदा होना। शोरगुल करना या होना।

खल होणूं।
खल होना। दुष्ट होना।

खलर-खलर होणूं।
खलर-खलर होना। पानी की तरह बहना। विचित्र आवाज।

खलतो पेरणूं।
खलता पहनना। बिल्कुल ढीले बड़े कपड़े पहनना।

खलो बठाड़णूं।
खला बैठाना। खलिहान (खले) की भूमि को लीप पोतकर दावण के लिये तैयार करना।

खल्लास करणूं।
खल्लास करना। मार डालना। समाप्त कर देना।

खल्लास होणूं।
खलास होना। नष्ट हो जाना। प्राण निकल जाना।

खसम करणूं।
खसम करना। स्त्री का दूसरा पति करना।

खस्सी करणूं।
खस्सी करना। बधिया करना।

खस्ता हाल होणूं।
खस्ता हाल होना। बुरी स्थिति होना। बहुत थक जाना। आर्थिक स्थिति खराब होना।

खसम खायेल होणूं।
खसम खा जाना। विधवा। जिसका पति भर जवानी में असामयिक मौत से मर जाये।

खाई जाणूं।
खा जाना। मार डालना। लेकर न लौटाना। बरबाद कर देना। बहुत तंग करना। हड़पना। बेईमानी करना।

खाई नऽ डकार भी नी लेणूं।
खाकर डकार भी न लेना। पैसा डूबा जाना।

खाई चौड़ी करनूं।
खाई चौड़ी करना। भेदभाव को और बढ़ाना। मनमुटाव अधिक होना।

खाई पाटणूं।
खाई पाटना। दूरियाँ नजदीकी में बदलना। मतभेद दूर होना।

खाई मऽ कूदणूं।
खाईं में कूदना। मुसीबत में जानबूझकर फँसना।

खाई खंदक एक करनूं।
खाईं खंदक एक करना। गहराई से ढूँढना। किसी चीज को पाने का अथक प्रयास करना।

खाई सी निकळी नऽ खंदक मऽ गिरनूं।
खाईं से निकलकर खंदक में गिरना। एक मुसीबत या स्थिति से निकलकर दूसरी बड़ी मुसीबत में फँसना।

खाई-खाई नऽ गूं करनूं।
खा-खाकर गूं करना। बिना श्रम के खूब खाना और हगना। बस यही काम करना।

खाई नऽ फिरी नुक्स निकालणूं।
खाने के पश्चात् दोष निकालना। उपकार का बदला अपकार से देना। काम निकाल ने के बाद बुराई करना।

खाई-खाई नऽ पोंगराणूं।
खा-खा कर पोंगराना। खा-खा कर इतराना। बदमिजाजी करना। बहुत मोटा होना।

खाई मरनूं कि डूबी मरनूं।
खा मरना या डूब मरना। पशोपेश वाली स्थिति। शर्मनाक स्थिति। मरने की जगह न रहना।

खाई-खाई नऽ मस्ताणूं।
खा-खाकर मस्ताना। बहुत मोटा होते जाना। बदमाशी करना।

खाई जाण्यो पण खिलाणूं नी जाण्यो।
खाना जाना पर खिलाना नहीं जाना। दूसरों के माथे गुल छर्रे उड़ाने वाला होना। खिलाने की बारी से बचते रहना।

खाई नऽ पेट पऽ हात फेरनूं।
खाकर पेट पर हाथ फेरना। अच्छा भोजन करके सन्तुष्ट होना।

खाक मऽ मिलनूं (मिलाणूं)।
खाक में मिलना या मिलाना। नष्ट होना। सब कुछ समाप्त हो जाना। बरबाद हो जाना। हस्ती मिट जाना। मिला देना।

खाक उड़णूं।
खाक उड़ना। नाश होना।

खाक उड़ावणूं।
खाक उड़ाना। व्यर्थ बैठे रहना। कुछ न करना।

खाक छानणूं।
खाक छानना। बहुत तलाश करना। मारा-मारा फिरना।

खाक फाकणूं।
खाक फाँकना। मारा-मारा फिरना। झूठ बोलना।

खाको खींचणूं (उतारनूं)।
खाका खींचना या उतारना। नकल उतारना। हुबहू नक्शा बनाना।

खाको तैयार करनूं।
खाका तैयार करना। नक्शा बनाना। रूपरेखा बनाना।

खाको उड़ावणूं।
खाका उड़ाना। हँसी उड़ाना। मजाक करना।

खाचो पटकणूं।
खाचा पटकना। छेद करना। भेदभाव करना।

खाज-खुजली बढ़ावणूं।
खाज-खुजली बढ़ाना। बीमारी बढ़ाना। उत्तेजना फैलाना।

खाट पऽ पड़े-पड़े खाणूं।
खाट पर पड़े-पड़े खाना। बीमार होना। बिना कमाये खर्च करना।

खाटलो तोड़णूं।
खाट तोड़ना। फालतू पड़े रहना। कुछ काम न करना। आलसी। निष्क्रिय पड़े रहना।

खाट पऽ लगणूं।
खाट पर लगना। अत्यधिक बीमार होना। चलना-फिरना बंद होना।

खाट खड़ी करनूं।
खाट खड़ी करना। भला-बुरा कहना। खिंचाई करना।

खाट सी हेटऽ उतारनूं।
खाट से नीचे उतारना। मृत्यु के करीब होना। जमीन पर लिटाना।

खाट सी उठणूं।
खाट से उठना। स्वस्थ होना। बीमारी से मुक्त होना।

खाट पऽ पड़ऽ पड़ऽ दिन बिताणूं।
खाट पर पड़े-पड़े दिन बिताना। बेकार पड़े रहना। काम धन्धा बिल्कुल न करना।

खाट पकड़नूं।
खाट पकड़ना। बीमार होना। अधिक अस्वस्थ होना।

खाट की अदवाण खैचणूं।
खाट की अदवान खींचना। खटिया की ढीली रस्सियों को तानना। कसावट लाना।

खाड़ो खोदणूं।
खाड़ा खोदना। कमाना, हानि पहुँचाना।

खाड़ो भरनूं।
खाड़ा भरना। पेट भरना। कमी पूरी करना। नया काम प्रारम्भ करना।

खाड़ा मऽ पड़णूं।
खाड़े में पड़ना। संकट। कठिनाई में पड़ना। हानि उठाना।

खातमो करनूं।
खातमा करना। समाप्त करना।

खातो खोलनूं।
खातो खोलना। नया लेन-देन शुरू करना।

खाता मऽ चढ़ावणूं।
खाते में चढ़ाना। रोज नामचे में लिखना।

खाता-कमाता घर को होणूं।
खाते-कमाते घर का होना। सम्पन्न परिवार का होना।

खातऽ पीतऽ लात मारनूं।
खाते-पीते लात मारना। सम्पन्न होने पर दूसरों को तंग करना।

खातिर करनूं।
खातिर करना। सम्मान करना। आवभगत करना।

खान होणूं।
खान होना। गुणों से भरपूर होना।

खानदानी होणूं।
खानदानी होना। अच्छे वंश या कुल वाला या शरीफ। सभ्य।

खानदान को नांव उच्चो करनूं।
खानदान का नाम ऊँचा करना। वंश की कीर्ति बढ़ाना।

खानदान का नांव पर बट्टो लगाणूं।
खानदान के नाम पर बट्टा लगाना। वंश का नाम नीचा करना। बुरे कामों से परिवार को बदनाम करना।

खानो हराम करनूं।
खाना हराम करना। खाने में व्यवधान उपस्थित करना। खाने न देना। परेशान करना।

खानो नी पचणूं।
खाना नहीं पचना। अजीर्ण होना। बदहजमी होना। चैन न पड़ना। अच्छा खाना-पीना मिलने के बाद भी बुरे कामों में संलग्न होना।

खाना तलाशी लेणूं।
खाना तलाशी लेना। अच्छी तरह से घर का कोना-कोना तलाश करना।

खानो खराब करणूं।
खाना खराब करना। जीना हराम कर देना। बेचैन कर देना। बुरे रास्ते पर ले जाना।

खानापूरी करणूं।
खाना पूरी करना। औपचारिक कार्यवाही करना।

खानो पीणूं छूटणूं।
खाना-पीना छूटना। मृत्यु के करीब पहुँचना।

खाणऽ का दात अरु दिखाणऽ का दात अरु होणूं।
खाने का दाँत और दिखाने के और। दिखावा करना। बाहर भीतर की स्थिति अलग-अलग होना।

खाणूं कमाणूं।
खाना-कमाना। मेहनत मजदूरी करके पेट भरना।

खाणू उड़ाणूं।
खाना उड़ाना। मौजमस्ती में खर्च करना।

खाणऽ का लाला पड़णूं।
खाने के लाले पड़ना। आर्थिक तंगी होना। ठीक से रोटी न मिलना।

खाणऽ कमाणा मऽ हिजड़ो होणूं।
खाने कमाने में हिजड़ा होना। मेहनत मजदूरी करने में जी चुराने वाला होना। काम करने में असमर्थ होना।

खाणऽ खेलने का दिन होणूं।
खाने खेलने का दिन होना। बचपन के दिन।

खाणऽ पीणऽ खऽ देणूं।
खाने पीने को देना। रिश्वत देना।

खाणऽ भर को मिलणूं।
खाने भर का मिलना। केवल पेट भरने के लिये अन्न-पानी मिलना।

खाणू अरु ऊप्पर सी गुर्रावणूं।
खाना और गुर्राना। उपकार न मानना।

खाणऽ कऽ दौड़णूं।
खाने को दौड़ना। अत्यधिक क्रोधित होना। जरा-जरा सी बात पर नाराज होना।

खार खाणूं।
खार खाना। बुरा लगना। क्रोध करना। ईर्ष्या करना।

खारो होणूं।
खारा होना। अधिक नमक हो जाना।

खारिज करणूं।
खारिज करना। सम्बन्ध न रखना। नाम काट देना।

खायो पीयो निकलणूं।
खाया पीया निकलना। अच्छा सबक मिलना। शरारत भूल जाना।

खायो पीयो हजम करनूं।
खाया पीया हजम करना। अधिक कमाई को व्यवस्थित खर्च करना।

खायो पीयो बरोबर करणूं।
खाया पीया बराबर करना। जितना कमाया वह सब खर्च कर देना।

खाल उधेड़णूं (खींचणूं)।
खाल उधेड़ना या खींचना। बहुत सख्त सजा देना। भयंकर आलोचना करना।

खाल मऽ मस्त होणूं।
खाल में मस्त होना। हर हाल में अपने में मस्त रहना।

खाळा को घर होणूं।
खाला का घर होना। सरल काम होना।

खाल ओढणूं।
खाल ओढ़नी। यथार्थ को छिपाकर भला बनना।

खाली जाणूं।
खाली जाना। व्यर्थ जाना। बेकार जाना। बिना कोई प्राप्ति के वापस होना।

खाली दिन जाणूं।
खाली दिन जाना। बिना काम के दिन निकल जाना।

खाली नी जाणूं।
खाली नहीं जाना। असर दिखाना। काम हो ही जाना।

खाली हात होणूं।
खाली हाथ होना। हाथ में पैसा नहीं होना। पास में पैसा न होना। हथियार के बिना होना। फुरसत होना। हाथ में भेंट देने के लिये कुछ न होना।

खाली होणूं।
खाली होना। कोई काम न होना।

खालीपण काटणूं।
खालीपन काटना। फालतू समय बिताना। बोर होना।

खाली जेब होणूं।
खाली जेब होना। पास में एक पैसा न होना।

खाली पेट होणूं।
खाली पेट होना। भूखे होना।

खाली दिमाग होणूं।
खाली दिमाग होना। बेकार होना। बिना काम काज के होना।

खाली होत लौटणूं।
खाली हाथ लौटना। असफल वापस आना।

खाली माली बोलणूं।
खाली माली बोलना। व्यर्थ बोलना।

खास-खास होणूं।
खास-खास होना। चुने हुए प्रतिष्ठित लोग होना।

खासम खास होणूं।
खासम खास होना। विशेष विश्वास पात्र।

खासी आवणूं।
खांसी आना। खांसना। खौ-खौ करना। बार-बार परेशान होना।

खिंचई जाणूं।
खिचा जाना। मोहित हो जाना।

खिंचे हाथ होना।
खिचे हाथ होना। आर्थिक तंगी में कंजूसी से कम खर्च करना।

खिचड़ी बोली होणूं।
खिचड़ी बोली होना। मिश्रित भाषा, मिली-जुली भाषा।

खिदमत करनूं।
खिदमत करना। सेवा करना।

खिलवाड़ करनूं।
खिलवाड़ करना। मजाक समझकर कोई काम करना।

खिलखिलई नऽ हँसणूं।
खिलखिला के हँसना। कहकहे लगाकर हँसना। खुलकर हँसना।

खिल्ली उड़ावणूं।
खिल्ली उड़ाना। मजाक बनाना।

खिलौणो होणूं।
खिलौना होना। प्रिय होना। वश में होना।

खिलाई पिलाई करनूं।
खिलाई पिलाई करना। अच्छी तरह पौष्टिक भोजन कराना।

खिलाणूं-पिलाणूं।
खिलाना-पिलाना। घूस देना। रिश्वत देना।

खिसयाणी बिल्ली को खंभो लोचणूं।
खिसियानी बिल्ली का खंभा नोचना। गलती करने पर अपनी खीझ निकालना।

खिसियाणी हँसी हँसणूं।
खिसियानी हँसी हँसना। खोखली हँसी हँसना। गलती करने पर हँसने की कोशिश करना।

खिचड़ी पकाणूं।
खिचड़ी पकाना। अलग मिलकर काम करना। चुपचाप सलाह मशविरा करना।

खींचतान होणूं।
खींचतान होना। वैमनस्य होना। अलगाव होना।

खींची नऽ मारनूं।
खींचकर मारना। बहुत जोर से मारना।

खीचाताणी करणूं।
खींचातानी करना। एक ही वस्तु को लेने के लिये छीना छपटी होना। आलोचना करना।

खीझ निकालणूं।
खीझ निकालना। गुस्सा निकालना। रोश करना। चिढ़ निकालना।

खुजली होणूं।
खुजली होना। मन में शैतानी होना।

खुजली मिटणूं।
खुजली मिटना। उत्साह खत्म होना। पिटना।

खुटको लगणूं।
खुटका लगना। बुरा लगना। शंका बनी रहना।

खुदा की मार होणूं।
खुदा की मार होना। अकारण विपत्ति आना। दैवीप्रकोप होना।

खुदा-खुदा करी नऽ काम करनूं।
खुदा-खुदा करके काम करना। बहुत मुश्किल से काम करना।

खुदा न खास्ता होणूं।
खुदा न खास्ता होना। संयोगवश होना।

खुन्नस निकाळणूं।
खुन्नस निकालना। शत्रुता का बदला लेना।

खुमारी उतरनूं।
खुमारी उतरना। घमण्ड समाप्त होना। नशा उतरना।

खुमारी चढ़णूं।
खुमारी चढ़ना। घमण्ड बढ़ना। नशा चढ़ना।

खुमारी मऽ रयणूं।
खुमारी में रहना। घमण्ड में रहना। नशे में रहना।

खुरपो होणूं।
खुरपा होना। अनपढ़। मूर्ख होना।

खुली नऽ काम करनूं।
खुलकर काम करना। बिना संकोच या डर के काम करना। निधड़क काम करना।

खुली नऽ खेलणूं।
खुलकर खेलना। निर्लज्जता पूर्वक गलत काम करना। खूब अपराध करना।

खुली जाणो।
खुल जाना। निःसंकोच हो जाना। भेद मालूम पड़ना। पूरी क्षमता दिखाना।

खुल्लो खेल होणूं।
खुला खेल होना। स्पष्ट। बात सार्वजनिक होना।

खुल्लो हाथ होणूं।
खुला हाथ होना। खर्चीला होना।

खुल्लो छोड़णूं।
खुला छोड़ना। बंधन में न रखना। अकुंश न रखना। नियंत्रण हटा लेना।

खुल्लो फिरनूं।
खुला फिरना। स्वच्छन्द घूमना। बेकाबू होना।

खुल्ली छूट होणूं।
खुली छूट होना। पूर्ण स्वतंत्र होना। सुविधा होना।

खुल्ला मैदान मऽ आवणूं।
खुले मैदान में आना। सबके सामने आना।

खुल्लम खुल्ला कयणूं (आवणूं)।
खुल्लम खुल्ला कहना या आना। सबके सामने कहना या आना। बिना आड़ के।

खुली हवा मऽ सांस लेणूं।
खुली हवा में सांस लेना। स्वतंत्रता का अनुभव होना।

खुली हवा मिलणूं।
खुली हवा मिलना। मुक्त वातावरण मिलना। प्रदूषण मुक्त होना।

खुल्ला आम वात करनूं।
खुले आम बात करना। सबके सामने कोई काम करना। चोरी छिपे न करना।

खुला दिल सी करनूं।
खुले दिल से करना। उदारतापूर्वक सार्वजनिक काम करना।

खुल्ला हाथ काम करनूं।
खुले हाथ काम करना। स्वतंत्र रूप से उदारतापूर्वक कार्य करना।

खुल्ला हाथ होणूं।
खुले हाथ होना। स्वच्छन्द होना।

खुला बजार मऽ करनूं।
खुले बाजार में करना। स्पष्ट रूप से सबके सामने करना।

खुल्लम खुल्ला काम करनूं।
खुल्लम खुल्ला काम करना। सबके सामने काम करना।

खुश कर देणूं।

खुश कर देना। सन्तुष्ट कर देना।

खुश मालूम पड़णूं।
खुश मालूम पड़ना। प्रसन्न। अनुकूल जान पड़ना।

खुश रयणूं।
खुश रहना। प्रसन्न। आनंद में रहना। अनुकूल रहना।

खुश लगणूं।
खुश लगना। प्रसन्न दिखाई देना।

खुशामद करनूं (कराणूं)।
खुशामद करना या कराना। झूठी प्रशंसा करना या कराना। लल्लो चप्पो करना।

खुशामद की रोटी होण तोड़णूं।
खुशामद की रोटी तोड़ना। चमचागिरी। चाटुकारी से जीविका चलाना।

खुशामदी टट्टू होणूं।
खुशामदी टट्टू होना। बहुत अधिक बड़ा-चढ़ाकर प्रशंसा करने वाला होना।

खुशी को ठिकाणो नी रयणूं।
खुशी का ठिकाना नहीं रहना। अत्यधिक प्रसन्न होना।

खुशी-खुशी काम करनूं।
खुशी-खुशी काम करना। प्रसन्नता के साथ काम करना।

खुशी छिनई जाणूं।
खुशी छिन जाना। प्रिय व्यक्ति या वस्तु का नष्ट होना।

खुशी रंज मऽ बदलनूं।
खुशी रंज (गम) में बदलना। प्रसन्नता के स्थान पर कोई दुःख का आना।

खुशी सी नाचणूं।
खुशी से नाचना। बहुत प्रसन्न होना।

खुशी सी फूलो नी समाणूं।
खुशी से फूला नहीं समाना। अत्यधिक प्रसन्न होना।

खुशी सी जमीन पऽ पांय नी पड़णूं।
खुशी से जमीन पर पैर न पड़ना। अत्यधिक प्रसन्नता में होना।

खुशी होणूं।
खुशी होना। घर में बच्चे का जन्म होना।

खुस फुस करणूं।
खुस फुस करना। चुपचाप सलाह करना। कान में बात करना।

खुसुर-फुसुर करणूं।
खुसुर-फुसुर करना। कान में बात करना। चुपचाप सलाह करना।

खूंटो गाड़णूं।
खूँटा गाड़ना। प्रभाव जमाना। अधिकार जमाना।

खूंटो तोड़ई नऽ भागणूं।
खूटा तुड़ाकर भागना। तेजी से भागना। बिना कहे भाग जाना। परेशान होकर भागना।

खूंटी निकालणूं।
खूंटी निकालना। हजामत बनाते समय नाई का बालों को जड़ से निकाल देना।

खूंटा पऽ मारनूं।
खूँटे पर मारना। चिन्ता न करना। परवाह न करना।

खूंटा सी बंधी जाणूं।
खूँटे से बँध जाना। बंधन में पड़ जाना।

खूंदी न्हाखणूं।
खूंद देना। कुचल देना। किसी के यहाँ बार-बार आना।

खून उतरणूं।
खून उतरना। अधिक क्रोध करना।

खून खौलणूं (उबलणूं)।
खून खौलना या उबलना। अत्यधिक क्रोध आना।

खून करनूं।
खून करना। हत्या करना।

खून होणूं।
खून होना। हत्या होना। कत्ल होना।

खून को प्यासो होणूं।
खून का प्यासा होना। प्राणों का शत्रु होना। हत्या करने को फिरना।

खून पसीनो एक करनूं।
खून पसीना एक करना। अत्यधिक मेहनत करना।

खून पेणूं।
खून पीना। जान ले लेना। अत्यधिक परेशान करना।

खून को घूंट पी नऽ रई जाणूं।
खून का घूँट पीकर रह जाना। मन की मन क्रोध को रोक लेना।

खून सूखणूं।
खून सूखना। भयभीत होना।

खून सुखाड़णूं।
खून सूखाना। कष्टपूर्वक कठिन कार्य करना।

खून झार होणूं।
खूनझार होना। खून से लतपथ होना।

खून को रिश्तो होणूं।
खून का रिश्ता होना। एक ही वंश परिवार के होना। गहरा रिश्ता होना।

खून चूसणूं।
खून चूसना। शोषण करना।

खून की होळई खेलणूं।
खून की होली खेलना। लड़ाई-झगड़े में सिर फुटौवल होना। मरना-मारना। अति खून बहना।

खून को बदलो खून सी लेणूं।
खून का बदला खून से लेना। हत्या के बदले हत्या करना।

खून को बदलो लेणूं।
खून का बदला लेना। एक हत्या के बदले दूसरे की हत्या करना।

खून की नद्दी ववाड़णूं।
खून की नदी बहाना। बहुत अधिक मार-काट करना। अत्यधिक खून बहना।

खून खच्चर होणूं।
खून खच्चर होना। मारकाट होना। अत्यधिक खून बहना।

खून खराबो होणूं।
खून खराबा होना। मारकाट। हत्याएँ होना। खूब खून बहना।

खून गरम होणूं।
खून गर्म होना। जोश से भर जाना। क्रोध में आना। स्वाभिमानी होना।

खून ठण्डो होणूं।
खून ठण्डा होना। उत्साह कम होना। साहस छोड़ देना। कायर होना।

खून पाणी होणूं।
खून पानी होना। साहस समाप्त होना। वीरता समाप्त होना।

खून ववणूं (बहाणूं)।
खून बहना या बहाना। युद्ध होना। लड़ाई झगड़ा ऐसा होना जिसमें एक दो लोग मर जायें। बलिदान होना घायल होना। बहुत से लोगों को मारना।

खून माथो चढ़ी नऽ बोलनूं।
खून सिर पर चढ़कर बोलना। पाप। हत्या का न छिपना।

खून मांगणूं।
खून माँगना। बलिदान चाहना।

खून धवळो होणूं।
खून सफेद होना। अत्यधिक भयभीत होना।

खून मऽ हाथ रंगेला होणूं।
खून में हाथ रंगे होना। कातिल होना। अत्याचारी होना।

खून सी न्हाणूं।
खून से नहाना। अत्यधिक घायल होना। खून अधिक निकलना।

खूनी होणूं।
खूनी होना। हत्यारा होना।

खून माथा पऽ सवार होणूं।
खून सिर पर सवार होना। अत्यधिक क्रोधित होना। हत्या का निश्चय करना।

खून डोला नऽ मऽ उतरी आवणूं।
खून आँखों में उतर आना। जान लेने को उतारु होना।

खूब आवणूं।
खूब आना। (व्यंग्य में) बिल्कुल पहुँचना। ध्यान न देना।

खेड़ा पऽ जाणूं।
खेड़े पर जाना। गाँव जाना।

खेड़णूं।
खेड़ना। कृषि कार्य करना।

खेड़ापति हनुमान होणूं।
खेड़ापति हनुमान होना। गाँव का मुखिया पूजनीय होना।

खेत होणूं (रयणूं)।
खेत होना या रहना। लड़ाई में मारे जाना।

खेत काटणूं।
खेत काटना। फसल काटना।

खेत देखणूं।
खेत देखना। फसल की रखवाली करना।

खेती धणी सेती।
खेती धनी सेती। मालिक के करने से ही फसल अच्छी होती है। नौकरों के भरोसे फसल पूरी नहीं होती।

खेती गिरवी राखणूं।
खेती गिरवी रखना। कुछ रुपये उधार लेकर साहूकार के नाम खेती लिख देना। ब्याज सहित धन लौटाना।

खेदी खेदी नऽ मारणूं।
खेदी-खेदी न मारना। दौड़ा-दौड़ा कर मारना।

खेल खतम होणूं।
खेल खतम होना। प्रभाव समाप्त होना। हत्या होना।

खेल खराब करणूं।
खेल खराब करना। काम बिगाड़ना। हानि पहुँचाना।

खेल खेलणूं।
खेल खेलना। दाँव पेंच करना।

खेल खेल मऽ करणूं।
खेल-खेल में करना। बिना परिश्रम के सहज रूप से कर देना।

खेल खेलावणूं।
खेल खिलाना। परेशान करना। बहलाना। हराना।

खेल करनूं।
खेल करना। समय बेकार करना। मनोरंजन करना।

खेल अधूरो रयणूं।
खेल अधूरा रहना। आधा कार्य होना। काम पूरा न होना। स्वार्थ पूरा न होना।

खेल उलटणूं।
खेल उलटना। भंडाफोड़ होना। बाजी फेल हो जाना। चाहना के विपरीत होना।

खेल खेल मऽ होणूं।
खेल-खेल में होना। बिना इरादे के कुछ हो जाना।

खेलणू खाणूं।
खेलना खाना। आनंद में रहना।

खेलणऽ खाणऽ की उमर (दिन होणूं)।
खेलने खाने की उम्र या दिन होना। बचपन। जवानी होना।

खेल पूरो होणूं।
खेल पूरा होना। समाप्त होना। विचित्र कार्य। जीवन पूरा होना।

खेल बन्द होणूं।
खेल बन्द होना। काम रुक जाना। प्रभाव समाप्त होना।

खेल बणनूं।
खेल बनना। काम हो जाना। दशा सुधर जाना। मजाक बनना।

खेल मऽ पड़णूं।
खेल में पड़ना। कर्त्तव्य भूलना। गंभीरता समाप्त करना।

खेल समझणूं।
खेल समझना। किसी कठिन काम को सरल बनाना। कठिन काम होना। सरल न होना।

खेल्यो खायो होणूं।
खेला खाया होना। अनुभवी होना। सबका ज्ञान होना।

खैर करनूं।
खैर करना। दया करना। अच्छा करना।

खैर नी समझणूं।
खैर नहीं समझना। विपत्ति की सम्भावना होना।

खैर मनाणूं (मांगणूं)।
खैर मनाना या माँगना। दुआएँ माँगना। शुभकामना करना।

खैरात लुटावणूं।
खैरात लुटाना। उदारता से लोगों को धन-सम्पत्ति देना। अपात्रों को कोई वस्तु मिलना।

खोपा भरणूं।
खोपा भरना। बड़े-बड़े टांको की सिलाई करना।

खो करणूं।
खो करनूं। भगा देना।

खो खो खेलणूं।
खो-खो खेलना। एक प्रकार का खेल। एक को भगाकर दूसरे का बैठना।

खोखलो करणूं।
खोखला करना। सारहीन। कमजोर होना।

खोखली वातनऽ करनूं।
खोखली बातें करना। व्यर्थ की। सारहीन बातें करना।

खोखो होणूं।
खोखा होना। बाहरी दिखावा। खाली होना।

खोज खबर राखणूं।
खोज खबर रखना। पता या जानकारी रखना।

खोजबीन करनूं।
खोजबीन करना। जाँच करना।

खोज करनूं।
खोज करना। तलाशना। पता लगाना।

खोट निकालणूं।
खोट निकालना। दोष या बुराई निकालना।

खोट मिलणूं।
खोट मिलना। दोष का पता लगना। बुराई मिलना।

खोटो होणूं।
खोटा होना। बुरा या दोषी होना।

खोटी करनूं।
खोटी करना। बुराई। बदनामी करना। समय बर्बाद करना।

खोटी खरी सुणाणूं।
खोटी खरी सुनाना। भला बुरा कहना।

खोदी खोदी नऽ पूछणूं।
खोद-खोदकर पूछना। बार-बार पूछना। छोटा सा छोटा रहस्य जानने की कोशिश करना।

खोदी नऽ गाड़ी देणूं।
खोदकर गाड़ देना। दफना देना। नष्ट करना। मार डालना।

खोदी न्हाखणूं।
खोद डालना। नष्ट करना। उजाड़ डालना।

खोपड़ी पऽ बठणूं।
खोपड़ी पर बैठना। बहुत शैतान करना। सिर पर चढ़ना। उद्दण्ड होना।

खोपड़ी खाणूं।
खोपड़ी खाना। बहुत बाते करना। परेशान करना।

खोपड़ी खुलणूं।

खोपड़ी खुलना। सिर फूटना। मार पड़ना।

खोपड़ी गंजी होणूं।
खोपड़ी गंजी होना। बहुत मार पड़ना।

खोपड़ी चाटणूं।
खोपड़ी चाटना। व्यर्थ की बातें करना। परेशान करना। बहुत पूछना।

खोपड़ी चकराणूं।
खोपड़ी चकराना। बहुत परेशान होना। चक्कर आ जाना।

खोपड़ी चलणूं।
खोपड़ी चलना। पागल होना।

खोपड़ा पर चढ़्यो रयणूं।
खोपड़ा पर चढ़े रहना। बहुत समीप जाना। उद्दण्डता करना।

खोपड़ी पर नाचणूं।
खोपड़ी पर नाचना। निर्भय होना। बहुत समीप पहुँचना।

खोपड़ी पऽ एक बाल नी रयणूं।
खोपड़ी पर एक बाल नहीं रहना। बहुत जूते पड़ना। बहुत पिटना।

खोपड़ी पऽ बाल नी छोड़नूं।
खोपड़ी पर बाल नहीं छोड़ना। बहुत मारना। जूते लगाना या अपमानित करना।

खोपड़ी पऽ लादणूं।
खोपड़ी पर लादना। किसी को जबरन बलपूर्वक साथ करना।

खोपड़ी विकट होणूं।
खोपड़ी विकट होना। तेज बुद्धि होना। चलता पूर्जा दिमाग होना।

खोपड़ी खऽ माननूं।
खोपड़ी को मानना। योग्यता। मस्तिष्क की श्रेष्ठता मानना।

खोपड़ी मऽ आवणूं (घूसणूं)।
खोपड़ी में आना या घूसना। समझ में आना।

खोपड़ी खऽ लाल करणूं।
खोपड़ी लाल करना। सिर फोड़ देना।

खोपड़ो फोड़णूं।
खोपड़ा फोड़ना। सिर फोड़ देना या इसकी धमकी देना। बहुत बुरा लगना।

खोपड़ी पऽ जोर देणूं।
खोपड़ी पर जोर देना। सोचने को मजबूर होना।

खोपड़ी उल्टी होणूं।
खोपड़ी उल्टी होना। कुबुद्धि होना।

खोपड़ी खाली करनूं।
खोपड़ी खाली करना। बहुत बकवास करके परेशान करना।

खोयो खोयो रयणूं।
खोया खोया रहना। उदासीन रहना। अपने में मगन रहना।

खोरी-खोरी नऽ पूछणूं।
खोर-खोर कर पूछना। घूमा फिराकर एक ही बात को पूछे जाना, चाहे सामने वाला नहीं ही बतलाना चाहे। पूरी जानकारी लेना।

खोली नऽ पूछणूं (बताणूं)।
खुलकर पूछना या बताना। स्पष्ट रूप से बिना किसी दुराव छिपाव के पूछना और बताना।

खोली नऽ रयणूं।
खोलकर रखना। छिपी बात बताना। रहस्य स्पष्ट करना।

खोळ मऽ दपड़णूं।
खोल में छिपना। ऊपरी बनावट में असली बात छिप जाना।

खोह मऽ रयणूं।
खोह में रहना। छिपकर रहना। गुफा में रहना।

खौफ खाणूं।
खौफ खाना। लिहाज करना। डरना।

खौली उठणूं।
खौल उठना। गुस्से से भर जाना।

ख्वाब पूरो होणूं।
ख्वाब पूरा होना। सपने या कल्पना पूरी होना।

ख्वाब मऽ भी पूरो नी होणूं।
ख्वाब में पूरा नहीं होना। कभी पूरा न होना।

ख्वाब मऽ आवणूं।
ख्वाब में आना। स्वप्न में आना।

ख्वाब देखणूं।
ख्वाब देखना। सपने देखना।

ख्वाब होणूं।
ख्वाब होना। प्राप्त न होना। लुप्त होना। सपना होना।

ग

गक्कड़ सेकणूं (बणाणूं)।
गक्कड़ सेकना या बनाना। आग पर आटे की मोटी रोटी सेंकना। बनाना। साधु-संन्यासियों का प्रमुख भोजन होना।

गंग-गंग करनूं (करवाणूं)।
गंग-गंग करना या कराना। नहाना- नहलवाना।

गंगाजी जाणूं।
गंगाजी जाना। प्रयागराज तीर्थ में गंगा, जमुना, सरस्वती का संगम है। स्नान करने जाना। तीर्थ करना।

गंगा नहाणूं।
गंगा नहाना। गंगा में स्नान करना। कठिनता से कोई काम कर पाना। किसी दुखद काम से छुटकारा पाना। पाप धुलना। निश्चिंत होना।

गंगा घोड़ा न्हावणूं।
गंगा घोड़ा नहाना। मुश्किल से होने वाले कार्य में सफल होना। कठिन कार्य से मुक्त होना।

गंगा उठावणूं।
गंगा उठाना। गंगा की कसम खाना। सत्यता सिद्ध करना।

गंगा की सौगन्ध खाणूं।
गंगा की सौगन्ध खाना। किसी बात की सत्यता सिद्ध। विश्वास दिलाने के लिये गंगा की कसम खाना।

गंगा जल पिलाणूं।
गंगा जल पिलाना। मृत्यु के पूर्व गंगा जल मुँह में डालना।

गंगा जल मुंडा मऽ न्हाखणूं।
गंगा जल मुँह में डालना। मृत्यु के करीब होना। मृत्यु होने का विश्वास कर लेना।

गंगा जमनी संस्कृति तहजीब होणूं।
गंगा जमनी तहजीब होना। सभी धर्मों का सम्मान करने की संस्कृति होना। सभी जाति धर्म सम्प्रदाय के लोग बराबर होना। भारतीय संस्कृति का प्रतीक। सहिष्णु संस्कृति का होना।

गंगा पारी होणूं।
गंगा पारी होना। गंगा के उस पार के रहने वाले होना।

गंगा वासी होणूं।
गंगा वासी होना। गंगा के किनारे रहने वाले होना। साधु सन्यासी होना।

गंगा मऽ डुबकी लगावणूं।
गंगा में डुबकी लगाना। पवित्र होना। पाप धुल जाना।

गंगा माता उजवणूं (पूजन करनूं)।
गंगा उत्सव मनाना या पूजन करना। गंगा जल का घर में समारोह पूर्वक पूजन उत्सव करना। जिसमें सभी रिश्तेदारों, मित्रों आदि को आमंत्रित करना।

गंगाजली भरनूं।
गंगाजी भरना। गंगाजली विशेष पीतल के पात्र में गंगा में नहाकर जल भरना। जिसे घर के देवघर में रखा जाता है।

गंगाजली उठावणूं।
गंगाजली उठाना। गंगा की कसम खाना। पतियाना। सत्यता सिद्ध करना। अपने आपको निर्दोष साबित करना।

गंगा बहाणूं।
गंगा बहाना। किसी काम की अधिकता करना। उदार होना।

गंगा मैया का दरसण होणूं।
गंगा माता के दर्शन होना। गंगा के दर्शन मात्र से पुण्य मिलता है।

गंगा मिलणूं।
गंगा मिलना। गंगा के किनारे मृत्यु होना, बड़े सौभाग्य की बात मानी जाती है। गंगा सबका उद्धार करती हैं।

गंग भोज या गंगा भोज करणूं।
गंगा जमुना को मिलणूं।
गंगा जमुना का मिलना। दो बहनों का प्रेमपूर्वक आपस में मिलना।

गंगा उल्टी बहाणूं।
उल्टी गंगा बहाना। परम्परा के विपरीत काम करना।

गंगा की गोद भरनूं।
गंगा की गोद भरना। गंगा तट जाकर उसकी पूजा-अर्चना कर मनौती के अनुसार उसे साड़ी ओढ़ाना। नारियल छोड़ना। दीये छोड़ना। मनौती पूरी करना।

गई खऽ काई याद करनूं।
गई को क्या याद करना। गुमी हुई वस्तु को याद न करना। मृत्यु होने पर याद न करना।

गई ते गईं।
गई तो गई। जो चीज चली गई, फिर उसका रंज-गम क्या करना।

गच होणूं।
गच होना। धन-सम्पदा से सम्पन्न होना। भरापूरा होना।

गच्चो खाणूं।
गच्चा खाना। धोखा खाना या उठाना।

गच्चो देणूं।
गच्चा देना। धोखा देना।

गजब करनूं (ढाणूं)।
गजब करना या ढाना। अनोखा कार्य करना। अधिक अत्याचार करना।

गजब होणूं।
गजब होना। अत्यधिक कार्य करना।

गज भर को सीनो होणूं।
गज भर का सीना होना। अधिक साहसी। उदार होना। गर्व से फूलना।

गज भर की छाती होणूं।
गज भर की छाती होना। बहुत साहसी होना। गर्व से भर जाना।

गज भर की जबान होणूं।
गज भर की जबान होना। अत्यधिक बोलना। मर्यादा से अधिक बोलना। अधिक भोजन करना।

गजर बजणूं।
गजर बजना। घड़ी-घंटाल बजना। अलार्म बजना।

गट-गट पी जाणूं।
गट-गट पी जाना। जल्दी-जल्दी पी जाना।

गटकी जाणूं।
गटक जाना। हजम कर जाना। किसी चीज को हड़प लेना। बेईमानी करना।

गटपट करनूं।
गटपट करना। गड़बड़ी करना। मिला देना। मिश्रित कर देना।

गटर मऽ गिरनूं।
गटर में गिरना। नष्ट होना। बेकार होना। नाली में गिरना।

गटर मऽ डालनूं।
गटर में डालना। फालतू समझकर फेंक देना। नष्ट कर देना। बेकार खर्च करना। भविष्य दु:ख से भरना।

गट्ठर बाँधणूं।
गट्ठर बाँधना। बहुत-सी वस्तुओं को एक जगह बाँध देना।

गट्टो उठावणूं।
गट्टा उठाना। किसी वस्तु का इकट्ठा उठाना। बहुत-सी वस्तुओं का गुच्छा।

गठड़ी बाँधणूं।
गठरी बाँधना। बड़े कपड़े में अन्य कपड़े या अन्य वस्तुएँ बाँधना।

गठड़ी होणूं।
गठड़ी होना। सिकुड़ कर बैठना या सोना। लज्जित होना।

गठड़ी करणूं।
गठड़ी करना। धन जोड़ना।

गठड़ी खोलणूं।
गठरी खोलना। विस्तार करना। कोई चीज खोलकर बताना।

गड्डो खोदणूं।
गड्डा खोदना। गढ़ा खोदना। खुद का नुकसान करना।

गड्डु-मड्डु होणूं।
गड्डु-मड्डु होना। एक दूसरे में मिल जाना। मिलावट होना।

गड़बड़ होणूं (करणूं)।
गड़बड़ होना या करना। गलत होना। खराब होना। अव्यवस्था करना।

गड़बड़ लगणूं।
गड़बड़ लगना। अव्यवस्था महसूस होना। अशान्ति होना।

गड़बड़ झाला होणूं।
गड़बड़ झाला होना। अव्यवस्था होना। उपद्रव होना। कुछ घटित होना।

गड़बड़ई जाणूं।
गड़बड़ा जाना। अव्यवस्था होना। भ्रम में पड़ना। भूल करना।

गड़बड़ी फैलाणूं (फैलणूं)।
गड़बड़ी फैलाना या फैलना। अव्यवस्था। बेचैनी फैलाना या फैलना।

गड़्या मुर्दा उखाड़णूं।
गड़े मुर्दे उखाड़ना। पुरानी बुरी बातें दोहराना।

गड्या दगड़ा उखाड़णूं।
गड़े पत्थर उखाड़ना। पुरानी बुरी बातें दोहराना।

गड्डो खोदणूं (तैयार करनूं)।
गड्डा खोदना या तैयार करना। अनिष्ट का प्रयत्न करना। बुराई करना।

गड्डा मऽ गिरनू (पड़णूं)।
गड्डे में गिरना या पतन होना। बुरे काम में पड़ना। दुर्दशाग्रस्त होना।

गड्डा मऽ धकेलनूं (गिराणूं)।
गड्डे में धकेलना या गिराना। घोर अहित करना। नुकसान में डालना। संकट (आपत्ति) में डाल देना।

गड्डा सी निकालणूं (उबारनूं)।
गड्डे से निकालना या उबारना। संकट, विपत्ति, झंझट से निकाल लेना।

गढ़ जीतणूं।
गढ़ जीतना। विजित होना। शक्तिशाली शत्रु पर विजय पाना।

गढ़ टूटणूं।
गढ़ टूटना। संगठन समाप्त होना।

गढ़ होणूं।
गढ़ होना। संगठित होना। बहुत से लोगों का एक साथ होना।

गढ़ बणानूं।
गढ़ बनाना। सुरक्षा का प्रबन्ध करना। संगठन खड़ा करना।

गढ़ी लेणूं।
गढ़ लेना। बात बना लेना। कल्पना कर लेना।

गढ़ पऽ चढ़ाई करनूं।
गढ़ पर चढ़ाई करना। शक्तिशाली शत्रु पर चढ़ाई करना।

गढ़ दहाणूं।
गढ़ ढहाना। किले को गिराना। संगठन को ध्वस्त करना।

गढ़ मऽ कूदणूं।
गढ़ में कूदना। शक्तिशाली शत्रुओं के बीच जाकर युद्ध करना। पराजित करना।

गड्डो पाटणूं।
गड्ढा पाटना। खाली जगह को भरना। पेट भरना। कमी पूरी करना।

गड्ढा पड़णूं।
गड्ढा पड़ना। हँसते वक्त गड्ढा होना या बनना।

गढ़ी-गढ़ी नऽ वात करनूं।
गढ़-गढ़कर बात करना। झूठी काल्पनिक बात करना। एक-एक बात मन से लगाना।

गत करणूं (होणूं)।
गत करना या होना। दुर्दशा करना, होना। दुर्गति होना या करना। पिटाई करना या मरना।

गतराड़ो होणूं।
गतराड़ा होना। हिजड़ा होना। स्त्रैण होना। नपुंसक होना। शर्मिला होना।

गत नी जाणणूं।
गत नहीं जानना। स्थिति को न जानना। भविष्य में होने वाली बात को न जानना।

गत का होणूं।
गत के होना। अच्छे ढंग का होना। सुन्दर या बराबरी का होना।

गत खऽ जाणणूं।
गत को जानना। वास्तविकता का पता लगाना।

गत बणाणूं।
गत बनाना। दुर्दशा करना।

गत बजाणूं।
गत बजाना। संगीत की धुन या साज बजाना।

गतकारी बजाणूं।
गतकारी बजाना। लयकारी वा धुन बजाना।

गत को विचार नी करणूं।
गत का विचार नहीं करना। जो हो गया, उसे याद नहीं करना।

गति होणूं (पाणूं)।
गति होना या पाना। मुक्ति पाना। मृत्यु होना। पहुँच पैठ होना।

गति सति करनूं।
गति सति करना। व्यवस्थित करना। मरने के उपरान्त क्रिया-कर्म करना।

गति करनूं।
गति करना या चलना। अग्रसर होना। किसी लक्ष्य की ओर बढ़ना।

गति नी होणूं।
गति न होना। सुस्त होना। किसी काम में सफलता न मिलने का संकेत होना।

गति तेज होणूं।
गति तेज होना। चलने में आगे होना। जल्दी कार्य करने की क्षमता होना।

गदर करणूं (मचाणूं)।
गदर करना या मचाना। हो-हल्ला करना। प्रतिरोध करना। विद्रोह करना। अत्याचार करना। अव्यवस्था फैलाना।

गदरई जाणूं।
गदरा जाना। शरीर भरा-भरा होना। थोड़ा मोटा होना।

गद्दर होणूं।
गद्दर होना। मोटा भरा-भरा शरीर होना।

गद्दर इमली होणूं।
अधपकी इमली होना। सुन्दर भरा-भरा शरीर होना।

गदर होणूं।
गदर होना। क्रान्ति होना। विद्रोह होना। अव्यवस्था होना।

गदरायो फिरणूं।
गदराया फिरना। अपनी मस्ती में फिरना।

गद्-गद् होणूं।
गद्-गद् होना। प्रसन्न होना। सन्तुष्ट होना।

गद् फद् होणूं।
गद-फद होना। हँस-हँसकर ढेर होना।

गद्दी पऽ बठणूं।
गद्दी पर बैठना। उत्तराधिकारी बनना। राजा या प्रमुख बनना।

गद्दी उलटी जाणूं।
गद्दी उलट जाना। राज पलट जाना। सत्ता पर दूसरे का अधिकार हो जाना।

गद्दी देणूं (सौपणूं)।
गद्दी देना या सौंपना। उत्तराधिकारी बनाना।

गद्दी बचाणूं।
गद्दी बचाना। पद या अधिकार की रक्षा करना।

गद्दी को हकदार होणूं।
गद्दी का हकदार होना। पद का उत्तराधिकारी होना। अधिकार होना।

गद्दी छोड़णूं।
गद्दी छोड़ना। राजसिंहासन छोड़ना। पद छोड़ना।

गद्दी पाणूं।
गद्दी पाना। पद या राजसिंहासन पाना।

गद्दी नसीन होणूं।
गद्दी नसीन होना। गद्दी या सिंहासन या मुख्य पद पर बैठना।

गद्दी बाबा की होणूं।
बाबा की गद्दी होना। किसी संत/फकीर/औलिया/राजा की गद्दी होना। समाधि होना।

गधो होणूं।
गधा होना। मूर्ख होना।

गधा चरावणूं।
गधे चराना या मूर्ख। बेकार का काम करना।

गधा घोड़ा एक सरीखा समझणूं।
गधे और घोड़े एक समान समझना। भले और बुरे में अन्तर न करना।

गधा घोड़ा एक करनूं।
गधे घोड़े एक करना। अच्छे-बुरे का भेद न जानना। सबको एक समान समझना।

गधड़ा खऽ बाप बठावणूं।
गधे को बाप बनाना। मूर्ख को सम्मान देना।

गधो बणाणूं।
गधा बनाना। मूर्ख बनाना।

गधा पच्चीसी करणूं।
गधा पच्चीसी करना। व्यर्थ की बकवास करना। किशोर से ऊपर की उम्र होना। बुद्धि कच्ची होना।

गदड़ा को बच्चो होणूं।
गधे का बच्चा होना। महामूर्ख होना।

गधो निकलणूं।
गधा निकलना। मूर्ख निकलना।

गधो समझणूं (मानणूं)।
गधा समझना या मानना। मूर्खता का विश्वास करना।

गधा का सींग निकलणूं।
गधे के सींग निकलना। असम्भव। विचित्र बात होना। अजूबा होना।

गधा को पिंजरी खाणूं।
गधे का पिंजरा खाना। मूर्ख व्यक्ति को ऊँचा पद मिलना। अपात्रों को सुविधा मिलना।

गनीमत होणूं।

गनीमत होना। अच्छा सुअवसर या सुयोग होना। हानि होते-होते बच जाना।

गप मारनूं (उड़ावणूं)।
गप मारना या उड़ाना। झूठी बात फैलाना या कहना।

गप करी जाणूं।
गप करी जाना। खा जाना। बेईमानी करना।

गप-गप खाणूं।
गप-गप खाना। जल्दी-जल्दी खाना।

गप लड़ावणूं।
गप लड़ाना। फालतू बातें करना। फाँकना।

गप्प निकलणूं।
गप निकलना। अफवाह होना। असत्य सिद्ध होना।

गप्प हांकणूं।
गप्प हाँकना। बहुत झूठी-झूठी बातें करना।

गप्पा मारनूं।
गप्पा मारना। झूठ बोलना। कपोल-कल्पित बोलना। फालतू बातें करना।

गपशप करनूं (सुनणूं)।
गपशप करना या सुनना। आपस में अप्रासंगिक बातें करना। मनोविनोद की बातें करना या सुनना।

गपागप उड़ाणूं (खाणूं)।
गपागप खाना या उड़ाना। जल्दी-जल्दी पेट भरना। बिना पेट के ध्यान रखे खाना।

गपड़ चौत करनूं।
गपड़ चौथ करना। अव्यवस्था करना। बेकार की बातें करना। बेईमानी करना।

गपोड़ाबाजी करणूं।
गपोड़ाबाजी करना या झूठी। बेकार की बातें करना। ढींग हाँकना।

गपोड़ाबाज होणूं।
गपोड़ाबाज होना। झूठा होना। केवल ऊँची-ऊँची बातें करने वाला होना।

गफलत मऽ होणूं।
गफलत में होना। गलतफहमी में होना। असमंजस में होना।

गपड़-चपड़ होणूं।
गपड़-चपड़ होना। सफाई और पवित्रता का ध्यान न रखना। स्वार्थी व्यक्ति होना। इधर-उधर लगाने वाला होना।

गफलत मऽ होणूं।
गफलत में होना। गलतफहमी में होना। असमंजस में होना।

गफ होणूं।
गफ होना। अच्छा, भरा हुआ कपड़ा होना।

गबड्डी लगावणूं।
गबड्डी लगाना। दौड़ लगाना। दौड़ जाना।

गबरू होणूं।
गबरू होना। अच्छा, मोटा-ताजा होना। गबरू जवान।

गम खाणूं।
गम खाना। धैर्य रखना। शान्त रहना। क्षमा करना। सब्र करना।

गम गलत करनूं।
गम गलत करना। दु:ख भुलाना। नशा करना।

गम उठावणूं।
गम उठाना। दु:ख सहन करना।

गम को मारेल होणूं।
गम का मारा होना। अधिक दु:खी होना।

गम की पोटळई बांधणू (खोलणूं)।
गम की पोटली बाँधना या खोलना। दु:खों को सहते जाना। दु:खों का किसी के आगे जिक्र करना। दु:ख सुनाना।

गम मऽ डूबणूं।
गम में डूबना। भारी दुःख में जाना।

गम की दवा देणूं।
गम की दवा देना। दुःख से बचने का उपाय बताना।

गयो बीत्यो होणूं।
गया–बीता होना। किसी काम का न होना। निकृष्ट।

गयाजी जाणूं।
गयाजी जाना। गया नामक तीर्थ में जाकर पूर्वजों का अन्तिम श्राद्ध करना।

गयरो हात मारनूं।
गहरा हाथ मारना। बहुत बड़ी चोरी करना। बहुत माल उड़ाना या हड़पना।

गयरी घुटणूं।
गहरी घुटना। घनिष्ट मित्रता होना।

गयरो पेट राखणूं।
गहरा पेट रखना। गम्भीरता रखना। सबकी बातें हजम करने वाला होना।

गयो वक्त हात नी आवणूं।
गया वक्त हाथ नहीं आना। अवसर चूक जाने पर फिर न मिलना।

गयो गुजर्‌यो होणूं।
गया गुजरा होना। बुरा, तुच्छ, हीन होना।

गयी लछमी वापस नी आवणी।
गयी लक्ष्मी वापस न आना। पास से चले गये धन का फिर न मिलना।

गयी इज्जत बड़ी मुस्किल मऽ मिलनूं।
गयी इज्जत बहुत मुश्किल में मिलना। एक बार इज्जत चली जाय तो फिर से इज्जत या विश्वास जमाने में बहुत समय लगता है।

गरज गूत्यो होणूं।
गरज गूत्या होना। स्वार्थमन्द होना। मतलबी होना।

गरज पड्या पऽ पास आवणूं।
गरज पड़ने पर पास आना। आवश्यकता पड़ने पर ही किसी के पास जाना। मतलब पर आना।

गरज गाठणूं।
गरज गाँठना। मतलब निकालना।

गरज पड़णऽ पऽ गधा कऽ भी बाप बणाणूं।
गरज पड़ने पर गधे को बाप बनाना। अपना मतलब निकालने के लिए सबसे रिश्ते बनाना अथवा खुशामद करने को तैयार होना।

गरज अंधो होणूं।
गरज अंधी होना। गरजमन्द आदमी हमेशा विवेकहीन हो विवेकशून्य हो जाता है।

गरज राखणूं।
गरज रखना। सम्बन्ध रखना। सम्पर्क बनाये रखना।

गरम करनूं।
गरम करना। क्रोध दिलाना। काम के लिए उत्साहित करना।

गरम होणूं।
गरम होना। क्रोधित होना। रुष्ट होना।

गरमी छाटणूं (छटना)।
गरमी छाँटना या छँटना। घमण्ड दूर करना।

गरमागरमी होणूं।
गरमागरमी होना। बहस होना। जोश में आना। शीघ्रता से, उत्साह से।

गरदन फँसणूं।
गर्दन फँसना। अनिच्छा से जिम्मेदारी में पड़ना।

गरदन उठाना।
गर्दन उठाना। सिर उठाना। विरोध करना।

गरदन पऽ छुरी फेरनूं।
गर्दन पर छुरी फेरना। गला काटना। हानि पहुँचाना। दुःखी या तंग करना।

गरदन पकड़ी नऽ कराड़णूं।
गर्दन पकड़कर कराना। दबाव डालकर या जबर्दस्ती कराना।

गरदन पऽ हाथ डालनूं।
गर्दन पर हाथ डालना। बेइज्जत करना। प्रेम दिखाना।

गरदन हिलाणूं।
गर्दन हिलाना। इन्कार करना। मना करने का संकेत होना।

गरदन मरोड़णूं।
गर्दन मरोड़ना। गला दबाना। मार डालना।

गरदन पऽ बोझो होणूं।
गर्दन पर बोझ होना। बुरा लगना। सिर पड़ना।

गरदन पऽ सवार होणूं।
गर्दन पर सवार होना। पीछा न छोड़ना।

गरदन पऽ जुंओ रखणूं।
गर्दन पर जुआ रखना। जिम्मेदारी सौंपना।

गरदन झुकाणूं।
गर्दन झुकाना। दासता स्वीकार करना। अधीन होना।

गरदन काटणूं।
गरदन काटना। सिर धड़ से अलग करना।

गरदन कटाणूं।
गरदन कटाना। शहीद होना। देश पर प्राणोत्सर्ग करना।

गरदन ऐंठणूं।
गरदन ऐंठना। गर्दन अकड़ जाना। गला घोंटना।

गरदन ऐंठी रयणूं।
गर्दन ऐंठी रहना। सदैव अकड़कर रहना।

गरदन अकड़णूं।
गर्दन अकड़ना। घमण्ड में रहना।

गरदन टेड़ी करणूं।
गर्दन टेढ़ी करना। किसी बात को न मानना। अवमानना करना।

गरीबी आणूं।
गरीबी आना। दरिद्रता आना।

गर्क करनूं।
गर्क करना। नाम डुबाना। पतन की ओर जाना।

गरद उड़णूं।
गर्द उड़ना। धूल उड़ना। नष्ट होना। धूल में मिलना।

गरद झाड़णूं।
गर्द झाड़ना। धूल साफ करना। ऐसा मारना, जिसका असर न होना।

गरद फांकणूं।
गर्द फाँकना। धूल खाना। नष्ट होना। नाचीज होना।

गलती करनूं।
गलती करना। चूक करना।

गली जाणूं।
गल जाना। खर्च हो जाना। पिघल जाना।

गळो काटनूं।
गला काटना। मार डालना। सिर धड़ से अलग होना। बहुत कष्ट देना, अहित करना। नुकसान पहुँचाना।

गळो घोटणूं (दबाणूं)।
गला घोटना या दबाना। मार डालना।

गळो छुड़ाणूं।
गला छुड़ाना। पिण्ड छुड़ाना।

गळो फुसणूं (फसाणूं)।
गला फँसना या फसाना। विवश होना या करना।

गळो फाड़णूं।
गला फाड़ना। जोर-जोर से चिल्लाना। शोर करना।

गळो रेतणूं।
गळा रेतना। छुरी या तलवार गले पर घिस-घिसकर गला काट देना।

गळी को कुत्तो होणूं।
गली का कुत्ता होना। निराश्रित या लावारिस होना।

गळी-गळी घूमणूं (छानणूं)।
गली-गली घूमना या छानना। सब जगह फिरना।

गळी-गळी मऽ मार्‌यो-मार्‌यो फिरनूं।
गली-गली में मारा-मारा फिरना। बहुत परेशानी में घूमना। बिना कामकाज के इधर-उधर घूमना। दुःखी होना।

गली-गली झांकणूं।
गली-गली में झाँकना। इधर-उधर घूमना। बेकार परेशान होना।

गली निकालणूं।
गली निकालना। बेचने की सुविधा सोचना। उपाय सोचना।

गलानि से भरी उठणूं।
ग्लानि से भर उठना। दुखी होना। पश्चाताप करना।

गळा का नीच्च उतरनूं।
गले के नीचे उतरना। समझ में आना।

गळा को फन्दो होणूं।
गले का फन्दा होना। मुसीबत में फँसना। झंझट या समस्या होना।

गळा का हार होणूं।
गले का हार होना। अधिक प्रिय होना।

गळा की हड्डी होणूं।
गले की हड्डी होना। बदनामी का कारण होना।

गळा पड़णूं।
गले पड़ना। न चाहने पर भी पीछे लगना।

गळा बंधणूं (बांधणूं)।
गले बंधना या बाँधना। जबरन साथ होना। विवाह करना या कराना।

गळा मऽ घंटी बांधणूं।
गले में घंटी बाँधना। कठिन से कठिन काम करना।

गळा लगाणूं।
गले लगाना। प्रेम करना। अपनाना।

गवारा करनूं।
गवारा करना। सहन या स्वीकार करना।

गवाह देणूं।
गवाह देना। अदालत में घटना का विवरण प्रस्तुत करना।

गवाही देणूं।
गवाही देना। अदालत में घटना का सच्ची बात कहना।

गवाह चुस्त मुद्दई सुस्त होणूं।
गवाह चुस्त मुद्दई सुस्त होना। सम्बन्धित व्यक्ति की बजाय दूसरों का अधिक उत्साहित होना।

गश खाणूं।
गश खाना। चक्कर आकर गिर पड़ना। मूर्च्छित होना। अचेत होना। बेहोश होना।

गश्त लगाणूं।
गश्त लगाना। बराबर घूमना। रात में चौकीदारी करना।

गहराई मऽ उतरनूं (जाणूं)।
गहराई में उतरना या जाना। गम्भीरता से विचार करना। वास्तविकता जानना।

गहरी चाल चलनूं।
गहरी चाल चलना। अधिक छल कपट करना।

गहरी नींद सोणूं।
गहरी नींद सोना। चिन्ता रहित सोना। बेफिक्र सोना। मृत्यु को प्राप्त होना।

गहरी बात होणूं।
गहरी बात होना। भेद या रहस्य की बात होना।

गाकर सेंकणूं।
गाकड़ सेंकना। कण्डों पर बाटी सेकना। आटे की मोटी रोटी सेंकना।

गागर मऽ सागर भरनूं।
गागर में सागर भरना। थोड़े शब्दों में अधिक बात करना।

गागर भरनूं।
गागर भरना। जल से मिट्टी का घड़ा भरना। कलश भरना।

गाजर मूळी की तरह काटणूं।
गाजर मूली की तरह काटना। सरलता से कत्ल करना। बिना भय के कत्ल करना।

गाजर मूळी समझणूं।
गाजर मूली समझना। तुच्छ समझना। कमजोर समझना।

गाटला पणा करनूं।
गाटलापन करना। जिद्दीपन करना। मन में कोई बात रखना।

गाल बजावणूं।
गाल बजाना। ढींग हाँकना। बढ़-चढ़कर बातें करना।

गाल फुलाणूं।
गाल फुलाना। गुस्सा होना। भय दिखाना।

गाल पिचकणूं।
गाल पिचकना। दुबला होना। सूख जाना।

गाळ लाल होणूं।
गाल लाल होना। लज्जा या गुस्सा होना। चेहरा तमतमा जाना। पुष्ट होना। सुन्दर होना।

गाळ देणूं।
गाल देना। गालियाँ देना।

गाळ देणूं।
गाल देना। छान देना।

गालणो लगावणूं।
गाल ना लगाना। पानी छानना।

गाळो बांधणूं।
गाला बाँधना। शिकार के लिये मंच बाँधना।

गालई खाणूं।
गालियाँ खाना। दुर्वचन सुनना, गाली सुनना।

गाळी गलौच करनूं।
गाली गलौच करना। परस्पर गाली देना। लड़ाई-झगड़ा करना।

गाली पड़णूं।
गाली पड़ना। खराब काम करने पर दूसरों से गाली सुनना।

गाळई नऽ पऽ उतरणूं।
गालियों पर उतरना। गालियाँ देने लगना। गन्दे शब्दों का उपयोग करने लगना।

गालई गावणूं।
गाली गाना। स्त्रियों का शादी में समधियों को गीत में गालियाँ सुनाना। जिन्हें सुनकर कोई बुरा नहीं मानता। एक परम्परा का निर्वाह होना।

गाढ़ी छननूं।
गाढ़ी छनना। गहरी मित्रता होना। भांग छानना।

गाढ़ी कमाई होणूं।
गाढ़ी कमाई होना। खूब मेहनत की कमाई होना।

गाढ़ा दिन चलणूं।
गाढ़े दिन चलना। विपत्ति या संकट के दिन चलना।

गाद जमणूं।
गाद जमना। कीचड़ जमना।

गायब होणूं।
गायब होना। लुप्त होना।

गायब करनूं।
गायब करना। चुरा लेना।

गार गिरनूं।
गार गिरना। ओले गिरना।

गारो मचाणूं।
गारा मचाना। मिट्टी को गीलाकर मिलाना। एकमेक करना।

ग्राहक पटाणूं।
ग्राहक पटाना। खरीदने वाले को राजी करना।

ग्राहकी कम होणूं।
ग्राहकी कम होना। दुकान पर खरीददारों का न आना।

गिटपिट करनूं।
गिटपिट करना। टूटी फूटी अंग्रेजी बोलना।

गिनती का होणूं।
गिनती के होना। बहुत कम लोग होना।

गिनती होणूं।
गिनती होना। संख्या जानना।

गिनती मऽ आवणूं।
गिनती में आना। सम्मिलित होना।

गिरगिट की सईं रंग बदलणूं।
गिरगिट की तरह रंग बदलना। कभी कुछ, कभी कुछ बन जाना।

गिरह को खाणूं।
गिरह का खाना। स्वयं की गाँठ से खर्च करना।

गिरफ्त मऽ होणूं।
गिरफ्त में होना। कैद कर लेना। वश में करना।

गीत गावणूं।
गीत गाना। प्रशंसा करना।

गीदड़ भपकी देणूं।
गीदड़ भपकी देना। फालतू डराना। केवल डराना।

गीदड़ बोलणूं।
गीदड़ बोलना। अपशकुन होना।

गुजरी जाणूं।
गुजर जाना। मर जाना।

गुट बणानूं।
गुट बनाना। मिल-जुलकर काम करना। एक समान विचार वाले मिलना।

गुड़ गौबर करणूं (होणूं)।
गुड़ गोबर करना या होना। बना काम बिगाड़ना या बिगड़ना।

गुड्डे-गुड़ियों का याव होणूं।
गुड्डे-गुड़ियों का विवाह होना। बच्चों का खेल। बाल विवाह होना।

गुड़ मज चीटा लगणूं (होणूं)।
गुड़ में चीटे लगना या होना। आकर्षक व्यक्ति की ओर खिंचाव होना। मिठास में ही चीटियाँ लगती हैं।

गुड़ मऽ मरनऽ वाळा खऽ जयर देणूं।
गुड़ से मरने वाले को जहर देना। सरलता से होने वाले कार्य के लिये शक्ति का प्रयोग करना।

गुड़िया को खेल होणूं।
गुड़िया का खेल होना। सरल काम होना।

गुड़ खाणूं नऽ गुलगुला सी परेज करनूं।
गुड़ खाना गुलगुले से परहेज करना। एक ही प्रकार का एक काम तो करना पर दूसरे से बचना।

गुण गावणूं।
गुण गाना। प्रशंसा करना।

गुण की खान होणूं।
गुण की खान होना। अत्यधिक गुण होना।

गुतावणूं।
गुताना। कहीं किसी काम में फँस जाना। अटक जाना। नहीं पहुँचना।

गुत्थम गुत्था होणूं।
गुत्थम गुत्था होना। एक दूसरे से भिड़ जाना। हाथापाई करना।

गुत्थी सुलझाणूं।
गुत्थी सुलझाना। समस्या का हल करना। रहस्य मालूम करना। कठिन कार्य पूरा करना। कार्य मार्ग निकलना।

गुद-गुदी करनूं (होणूं)।
गुद-गुदी करना या होना। किसी के कोमल अंगों को सहलाना। मन में प्रसन्नता होना या पैदा करना।

गुदड़ी को लाल होणूं।
गोदड़ी का लाल होना। बुरे स्थान में उत्तम वस्तु या

व्यक्ति का होना। गरीब घर में प्रतिभाशाली व्यक्ति होना।

गुना करनूं।
गुनाह करना। अपराध करना।

गुपगुप काम करणूं।
गुपचुप काम करना। छिपाकर चुपचाप काम करना।

गुफा मऽ जाणूं।
गुफा में जाना। अंधेरी भीतरी जगह में जाना।

गुबार निकालणूं।
गुबार निकालना। भड़ास निकालना। मन का आक्रोश निकालना।

गुम करणूं (होणूं)।
गुम करना या होना। छिपाना या चुराना। गायब होना या चोरी हो जाना।

गुमराह होणूं।
गुमराह होना। बुरे रास्ते पर चलना। भटक जाना।

गुमनाम होणूं।
गुमनाम होना। बेनामी के अंधेरे में होना। अप्रसिद्ध होना। छिपा हुआ होना।

गुमसुम होणूं।
गुमसुम होना। सुस्त या चुपचाप होना।

गुमान करनूं (होणूं)।
गुमान करना या होना। घमण्ड करना या होना।

गुर बताणूं (सिखाणूं)।
गुर बताना या सिखाना। सरल उपाय बताना।

गुर जानणूं।
गुर जानना। सरल उपाय जानना।

गुरु मंत्र देणूं।
गुरु मंत्र देना। सफलता का रहस्य सिखाना।

गुरु घंटाल होणूं।
गुरु घंटाल होना। चतुर होना। धूर्त होना।

गुरु होणूं।
गुरु होना। चतुर या धूर्त होना। उस्ताद होना। जानकार होना।

गुर्गो होणूं।
गुर्गा होना। चमचा या पक्षधर। खुशामदी होना।

गुर्दो होणूं।
गुर्दा होना। साहस होना।

गुर्दावालो होणूं।
गुर्देवाला होना। हिम्मत वाला होना।

गुर्राणूं।
गुर्राना। डराना या धमकी देना। गुस्सा होना।

गुल खिलाणूं।
गुल खिलाना। विचित्र या अनूठा काम करना।

गुल गपाड़ा करनूं।
गुलगपाड़ा करना। फालतू बात करना। हल्ला करना।

गुलछर्रा उड़ावणूं।
गुलछर्रा उड़ाना। मौजमस्ती करना।

गुलाम होणूं।
गुलाम होना। दासता स्वीकार करना।

गुल्ली डंडा खेलणूं।
गुल्ली डंडा खेलना। गाँव का एक खेल। बेकार रहना।

गुस्सो उतारनूं (निकालणूं)।
गुस्सा उतारना या निकालना। किसी पर गुस्सा करना।

गुस्सो काफूर होणूं।
गुस्सा काफूर होना। गुस्सा एकदम उतर जाना।

गुस्सो थूकी देणूं।
गुस्सा थूक देना। क्रोध शान्त होना। वश में करना।

गुहार लगाणूं।
गुहार लगाना। सहायता के लिये पुकारना।

गूंगे का गुड़ होणूं।

गूंगे का गुड़ होना। स्वाद का वर्णन न कर पाना। अवर्णनीय विषय।

गूं मूत करणूं।
गूं मूत करना। घृणित या निंदित कार्य करना।

गूं मऽ मुंह मारनूं।
गूं में मुँह मारना। गन्दे कार्य करना। नीच या अतिनिन्दित कार्य करना।

गूं को कीड़ो होणूं।
गूं का कीड़ा होना। अत्यन्त निकृष्ट या गन्दा होना।

गूं उछालणूं।
गूं उछालना। गंदगी फेंकना। कलंक लगाना।

गूलर को फूल होणूं।
गूलर का फूल होना। दुर्लभ वस्तु होना।

गृहस्थी चलाणूं।
गृहस्थी चलाना। परिवार पालना।

गेहूं का साथ घुन पिसणूं।
गेहूँ के साथ घुन पिसना। अपराधी के साथ-साथ निरपराध को भी दण्ड मिलना।

गैबी गोळो गिरनूं।
गैबी गोला गिरना। आकाशीय प्रकोप होना। ईश्वरीय कोप होना।

गैल मऽ फिरनूं।
गैल में घूमना। गली में भ्रमण करना।

गोटी बठाणूं।
गोटी बिठाना। मतलब निकालने का उपाय करना।

गोटी फिट होणूं।
गोटी फिट होना। युक्ति सफल होना।

गोड़ उखड़णूं।
गोड़ उखड़ना। पैर उखड़ना। आधार खत्म होना।

गोता खाणूं।
गोता खाना या डूबना। धोखे में जाना।

गोतो लगाणूं।
गोतो लगाना। अनुपस्थिति होना।

गोद जाणूं।
गोद जाना। दत्तक पुत्र होना।

गोद लेणूं।
गोद लेना। दत्तक पुत्र लेना।

गोद भरनूं।
गोद भरना। सन्तान होना।

गोद सूनी होणूं।
गोद सूनी होना। सन्तान न होना। बच्चा मर जाना।

गोद मऽ बठणूं।
गोद में बैठना। अंक में बैठना। मिल जाना। शरण लेना। सुविधा बनाना।

गोबर गणेश होणूं।
गोबर गणेश होना। महामूर्ख होना।

गोबर करनूं।
गोबर करना। काम खराब करना। बिगाड़ना।

गोबर खाणूं।
गोबर खाना। गन्दे काम करना।

गोरख धन्धा करणूं।
गोरख धन्धे करना। उल्टे सीधे काम करना। रहस्यमय काम करना।

गोळ करी जाणूं।
गोल कर जाना। नागा कर देना। छोड़ देना।

गोल-गोल वात करणूं।
गोल-गोल बात करना। स्पष्ट उत्तर न देना।

गोल मटोल होणूं।
गोल मटोल होना। मोटा होना।

गोलमाल करनूं।
गोलमाल करना। हिसाब में गड़बड़ी करना।

ग

गोलबन्द होणूं।
गोलबन्द होना। संगठित होना। गिरोह का मुखिया होना।

गोली मारनूं।
गोली मारना। ध्यान न देना।

गोली खाणूं।
गोली खाना। बन्दूक की गोली लगना। दवाई गोली खाना।

गोलोक वासी होणूं।
गोलोकवासी होना। मर जाना। स्वर्गीय होना।

गोश्त चढ़णूं।
गोश्त चढ़ना। मोटा होना।

गौनो करनूं।
गौना करना। विवाह के बाद पहली बार वधू को ले जाना- एक परम्परा।

गौर करनूं।
गौर करना। ध्यान देना। विचार करना।

ग्रह अच्छा होणूं।
ग्रह अच्छे होना। शुभ या अनुकूल समय होना।

ग्रहण लगणूं।
ग्रहण लगना। दबोच लेना। बुरे समय का फल होना। दुर्दशा प्रारम्भ होना।

ग्रह करऽ ऊ बैरी नी करऽ।
ग्रह जो करे वह दुश्मन भी न करे। ग्रहों का प्रभाव दुश्मन से भी अधिक है।

ग्रह नऽ को फेर होणूं।
ग्रहों का फेर होना। प्रतिकूल समय होना। समय अच्छा न होना। बुरे ग्रहों का प्रभाव होना।

ग्रास बणनूं।
ग्रास बनना। नष्ट होना। विपत्ति में पड़ना। शिकार होना।

ग्राहक टूटणूं।
ग्राहक टूटना। धन्धा ठप्प होना। व्यापार में हानि होना।

घ

घट-घट वासी होणूं।
घट-घट वासी होना। प्रत्येक जीव या वस्तु में होना। अन्तर्यामी होना।

घट-घट मऽ होणूं।
घट-घट में होना। हर व्यक्ति के अन्तर में होना।

घटना होणूं।
घटना होना। कोई बात हो जाना।

घट मऽ बसणूं (बसाणूं)।
घट में बसना या बसाना। हृदय में रहना। दिल में जगह देना।

घटको लगणूं।
घटका लगना। मरते समय गला रुंध जाना।

घटी जाणूं।
घट जाना। कम हो जाना।

घटाव करणूं।
घटाव करना। कम से कम होते जाना। ऋण करना।

घड़ी गिणणूं।
घड़ी गिनना। पल-पल का जीवन होना। मृत्यु के समीप पहुँचना। बाट जोहना।

घड़ी-घड़ी बोलणूं।
घड़ी-घड़ी बोलना। बार-बार बोलना।

घड़ी भर को मिजवान होणूं।
घड़ी भर का मेहमान होना। थोड़ी देर जीना। मृत्यु के पास पहुँचना।

घड़ी बठाड़णूं।
घड़ी बैठाना। ठीक कर देना। वश में करना।

घड़ी दुई घड़ी।
घड़ी दो घड़ी। थोड़ी देर।

घड़ी सिलावणूं।
घड़ी मिलाना। समय मिलाना। समय के साथ चलना।

घड़ा पाणी पड़णूं।
घड़ा पानी गिरना। अत्यधिक लज्जित होना।

घनघोर वर्षा होणूं।
घनघोर वर्षा होना। अत्यधिक बारिश होना।

घनघोर वादळ छावणूं।
घनघोर बादल छाना। काले पानी भर बादलों का आसमान में जमावड़ा होना।

घनचक्कर होणूं।
घनचक्कर होना। व्यर्थ घूमने वाला। मूर्ख।

घन्नाटो आवणूं।
घन्नाटा आना। चक्कर आना।

घपलो होणूं (करणूं)।
घपला होना या करना। कोई न कोई आर्थिक गड़बड़ी होना या करना।

घपला मऽ पड़णूं।
घपले में पड़ना। चक्कर में पड़ना। गड़बड़ में रहना।

घपला बाजी करणूं।
घपलेबाजी करना। गोलमाल करना। गड़बड़ी करना।

घमंड करनूं।
घमण्ड करना। अभिमान में रहना। अपने आपको श्रेष्ठ समझना।

घमाघमी होणूं।
घमाघमी होना। खूब चहल-पहल होना।

घमासाण मचाणूं (करनूं)।
घमासान मचाना या करना। भारी युद्ध करना। लड़ाई-झगड़ा करना।

घर समझणूं।
घर समझना। घर में बेतुकल्लुफ आना-जाना। अपना घर समझना।

घर करी लेणूं।
घर कर लेना। जमकर रह जाना। दूसरा विवाह (नातरा) कर लेना।

घर की वात होणूं।
घर की बात होना। आपस की बात होना। छिपी हुई बात होना।

घर बिगाड़णूं।
घर बिगाड़ना। गृहस्थी में अशान्ति उत्पन्न करना।

घर बिगाड़ू।
घर बिगाड़ना। घर को छिन्न-भिन्न करने वाला, तोड़ने वाला।

घर फोड़णूं।
घर फोड़ना। परिवार में फूट डालना।

घर उजड़णूं (उजाड़णूं)।
घर उजड़ना या उजाड़ना। परिवार, सम्पत्ति आदि नष्ट होना। घर तितर-बितर होना। घर को नष्ट कर देना।

घर को होणूं।
घर का होना। स्वयं का होना। अपना, पति, स्वामी।

घर को बेस होणूं।
घर का बेस होना। आर्थिक आधार मजबूत होना।

घर को उजाळो होणूं।
घर का उजाला होना। कुलदीपक होना। बहुत प्रतिभाशाली होना।

घर को बन्दम होणूं।
घर का आदमी होना। परिवार का, वंश का, बहुत निकट, बहुत विश्वसनीय होना।

घर को दिवाळो होणूं।
घर का दिवाला होना। आर्थिक हालत अत्यन्त कमजोर होना। पास में एक पैसा न रहना। कर्जदार हो जाना।

घर को काटणऽ दवड़णूँ।
घर का काटने दौड़ना। घर का सूनापन या अकेलापन भयानक लगना।

घर को न घाट को रयणूं।
घर का न घाट का रहना। कहीं का न रहना।

घर को बोझो उठावणूं।
घर का बोझ उठाना। गृहस्थी का खर्च या कार्य स्वयं करना।

घर को रस्तो मापणूं।
घर का रास्ता मापना। अपने काम से काम रखना, चले जाना।

घर को नाव डुबाड़णूं।
घर का नाम डुबाना। कुल, परिवार को कलंकित करना।

घर को नाव रोशन करनूं।
घर का नाम रोशन करना। कुल, परिवार का यश बढ़ाना। कीर्ति बढ़ाना।

घर को घर मऽ रयणूं।
घर का घर में रहना। मूलधन यथावत रहना। लाभ-हानि कुछ भी नहीं होना।

घर को भादर होणूं।
घर का बहादुर होना। सुरक्षित स्थान पर ढींग हाँकने वाला होना।

घर को भेदी लंका ढाये।
घर का भेदी लंका ढाये। अपने वालों के रहस्य बताने से भारी नुकसान होना। छिपा हुआ भेद दूसरों को बताने वाला होना।

घर को नाम उछाळणूं।
घर का नाम उछलना। यश कमाना। अपयश कमाना।

घर की खेती होणूं।
घर की खेती होना। स्वयं के यहाँ पैदा होने वाली वस्तु।

घर की पूंजी होणूं।
घर की पूँजी होना। स्वयं का पैसा होना।

घर को घुस्सू होणूं।
घर घुस्सू होना। घर में बैठे रहने वाला होना।

घर खऽ घर नी समझणूं।
घर को घर नहीं समझना। घर-परिवार में अपनापन न महसूस करना।

घर खऽ घरज रयणऽ देणूं।
घर को घर ही रहने देना। घर-परिवार को बहुत सस्ता या बाजार न बनने देना। घर की एक मर्यादा होना।

घर खऽ आग लगावणूं।
घर को आग लगाना। घर-परिवार को नष्ट कर देना। समाप्त कर देना।

घर खऽ फणा करी देणूं।
घर को फ़ना कर देना। बुरे कामों से घर-परिवार को तबाह कर देना।

घर खऽ भरनूं।
घर भरना। अपनी सम्पत्ति बढ़ाना। हो हल्ले से घर को भर देना।

घर खऽ कई नी समझणूं।
घर को कुछ नी समझना। घर-परिवार की कोई बात न मानने वाला होना।

घर को अच्छो होणूं।
घर का अच्छा होना। धनवान परिवार का होना।

घर को कमजोर होणूं।
घर का कमजोर होना। घर-परिवार की आर्थिक सामाजिक स्थिति मजबूत न होना।

घर खऽ माथा पऽ उठावणूं।
घर को माथे पर उठाना। पूरे परिवार को अपने कामों से परेशान कर देना।

घर-घर होणूं।
घर-घर होना। सब घरों में समान घटनाएँ होना।

घर धकावणूं।
घर धकाना। घर-परिवार को बड़ी मुश्किल से चलाना।

घर नऽ घाट एक करनूं।
घर और घाट एक करना। घर में बखेड़ा करना। अथक प्रयत्न करना।

घर जमणूं (जमाणूं)।
घर जमना या जमाना। गृहस्थी का समस्त सरन्जाम जुटना या जुटाना।

घर छोड़णूं।
घर छोड़ना। घर की सुरक्षा का प्रबन्ध करना। घर का त्याग करना।

घर तक पहुँचणूं (पहचाणूं)।
घर तक पहुँचना या पहुँचाना। माँ-बहन की गालियाँ देना। घर की प्रतिष्ठा पर आँच लगाना। लगना।

घर देखणूं।
घर देखना। घर की रखवाली करना।

घर ताकणूं।
घर ताकना। किसी का अहित करना।

घर फेकी देणूं।
घर फूँक देना। घर-परिवार का धन व्यर्थ उजाड़ देना।

घर बन्द होणूं।
घर बन्द होना। घर में कोई न होना।

घर बणणूं।
घर बनना। बहुत लाभ होना।

घर बरबाद होणूं।
घर बर्बाद होना। परिवार या सम्पत्ति नष्ट होना।

घर बसाणूं।
घर बसाना। विवाह करके घर की व्यवस्था ठीक करना।

घर-बार होणूं।
घर-बार होना। रहने का स्थान ठौर-ठिकाना होना। स्त्री, बाल-बच्चे होना।

घरबारी होणूं।
घरबारी होना। बाल-बच्चेदार होना।

घर बठणूं।
घर बैठना। कोई काम न करना। बेकार होना।

घर बट्ठऽ मिलणूं।
घर बैठे मिलना। बिना प्रयत्न के मिल जाना।

घर बठऽ गंगा को आवणूं।
घर बैठे गंगा का आना। बिना परिश्रम के मनवांछित मिल जाना।

घर बठऽ रोटी मिलणूं।
घर बैठे रोटी मिलना। फोकट में खाना-पीना मिलना। बिना श्रम-धन्धे के जीवन चलना।

घर बठऽ सब काम करनूं।
घर बैठे सब काम करना। कहीं न जाते हुए घर में ही सभी कामों का हो जाना।

घर खऽ खोवणूं।
घर का खोना। घर-परिवार में आपसी मनमुटाव होना। वैमनस्य होना।

घर जळावणूं।
घर जलाना। घर-परिवार की प्रतिष्ठा को नष्ट कर देना। धन-सम्पत्ति उड़ा देना।

घर मऽ आग लगावणूं।
घर में आग लगाना। घर-परिवार में झगड़ा करना।

घर डुबावणूं।
घर डुबोना। घर-परिवार का नाश करना। बर्बाद करना।

घर फूंकी देणूं।
घर फूँक देना। घर की धन सम्पत्ति उजाड़ देना।

घर भरेल होणूं।
घर भरा होना घर सम्पन्न होना। घर में परिवार के अधिक सदस्य होना।

घर जाई नऽ कयणूं।
घर जाकर कहना। घर पर घर के सदस्यों को बात बताना। घर में दूसरे की चुगली करना।

घर मऽ चूल्हो नी बलणूं।
घर में चूल्हा नहीं जलना। घर में भोजन नहीं बनना। पूरा परिवार घर में भूखा होना।

घर मऽ झाड़ू फिरनूं।
घर में झाड़ू फिरना। सारी सम्पत्ति नष्ट होना या करना।

घर मऽ बठई लेणूं।
घर बें बैठा लेना। जबरन घर में पत्नी बनाकर रख लेना।

घर मऽ घुसी जाणूं।
घर में घुस जाना। जबरन किसी के घर में प्रवेश कर जाना। स्त्री का घर में घुसकर किसी पुरुष को पति बना लेना।

घर सिर पऽ उठई लेणूं।
घर सिर पर उठा लेना। बहुत हो-हल्ला करना। समझ न पड़ने देना।

घर सी बेघर होणूं (करणूं)।
घर से बेघर होना या करना। अपना घर-छोड़कर दर-दर भटकना। आजीविका का चला जाना। सिर से आश्रय हट जाना। घर से बाहर करना।

घर सी भायर नी निकळणूं।
घर से बाहर न निकलना। घर में ही बैठे रहना। अनुभवहीन होना।

घर सी पांव निकालणूं।
घर से पैर निकालना। बाहर जाना।

घर सी देणूं।
घर से देना। घाटा उठाना। स्वयं खर्च करना।

घर को मामलो होणूं।
घर का मामला होना। आपस की बात होना।

घर मऽ फूट होणूं।
घर में फूट होना। घर-परिवार में बैर होना।

घर सी अल्लग होणूं (करणूं)।
घर से अलग करना। अपना अलग घर बसना या बसाना।

घर मऽ आग लगऽ जवं कुओ खोदणूं।
घर में आग लगने पर कुँआ खोदना। घर-परिवार पर विपत्ति आने पर बचाव का उपाय सोचना।

घर हिळई देणूं।
घर हिला देना। अत्यधिक शोर करना। अत्यधिक दु:ख तकलीफ देना। परेशान करना।

घर आंगणो एक करनूं।
घर आँगन एक करना। बार-बार घर में आना। बहुत सक्रिय होना।

घर-घर माटी का चूल्हा होणूं।
घर-घर मिट्टी के चूल्हे होना। सबकी एक समान दशा होना।

घर-घर का हुई जाणूं।
घर-घर के हो जाना। कहीं के न रहना। मारे-मारे फिरना।

घर-घर पूजा होणूं।
घर-घर पूजा होना। बहुत आदर-भाव होना।

घर का घर साफ होणूं।
घर के घर में साफ होना। कई घर बर्बाद हो जाना। डूब जाना या जल जाना या महामारी में मर जाना। प्राकृतिक आपदा में घर नष्ट हो जाना।

घर मसाण बणी जाणूं।
घर मसान बन जाना। घर के सारे सदस्य मारे जाना। घर उजाड़ देना।

घर भांय-भांय करणूं।
घर भाँय-भाँय करना। सूनापन लगना या होना।

घर फूंकी नऽ तमासो देखणूँ।
घर फूँककर तमाशा देखना। घर बर्बाद करके मौज करना।

घर बठ्या की दाड़की देणूं।
घर बैठे की मजदूरी देना। बिना श्रम के मिलने वाला धन देना।

घर खड़ो करणूं।
घर खड़ा करना। घर बनाना।

घर मऽ दियो जळाणऽ (बाळणऽ) वाळो नी होणूं।
घर में दिया जलाने वाला न होना। कोई भी वंशज या सन्तान न होना।

घर मऽ हाथी झूलणूं।
घर में हाथी झूलना। खूब सम्पन्नता होना।

घर की मुर्गी दाळ बराबर होणूं।
घर की मुर्गी दाल बराबर होना। अपनी चीज की कोई इज्जत न होना।

घर की लछमी होणूं।
घर की लक्ष्मी होना। कुशल भाग्यवती स्त्री।

घसणूं।
घिसना। रगड़ना। घिसटना। इच्छा के विरुद्ध ले जाना।

घसी-घसी नऽ चलणूं।
घिस-घिसकर चलना। रगड़-रगड़कर चलना।

घसर-फसर करणूं।
घसर-पसर करना। मिलावट करना। बेईमानी करना।

घसई जाणूं।
घिस जाना। थोड़ा भी श्रम न करना। करने की इच्छा भी न होना।

घसण्या से पांय रगड़णूं।
घिसने वाले पत्थर से पैर रगड़ना। पत्थर से पैर का मैल छुड़ाना।

घाट-घाट को पाणी पीणूं।
घाट-घाट का पानी पीना। अनुभवी होना। अनेक स्थानों का ज्ञान होना।

घाट पऽ जाणूं।
घाट पर जाना। किसी की मय्यत के साथ जाना।

घाटा मऽ जाणूं।
घाटे में जाना। किसी के मृत्यु-भोज में शामिल होना।

घाटो उठावणूं (खाणूं या देणूं)।
घाटा उठाना या खाना या देना। आर्थिक या अन्य प्रकार की हानि उठाना। देना।

घाटो सारनूं।
घाटा सारना। खरच काट्टा या दशा कर्म करना।

घाटो भरनूं।
घाटा भरना। हानि को पूरा करना।

घाटा को सौदो होणूं।
घाटे का सौदा होना। हानि देने वाला कार्य होना।

घाटा मऽ आवणूं।
घाटे में आना। हानि या कष्ट में आना।

घाटा मऽ जाणूं।
घाटे में जाना। मृत्यु होने पर दशाकर्म में जाना।

घाई करनूं।
घाई करना। जल्दबाजी करना। जल्दी मचाना।

घाघ होणूं।
घाघ होना। धूर्त या बहुत होशियार होना।

घाघपणा करनूं।
घाघपना करना या धूर्तता करना। बेईमानी करना।

घात लगावणूं (लगणूं)।
घात लगाना या लगना। युक्ति भिड़ाना। नजर लगाये रखना। अवसर मिलना।

घात मऽ रयणूं।
घात में रहना। ताक में रहना। स्वार्थ साधने के अनुकूल अवसर की तलाश में रहना।

घात मऽ बठणूं।
घात में बैठना। छिपकर आक्रमण का अवसर देखना।

घात पऽ घात करनूं।
घात पर घात करना। धोखे पर धोखा देना। चोट पर चोट देना। कष्ट पर कष्ट पहुँचाना।

घात मऽ फिरनूं।

घात में फिरना। अनिष्ट करने के लिए अवसर ढूँढना।

घात चलावणूं।
घात चलाना। मारण मंत्र चलाना। मूठ मारना। जादू-टोना करना।

घात मऽ आवणूं।
घात में आना। मार में आना। प्रभाव में आना। यश में आना।

घाम होणूं।
घाम होना। धूप होना। विपत्ति आना। कष्टप्रद होना।

घाम मऽ निकलणूं।
घाम में निकलना। धूप में निकलना।

घाम खाई जाणूं।
घाम खा जाना। तेज धूप के कारण मुरझा जाना। परेशान हो जाना।

घाम खाणूं।
घाम खाना। जाड़े की धूप में बैठना। सेंकना।

घाम पड़नूं।
घाम पड़ना। तेज धूप होना।

घाम लगणूं।
घाम लगना। लू-लपट लगना। धूप लगना।

घाम सी बचावणूं।
घाम से बचाना। धूप से बचाना।

घाम लगावणूं।
घाम लगाना। धूप बताना। सुखाना।

घाव लगणूं।
घाव लगना। चोट लगना। दु:ख होना। आहत होना।

घाव खाणूं।
घाव खाना। चोट लगना।

घाव करनूं।
घाव करना। बहुत बुरी चोट करना या लगना। बुरा प्रभाव पड़ना।

घाव ताजा होणूं।
घाव ताजा होना। दुष्ट कष्ट फिर से याद आना।

घाव भरनूं (भराणूं)।
घाव भरना या भराना। पुराना शोक समाप्त होना या हो जाना।

घाव हरो होणूं।
घाव हरा होना। भूला हुआ दु:ख फिर से याद हो आना।

घाव पऽ लोण छिड़कणूं।
घाव पर नमक छिड़कना। दु:खी को और अधिक दु:खी करना।

घाव पऽ मलम लगावणूं।
घाव पर मल्हम लगाना। सहानुभूति दिखाना।

घाव लगावणूं (देणूं)।
घाव लगाना या देना। हानि पहुँचाना या कष्ट देना। हृदय में आघात लगाना।

घाव मऽ जहेर भरणूं।
घाव में जहर भरना। दु:खी को और अधिक दु:ख देना।

घायल होणूं।
घायल होना। चोट लगना। हृदय में आघात लगना।

घायल शेर की तरह झपटनूं।
घायल शेर की तरह झपटना। चोट खाए हुए का पलटकर हमला करना।

घायल सांप की तरह बळ खाणूं।
घायल साँप की तरह बल खाना। भीतर ही भीतर तड़पकर रह जाना।

घायल करणूं।
घायल करना। चोट पहुँचाना। दु:खी करना।

घाव पूरणूं।
घाव पूरना। चोट का भर जाना। अच्छा हो जाना। आघात को भूल जाना।

घाव पऽ फायो धरणूं।
घाव पर फाहा रखना। कष्ट में सांत्वना देना।

घाव रिसणूं।
घाव रिसना। घाव पक जाना। घाव से पीव (मवाद) का बहना।

घास काटणूं।
घास काटना। जल्दी-जल्दी बेतरतीब काम करना।

घास खोदणूं (छिलनूं)।
घास खोदना या छिलना। तुच्छ काम करना। समय बेकार करना।

घासफूस समझणूं।
घास-फूस समझना। महत्त्वहीन, तुच्छ समझना।

घिग्घी बंधणू।
घिग्घी बँधना। भय के कारण कुछ भी बोल न पाना।

घिचपिच करनूं।
घिचपिच करना। वस्तुओं को मिला देना। अक्षरों को बहुत पास-पास लिख देना। स्पष्ट न होना।

घिसी देणूं।
घिस देना। परेशान करना।

घिसटणूं।
घिसटना। धीरे-धीरे चलना। धीमी प्रगति होना।

घिस्या-पिट्या होणूं।
घिसा-पिटा होना। पुराना या जीर्ण-शीर्ण होना।

घिसी-पिटी वात नऽ करनूं।
घिसी-पिटी बातें करना। पुरानी बातें दोहराना।

घिस्सू होणूं।
घिस्सू होना। बार-बार एक ही बात को दोहराने वाला होना। कंजूस होना।

घिस्यो घिसायेल होणूं।
घिसा हुआ होना। अनुभवी होना।

घी का दिया बालणूं।
घी के दिये जलाना। प्रसन्नता व्यक्त करना। अधिक सम्पन्न होना।

घी पी-पी नऽ कुप्पो होणूं।
घी पी-पीकर कुप्पा होना। अधिक खा-पीकर मोटा होना। अधिक अमीर होना।

घी ढुल्यो भात मऽ अथवा घी को भात मऽ ढुलणो।
घी गिरा भात में या घी का भात में ढुलना। कोई नुकसान न होना।

घी सी मक्खी जसो निकालणूं।
घी से मक्खी जैसा निकालना। मूल्यवान से बुराई निकाल देना।

घी दूध की नद्दी नऽ बवणूं।
घी दूध की नदियाँ बहना। अत्यधिक सम्पन्नता होना।

घी जसो पिछळनूं।
घी जैसा पिघलना। शीघ्र द्रवित होना। राजी होना।

घी का रेला चलनूं।
घी के रेले चलना। घी का बिखरना। घी की धारियों के निशान बनना।

घी गुड़ चढ़ावणूं।
घी गुड़ चढ़ाना। घी और गुड़ से पूजा करना।

घी को काम करनूं।
घी का काम करना। अग्नि को और अधिक प्रज्ज्वलित करना। बात को और अधिक बढ़ाना।

घी शक्कर होणूं।
घी शक्कर होना। घनिष्ट मित्रता होना।

घी सी हाथ धोवणूं।
घी से हाथ धोना। अत्यधिक सम्पन्न होना।

घुंघरू बांधणूं।
घुँघरू बाँधना। नृत्य के लिए तैयार होना। नर्तकी बनना।

घुंडी खोलणूं।

घुंडी खोलना। मन की बात कहना। भेद बताना।

घुग्घू सईं चुपचाप बठी रयणूं।
घुग्घू सरीखा चुपचाप बैठना। उल्लू की तरह चुपचाप रहना। कुछ न बोलना।

घुटी-घुटी नऽ मरनूं।
घुट-घुटकर मरना। चिन्ता में मरना। परतंत्रता के कारण दुःखी होना।

घुटतो रयणूं।
घुटते रहना। चिन्ता में दुबले होते रहना। क्रोध को दबाये रखना।

घुटना टेकणूं।
घुटने टेकना। दासता स्वीकार करना। हारना।

घुटना टूटणूं।
घुटने टूटना। चलने से लाचार होना। कमजोर होना।

घुटना-घुटना चलनू।
घुटने-घुटने चलना। चलने की कोशिश करना। प्रारम्भिक अवस्था। बचपन होना।

घुटेल होणूं।
घुटेल होना। चालाक। धूर्त होना।

घुट्टी देणूं।
घुट्टी देना। बचपन से आदत बनना।

घुट्टी मऽ पिलाणूं।
घुट्टी में पिलाना। बचपन में सिखाना। जन्म से या वंश परम्परा से।

घुड़की देणूं।
घुड़की देना। धौंस देना। डराना। डाँटना।

घुन लगणूं।
घुन लगना। भीतर ही भीतर सड़ना। भीतर से क्षीण होना।

घुन्नो होणूं।
घुन्ना होना। पेट के भीतर बात रखने वाला। देखने में सीधा, पर स्वभाव में धूर्त होना।

घुमई फिरई नऽ वात करनूं।
घुमा-फिराकर बात करना। कोई बात हेर-फेर से पूछना। धोखा देना। कोई बात सीधे-तरीके से न करना।

घुमई नऽ नाक पकड़नूं।
घुमाकर नाक पकड़ना। किसी बात को सीधे-सीधे न कहना।

घुमाणूं।
घुमाना। टाल देना।

घुली मिली नऽ रयणूं।
घुल-मिलकर रहना। मेल-मिलाप से रहना।

घुळी-घुळी नऽ मरनू।
घुल-घुलकर मरना। बहुत दिनों से कष्ट भोगकर, बीमार होकर मरना।

घुली-मिली जाणूं।
घुल-मिल जाना। घनिष्ट हो जाना।

घुलई-घुळई नऽ मारनूं।
घुला-घुलाकर मारना। बहुत कष्ट देकर मरने के लिए मजबूर करना।

घुली जाणूं।
घुल जाना। कमजोर हो जाना। मिल जाना।

घुसपैठ करनूं।
घुसपैठ करना। सेंध लगाना। चोरी-छिपे प्रवेश करना। घनिष्ठता बढ़ाना।

घुसी जाणूं।
घुस जाना। प्रवेश कर जाना। किसी व्यवस्था को हाथ में ले लेना।

घुसपैठू होणूं।
घुसपैठिया होना। चोरी-छिपे बिना अनुमति किसी जगह घुस जाने वाला होना।

घुंघटो करनूं।
घूँघट करना। शरम या लाज करना। पर्दा करना या मुँह ढँकना।

घूंट-घूंट पीणूं।
घूँट-घूँट पीना। धीरे-धीरे पीना।

घूंटको पी नऽ रई जाणूं।
घूट पीकर रह जाना। सहन करके रह जाना। क्रोध को दबाना। आक्रोश मन के मन में रहना।

घुटकई जाणूं।
घुटका जाना। एकदम से पी जाना।

घूंट भरणूं।
घूँट भरना। थोड़ा। एक साथ। जल्दी पीना।

घूस खाणूं।
घूस खाना। रिश्वत खाना।

घूसो लगावणूं।
घूसा लगाना। मुक्के से मारना।

घूसी नऽ बठणूं।
घुसकर बैठना। छिपे रहना। सामने नहीं आना।

घूमतऽ घामतऽ काम करनूं।
घूमते-घामते काम करना। चलते-फिरते शीघ्र काम करना। बिना परिश्रम। इच्छा से काम करना।

घूमणूं फिरणूं।
घूमना-फिरना। स्वस्थ होना। चलने-फिरने लगना।

घूरी-घूरी नऽ देखणूं।
घूर-घूरकर देखना। गौर से एकटक देखना। शत्रुता के भाव से देखना।

घेर घार करनूं।
घेर-घार करना। किसी कार्य के लिए विवश करना।

घेरो डालणूं।
घेरा डालना। चारों ओर से घेराबन्दी करना।

घेरो तोड़णूं।
घेरा तोड़ना। परिधि तोड़ना। बंधन तोड़ देना। घेरा बन्दी से बाहर होना।

घेराव करनूं।
घेराव करना। किसी कार्य के लिए विवश करना।

घोचू होणूं।
घोंचू होना। मूर्ख होना।

घोटणूं।
घोटना। याद कर लेना। कण्ठस्थ होना।

घोटो लगाणूं।
घोटा लगाना। रटना। भाँग पीसना।

घोटाळो करनूं।
घोटाला करना। आर्थिक गड़बड़ करना। बेईमानी करना।

घोटाळा मऽ पड़णूं।
घोटाले में पड़ना। आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न होना।

घोड़ो दौड़ाणू।
घोड़ा दौड़ाना। खोज-खबर के लिए घुड़सवारों को भेजना।

घोड़ा येची नऽ सोवणूं।
घोड़े बेचकर सोना। निश्चिन्त होकर सोना।

घोड़ा पऽ चढ़ी नऽ आवणूं।
घोड़े पर चढ़कर आना। बहुत जल्दी में होना।

घोड़ा पऽ चढ़णूं (घोड़ी चढ़णूं)।
घोड़े पर चढ़ना या घोड़ी चढ़ना। विवाह होना।

घोड़ा की लगाम थामणूं।
घोड़े की लगाम थामना। नेतृत्व की बागडोर थामना।

घोळी नऽ पी जाणूं।
घोलकर पी जाना। कुछ भी नहीं समझना। अधिकार में लेना। भयभीत करना।

घोळी नऽ पिळई देना।
घोलकर पिला देना। रटा देना। प्रभावित कर लेना। वश में कर लेना।

चकमो देणूं।
चकमा देना। धोखा देना। फाँसना।

चकमो खाणूं।
चकमा खाना। धोखा खाना। बहकावे में आना।

चकणाचूर होणूं (करणूं)।
चकनाचूर होना या करना। चूर-चूर होना। तोड़ डालना।

चक्कर खाणूं।
चक्कर खाना। गश आ जाना। धोखा खाना।

चक्कर मऽ आवणूं।
चक्कर में आना। बहकावे में आना।

चक्कर देणूं।
चक्कर देना। बहाने बाजी करना। परेशान करना। दुखी करना। बार-बार आना जाना।

चक्कर पड़णूं।
चक्कर पड़ना। हिसाब ठीक न बैठना। कमी होना। गलती होना।

चक्कर मऽ पड़नूं।
चक्कर में पड़ना। उलझन में पड़ना। वश में होना।

चक्कर मऽ डालणूं।
चक्कर में डालना। दुविधा में फँसना। आश्चर्य में डालना।

चक्कर मऽ फँसणूं।
चक्कर में फँसना। चंगुल में फँसना।

चक्कर मारनूं।
चक्कर मारना। गोलाई में घूमना। बार-बार आना जाना।

चक्कर पऽ चक्कर आवणूं।
चक्कर पर चक्कर आना। दुविधा में दुविधा आना। उलझन में उलझन आना।

चक्कर आणूं।
चक्कर आना। सिर चकराना या घूम जाना।

चक्करघिन्नी खाणूं।
चक्करघिन्नी खाना। असमंजस में पड़ जाना। कुछ समझ में न आना।

चकराणूं।
चकराना। आश्चर्य में पड़ना।

चकबन्दी करनूं।
चकबन्दी करना। खेतों की हद बाँधना।

चक्की पीसणूं (चलाणूं)।
चक्की पीसना या चलाना। लगातार काम करना। सजा भुगतना।

चक्की मऽ जूतणूं।
चक्की में जूतना। मेहनती काम में फँसना।

चक-चक करनूं।
चक-चक करना। व्यर्थ की बातें करना। बहस करना।

चकर-चकर करणूं।
चकर-चकर करना। व्यर्थ की बातें करना। अनावश्यक बोलना।

चकरी होणूं।
चकरी होना। घूमते ही रहना। जरा भी विश्राम नहीं।

चकत्तो पड़णूं।
चकत्ता पड़ना। चमड़ी पर गोल लाल-लाल निशान पड़ना।

चकाचौंध मऽ पड़णूं।
चकाचौंध में पड़ना। रोशनी में कुछ न दिखाई देना। पैसों का घमण्ड दिखाना।

चक्की पिसवाणूं।
चक्की पिसवाना। जेल भिजवाना। मेहनत का काम कराना।

चक्की चूल्हा की फिकर करनूं।
चूल्हा चक्की की चिन्ता करना। आजीविका चलाने की चिन्ता करना।

चक्की को बैल होणूं।
चक्की का बैल होना। बन्धन में रहकर काम करना।

चक्की का दुई पाटनऽ मऽ पिसणूं।

चक्की के दो पाटों के बीच पिसना। दोनों तरफ से मुसीबत आना।

चखणूं (चखाणूं)।
चखना या चखाना। स्वाद लेना या स्वाद चखाना। खुद अनुभव लेना और दूसरों को अनुभव बताना।

चखी न्हाखणूं।
चख डालना। सारा पैसा बरबाद कर डालना।

चंग पऽ चढ़ावणूं।
चंग पर चढ़ाना। प्रशंसा करके काम कराना। लाभ लेना। खूब प्रोत्साहित करके सिर पर बिठाना।

चंगुल मऽ फँसणूं।
चंगुल में फँसना। काबू में आना। जाल में फँसना।

चघणूं नी।
चघना नहीं। जरा भी हटना नहीं। अड़े रहना।

चट करी जाणूं।
चट कर जाना। सब खा जाना। हजम कर जाना।

चट सी करनूं।
चट सी करना। बहुत जल्दी काम करना। फौरन करना।

चट मांगनी पट ब्याव करनूं।
चट मंगनी पट ब्याव होना। शीघ्र सगाई होना और विवाह हो जाना। आनन-फानन में काम हो जाना।

चट-पट होणूं।
चट-पट होना। शीघ्र होना। देर न लगना।

चटपटी होणूं।
चटपटी होना। तीव्र ललक होना। नमकीन होना। स्वादिष्ट होना।

चटकावणूं।
चटकाना। मारे-मारे फिरना। चिढ़ा देना।

चटकारा (चटखारा लेणूं)।
चटकारे लेना। स्वाद ले लेकर खाना।

चटर-पटर खाणूं।
चटर-पटर खाना। चाट इत्यादि खाना। भोजन न करना।

चटणी बणानूं।
चटनी बनाना। बहुत पीसना। बहुत मार पीट करना।

चट-चट करणूं।
चट-चट करना। कोई लकड़ी या कोयले आवाज करके जलना। कूथना-करांजना। उदास होना। दुखी होना। मन नहीं लगना।

चटणी चटाणूं।
चटनी चटाना। मारना-पीटना। स्वाद बदलना।

चटाक-चटाक करणूं।
चटाक-चटाक करना। चट-चट का शब्द करना। स्वाद लेके खाना।

चटक-मटक होणूं।
चटक-मटक होना। चकाचौंध या ठाठ-बाट होना।

चटोरो होणूं।
चटोरा होना। खूब चटपटा खाने वाला होना।

चटोरी जबान होणूं।
चटोरी जबान होना। चटपटा खाने की आदत होना।

चट्टे-बट्टे होणूं।
चट्टे-बट्टे होना। एक से होना। एक ही दल या स्वभाव के होना। एक ही प्रवृत्ति के होना।

चट्टी पऽ बठणूं।
चट्टी पर बैठना। पत्थर की शिला पर बैठना।

चड्डी कसणूं।
चड्डी कसना। दबाव बनाना। डाँटना या भला बुरा कहना। गुस्सा होना।

चड़बड़ करनूं।
चड़बड़ करना। बकवास करना।

चढ़ी बठणूं।

चढ़ बैठना। आक्रमण करना। बहुत गुस्सा करना।

चढ़ती जवानी मऽ होणूं।

चढ़ती जवानी में होना। यौवनावस्था का प्रारम्भ होना।

चढ़ी-बढ़ी नऽ वात नऽ करणूं।

बढ़-चढ़कर बात करना। खूब बढ़ा-चढ़ाकर प्रशंसा करना।

चढ़णूं।

चढ़ना। सूरज का चढ़ना या उगना। दिन का चढ़ना। गर्भवती होना। नस चढ़ना या बढ़ना आदि।

चढ़ाय-उतार होणूं।

उतार-चढ़ाव होना। स्थिति में परिवर्तन होना।

चढ़ावो चढ़ाणूं।

चढ़ावा चढ़ाना या पूजा। भेंट देवी-देवता को चढ़ाना।

चढ़ाव चढ़णूं।

चढ़ाव चढ़ना। सीढ़ियाँ चढ़ना।

चढ़णूं-उतरनूं।

चढ़ना-उतरना। बार-बार ऊपर नीचे आना-जाना करना।

चढ़ज ऊ पड़ज।

चढ़ता है, वह गिरता है। उत्थान पतन प्रकृति का नियम है। जो चढ़ता है, वह गिरता ही है।

चणा का झाड़ पऽ चढ़णूं।

चने के झाड़ पर चढ़ना। झूठ मूठ प्रशंसा करके फुलाना। बहुत प्रशंसा करके बढ़ावा देना।

चतर होणूं।

चतुर होना। होशियार होना। चालाक होना।

चतरई वघारणूं।

चतुराई बघारना। चालाकी करना। होशियारी करना।

चन-चन करणूं।

चन-चन करना। गुस्सा होना। उत्तेजित होना।

चन चणा तो चली जाणूं।

चनचनाते हुए चले जाना। गुस्से में पैर पटकते हुए जाना। असहमति व्यक्त करना।

चना चबावणूं।

चना चबवाना। बहुत तंग करना। बहुत कठिन परीक्षा लेना।

चन्नन घिसणूं।

चन्दन घिसना। मेहनत करना। पूजा की तैयारी करना।

चन्नन टीको लगावणूं।

चन्दन टीका लगाना। पवित्र होना।

चपत जमाणूं (लगाणूं)।

चपत जमाना या लगाना। तमाचा या थप्पड़ मारना।

चपत लगणूं (लगावणूं)।

चपत लगना या लगाना। नुकसान पहुँचाना।

चपाती बणानूं।

चपाती बनाना। रोटी बनाना।

चप्पी करनूं।

चप्पी करना। मालिश करना। चापलूसी करना।

चप-चप करनूं।

चप-चप करना। पसीने से बदन भींगना।

चप्पो-चप्पो छाणी मारनू।

चप्पा-चप्पा छान मारना। कोना-कोना देख लेना।

चपड़-चपड़ करनूं।

चपड़-चपड़ करना। बकवास करना। अधिक बोलना।

चबई-चबई नऽ खाणूं।

चबा-चबा कर खाना। अच्छी तरह से चबाना।

चबई-चबई नऽ वात करनूं।

चबा-चबाकर बात करना। ओठ दबाकर या दाँत भींजकर बातें करना।

चबूतरा पऽ बठणूं।

चबूतरे पर बैठना। सबके सम्मुख आना। सार्वजनिक होना।

चबर–चबर करनूं।
चबर–चबर करना। अधिक बोलना। खाते समय मुँह से आवाज निकालना।

चाबोळी खाणूं।
चबोली खाना। घी चुपड़ी रोटी खाना। आर्थिक सम्पन्नता होना।

चमकणूं।
चमकना। उन्नति करना। नाम प्रसिद्ध होना।

चमकई देणूं।
चमका देना। यश फैला देना। चमक आ जाना। डरा देना।

चमड़ी उधेड़णूं।
चमड़ी उधेड़ना। बुरी तरह से पिटाई करना। शरीर पर मार के निशान बन जाना। चमड़ा शरीर से अलग करना।

चमड़ी जाय पण दमड़ी नी जाय।
चमड़ी जाये पर दमड़ी न जाये। अत्यन्त कंजूस।

चमड़ी मऽ भूस भरनूं।
चमड़ी में भूसा भरना। बहुत पिटाई करना।

चमड़ी बचावणूं।
चमड़ी में भूसा भरना। श्रम से जी चुराना। कामचोर होना।

चमड़ा का सिक्का चलाना।
चमड़े के सिक्के चलाना। व्यभिचार में लिप्त होना। वैश्यावृत्ति करना।

चमरौधा होणूं।
चमरौधा होना। चमड़े के जूते होना।

चरण पड़णूं।
चरण पड़ना। घर में आना। प्रवेश करना।

चरण छूणूं (स्पर्श करणूं)।
चरण छूना या स्पर्श करना। चरण छूकर सादर प्रणाम करना।

चरण धोई नऽ पीणूं।
चरण धोकर पीना। अत्यन्त आदर भाव दिखाना।

चरण सेवा करणूं।
चरण सेवा करना। सेवा सुश्रुषा करना।

चरवलणूं।
चरवलना। नींद में हिलना–डुलना।

चरण पकड़नूं।
चरण पकड़ना। दासता स्वीकार करना।

चरण नऽ मऽ गिरी पड़णूं।
चरणों में गिर पड़ना। अत्यन्त विनम्र होना। पूर्ण समर्पित होना।

चरण नऽ म पड़ी रयणूं।
चरण में पड़े रहना। सेवा या आश्रय में पड़े रहना।

चरण नऽ को दास होणूं।
चरणों का दास होना। पूरी तरह से गुलाम होना।

चरण नऽ मऽ जगा पाणूं।
चरणों में जगह पाना। स्थान मिलना। पास में बैठने का अवसर मिलना।

चरण नऽ मऽ बिछी जाणूं।
चरणों में अर्पित होना। सेवा में निछावर कर देना।

चरण नऽ मऽ बठणूं।
चरणों में बैठना। किसी की छत्रछाया में रहना। किसी गुरु के सान्निध्य में शिक्षा करना।

चरण नऽ का परताप से सबई चीज मिलणूं।
चरणों के प्रताप से सभी चीज मिलना। दया या कृपा से सब प्राप्त होना।

चरणामृत पीणूं।
चरणामृत पीना। देवता या महापुरुषों के पैर धोकर जल आचमन करना।

चलतो करणूं।
चलता करना। भगा देना। भेजना। काम की बात ही न करना। निपटाना।

चलतो पुरजो होणूं।
चलता पुर्जा होना। होशियार, व्यावहारिक या चतुर होना। अपना काम बनाने वाला होना।

चल देणूं।
चल देना। निकल पड़ना।

चली बसणूं।
चल बसना। मर जाना। मृत्यु को प्राप्त होना।

चलतो आदमी होणूं।
चलता आदमी होना। बहुत होशियार। चालाक होना। किसी से मूर्ख न बनने वाला।

चलती गाड़ी मऽ रोड़ा अटकाणूं।
चलती गाड़ी में रोड़े अटकाना। होते हुए काम में विघ्न डालना।

चलती-फिरती लाश होणूं।
चलती-फिरती लाश होना। जीवित अवस्था में भी मरे हुए के समान होना। जीवन में कोई रस नहीं होना।

चलती-फिरती छाँव होणूं।
चलती-फिरती छाया होना। धन-दौलत, सम्पत्ति-माया।

चलती घड़ी।
चलते समय। प्रस्थान के समय। अन्तिम समय।

चलतो-फिरतो नजर आना।
चले जाना, खिसक जाना। इधर-उधर घूमते हुए दिखना।

चलतऽ-चलतऽ।
चलते-चलते। जाते-जाते। थोड़ी देर के लिये। अन्त में। रास्ते में।

चलनऽ की होणूं।
चलता की होना। चलने के लिये तैयार होना।

चलतो सिक्को होणूं।
चलतो सिक्का होना। सब जगह प्रभावशाली होना। मान्य होना। उनके नाम से ही काम हो जाना।

चलती चक्की।
संसार और संसार की गतिविधि।

चलन मऽ होणूं।
चलन में होना। व्यवहार या प्रचलन में होना। रीति-रिवाजों में होना।

चल चलाऊ होणूं।
चल-चलाऊ होना। हल्की-फुल्की कोई चीज। बात होना।

चळ-चळ होणूं।
चल-चल होना। चमकना। रिफ्लेक्शन होना।

चळ-विचळ होणूं।
चल-विचल होना। बेचैन या बेहाल होना। अस्थिर होना। असमंजस में होना।

चळकणूं।
चलकना। चमकना। प्रकाश में आना। प्रसिद्ध होना।

चळबळनूं।
चलबलना। बच्चे का नींद में हिलना-डुलना।

चली निकळणूं (जाणूं)।
चल निकलना। जाना। कार्य में सफलता मिलना।

चल्या चलनूं।
चले चलना या आगे बढ़ते जाना। साथ चलना।

चली नऽ देखणूं।
चलकर देखना। प्रत्यक्ष देखना।

चलनऽ को नांव नी होणूं।
चलने का नाम नहीं लेना। बिल्कुल अड़ियल होना। किसी काम में सफलता नहीं मिलना। बिक्री का नहीं होना।

चलती को नांव गाड़ी होणूं।
चलती का नाम गाड़ी होना। जैसे-वैसे धकाना या कार्य करना। आजीविका चलाना।

चलता चूल्हा पऽ रोटी सेकणूं।
जलते चूल्हे पर रोटी सेंकना। होते काम में एक और काम होना।

चली-चली नऽ थकनूं।
चल-चलकर थकना। श्रम व्यर्थ जाना।

चळकती चीज सी धोखो खाणूं।
चमकती चीज से धोखा खाना। हर चमकदार चीज सोना नहीं होती।

चवर डुलानूं।
चंवर डुलाना। हवा करना। सम्मान देना।

चवरी भंवरी करनूं (होणूं)।
चंवरी भँवरी करना या होना। मण्डप में सात फेरे करना या होना।

चवरा मऽ आणूं।
चवरे में आना। गाँव की या घर की सीमा में आना। प्रवेश करना।

चवळ्यो होणूं।
चंचल होना। एक जगह सीधा न बैठने वाला।

चहल पहल होणूं।
चहल-पहल होना। रौनक या धूमधाम होना।

चहकी जाणूं।
चहक जाना। उत्साहित हो जाना। चिढ़ा देना।

चाक पऽ चढ़णूं।
चाक पर चढ़ना। कार्य करने के लिए कटिबद्ध होना।

चाक निकाळणूं।
चाक निकालना। गलती बताना।

चाक पूजणूं।
चाक पूजना। विवाह में कुम्हार के घर जाकर चाक की पूजा करना। एक रिवाज।

चाटण्यो बिल्लो होणूं।
चाटने वाला बिल्ला होना। मीठी चीज़ें अधिक खाने वाला होना।

च

चाट खाणूं।
चाट खाना। नमकीन चीजें अधिक खाना।

चाट पड़णूं (लगणूं)।
चाट पड़ना या लगना। आदत बनना या पड़ना। चस्का लगना।

चाटी पोछी खऽ खाणूं।
चाट-पोंछकर खाना। सब खा जाना।

चाटी लगावणूं (मड़ावणूं)।
चाटी लगाना या मड़वाना। ढोलक या मृदंग के चमड़े पर 'स्याही' लगाना।

चाटा-चाटी करणूं।
चाटा-चाटी करना। चूमा-चाटी करना। चुम्बन लेना।

चाटो मारनूं।
चाटा मारना। थप्पड़ मारना। अपमानित करना।

चांडाल चौकड़ी होणूं।
चांडाल चौकड़ी होना। दुष्टों का समूह बनना।

चांद को टुकड़ो होणूं।
चाँद का टुकड़ा होना। अत्यन्त सुन्दर होना।

चांद निकलणूं (चढ़णूं)।
चाँद निकलना या चढ़ना। चन्द्रमा का ऊपर आना या निकलना।

चांद सो मुखड़ो होणूं।
चाँद के समान मुख होना। बहुत सुन्दर मुँह (चेहरा) होना।

चांदी को जूतो मारनूं।
चाँदी का जूता मारना। पैसे खिलाना। रिश्वत देना। धन देकर किसी से काम कराना।

चांदी होणूं।
चाँदी होना। आर्थिक स्थिति मजबूत होना। चारों तरफ से सफलता का एहसास होना।

चांदी काटणूं।
चाँदी काटना। आराम से दिन बीतना। बहुत अधिक लाभ होना।

चांदी ज चांदी बरसणूं।
चाँदी ही चाँदी बरसना। चारों तरफ से लाभ ही लाभ होना।

चांदमारी करनूं।
चाँदमारी करना। निशाना लगाना।

चांद निकलणूं।
चाँद निकलना। गंजा होना। बाल झड़ना। चाँद का उदय होना।

चांदणी खिलणूं (छिटकणूं)।
चाँदनी खिलना या छिटकना। चन्द्रमा का प्रकाश धरती पर फैलना।

चादर चढ़ावणूं।
चादर चढ़ाना। किसी समाधि या मजार पर 'चादर' (विशेष बिना सिला कपड़ा) चढ़ाना।

चादर ताणी नऽ सोवणूं।
चादर तानकर सोना। निश्चिन्त हो जाना।

चादर देखी नऽ पांय पसारनूं।
चादर देखकर पाँव पसारना। अपनी सामर्थ्य के अनुसार काम करना।

चादर सी भायर पांय जाणूं।
चादर से बाहर पैर जाना। अपने सामर्थ्य से बाहर काम करना। मर्यादा का उल्लंघन होना।

चादर उतारनूं।
चादर उतारना। अपमानित करना।

चामड़ो बचावणूं।
चमड़ा बचाना। श्रम से कतराना। आलसी।

चामड़ा मऽ लोण भरनूं।
चमड़े में नमक भरना। बहुत यातना देना। बहुत पीटना।

चामड़ो लटकणूं।
चमड़ा लटकना। शरीर में झुर्रियाँ पड़ना। शरीर थुलथुल होना।

चाम्मड़पणा करनूं।
चीमड़पना करना। कंजूसी करना। आलस्य करना।

चांय-चांय करनूं।
चाँय-चाँय करना। शोरगुल करना। अपनी बात को बार-बार कहना।

चांय-बांय करनूं।
चाँय-बाँय करना। अपनी-अपनी ही कहना।

चायपाणी करनूं।
चाय-पानी करना। नाश्ता न कराना, मुलाकात करना।

चाय पऽ आवणूं।
चाय पर आना। आमंत्रण पर चाय पीने जाना।

चाय बी नी पिलाणूं।
चाय भी नहीं पिलाना। आवभगत ठीक से न करना।

चाय की चुस्की लेणूं।
चाय की चुस्की लेना। बड़े शौक से चाय पीना।

चार दिन की चांदणी होणूं।
चार दिन की चाँदनी होना। कुछ दिनों का सुख या आनन्द। क्षणिक समृद्धि।

चाय पयसा होणूं।
चार पैसे होना। कुछ धन सम्पत्ति होना।

चार खांदा पऽ जाणूं।
चार कन्धों पर जाना। मृत्यु की इच्छा करना। मृत्यु हो जाना। पालकी पर चढ़कर जाना।

चारई खाना चित्त होणूं।
चारों खाना चित्त होना। बुरी तरह हारना। जमीन पर गिर जाना। सकपका जाना।

चार अक्खर पड़णूं।
चार अक्षर पड़ना। थोड़ा-बहुत पढ़ा-लिखा होना।

चार कदम चलणूं।
चार कदम चलना। साथ-साथ चलना। शवयात्रा में 'चार कदम' चलने का 'पुण्य' है।

चार कदम आगऽ होणूं।
चार कदम आगे होना। बहुत बढ़कर होना। प्रगतिशील होना।

चार चांद लगणूं (लगावणूं)।
चार चाँद लगना या लगाना। महत्त्व, सौन्दर्य, प्रभाव, सुख, आनन्द और बढ़ जाना।

चार दिन को मेलो होणूं।
चार दिन का मेला होना। थोड़े दिन की मौजमस्ती होना।

चार दिन की चांदणी होणूं।
चार दिन की चाँदनी होना। थोड़े दिन का सुख होना।

चार दिन की जिनगी होणूं।
चार दिन की जिन्दगी होना। थोड़े दिन का जीवन होना।

चार बरतन खड़कणूं।
चार बर्तन खड़कना। जहाँ दो-चार लोग होते हैं, वहाँ कुछ न कुछ मतभेद, कहासुनी हो जाना।

चारपाई तोड़नूं।
चारपाई तोड़ना। कुछ काम न करना। आराम करते रहना।

चारपाई पकड़नूं।
चारपाई पकड़ना। बीमार पड़ना।

चार का आठ करनूं।
चार के आठ करना। दुगुनी कमाई करना।

चारा डालणूं।
चारा डालना। किसी को फँसाने के लिए कुछ प्रलोभन देना।

चारों तरफ अंधकार छाणूं।
चारों तरफ अंधकार छाना। कहीं न कहीं कोई सहारा होना।

चारई तरफ हरो-हरो देखाणूं।
चारों तरफ हरा-हरा देखना। सब कुछ अच्छा नजर आना।

चारई तरफ सी जकड़नूं।
चारों तरफ से जकड़ना। पूरी तरह से फँस जाना।

चाल चलणूं (खेलणूं)।
चाल चलना या खेलना। धोखा देना। किसी खेल में आगे बढ़ना। धोखेबाजी से कोई काम करना।

चाल बदलनूं।
चाल बदलना। व्यवहार बदलना। दोगलापन करना।

चाल देखणूं।
चाल देखना। व्यवहार देखना। गति पहचानना। काम करने का तरीका देखना।

चाल ठीक करनूं।
चाल ठीक करना। रफ्तार ठीक करना। आचरण सुधारना। व्यवहार अच्छा करना।

चाल मिलणूं।
चाल मिलना। आगे के काम का मार्ग मिलना। एक जैसे विचार मिलना।

चाळा करनूं।
चाले करना। नखरे या बहाने करना। फालतू के खेल खेलना।

चाळा मऽ पड़णूं।
चाले में पड़ना। खेल में निमग्न हो जाना। बार-बार वही काम करना।

चाळो उठावणूं।
चाला उठाना। वही बार-बार खेल करना। एक ही काम में व्यस्त होना। अति करना।

चालाकी करणूं।
चालाकी करना। बदमाशी करना। धोखाधड़ी करना।

चाल-चलण अच्छो नी होणूं।
चाल-चलन अच्छा नहीं होना। आचरण अच्छा नहीं होना।

च

चाव सी खाणूं।
चाव से खाना। रुचि से स्वाद लेकर खाना।

चाशणी देखणूं।
चासनी देखना। पूरी तरह जाँच करना।

चाहे अईं की दुनिया बईं हुई जाणूं।
चाहे इधर की दुनिया उधर हो जाये। निर्णय नहीं बदलना। किसी भी परिस्थिति में।

चिउंटी काटणूं (चिमटी भरणूं)।
चिउंटी काटना या चिमटी भरना। किसी को अँगुली-अँगूठे से चिमटी काटना। बातों से व्यंग्य करना। चुभती बात कहना।

चिन्ता लगणूं (खाणूं)।
चिन्ता लगना या खाना। फिक्र करना।

चिन्ता की कोई वात नी होणूं।
चिन्ता की कोई बात न होना। घबराने की बात नहीं।

चिन्ता होणू (चिन्ता नी होणू)।
चिन्ता होना या चिन्ता न होना। काम को टालने की प्रवृत्ति होना या न होना।

चिकणी-चुपड़ी वात करनूं।
चिकनी-चुपड़ी बात करना। मीठी-मीठी धोखे से भरी बातें करना।

चिकणो चुपड्यो होणूं।
चिकना-चुपड़ा होना। बन-सँवरकर रहने वाला होना।

चिकणो घड़ो होणूं।
चिकना घड़ा होना। बेअसर। निर्लज्ज होना।

चिकणो देखी नऽ फिसली जाणूं।
चिकना देखकर फिसल जाना। बाहरी खूबसूरती पर मोहित होना।

चिकणा घड़ा पऽ पाणी पड़णूं।
चिकने घड़े पर पानी पड़ना। अच्छी बात या उपदेश का प्रभाव न होना।

चिक-चिक करणूं।
चिक-चिक करना। फालतू तर्क करना।

चिकटो होणूं।
चिकटा होना। कंजूस होना।

चिकट छोड़ावणूं।
चिकट छुड़ाना। विवाह में दूल्हे-दुल्हन को नये कपड़ों का नेग देना। गरीबी मिटाना।

चिट्ठो खोलणूं।
चिट्ठा खोलना। पोल खोलना। किसी की छिपी बात बताना।

चिट्ठी-पत्री लिखणूं।
चिट्ठी-पत्री लिखना। समाचार भेजना। पत्र लिखना।

चिट्ठी खऽ तार समझणूं।
चिट्ठी को तार समझना। महत्त्वपूर्ण सूचना होना। जल्दी पहुँचने का संकेत होना।

चिट्ठो पेस करणूं।
चिट्ठा पेश करना। विवरण प्रस्तुत करना।

चिड़ी उड़ी जाणूं।
चिड़िया उड़ जाना। मृत्यु हो जाना।

चिड़ी फसाणूं।
चिड़िया फसाना। किसी को बहकावे में लेना या धोखे में रखना।

चिड़ी चुप।
चिड़िया चुप। मतलब एकदम मौन हो जाना।

चिड़ी चुप इंधारो गुप।
पक्षी चुप अंधेरा पसरा। संध्या समय होते ही पक्षियों का घोसले में चले जाना। कोलाहल बंद होना। और अंधेरा घिर जाना।

चिड़ी का पर काटनूं।
चिड़िया के पंख काटना। साधनहीन कर देना। महत्त्व घटाना।

चिड़ी को पर नी मारी सकनूं।
चिड़िया का पर न मार सकना। कोई खतरा न होना। किसी का भी न आ सकना।

चिड़ी नऽ चुगावणूं।
चिड़िया चुगाना। किसी स्त्री को फुसलाना।

चिड़ी सरिखो मुंडो करनूं (लगणूं)।
चिडिया की तरह मुँह करना या लगना उदास होना।

चिड़-चिड़ करनूं।
चिड़-चिड़ करना। बार-बार गुस्सा करना।

चिड़ावणूं।
चिढ़ाना। मजाक बनाना। नकल उतारना। खिजाना।

चित्त उचटणूं।
चित्त उचटना। मन न लगना। किसी बात से वैराग्य होना।

चित्त करणूं।
चित्त करना। मन में चाहना। इच्छा होना। पराजित करना।

चित करनूं।
चित करना या हराना।

चित्त चुरावणूं।
चित्त चुराना। मोहित करना। दिल पर ले लेना।

चित्त धरणूं।
चित्त धरना। याद रखना। ध्यान में लाना।

चित्त पऽ चढ़णूं।
चित पर चढ़ना। मन में बसना। अच्छा लगना।

चित्त बटणूं।
चित्त बटना। ध्यान इधर-उधर होना। एकाग्र न होना।

चित्त सी उतरनूं।
चित्त से उतरना। भूल जाना। मन में सम्मान नहीं रहना।

चित्त मऽ चुभणूं।
चित्त में चुभना। मन में लगना। गहरा असर होना।

चित्त भी अपणो पट्ट भी अपणो।
चित्त भी अपना और पट भी अपना। हर तरह से अपना लाभ होना।

चित्त मऽ लावणूं।
चित्त में लाना। विचार करना।

चिन्दा-चिन्दा होणूं (कर देणूं)।
चिन्दे-चिन्दे होना या कर देना। टुकड़े-टुकड़े होना। फाड़ देना।

चिन्दा करणूं।
चिन्दे करना। टुकड़े -टुकड़े करना। फाड़ देना।

चिन्दी कर देणूं।
चिन्दी कर देना। अपमानित करना।

चित्त खैंची देणूं।
चित्र खींच देना। खाका बनाना। रंग रेखा से चित्र बनाना। आकृति बनाना। शब्दों में ऐसा वर्णन करना कि व्यक्ति/वस्तु का चित्र बन जाना।

चिथड़ा उड़ावणूं।
चिथड़े उड़ाना। बुरी तरह पराजित/परेशान करना।

चिन्दा-चिन्दा करनूं।
चिन्दा-चिन्दा करना। छोटे-छोटे टुकड़े करना। दुर्गत करना।

चिनगारी लगाणूं।
चिनगारी लगाना। झगड़ा कराने वाली बात कहना।

चिनगारी सुलगणूं।
चिनगारी सुलगना। धीरे-धीरे असन्तोष फैलना।

चिनगारी भड़काणूं।
चिनगारी भड़काना। असन्तोष भड़काना।

चिपकई देणूं।
चिपका देना। नौकरी धन्धे में लगा देना।

चिपकयो रयणूं।

चिपके रहना। हमेशा साथ रहना। लगाव रहना।

चिपट्यो चट होणूं।
चिपटचट होना। बिल्कुल चिपके रहने वाला होना। दुबला पतला होना।

चिपड्यो चट होणूं।
चिपड़ चट होना। मिचमिची आँख वाला होना।

चिमटो गाड़णूं।
चिमटा गाड़ना। हठ करना। निश्चय करके बैठना।

चिर निद्रा मऽ सोवणूं।
चिर निद्रा में सोना। मर जाना।

चिराग जलावणूं।
चिराग जलाना। खुशियाँ मनाना।

चिराग तळऽ अन्धेरो होणूं।
चिराग तले अंधेरा होना। अच्छे आदमी में भी बुराई होना।

चिराग बढ़ाणूं।
चिराग बढ़ाना। दीपक बुझाना।

चिराग बत्ती को समय होणूं।
चिराग बत्ती का समय होना। शाम का समय होना।

चिराग लई नऽ ढूंढणूं।
चिराग लेकर ढूँढना। बहुत खोज करना।

चिरौरी करनूं।
चिरौरी करना। खुशामद करना।

चिलबिल्लो होणूं।
चिलबिल्लो होना। चंचल होना। मूर्ख होना।

चिलम चढ़ावणूं।
चिलम चढ़ाना। दासता करना। गाँजा पीना।

चिलम भरणूं।
चिलम भरना। बहुत खुशामद करना।

चिल्लपो करनूं।
चिल्लपो करना। अधिक हो-हल्ला करना।

चिल्लाचोट करनूं।
चिल्ला चोट करना। हल्ला मचाना।

चिलचिलातो घाम होणूं।
चिलचिलाती धूप होना। भरी दोपहर होना।

चीं चपड़ करणूं।
चीं चपड़ करना। विरोध करना। झगड़ा करना।

चीं बोलणूं।
चीं बोलना। हार मान लेना।

चीटी की चाल चलणूं।
चींटी की चाल चलना। धीरे-धीरे चलना।

चीटी खऽ पर निकळणूं।
चींटी के पर निकलना। घमण्ड करना। मरने की करीब होना।

चीटी खऽ चूण देणूं।
चींटी को चून देना। भगवान का चींटी तक को खाने की व्यवस्था करना। चींटियों को आटा डालना।

चीख मारनूं।
चीख मारना। दुःख भरी चिल्लाहट आना। संकट की आवाज निकलना।

चुगली खाणूं।
चुगली खाना। शिकायत करना।

चुगल चोट्टो होणूं।
चुगलचोर होना। शिकायत करके भड़काना।

चुटकी मऽ काम करनूं।
चुटकी में काम करना। अतिशीघ्र काम निपटाना।

चुटकी बजावणूं।
चुटकी बजाना। चुटकी से संकेत करना।

चुटकी लेणूं।
चुटकी लेना। अस्पष्ट ताना मारना। धीरे से बात कह देना।

चुटकुलो सुणावणूं।
चुटकुला सुनाना। दिल्लगी की बात करना। हँसी-मजाक के किस्से सुनाना।

चुनौती देणूं।
चुनौती देना। ललकारना।

चुपड़ी अरू दो-दो होणूं।
चुपड़ी और दो-दो होना। भरपूर लाभ लेना।

चुप होणूं।
चुप होना। जवाब न देना।

चुप्पी लगावणूं।
चुप्पी लगाना। जवाब न देना। किसी काम को टालना।

चुल्लू भर पाणी मऽ डूबी मरनूं।
चुल्लू भर पानी में डूब मरना। शर्मिन्दा होना। लज्जित होना।

चूलो नी बलणूं।
चूल्हा न जलना। भोजन तक का ठिकाना न होना।

चूलो निवतो देणूं।
चूल्हा निमंत्रण देना। पूरे परिवार को भोजन का निमंत्रण देना।

चूला मऽ जाणूं।
चूल्हे में जाना। नष्ट होना। नष्ट हो जाना।

चूल्हो अलग करनूं।
चूल्हा अलग होना। बँटवारा होना या करना।

चूं-चूं करणूं।
चूं-चूं करना। दबे-दबे स्वर में कुछ कहना।

चूं नी करणूं।
चूं नहीं करना। जरा भी न बोलना।

चूड़ी नऽ तोड़णूं।
चूड़ियाँ तोड़ना। विधवा के हाथ की चूड़ियाँ तोड़ना।

चूनो लगावणूं।
चूना लगाना। हानि पहुँचाना। धोखा देना।

चूल ढीली होणूं।
चूल ढीली होना। अंजर-पंजर ढीले होना। थकना।

चेहरो भांपी लेणूं।
चेहरा भाँप लेना। चेहरे के हाव-भाव समझ लेना।

चेहरो फक्क हुई जाणूं।
चेहरा फक्क हो जाना। भय से चेहरा फीका पड़ जाना।

चेहरो उतरनूं।
चेहरा उतरना। उदास होना।

चेहरो बिगड़नूं।
चेहरा बिगड़ना। चेहरा खराब होना। मुँह का रंग बदलना।

चेहरा पऽ हवाई नऽ उड़णूं।
चेहरे पर हवाईयाँ उड़ाना। चेहरा फीका होना। मुँह पर भय-आतंक दिखाई देना। भयभीत होना।

चैन की बंसी बजाऊणूं।
चैन की बंसी बजाना। सुखमय समय बीतना। अच्छा समय होना।

चैन पड़णूं।
चैन पड़ना। शान्ति मिलना।

चैन सी कटणूं।
चैन से कटना। जिन्दगी अच्छी तरह से बीतना।

चोंच खोलणूं।
चोंच खोलना। मुँह खोलना या बोलना।

चोंच लड़ावणूं।
चोंच लड़ाना। बहस करना। मनोरंजन करना।

चोंच सम्हाळी नऽ बोलणूं।
चोंच सँभालकर बोलना। अदब और कायदे से बोलना।

चोचलाबाजी करनूं।
चोचलेबाजी करना। झूठ दिखावा करना। बहाने करना।

चोखा होणूं।
चोखे होना। मौज, आनन्द में होना।

चोट करनूं।
चोट करना। प्रहार करना। आघात देना।

चोट खाणूं।
चोट खाना। हानि उठाना। मार खाना।

चोट पऽ चोट करनूं (लगणूं)।
चोट पर चोट करना या लगना। हानि पर हानि होना या लगना।

चोटी को पसीनो एड़ी तक आवणूं।
चोटी का पसीना एड़ी तक आना। कठिन श्रम करना। पूरा जोर लगाना।

चोटी पऽ पहुँचणूं।
चोटी पर पहुँचना। शीर्ष पर पहुँचना।

चोटी हाथ मऽ होणूं।
चोटी हाथ में होना। वश में होना। दबाव में होना।

चोटी कटी जाणूं।
चोटी कट जाना। इज्जत चली जाना।

चोर की दाढ़ी मऽ चारो होणूं।
चोर की दाढ़ी में तिनका होना। अपराधी के मन में शंका होना। शक दिखाना।

चोर-चोर मौसरा भाई होणूं।
चोर-चोर मौसेरे भाई होना। सारे दुष्ट एक समान होना।

चोलो छोड़णूं।
चोला छोड़ना। भेष बदलना। मर जाना। किसी देवता पर लगाई गई सिन्दूर का निकल जाना। रूप बदलना।

चोलो बदलनूं।
चोला बदलना। भेष बदलना। एकदम परिवर्तन करना।

चोली-दामन को साथ होणूं।
चोली-दामन का साथ होना। अधिक घनिष्ठता होना। नजदीक होना। एक अटूट रिश्ता होना।

चौकी पड़नूं।
चौक पड़ना। आश्चर्य करना। आशंकित रह जाना।

चौकड़ी भूल जाणूं।
चौकड़ी भूल जाना। हेकड़ी यानी अकड़ निकल जाना।

चौकड़ी भरनूं।
चौकड़ी भरना। दौड़ना। उछलना।

चौकन्नो होणूं।
चौकन्ना होना। सतर्क होना।

चौकी पऽ बठणूं।
चौकी पर बैठना। आदर-सत्कार के साथ बैठना। ऊँचे स्थान पर बैठना। रखवाली करना।

चौकड़ी भूलनूं।
चौकड़ी भूलना। उपाय न सूझना।

चौखट नी लांघणूं।
चौखट नहीं लाँघना। घर के बाहर न निकलना।

चौखट पऽ माथो रगड़नूं (रखणूं)।
चौखट पर सिर रगड़ना। रखना या किसी का आदर करना। पूजा भाव होना। सेवक होना।

चौदहवीं को चाँद होणूं।
चौदहवी का चाँद होना। बहुत खूबसूरत होना। चमकवान होना।

चौंसठ घड़ी रटणूं।
चौंसठ घड़ी रटना। दिन-रात याद करना।

चौपट करनूं (होणूं)।
चौपट करना या होना। सब बिगाड़ देना। सब बिगड़ जाना।

चौरासी मऽ पड़णूं।
चौरासी में पड़ना। आवागमन के चक्कर में पड़ना। माया-मोह में पड़ना।

चौराहा पऽ उबो होणूं।
चौराहे पर खड़ा होना। असमंजस की स्थिति में होना। ऐसी स्थिति में होना, जहाँ यह न निर्णय किया जा सके कि कौन-से मार्ग पर चला जाये।

चौराहा पऽ येची आवणूं।
चौराहे पर बेच आना। बहुत चतुर चालाक होना।

चौराहा पऽ लाई देणूं।
चौराहे पर ला देना। सब दूर से मजबूर कर देना। कंगाल कर देना।

छ

छकी जाणूं।
छक जाना। खाते-खाते अघा जाना। तृप्त हो जाना।

छकाणूं।
छकाना। होड़ करना। हराना।

छक्का पंजा करनूं।
छक्के पंजे करना। चालबाजी करना। छल करना।

छक्को पंजो भूलनूं।
छक्का पंजा भूलना। कोई उपाय न सूझना।

छक्का छुड़ाणूं।
छक्के छुड़ाना। पैर उखाड़ देना। पस्त कर देना। हराना।

छक्का छूटणूं।
छक्के छूटना। होश उड़ जाना। दंग रह जाना।

छक्को होणूं।
छक्का होना। नपुंसक। हिजड़ा होना।

छछूंदर का माथा मऽ चमेली को तेल होणूं।
छछून्दर के सिर में चमेली का तेल होना। बेमेल बात होना।

छट चौमासा देखाणूं।
छठ चौमासे दिखना। कभी-कभी दिखाई देना।

छट्टम होणूं।
छट्टम होना। छटा-बदमाश होना। अविश्वसनीय व्यक्ति होना।

छटेल होणूं।
छटा हुआ होना। बदमाश होना। हजारों में एक होना।

छटनी करनूं।
छटनी करना। छाँट देना। कम कर देना।

छठी को दूध याद आवणूं।
छठी का दूध याद आना। बहुत कड़ी मेहनत कर जाना।

छठी का बिगड़ेल होणूं।
छठी का बिगड़ा होना। बचपन से खराब आचरण होना।

छठी माता को लेख होणूं।
छठी माता का लेखन होना। भाग्य में लिखा होना।

छड़ी उठाणूं।
छड़ी उठाना। पीर का शरीर में आना। मोरछल धारण करना।

छड़ी पकड़णूं।
छड़ी पकड़ना। बुढ़ापा आना। शरीर जर्जर होना।

छत बणाणूं।
छत बनाना। घर (मकान) बनाना। सिर के लिए आसरा होना।

छत्र छाया मऽ होणूं।
छत्रछाया में होना। संरक्षण में होना।

छत्तीस को आंकड़ो होणूं।
छत्तीस का आंकड़ा होना। विरोधी होना। दुश्मनी होना।

छप्पर फाड़ी नऽ देणूं।
छप्पर फाड़कर देना। अप्रत्याशित बहुत सा धन मिलना। घर बैठे मिलना।

छप्पर टूटी पड़णूं।
छप्पर टूट पड़ना। अचानक विपत्ति आ जाना।

छप्पर पऽ फूस बी नी रयणूं।

छप्पर पर फूस भी न रहना। अत्यधिक गरीबी होना। कंगाल होना।

छब देखाणूं।
छब दिखना। छवि दिखना। दर्शन होना।

छबीली होणूं।
छबीली होना। सुन्दर होना। शृंगार में अधिक रुचि रखने वाली स्त्री होना।

छल-छन्द करणूं।
छल-छन्द करना। छल-कपट करना।

छलनी हुई जाणूं।
छलनी हो जाना। दु:खी हो जाना। दिल में छेद हो जाना।

छलणी मऽ दूध दुहणूं।
छलनी में दूध दुहना। कोई परिणाम न मिलना। मूर्खता करना।

छव नी आवणूं।
छव नहीं आना। कभी तृप्त न होना।

छाछ खऽ बी फूंकी-फूंकी न पेणूं।
छाछ को भी फूँककर पीना। हर काम सावधानी से करना।

छाई जाणूं।
छा जाना। सब जगह प्रभाव होना।

छांव की तरह साथ रयणूं।
छाँव की तरह साथ रहना। हमेशा साथ-साथ रहना। अनुकरण करना।

छाती भराणूं।
छाती भर जाना। भावुक हो जाना। दु:ख होना। दु:ख से पिघल जाना।

छाती कूटणूं।
छाती कूटना। अत्यधिक दु:ख का प्रदर्शन करना।

छाती पऽ लेणूं।
छाती पर लेना। किसी समस्या/दु:ख को अपने पर लेना।

छाती फाटणूं।
छाती फटना। अत्यधिक दु:ख होना।

छाती पऽ धरी नऽ लई जाणूं।
छाती पर रखकर ले जाना। मृत्यु पर अपने साथ ले जाना।

छाती पर लद्‌या रयणूं।
छाती पर लदे रहना। न चाहते हुए भी हमेशा बने रहना।

छाती अड़ाणूं।
छाती अड़ाना। हिम्मत करना। कठिन कार्य करने के लिए तैयार होना।

छाती फाड़ी नऽ कमावणूं।
छाती फाड़कर कमाना। कड़े परिश्रम से कमाना।

छाती जलणूं।
छाती जलना। ईर्ष्या होना। दु:खी होना।

छाती पऽ दग्गड़ धरनूं।
छाती पर पत्थर रखना। बहुत कठोर बनना। दु:ख से अपने आपको पिघलने न देना।

छाती सी बोझ हळको होणूं।
छाती से बोझ हल्का होना। दु:ख/चिन्ता दूर होना।

छाती सी लगणूं।
छाती से लगना। विह्वल होकर छाती से लगना। कलेजे से लगाना।

छाती पऽ बठणूं।
छाती पर बैठना। सामने बैठना। पीछा न छोड़ना।

छाती मऽ बाल होणूं।
छाती में बाल होना। हिम्मत होना। दयालु होना।

छाणी मारनूं।
छान मारना। सब जगह ढूँढ लेना। खोज लेना।

छानबीन करनूं।
छानबीन करना। जाँच करना। विचार करना।

छापो मारनूं।

छापा मारना। एकाएक जाँच की कार्यवाही करना।

छार-छार होणूं।
छार-छार होना। नष्ट हो जाना, बिखर जाना।

छींकतज नाक कटणूं।
छींकते ही नाक कटना। छोटी गलती की बड़ी सजा होना।

छींक होणूं।
छींक होना। अपशकुन होना।

छीको टूटणूं।
छीका टूटना। बिना मेहनत के अचानक मिल जाना।

छींटा उड़णूं।
छीटे उड़ना। बदनामी होना या लगना।

छींटाकसी करनूं।
छींटाकसी करना। ताने मारना। व्यंग्य करना।

छीछालेदर करनूं।
हँसी उड़ाना। दुर्दशा करना।

छुट्टी पावणूं।
छुट्टी पाना। झंझट से मुक्त होना।

छुट्टी मनावणूं।
छुट्टी मनाना। काम न करना। अवकाश पर रहना।

छीना झपटी करनूं।
छीना झपटी करना। कोई चीज लेने के लिए झगड़ना।

छुरी चलाणूं।
छुरी चलाना या काटना। महत्त्व न देना।

छुरी चलणूं।
छुरी चलना। छुरियों से मारकाट करना।

छुरी तेज करनूं।
छुरी तेज करना। मारकाट के लिए तैयार होना।

छू छा करनूं।
छू छा करना। तंत्र-मंत्र, झाड़-फूँक करना।

छू होणूं।
छू होना। भाग जाना। चम्पत होना।

छूमन्तर होणूं।
छूमन्तर होना। भाग जाना।

छेद ढूंढणूं (निकालणूं)।
छेद ढूँढना या निकालना। दोष/बुराई ढूँढना या निकालना।

छेदज छेद देखाणूं।
छेद ही छेद देखना। दोष ही दोष देखना।

छेद मऽ हाथ न्हाखणूं।
छेद में हाथ डालना। खतरा मोल लेना।

छावळई नी पड़णूं।
छाँव नहीं पड़ना। जरा भी असर नहीं आना। कुछ पता नहीं मिलना।

छावळई सी डरनूं।
छाँव से डरना। अत्यधिक डरना। अपने से भी घबराना।

छावळई पड़णूं।
छांव पड़ना। संगति का असर होना।

छावळई सी भागणूं।
छाँव से भागना। अपने आपसे दूर भागना। घृणा करना।

छावळई नी दाबणूं।
छाँव नहीं दबाना। परवाह नहीं करना। बात न मानना।

छांह मऽ रयणूं।
छाँव में रहना। कृपा में रहना। आसरे से रहना।

छांह पकड़नूं (मिलणूं)।
छाह पकड़ना या मिलना। आसरा मिलना। ठण्डक होना।

ज

जकड़ी जाणूं।
जकड़ जाना। बँध जाना। चारों ओर से कस जाना। फँस जाना।

जकड़ी लेणूं।
जकड़ लेना। कब्जे में कर लेना। बँध जाना।

जक नी मिलणूं।
जक नहीं मिलना। काम की अति व्यस्तता होना। जरा भी फुर्सत नहीं मिलना।

जकड़बंद होणूं।
जकड़बन्द होना। चारों ओर से कसा जाना। फँस जाना।

जक पड़णूं।
जक पड़ना। चैन पड़ना। रट लगाना।

जखम खाणूं।
जख्म खाना। चोट खाना। घाव होना।

जखम देणूं।
जख्म देना। चोट पहुँचाना। दु:ख देना।

जखम भरणूं।
जख्म भरना। घाव भरना। दु:ख विगलित होना।

जखम को हरो होणूं।
जख्म हरा होना। घाव ताजा होना। घाव पर फिर से चोट लगना। फिर से दु:ख का आना। विपत्ति का लौट आना।

जखम पऽ नमक छिड़कणूं।
जख्म पर नमक छिड़कना। दु:खी को और दु:खी करना।

जखम दिखाणूं।
जख्म दिखाना। घाव दिखाना। दु:ख तकलीफ का जिक्र करना।

जखम पऽ हाथ रखणूं।
जख्म पर हाथ रखना। दु:खी को दु:ख की याद दिलाना। और दु:खी करना।

जखम पऽ मल्हम लगावणूं।
जख्म पर मरहम लगाना। सांत्वना देना, तसल्ली देना।

जखम हरो होणूं (करनूं)।
जख्म हरा होना या करना। पुरानी दुर्घटना याद दिलाना। जख्म को सहलाना।

जखम पाकणूं।
जख्म पकना। घाव में पीप पड़ना। और अधिक कष्ट उठाना।

जग खऽ सुनाणूं।
जग को सुनाना। जगजाहिर करना।

जगहँसाई करना (होना)।
जगहँसाई करना या होना। ऐसे काम करना, जिससे लोग हँसी करें।

जगर-मगर होणूं।
जगर-मगर होना। खूब प्रकाश होना। कई दीपक जलाना।

जगा छोड़णूं।
जगह छोड़ना। पद छोड़ना। स्थान छोड़ना। हाशिया छोड़ना।

जगा-जगा होणूं।
जगह-जगह होना। हर जगह मौजूद होना। थोड़ी-थोड़ी दूर पर होना।

जग जाहिर होणूं।
जगजाहिर होना। सबको मालूम पड़ जाना।

जग मऽ प्रसिद्ध होणूं।
जग में प्रसिद्ध होना। सारे संसार में लोकप्रिय होना।

जंग लगणूं।
जंग लगना। चीज खराब हो जाना। बेकार हो जाना। समय से बाहर हो जाना।

जंग लड़णू (करनूं)।
जंग लड़ना या करना। लड़ाई ठानना या करना।

जंगल मऽ मंगळ होणूं।
जंगल में मंगल होना। नीरस या प्रतिकूल जगह में भी आनन्द मनाना।

जंगल मऽ आग लगणूं।
जंगल में आग लगना। बात का फैलना। जंगल का जलना।

जंगी जवान होणूं।
जंगी जवान होना। अच्छा, लम्बा-चौड़ा आदमी। सैनिक जवान।

जंगल हाणूं।
जंगल जाना। टट्टी पाखाना जाना।

जंगल झाड़ऽ जाणूं।
जंगल झाड़े जाना। पाखाना जाना।

जची जाणूं।
जच जाना। पसन्द आ जाना।

जचकी होणूं।
जचकी होना। बच्चा होना।

जज करनूं।
जज करना। अन्दाज लगाना। सम्भावना देखना।

जट्ट होणूं।
जट्ट होना। जड़ मूर्ख होना।

जटा जूट बढ़ावणूं।
जटाजूट बढ़ाना या सिर और दाढ़ी के बाल बढ़ाना। संन्यास धारण करना। साधु होना।

जड़ जमावणूं।
जड़ जमाना। स्थायी बस जाना।

जड़ काटणूं।
जड़ काटना। ऐसा काटना कि फिर न उग सके।

जड़ खोदणूं।
जड़ खोदना। जड़ को उखाड़ फेंकना। नुकसान पहुँचाना।

जड़ खोखली करनूं।
जड़ खोखली करना। आधार कमजोर करना।

जड़ पंय्याळ मऽ होणूं।
जड़ पाताल में होना। स्थिति मजबूत और गहरी होना।

जड़ मऽ छाछ न्हाखणूं।
जड़ में छाछ (मठा) डालना। जड़ से नष्ट करने का उपाय करना।

जड़ हिलई देणूं।
जड़ हिला देना। स्थिति कमजोर कर देना। ठेठ मूल को नष्ट करने की कोशिश करना।

जड़ सी खोदी नऽ फेंकी देणूं।
जड़ से खोदकर फेंक देना। एकदम नष्ट कर देना। समूल नष्ट कर देना।

जड़ जमणऽ नी देणूं।
जड़ जमने न देना। स्थिति को सुदृढ़ न होने देना। अस्थिर रखना।

जड़ मीठी होय तो पूरी खोदी नऽ खाई जाणूं।
जड़ मीठी हो तो पूरी खोदकर न खा जाना। अच्छी चीज के मूल को ही हड़प करने की कोशिश करना।

जड़ करनऽ नी देणूं।
जड़ करने नहीं देना। स्थिर न होने देना।

जड़ हवा मऽ होणूं।
जड़ हवा में होना। कोई भी आधार नहीं होना। अविश्वसनीय।

जड़ मऽ जाणूं।
जड़ में जाना। किसी भी चीज/बात की तह तक जाना।

जड़ पऽ कुराड़ी चलावणूं।
जड़ पर कुल्हाड़ी चलाना। आधार को ही नष्ट करने की कोशिश करना।

जड़ गयरी होणूं।
जड़ गहरी होना। स्थिति मजबूत होना। जल्दी नष्ट न होने वाला होना।

जड़ीभूत हुई जाणूं।
जड़ीभूत हो जाना। संज्ञाहीन हो जाना।

जड़ी-बूटी देणूं।

जड़ी-बूटी देना। वानस्पतिक औषधियों से इलाज करना।

जड़ होणूं।
जड़ होना। किसी भी चीज का प्रभाव न होना। मूर्ख होना। संवेदनशील होना।

जन-जन मऽ फैलनूं।
जन-जन में फैलना। सामान्य लोगों तक बात का फैलना।

जनम भर याद राखणूं।
जन्म भर याद रखना। जिन्दगी भर कभी न भूलना।

जनम-जनम को साथ होणूं।
जन्म-जन्म का साथ होना। हमेशा से साथ रहना।

जनम अकारथ होणूं।
जन्म अकारथ होना। जिन्दगी बेकार जाना। जीवन व्यर्थ बिताना। जीवन में कुछ उपयोगी न करना।

जनम गंवाणूं।
जन्म गँवाना। जीवन व्यर्थ जाना। समय नष्ट करना।

जनम धन्य होणूं (करनूं)।
जन्म धन्य होना या करना। कुछ न कुछ जीवन में बड़ी उपलब्धि प्राप्त करना।

जनम भर काटा गाड़णूं।
जन्म भर काँटे चुभोना। आजीवन कष्ट देना।

जनम मरण को साथी होणूं।
जन्म-मरण का साथी होना। घनिष्ठ मित्र। पति-पत्नी, प्रेमिका होना।

जनम सिद्ध अधिकार होणूं।
जन्म सिद्ध अधिकार होना। जन्म से प्राप्त उत्तराधिकार होना।

जनम कुंडली मिलणूं।
जन्मकुण्डली मिलना। जन्म से घनिष्ठता होना। पति-पत्नी का योग बनना।

जनम कुंडली मऽ लिखेल होणूं।
जन्मकुण्डली में लिखा होना। भाग्य में योग होना। मिलने, एक होने का संयोग होना।

जनम पत्री मिलाणूं।
जन्म पत्रिका मिलना। लड़के-लड़की की जन्म पत्रिका मिलान करना। गण, वर्ग, राशि आदि का ज्योतिष के आधार पर विचार करना।

जनम पत्री नेष्ट होणूं।
जन्म पत्रिका नेष्ट होना। जन्म पत्रिका में योग अच्छे नहीं होना। सम्बन्ध न होने का संकेत होना।

जनम पत्री को दोस होणूं।
जन्म पत्रिका में दोष होना। जन्म पत्रिका में किसी गुण का न मिलना।

जनम जिनगी को बिगड़ेल होणूं।
जन्म भर का बिगड़ैल होना। बचपन से बुरे कामों में लिप्त होना।

जनम धूळ धाणी करणूं।
जन्म धूल धानी करना। जिन्दगी बिगाड़ लेना। बुरे कामों में प्रवृत्त होना।

जनम-मरण कोई का हाथ मऽ नी होणूं।
जन्म-मरण किसी के हाथ में न होना। जीना-मरना किसी के वश में नहीं होता।

जनम भर को पाप टलणूं।
जन्म भर का पाप टलना। जिन्दगी भर की बुराई समाप्त होना। हमेशा-हमेशा के लिए समाप्त होना।

जनम भर को ठेको होणूं।
जन्म भर का ठेका लेना। ता जिन्दगी भरण-पोषण करना। जिम्मेदारी उठाना।

जनम भर को करजदार होणूं।
जन्म भर का कर्जदार होना। जिन्दगी भर का ऋणी होना। उपकार सदैव याद रखना।

जनम को दागदार होणूं।

जन्म का दागदार होना। प्रारम्भ से अपराधी होना। कसूरवार होना।

जनम को रोगी होणूं।
जन्म का रोगी होना। जन्म से बीमार-बीमार रहना।

जनम सी हुसियार (तेज) होणूं।
जन्म से होशियार/तेज होना। जन्म से प्रतिभाशाली होना।

जन्म से लीचड़ होणूं।
जन्म से लीचड़ होना। जन्म से अव्यवस्थित रहने वाला। कंजूसी करने वाला होना। आलसी होना।

जनम बिगड़णूं।
जन्म बिगड़ना। धर्म नष्ट होना।

जनम भर को छुद्दो रई जाणूं।
जन्म भर का छुद्दा रह जाना। जिन्दगी भर के लिए एहसानमन्द होना। उपकार का ऋण होना।

जनता की आवाज होणूं।
जनता की आवाज होना। जनसाधारण की इच्छा एवं माँग होना।

जनाजो निकलणूं (निकालणूं)।
जनाजा निकलना या निकालना। मृत्यु हो जाना। बहुत क्षति होना। करना।

जबड़ा मऽ फँसणूं।
जबड़े में फँसना। चंगुल में आना।

जबड़ो तोड़ देणूं।
जबड़ा तोड़ देना। मुँह पर प्रहार करना। बोलती बन्द कर देना।

जबान लड़ावणूं।
जबान लड़ाना। तर्क करना। बहस करना। जवाब-सवाल करना।

जबान उलटणूं (पलटणूं)।
जबान उलटना या पलटना। कहकर अपनी बात से नकार जाना।

जबान को कच्चा होणूं।
जबान का कच्चा होना। अपनी बात पर टिके न रहना। झूठा।

जबान को कड़वो होणूं।
जबान का कड़वा होना। कटुवचन बोलने वाला होना।

जबान को मीठो होणूं।
जबान का मीठा होना। अच्छी मीठी-मीठी बातें करने वाला।

जबान एक होणूं।
जबान एक होना। अपनी बात पर सुदृढ़ रहना।

जबान देणूं।
जबान देना। वचन देना।

जबान को धनी होणूं।
जबान का धनी होना। अपनी कही हुई बात को निभाने वाला होना।

जबान खाली जाणूं।
जबान खाली जाना। कही बात या वचन का पूरा न होना।

जबान खराब करनूं।
जबान खराब करना। किसी के बारे में ऐसी-वैसी बात करना। अनुचित बात करना।

जबान खुलवाणूं।
जबान खुलवाना। अप्रिय बात करने के लिए मजबूर करना। पोल खोलने के लिए अवसर देना।

जवान खोली नऽ कयणूं।
जबान खोलकर कहना। सबके सामने पोल खोलना। स्पष्ट करना।

जबान चलणूं (चलाणूं)।
जबान चलना। चलाना। अधिक बोलना। धृष्टतापूर्वक उत्तर देना। बहुत बहस करना।

जबान दबई नऽ बोलणूं।
जबान दबाकर बोलना। डरते-डरते कहना।

जबान अटकणूं।

जबान अटकना। बोलते-बोलते रुकना।

जबान टालवा मऽ चिपकणूं।
जबान तालू से चिपकना। कुछ बोल न पाना।

जबान घिसणूं।
जबान घिसना। कहते-कहते थक जाना।

जबान खुश्क होणूं।
जबान सूख जाना। बहुत प्यास लगना।

जबान बंद करी देणूं।
जबान बंद कर देना। चुपचाप करा देना।

जबान बंद राखणूं।
जबान बन्द रखना। चुप रहना या कुछ न बोलना।

जबान पऽ सरसुति होणूं।
जबान पर सरस्वती होना। ज्ञानी होना। बोलते समय प्रभावी बोलना। सब विषयों का व्यवस्थित ज्ञान होना।

जबान पऽ रखेल होणूं।
जबान पर रखा होना। तुरन्त उत्तर देना। कण्ठस्थ होना।

जबान पऽ काबू करनूं।
जबान पर काबू करना। बोलने में सावधानी रखना। कहने-सुनने से अपने को रोकना।

जबान को छूट होणूं।
जबान का छूट होना। बिना सोचे-विचारे कुछ भी बोलने वाला।

जबान पऽ ताळो लगावणूं।
जबान पर ताला लगाना। कुछ न बोलना या न बोलने देना।

जबान मंजी जाणूं।
जबान मंज जाना। बोलने में सिद्ध होना। शुद्ध उच्चारण होना।

जबान बिगड़णूं।
जबान बिगड़ना। मुँह से अपशब्द निकलना। स्वाद बिगड़ना।

जबान बेलगाम होणूं।
जबान बेलगाम होना। जो जी में आए बोले जाना।

जबान मुंडा मऽ राखणूं।
जबान मुँह में रखना। बोलने की हैसियत रखना। चुप रहना।

जबान लड़खड़ाणूं।
जबान लड़खड़ाना। भय आदि से ठीक न बोल पाना।

जबान मऽ खुजली होणूं।
जबान में खुजली होना। झगड़ा करने को जी चुराना। रहस्य खोलने को उत्सुक रहना।

जबान सुखणूं।
जबान सूखना। कोई बात बार-बार कहना। प्यास लगना। प्रशंसा करना।

जबान सी फिरी जाणूं।
जबान से फिर जाना। अपनी कही बात से मुकर जाना। वचन तोड़ देना।

जबान सी लेणूं।
जबान सी लेना। चुप रहना। चुप्पी साध लेना।

जबान सी उफ् बी नी करनूं।
जबान से उफ् भी नहीं करना। कुछ भी नहीं कहना।

जबान डालणूं।
जबान डालना। माँगना। याचना या प्रश्न करना।

जबान मुंड़ा म डालनूं।
जबान मुँह में डालना। जबरन बुलवाना।

जबान पकड़नूं।
जबान पकड़ना। कहने से रोकना। शब्दों पर तर्क करना।

जबान पऽ आवणूं।
जबान पर आना। कहने की इच्छा होना, मुँह से निकलना।

जबान पऽ धरणूं।
जबान पर रखना। स्वाद लेना, याद रखना।

जबान पऽ धरेल होणूं।
जबान पर धरा होना। एकदम याद होना। स्मृति तेज होना।

जबान बन्द करनूं।
जबान बन्द करना। चुप कर देना। तर्क में हराना।

जबान बन्द होणूं।
जबान बन्द होना। बहस में पराजित होना।

जबान लड़ावणूं।
जबान लड़ाना। बहस करना। सवाल–जबाव करना।

जबानी जमा खरच करनूं।
जबानी जमा खर्च करना। केवल कहना। करना कुछ नहीं।

जबान संभालणूं।
जबान सँभालना। सोच–समझकर बोलना।

जबान मऽ काँटा होणूं।
जबान में काँटे होना। जीभ सूखना। जीभ में छाले होना।

जबान रळकावणूं।
जबान रलकाना। खाने के लिए लालायित होना।

जबान खींचणूं।
जबान खींचना। अनुचित बोलने की सजा देना।

जबान लम्बी करी–करी न खाणूं।
जबान लम्बी करके खाना। खूब पेट भरकर खाना।

जबान फिसलनूं।
जबान फिसलना। जो बात कहने की नहीं हो, वह कह देना।

जबान चट्टी होणूं।
जबान चट्टी होना। अच्छे, मीठे पकवान खाने की आदत होना।

जबान सी गूं खाई लेणूं।
जबान से गूं खा लेना। गन्दे या बुरे काम कर लेना। अच्छा बोलते–बोलते बुरा या गन्दा बोल देना।

जबान को सच्चो होणूं।
जबान का सच्चा होना। अपनी बात का पक्का होना।

जबान सळबळावणूं।
जबान सलबलाना। खाने–पीने की तीव्र इच्छा होना। मुँह में जीभ फिराना। मुँह में पानी आना। खाने के लिए मचल पड़ना।

जमी जाणूं।
जम जाना। धरना दे देना। टिक जाना। जमकर बैठ जाना।

जमघट लगावणूं।
जमघट लगाना। बहुत से लोगों का जुटना। भीड़ लगाना।

जमदूत की तरह आवणूं।
यमदूत की तरह आना। मृत्यु की तरह आना। हानि पहुँचाने के लिए आना।

जमा करणूं।
जमा करना। धन–सम्पत्ति इकट्ठी करना।

जमा पूँजी खाणूं।
जमा पूँजी खाना। इकट्ठी की धन–दौलत को खर्च करना।

जमा खर्च करनूं।
जमा खर्च करना। लेन–देन का हिसाब रखना।

जम्यो–जमायेल खेल बिगड़नूं।
जमा हुआ खेल बिगड़ना। सब कुछ अच्छा होने पर बुरा हो जाना।

जमानो याद आवणूं।
जमाना याद आना। पुरानी बातें याद आना।

जमानो बीती जाणूं।
जमाना बीत जाना। शान–शौकत का समय चला जाना। बहुत समय हो जाना।

जमाना की मार पड़नूं।
जमाने की मार पड़ना। समय का कुप्रभाव होना।

जमाना का साथ चलणूं।
जमाने के साथ चलना। जमाने की गति के साथ चलना।

सामाजिक परिवर्तनों के अनुसार जीना।

जमाने भर को बोझ उठाणूं।
जमाने भर का बोझ उठाना। सबकी फिक्र करना।

जमाना की फाकणूं।
जमाने की फाँकना। सारी दुनिया की गप लगाना।

जमाना की नस पहचाननूं।
जमाने की नस पहचानना। समय के साथ चलना।

जमानो अईं को वईं होणूं।
जमाना इधर का उधर होना। सब कुछ बदल जाना, लेकिन व्यक्ति का न बदलना।

जमाना की रीत होणूं।
जमाने की रीति होना। परम्परा के अनुसार चलना।

जमाना की परवाय नी करणूं।
जमाने की परवाह न करना। अफवाहों पर ध्यान न देना। लोगों की बातों को तरजीह नहीं देना।

जमाना कऽ देखी नऽ चलणूं।
जमाने को देखकर चलना। समय के अनुसार चलना।

जमाना भर की।
जमाने भर की। सारी दुनिया की। ढेर सारी।

जमाना सी डरनूं।
जमाने से डरना। लोकोपवाद से डरना।

जमानो देखणूं।
जमाना देखना। बहुत अनुभवी होना।

जमाना होणूं।
जमाना होना। समय होना। प्रभावशाली समय होना।

जमीन आसमान एक करनूं।
जमीन आसमान एक करना। अनथक प्रयत्न करना। बहुत हो–हल्ला करना।

जमीन आसमान को फरक होणूं।
जमीन आसमान का फर्क होना। बहुत अन्तर होना। एकदम विपरीत होना।

जमीन पांय हेटऽ सी खिसकणूं।
जमीन पाँव के नीचे से खिसकना। होशोहवास गुम हो जाना। भौंचक रह जाना। आधार नहीं रहना।

जमीन पऽ पांय नी पड़णूं।
जमीन पर पैर न पड़ना। खुशी के कारण फूला न समाना। अति उत्साहित होना।

जमीन मऽ गड़ी जाणूं।
जमीन में गड़ जाना। अत्यन्त लज्जित होना।

जमीन पकड़ी लेणूं।
जमीन पकड़ लेना। जमकर बैठ जाना। हार मान लेना।

जमीन तैयार करनूं।
जमीन तैयार करना। पृष्ठभूमि तैयार करना।

जमीन नापणूं।
जमीन नापना। इधर से उधर घूमना।

जमीन चाटणूं।
जमीन चाटना। नीचा देखना। पराजित होना।

जमीन बतावणूं।
जमीन बताना। मात देना। नीचा दिखाना।

जमीन पऽ आई जाणूं।
जमीन पर आ जाना। किये पर पछताना। मुँह के बल गिरना।

जमीन पऽ पांय नी धरणूं।
जमीन पर पैर न रखना। अकड़ना। घमण्ड करना।

जमीन पऽ रयणूं।
जमीन पर रहना। हमेशा व्यवहारिक होना या घमण्ड न करना।

जमीन की वात करनूं।
जमीन की बात करना। अपनी धरती, संस्कृति की बात करना।

जमीन को आदमी होणूं।
जमीन का आदमी होना। इन्सान होना। व्यवहारिक होना।

जमीन सी उठणूं।
जमीन से उठना। अत्यन्त गरीबी से धनवान होना। कुछ बनना।

जमीन खोदणूं।
जमीन खोदना। शर्म में मर जाना।

जमीन मऽ गाड़ देणूं।
जमीन में गाड़ देना। मौत दे देना।

जमीन सी उगणूं।
जमीन से उगना। अभी बचपना होना। उम्र में कम होना। अनुभव में कम होना।

जमीन मऽ पड़णूं।
जमीन में पड़ना। एकदम खराब स्थिति में पहुँच जाना।

जमीन को धूलो माथा पऽ धरणूं।
जमीन की धूल माथे पर रखना। धरती को सम्मान देना। मातृभूमि का सम्मान करना।

जमीन जायदाद का झगड़ा होणूं।
जमीन जायदाद के झगड़े होना। जमीन धन-सम्पत्ति सम्बन्धी लड़ाई-झगड़े होना।

जमीन जायदाद को नीलाम होणूं।
जमीन जायदाद का नीलाम होना। जमीन धन-सम्पत्ति का बिक जाना। कंगाल हो जाना।

जमीन ना पऽ कराड़णूं।
जमीन नाम पर कराना। जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम पर कराना। मालिकाना हक लेना।

जमीन फोड़ी नऽ निकलणूं।
जमीन फोड़कर निकलना। अचानक प्रकट होना।

जमीन मऽ सी धम्मूड़ो फूटणूं।
जमीन में से 'धम्मूड़ा' फूटना। जमीन से अचानक अंकुर का निकलना। अचानक प्रकट होना।

जमीन बांधणूं।
जमीन बाँधना। मकान बनाना।

जमीन को दान महादान होणूं।
जमीन का दान महादान होना। जमीन का दान करना सबसे बड़ा दान है।

जमीन सी पीठ नी लगणूं।
जमीन से पीठ नहीं लगना। आराम नहीं मिलना। सोने को नहीं मिलना।

जय-जयकार करनूं।
जय-जयकार करना। प्रशंसा या जयघोष करना।

जय मनावणूं।
जय मनाना। सफलता का जश्न मनाना।

जयहिन्द करनूं।
जयहिन्द करना। सम्बन्ध समाप्त करना। भारत की जय बोलना।

जय पराजय तो होती रयणूं।
जय-पराजय तो होती रहना। हार-जीत जीवन में लगी रहती है।

जय पताका फहराणूं।
जय पताका फहराना। विजय का झण्डा फहराना। विजयी होना।

जरा-जरा सी वात पऽ गुस्सो करनूं।
जरा-जरा सी बातों में गुस्सा करना। थोड़ी-थोड़ी बातों पर नाराज हो जाना।

जरा कांच मऽ अपणो मुंडो देखणूं।
जरा काँच में अपना मुँह देखना। जरा अपनी हैसियत या औकात को देखना।

जर जोरू जमीन जोर की, नई ते किसी और की।
धन-सम्पत्ति, औरत और जमीन ताकत से वश में होती है, नहीं तो किसी और के पास चली जाती हैं।

जर्रानवाजी करनूं।
जर्रा नवाजी करना। आवभगत करना।

जरद पड़णूं।
जर्द पड़ना। पीला पड़ना। कमजोर होना। डर जाना। बीमारी से पीला पड़ना।

जरदो खाणूं।
जरदा खाना। तम्बाकू खाना। एक तरह का नशा करना।

जरूरी फरमान निकालणूं।
जरूरी फरमान निकालना। आवश्यक आज्ञा देना।

जळी जाणूं।
जल जाना। आग में झुलस जाना। खाक हो जाना।

जळी उठणूं।
जल उठना। आग की लपटें उठना। क्रोधित होना। ईर्ष्या करना।

जल देणूं।
जल देना। पानी पिलाना। पेड़-पौधों में पानी देना।

जल की कमी होणूं।
जल की कमी होना। कुँए, तालाब, नदी में पानी कम होना। शरीर में पानी की मात्रा कम होना।

जल जीवन होणूं।
जल जीवन होना। जल के बिना जीवन सम्भव नहीं।

जल बिना सब सूनो होणूं।
जल के बिना सब सूना होना। पृथ्वी पर यदि जल मात्रा अधिक न होगी, तो वनस्पति/जीव जगत् का जीना मुश्किल होगा। सब जगह उजाड़ हो जायेगा।

जळी नऽ खाक होणूं।
जलकर खाक होना। पूरी तरह से जल जाना। राख हो जाना। क्रोध से पागल होना। ईर्ष्या से भर जाना।

जळती आग मऽ कूदणूं।
जलती आग में कूदना। विपत्ति में पड़ना।

जलती आग मऽ घी न्हाखणूं।
जलती आग में घी डालना। लड़ाई या क्रोध को और भड़काना।

जळी नऽ कोलसो होणूं।
जलकर कोयला होना। बहुत क्रोधित होना। ईर्ष्या से भर जाना।

जळी मरणूं।
जल मरना। ईर्ष्या, द्वेष, डाह से व्यथित होना।

जळई-जळई नऽ मारनूं।
जला-जलाकर मारना। बहुत अधिक सताना। परेशान करना। बहुत दु:ख देना।

जळी कटी सुणावणूं।
जली-कटी सुनाना। खरी-खोटी सुनाना।

जळ्या पऽ लोण छिड़कणूं।
जले पर नमक छिड़कना। कष्ट पर कष्ट देना। दु:खी को और दु:खी करना।

जली मरनूं।
जल मरना। द्वेष से कुढ़ना।

जळती आग पऽ पाणी न्हाखणूं।
जलती आग पर पानी आना। झगड़ा मिटाना।

जल थल एक करणूं।
जल थल एक करना। खूब वर्षा होना। बाढ़ आना।

जळेळ फफोला फोड़णूं।
जले फफोले फोड़ना। दु:खी को और सताना।

जवाब देणूं।
जवाब देना। इन्कार करना। उत्तर देना।

जवाब मांगणूं।
जवाब माँगना। कारण पूछना।

जवानी चढ़णूं।
जवानी चढ़ना। युवावस्था का गुरूर होना। जवानी आरम्भ होना। मद पर आना। मदमस्त होना।

जवानी का जोश मऽ रयणूं।
जवानी के जोश में रहना। जवानी के मद में रहना।

जवानी उभरनूं।
जवानी उभरना। किशोर से तरुण अवस्था में आना।

जवानी उतरनूं।
जवानी उतरना। उम्र ढलना।

जवानी मऽ मांजो ढीलो होणूं।
जवानी में मांझा ढीला होना। जवानी में सुस्त होना। आलसी होना।

जवानी फाटी पड़णूं।
जवानी फट पड़ना। जवानी प्रकट होना।

जवानी की नींद सोणूं।
जवानी की नींद सोना। गहरी नींद लेना। बेखबर सोना।

जवांमरदी दिखावणूं।
जवांमर्दी दिखाना। बहादुरी का परिचय दिखाना।

जवानी की हवा लगणूं।
जवानी की हवा लगना। जवानी के वे सभी काम करना, जो जवानी में किये जाते हैं।

जवाब तलब करनूं।
जवाब-तलब करना। सफाई माँगना।

जवाब नी सूझणूं।
जवाब नहीं सूझना। उत्तर न दे पाना। तर्क में परास्त होना।

जवाबदेही होणूं।
जवाबदेही होना। जिम्मेदारी होना। किसी काम के लिए उत्तरदायी होना।

जवाब सवाल करणूं।
जवाब-सवाल करना। उत्तर-प्रत्युत्तर देना। बहस करना।

जवाबी हमलो करनूं।
जवाबी हमला करना। हमले के विरुद्ध हमला करना।

जवाब नी होणूं।
जवाब नहीं होना। बेजोड़ होना। लाजबाब होना।

जस को तस होणूं।
जस का तस होना। जैसे को वैसे ही सलूक करना।

जस मिलणूं।
जस मिलना। यश मिलना। किसी काम को करने या कराने के बाद श्रेय मिलना।

जस को जस अरु काम को काम होना।
जस का जस और काम का काम होना। काम करते हुए यश भी मिलना।

जस का पाछऽ भागणूं।
जस के पीछे भागना। यश अर्जित करने की अनथक कोशिश करना।

जसो-जसो।
जैसे-जैसे। ज्यों-ज्यों।

जसो-तसो।
जैसा-तैसा। किसी भी तरह। बड़ी कठिनाई के साथ।

जसो को तसो होणूं।
जैसे को वैसा होना। कोई अन्तर नहीं होना। पहले जैसा रूप होना।

जस की तस धर देणूं।
जस की तस रख देना। जैसा का वैसा रख देना।

जसी-जसी भींगऽ कामरीं, वसो-वसो रंग चढ़णूं।
जैसी-जैसी भीगे कामरी, वैसे-वैसे रंग गाढ़ा होना। सभाव होना।

जहमत उठाणूं।
जहमत उठाना। कष्ट उठाना।

जहमत मोल लेणूं।
जहमत मोल लेना। जानबूझकर झंझट में पड़ना।

जहेर उतरनूं।
जहर उतरना। विष उतरना।

जहेर चढ़णूं।
जहर चढ़ना। शरीर में विष फैलना।

जहेर देणूं।
जहर देना। जहर खिला देना।

जहेर फैलणूं (फैलाणूं)।
जहर फैलना या फैलाना। विष शरीर में फैल जाना। बुरे विकार का फैलना। सेप्टिक होना।

जहेर उगलणूं।
जहर उगलना। घनघोर विरोध करना। खिलाफ बोलना।

जहेर को घूँट पीणूं।
जहर का घूँट पीना। क्रोध दिलाने वाली बात को भी सहन कर जाना। बदले में जवाब न देना।

जहेर घोलणूं।
जहर घोलना। किसी के प्रति दुर्भावना पैदा करना। कड़वाहट पैदा करना। कटु, अप्रिय स्थिति पैदा करना।

जहेर का दांत तोड़णूं।
जहर के दाँत तोड़ना। दुष्ट व्यक्ति को ऐसा कर देना कि वह फिर दुष्टता न करे।

जहेर की पुड़िया होणूं।
जहर की पुड़िया होना। अत्यन्त खतरनाक होना। मृत्यु तक हो जाना।

जहेर देखाणूं।
जहर दिखना। अप्रिय लगना। बहुत खटकने वाला होना।

जहर बुझ्यो बाण होणूं।
जहर बुझा बाण होना। बहुत दुःखदायी, बहुत तीखी/चुभने वाली बात होना।

जां का तां।
जहाँ का तहाँ होना। जैसा जहाँ था, वैसा ही होना।

जां चाह वां राह होणूं।
जहाँ चाह वहाँ राह होना। किसी काम को करने की इच्छा हो तो उसे करने के रास्ते/उपाय मिल जाते हैं।

जां सींग समाय वां जाणूं।
जहाँ सींग समाये, वहाँ जाना। जहाँ रहने का ठिकाना/आसरा/ भरासा हो, वहाँ जाना।

जहाज को पंछी होणूं।
जहाज का पंछी होना। ऐसा व्यक्ति जिसे घूम-फिरकर एक ही का आश्रय लेना पड़े।

जहाज डूबणूं।
जहाज डूबना। अहित या नुकसान होना। नैय्या डूबना।

जहां-तहां घूमणूं।
जहाँ-तहाँ घूमना। इधर-उधर थोड़ी-थोड़ी दूर रुकते जाना।

जां गुड़ होज व्हांज मकोड़ा आवज।
जहाँ गुड़ होता है, वहाँ चींटे लगते हैं। जहाँ मतलब की बात हो, वहीं लोग इकट्ठे होते हैं।

जांघ उघाड़णूं।
जाँघ उघाड़ना। निर्लज्जता का काम करना।

जाई धमकणूं।
जा धमकना। अचानक पहुँच जाना।

जाई भिड़नूं।
जा भिड़ना। मुकाबला करना।

जाई मिलणूं।
जा मिलना। किसी के पक्ष में हो जाना।

जागी उठणूं।
जाग उठना। सचेत होना। मन में आना। उत्पन्न होना।

जागरण करनूं (होणूं)।
जागरण करना या होना। पूरी रात न सोना। देवी जागरण-भजन-पूजन करना। मन में ज्ञान का प्रकाश होना।

जागरो निकलणूं।
जागरा निकलना। नींद न होने के बाद की थकान निकलना।

जागिरदार होणूं।
जागीरदार होना। भूस्वामी/प्रभावी व्यक्ति होना।

जागीरी होणूं।
जागीरी होना। लम्बी-चौड़ी भूमि पर स्वामित्व होना।

जात दिखावणूं।
जात दिखाना। वास्तविक रूप प्रकट होना। अपने अवगुण दिखाना।

जात भायर करनूं।
जात बाहर करना। जाति से अलग करना। खानपान आदि का सम्बन्ध तोड़ना।

जात को होणूं।
जाति का होना। एक तबके, परिवार का होना।

जात सी पईचाणी जाणूं।
जात से पहचान जाना। जाति से व्यक्ति के गुण-दोष पहचानना।

जात से बड़ो कोई नी हो तो।
जात से कोई बड़ा नहीं होता। जाति में बड़ा छोटा, अमीर-गरीब, सब एक समान होते हैं।

जात को फरक पड़णूं।
जाति का फर्क दिखना। व्यक्ति जातीय संस्कारों में अलग-थलग दिखाई देना।

जात सी कोई ऊँचो-नीचो नी होणूं।
जाति से कोई ऊँचा-नीचा नहीं होता। सब जातियाँ बराबर होती हैं।

जादू करी देणूं।
जादू कर देना। प्रभावित कर लेना/देना। अपने वश में करना।

जादू को असर होणूं।
जादू का असर होना। प्रभावित कर लेना/होना।

जादू उतरनूं।
जादू उतरना। प्रभाव दूर हो जाना।

जादू चढ़णूं।
जादू चढ़ना। प्रभाव होना।

जादू माथा पऽ चढ़ी नऽ बोलणूं।
जादू सिर पर चढ़कर बोलना। गहरा असर होना।

जादू टोनो करनूं।
जादू टोना करना। वश में कर लेना।

जादू दिखाणूं।
जादू दिखाना। वश में करने के खेल दिखाना।

जादू भरेल होणूं।
जादू भरा होना। आकर्षित करने की शक्ति होना।

जादू को पिटारो होणूं।
जादू भरा होना। आकर्षित करने की शक्ति होना।

जादू को पिटारो होणूं।
जादू का पिटारा होना। आकर्षित करने वाली वस्तुओं का भण्डार होना।

जादूगर होणूं।
जादूगर होना। अत्यन्त सम्मोहक व्यक्ति होना।

जादूगरनी का जाल मऽ फँसणूं।
जादूगरनी के जाल में फँसना। महिला जादूगरनी पुरुष जादूगर से भी खतरनाक होती है।

जादू को खेल करनूं।
जादू के खेल करना। जादू के खेलों का प्रदर्शन करना।

जादू नी चलनूं।
जादू नहीं चलना। आकर्षित न करना। चंगुल में न फँसना।

जादू हात की सफाई होणूं।
जादू हाथ की सफाई होना। जादू कोई तंत्र-मंत्र नहीं होता, वह तो हाथ सफाई (हाथ के खेल) होते हैं। जादूगर खुली आँखों में धूल झोंकते हैं।

जादू की छड़ी होणूं।
जादू की छड़ी होना। जादू की लकड़ी होना। तिलिस्मी छड़ी।

जादू की पोटली खोलणूं।
जादू की पोटली खोलना। कई आश्चर्यजनक चीज़ें निकालना।

जादू चली जाणूं।
जादू चल जाना। प्रभावित कर लेना या हो जाना।

जादूगरी करनूं।
जादूगरी करना। मोहित कर लेना।

जादू का खेल दिखावणूं।
जादू के खेल दिखाना। तिलिस्मी या आश्चर्यजनक खेल दिखाना।

जादू नगरी होणूं।
जादू नगरी होना। वश में करने वाला शहर होना।

जादू बंगाला को।
जादू बंगाल का। बंगाल जादू के लिए विश्व प्रसिद्ध है। वहाँ की स्त्रियाँ जादू के लिए जानी जाती हैं।

जादू मंतर करनूं (चलाणूं)।
जादू मन्तर करना या चलाना। जादू–टोना करना। वश में कर लेना।

जान का लाला पड़णूं।
जान के लाले पड़ना। सहज जीवन दुष्कर हो जाना। जान बचाने की फिक्र पड़ना।

जान को गिराक होणूं।
जान का ग्राहक होना। प्रबल शत्रु। जान लेने को तत्पर होना।

जान खऽ जान नी समझणूं।
जान को जान नहीं समझना। अपनी परवाह किये बिना अत्यधिक परिश्रम करना। प्राणों की चिन्ता न करना।

जान खाणूं।
जान खाना। तंग करना। बार–बार कहना। परेशान करना।

जान छुटणूं।
जान छूटना। छुटकारा मिलना। संकट से मुक्त होना।

जान छुड़ावणूं।
जान छुड़ाना। छुटकारा पाना या भागना। दुःखदायी से पिण्ड छुड़ाना।

जान पऽ आई बणणूं।
जान पर आ बनना। घोर विपत्ति आना। प्राण जाने का भय होना।

जान पऽ खेलणूं।
जान पर खेलना। विपत्ति में कूदना। प्राणों की परवाह किये बगैर संकट उठाना।

जानी बूझी नऽ करनूं।
जानबूझकर करना। सोच–समझकर कोई नुकसान देने वाला काम करना।

जान मऽ जान आवणूं।
जान में जान आना। संकट/कठिनाई दूर होना। बेचैनी दूर होना।

जान प्यारी होणूं।
जान प्यारी होना। सबको अपने प्राण प्यारे होना।

जान लड़ावणूं।
जान लड़ाना। अन्यतम प्रयास करना।

जान सी हात धोवणूं।
जान से हाथ धोना। प्राण गँवाना। मर जाना।

जान को भूक्यो होणूं।
जान का भूखा होना। प्राण लेने को तत्पर होना। प्राणघातक होना।

जान को जंजाल बणनूं।
जान का जंजाल बनना। आफत में फँस जाना। झंझटपूर्ण स्थिति होना।

जान को टुकड़ो होणूं।
जान का टुकड़ा होना। अत्यधिक प्रिय होना।

जान को दुस्मन होना।
जान का दुश्मन होना। जान की परवाह न करने वाला। जान लेने वाला।

जानी दुस्मन होणूं।
जानी दुश्मन होना। कट्टर शत्रुता होना।

जान की खैर मांगणूं।
जान की खैर माँगना। जान बचाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करना।

जान का पीछऽ पड़णूं।
जान के पीछे पड़ना। बहुत परेशान करना।

जान खतरा मऽ न्हाखणूं।
जान खतरे में डालना। जान जाने का भय होना।

जान छिड़कणूं।
जान छिड़कना। बहुत प्यार करना। जान न्यौछावर करना।

जान छोड़ी नऽ भागणूं।
जान छोड़कर भागना। बेहताशा भागना।

जान जोखिम मऽ डालणूं (पड़णू)।
जान जोखिम में डालना। पड़ना। ऐसे काम में हाथ डालना, जिससे जान जाने का खतरा होना।

जान सी बड़ो नी कोई होणूं।
जान से बढ़कर कोई नहीं होता। प्राण ही सब कुछ है।

जान डालणूं (न्हाखणूं)।
जान डालना। किसी व्यक्ति/संस्था/कार्यक्रम/समारोह आदि में अपनी उपस्थिति से उत्साह/आनन्द से भर देना। मायूसी समाप्त कर देना।

जान का खातिर सब कुछ करनऽ कऽ तैयार होणूं।
जान के खातिर सब कुछ करने के लिए तैयार होना। जान बचाने के लिए हर सम्भव उपाय करना।

जान एक करी देणूं।
जान एक कर देना। मरना, मारना, अथक मेहनत करना।

जान हतेली पऽ लई नऽ चलणूं।
जान हथेली पर लेकर चलना। मरने, मारने को तैयार होना।

जान की नौबत आवणूं।
जान की नौबत आना। मुसीबत में फँसना, जिसमें जान जाने की सम्भावना हो।

जान देणूं।
जान देना। निछावर होना। बहुत परिश्रम करना। कुर्बान होना।

जान पऽ खेलणूं।
जान पर खेलना। अपने प्राणों का खतरा उठाना।

जान फूंकणूं।
जान फूँकना। फिर से उत्साह भर देना।

जान बक्शी देणूं।
जान बख्श देना। मुक्त कर देना। छुटकारा देना।

जान मऽ जान आवणूं।
जान में जान आना। राहत की साँस लेना। सन्तोष मिलना। आश्वस्त होना।

जान सस्ती समझणूं।
जान सस्ती समझना। जान का महत्त्व नहीं समझना। तुच्छ समझना।

जान सूखी जाणूं।
जान सूख जाना। डर या कष्ट में रहना। होशहवाश गुम हो जाना।

जान सी हात धोवणूं।
जान से हाथ धोना। प्राण गँवाना।

जान हाजिर करनूं।
जान हाजिर करना। सब कुछ देने के लिए तत्पर रहना।

जान सी जाणूं।
जान से जाना। प्राण गँवा देना। बहुत कष्ट सहना।

जानी बूझी नऽ छेड़णूं।
जानबूझकर छेड़ना। जानबूझकर परेशान करना।

जानलेवा होणूं।
जानलेवा होना। मृत्यु देने वाला होना। असाध्य रोग होना।

जान की बाजी लगाणूं।
जान की बाजी लगाना। किसी को बचाने के लिए प्राणों को संकट में डाल देना।

जान छुड़ाणूं।
जान छुड़ाना। प्राण बचाना। बचना कठिन होना।

जान छुटणूं।
जान छूटना। झंझट से बचना।

जान जाणूं।
जान जाना। प्राण निकलना।

जान बचाणूं।
जान बचाना। प्राण बचाना।

जाप करनूं।
जाप करना। मंत्र पढ़ना। याद करना।

जापो होणूं।
जापा होना। प्रसूति होना।

जाम लगणूं।
जाम लगना। रास्ता रुक जाना।

जामो पेरणूं।
जामा पहिनना। विशेष चोला पहनना। जाने को तैयार होना।

जामो बदलनूं।
जामा बदलना। रूप बदलना।

जामण देणूं।
जामण देना। दूध जमाने के लिए दही/मही देना।

जाया करनूं।
जाया करना। व्यर्थ करना। नष्ट करना।

जारी करणूं।
जारी करना। शुरू करना।

जाल मऽ फसणूं।
जाल में फँसना। धोखे में आना। चंगुल में फँसना।

जाळा साफ करनूं।
जाले साफ करना। गलतफहमी दूर करना।

जाळ न्हाखणूं।
जाल डालना। मछली या चिड़िया फँसाने के लिए जाल डालना।

जाल बिछाणूं।
जाल बिछाना। किसी को फँसाने के लिए षड्यंत्र करना।

जिगरी दोस्त होणूं।
जिगरी दोस्त होना। पक्के मित्र होना।

जिगर को टुकड़ो होणूं।
जिगर का टुकड़ा होना। अत्यन्त प्रिय होना।

जिगर बड़ो होणूं।
जिगर बड़ा होना। बड़े दिलवाला होना।

जिगर थामी नऽ बठणूं।
जिगर थामकर बैठना। कड़ा दिल करके बैठना। बहुत पीड़ा होना।

जिगर पर छुरी चलावणूं।
जिगर पर छुरी चलाना। हृदय पर चोट करना या चीरना। कष्ट देना या पीड़ा देना।

जितरा मुंडा ओतरी बातनऽ होणूं।
जितने मुँह उतनी बातें होना। सबकी राय अलग-अलग होना।

जितरी चादर ओतरा पांय पसारनूं।
जितनी चादर उतने पैर पसारना। सामर्थ्य के अनुसार काम करना।

जितरो गुड़ ओतरो मीठो होणूं।
जितना गुड़ उतना मीठा होना। खर्च या श्रम के आधार पर काम अच्छा होना।

जिन्न बोतल मऽ उतारनूं।
जिन्न बोतल में उतारना। शैतान को वश में करना।

जिरह करणूं।
जिरह करना। बहस करना।

जिल्लत उठावणूं।
जिल्लत उठाना। अपमानित होना।

जिहाद छेड़णूं।

जिहाद छेड़ना। काफिरों के खिलाफ युद्ध करना।

जी अच्छो नी होणूं।
जी अच्छा नहीं होना। अस्वस्थ होना। मन प्रसन्न न होना।

जी चुरावणूं।
जी चुराना। काम से भागना।

जी जान सी चाहणूं।
जी जान से चाहना। बहुत प्यार करना।

जी जान लगावणूं।
जी जान लगाना। पूरी तरह से, पूरी ताकत से कार्य करना।

जी तोड़ कोशिश करनूं।
जी तोड़ कोशिश करना। घोर परिश्रम करना।

जी कड़ो करनूं।
जी कड़ा करना। हृदय दृढ़ करना।

जी कलपणूं (कलपाणूं)।
जी कलपना या कलपाना। हृदय को दु:ख पहुँचना या पहुँचाना।

जी की भंडास निकालणूं।
जी की भंडास निकालना। मन का दबा रोष निकालना।

जी को बोझ हळको करनूं (होणूं)।
जी का बोझ हल्का करना या होना। किसी चिन्ता से मुक्ति पाना।

जी उचटी जाणूं।
जी उचट जाना। मन न लगना।

जी ऊपर-नीच्च होणूं।
जी ऊपर-नीचे होना। हृदय उद्विग्न होना। भावावेश में आना।

जी कचोटणूं।
जी कचोटना। हृदय का दुखना।

जी को कांटो निकलणूं।
जी का काँटा निकलना। मन की पीड़ा, कसक निकलना।

जी को जंजाळ होणूं।
जी का जंजाल होना। हृदय में व्यर्थ का काम, झंझट होना।

जी की जलन मिटाणूं।
जी की जलन मिटाना। मन का क्लेश दूर करना।

जी की लगी होणूं।
जी की लगी होना। दिल की बात होना।

जी खऽ समझाणूं।
जी को समझाना। मन को समझाना।

जी कऽ जी समझणूं।
जी को जी समझना। हृदय को हृदय समझना। दया दिखाना। सहानुभूति रखना।

जी खऽ मारनूं।
जी को मारना। मन को वश में रखना। मन की इच्छा को दबाकर रखना।

जी खऽ लगणूं।
जी को लगना। मन पर असर होना।

जी खटकणूं।
जी खटकना। मन दुखना। मन में आशंका आना। बुरा लगना।

जी खट्टो करी देणूं।
जी खट्टा कर देना। मन दु:खी हो जाना या कर देना। खिन्न होना। मन फट जाना।

जी खिली जाणूं।
जी खिल जाना। मन प्रसन्न हो जाना।

जी खोली नऽ कोई काम करनूं।
जी खोलकर कोई काम करना। बड़े उत्साह से/बिना संकोच के उदारता के साथ काम करना।

जी छोटो करनूं (होणूं)।

जी छोटा करना या होना। मन उदास करना या होना।

जी जलणू (जळाणूं)।
जी जलना या जलाना। क्रोध, ईर्ष्या, दु:ख से मन को कष्ट देना या कुढ़ना।

जी ठंडो होणूं।
जी ठण्डा होना। मन शान्त होना।

जी ठिकाण पऽ नी होणूं।
जी ठिकाने पर न होना। मन स्थिर न होना। चल-विचल होना।

जी टटोलनूं।
जी टटोलना। मन के भाव जानने की कोशिश करना।

जी धक-धक करनूं।
जी धक-धक करना। मन घबराना। भय लगना। आशंका होना।

जी धड़कणूं।
जी धड़कना। भय/आशंका से मन घबराना।

जी दुखणूं (दुखाणूं)।
जी दुखना या दुखाना। मन को कष्ट होना या देना।

जी डोलनूं।
जी डोलना। मन विचलित होना।

जी तरसणूं।
जी तरसना। मन में लालसा होना। मन में चाहना होना।

जी तोड़ी नऽ काम करनूं।
जी तोड़कर काम करना। अत्यन्त परिश्रम से काम करना।

जी नी लगणूं।
जी न लगना। मन नहीं लगना।

जी नी भरनूं।
जी नहीं भरना। तृप्ति न होना।

जी निकली जाणूं।
जी निकल जाना। प्राणान्तक कष्ट होना।

जी पऽ दगड़ो धरनूं।
जी पर पत्थर रखना। मन कड़ा या कठोर करना।

जी भरी जाणूं।
जी भर जाना। बहुत गहरा दु:ख होना। मन सन्तुष्ट होना। तृप्त हो जाना।

जी भारी होणूं।
जी भारी होना। मन उदास होना।

जी मारी नऽ रई जाणूं।
जी मारकर रह जाना। मन की इच्छा को दबाकर रह जाना।

जी मिचलाणूं।
जी मिचलाना। घबराहट होना। घृणा उत्पन्न होना।

जी मऽ आणूं।
जी में आना। चित्त में विचार आना। मन में आना।

जी सी उतरी जाणूं।
जी से उतर जाना। मन से विलग हो जाना। दृष्टि से गिर जाना।

जी सी जी मिलणूं।
जी से जी मिलना। दो व्यक्तियों में प्रेम होना।

जी हलको होणूं।
जी हल्का होना। मन का बोझ दूर होना।

जी जान एक करनूं।
जी जान एक करना। अथक प्रयत्न करना।

जी जान लगाणूं।
जी जान लगाना। कोई प्रयत्न शेष न रखना।

जी उड़ी जाणूं।
जी उड़ जाना। घबराहट या धैर्य खो देना। चंचलता होना।

जी बेस होणूं।
जी बेस होना। मन अच्छा होना। निरोग होना।

जी उचटणूं।
जी उचटना। मन नहीं लगना। मन हट जाना।

जी मचलावणूं।
जी मचलना। उबकाई आना। घबराहट होना।

जी करनूं।
जी करना। इच्छा करना। मन में ऐसा सोचना।

जी कापणूं।
जी काँपना। मन में भय पैदा होना। डर जाना। भयवश हृदय की गति बढ़ जाना।

जी उकतावणूं।
जी उकताना। मन नहीं लगना। मन उचाट होना।

जी नानो करनूं।
जी नाना करना। मन उदास होना। निराश होना। मन छोटा होना।

जी तरसी जाणूं।
जी तरस जाना। इच्छा पूरी न होना।

जी बिलमाणूं।
जी बिलमाना। मनोरंजन से मन बहलाना।

जी मऽ बठणूं।
जी में बैठना। हृदय में अंकित होना। निश्चय होना। गहन प्रभाव होना।

जी मिलणूं।
जी मिलना। एक जैसा स्वभाव मिलना।

जी मऽ घर करनूं।
जी में घर करना। हृदय में बस जाना। विश्वास/योग्यता स्थापित करना।

जी भटकणूं।
जी भटकना। मन चंचल होना।

जी बठी जाणूं।
जी बैठ जाना। मन में गहरी उदासी छा जाना।

जी जाणणूं।
जी जानना। मन का ही जानना। महसूस करना।

जी फाटी जाणूं।
जी फट जाना। नफरत हो जाना।

जी देणूं।
जी देना। बहुत प्यार करना।

जी सी उतरी जाणूं।
जी से उतर जाना। दृष्टि से उतर जाना। कदर कम हो जाना।

जी सी करनूं।
जी से करना। ध्यानपूर्वक करना। मन लगाकर करना।

जीव तोड़ कोशिश करनूं।
जीव तोड़ कोशिश करना। पूरी तरह से, पूरा जोर लगाकर।

जीवता जीव मरी जाणूं।
जीते जी मर जाना। फजीहत होना। जीवन का महत्त्व न बचना। मृत्यु से बढ़कर दुःख पाना।

जीवतऽ जी।
जीते जी। जीवित रहते ही, जीवन में ही।

जीवणूं तवं तक सीवणूं।
जीना तब तक सीना। जीवन भर काम करते रहना।

जीवती माखी निगलनूं।
जीती मक्खी निगलना। जानबूझकर कोई अहितकर कार्य कर बैठना, जिससे बाद में भारी नुकसान होना।

जीती बाजी हारनूं।
जीती बाजी हारना। सफलता मिलते-मिलते रह जाना।

जीतो जागतो नमूनो होणूं।
जीता जागता नमूना होना। प्रत्यक्ष जीवन्त उदाहरण होना।

जीतो जागतो।
जीता जागता। जीवित और सचेत। भला चंगा।

जीणो हराम होणूं।

जीना हराम होना। जीना मुश्किल होना।

जीणो भारी होणूं।
जीना भारी होना। दु:ख भरा जीवन होना।

जीभ चलकणूं।
जीभ चलकना। खूब खाने के लिए लालायित होना।

जीभ खैंचणूं।
जीभ खींचना। सजा देना। बुरा बोलने का खामियाजा भुगतना।

जीभ पकड़नूं।
जीभ पकड़ना। बोलने न देना।

जीभ पऽ सरसती बठणूं।
जीभ पर सरस्वती बैठना। बड़ा विद्वान पंडित होना। वाक्‌पटु होना।

जीभ मऽ पाणी आवणूं।
जीभ में पानी आना। लालच होना। खाने के लिए उत्सुक होना।

जीभ लपलपाणूं।
जीभ लपलपाना। खाने के लिए आतुर होना।

जीभ लड़खड़ावणूं।
जीभ लखड़खाना। बोलने में अटक जाना। टूटे-फूटे शब्द निकलना।

जीव काटणूं।
जीभ काटना। बोलती बंद कर देना।

जीभ सम्हाळी नऽ बोलणूं।
जीभ सँभालकर बोलना। बहुत सोच-समझकर बोलना। शिष्टता के साथ बोलना।

जीरई जाणूं।
जीरा जाना। हजम कर जाना। दी हुई रकम न लौटाना।

जुकाम होणूं।
जुकाम होना। सर्दी-जुकाम होना। छोटे आदमियों का बड़ों के समान शौक करना।

जुग-जुग जीवणूं।
जुग-जुग जीना। लम्बे समय तक जीने का आशीर्वाद देना।

जुगत लगावणूं।
जुगत लगाना। उपाय सोचना। तदबीर करना।

जुग टूटणूं।
जुग टूटना। एकता या समूह टूटना।

जुटई लेणूं।
जुटा लेना। इकट्ठा कर लेना। सम्भव कर लेना।

जुम्मो-जुम्मो आठ दिन होणूं।
जुम्मा-जुम्मा आठ दिन होना। अभी-अभी प्रकाश में आना। थोड़े दिन का अनुभव होना।

जुलुम ढानूं।
जुल्म ढाना। अत्याचार करना।

जूं नी रेंगणूं।
जूं नहीं रेंगना। कोई असर न होना।

जूठन खाणूं।
जूठन खाना। किसी के आश्रय में पलना या रहना। किसी का बचा हुआ खाना।

जूठी पत्तल होणूं।
जूठी पत्तल होना। वह स्त्री, जिसका विवाह हो गया हो, दूसरा विवाह करने की इच्छुक हो।

जूतो मारनूं।
जूता मारना। अपमानित करना।

जूता उठावणूं।
जूते उठाना। चापलूसी करना। निकृष्ट सेवा कराना।

जूता घिसणूं।
जूते घिसना। बार-बार चक्कर लगाना।

जूता चोर होणूं।

जूता चोर होना। छोटी-छोटी चोरियाँ करना।

जूता चटकारनूं।
जूते चटकारना। बेकार इधर-उधर घूमना। आवारा घूमना। मारा-मारा फिरना।

जूता नऽ म दाळ बंटणूं।
जूतों में दाल बंटना। आपस में खूब लड़ाई-झगड़ा होना।

जूता की नोक पऽ धरणूं।
जूते की नोंक पर रखना। तुच्छ समझना। परवाह न करना।

जूता नऽ सी रोंदणूं।
जूतों से रौंदना। जूतों से मार-मारकर नष्ट कर देना।

जूता नऽ मऽ पड़ी रयणूं।
जूतों में पड़े रहना। निरादर के बाद भी बने रहना।

जेब गरम करनूं।
जेब गरम करना या खूब लाभ कमाना। होना। रिश्वत देना।

जेब कतरनूं।
जेब कतरना। काटना। धोखा देकर पैसे ऐंठना। जेब से चुपचाप रुपया-पैसा निकाल लेना।

जेब भरनूं।
जेब भरना। रिश्वत देना।

जेल की हवा खाणूं।
जेल की हवा खाना। कैदखाने में बन्द होना।

जेल की रोटी नऽ तोड़णूं।
जेल की रोटियाँ तोड़ना। जेल में सजा भुगतना।

जेहन मऽ होणूं।
जेहन में होना। याद रखना।

जोंक की तरह चिपकणूं।
जोंक की भाँति चिपकना। हर समय साथ बने रहना। खून पीना।

जो आवज ऊ जायज गऽ।
जो आता है, वह जायेगा ही। मृत्यु अनिवार्य है।

जो गरजज ऊ बरसता नी।
जो गरजते हैं, वे बरसते नहीं। बहुत बढ़-चढ़कर बातें करने वाला आदमी कुछ नहीं करता।

जो बोलऽ ऊज कुंडी खोलऽ।
जो बोले वही कुंडी खोले। जो हामी भरे उसे ही सारे कार्य करना पड़े।

जोगी हुई जाणूं।
जोगी हो जाना। साधु-संन्यासी हो जाना। विरागी हो जाना।

जोड़-तोड़ करनूं।
जोड़-तोड़ करना। सफलता के लिए हर सम्भव उपाय करना।

जोत जगाणूं।
जोत जगाना। दीप जलाना। प्रकाश करना। ज्ञान बाँटना।

जोर आजमाणूं।
जोर आजमाना। अपने प्रभाव की धौंस जमाना। प्रयत्न करना।

जोर चलनूं।
जोर चलना। प्रभाव होना।

जोर जबरदस्ती करणूं।
जोर जबरदस्ती करना। अनाधिकार दबाव डालना। जबरन करना।

जोश ठण्डो पड़णूं।
जोश ठण्डा पड़ना। उत्साह ढीला पड़ना।

जोश मऽ आवणूं।
जोश में आना। गुस्से में आना। उत्साह में आना।

जौहर दिखाणूं।
जौहर दिखाना। पराक्रम करना। हुनर दिखाना।

ज्ञान झाड़णूं।

ज्ञान झाड़ना। विद्वत्ता दिखाना।

ज्वार-भाटो आवणूं।
ज्वार-भाटा आना। उतार-चढ़ाव आना।

जवणो पांय पूजणूं।
बायाँ पैर पूज लेना। हार मान लेना।

झ

झकलट होणूं।
झकलट होना। धुनी या सनकी होना।

झक मारनूं।
झक मारना। समय नष्ट करना। लाचार होना।

झक करनूं।
झक करना। अच्छी तरह से सुनाना। सफेद करना।

झगड़ा की नौबत आवणूं।
झगड़े की नौबत आना। बात करते-करते झगड़ा हो जाना।

झगड़ो मोल लेणूं।
झगड़ा मोल लेना। जबरन झगड़ा करना। जानबूझकर उलझना।

झगड़ा की जड़ होणूं।
झगड़े की जड़ होना। झगड़े का मूल कारण होना।

झट सीं।
झट से। एकदम या तत्काल।

झटको खाणूं।
झटका खाना। मुसीबत सहना।

झटका को माल खाणूं।
झटके का माल खाना। जबरदस्ती छीने माल को हजम कर जाना।

झंडो गाड़णूं।
झंडा गाड़ना। प्रभाव जमाना। अधिकार कर लेना।

झंडा का हेटऽ आवणूं।
झंडे के तले आना। किसी एक विचारधारा/सत्ता के केन्द्र में इकट्ठा होना।

झंडो खड़ो करणूं।
झंडा खड़ा करना। अपनी नई पार्टी या दल बनाना।

झंडो फहराणूं।
झंडा फहराना। जीत होना। झंडा चढ़ाना।

झण्डी बतावणूं।
झण्डी बताना। इंकार करना।

झड़ लगणूं।
झड़ लगना। लगातार बारिश होना। बार-बार होना।

झड़ी लगणूं।
झड़ी लगना। मूसलाधार वर्षा होना।

झड़ बांधणूं।
झड़ बाँधना। खूब बोलना।

झलक दिखाणूं।
झलक दिखाना। थोड़ी देर दर्शन देना। दिखाई देना।

झप खाणूं।
झप खाना या झेंपना। पलंग का गोता लगाना।

झपटी लेणूं।
झपट लेना। झपटकर छीन लेना।

झपट्टा मारनूं।
झपट्टा मारना। तेज गति से झपट्टा मार भाग जाना।

झमेला मऽ पड़नो।
झमेले में पड़ना। मुसीबत में पड़ना। द्विविधा में पड़ना।

झराझर रुपय्या बरसणूं।
झराझर रुपये बरसना। प्रतिदिन खूब आमदनी होना।

झांई पड़णूं।
झांई पड़ना। छाया पड़ना। प्रभाव पड़ना।

झांवली होणूं।
झाँवली होना। बाल बिखरे होना।

झांसो देणूं।
झाँसा देना। धोखा देना।

झाड़ देणूं।
झाड़ देना। झाड़ू लगाना। घर-आँगन में झाड़ू लगाना। डाँटना या फटकारना।

झाड़ी पोंछी नऽ देखणूं।
झाड़ पोंछकर देखना। खूब जाँच-परखकर देखना।

झाड़नू झटकणूं।
झाड़ना-झटकना। साफ-सफाई करना। जो कुछ पास में हो, वह सब लूट लेना।

झाड़ पऽ चढ़णूं।
झाड़ पर चढ़ना। बहाकावे में आना। अति करना।

झाड़ऽ जाणू।
झाड़े जाना। शौच जाना।

झाईं पड़णूं।
झाईं पड़ना। अक्स दिखना। काला पड़ना।

झाड़ो लेणूं।
झाड़ा लेना। तलाशी लेना। अपमानित करना।

झाड़ू फेरणूं।
झाड़ू फेरना। पूरी तरह से हटा देना। नष्ट कर देना।

झाड़ू फिरणूं।
झाड़ू फिरना। सब साफ हो जाना। नष्ट हो जाना।

झाड़ू मारणूं।
झाड़ू मारना। साफ करना। निरादर करना। नफरत करना।

झापड़ मारनूं।
झापड़ मारना। थप्पड़ मारना।

झिड़कणूं।
झिड़कना। डाँट-फटकार करना।

झिड़की देणूं (खाणूं)।
झिड़की देना या खाना। डाँट-डपट करना या सुनना।

झुंड का झुंड निकलणूं।
झुण्ड के झुण्ड निकलना। समूह के समूह बहुत से निकलना।

झुण्ड मऽ रयणूं।
झुण्ड में रहना। समूह में एक साथ रहना।

झुकी-झुकी पड़णूं।
झुक-झुक पड़ना। विनम्रता से झुक जाना। मदमस्त होना।

झूठो-सच्चो कयणूं (लगाणूं)।
झूठा-सच्चा कहना या लगाना। झूठ-सच बोलना। चुगली करना।

झूठो पड़णूं।
झूठा पड़ना। असत्य निकलना। अपमानित होना।

झूठी गंगा उठाणूं।
झूठी गंगा उठाना। झूठी कसम खाना।

झूठी जबान देणूं।
झूठी जबान देना। झूठा वायदा करना।

झोंक मारनू।
झोंक मारना। कम तोलना।

झोंकणूं।
झोंकना। किसी चीज को आग में डालना।

झोंका खाणूं।
झोंका खाना। गति के कारण धक्का लगना।

झोंटो पकड़ी नऽ खैंचणू।
झोंटा पकड़कर खींचना। बाल पकड़कर बाहर निकालना।

झोपड़पट्टी होणूं।
झोपड़पट्टी होना। झुग्गी-झोपड़ियों की बसाहट। गरीब लोगों की रहने की जगह होना।

झोपड़ो तोड़णूं।
झोपड़ा तोड़ना। गरीबों के घर उजाड़ना।

झोल डालनूं।
झोल डालना। ढील देना। जगह-जगह सिकुड़ जाना, ढीला होना। सल पड़ना। ध्यान न देना।

झोळई उठावणूं।
झोली उठाना। भीख माँगना।

झोळई बांधणूं।
झोली बाँधना। घर में शिशु का आना।

झोळई भरनूं।
झोली भरना। अन्न देना। इच्छा पूरी होना।

झोंक देणूं।
झोंक देना। अपने आपको किसी काम में पूरी तरह से बिना लाभ-हानि के सोचे समर्पित कर देना।

झेली जाणूं।
झेल जाना। सहम कर जाना।

झेलनऽ की ताकत होणूं।
झेलने की ताकत होना। भीतरी शक्ति होना। विचलित न होना।

ट

टकी-टकी लगावणूं।
टकटकी लगाना। बिना पलक झपके एक समान देखना। अपलक देखना।

टक बांधणूं (लगावणूं)।
टक बाँधना या लगाना। स्थिर दृष्टि से देखना। आसरा देखना। अपेक्षा से देखना।

टक-टक देखणूं।
टक-टक देखना या घूरना।

टकरई जाणूं।
टकरा जाना। भिड़ जाना। मुलाकात हो जाना।

टक्कर होणूं।
टक्कर होना। कहा-सुनी होना। लड़ाई-झगड़ा होना। बराबरी होना।

टकरातो फिरणूं।
टकराते फिरना। इधर-उधर मारे-मारे फिरना।

टक्कर मारनूं।
टक्कर मारना। धक्का देना। बराबरी करना। समानता हेतु तत्पर होना।

टकसाळ लगावणूं।
टकसाल लगाना। अधिक पैसा कमाना।

टक्कर झेलणूं।
टक्कर झेलना। संकट, आपत्ति या हानि झेलना।

टक्कर लेणूं।
टक्कर लेना। बराबरी करना। मुकाबला करना।

टका की जान।
टके की जान। अकेला, फक्कड़ व्यक्ति।

टका सईं मुंडो लई नऽ रयी जाणूं।
टके के समान मुँह लेकर रह जाना। खिसियाना । छोटा-सा मुँह लेकर रह जाना।

टका सईं जवाब देणूं।
टके के समान जवाब देना। साफ इन्कार करना।

टका की बात होणूं।
टके की बात होना। दो टूक बात होना। पैसे सम्बन्धी बात होना।

टका सेर भाजी, टका सेर खाजा।
टके सेर भाजी, टके सेर खाजा। हर चीज़ का एक भाव होना।

टको भर।
टका भर। थोड़ा-सा। कम से कम अनुपात में।

टको एक नी होणूं।
टका एक नहीं होना। एक भी पैसा पास में न होना।

टको-टको जोड़णूं।
टका-टका जोड़ना। एक-एक पैसा इकट्ठा करना।

टका को आदमी होणूं।

टके का आदमी होना। बहुत मामूली तुच्छ व्यक्ति होना।

टका को खेल होणूं।
टके का खेल होना। सब पैसे का खेल होना।

टका का तीन-तीन मिलणूं।
टके के तीन-तीन मिलना। सहज सस्ती उपलब्धता होना। साधारण या तुच्छ होना।

टका सेर बिकणूं।
टका सेर बिकना। बहुत सस्ता होना।

टका-टका का लेणऽ तरसणूं।
टके-टके के लिए तरसना। मोहताज होना। बहुत गरीब होना।

टकारो होणूं।
टकारा होना। इधर-उधर भटकने वाला। पत्थर जोड़ने वाला। एक जाति।

टको खरचणूं।
टका खरचना। पैसे खर्च करना।

टखणो मोड़णूं।
टखना मोड़ना। घुटना मोड़ना। उकड़ू होना।

टंग लावणूं नऽ टंग खाणूं।
टंग लाना और टंग खाना। समय पर लाना और खाना। गरीबी हालत होना।

टंगड़ी मारनूं।
टंगड़ी मारना। अड़चन डालना। चलते को टाँग लगाकर गिराना।

टंगड़ी तोड़णूं।
टंगड़ी तोड़ना। पैर तोड़ देना। चलते-चलते थक जाना।

टंगई जाणूं।
टंग जाना। किसी मुसीबत में फँस जाना। लटक जाना। अकेले रह जाना।

टच करनूं।
टच करना। ध्यान दिलाना।

टटको जुवाब देणूं।
टटका जवाब देना। एकदम सीधा-सादा उत्तर देना।

टट्टर को दरवाजो होणूं।
टट्टर का दरवाजा होना। घास-फूँस बाँस टाट का द्वार होना।

टट्टी हुई जाणूं (निकळी जाणूं)।
टट्टी हो जाना या निकल जाना। भयभीत हो जाना। स्थिति बिगड़ जाना।

टट्टू भाड़े का।
भाड़े का टट्टू। पैसा लेकर काम करने वाला। वफादार होना।

टणको होणूं (पड़णूं)।
टणका होना या पड़ना। मजबूत होना। पड़ना।

टण-टण करनूं।
टण-टण करना। लड़ाई की बात करते रहना। कुछ भी बोलना।

टनाटन होणूं।
टनाटन होना। मजबूत होना। भरपूर होना।

टपकी पड़नूं।
टपका पड़ना। अचानक आ जाना।

टप-टप टपकणूं।
टप-टप टपकना। छत का पानी टप-टप गिरना। पानी धीमे बरसना।

टप-टप डोळा टपकणूं।
टप-टप आँख टपकना। आँखों में आँसुओं का गिरना।

टप्पा खाणूं (खेलनूं)।
टप्पे खाना या खेलना। फालतू बिना कामकाज के इधर-उधर भटकना। गेंद का बार-बार उछालना। दर-दर भटकना।

टप-टप आणूं।

टप-टप आना। जल्दी से आकर बैठ जाना। एक के बाद एक आना।

टर-टर करनूं।
टर-टर करना। व्यर्थ की बकवास करना। जोर से बोलते ही जाना।

टल्ला खाणूं।
टल्ले खाना। दर-दर भटकना।

टस सी मस नी होणूं।
टस से मस न होना। अपनी बात, विचार या निर्णय से न बदलना।

टसुआ ढाळणूं।
टसुए ढालना। आँसू बहाना। दिखावटी होना।

टहलई देणूं।
टहला देना। किसी बहाने में बहला देना। नकार देना।

टाका लगणूं।
टाके लगाना। घाव को सी देना।

टांकी लगणूं।
टांकी लगना। बारी आना। घर/मकान में टंकी लगना।

टाका उधेड़णूं।
टाँके उधेड़ना। गुप्त बात को सबके सामने बताना।

टाका ढीला करी देणूं।
टाँके ढीले कर देना। काम लेकर, मार-मारकर बुरा हाल करना।

टाका टूटणूं।
टाके टूटना। परिश्रम करने से कतराना। सिलाई खुल जाना।

टाको भिड़ाणूं।
टाका भिड़ाना। सम्बन्ध बनाना। प्यार का सम्बन्ध स्थापित करना।

टांग अड़ावणूं।
टाँग अड़ाना। विघ्न डालना। बिना मतलब हस्तक्षेप करना।

टांग का नीच्च सी निकळणूं।
टाँग के नीचे से निकलना। हार मानना।

टांग का नीच्च सी निकाळना।
टाँग के नीचे से निकालना। जलील करना। नीचा दिखाना। पराजित करना। सिखाना।

टांग का नीच्च दबई नऽ रखणूं।
टाँग के नीचे दबाकर रखना। ताबेदारी में रखना। गुलाम बनाकर रखना। दबाव में रखना।

टांग पसारी नऽ बठणूं।
टाँग पसारकर बैठना। निश्चिन्त होना। सुख से दिन बीतना।

टांग उघाड़णूं।
टाँग उघाड़ना। अपनी गुप्त बात को उजागर करना।

टांग उखाड़णूं।
टाँग उखाड़ना। अपंग कर देना। किसी काम का न रहने देना। चलने में लाचार कर देना। शब्दों में डराना।

टांग फंसणूं।
टाँग फँसना। किसी मामले में लिप्त होना। किसी काम में संलग्न होना।

टांग पकड़नूं।
टाँग पकड़ना। आगे नहीं बढ़ने देना।

टांग खींचणूं।
टाँग खींचना। आलोचना करना या गिराना।

टांग उच्ची करनूं।
टांग उच्ची करना। कहकर मुकर जाना। करने का कहना, लेकिन ऐनवक्त पर मुकर जाना।

टांग नऽ मऽ कुब्बत होणूं।
टाँगों में कूबत होना। चलने/काम करने की ताकत होना।

टांग नऽ कांपणूं।
टाँगें काँपना। किसी काम करने में भय लगना या डरना।

टांग नऽ मऽ जोर होय तो हिमालय पऽ चढ़ी जाणूं।

पैरों में चलने की ताकत हो तो हिमलाय पर चढ़ सकते हैं। बड़े से बड़ा काम कर सकते हैं।

टांग तोड़ी नऽ धर देणूं।
टाँग तोड़कर रख देना। बड़ा काम करना। अपंग कर देना।

टांग उच्ची करी नऽ मूंतणूं।
टाँग ऊँची करके मूतना। विश्वासघात करना। विश्वास तोड़ देना।

टांग एक पऽ खड़ो रयणूं।
एक टाँग पर खड़ा रहना। कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहना।

टांग हेटऽ रयणूं।
टाँग तले रहना। अवैध सम्बन्ध होना।

टांग तोड़ी नऽ बठी जाणूं।
टाँग तोड़कर बैठ जाना। पूरी तरह असहाय या अशक्त हो जाना।

टांग पसारनूं।
टाँग पसारना। अपना कारोबार बढ़ाना। मृत्यु के समीप होना।

टांग होण पसारी नऽ सोवणूं।
टाँगें पसारकर सोना। बहुत आराम से सुख के दिन काटना। निश्चिन्त होकर सोना।

टांग होण रई जाणूं।
टाँगें रह जाना। चलते-चलते थक जाना।

टांग होण भरई जाणूं।
टाँगें भरा जाना। चलते-चलते थक जाना। टाँगों में खिंचाव आना।

टांग होण माथा पऽ धरी नऽ भागणूं।
टाँगें सिर पर रखकर भागना। बहुत जोर से भागना। बेहताशा भागना।

टाण पऽ धरणूं।
टान पर रखना। कोई चीज लाफ्टर पर रखना। ऊपर रखना।

टाण गंजी होणूं।
टाण गंजी होना। अधिक खर्च करवा देना।

टाप आवणूं।
टाप आना। प्रथम आना। सर्वश्रेष्ठ होना।

टापोटाप चलनूं।
टापोटाप चलना। बहुत अच्छा चलना। एकदम अच्छा होना।

टापता रयणूं।
टापते रहना। ताकते रह जाना। मुँह देखते रह जाना।

टापू सेंकणूं।
टापू सेंकना। जलते कण्डों पर गोल-गोल बाटियाँ सेंकना। पूजा के लिए भोग बनाना।

टापरो गिरवी धरणूं।
टापरा गिरवी रखना। कच्चा मकान भी गिरवी रख देना। ऋण लेना।

टापरा-टापरा पहुँचणूं।
टापरे-टापरे पहुँचना। कोई खबर या अफवाह घर-घर पहुँचना।

टापरो सुधारणूं।
टापरा सुधारना। जर्जर मकान की मरम्मत करना।

टापरो लिल्लाम होणूं।
टापरा नीलाम होना। घर/मकान कर्ज में बिक जाना।

टापरो छोड़णूं।
टापरा छोड़ना। शरीर का त्याग करना।

टापरो मुड़णूं।
टापरा मुड़ना। घर-परिवार बिखर जाना।

टांय-टांय करणूं।
टांय-टांय करना। व्यर्थ चिल्लाना। बकवास करना।

टार रोड़ होणूं।
टार रोड होना। डामर रोड होना। सड़क ठीक होना।

टालम टूली करनूं।
टालम टूली करना। काम के लिए बहानेबाजी करना।

टालमटोल करणूं।
टालमटोल करना। बहानेबाजी करना। आनाकानी करना।

टाल का बाल उड़णूं।
टाल के बाल उड़ना। सिर के बाल झड़ना। कुछ पास में नहीं रहना।

टाल खुजलाणूं (लोचणूं)।
टाल खुजलाना या लोचना। मार खाने की इच्छा होना। सिर खुजलाना।

टाळई जाणूं।
टाल जाना। उपेक्षा करना। अनसुना करना। इन्कार करना।

टाळ पऽ बुलावणूं।
टाल पर बुलाना। कैफियत लेना। खिंचाई करना।

टाल गंजी होणूं (करणूं)।
टाल गंजी होना या करना। अधिक पैसा खर्चा करवा देना या होना।

टाल चमकणूं।
टाल चमकना। सिर पर एक बाल न होना, उस पर तेल लगाना।

टाट का थेगळा लगावणूं।
टाट के थेगले लगाना। बेहूदापन करना। अत्यन्त गरीबी का सूचक होना।

टाट का थेगळा रेशम पऽ लगावणूं।
टाट के थेगले रेशम पर लगाना। बेमेल काम करना।

टाटी लगावणूं।
टाटी लगाना। ओट या परदा करना।

टाटी की आड़ सी तीर चलावणूं।
टाटी की आड़ से तीर चलाना। छिपकर किसी के विरुद्ध चाल चलना। पीछे भड़काना। साजिश करना।

टाटी की आड़ मऽ सिकार करनूं।
टाटी की आड़ में शिकार करना। छिपकर किसी के लिए बुरा कार्य करना।

टिकट कटी जाणूं।
टिकट कट जाना। मृत्यु सन्निकट होना।

टिकट मिलणूं।
टिकट मिलना। किसी पार्टी का टिकिट मिलना। चुनाव में खड़े होना।

टिप-टिप होणूं।
टिप-टिप होना। सामान्य वर्षा होना।

टिप्पस भिड़ावणूं।
टिप्पस भिड़ाना। युक्ति करना। कराना। उपाय करना।

टिमटिमाणूं।
टिमटिमाना। दीपक के बुझने की अवस्था।

टीप चढ़ावणूं।
टीप चढ़ाना। सगाई की रस्म करना, जिसमें वस्त्र गहने आदि कन्या के लिए ससुराल पक्ष से आते हैं।

टीप लेणूं।
टीप लेना। विवाह के समय उपहार लेना।

टीप लिखाड़णूं।
टीप लिखाना। विवाह की यानी लगन का मुहूर्त्त तिथि आदि की टीपण लिखना।

टीपटॉप होणूं (करणूं)।
टीपटॉप होना या करना। करना/होना/शान दिखाना।

टीमटाम करणूं।
टीमटाम करना। बनावटी तड़क-भड़क करना।

टीस उठणूं।
टीस उठना। मन में दर्द या पीड़ा होना।

टीस मारनूं।

टीस मारना। रह-रहकर, रुक-रुककर पीड़ा होना।

टुकड़ा नऽ पऽ पलणूं।
टुकड़ों पर पलना। दूसरे के अधीन होना। दूसरे की रोटी पर पलना।

टुकड़ा नऽ का लेणऽ तरसणूं।
टुकड़ों के लिए तरसना। रोटी के लिए तरसना। खाने-पीने की चीजों का अभाव होना।

टुकड़ा तोड़णूं।
टुकड़े तोड़ना। किसी के आश्रित होकर रहना।

टुकड़ा-टुकड़ा होणूं (करनूं)।
टुकड़े-टुकड़े होना या करना। नष्ट होना या नष्ट करना।

टुकुर-टुकुर देखणूं।
टुकुर-टुकुर देखना। निरीह सा मुँह लेकर देखना।

टुटपुंजिया होणूं।
टुटपुंजिया होना। मामूली आर्थिक स्थिति वाला होना।

टूटी पड़नूं।
टूट पड़ना। लपक पड़ना। बुरी तरह से मारना। एकाएक किसी पर हमला करना।

टूट होणूं।
टूट होना। फूट पड़ना। झगड़ा होना।

टूटेल-फूटेल वात करनूं।
आधी-अधूरी बात करना।

टूटली दिवाल को भरोसा नी होणूं।
टूटी दीवार का भरोसा नहीं होना। जिसका सहारा हो, वही टूटी हुई हो, उसके सहारे कैसे रहा जा सकता है।

टें-टें करनूं।
टें-टें करना। रट लगाना। बकवास करना।

टेंटवो दबावणूं।
टेंटवा दबाना। गला घोटना।

टेक पऽ अड़णूं।
टेक पर अड़ना। प्रण पर अड़े रहना। जिद करना।

टेक राखणूं।
टेक रखना। शान रखना। जिद पूरी करना।

टेक निभावणूं।
टेक निभाना। प्रण को निभाना।

टेढ़ो काम होणूं।
टेढ़ा काम होना। कठिन काम होना।

टेढ़ो आदमी होणूं।
टेढ़ा आदमी होना। बुरा, चालाक आदमी होना।

टेढ़ो-टेढ़ो चलणूं।
टेढ़ा-टेढ़ा चलना। अकड़ जाना। विरोधी। हर बात पर प्रतिरोध जताकर चलने वाला व्यक्ति। इतराना।

टेढ़ी खीर होणूं।
टेढ़ी खीर होना। कठिन काम होना।

टेढ़ो पड़णूं।
टेढ़ा पड़ना। उग्र रूप धारण करना।

टेढ़ो बोलणूं।
टेढ़ा बोलना। उल्टी-सीधी बातें कहना। बिगड़कर बोलना।

टेढ़ी आँख करनूं।
टेढ़ी आँख करना। क्रोध से देखना। अच्छी भावना न होना। बदले की नजर से देखना।

टेढ़ी उंगली से घी निकाळणूं।
टेढ़ी अँगुली से घी निकालना। चालबाजी से काम निकालना।

टेढ़ी चाल चलनूं।
टेढ़ी चाल चलना। गलत काम करना। अलग-अलग चलना।

टेढ़ी राह पकड़नूं।

टेढ़ी राह पकड़ना। गलत काम करना। कठिन रास्ते पर चलना। आसान उपाय छोड़ उलझन वाले उपाय करना।

टेढ़ी तिरछी सुनाणूं।
टेढ़ी तिरछी सुनाना। भला-बुरा कहना।

टेढ़ो तिरछो होणूं।
टेढ़ा तिरछा होना। काम के बचाव से इधर-उधर होना। बहुत चालाक होना।

टेढ़ी मांग करणूं।
टेढ़ी माँग करना। तिरछी माँग निकालना।

टेसू को फूल होणूं।
टेसू का फूल होना। खूब सज-धजकर निकलना। लाल गुलाल होना।

टेस दिखावणूं।
टेस दिखाना। अकड़ दिखाना।

टेस मऽ रयणूं।
टेस में रहना। घमण्ड में रहना।

टेस होणूं।
टेस होना। घमण्ड होना।

टेस निकळी जाणूं।
टेस निकल जाना। घमण्ड चूर हो जाना।

टेसी दिखावणूं।
टेसी दिखाना। अपना अहंकार दिखाना। ठसक दिखाना।

टोकी देणूं।
टोक देना। किसी को काम करते समय कुछ कह देना या रोक देना। बुरा मान जाना।

टोका-टाकी करनूं।
टोका-टाकी करना। बिना मतलब पूछताछ करना।

टोटको करनूं।
टोटका करना। मंत्र द्वारा किसी काम या बात को न होने देना।

टोटो होणूं (खाणूं)।
टोटा होना या खाना। नुकसान या हानि होना।

टोटो पड़नूं।
टोटा पड़ना। कमी होना।

टोटा सी पड़णूं।
टोटे से पड़ना। जुवार की घास से भी गया बीता होना।

टोपी उछालणूं।
टोपी उछालना। दूसरे का मजाक बनाना।

टोपी उछलणूं।
टोपी उछलना। अपयश फैलना। इज्जत चली जाना।

टोपी पेराणूं।
टोपी पहनाना। उल्लू बनाना। आर्थिक स्वार्थ सिद्ध करना। धोखा देना।

टोपी पहनणूं।
टोपी पहनना। इज्जत में आना।

टोपी पांय नऽ मऽ धरणूं।
टोपी पाँवों में रखना। इज्जत की रक्षा करना। सक्षम से सुरक्षा की भीख माँगना।

टोपी बदलनूं।
टोपी बदलना। विचारधारा बदलना। शासक बदलना।

टोपणूं।
टोपना या ढँकना। किसी बात को छिपाना।

टौचणू।
टौचना। गालियाँ देना। उलाहना देना।

टुनकी जाणूं।
टुनक जाना। झुँझलाना, रूठना, नाराज होना।

टणको होणूं।
टनको होना। कड़क और मजबूत होना।

टन्नाणूं।
टन्नाना। ताकना। गुस्सा होना।

टुंगी-टुंगी न खाणूं।
टुंग-टुंग कर खाना। धीरे-धीरे खाना।

टुगाणूं।
टुंगाना। किसी को खाने के लिए तरसाना। भूखे के सामने बैठकर खाना। चिढ़ाना।

ठ

ठक-ठक करनूं।
ठक-ठक करना। बार-बार एक ही बात बोलना। झगड़ा करना।

ठकर-ठकर करनूं।
ठकर-ठकर करना। व्यर्थ तर्क करना। जिद करना।

ठकुर सुहाती करनूं।
ठकुर सुहाती करना। मुँह देखी बात करना।

ठक्कर बाप्पा होणूं।
ठाकुर बापा होना। महत्त्वपूर्ण व्यक्ति होना या गणेश। गणपति होना।

ठग निकलणूं।
ठग निकलना। धोखेबाज निकलना।

ठग विद्या होणूं।
ठग विद्या होना। धोखाधड़ी, धूर्तता, छल प्रपंच होना।

ठगी करनूं।
ठगी करना। धोखाधड़ी करना। जेब काटना। लूट लेना। उल्लू बनाकर पैसा ऐंठना।

ठगी लेणूं।
ठग लेना। उल्लू बनाकर लूट लेना।

ठगानूं।
ठगाना। उल्लू बनना। आर्थिक नुकसान में पहुँचना।

ठगेल रयी जाणूं।
ठगा रह जाना। चकित। भौंचक्क रह जाना।

ठट्ठो करनूं।
ठट्ठा करना। हँसी मजाक करना।

ठट्ठा मारी नऽ हँसणूं।
ठट्ठा मारकर हँसना। खूब जोरो से हँसना।

ठट्ठा मऽ उड़ावणूं।
ठट्ठे में उड़ाना। हँसी मजाक में उड़ाना। कुछ महत्त्व न देना।

ठन-ठन पाल होणूं।
बिना रुपये पैसे के खाली हाथ होना।

ठनी-ठनी जाणूं।
ठन जाना। लड़ाई हो जाना। आपस में मनमुटाव होना।

ठन-ठन करणूं।
ठन-ठन करना। किसी चीज के लिये रोते रहना।

ठप्पो लगणूं।
ठप्पा लगना। पहचान बन जाना। पुष्टि करना।

ठप्प होणूं।
ठप्प होना। बन्द हो जाना।

ठप्पो चलनूं।
ठप्पा चलना। रुतबा होना। नाम चलना। प्रभाव होना।

ठप्पो होणूं।
ठप्पा होना। प्रभाव होना।

ठपाठप होणूं।
ठपाठप होना। आपस में भिड़ जाना। एक दूसरे को धौल जमाना।

ठसक होणूं।
ठसक होना। घमण्ड होना। शान होना।

ठसका मऽ रयणूं।
ठसके में रहना। शान में रहना। घमण्ड में रहना।

ठसका मऽ गरम मसालो होणूं।
ठसके में गरम मसाला होना। बढ़ा-चढ़ाकर शान दिखाना।

ठसको निकलणूं।
ठसको निकलना। घमण्ड चूर हो जाना। शान निकल जाना।

ठसका सी बठणूं।
ठसके से बैठना। शान से बैठना। अकड़कर बैठना।

ठसका की बयरु।
ठसके की औरत। नखरे की औरत। शान में रहने वाली स्त्री।

ठस होणूं।
ठस होना। जड़ मूर्ख होना।

ठसाठस होणूं।
ठसाठस होना। बहुत भीड़ होना। ठूंस-ठूंसकर भरना।

ठस्सा मऽ निकलणूं।
ठस्से में निकलना। बन संवरकर निकलना। नखरा करना।

ठांय-ठांय होणूं।
ठांय-ठांय होना। कहा सुनी होना। एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप होना।

ठांय होणूं।
ठांय होना। बिल्कुल पूरी तरह से कार्य हो जाना।

ठांय को।
ठांय का। सबका सब। सदा के लिये।

ठांव नी ठिकाणो।
ठांव न ठिकाना। रहने का कोई स्थान नहीं। आश्रय नहीं।

ठांव ढूंढणूं।
ठांव ढूँढना। आश्रय ढूँढना। छाया ढूँढना।

ठाट बाट होणूं।
ठाट बाट होना। शान शौकत होना।

ठाट पड़ी रई जाणूं।
ठाट पड़े रह जाना। मृत्यु के बाद सब कुछ यहीं रह जाना है।

ठाट बिगड़ी जाणूं।
ठाट बिगड़ जाना। शान बिखर जाना।

ठाठ सी रयणूं।
ठाट से रहना। शान से रहना।

ठाठ बदलणूं।
ठाठ बदलना। नया रूपरंग, वेश, पैंतरा बदलना।

ठाठ सी कटनूं।
ठाठ से कटना। मौज या आनंद से जीवन यापन होना।

ठाठ दिखाणूं।
ठाठ रिखाना। शान शौकत दिखाना।

ठिकाणो ढूंढणूं।
ठिकाना ढूँढना। रहने का स्थान ढूँढना। जीविका का साधन ढूँढना।

ठिकाणो नी रयणूं।
ठिकाना न रहना। अस्थिर रहना।

ठिकाणऽ पहूँचणूं (पहुँचाना)।
ठिकाने पहुँचना या पहुँचाना। चाहे गये स्थान पर पहुँचना। या पहुँचाना।

ठिकाणऽ लगावणूं।
ठिकाने लगाना। मार डालना। नष्ट कर देना। चुप कर देना।

ठिकाणा की वात करनूं।
ठिकाने की बात करना। युक्तियुक्त बात करना। सत्य बात करना।

ठिठोळई करनूं।
ठिठोळी करना। हँसी मजाक करना।

ठीक निसाणा पऽ लगणूं।
ठीक निसाने पर लगना। मन वांछित कार्य होना। वास्तविक प्रभाव होना।

ठीक रास्ता पऽ आवणूं।
ठीक रास्ते पर आना। उचित कार्य करने लगना। सकारात्मक सोच होना।

ठीक रास्ता पऽ लगणूं (चलणूं)।
ठीक रास्ते पर लगना या चलना। सत्य मार्ग पर चलने लगना।

ठीक-ठाक होणूं।
ठीक-ठाक होना। सामान्य रूप से सही होना। निश्चित होना।

ठीकरो फूटणूं।
ठीकरा फूटना। अपयश होना। कलंक या दोष लगना।

ठीकरो फोड़णूं।
ठीकरा फोड़ना। अपयश लगना। किसी अपराध का दोष मढ़ना। कलंक लगाना।

ठीकरो समझणूं।
ठीकरा समझना। किसी काम या मूल्य को नहीं समझना।

ठीकरा ऐचाणूं।
ठीकरे बिकना। घर के बर्तन तक बिक जाना। अत्यन्त गरीबी होना।

ठेंगो बतावणूं।
ठेंगा बताना। अँगूठा दिखाना। कुछ भी न करना।

ठेंगा पऽ धरणूं।
ठेंगे पर धरना। कोई परवाह न करना।

ठोकर मारनूं।
ठोकर मारना। ठुकराना या अपमानित करना। पैर मारना।

ठोकर खाणूं।
ठोकर खाना। असावधानी से मार्ग में पत्थर से पैर टकराना। जीविका के लिये भटकना। पैर पर आघात लगना। धोखा खाना।

ठोकर खातो फिरनूं।
ठोकर खाते फिरना। मारा-मारा फिरना। इधर-उधर अपमानित होकर भटकना।

ठोकर लगणूं।
ठोकर लगना। भूलवश हानि होना।

ठोकर नऽ मऽ पड़ी रयणूं।
ठोकरों में पड़े रहना। मार गाली खाकर भी बने रहना। बेइज्जती से बने रहना।

ठोकणूं (बजावणूं)।
ठोकना या बजाना। जाँचना परखना।

ठोकला पडणूं।
ठोकला पड़ना। कोई ऐसा काम करना, जिसमें कोई नवीनता न हो।

ठोकी बजई नऽ देखणूं।
ठोक बजाकर देखना। जाँच परखकर देखना।

ठोकी पीटी नऽ बराबर करनूं।
ठोक पीटकर बराबर करना। हर तरह से साम-दाम-दंड नीति से काम लेना।

ठौर नी रयणूं।
ठोर न रहना। कोई जगह न रहना। जहाँ के तहाँ रह जाना।

ठोण मिलऽ नी ठिकाणो।
ठोर मिले न ठिकाना। कोई गुण न होना, नाक नक्श अच्छा न होना। कोई स्थान नहीं। असुन्दर। अकर्मशील

ठंड पड़नूं।
ठंड पड़ना। जाड़ा पड़ना। सर्द मौसम होना।

ठंड लगणूं।
ठंड लगना। ठंड देकर बुखार आना। जुकाम होना।

ठंडो मौसम होणूं।
ठंडो मौसम होना। चारों ओर अधिक ठण्ड होना।

ठंडक होणूं।
ठंडक होना। तापमान गिरना। अत्यधिक ठंडा होना।

ठंडो करनूं।
ठंड़ा करना। शान्त करना। जोश समाप्त करना। मार डालना।

ठंडो पड़नूं।
ठंडा पड़ना। शान्त होना। क्रोध कम होना। बेहोश होना। साहस न रहना।

ठंडो राखणूं।
ठंडा रखना। शान्त रखना।

ठंडो सुभाव होणूं।
ठंडा स्वभाव होना। शान्त गम्भीर स्वभाव होना।

ठंडा दिमाग सी सोचणूं।
ठंडे दिमाग से सोचना। शान्त होकर सोचना।

ठंडो लोही होणूं।
ठंडा लहू होना। जोश रहित स्वभाव होना।

ठंडो होणूं।
ठंडा होना। मृत हो जाना।

ठंडोठस होणूं।
ठंडाठस होना। किसी भी चीज से प्रभावित न हो।

ठंडी आग मऽ जलणूं।
ठंडी आग में जलना। भीतर ही भीतर व्यथित होना।

ठंड वाजणूं।
ठंड बजना। सर्दी लगना।

ठंड चढ़णूं।
ठंड चढ़ना। ज्वर से पहले शीत लगना।

ठंड मऽ मरनूं।
ठंड में मरना। ठण्ड से परेशान हो जाना।

ठंडो करनूं।
ठंडा करना या बुझाना। जल में विसर्जित करना। क्रोध शान्त करना। हराना या दबाना।

ठंडी ल्हाय होणूं।
ठंडी लाय होना। बर्फ गिरना, हिमपात, पाला पड़ना।

ठण्ड आवणूं।
ठण्ड आना। शीत काल का प्रारम्भ होना।

ठण्डी सांस भरणूं।
ठण्डी सांस भरना। आह भरना, दुःख की लम्बी सांस लेना।

ठंडी मार पड़नूं।
ठंडी मार पड़ना। भीतरी मार होना।

ठंडी गार होणूं।
ठंडीगार होना। बर्फ की तरह ठण्डी। वह तन जिसमें कामोद्दीपन न हो।

ठंडी-ठंडी हवा चलणूं।
ठंडी-ठंडी हवा चलना। ठंडी हवाएँ चलना। शरीर को कंपकपाना।

ठंडी निकलणूं।
ठंडी निकलना। सर्दी, जुकाम, बुखार आना।

ठंड को प्रकोप होणूं।
ठंड का प्रकोप होना। ठंड लग जाना। जुकाम या बुखार हो जाना।

ठंड मऽ अकड़ी जाणूं।
ठंड में अकड़ जाना। ठण्ड से शरीर ऐंठना। खिचना।

ठंडी आह भरणूं।
ठंडी आह भरना। अफसोस करना। आह भरना।

ठंडऽ ठंडऽ निकली जाणूं।
ठंडे-ठंडे निकल जाना। बचकर निकल जाना। बिना किसी से मिले चले जाना।

ठंडो पाणी पीणूं।
ठंडा पानी पीना। प्यास बुझाना।

ठण्डो ठिकरो होणूं।
ठण्डा ठिकरा होना। एकदम शान्त स्वभाव होना। हर काम में समय लगाने वाला होना।

ठण्डा बस्ता मऽ धराणूं।

ठण्डे बस्ते में धराना। मामला विलम्बित हो जाना।

ठंडो लखोंडो गरम लखोंडा कऽ काटज।
ठण्डा लोहा गरम लोहे को काटता है। एक क्रुद्ध व्यक्ति को दूसरा शान्त व्यक्ति ही संयत्र बना सकता है।

ठण्डो खाणूं नऽ सूती पैरनूं।
ठण्डा खाना और सूती पहिनना। शान्त रहना और सामान्य रहना।

ड

डक-डक करनूं।
डक-डक करना। लालायित करना। ललचाना। मन विचलित होना।

डकणूं।
डकना। उल्टी करना। वमन करना। बात को उगलना।

डकी नऽ चाटणूं।
डक कर चाटना। वमन करके चाटना। अपनी बुरी बात को वापस लेना।

डकार लेणूं।
डकार लेना। चीज या रकम को हजम कर जाना।

डकारी जाणूं।
डकार जाना। हजम कर जाना।

डकार नी लेणूं।
डकार न लेना। किसी का धन चुपचाप हजम कर जाना, देने का नाम न लेना।

डकार को पेट भरेल बतावणूं।
डकार का पेट भरा हुआ बताना। डकार भरे पेट का सूचक है। खूब खाया हुआ होना।

डंका की चोट पऽ कयणूं।
डंके की चोट पर कहना। निर्भीकता से सबके सामने कहना।

डंको पीटणूं।
डंका पीटना। घोषित करना। चिल्ला-चिल्लाकर सबको सुनाना।

डंको वाजणूं।
डंका बजना। अधिकार होना। शासन होना।

डंको बजाड़णूं।
डंका बजाना। स्वयं को प्रसिद्ध करना।

डग-मग चलनूं।
डग-मग चलना। लड़खड़ा कर चलना।

डग भरनूं।
डग भरना। पैर बढ़ाना या चलना।

डग मगाती नाव होणूं।
डगमगाती नाव होना। डूबती उतरती नाव होना।

डगमगाती नाव को खिवैया होणूं।
डगमगाती नाव को खिवैया होना। घोर विपत्ति में उद्धार करने वाला होना।

डगर बताणूं।
डगर बताना। रास्ता बताना। उपदेश देना। उपाय बताना।

डगर-डगर घूमणूं।
डगर-डगर घूमना। यहाँ-वहाँ घूमना। खाक छानना।

डटी जाणूं।
डट जाना। बैठ जाना। जबरन जगह बना लेना।

डटी नऽ खाणूं।
डटकर खाना। जमकर खाना। गले तक पेट भरना।

डटी रयणूं।
डटी रहना। अड़ा रहना।

डटणूं।
डटना। किसी कार्य/स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना।

डंड पेलणूं।
डंड पेलना। डंड बैठक लगाना। मजे उड़ाना।

डंडी मारनूं।
डंडी मारना। कम तौलना।

डंडो होणूं।
डंडा होना। अकेला होना। जिसके आगे पीछे कोई न होना।

डर दिखाणूं।
डर दिखाना। किसी को भयभीत करना।

डर भरनूं।
डर भरना। मानसिक रूप से कमजोर करना। मन में भय उत्पन्न करना।

डफली बजावणूं।
डफली बजाना। अपनी प्रशंसा स्वयं करना। प्रचार करना।

डफली अपणी-अपणी, राग अपणो-अपणो।
अपनी-अपनी डफली, अपना-अपना राग। जितने लोग उतनी राय या विचार होना।

डूबती नाव पार लगावणूं।
डूबती नाव पार लगाना। दु:ख से उबारना या बचाना।

डूबेल नाम तिरावणूं।
डूबा हुआ नाम ऊँचा करना। गई इज्जत पुन: प्राप्त करना। उद्धार करना।

डाँट खाणूं।
डाँट खाना। डाँट फटकार सुनना।

डाँट मऽ रखणूं।
डाँट में रखना। वश में रखना। घेरे में रखना।

डाँट-डपट करनूं।
डाँट-डपट करना। डाँटना-डपटना।

डांड होणूं।
डांड होना। अव्यवहारिक। लेकर वापस न देने वाला।

डांड चलावणूं।
डांड चलाना। नाव खेना।

डांवा डौल होणूं।
डांवा डौल होना। विचलित होना।

डाढ़ा मारी नऽ रोणूं।
दहाड़े मारकर रोना। जोर-जोर से रोना। पुक्का फाड़कर रोना।

डाल झुकणूं।
डाल झुकना। विनम्र होना।

डाल-डाल पात-पात होणूं।
डाल-डाल पात-पात होना। इधर-उधर, हर जगह। बहुत होशियार होना।

डाल टूटणूं।
डाल टूटना। बेसहारा होना।

डींग हाँकणूं।
डींग हाँकना। आत्म प्रशंसा में बड़ी-बड़ी बातें करना। अपनी तारीफ करना।

डीलडौल का अच्छो होणूं।
डीलडौल का अच्छा होना। हृष्ट-पुष्ट होना।

डुग-डुगी बजाणूं।
डुग-डुगी बजाना। प्रचार करना।

डुबकी लगाणूं।
डुबकी लगाना। काम करते-करते कहीं गायब हो जाना।

डूबी जाणूं।
डूबी जाना। निमग्न होना।

डूबी मरनूं।
डूबी मरना। शर्म के मारे गड़ जाना। पानी में डूबना।

डूबता कऽ तिनका को सहारो होणूं।
डूबते को तिनके का सहारा। अधिक कष्ट में किसी की थोड़ी मदद मिलना।

डूबती नाव खऽ पार लगावणूं।
डूबती नाव को पार लगाना। बिल्कुल बिगड़े काम को सुधार लेना।

डूबणऽ की जगह नी रयणूं।
डूबने की जगह न रहना। अत्यन्त शर्मिन्दगी महसूस करना।

डेढ़ पसली को होणूं।
डेढ़ पसली का होना। दुबला पतला होना।

डेडर जसो टर-टर करनूं।
डेडर जैसा टर-टर करना। फालतू बकवास करना। ज्यादा बोलना।

डेडर खऽ जुकाम होणूं।
मेंढक को जुकाम होना। छोटे आदमी का घमण्ड से इतराना।

डेड़ चोखा की खिचड़ी रांदणूं।
डेढ़ चावल की खिचड़ी पकाना। बहुमत से अलग अपनी राय रखना।

डेरो जमाणूं।
डेरा जमाना। जम जाना।

डेरो उखाड़णूं।
डेरा उखाड़ना। डेरा कहीं और ले जाना। अस्थाई निवास बदलना।

डेवढ़ी पऽ नी चढ़णूं।
डेवढ़ी पर नहीं चढ़ना। डेल पर नहीं चढ़ना। घर में प्रवेश न करना।

ड्योढ़ी छूटणूं।
ड्यौढ़ी छूटना। आना-जाना बंद होना।

ड्यौढ़ी पऽ माथो झुकाणूं।
ड्यौढ़ी पर सिर झुकाना। किसी के यहाँ आदर का भाव लेकर आना।

डोंगो पार लगणूं।
डोंगा पार लगना। काम पूरा होना। तर जाना।

डोर टूटणूं।
डोर टूटना। जीवन के दिन समाप्त होना।

डोर मजबूत होणूं।
डोर मजबूत होना। सम्बन्ध प्रगाढ़ होना। जीवन शेष होना।

डोर मऽ बंधणूं।
डोर में बँधना। एक सूत्र (विवाह बंधन) में बँधना।

डोली मऽ बठणूं।
डोली में बैठना। ससुराल जाना। मायके से विदा होना।

डोली उठणूं।
डोली उठना। मायके से विदा होना।

डोलो तैयार करणूं।
डोला तैयार करना। शवयात्रा की तैयारी करना।

डोला उघड़नूं।
आँख खुलना। ज्ञान प्राप्त होना। नींद से जागना।

डोला खुलनूं।
आँखें खुलना। उठना। सचेत होना।

डोला अटकणूं।
आँख अटकना। प्रेम हो जाना।

डोला भटकणूं।
आँखें भटकना। भ्रमित होना।

डोला आवणूं।
आँखें आना। आँखों की बीमारी होना।

डोळा उठावणूं।
आँखें उठाना। सामना। अनादर करना।

डोला चार होणूं।
आँखें चार होना। आँखें मिलना। आमने-सामने होना। प्रेम होना।

डोळा कान खुल्ला राखणूं।
आँख कान खुले रखना। देखना-सुनना। होशियार रहना। सतर्क रहना।

डोळा की सरम राखणूं।

आँख की शर्म रखना। आँखों से मर्यादा या लज्जा का पालन करना।

डोळा आद्दर नी करनूं।
डोला ऊपर नहीं करना। शर्म के मारे आँखें न मिलाना।

डोळा चढ़णूं।
आँखें चढ़ना। गुस्सा होना।

डोळा चढ़ावणूं।
आँखें चढ़ाना। क्रोध करना।

डोला फाड़ी नऽ देखणूं।
आँखें फाड़कर देखना। गौर से या ध्यान से देखना।

डोळा मिचमिचावणूं।
आँखें मिचमिचाना। आँखें छोटी-छोटी करना। बार-बार छपकाना।

डोळा चुरावणूं।
आँखें चुराना। बचने की कोशिश करना। कतरा जाना। टाल जाना।

डोळा चुरई नऽ देखणूं।
आँखें चुराकर देखना। छिपकर देखना। दृष्टि बचाकर देना।

डोळा तरसणूं।
आँखें तरसना। देखने के लिये लालायित होना।

डोळा भरी आवणूं।
आँखें भर आना। आँखों में आँसू आ जाना या रो देना।

डोळा चुकणूं।
आँखें चूकना। असावधान होना। न देख पाना।

डोळा नऽ मऽ आवणूं।
आँखों में आना। खटकना। बुरा लगना।

डोळा बतावणूं।
आँखें बताना। क्रोध से देखना, कोप बताना।

डोळा मऽ चढ़णूं।
आँखों में चढ़ना। अच्छा लगना। भा जाना। विश्वास पात्र होना।

डोळा नऽ मऽ राखणूं।
आँखों में रखना। आँखों के सामने रखना। अत्यधिक प्रिय होना। सुख प्रदान करने वाला होना।

डोळा पलटनूं।
आँखें पलटना। तेवर बदल जाना।

डोला पईचाणनूं।
आँखें पहचानना। आँखों के भाव समझना। संकेत समझना।

डोळा फाडणूं।
आँखें फाड़ना। गौर से देखना।

डोला मिचणूं।
आँखें मिचना। मृत्यु होना।

डोलो (आँख) झमकावणूं।
आँख मारना। आँख से प्यार का संकेत करना।

डोळा बंद करनूं।
आँखें बंद करना। भूल जाना, बेखबर हो जाना।

डोला बिछावणूं।
आँखें बिछाना। प्रेम से स्वागत करना।

डोहा नऽ मऽ पाणी आवणूं।
आँखों में पानी आना। आँखें छलक जाना। आँसू आना।

डोला खुल्ला का खुल्ला रयणूं।
आँखें खुली की खुली रहना। आश्चर्य चकित रह जाना।

डोला चारई तरफ राखणूं।
आँखें चारों ओर रखना। हर तरफ देखना।

डोला वाकड़ा होणूं।
आँखें टेढ़ी होना। नाराज होना।

डोला तिस्या होणूं।
आँखें प्यासी होना। दर्शन की इच्छा होना।

डोला नऽ मऽ मिरी झोकणूं।
आँखों में मिर्ची झोकना। धोखा देना।

डोळा मीची नऽ चलणूं।
आँखें मिचकर चलना। बिना देखे या सोचे चलना। पीछे-पीछे चलना।

डोळा नऽ को तारो होणूं।
आँखों का तारा होना। बहुत प्रिय होना।

डोळा नऽ को पाणी ढलणूं।
आँखों का पानी ढलना। निर्लज्ज होना।

डोला नऽ का रस्ता मन मऽ बसणूं।
आँखों के रास्ते मन में बसना। आँखों और हृदय को अच्छा लगना।

डोला समोर इन्धारो छाणूं।
आँखों के सामने अंधेरा छाना। चक्कर आ जाना। कुछ दिखाई न देना।

डोला नऽ का आगऽ नाचणूं।
आँखों के आगे नाचना। सदैव ध्यान में बने रहना।

डोला नऽ का सामनऽ राखणूं।
आँखों के सामने रखना। आँखों से ओझल न होने देना।

डोला नऽ मऽ खून उतरनूं।
आँखों में खून उतरना। गुस्से से लाल होना। आग बबूला होना। बदले की भावना पैदा होना।

डोला नऽ मऽ गढ़णूं।
आँखों में गढ़ना। बुरा लगना। खटकना। ना पसंद करना।

डोला नऽ मऽ धूलो झोकणूं।
आँखों में धूल झोकना। धोखा देना।

डोला नऽ मऽ लोण न्हाखणूं।
आँखों में नमक डालना। दगा देना। अहित करना।

डोला नऽ मऽ रात काटणूं।
आँखों में रात काटना। रातभर जागते रहना।

डोला फेरनूं।
आँखें फेरना। आँखें घूमाना। अचेत होना।

डोला सी उतरनूं।
आँखों से उतरना। चित से उतर जाना। नजर से गिरना।

डोळा नऽ सी जमानो देखणूं।
आँखों से जमाना देखना। अनुभवी होना। ऐसा नहीं होना।

डोला नऽ सी कभी देखणूं?
आँखों से कभी न देखना। देखना पसंद नहीं करना।

डोला धूणीधार लगणूं।
आँखों से धूणीधार लगना। आँखों से आँसूओं की वर्षा होना।

डोला नऽ पऽ पट्टी बांधणूं।
आँखों पर पट्टी बाँधना। टालना या देखकर भी अनदेखा करना।

डोळा फेरी नऽ निकळई जाणूं।
आँखें फेरकर निकल जाना। आँखें बचाकर निकल जाना। उपेक्षाकर निकल जाना।

डोळा नऽ मऽ काजळ पेरावणूं।
आँखों में काजल पहनाना। धोखा देना। चोरी करके ले जाना।

डोळा मिचाणूं।
आँखें मिचाना। मृत्यु हो जाना।

डोळा नऽ मऽ समावणूं।
आँखों में समाना। सुन्दरता से विमोहित होना।

डोळा नऽ सी खाणूं।
आँखों से खाना। ऐसे कटीले तरीके से देखना कि सामने वाले को भय लगने लगे।

डोला नऽ मऽ कंकरी पड़णूं।
आँखों में कंकड़ पड़ना। आँखों में दर्द होना या दुखना। किरकराना।

डोळा किरकराणूं।
आँखें करकराना। आँखों में जलन होना या खटकना।

डोला नऽ कंकरी सईं चुभणूं।
आँखों में कंकड़ की तरह चुभना। बुरा लगना या खटकना। दुश्मन होना।

डोळा आवणूं।
आँखें आना। आँखों की बीमारी होना। अपने आपको अधिक श्रेष्ठ समझना।

डोळा चंचल होणूं।
आँखें चंचल होना। अस्थिर मन वाला होना।

डोळा निकालणूं।
आँखें निकालना। किसी बात पर गुस्सा होना। आश्चर्य करना।

डोळा नऽ मऽ नींद होणूं।
आँखों में नींद होना। उनींदे होना। पूरी तरह सो न पाना।

डोळा नऽ मऽ सपना होणूं।
आँखों में सपने होना। भविष्य के बारे में सोचना।

डोळा नऽ मऽ किच्चड़ आवणूं।
आँखों में कीचड़ आना। आँखों का बीमार होना।

डोळा नऽ पऽ चश्मो चढ़णूं।
आँखों से चश्मा चढ़ना। दृष्टि बदलना।

डोला नऽ पऽ सी चश्मो उतरनूं।
आँखों से चश्मा उतरना। दृष्टि धुंधली होना। और कम दिखाई देना।

डोळा नऽ पऽ काळो चश्मो चढ़णूं।
आँखों पर काला चश्मा चढ़ना। एक ही दृष्टि रखना। सबको काला देखना।

डोळा धोइनऽ आणूं।
आँखें साफ करके आना। अच्छी तरह सोच समझकर आना। दृष्टि बदल कर आना।

डोळा फूटणूं।
आँखें फुटना। आँखों में कष्ट होना। देखने में कष्ट होना। अंधा होना।

डोळा नऽ मऽ धुओं जाणूं।
आँखों में धुआँ जाना। धुएँ से परेशान होना। जलन होना, आँसू आना। आँखें फूटना।

डोळा नऽ की रंगत उड़णूं।
आँखों की रंगत उड़ना। भयभीत होना।

डोळा पीळा होणूं।
आँखें पीली होना। पीलिया बीमारी होना।

डोळा नऽ की पलक नऽ पऽ बठाड़णूं।
आँखों की पलकों पर बैठाना। अत्यधिक आदर करना।

डोळा फिसलणूं।
आँखें फिसलना। नजर नहीं टिकना। सुन्दरता से प्रभावित होना।

डोळा नी टिकणूं।
आँखें न टिकना। अत्यन्त सुन्दर होना।

डोला निच्चा होणूं।
आँखें झुक जाना। शर्म में गड़ जाना।

डोला झुकी जाणूं।
आँखें झुक जाना। विनम्रता दिखाना।

डोळा मिलाणूं।
आँखें मिलाना। बराबरी से देखना। साहस करना।

डोळा नऽ सी वात करनूं।
आँखों से बात करना। आँखों के संकेत से सब कुछ कह देना।

डोळा बोलणूं।
आँखें बोलना। आँखों के संकेत से बात करना।

डोळा नऽ सी सब कईं-कई देणूं।
आँखों से सब कुछ कह देना। आँखों की भाषा समझना।

डोळा होतऽ अंधो होणूं।
आँखें होते हुए भी दिखाई न देना। अनदेखी करना।

डोळा तिरनूं।
आँखें तिरना। ज्वर में तपना। आँखें उनींदी सी होना।

डोला नऽ सी अन्धो होणूं (फुटलो)।
आँख होते अंधा। आँखें होते हुए भी देख न पाना।

डोळा जमावणूं।
आँखें जमाना। दृष्टि स्थिर करना।

डोळा देखतऽ।
देखती आँखें। जानबूझकर।

डोळा नी डालणूं।
आँखें नहीं डालना। जबरन नहीं देखना।

डोळा गड़ावणूं।
आँखें गड़ाना। किसी चीज को लेने की नजर रखना। एकटक देखना।

ढ

ढक्कण होणूं।
ढक्कन होना। मूर्ख होना।

ढकी कऽ राखणूं।
ढककर रखना। कोई चीज ढककर रखना। इज्जत उजागर न करना।

ढकेल वात खऽ उघाड़नूं।
ढकी बात को उघाड़ना। छिपी बात को उजागर करना।

ढंग को होणूं।
ढंग का होना। ठीक-ठाक होना।

ढंग सी चलनूं।
ढंग से चलना। अच्छे चाल-चलन होना।

ढंग सी बरतनूं।
ढंग से बरतना। कायदे से व्यवहार करना। मितव्ययता से चलना।

ढकोसळो करनूं।
ढकोसला करना। ऊपरी आडम्बर या दिखावा होना।

ढंग की वात करनूं।
ढंग की बात करना। मर्यादित बात करना। असभ्यता से पेश न आना।

ढोंग करनूं।
ढोंग करना। नाटक/स्वांग करना।

ढर्रा पऽ चलणूं।
ढर्रे पर चलना। पुरानी रूढ़ि पर चलना।

ढर्रो चळी निकलणूं।
ढर्रा चल निकलना। तरीका चल पड़ना।

ढर्रो अपनाणूं।
ढर्रा अपनाना। पुराना तरीका अपनाना।

ढर्रा पऽ आवणूं।
ढर्रे पर आना। सही रास्ते पर आना।

ढर्रा पऽ लावणूं।
ढर्रे पर लाना। सही रास्ते पर लाना।

ढर्रो बणनूं (अपणानूं)।
ढर्रा बनना या अपनाना। एक ही तरीका बनाना या अपनाना।

ढलती उमर होणूं।
ढलती उमर होना। जवानी के बाद के दिन या बुढ़ापे की ओर जाती उम्र।

ढलती फिरती छाया होणूं।
ढलती-फिरती छाया होना। अस्थायी वस्तु या क्षरण होती हुई।

ढळनई जुवानी।
ढलती जवानी। युवावस्था के पतन के दिन होना।

ढळतो दिन होणूं।
ढलता दिन होना। सांझ का समय जब सूर्य डूब रहा हो।

ढाँक का तीन पान्टा।
ढाँक के तीन पात। सदैव निर्धनता का होना।

ढाँक बजावणूं।
ढाँक बजाना। देवता के भाव चढ़ते समय ढाँक का बजाना।

ढिंढोरो पीटणूं।
ढिंढोरो पीटना। चारों ओर सूचना देना। मुनादी करना।

ढील देणूं।
ढील देना। नियम या बंधन से थोड़ा मुक्त करना।

ढीलो पड़णूं।
ढीला पड़ना। नरम पड़ना। सुस्त/कमजोर होना।

ढोर चरावणूं।
ढोर चराना। पशु चराना। वस्तुओं का संग्रह।

ढेर करनूं।
ढेर करना। मारकर गिरा देना। वस्तुओं का संग्रह।

ढेर हुई जाणूं।
ढेर हो जाना। थककर चूर हो जाना। गिर जाना।

ढूढ़े न मिलणूं।
ढूँढे न मिलना। दुर्लभ या कहीं-कहीं मिलना।

ढोल बजाड़णूं।
ढोल बजाना। सबसे कहते फिरना।

ढोल मऽ पोल होणूं।
ढोल में पोल होना। भीतर कई कमजोरियाँ होना। केवल दिखावा करना।

ढोल पीटणूं।
ढोल पीटना। खुद अपना प्रचार करना।

ढेला मारनूं।
ढेला मारना। पत्थर/मिट्टी मारना। बदनाम करना।

ढांढस बंधाणूं।
ढाँढस बाँधना। दाढ़ी में कपड़ा बाँधना। ठोड़ी से सिर तक कपड़ा लपेटना।

ढाटो बठणूं।
ढाटा बैठना। अच्छी तरह भोजन हो जाना। कमी पूरी होना।

ढाँचो तैयार करनूं।
ढाँचा तैयार करना। किसी निर्माण के पहले उसका ढाँचा बनाना या नींव भरना।

ढिबरी ढिली होणूं।
ढिबरी ढीली होना। हालत खराब होना। जोड़-जोड़ दुखना।

ढिलाई आवणू।
ढिलाई आना। सुस्ती आना। ढील देना। कसावट कम करना।

ढेकळा बगळावणूं।
ढेकले बिखेरना। मिट्टी के ढेले खेत में बिखराना।

ढोकळा बणानूं।
ढोकले बनाना। तुअर दाल का विशेष नमकीन खाद्य पदार्थ बनाना।

ढब्बल पैसो होणूं।
ढब्बल पैसा होना। मूर्ख होना।

ढोबला खऽ जोतणूं।
ढोबले को जोतना। कमजोर बैल को गाड़ी में जोतना। काम लेना।

ढ... ढक्कण को।
ढ...ढक्कन का। महामूर्ख।

ढोर घिसणूं।
ढोर घिसना। मरे हुए पशुओं को उठाना। खाल निकालना।

ढोर ढंगर।
ढोर ढंगर। मवेशी।

ढुर-ढुर करनूं।
ढुर-ढुर करना। बड़ी मेहनत से किसी चीज को ऊपर चढ़ाना।

ढलकी जाणूं।
ढलक जाना। कोई चीज (मटकी आदि) लुढ़क जाना।

ढूंढी-ढूंढी नऽ मरी जाणूं।
ढूँढ-ढूँढकर मर जाना। हर तरफ खोजकर हताश हो जाना।

ढूँढणऽ सी भगवान भी मिली जाज।
ढूँढने से भगवान भी मिल जाता है। कोशिश करने से कठिन से कठिन कार्य भी हो जाता है।

ढूँढणऽ गईं वीरो खोई आई भरतार।
ढूँढने गई भाई को खो आई भरतार। दोहरा दु:ख होना। दोहरा संकट आना।

ढूंढो तो पाई जाओ।
ढूँढो तो पाओ। किसी चीज को सच्चे मन से पाने की कोशिश करो, तो वह मिल सकती है।

ढूंढा-ढांढी करनूं।
ढूंढा-ढांढी करना। इधर-उधर खोजना।

त

तकदीर आजमाणूं।
तकदीर आजमाना। सफल होने के लिए कोई प्रयत्न करना।

तकदीर को ख्याल होणूं।
तकदीर का खेल होना। किस्मत से सब मिलता है।

तकदीर खोटी होणूं।
तकदीर खोटी होना। किस्मत/भाग्य खराब होना। कोई हानि उठाना।

तकदीर उल्टी होणूं।
तकदीर उल्टी होना। बुरा समय होना।

तकदीर को पलटो खाणूं।
तकदीर का पलटा खाना। भाग्य का बदलना। बुरे से अच्छे या अच्छे से बुरा समय आना।

तकदीर को फेर होणूं।
तकदीर का फेर होना। अच्छे या बुरे दिनों का आना।

तकदीर को फिरनूं।
तकदीर को फिरना। भाग्य का बदल जाना।

तकदीर खुलनूं।
तकदीर खुलना। सौभाग्य के दिन आना। अच्छे दिन आना।

तकदीर सोई जाणूं।
तकदीर सो जाना। भाग्य खराब होना। काम बिगड़ जाना।

तकदीर सीदो होणूं।
तकदीर सीधा होना। भाग्य सही होना। सफलताएँ मिलना। काम बन जाना।

तकदीर को मुंडो फेरणूं।
तकदीर का मुँह फेरना। कार्य का बिगड़ना। बुरे दिन आना।

तकदीर को खेल खेलणूं।
तकदीर का खेल खेलना। भाग्य में तरह-तरह के दु:ख देखना या झेलना। कई उतार-चढ़ाव देखना।

तकदीर को जोर मारणूं।
तकदीर का जोर मारना। किस्मत का सहायक होना। भाग्य की प्रबलता होना। सब बातें अनुकूल होना। सफलता हाथ लगना।

तकदीर को लड़णो।
तकदीर का लड़ना। भाग्य में जो लिखा है, उसके लिए लड़ना।

तकदीर मऽ कंडा बिणनूं लिखेल होणूं।
तकदीर में कंडे बीनना लिखा होना। भाग्य में जो लिखा होता है, वही होता है। गरीबी भी भाग्य से मिलती है।

तकदीर को साथ देणूं।
तकदीर का साथ देना। भाग्य अनुकूल होना। समय का

साथ देना।

तकदीर फूटनूं।
तकदीर फूटना। भाग्य खराब होना।

तकदीर सी मिलणूं।
तकदीर से मिलना। भाग्य से पाना।

तकदीर खऽ कोसणूं।
तकदीर को कोसना। भाग्य को गाली देना।

तकदीर की बड़ाई करनूं।
तकदीर की बड़ाई करना। भाग्य की सराहना करना।

तकदीर मऽ अच्छो लिखेल होणूं।
तकदीर में अच्छा लिखा होना। अच्छा भाग्य होना।

तकदीर ठोकणूं।
तकदीर ठोकना। दु:ख से सिर ठोक लेना। सुख के बाद दु:ख आना।

तकदीर सिकन्दर होणूं।
तकदीर सिकन्दर होना। भाग्य अच्छा होना।

तकदीर फूटेल होणूं।
तकदीर फूटी हुई होना। भाग्य खराब होना।

तकदीर को सहारो होणूं।
तकदीर का सहारा होना। भाग्य का मददगार होना।

तकदीर खऽ दोस देणूं।
तकदीर को दोष देना। भाग्य को दोष देने से कोई फायदा नहीं होना। तदबीर (प्रयत्न) की कमी होना।

तकदीर का सबई खेल होणूं।
तकदीर के सब खेल होना। सुख-दु:ख का आना सब भाग्य पर निर्भर है।

तकदीर का बिना कोई चीज नी मिलनूं।
तकदीर के बिना कोई चीज नहीं मिलना। सब चीजें भाग्य से ही मिलती हैं।

तकदीर कां तक साथ दे।
तकदीर कहाँ तक साथ दे? सच्चा प्रयत्न या उद्यम न हो तो भाग्य कुछ भी नहीं कर सकता, परिश्रम से ही सफलता मिलती है।

तकदीर मऽ होय कोयला तो सोन्नो कां सी पावणूं।
तकदीर में कोयला हो तो सोना कहाँ से मिले? भाग्य में जो बँधा हो आदमी को वही मिलता है। कोई लाख कोशिश कर ले।

तकदीर जागणूं।
तकदीर जागना। भाग्य का उदय होना।

तकदीर को धणी होणूं।
तकदीर का धनी होना। एक के बाद एक सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते जाना।

तकदीर की कोई कई नी सकतो।
तकदीर की कोई कह नहीं सकता। तकदीर में क्या है, कोई कह नहीं सकता।

तकदीर की खाणूं।
तकदीर की खाना। भाग्य से अन्न मिलना। बिना मेहनत के सब कुछ प्राप्त होना।

तकलीफ होणूं।
तकलीफ होना। दु:ख/कठिनाई होना। कष्ट उठाना।

तक्यो लगावणूं (देणूं)।
तकिया लगाना या देना। सहारा देना।

तकिया कलाम होणूं।
तकिया कलाम होना। किसी शब्द या वाक्य को बार-बार दोहराना।

तकिया का नीच्च रखणूं।
तकिये के नीचे रखना। सिरहाने रखना।

तकिया का बिना नींद नी आवणूं।
तकिये के बिना नींद नहीं आना। तकिया नींद का पर्याय होना।

तकिया पऽ जाणूं।

तकिया पर जाना। किसी पीर-पैगम्बर की मजार पर सिजदे के लिए जाना।

तकल्लुफ करनूं।
तकल्लुफ करना। शिष्टाचार दिखाना। तकलीफ उठाना।

तखत पऽ बठणूं।
तखत पर बैठना। राजसिंहासन पर बैठना। राजा होना।

तख्तो पलटनूं (उलटनूं)।
तख्ता पलटना या उलटना। बना बनाया काम बिगड़ जाना। प्रबन्ध नष्ट होना।

तखत देणूं।
तख्त देना। बैठने को आसन देना। सम्मान देना।

तखत तोड़णूं।
तखत तोड़ना। बैठे-बैठे खाना और सोना। महाआलसी होना। कोई काम न करना।

तखत को टूटणूं।
तखत का टूटना। व्यवस्था/सत्ता/प्रबन्धन का चरमरा जाना।

तखत का खातिर।
तखत के खातिर। सत्ता के लिए।

तखत की लड़ाई।
तखत की लड़ाई। सत्तासीन होने का झगड़ा।

तखत पऽ बठी नऽ न्याव करनूं।
तखत पर बैठकर न्याय करना। न्याय की पीठ पर आसीन होकर न्याय करना।

तगड़ो पड़णूं।
तगड़ा पड़ना। भारी पड़ना। ताकतवर होना।

तगड़ो हाथ मारनूं।
तगड़ा हाथ मारना। मोटी रकम पर हाथ साफ करना। चोरी करना या हड़पना।

तगड़ी कमाई करनूं।
तगड़ी कमाई करना। अच्छा धन्धा करना। कमाई अच्छी होना।

तगारी उठावणूं।
तगारी उठाना। मजदूरी करना। श्रम करना।

तगड़ी धौंस देणूं।
तगड़ी धौंस देना। खूब डराना। भयभीत करना। रौब जमाना।

तगड़-तगड़ करणूं।
तगड़-तगड़ करना। अत्यधिक बकवास करना। बीच-बीच में उछलना, बहस करना।

तंग होणूं।
तंग होना। परेशान होना।

तंग करणूं।
तंग करना। सताना। परेशान करना।

तंग रयणूं।
तंग रहना। अर्थाभाव में रहना। दरिद्रता होना।

तंग हाल होणूं।
तंग हाल होना। आर्थिक तंगी में होना। निर्धनता में होना।

तंग हात होणूं।
तंग हाथ होना। हाथ में रुपये न होना।

तंगी उठाणूं।
तंगी उठाना। खर्च के लिए पैसों की कमी होना।

तंगी होणूं।
तंगी होना। आर्थिक कठिनाई होना।

तजुर्बा की आँख मिलणूं।
तजुर्बे की आँख मिलना। अत्यधिक अनुभवी होना।

तट पऽ बठणूं।
तट पर बैठना। किसी नदी/सागर किनारे बैठना। तटस्थ होना।

तटस्थ होणूं।
तटस्थ होना। किसी का पक्ष नहीं लेना।

तड़क-भड़क होणूं।

तड़क-भड़क होना। ऊपरी दिखावा होना।

तणानूं।
तनाना। तन जाना। अकड़ जाना। अबोला होना।

तथाकथा सुणाणूं।
तथाकथा सुनाना। कहानी सुनाना।

तदबीर करनूं।
तदबीर करना। कर्म करना। उपाय करना। युक्ति लगाना।

तदबीर उलटी जाणूं।
तदबीर उलट जाना। युक्ति का काम न करना। आय निरर्थक होना।

तन्दुरुस्त होणूं।
तन्दुरुस्त होना। स्वस्थ होना। मस्तिष्क ठीक होना।

तन मन सी करनूं।
तन मन से करना। शारीरिक और मानसिक मिलाकर परिश्रम करना। पूरे मन से संलग्न होना।

तन मऽ फूल्यो नी समाणूं।
तन में फूला न समाना। बहुत प्रसन्न होना। शरीर के प्रत्यंग से खुशी जाहिर होना।

तन खऽ लगणूं।
तन को लगना। शरीर पुष्ट होना। शरीर में समा जाना। मन में बैठना।

तन की तपण बुझाणूं।
तन की तपन बुझाना। कामवासना पूरी करना।

तन मन मारनूं।
तन मन मारना। शरीर और मन पर काबू पाना। इन्द्रिय निग्रह।

तन मन सी करनूं।
तन मन से करना। पूरी लगन-निष्ठा से करना।

तन छूटणूं।
तन छूटना। मृत्यु होना।

तन जलणूं।
तन जलना। बहुत कुपित होना। क्रोधित होना।

तन बचाणूं।
तन बचाना। परिश्रम से डरना।

तन झोंकणूं।
तन झोंकना। किसी काम में शरीर की परवाह न करना।

तन तपणूं।
तन तपना। ज्वर होना।

तन सुखाणूं।
तन सुखाना। साधना करना। यातना सहना।

तन तोड़णूं।
तन तोड़ना। कठिन परिश्रम करना।

तन बदन मऽ आग लगणूं।
तन बदन में आग लगना। बहुत अधिक क्रोध से जलना।

तन बदन को होश नी रयणूं।
तन बदन का होश नहीं रहना। गहरी नींद में चले जाना। गाफिल हो जाना।

तन मऽ आग लगी जाणूं।
तन में आग लग जाना। गुस्से से जलना। सारा बदन लाल हो जाना। तमतमाना।

तन मन धन सी काम करनूं।
तन मन धन से काम करना। पूर्ण समर्पण से काम करना।

तप करनूं।
तप करना। योग साधना में लगना।

तपस्या करनूं।
तपस्या करना। तन को कठिन साधना में लगाना।

तपणूं।
तपना। सब पर क्रोध बरसाना। गर्मी पड़ना। धरती का जलना। चारों ओर धूप ही धूप होना।

तप्यो तपायो होणूं।
तपा-तपाया होना। अनुभवी व्यक्ति होना। खरा होना।

तपण होणूं।
तपन होना। धूप होना। गर्मी होना। जलन होना।

तपाक सी जुवाब देणूं।
तपाक से उत्तर देना। हाजिर जवाब होना।

तफसील पेश करनूं।
तफसील पेश करना। ब्यौरा प्रस्तुत करना।

तफसील देणूं।
तफसील देना। आदि से अन्त तक का हाल सुनाना।

तबियत बिगड़णूं।
तबियत बिगड़ना। बीमार होना।

तबियत बेस होणूं।
तबियत ठीक होना। रोगमुक्त होना।

तबियत आवणूं।
तबियत आना। किसी पर मर मिटना या प्रेम की इच्छा होना।

तबियत फड़कणूं।
तबियत फड़कना। उत्साहित होना। खुश होना। किसी काम को करने के लिए मचलना।

तबियत रंगीन होणूं।
तबियत रंगीन होना। इश्क मिजाजी होना।

तबियत नाशाद होणूं।
तबियत नाशाद होना। तबियत ठीक न होना। मन नहीं लगना।

तबियत भराणूं।
तबियत भराना। तृप्त होना। सन्तोष होना।

तबियत लगणूं।
तबियत लगाना। हृदय में प्रेम होना। ध्यान लगा रहना। किसी कार्य/चीज/मुहिम में मन लगना।

तबियत होणूं।
तबियत होना। इच्छा होना। लगाव होना। मन में चाहना।

तबियत उखड़णूं।
तबियत उखड़ना। अच्छा नहीं लगना। उदासीन हो जाना। किसी चीज में मन नहीं लगना।

तबियत तर होणूं।
तबियत तर होना। बहुत अच्छा लगना।

तबियत हरी होणूं।
तबियत हरी होना। आनन्दित होना। मजा आ जाना।

तबियत को ठिकाणो नी होणूं।
तबियत का ठिकाना नहीं होना। समय-समय पर बीमार होना।

तबियत को ध्यान राखणूं।
तबियत का ध्यान राखना। मतलब शरीर को अस्वस्थ न होने की तजबीज करना।

तबियत का खातिर परेज करणूं।
तबियत के खातिर परहेज करना। स्वस्थ रहने के लिए पथ्य जरूरी होना।

तबियत नी लगणूं।
तबियत नहीं लगना। बेचैन होना। अस्वस्थ होना।

तबियत फड़की उठणूं।
तबियत फड़क उठना। मन उत्साह से भर जाना। प्रसन्न होना।

तबियत भारी होणूं।
तबियत भारी होना। तबियत खराब होना।

तबियत साफ होणूं।
तबियत साफ होना। स्वास्थ्य ठीक होना।

तबियत नी लगणूं।
तबियत न लगना। मन उचट जाना। अच्छा नहीं लगना।

तबियत उखड़ी जाणूं।
तबियत उखड़ जाना। मन खिन्न/उदास होना।

तबियत को राजा होणूं।

तबियत का राजा होना। उदार हृदय वाला होना। दरियादिल होना।

तबियत गिरनूं।
तबियत गिरना। स्वास्थ्य ठीक न रहना।

तबियत बिगड़ी जाणूं।
तबियत बिगड़ जाना। स्वास्थ्य खराब होना।

तबियत उलझनूं।
तबियत उलझना। कोई फैसला न कर पाना।

तबियत पाणूं।
तबियत पाना। उदार और विशाल दिल होना।

तबियत लगाणूं।
तबियत लगाना। ध्यान देना।

तबियत सी खाणूं।
तबियत से खाना। मनपसन्द खाना मिलना।

तबियत सी लेणूं।
तबियत से लेना। अच्छी तरह महत्त्व समझकर लेना।

तबियत सी देणूं।
तबियत से देना। खूब उदार होना।

तबियत को ख्याल राखणूं।
तबियत का ख्याल रखना। शरीर की हिफाजत करना।

तबियत मऽ आवणूं।
तबियत में आना। इच्छा करना।

तबियत सी भागणूं।
तबियत से भागना। खूब जोर से दौड़ लगाना। अपने आपसे भागना।

तबियत जार-जार होणूं।
तबियत जार-जार होना। दुःखी होना।

तबियत पऽ जोर न्हाखणूं।
तबियत पर जोर डालना। जबरदस्ती किसी काम को करने का प्रयत्न करना। ख्याल रखना।

तबला बजावणूं।
तबले बजाना। संगीत/गायन के साथ तबले की संगत करना। किसी का साथ देना।

तमाचो मारनूं।
तमाचा मारना। अच्छा सबक देना।

तमाचा पड़णूं।
तमाचा पड़ना। सबक मिलना।

तमाचो लगणूं।
तमाचा लगना। नुकसान होना। सबक सीखना।

तमंचो चलावणूं।
तमंचा चलाना। गोली मार देना। जानलेवा खतरा।

तमासो करनूं।
तमाशा करना। नाटक करना। हास्यास्पद स्थिति उत्पन्न करना।

तमासो बणनूं।
तमाशा बनना। उपहासास्पद बनना। हँसी-मजाक की स्थिति बनना।

तमासो बतावणूं।
तमाशा बताना। जानबूझकर हास्यास्पद स्थिति पैदा करना।

तमासा की बात होणूं।
तमाशे की बात होना। विचित्र बात होना।

तमाम करनूं (होणूं)।
तमाम करना या होना। समाप्त करना या होना। मार डालना।

तम तमावणूं।
तमतमाना। गुस्से से लाल होना।

तय करणूं (होणूं)।
तय करना या होना। निश्चय करना। निर्णय करना या होना।

तयसुदा वात होणूं।
तयशुदा बात होना। पहले से निश्चित बात होना।

तरफ होणूं।

तरफ होना। किसी पक्ष में होना।

तरफदारी करनू।
तरफदारी करना। पक्षपात करना।

तरस आवणूं।
तरस आना। दया आना।

तरसई देणूं।
तरसा देना। रुला-रुलाकर देना।

तरसई-तरसई नऽ देणूं।
तरसा-तरसा कर देना। इच्छा से कम बार देना।

तरसई-तरसई नऽ मारनूं।
तरसा-तरसा कर मारना। भूख-प्यास से सता-सताकर या यातनाएँ देकर मारना।

तरस खाणूं।
तरस खाना। किसी पर दया करना।

तरसनऽ देणूं।
तरसने देना। किसी चीज की प्राप्ति की चिन्ता में बेचैन होना।

तरंग उठणूं (आवणूं)।
तरंग उठना या आना। मन में उमंग उठना। मन में विचार होना।

तरंग मऽ रयणूं।
तरंग में रहना। अपनी धुन में रहना। मस्त रहना।

तरंग मऽ वई जाणूं।
तरंग में बह जाना। भावुक हो जाना। कल्पना में खो जाना।

तरंग सी भायर आवणूं।
तरंग से बाहर आना। किसी एक विचार मग्नता से अलग होना। धुन टूटना। नशे की स्थिति से उबरना।

तरजीह देणूं।
तरजीह देना। महत्त्व देना। अपनत्व दिखाना।

तराजू मऽ तोलणूं।
तराजू में तोलना। सन्तुलन बनाना। वजन करना। मूल्य या बातों का वजन आँकना।

तराजू छाप होणूं।
तराजू छाप होना। इधर-उधर होते रहना। स्थिर न रह पाना। बराबर रहने की कोशिश करना।

तराजू मऽ बठी जाणूं।
तराजू में बैठे जाना। तराजू का काम बराबर तौलना है। उसमें कोई कुछ नहीं कर सकता।

तरी जाणूं।
तर जाना। उद्धार हो जाना। मुक्त हो जाना।

तरीको अपणानूं।
तरीका अपनाना। कोई एक विधि से काम करना।

तरी होणूं।
तरी होना। पास में खूब रुपया-पैसा होना। प्रसन्नता होना।

तरी न्हाखणूं।
तरी डालना। सब्जी का रस डालना।

तरई करनूं।
तरई करना। अधपके सीमेण्ट पर पानी छींटना। पलस्तर को पानी पिलाना।

तरावट होणूं।
तरावट होना। तरोताजापन होना। सम्पत्ति होना। स्वास्थ्य ठीक होना। प्रसन्न होना।

तरावटी माल खाणूं।
तरावटी माल खाना। घी, दूध और दूध से बनी चीजें खाना।

तरावट आवणूं।
तरावट आना। चेहरे पर तेज/चमक आना।

तरह-तरह का फूल खिलणूं।
तरह-तरह के फूल खिलना। रंग-बिरंगे फूलों का खिलना।

तरह–तरह का लोग होणूं।
तरह–तरह के लोग होना। अलग–अलग संस्कृति के लोकजन। अलग–अलग विचारधारा के लोग होना।

तरह–तरह की बोली नऽ होणूं।
तरह–तरह की बोलियाँ होना। विभिन्न बोलियाँ।

तर्क–वितर्क करना।
वाद–विवाद करना। बहस करना।

तर–तर चलनूं।
तर–तर चलना। धीरे–धीरे सरक कर चलना। बिच्छू की तरह चलना।

तर–तर करनूं।
तर–तर करना। कीड़े–मकोड़ों की तरह चलना।

तरबतर होणूं।
तरबतर होना। पसीने में नहा जाना। बरसात के पानी में भींग जाना। रोटी में ज्यादा घी लगा देना। सब्जी में तेल अधिक होना।

तरोताजा होणूं।
तरोताजा होना। मन स्वस्थ प्रसन्न होना। उदासपन न रहना।

तलब लगणूं।
तलब लगना। किसी चीज की चाहना होना। प्यास लगना। आवश्यकता होना।

तलबगारी करनूं।
तलबगारी करना। सेवा करना। किसी के पीछे–पीछे चलना। पुकारना। बुलाना। पता करना।

तलब बुझाणूं।
तलब बुझाना। आवश्यकता पूरी करना। प्यास बुझाना।

तळवा चाटणूं।
तलवे चाटना। खुशामद करना।

तळवा नऽ म छाला होणूं।
तलवों में छाले होना। अधिक पैदल चलना। श्रम करना।

तळवा धोवणूं।
तलवे धोना। सेवा करना। खुशामद करना। लल्लो चप्पो करना।

तळवा लहुलुहान होणूं।
तलवे लहूलुहान होना। पैर जख्मी होना। चलने में तकलीफ होना।

तळवा एक जगा नी टिकणूं।
तलवा एक जगह नहीं टिकना। कहीं एक जगह नहीं रहना।

तलवा का निच्च दबणूं।
तलवे के नीचे दबाना। रौंद देना। किसी बड़े व्यक्ति के *चंगुल में फँसना।*

तलवा घिसाणूं।
तलवे घिसाना। अत्यधिक श्रम करना।

तलवा सहलाणूं।
तलवे सहलाना। चापलूसी करना।

तलवा नऽ मऽ फफोला होणूं।
तलवे में फफोले होना। पैरों में दर्द होना। चलने में तकलीफ होना।

तलवा सी लगई नऽ तांत तक धमजाळं उठणूं।
तलवे से लगाकर तांत तक धमजाल उठना। नीचे से ऊपर तक जलन होना या क्रोध होना।

तलवा नऽ मऽ चोटणूं।
तलवों में चिपकना। चिरौरी करना। काम कराने के लिये हर सम्भव प्रत्यन करना।

तलवा नऽ मऽ लोटणूं।
तलवों में लोटना। अत्यधिक खुशामद करना।

तलवा जार–जार होणूं।
तलवे जार–जार होना। पैर जख्मी होना। चल भी नहीं पाना।

तलवार की धार पऽ चलणूं।
तलवार की धार पर चलना। कठिन या दु:खदायी मार्ग पर चलना। अत्यन्त कठिन काम करना।

तलवार खींचणूं।
तलवार खींचना। मरने या अहित करने के लिये तैयार रहना।

तलवार की प्यास बुझाणूं।
तलवार की प्यास बुझाना। किसी को मारकर तृप्त होना।

तलवार को पाणी मरनूं।
तलवार का पानी मरना। तलवार की धार बैठी होना। वीरत्व समाप्त होना।

तलवार माथा पऽ लटकणूं।
तलवार माथे पर लटकना। भयंकर विपत्ति में होना।

तलवार भांजणूं।
तलवार भांजना। लड़ाई के लिये आमादा होना।

तलवार का घाट उतारणूं।
तलवार के घाट उतारना। तलवार से कत्ल करना।

तलवार म्यान मऽ धरणूं।
तलवार म्यान में रखना। मारने की इच्छा न रहना।

तलवार म्यान सी निकालणूं।
तलवार म्यान से निकलना। लड़ने की चुनौती देना। लड़ने को तैयार होना।

तलवार का हात दिखावणूं।
तलवार का हाथ दिखाना। तलवार चलाने के ढंग बताना।

तलवार को बळ होणूं।
तलवार का बल होना। तलवार की ताकत, तलवार का टेढ़ापन, तलवार चलाने की शक्ति होना।

तलासी लेणूं।
तलाशी लेना। घर में धन, वस्त्र और आभूषण आदि की जाँच करना।

तलासी देणूं।
तलासी देना। घर-वस्त्रों आदि में कीमती चीजें ढूँढने देना।

तला घिसणूं (घिसाणूं)।
तले घिसना या घिसाना। बार-बार चक्कर लगाकर जूते के तले घिस जाना या घिसा जाना।

तलवार पऽ हाथ धरणूं।
तलवार पर हाथ रखना। कसम खाना।

तलवार कम्मर मऽ बांधणूं (लटकाणूं)।
तलवार कमर में बाँधना या लटकाना। तलवार सदैव साथ में रखना।

तल्ला पऽ रखणूं।
तल्ले पर रखना। ऊपर रखना। अटारी पर रखना। ऊँचे पर रखना।

तवा सरीखो मुंडो होणूं।
तवे के समान मुँह होना। मुँह काला होना। गहरी चिन्ता में होना।

तवा को हँसणूं।
तवे का हँसना। एक अपशकुन। तवे की कालिख का जलना अशुभ माना जाता है।

तवा गरम पऽ पाणी पड़णूं।
गरम तवे पर पानी पड़ना। कोई बात अचानक उड़ जाना।

तवा गरम पऽ बठणूं।
गर्म तवे पर बैठना। विश्वास न करना। किसी बात को न मानना।

तवे की गरम रोटी खाणूं।
तवे की गरम रोटी खाना। घर में सब तरह का सुख होना।

तवा का बूंदों जसो काळो होणूं।
तवे के बूँदे जैसा काला होना। एकदम काला रंग। काले शरीर वाला।

तसवीर उतारनूं।
तस्वीर उतारना। किसी का हुबहू चित्र बनाना। अत्यन्त भावपूर्ण वर्णन करना।

तसवीर बनाणूं।
तस्वीर बनाना। चित्र बनाना।

तसवीर खड़ी करनूं।
तस्वीर खड़ी करना। भाव चित्र बनाना।

तसवीर बनी जाणूं।
तस्वीर बन जाना। मूर्तिवत हो जाना। एक टक देखते रह जाना।

तशरीफ रखणूं।
तशरीफ रखना या बैठना।

तशरीफ लाणूं।
तशरीफ लाना या पधारना।

तशरीफ लई जाणूं।
तशरीफ ले जाना। प्रस्थान करना।

तसल्ली देणूं।
तसल्ली देना। धैर्य दिलाना।

तह करनूं।
तह करना। परत दर परत घड़ी करना।

तह करी नऽ धरनूं।
तह करके रख देना। व्यवस्थित रख देना। जरूरत न होना।

तह तक पहुँचणूं।
तह तक पहुँचना। ठेठ अन्तिम रहस्य को जान लेना।

तह पऽ तह जमाणूं।
तह पर तह जमाना। रोटी पर रोटी खाते जाना। डटकर भोजन करना।

तहकीकात करणूं।
तहकीकात करना। पूछताछ करना। पता लगाना।

ताक पऽ धरणूं।
ताक पर रखना। किसी काम को टाल देना। पड़े रहने देना। उपयोग न करना।

ताक मऽ रयणूं।
ताक में रहना। मौके की तलाश में होना।

ताक मऽ राखणूं।
ताक में रखना। नजर में रखना। घात में रखना।

ताक झांक करणूं।
ताक झाँक करना। मौका देखना। किसी के काम में हस्तक्षेप करना।

ताकी नऽ मरनूं।
ताक कर मरना। निशान लगाकर मारना।

ताकी लेणूं।
ताक लेना। भाँप लेना।

ताकी-ताकी नऽ।
ताक-ताक कर। चुन-चुन कर।

ताक लगावणूं।
ताक लगाना। घात लगाना।

ताकत होणूं।
ताकत होना। सामर्थ्य होना।

ताकत कूतणूं।
ताकत कूतना। ताकत का अंदाज लगाना। ताकत आजमाना।

ताकत लगावणूं।
ताकत लगाना। जोर लगाना। यथासम्भव प्रयत्न करना।

ताकत तौलणूं।
ताकत तोलना। तौकत आजमाना। किसी से बराबरी करना।

ताकत पऽ भरोसो होणूं।
ताकत पर भरोसा होना। स्वयं पर विश्वास होना। ताकत पहचानना।

ताकत का अनुसार काम करनूं।
ताकत के अनुसार काम करना। सामर्थ्य के अनुसार काम करना।

ताकत झोंकणूं।
ताकत झोंकना। पूरी शक्ति लगाना।

ताकतवर होणूं।
ताकतवर होना। अधिक बलवान होना।

ताकतवर आसामी होणूं।
ताकतवर आसामी होना। अत्यधिक धनवान होना। अधिक प्रभावशाली होना।

ताकतवर सी सबज डरज।
ताकतवर से सभी डरते हैं। ताकतवर की ताकत से भय खाना।

तागो डालणूं।
तागा डालना। सिलाई करना।

तागो करनूं।
तागा करना। किसी टोने-टोटके के जानकार का धागा मंत्रित कर गले में डालना।

तागो बांधणूं।
तागा बाँधना। किसी जानकार, ओझा या गुनिया द्वारा अभिमंत्रित धागा गाले या हाथ पर बाँधना।

तागो उलझणूं।
तागा उलझना। धागे का एक दूसरे में फँस जाना।

तागा खींचना।
तागा खींचना। धागा को लम्बी दूर तक फैला देना।

तांगो चलावणूं।
तांगा चलाना। तांगा चलाकर परिवार का पेट पालना।

तांगे की सवारी करनूं।
तांगे की सवारी करना। तांगे में बैठना।

कांच टूटणूं।
काँच टूटना। काँच के टुकड़े-टुकड़े होना। काँच का कच्चा होना। काँच का टूटना स्वभाव होना।

कांछ बांधणूं।
काँछ बाँधना। धोती या साड़ी को पैरों के भीतर से बाँधना।

ताज पेरनूं।
ताज पहनना। सिरमौर होना।

ताजो खून होणूं।
ताजा खून होना। युवावस्था का जोश होना।

ताजो करनूं।
ताजा करना। फिर से याद दिलाना। कोई चीज ताजी बनाना।

ताजो होणूं।
ताजा होना। फिर से नये सिरे से शुरू करना।

ताजो-ताजो किस्सो होणूं।
ताजा-ताजा किस्सा होना। अभी-अभी घटित कोई घटना होना।

ताजी-ताजी वात होणूं।
ताजी-ताजी बात होना। तत्काल की बात होना।

ताजी रोटी खाणूं।
ताजी रोटी खाना। तवे से उतरती रोटी खाना। ताजा भोजन करना।

ताजिया ठंडा होणूं।
ताजिया ठंडा होना। ताजियों को सिराना या दफन करना। कोई बड़ा आदमी मर जाना। हिम्मत छूट जाना। आशाएँ समाप्त होना।

ताड़ को ताड़ होणूं।
ताड़ का ताड़ होना। कद में बहुत लम्बा होना।

ताड़ी जाणूं।
ताड़ जाना। भाँप जाना।

ताण खींचणूं।
तान खींचना। शेष करना। संगीत की तान लगाना।

ताणो मारनूं।
ताना मारना। व्यंग्य करना।

ताता होणूं।
ताता होना। गरम होना।

तातो लगणूं।
ताता लगना। गरम लगना।

तांता लगणूं।
तांता लगना। एक के बाद एक आते ही जाना। भीड़ होना।

तांत पऽ लगणूं (पहुँचणूं)।
तांत पर लगना या पहुँचना। दिमाग में लगना या दिमाग तक पहुँच जाना।

तांत उड़णूं।
तांत उड़ना। नवजात शिशु के सिर के बीच के नाजुक हिस्सों का ऊपर नीचे होना।

तांतो टूटणूं।
तांता टूटना। क्रम टूटना।

तान भरनूं।
तान भरना। गायन में सुरों को खींचना। आलाप भरना।

तान तोड़णूं।
तान तोड़ना। लय को खींचकर एकदम रुकना। आक्षेप करना।

तान मिलाणूं।
तान मिलाना। लय स्वर मिलाना। साथ-साथ चलना।

तानी नऽ सोवणूं।
ताना कर सोना। निश्चिन्त होना।

तान छेड़णूं।
तान छेड़ना। गीत गाना।

ताना देणूं।
ताना देना। भला बुरा कहना।

तानो-बानो एक होणूं।
ताना-बाना एक होना। एक समान होना। कोई भेदभाव नहीं। एक होना।

तानो-बानो बुणनूं।
ताना-बाना बुनना। संकल्प-विकल्प करना। योजना बनाना।

ताना सुनणूं।
ताना सुनना। कटु वचन कहना।

तानो कसनूं।
ताना कसना। व्यंग्य करना।

ताना-बाना मऽ लग्यो रयणूं।
ताने-बाने में लगा रहना। चिन्ता में पड़े रहना। जुगाड़ में रहना।

ताप होणूं।
ताप होना। गरमी होना। ज्वर आना। दुःख होना।

तापणी लगावणूं।
तापनी लगाना। अलाव लगाकर तापना।

ताब होणूं।
ताब होना। प्रभाव होना। प्रकाशित होना।

ताबड़तोब काम करनूं।
ताबड़तोड़ काम करना। तुरत-फुरत काम करना।

तामझाम होणूं।
तामझाम होना। दिखावटीपन या आडम्बर होना। बड़ा-चढ़ाकर।

ताया बणानूं।
ताये बनाना। विशेष पकवान (ताया) बनाना।

तार टूटणूं।
तार टूटना। सम्बन्ध अलग होना। आय बन्द होना।

तार-तार करनूं।
तार-तार करना। टुकड़े-टुकड़े करना। सूत तार अलग करना। दुःखी करना।

तार देखणूं।
तार देखना। चाशनी चुटकी में लेकर देखना।

तार देणूं।
तार देना। टेलीग्राम करना। समाचार भेजना।

तार जुड़णूं।
तार जुड़ना। सम्बन्ध स्थापित हो जाना। सिलसिला जारी होना।

तारीख लगणूं।
तारीख लगना। अदालत में मुकदमे की पेशी होने वाली तिथि लगना।

तारीख टलणूं।
तारीख टलना। निश्चित दिन का फिर आगे टाल दिया जाना।

तारीफ का पुल बांधणूं।
तारीफ के पुल बाँधना। बहुत प्रशंसा करना।

तारे गिणणूं।
तारे गिनना। रातभर नींद न आना। बेचैनी से रात बिताना।

तारा तोड़ी लाणूं।
तारे तोड़ लाना। असम्भव कार्य करना। चालाकी का काम करना।

तारो टूटनूं।
तारा टूटना। आसमानी हलचल होना। अशुभ का संकेत है।

तारा दिखणूं।
तारे दिखना। भारी संकट में फँसना।

तारा सईं टिम टिमाणूं।
तारे के समान टिमटिमाना। बहुत कम प्रकाश होना।

तारा खिलणूं।
तारे खिलना। आसमान में तारे-तारे दिखना।

ताल मेल बठणूं।
तालमेल बैठना। एक ही रुचि या स्वभाव वाले मिलना।

तालमेल होणूं।
तालमेल होना। अच्छी व्यावहारिकता होना। समीकरण होना।

ताल खाणूं।
ताल खाना। चूक जाना।

ताळ ठोकणूं।
ताल ठोकना। लड़ने के लिये ललकारना।

ताल पऽ नाचणूं।
ताल पर नाचना। इशारों पर काम करना। लयताल पर नृत्य करना।

ताल उठावणूं।
ताल उठाना। गाना प्रारम्भ करना। गाने में साथ देना।

ताळई वजाड़णूं।
ताली बजाना। हँसी उड़ाना। खुशी प्रकट करना। प्रोत्साहित करना।

ताळई नी बजणूं।
ताली न बजना। झगड़ा न होना।

ताली बजी जाणूं।
ताली बज जाना। निरादर होना। हँसी उड़ाई जाना।

ताळी-ताळी नंदा, बाळमुकुन्दा।
बच्चों को ताली बजाकर बहलाने का गीत।

ताळी दुई हाथ सी वजणूं।
ताली दो हाथ से बजना। दो की सहमति से कार्य का होना।

तालू सी जीभ नी लगणूं।
तालू से जुबान न लगना। चुप न रहना। बोलते ही जाना।

ताळो लगाणूं।
ताला लगाना। बन्द करना।

ताळो टूटणूं।
ताला टूटना। चोरी होना।

ताळो तोड़णूं।
ताला तोड़ना। चोरी करना।

तालो लगेल होणूं।
ताला लगा होना। घर बन्द होना। घरवालों का घर में न होना।

तालो देखतो रयणूं।
ताला देखते रहना। घर की रखवाली करते रहना।

तालो देणूं।
ताला देना। ताला लगा देना। खुला न रखना।

तालो चोर नऽ का लेणऽ नी होतो, साहूकार नऽ का लेणऽ होणू।
ताला चोरों के लिए नहीं होता। साहूकार (सच्चे लोग) के लिए होता है। सच्चे ईमानदार लोग ताला नहीं तोड़ते। चोर के लिए ताला तोड़ना बायें हाथ का काम है।

ताल बेताल होणूं।
ताल बेताल होना। संगीत में स्वर ताल से बाहर हो जाना।

ताल ठोकी नऽ मैदान मऽ आवणूं।
ताल ठोककर मैदान में आना। साहसपूर्वक किसी काम को करने के लिए तैयार होना।

ताळ सी ताल मिलई नऽ चलणूं।
ताल से ताल मिलाकर चलना। साथ-साथ आगे बढ़ना।

तालो कूची हाथ मऽ होणूं।
ताला कुंजी हाथ में होना। खर्च करने का पूरा अधिकार होना।

तालाब गंदो करनूं।
तालाब गंदा करना। वातावरण गंदा करना।

ताल्लुक राखणूं।
ताल्लुक रखना। सम्बन्ध रखना।

ताव चढ़णूं।
ताव चढ़ना। किसी कार्य करने की अपेक्षा पैदा होना।

ताव करनूं (खाणूं)।
ताव करना या खाना। गुस्सा करना या होना।

ताव देणूं।
ताव देना। वीरता का कार्य करना।

ताव धरनूं।
ताव धरना। गरम लोहे की धार तेज करना।

ताव मऽ आवणूं।
ताव में आना। गुस्से में आना।

ताव दिखाणूं।
ताव दिखाना। रोष दिखाना।

ताव ठंडो होणूं।
ताव ठंडा होना। गुस्सा शान्त होना।

ताश का पत्ता नऽ सईं बिखरी जाणूं।
ताश के पत्ते के समान बिखर जाना। शीघ्र नष्ट होना। देखते-देखते समाप्त हो जाना।

ताश को महल खड़ो करनूं।
ताश का महल खड़ा करना। क्षण में नष्ट होने वाला काम करना।

ताश करऽ नाश।
ताश करे नाश। पत्तों का खेल हमेशा नाश ही घर में लाता है। जुआ धन-सम्पत्ति को नष्ट करता है।

ताश का पत्ता नऽ सईं फेंटणूं।
ताश के पत्तों के समान फेंटना। खूब पिटाई कर देना।

ताश खेलणूं।
ताश खेलना। पत्ते खेलने में समय बर्बाद करना।

तिकड़म लगाणूं।
तिकड़म लगाना। युक्ति लगाना। चालाकी करना।

तिकड़म मऽ रयणूं।
तिकड़म में रहना। किसी चीज को पाने की चालबाजियाँ करते रहना।

तिकड़मी होणूं।
तिकड़मी होना। चतुर चालाक होना। चालबाजियाँ करने वाला होना।

तिकड़म भिड़ाणूं।

तिकड़म भिड़ाना। चाहे जो युक्तियाँ लगाना।

तिकड़मबाज होणूं।
तिकड़मबाज होना। चालाकी करने वाला होना। हर तरह से अपना काम बनाने वाला होना।

तिखट होणूं।
तिक्त होना। तेज मिर्ची वाला होना।

तिग्गडा पऽ जाणूं।
तिग्गडे पर जाना। तिराहे पर जाना। ऊँची जमीन पर बैठना।

तिग् धिना धिन होणूं।
तिग् धिना धिन होना। नाच-गान होना। नाचना या काम में नाचते फिरना।

तिजोरी भरनूं।
तिजोरी भरना। खूब धन कमाना।

तिजोरी तोड़णूं।
तिजोरी तोड़ना। चोरी करना।

तिजोरी मऽ धरनूं।
तिजोरी में रखना। सुरक्षित रख लेना।

तितर-बितर होणूं।
तितर-बितर होना। बिखर जाना। छिन्न-भिन्न होना।

तितऱ्या आवणूं।
तितऱ्या आना। आँखों में अँधेरा छा जाना। चक्कर आ जाना।

तिनको-तिनको चुननूं।
तिनका-तिनका चुनना। छोटी-छोटी चीजें इकट्ठी करना। घोंसला बनाना।

तिनको तोड़णूं।
तिनका तोड़ना। मामूली काम करना। झाड़-फूँक, घास के तिनके का उपयोग करना।

तिनको दाँत नऽ मऽ दबावणूं।
तिनका दाँतों में दबाना। आश्चर्य करना। क्षमा की मुद्रा में होना।

तिनको अईं सी वईं नी करनूं।
तिनका इधर से उधर न करना। जरा-सा भी काम न करना। कोई भी चीज गायब न होना। ईमानदारी से रहना।

तिनका को सहारो होणूं।
तिनका का सहारा होना। थोड़ी-सी मदद होना।

तिनका बरोबर भी नी गिणनूं।
तिनके के बराबर भी न गिनना। अत्यन्त छोटा या तुच्छ समझना।

तिनका आड़ लेणूं।
तिनके की आड़ लेना। बहुत छोटी चीज का बहाना लेना।

तिनका की आड़ मऽ पहाड़ भी छिपी जानूं।
तिनके की आड़ में पहाड़ भी छिप जाना। छोटी-सी बात में कोई बड़ी बात छिपी होना।

तिनका सईं उड़ी जाणूं।
तिनके के समान उड़ जाना। नष्ट हो जाना।

तिनका को आसरो।
तिनके का आसरा। बहुत थोड़ा सहारा।

तिनका को पहाड़ करनूं।
तिनके का पहाड़ करना। छोटी-सी बात को बहुत विस्तारित कर देना।

तिनको भी नऽ तोड़ी सकणूं।
तिनका भी न तोड़ सकना। बहुत कमजोर होना।

तिनका-तिनका को हिसाब राखणूं।
तिनके-तिनके का हिसाब रखना। छोटी से छोटी चीज का हिसाब रखना।

तिनको भी न तोड़णूं।
तिनका भी न तोड़ना। अनाज का एक दाना भी पेट में न जाना।

तिया पांचा करनूं।
तिया पांचा करना। गड़बड़ करना। धोखा देना। काम बिगड़ना।

तिरछी नजर सी देखणूं।
तिरछी नजर से देखना। क्रोध से देखना। कटाक्ष से देखना।

तिल को ताड़ बणानूं।
तिल का ताड़ बनाना। छोटी सी बात को बहुत बड़ा बताना।

तिल धरनऽ की जगा नी होणूं।
तिल धरने की जगह न होना। बहुत भीड़ होना।

तिल-तिल इकट्ठो करनूं।
तिल-तिल इकट्ठा करना। थोड़ा-थोड़ा इकट्ठा करना।

तिल-तिल को हिसाब देणूं।
तिल-तिल का हिसाब देना। पाई-पाई का हिसाब देना।

तिल भर भी पसीजणूं नी।
तिल भर भी पसीजता नहीं। जरा सी भी दया नहीं दिखाना।

तिलस्म होणूं।
तिलस्म होना। जादू होना।

तिलांजलि देणूं।
तिलांजलि देना। छोड़ देना या त्याग देना।

तिल मऽ तेल नी होणूं।
तिल में तेल नहीं होना। किसी काम का व्यक्ति न होना। प्राप्ति की सम्भावना न होना। किसी व्यक्ति में वे गुण नहीं होना, जो सामने वाला देखना चाहता है।

तिल-तिल करी नऽ जलणूं।
तिल-तिल कर जलना। निरन्तर कुढ़ते या दुखी रहना।

तिल-तिल करी नऽ मरनूं।
तिल-तिल कर मरना। अत्यन्त कष्ट में धीरे-धीरे मरना।

तीखी वात करनूं।
तीखी बात करना। बुरी बात करना। चुभने वाली बात करना।

तीखो सुभाव होणूं।
तीखा स्वभाव होना। तेज या गुस्से वाली प्रकृति होना। बात-बात पर गुस्सा होने वाला होना।

तीखो लगणूं।
तीखा लगना। बुरा लगना। मिर्ची लगना।

तीतर लड़ानूं।
तीतर लड़ाना। झगड़ा करवाना।

तीतर बटेर एक होणूं।
तीतर बटेर एक होना। सबको समान समझना।

तीन तेरा होणूं।
तीन तेरह होना। बिखर जाना या बर्बाद होना। इधर-उधर हो जाना।

तीन पांच करनूं।
तीन-पाँच करना। चालाकी या धूर्तता करना।

तीन कौड़ी को होणूं।
तीन कौड़ी का होना। अत्यन्त तुच्छ, जिसका कोई मूल्य न हो। उपेक्षित।

तीन जनम मऽ भी नहीं।
तीन जनम में भी नहीं। कभी भी नहीं।

तीनई लोक दिखई देणूं।
तीन ही लोक दिखाई देना। कोई उपाय न दिखाई देना।

तीनई ताप मिटणूं।
तीनों ताप मिटना। दैहिक। भौतिक और आध्यात्मिक ताप मिटना।

तीयो चौगुणो करनूं।
तीया चौगुना करना। तिगुना चौगुना करना।

तीर चलाणूं।
तीर चलाना। युक्ति करना। व्यंग्य करना। धनुष से बाण चलाना।

तीर की तरह लगणूं।
तीर की तरह लगना। बहुत तीव्रता से प्रभावित करना। हृदय में चुभना।

तीर कमान सी निकली जाणूं।
तीर कमान से निकल जाना। गलत मौके पर कुछ कह जाना। अवसर चूक जाना। स्थिति हाथ से निकल जाना।

तीर निसाणा पऽ लगणूं।
तीर निशाने पर लगना। किसी बात का ठीक अथवा वांछित असर होना।

तीर का समान लगणूं।
तीर के समान लगना। सीधे हृदय में चुभना।

तीर मऽ तुक्को लगणूं।
तीर में तुक्का लगना। अनुमान से कार्य सिद्ध हो जाना।

तीसमारखां बणनूं।
तीरमारखां बनना। अपने को बहुत बहादुर या साहसी समझना।

तीरथ करनूं।
तीर्थ करना। चारों तीर्थों की यात्रा करना। पुण्य कमाना।

तीरथ जाणूं।
तीरथ जाना। चारों धाम (बद्रीनाथ, रामेश्वरम्, जगन्नाथपुरी और द्वारका) की यात्रा करना।

तीरथ नहाणूं।
तीर्थ नहाना। पवित्र नदियों के जल में स्नान करना।

तीसमारखाँ होणूं।
तीसमारखाँ होना। बहादुरी की शेखी बघारने वाला होना।

तुक जोड़णूं (मिलाणूं)।
तुक जोड़ना या मिलाना। अन्तिम शब्द से शब्द जोड़ना। फूहड़ कविता करना।

तुक तान मिलाणूं।
तुकतान मिलाना। जुगाड़ करना।

तुक्को जमावणूं।
तुक्को जमाना। प्रभाव स्थापित करना।

तुक्का पऽ तुष्ठको होणूं।
तुक्के पर तुक्का होना। एक से एक बढ़कर चाल चलना। एक से एक बड़े होना।

तुर्रो जमावणूं।
तुर्रा जमाना। प्रभाव जमाना।

तुर्रो यो कि ....।
तुर्रा यह कि ....। इसके अतिरिक्त यह भी।

तुली जाणूं।
तुल जाना। उतारू हो जाना।

तू तकार करनूं।
तू तकार करना। अशिष्ट शब्दों में कहा सुनी।

तूती बोलणूं।
तूती बोलना। प्रभाव होना।

तू-तू, में-में होणूं।
तू-तू, मैं-मैं होना। बातों में लड़ाई होना।

तूफान मचावणूं।
तूफान मचाना। हुल्लड़, हुडदंग मचाना।

तूल पकड़णूं।
तूल पकड़ना। किसी बात की जिद करना।

तूल देणूं।
तूल देना। जिद करना। बात को लम्बा बढ़ाने की कोशिश करना।

तृण का समान समझणूं।
तृण के समान समझना। महत्त्वहीन या तुच्छ समझना।

तृण तोड़नूं।
तृण तोड़ना। सम्बन्ध तोड़ना।

तेल चढ़ाणूं।
तेल चढ़ाना। तेल की रस्म पूरी करना। दूल्हा-दुल्हन को तेल हल्दी चढ़ाना।

तेल निकालणूं।
तेल निकालना। बहुत मेहनत करना। पूरा श्रम करना।

तेल देखणूं तेल की धार नी देखणूं।
तेल देखना तेल की धार नहीं देखना। खूब छान बीनकर लेना।

तेळी को बैल होणूं।
तेली का बैल होना। एक प्रकार का कार्य जीवन भर करना।

तेली को तेल बळ, मसालची को दिळ जळऽ।
तेली का तेल जले मसालची का दिल जले। खर्च किसी का हो और दुखी और कोई हो।

तेवर दिखाणूं।
तेवर दिखाना। क्रोध दिखाना। अपना प्रभाव दिखाना।

तेवर बदलनूं।
तेवर बदलना। नाराज हो जाना। हर घड़ी मिजाज बदलना।

तैश मऽ आवणूं।
तैश में आना। गुस्से से भर जाना।

तोतो पालनूं।
तोतो पालना। हाथ पैर में चोट लगना। पट्टी बाँधे रखना।

तोता उड़ी जाणूं।
तोते उड़ जाना। बोल न पाना। आश्चर्यचकित हो जाना।

तोता की तरह रटणूं।
तोते की तरह रटना। जो सिखाया वही-वही बोलना।

तोता रटन्त होणूं।
तोता रटन्त होना। तोते की तरह रट लेना।

तौबा करणूं।
तौबा करना। किसी चीज से ऊब जाना।

तोहमत लगावणूं।
तोहमत लगाना। दोष देना।

तोंद निकली आवणूं।
तोंद निकल आना। पेट का बड़ा होना।

त्यौरी चढ़णूं।
त्यौरी चढ़ना। गुस्सा हो जाना।

त्यौहार मनानूं।
त्योहार मनाना। पर्व मनाना। आनंद मनाना।

त्राहि-त्राहि करणूं।
त्राहि-त्राहि करना। अतिरेक पर पहुँचना। दुर्दशा से बचने के लिये दया माँगना।

त्रिशंकु होणूं।
त्रिशंकु होना। बीच में अटकना। न इधर न उधर होना।

त्रिया चरितर दिखाणूं।
त्रिया चरित्र दिखाना। स्त्रियों के कारनामें दिखाना।

त्रिया हठ।
त्रिया हठ। स्त्री के हठ के आगे सबके हाथ टिक जाते हैं।

तिरया का मन खऽ भगवान नऽ ज जाणणूं।
तिरया (स्त्री) के मन को भगवान ही जान सकता है। स्त्री के भाव जगत को जानना बहुत मुश्किल है।

तीन टांग को घोड़ो।
तीन टाँग का घोड़ा। दोष या खोट वाली चीज को भी चलाने की कोशिश करना।

तीन लोक को राज मिलणूं।
तीन लोक का राज्य मिलना। सारे सुख मिल जाना।

तीन लोक सी मथुरा न्यारी।
तीनों लोकों से मथुरा न्यारी। सब से अलग अपनी विशेषता दिखाना। कुछ अलग करना।

तीन पान का तीन पान।
तीन पान के तीन पान। मतलब जहाँ भी जाना, भाग्य साथ जाना।

थकी जाणूं।
थक जाना। परिश्रम से या चलकर पस्त होना।

थकी नऽ चूर होणूं।
थककर चूर होना। अत्यधिक थक जाना।

थकी नऽ बठी जाणूं।
थककर बैठ जाना। अब आगे परिश्रम न होना।

थूकी नऽ चाटणूं।
थूककर चाटना। अपनी ही बात से हट जाना। मुकर जाना। दी हुई वस्तु वापस लेना।

थूक लगावणूं।
थूक लगाना। आर्थिक नुकसान करवाना। नीचा दिखाना।

थूकी देणूं।
थूक देना। घृणा या नफरत से छोड़ देना।

थूकणू बी नी।
थूकना भी नहीं। किसी तरफ देखना तक नहीं। ध्यान न देना।

थू-थू करनूं।
थू-थू करना। निंदा करना। भला-बुरा करना।

थई-थई करनूं।
थई-थई करना। बीच-बीच में उचकना। कार्य में जल्दबाजी करना।

थपेड़ा खानूं।
थपेड़े खाना। कठिनाई में आना। झंझट में आना।

थप्पड़ मारनूं (खाणूं या लगणूं)।
थप्पड़ मारना या खाना या लगना। सबक सीखना, सबक मिलना या अपमान होना।

थर-थर काँपणूं।
थर-थर काँपना। भयभीत होना। डर से सिहर जाना।

थाप देणूं।
थाप देना। लय से ताली बजाना।

थामी लेणूं।
थाम लेना। सँभालकर रखना। सहारा देना। अधिकार में रखना।

थानो चढ़णूं।
थाना चढ़ना। थाने में रिपोर्ट लिखाना।

थाली लोट्यो तक बिकी जाणूं।
थाली लोटा तक बिक जाना। दरिद्र हो जाना।

थाह लेणूं।
थाह लेना। गहराई नापना।

थेगळो लगावणूं।
थेलगा लगला। कमजोरी को ढंकना।

थैली खोलणूं।
थैली खोलना। भरपूर रुपया देना।

थोक व्यापारी।
सभी चीजों का थोक धन्धा करने वाला। खेरची सामग्री न बेचना।

थोथो चणो।
थोथा चना। गुणहीन या निर्धन व्यक्ति। बुद्धि हीन।

थोथी बात करनूं।
थोथी बात करना। व्यर्थ की। खोखली बात करना।

थोड़ो लिख्यो ज्यादा समझणूं।
थोड़ा लिखा ज्यादा समझना। कम शब्दों में अधिक संदेश देना।

थोथो चणो बाजऽ घणो।
थोथा चना बाजे घना। खोखला या अज्ञानी व्यक्ति ज्यादा बोलता है।

थोड़ो खाणूं अरु सुख सी रयणूं।
थोड़ा खाना और सुख से रहना। अल्प भोजनकर्त्ता दीर्घ जीवि होता है।

दई देणूं।
दे देना। देने के लिये तैयार रहना या देने की भावना रखना।

दई नऽ पछताणूं नी।
देकर पछताना नहीं। कोई चीज किसी को देने के बाद या दान करने के बाद पश्चाताप नहीं करना।

दक-दक करनूं।
दक-दक करना। खूब चमकना।

दकियानूसी करनूं (होणूं)।
दकियानूसी करना या होना। कोई चीज जबरन करना। रूढ़िवादी होना।

दक्षिण दिशा नी जाणूं।
दक्षिण दिशा नहीं जाना। परम्परा में दक्षिण दिशा में निषेध है, इसमें यम का निवास है।

दखल रखणूं।
दखल रखना। जानकारी रखना या विशेषज्ञता होना।

दखल देणूं।
दलख देना। हस्तक्षेप करना।

दखल करनूं।
दखल करना। अधिकार जमाना।

दग्गड़ पड़णूं।
पत्थर पड़ना। चौपट हो जाना। बुद्धि भ्रष्ट हो जाना।

दग्गड़ मारणूं।
पत्थर मारना। सजा देना या गालियाँ देना। फजीहत करना। जख्मी करना।

दग्गड़ पूजणूं।
दग्गड़ पूजना। फलप्राप्ति के लिये पत्थर को देवता मानकर पूजा करना।

दगड़ा गड़बड़ावणूं।
दगड़े गड़बड़ाना। झगड़ा करना। सिर फुटौवल होना।

दगड़ो धरणूं।
पत्थर रखना। दु:ख सहन करना। कठोर दिल होना।

दत्तक लेणूं।
दत्तक लेना। गोद लेना। किसी और के पुत्र या पुत्री को अपना बनाना।

दपड़ई देणूं।
दण्ड़ा देना। छुपा देना।

दपड़ी जाणूं।
दपड़ी जाना। छिप जाना।

दफा करनूं।
दफा करना या भगा देना। अपमानित करना।

दफा लगाणूं।
दफा लगाना। कानून की धारा लगाना।

दफन करनूं।
दफन करना। मिट्टी में दबा देना। भूल जाना या समाप्त कर देना।

दफ्तर खोलणूं।
कार्यालय खोलना। शुरू से आखिर तक पूरी चीजें बताना।

दबई देणूं।
दबा देना। किसी बात या मामले को दबा देना।

दबई लेणूं।
दबा लेना। अनुचित रूप से कब्जा कर लेना। छिपा लेना।

दबई बठणूं।
दबा बैठना। जबरन किसी चीज पर कब्जा जमा लेना।

दबी आवाज मऽ बोलणूं।
दबी आवाज में बोलना। डरते हुए बोलना।

दबी जुबान सी कयणूं।
दबी जबान से कहना। चुपके से कम आवाज में कहना। भय खाकर बोलना।

दब्या पांय निकळई जाणूं।
दबे पैर निकल जाना। चोरी छिपे निकल जाना। बिना

बताये निकल जाना। बिना आहट के निकल जाना। चुपचाप खिसक जाना।

दब्या रयणूं।
दबा रहना। उपकृत रहना।

दबेल मांजरी को ऊंदरा सी गरज करनूं।
दबी बिल्ली का चूहे से चिरोरी करना। अपराधी व्यक्ति कमजोर से भी बचाने की चिरौरी कर सकता है।

दबी नऽ चलणूं।
दबकर चलना। नम्र होकर रहना।

दबी नऽ रयणूं।
दबकर रहना। अंकुश में रहना। गम खाना।

दबई-दबई नऽ भरनूं।
दबा-दबाकर भरना। खूब ठूँस-ठूँसकर भरना।

दबाव पड़नूं।
दबाव पड़ना। किसी काम को करने के लिये दूसरों द्वारा बहुत आग्रह या जोर लगाना।

दबाव में आणूं।
दबाव में आना। किसी के प्रभाव में आना।

दम भरनूं।
दम भरना। साहस दिखाना। गर्व करना। परिश्रम के कारण थक जाना। पक्ष लेना।

दम छोड़णूं।
दम छोड़ना। मर जाना। किसी चीज को लेने के लिये प्राणान्तक जिद करना।

दम निकलणूं।
दम निकलना। मर जाना। किसी के बिना न रहना।

दम देणूं।
दम देना। धोखा देना। किसी कार्य को करने के लिये प्रोत्साहित करना और न करना।

दम खाणूं।
दम खाना। सब्र रखना। जान खाना या परेशान करना। तंग करना। ठहरना।

दम घुटणूं।
दम घुटना। सांस रूकना।

दम घोटणूं।
दम घोटना। गला दबाकर साँस रोकना।

दम घोटी नऽ मारनूं।
दम घोटकर मारना। गला दबाकर मारना।

दम चढ़णूं।
दम चढ़ना। जल्दी-जल्दी सांस चढ़ना।

दम खींचणूं।
दम खींचना। न बोल पाना। चुप रहना। सांस ऊपर खींचना।

दम मऽ दम आवणूं।
दम में दम आना। भरोसा होना। किसी बात पर फिर से विश्वास आ जाना। घबराहट दूर होना।

दम मऽ दम रयणूं।
दम में दम रहना। जीवन रहना।

दम पऽ दम आवणूं।
दम पर दम आना। लगातार या बराबर आना।

दम का दम आवणूं।
दम के दम में आना। तत्काल या क्षण भर में आना। अभी के अभी आना या अतिशीघ्र।

दम साधणूं।
दम साधना। चुप रह जाना। धैर्य रखना।

दम लगावणूं।
दम लगाना। जोर लगाना या पूरा प्रयत्न करना।

दम अटकणूं।
दम अटकना। सांस रुक जाना। किसी चीज में मन अटका रह जाना।

दम घुटी-घुटी नऽ मरनूं।

दम घुट-घुटकर मरना। सांस रुक कर मरना। कष्ट से प्राण निकलना।

दमदारी करनूं।
दमदारी करना। अत्यधिक साहस दिखाना। दावा पेश करना।

दम नी होणूं।
दम न होना। साहस न होना। कोई गुण न होना। अच्छा न होना।

दम भर रुकणूं।
दम भर रुकना। थोड़ी देर रुकना।

दम पऽ आई बणनूं।
दम पर आ बनना। मुसीबत में फँसना। जान पर आ बनना।

दम मारनूं।
दम मारना। थोड़ा विश्राम करना। हौसला दिखाना।

दम मारनऽ की फुरसत नी होणूं।
दम मारने की फुरसत नहीं होना। जरा भी फुरसत न मिलना।

दम लगाणूं (लगणूं)।
दम लगाना या लगना। जोर लगाना या लगना। चिलम या गांजा पीना।

दम सूखणूं।
दम सूखना। डर के कारण सांस भी न ले पाना।

दमड़ी खरच नी करनूं।
दमड़ी खर्च न करना। खर्च करने में कंजूसी करना।

दमड़ी को काम को नी।
दमड़ी के काम का न होना। किसी काम का उपयोगी न होना। नकारा होना।

दमड़ी-दमड़ी का लेणऽ तरसणूं।
दमड़ी-दमड़ी के लिये तरसना। एक-एक पैसे के लिये प्रतीक्षा करना। बहुत अधिक गरीबी।

दमड़ी भर बी नी।
दमड़ी भर भी नहीं। जरा सी भी नहीं। बिल्कुल नहीं।

दमड़ी का तीन-तीन मिलनूं।
दमड़ी का तीन-तीन मिलना। बहुत सस्ता मिलना।

दम नाक मऽ आवणूं।
दम नाक में आना। बहुत दुखी, परेशान या तंग होना।

दम दिलासो देणूं।
दम दिलाशा देना। झूठी आशा देना।

दम सादी नऽ बठणूं।
दम साधकर बैठना। चुप या मौन रहना। धैर्य के साथ बैठना।

दम फूली जाणूं।
दम फूल जाना। सांस फूल जाना या चढ़ जाना।

दम मऽ आवणूं।
दम में आना। झाँसे में आना।

दम मऽ दम।
दम में दम। जीते जी।

दम पऽ दम आवणूं।
दम पर दम आना। बार-बार आना।

दम दई न जाणूं।
दम देकर चले जाना। सबको धोखा देकर चले जाना।

दम नी लेणूं।
दम नहीं लेना। जरा भी विश्राम न करना। बार-बार पीछे लगना।

दमदार होणूं।
दमदार होना। ताकतवर होना। साहसी होना।

दम निकलणूं।
दम निकलना। सांस फूल जाना। अधिक श्रम की आवश्यकता होना। मर जाना।

दुम दबाऊण।

दूम दबाना। जबावदारी से मुकरना।

दुम टांग नमऽ भरई जाणूं।
दुम टांगों में घुस जाना। कमजोरी मालूम होते ही खिसियाना। हार मानना।

दर-दर भटकणूं।
दर-दर भटकना। जगह-जगह भटकना। इधर-उधर ठोकरें खाना।

दर मिलऽ नी घरऽ।
दर मिले न घर। कहीं ठौर ठिकाना नहीं।

दर-दर की ठोकर नऽ खाणूं।
दर-दर की ठोकरें खाना। हर तरफ से धिक्कारा जाना।

दर-दर को धूळो फाँकणूं।
दर-दर की धूल फाँकना। जगह-जगह भटकना।

दर पऽ जाणूं।
दर पर जाना। द्वार पर जाना। किसी पीर-पैगम्बर की दरगाह पर इबादत करना।

दरगाह पऽ माथो टेकणूं।
दरगाह पर माथा टेकना। किसी पीर की मजार पर जियारत करना।

दरबार मऽ हाजिरी देणूं।
दरबार में हाजिरी देना। किसी पीर-फकीर की मजार पर जाना। अपने दुखदर्द की फरियाद करना।

दरबार लगाणूं।
दरबार लगाना। सभा जुटाना। इकट्ठा करना।

दरबार बर्खास्त होणूं।
दरबार बर्खास्त होना। दरबार (सभा) से राजा का उठ जाना।

दरवाजो बन्द होणूं।
दरवाजा बन्द होना। आने-जाने का सम्बन्ध न होना। कोई काम करने का रास्ता न होना। कोई आशा न होना।

दरवाजो सबकऽ लेण खुल्लो होणूं।
दरवाजा सबके लिये खुल जाना। सबको आने-जाने की छूट होना।

दरवाजा पऽ चक्कर लगावणूं।
दरवाजे पर चक्कर लगाना। किसी काम के लिये बार-बार आकर खुशामद करना।

दरवाजा पऽ पड़ी रयणूं।
दरवाजे पर पड़े रहना। शरण में आना। आश्रित होना।

दरवाजा पऽ डोळा गड़ाणूं।
दरवाजे पर आँखें गड़ाना। प्रतीक्षा करना।

दरवाजा पऽ हत्ती झुलणूं।
दरवाजे पर हाथी झूलना। बहुत धनवान होना।

दरवाजा झांकणूं।
दरवाजे झाँकना। घर-घर जाना। फालतू कार्य से इधर-उधर जाना।

दर-दर फिरणूं।
दर-दर फिरना। भीख या अन्य कार्य के लिये घर-घर घूमना।

दरजो देणूं।
दरजा देना। नीचे से ऊपर श्रेणी में जाना।

दरार पड़णूं।
दरार पड़ना। मनमुटाव होना। मन मलिन होना। अलगाव होना।

दरांती चलनूं।
दराती चलना। काटने का काम चालू होना। फसल काटना।

दरिया मऽ डालनूं।
दरिया में डालना। भूल जाना।

दरिया दिल होणूं।
दरिया दिल होना। उदार होना।

दरिया बहाई देणूं।
दरिया बहा देना। बहुतायत कर देना।

दर करनूं।
दर करना। छेद करना या खोदना।

दरज करनूं।
दर्ज करना। लिख लेना।

दरद उठणूं।
दर्द उठना। पीड़ा होना। तकलीफ होना।

दरद की दवा होणूं।
दर्द की दवा होना। किसी काम लायक होना।

दरद भरी दास्तान होणूं।
दर्द भरी दास्तान होना। दर्द भरी कहानी होना। पीड़ा दायक घटना होना।

दरद नी जाणनूं।
दर्द नहीं जानना। पीड़ा नहीं जानना।

दरद आवणूं (उठणूं)।
दर्द में शामिल होना। दु:ख तकलीफ में सम्मिलित होना।

दर्जी की सुई होणूं।
दर्जी की सुई होना। सबको जोड़ने वाला होना।

दल-दल मऽ फँसणूं।
दल-दल में फँसना। बुरे काम में लिप्त होना।

दल-दल सी उवरनूं।
दल-दल से उबरना। विपत्ति से मुक्त होना।

दळ होणूं।
दल होना। फल का गूदा अधिक होना। समूह या संगठन होना।

दळदार होणूं।
दलदार होना। अत्यधिक गूदा होना।

दल बदल करनूं।
दल बदल करना। एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाना।

दळ बादळ छाणूं।
दल बादल छाना। घनघोर बादलों का आसमान में घिरना।

दलील देणूं।
दलील देना। तर्क देना।

दवा देणूं।
दवा देना। इलाज करना। उपाय सोचना।

दवा नी लगणूं।
दवा नहीं लगना। दवा का असर नहीं होना।

दवाई को काम नी करनूं।
दवाई का काम न करना। दवाई का कोई असर न होना। स्वास्थ्य नहीं सुधरना।

दरसण देणूं।
दर्शन देना। सशरीर दिखना। दिखाना।

दरसण पाणूं (होणूं)।
दर्शन पाना या होना। प्रत्यक्ष दिखना या होना।

दरसण मिलणूं।
दर्शन मिलना। प्रकट रूप में देखना।

दरसण दुरलभ होणूं।
दर्शन दुर्लभ होना। मुश्किल से मिलना। कठिनाई से या बहुत दिन बाद प्रत्यक्ष मिलना।

दरसण का लेणऽ तरसणूं।
दर्शन के लिये तरसना। भगवान को प्रत्यक्ष देखने की प्रबल इच्छा होना।

दस्तक देणूं।
दस्तक देना या आना।

दस बजणूं।
दस बजना। दस बजे का समय होना।

दस्तखत करनूं।
दस्तखत करना। हस्ताक्षर करना। स्वीकृति होना। मंजूर होना।

दस्त लगणूं।
दस्त लगना। बार-बार हाजत होना। शौच जाना।

दहली जाणूं।
दहल जाना। काँप जाना।

दहशत मऽ आवणूं।
दहशत में आना। भयभीत होना। डर जाना।

दहाड़ मारी नऽ रोवणूं।
दहाड़ मारकर रोना। जोर-जोर से आवाज करके रोना।

दही-मही लावणूं।
दही और मही लाना। दही और मठा एक साथ लाना।

दाई खऽ बुलावणूं।
दाई को बुलवाना। प्रसूति का समय नजदीक होना।

दाई का आगऽ पेट छुपावणूं।
दाई के आगे पेट छिपाना। जानकार या विशेषज्ञ के सामने बात न कहना।

दांयो बांयो होणूं।
दाँए-बाँए होना। सामने से हट जाना। छिप जाना। अगल-बगल हो जाना।

दांत खट्टा करनूं।
दाँत खट्टे करना या हराना। परेशान कर देना। युद्ध में परास्त करना।

दांत उखड़ना।
दाँत उखड़ना। मसूड़े से दाँत का निकल जाना।

दात काटी रोटी होणूं।
दाँत काटी रोटी होना। गहरी मित्रता। एक दूसरे के बिना न रहना।

दात किट किटावनूं।
दाँत किट- किटाना। क्रोध से दाँत पीसना।

दात चबावणूं।
दाँत चबना। क्रोध से दाँतों को पीसना।

दात भींजणूं।
दाँत भींजना। ऊपर और नीचे के दाँतों को भिड़ा लेना।

दात खिली बंधणूं।
दाँत खिली बँधना। बेहोशी की हालत में दाँत का भींज लेना।

दात पीसणूं।
दाँत पीसना। बदले की भावना लिये घूमना।

दात बतावणूं।
दाँत बताना। हँस देना। असमर्थता प्रकट करना।

दात नऽ मऽ ऊंगळई दबावणूं।
दाँतों तले ऊंगली दबाना। दंग रह जाना। चकित होना। अफसोस करना।

दात देखणूं।
दाँत देखना। दाँत देखकर जानवर की उम्र का अन्दाज लगाना।

दात गड़णूं।
दाँत गड़ना। दाँत चुभना।

दात काढ़णूं।
दाँत निकालना। बेवक्त हँसना।

दात निकलणूं।
दाँत निकलना। छह महीने के बच्चे के सामने के दाँतों का दिखना या आना।

दात लगणूं।
दाँत लगना। नये नकली दाँत लगना।

दात दुखणूं।
दाँत दुखना। दाँतों में असहनीय दर्द होना।

दात टूटणूं।
दाँत टूटना। दाँत का निकल जाना या आधा टूट जाना। बुढ़ापा आना।

दात निपोरनूं।

दाँत निपोरना। व्यर्थ हँसना। दीनता प्रकट करना।

दात बजणूं।
दाँत बजना। ठंड लगना। दाँत किट-किटाना।

दात बठाड़णूं।
दाँत बैठाना। बत्तीसी बनवाकर मुँह में लगा लेना।

दात उखाड़ी फेंकणूं।
दाँत उखाड़कर फेंकना। नुकसान देह या पीड़ा दायक व्यक्ति को बाहर कर देना।

दात नख नी होणूं।
दाँत और नाखून न होना। बलहीन, साधनहीन या महत्त्वहीन हो जाना।

दात तोड़ देणूं।
दाँत तोड़ देना। दण्ड देना या अंग-भंग करना।

दात तेज करनूं।
दाँत तेज करना। घात में रहना।

दात पीसी न रई जाणूं।
दाँत पीसकर रह जाना। लाचारी में क्रोध को सहन कर जाना। पी जाना।

दात सी पैसो पकड़नूं।
दाँत से पैसा पकड़ना। बहुत कंजूस होना।

दात सी जीभ काटनूं।
दाँत से जीभ काटना। भयभीत होना।

दाता किच्ची करनूं।
दाता किच्ची करना। कहासुनी होना। गाली गलौच होना।

दाद देणूं।
दाद देना। सराहना करना। वाह वाही करना।

दाखिल होणूं।
दाखिल होना। भर्ती होना। प्रवेश करना।

दाखलो लेणूं।
दाखला लेना। प्रवेश लेना। स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र लेना।

दाग देणूं।
दाग देना। चिता में अग्नि देना। अत्येष्ठि करना। लोहा खूब गर्म करके शरीर पर जलाना। कलंकित करना।

दाग धोवणूं।
दाग धोना। कलंक मिटाना।

दाग लगाणूं।
दाग लगाना। कलंकित करना।

दागदार होणूं।
दागदार होना। अपराधी होना।

दागिनो छुड़ावणूं।
दागिना छुड़ाना। गिरवी रखे गहने छुड़ाना।

दागिनो गिरवी रखणूं।
दागिना गिरवी रखना। गहने रहन रखना। गरीबी की मार होणूं।

दाढ़ मऽ खून लगणूं।
दाढ़ में खून लगना। एक बार चस्का लगना, उसे बार-बार करना।

दाढ़ गरम करनूं।
दाढ़ गर्म करना। घूस या रिश्वत लेना।

दाढ़ी सहलाणूं।
दाढ़ी सहलाना। चिरोरी या खुशामद करना।

दाढ़ी उखाड़ लेणूं।
दाढ़ी उखाड़ लेना। अपमानित करना।

दाढ़ी का बाल नोचणूं।
दाढ़ी के बाल नोचना। जलील करना या अपमानित करना। कष्ट देना।

दाढ़ी की लाज राखणूं।
दाढ़ी की इज्जत रखना। बुजुर्गीयत का ख्याल रखना। अनुभव की इज्जत करना।

दान की गाय का दाँत नी देखणूं।

दान की गाय के दाँत न देखना। बिना मूल्य की वस्तु में दोष न देखना।

दान पुण्य करनूं।
दान पुण्य करना। कमाई में से थोड़ा बहुत धन गरीबों या ब्राह्मणों को देना चाहिए।

दान को हात सदा उच्चो।
दान का हाथ सदा ऊँचा। दानदाता का महत्त्व अधिक ही रहता है।

दाना चुगनूं।
दाना चुगना। थोड़ा-थोड़ा और धीरे-धीरे खाना।

दाना डाली नऽ लड़ाणूं।
दाने डालकर लड़ाना। लड़ाई की स्थिति पैदा करवा कर आपस में लड़ाना।

दाना डालणूं।
दाना डालना। किसी को फँसाने अथवा लड़ाने के लिये कोई युक्ति करना।

दानो पानी उठी जाणूं।
दाना पानी उठ जाना। आश्रय छूट जाना।

दाब मऽ राखणूं।
दाब में रखना। वश/अनुशासन में रखना।

दाब मऽ रयणूं।
दाब में रहना। वश में रहना। प्रभाव में रहना।

दाबी बठणूं।
दाब बैठना। जबरन कब्जा कर लेना।

दाबी नऽ राखणूं।
दाबकर रखना। दबाकर रखना। मर्यादित रखना।

दाब माननूं।
दाब मानना। भय या अधिकार दिखाना।

दाब मऽ होणूं।
दाब में होना। आधीन होना।

दाबा दूबी करनूं।
दाबा-दूबी करना। किसी मामले को प्रयास करके दबा देना। उजागर न करना।

दाबणूं।
दबाना। किसी को जबर्दस्ती अपने वश में करना।

दाम चयढ़णूं (उठणूं)।
दाम चढ़ना या उठना। दाम ऊँचे होना। ऊँचे दाम लगना।

दाम देणूं (चुकाणूं)।
दाम देना या चुकाना। कीमत देना। अपनी बारी का काम करना।

दाम भरनूं।
दाम भरना। नुकसान की भरपाई रुपयों में करना।

दाम ठयराणूं।
दाम ठहराना। कीमत/मूल्य/मोलभाव करना।

दाम गिरनूं।
दाम गिरना। कीमत नीचे आना। भाव कम होना। दाम घटना।

दाम आसमान छूणूं।
दाम आसमान छूना। महँगाई बहुत अधिक बढ़ जाना। बहुत अधिक कीमतें बढ़ जाना।

दाम खड़ा करनूं।
दाम खड़े करना। मूल्य वसूल करना।

दाम भर मिलनूं।
दाम भर मिलना। मूल कीमत ही मिलना। जितने में खरीदी उतने ही मूल्य मिलना।

दाम लगऽ नी कौड़ी।
दाम लगे नहीं कौड़ी। मुफ्त में मिलना।

दामन छुड़ावणूं।
दामन छुड़ाना। पीछा छुड़ाना। किसी काम के लिए मना कर देना।

दामन झाड़ी नऽ अल्ग होणूं।
दामन झाड़कर अलग होना। कोई सम्बन्ध न रखना।

दामन पाक साफ राखणूं।
दामन पाक साफ रखना। निष्कलंक होना।

दामन मऽ छिपणूं (लगणूं)।
दामन में छिपना या लगना। शरण में आना या आश्रय में आना। साथ रहना या अपना होकर रहना।

दामन मऽ दाग लगणूं।
दामन में दाग लगना। कलंकित होना।

दामन बचई नऽ राखणूं।
दामन बचाकर रखना। अपने पर कोई कलंक या दोष का न होना।

दामन पसारनूं (फैलाणूं)।
दामन पसारना या फैलाना। दया की भीख माँगना। विनती करना।

दामन पकड़णूं।
दामन पकड़ना। शरण लेना।

दायर करनूं।
दायर करना। मुकदमा कोर्ट में चलाना।

दाय होणूं (निभाणूं)।
दाय होना या निभाना। उत्तरदायित्व होना या कर्त्तव्य निभाना।

दायरा मऽ रयणूं।
दायरे में रहना। अपनी मर्यादा या सीमा में रहना।

दायरा सी भायरा होणूं।
दायरे से बाहर होना। सीमा से बाहर होना। अपनी मर्यादा में न रहना।

दायें-बायें देखणूं।
दायें-बायें देखना। चौकन्ना होना या सतर्क होना। अगल-बगल देखना।

दांये-बांये होणूं।
दायें-बायें होना। गायब हो जाना। अगल-बगल छिप जाना। कसमसाना।

दाळ गळणूं।
दाल गलना। प्रयोजन सिद्ध होना। काम बन जाना। मतलब निकल जाना।

दाळ मऽ काळो होणूं।
दाल में काला होना। कुछ शंका होना। सन्देह होना।

दाळ में नमक जेतरो समाणूं।
दाल में नमक जितना समाना। दाल की मात्रा के अनुसार नमक डालना। जितना उचित हो उतना ही शोभा देना।

दाळ रोटी मिलणूं (चलणूं)।
दाल रोटी मिलना या चलना। गुजारा होना।

दाळ जूता नऽ मऽ बटणूं।
दाळ जूते में बँटना। लड़ाई-झगड़े होना।

दाल रोटी सी खुस होणूं।
दाल रोटी से खुश होना। खाने-पीने का प्रबन्ध होना।

दाल रोटी सी लग्या रयणूं।
दाल रोटी से लगे रहना। सुबह-शाम के भोजन की ठीक व्यवस्था होना।

दाळ रोटी को भाव मालूम पड़णूं।
दाल-रोटी का भाव मालूम पड़ना। पैसा कमाने की अहमियत समझ में आना।

दाळ रोटी बी छिनई जाणूं।
दाल-रोटी भी छिन जाना। गरीबी में और गरीबी आना।

दाल रोटी को इन्तजाम होणूं।
दाल-रोटी का इन्तजाम होना। पेट भरने का इन्तजाम हो जाना। भूखे न मरना।

दाव लगाणूं।
दाँव लगाना। घात लगाना।

दाव खेलणूं।
दाँव खेलना। धोखा करना।

दाव चलणूं।
दाँव चलना। चाल चलना। खेल की चाल चलना।

दाव मऽ फँसणूं।
दाँव में फँसना। चाल में आ जाना। फँस जाना।

दाव चूकणूं।
दाँव चूकना। अवसर खोना।

दाव ताकणूं।
दाँव ताकना। मौका ढूँढना। मौके पर नजर रखना।

दाव देणूं।
दाँव देना। हारने के बाद निश्चित दण्ड देना।

दाव पऽ चढाणूं (लगाणूं)।
दाँव पर चढ़ाना या लगाना। अन्तिम निर्णायक खेल खेलना। इज्जत पर रखना।

दाव पऽ राखणूं।
दाँव पर रखना। वश में होना। प्रतिष्ठा पर रखना।

दाव लगणूं।
दाँव लगना। अनुकूल अवसर मिलना।

दाव फेंकणू।
दाँव फेंकना। पाँसे फेंकना। अपना दाँव खेलना।

दाव पऽ राखणूं।
दाँव पर रखना। बाजी पर लगाना।

दाव लेणूं।
दाँव लेना। हारने वाले से दण्ड स्वरूप अपनी रकम या दाँव लेना।

दावो ठोकणूं।
दावा ठोकना। मुकदमा दायर करना।

दावो खारिज होणूं।
दावा खारिज होना। पहली हार होना। मुकदमा हारना।

दास हुई जाणूं।
दास हो जाना। गुलाम हो जाना। वश में होना।

दाहिना हाथ होणूं।
दाहिना हाथ होना। अत्यन्त विश्वसनीय सहायक होना।

दिक् करनूं।
दिक् करना। परेशान करना या कष्ट देना।

दिखणऽ का दात अरू खाणा का अरू।
दिखने के दाँत और खाने के दाँत और। दिखावटीपन।

दिन आवणूं।
दिन आना। समय आना या भाग्योदय होना। समय पूरा होना या अन्तिम समय आना।

दिन चढ़णूं।
दिन चढ़ना। सूरज निकल आना। गर्भ ठहरना।

दिन ढलणूं।
दिन ढलना। शाम होना।

दिन छिपणूं।
दिन छिपना। सूर्यास्त होना।

दिन लटणूं।
दिन लटना। शाम होना। सूरज का ढलना। तीसरा प्रहर होना।

दिन जाणूं।
दिन जाना। समय बीतना। सूर्यास्त होना।

दिन ढलणूं।
दिन ढलना। शाम होना।

दिन छत्तऽ आई जाणूं।
दिन छत्ते आ जाना। दिन ढलने/सूर्यास्त से पहले आना।

दिन-दिन दुबळो होणूं।
दिन-दिन दुबला होना। किसी बीमारी में घुलते जाना।

दिन दूणो रात चौगुणो।
दिन दूना रात चौगुना। तेजी से बढ़ना।

दिन निकलणूं।
दिन निकलना। सूर्योदय होना।

दिन खराब होणूं।
दिन खराब होना। पूरे दिन का समय बर्बाद होना।

दिन अच्छो जाणूं।
दिन अच्छा जाना। पूरा दिन आनन्द से गुजरना।

दिन पूरा होणूं।
दिन पूरे होना। गर्भ का नवाँ महीना लगना। लम्बी उम्र होना।

दिन बिगड़नूं।
दिन बिगड़ना। बुरे दिन आना।

दिन रोई-रोई नऽ काटणूं।
दिन रो-रोकर काटना। कष्टमय दिन गुजारना। मुसीबत के दिन बिताना।

दिन रात फिकर करनूं।
दिन रात फिक्र करना। चिन्ता में दिनरात घुलना।

दिन होणूं।
दिन होना। सूर्योदय से सूर्यास्त का समय।

दिन भारी जाणूं।
दिन भारी जाना। समय पीड़ा दायक निकलना।

दिन मऽ व्हां-व्हां नऽ रात मऽ सोऊं कां।
दिन के समय में इधर-उधर भटकना और रात में सोने की व्यवस्था ढूँढना। फालतू आदमी।

दिन नऽ को फेर होणूं।
दिनों का फेर होना। समय के साथ बदलाव होना। भाग्य का प्रभाव होना।

दिन को भूल्यो शाम खऽ घर आवणूं भूल्यो नी कवातो।
सुबह (दिन) का भूला (भटका) शाम को घर आ जाये तो उसे भूला नहीं कहते। कुछ सामान्य अनहोनी हो जाये तो वह अनहोनी नहीं होती।

दिन मऽ तारा देखाणूं।
दिन में तारे दिखाना। आफत में बुद्धि ठिकाने न रहना।

द

दिन खऽ दिन नी समझणूं।
दिन को दिन न समझना। आराम का ध्यान तक न रखना, एकदम व्यस्त होना।

दिन गमावणूं।
दिन गमाना। व्यर्थ समय खोना।

दिन धवळा लूटी लेणूं।
दिन धवले लूट लेना। दिन के उजाले में लूटपाट चोरी कर लेना।

दिन दुनिया से उठी जाणूं।
दिन दुनिया से उठ जाना। मृत्यु को प्राप्त होना।

दिमाग खाणूं।
दिमाग खाना। बहुत बोल-बोलकर दुखी करना।

दिमाग चाटणूं।
दिमाग चाटना। जबरन बोल-बोलकर दुखी करना।

दिमाग खाली करनूं।
दिमाग खाली करना। अधिक बोलना। बुद्धि व्यय करना। मगजपच्ची करना।

दिमाग लड़ावणूं।
दिमाग लड़ाना। अधिक सोच विचार करना। गहन चिंतन करना।

दिमाग की खाणूं।
दिमाग की खाना। बुद्धि का प्रयोग करके पैसे पैदा करना।

दिमाग ऊंचो होणूं।
दिमाग ऊँचा होना। बुद्धिमान होना।

दिमाग आसमान पऽ चढ़णूं।
दिमाग आसमान पर चढ़ना। अहंकारी होना।

दिमाग चढ़णूं।
दिमाग चढ़ना। घमण्डी होना। अभिमान में आना।

दिमाग नी होणूं।
दिमाग न होना। किसी प्रकार की बुद्धि या अक्ल न होना।

दिमाग मऽ रयणूं।
दिमाग में रहना। ऐंठ में रहना।

दिमाग पची जाणूं।
दिमाग पच जाना। बुद्धि का परेशान हो जाना।

दिमाग लगावणूं।
दिमाग लगाना। ध्यान देना। ध्यान से पढ़ना लिखना।

दिमाग पच्ची करनूं।
दिमाग पच्ची करना। तर्क-वितर्क करना।

दिमाग की उपज होणूं।
दिमाग की उपज होना। कल्पना या ख्याल करना। रचना करना।

दिमाग खराब होणूं।
दिमाग खराब होना। चिढ़ा देना या पागल होना। क्रोध में आना।

दिमाग मऽ फितूर आवणूं।
दिमाग में फितूर आना। कोई उलटी सीधी बात सोचना। कोई अटपटी या नई बात सोचना। खराबी आना।

दिमाग कऽ ठण्डो राखणूं।
दिमाग को ठण्डा रखना। शान्त रहना। किसी बात से जल्दी प्रभावित न होना।

दिमाग मऽ भूसो भरेल होणूं।
दिमाग में भूसा भरा हुआ होना। बुद्धिहीन होना। मूर्ख होना।

दिमाग मऽ गोबर भरेल होणूं।
दिमाग में गोबर भरा होना। मूर्ख होना। अक्ल न होना। समझने की शक्ति न होना।

दिमाग पऽ जोर देणूं।
दिमाग पर जोर देना। मानसिक से विचारशील होना।

दिमाग चक्कर खाणूं।
दिमाग चक्कर खाना। दिमाग में घबराहट होना।

दिमाग का पुर्जा ढीला होणूं।
दिमाग के पुर्जे ढीले होना। कुछ समझ में न आना। कम अक्ल होना।

दिमाग का कीड़ा झड़णूं।
दिमाग के कीड़े झड़ना। गलतफहमियाँ दूर होना। भली बुरी कहना।

दिमाग मऽ कीड़ा पड़णूं।
दिमाग में कीड़ा पड़ना। बुद्धि भ्रष्ट होना।

दिमाग ठिकाणऽ लगणूं।
दिमाग ठिकाने लगना। घमण्ड दूर होना। सही तरीके से सोचना। सकारात्मक सोच होना।

दिमाग दुरुस्त करी देणूं।
दिमाग दुरुस्त कर देना। दिमाग ठीक कर देना। अच्छा सबक देना।

दिमाग नी चलणूं।
दिमाग नहीं चलना। कुछ सूझ नहीं पड़ना।

दिमाग कुन्द होणूं।
दिमाग कुन्द होना। कुछ समझ में नहीं आना।

दिमाग सड़ी जाणूं।
दिमाग सड़ जाना। दिमाग के विचार करने की शक्ति समाप्त हो जाना।

दिमाग मऽ आवणूं।
दिमाग में आना। याद आना। नया विचार आना।

दिया जलाणूं।
दिया जलाना। प्रकाश करना। खुशी मनाना।

दिया जलानेवाला नी बचणूं।
दिया जलाने वाला नहीं बचना। वंश में कोई न रह जाना।

दिया लियो समानऽ आवणूं।
दिया लिया सामने आना। दान-पुण्य का फल मिलना।

दिया बत्ती करणूं।
दिया बत्ती करना। शाम के समय घर में दीपक जलाना।

दिया बत्ती का बखत।
दिया बत्ती का वक्त। शाम का समय।

दियो लई नऽ ढूँढणूं।
दिया लेकर ढूँढना। निश्चिय करके चारों ओर ढूँढना। बहुत खोज करना।

दिया का निच्च अन्धेरो होणूं।
दिया के नीचे अन्धेरा होना। अच्छे व्यक्ति में भी कोई न कोई बुराई का होना।

दियो सी दियो बलणूं।
दिये से दिये जलना। एक दूसरे का निकलना। प्रकाश से प्रकाश बढ़ाना।

दिल तड़फनूं।
दिल तड़फना। व्याकुल होना। घबराहट होना।

दिल तोड़णूं।
दिल तोड़ना। उत्साह या उमंग भंग करना।

दिल थामणूं।
दिल थामना। धैर्य या संतोष धारण करना।

दिल देखणूं।
दिल देखना। मन टटोलना। मन के भेद का पता लगाना।

दिल आवणूं।
दिल आना। कोई किसी को अच्छा लगना।

दिल नी लगणूं।
दिल न लगना। अच्छा नहीं लगना।

दिल उचटणूं।
दिल उचटना। मन परेशान होना।

दिल की कली-कली खिलणूं।
दिल की कली-कली खिलना। मन प्रसन्न होना।

दिल की गांठ खोलणूं।
दिल की गाँठ खोलना। मन मुटाव दूर करना। मन के रंज-गम दूर करना।

दिल की दिल मऽ रयणूं।
दिल की दिल में रहना। इच्छा पूरी न होना।

दिल भरी जाणूं।
दिल भर जाना। दया आ जाना। मन उकता जाना।

दिल को गवाही देणूं।
दिल का गवाही देना। यकीन आना।

दिल मऽ फांस चुभणूं।
दिल में फांस चुभना। हृदय में पीड़ा होना। कसक होना।

दिल की लगी बुझाणूं।
दिल की लगी बुझाना। मन की पीड़ा शान्त करना।

दिल कुढ़णूं।
दिल कुढ़ना। दिल जलना या कलपना। मन दुखी होना।

दिल कुढ़ाणूं।
दिल कुढ़ाना। मन को दुखी करना।

दिल तोड़नूं।
दिल तोड़ना। मन दुखी करना।

दिल मिलणूं।
दिल मिलना। मन मिलना।

दिल से दिल मिलणूं।
दिल से दिल मिलना। प्रेम होना।

दिल हलको होणूं।
दिल हल्का होना। मन का बोझ हट जाना।

दिल भारी होणूं।
दिल भारी होना। मन दुखी होना।

दिल हरो होणूं।
दिल हरा होना। प्रसन्न होना।

दिल मजबूर होणूं।

दिल मजबूर होना। किसी काम के लिये मन की इच्छा के विरुद्ध कार्य करना। कुछ किये बिना न रह जाना।

दिल हाथ सी थामी लेणूं।
दिल हाथ से थाम लेना। मन मसोस कर रह जाना। आश्चर्य में पड़ जाना। स्तब्ध रह जाना।

दिल हिली उठणूं।
दिल हिल उठना। मन काँप जाना। भय या आतंक से घबरा जाना। दु:ख से भर जाना।

दिल मऽ खोट होणूं।
दिल में खोट होना। मन में बुराई होना।

दिल मऽ गांठ पड़नूं।
दिल में गाँठ पड़ना। मन में बुराई आना। मन मलिन होना।

दिल को गुबार निकालणूं।
दिल का गुबार निकालना। मन का आक्रोश या असंतोष निकालना।

दिल मऽ घर करणूं।
दिल में घर करना। मन में उतर जाना। प्रिय लगना। मन में विश्वास जम जाना।

दिल मऽ चोर होणूं।
दिल में चोर होना। मन में संदेह होना। दुविधा होना। कपट करना।

दिल मऽ तड़फ होणूं।
दिल में तड़फ होना। मन में हूक या पीड़ा होना।

दिल मऽ तूफान उठणूं।
दिल में तूफान उठना। मन में विचारों का उथल-पुथल होना।

दिल मऽ फरक होणूं।
दिल में फर्क होना। सद्भाव में अन्तर आना। मनमुटाव होना।

दिल खऽ सम्भाळणूं।
दिल को संभालना। मन के आवेग को शान्त करना।

दिल की आवाज होणूं (आवणूं)।
दिल की आवाज होना या आना। मन में इच्छा या प्रेरणा होना।

दिल मऽ उतरी जाणूं।
दिल में उतर जाना। हृदय में बस जाना। प्रेम हो जाना।

दिल सी उतरी जाणूं।
दिल से उतर जाना। हृदय से प्रभाव चला जाना। प्रेम भाव न रहना।

दिल से दिल मिलणूं।
दिल से दिल मिलना। मैत्री या प्रेम होना। मेल मुहब्बत होना। एक ही भाव में रहना।

दिल पसीजणूं।
दिल पसीजना। दया आना या दयालु होना।

दिल बढणूं।
दिल बढ़ना। हिम्मत या साहस बढ़ना। प्रोत्साहित होना।

दिल बल्लियां उछलणूं।
दिल बल्लियाँ उछलना। घबराहट होना। बहुत खुश होना।

दिल बाग-बाग होणूं।
दिल बाग-बाग होना। बहुत प्रसन्नता होना।

दिल मऽ आग लगणूं।
दिल में आग लगना। बहुत बुरा लगना। जलन होना। बहुत क्रोध होना। कुढ़न होना।

दिल मऽ काटा सरीखो गड़णूं (खटकणूं)।
दिल में काँटे सरीखा गड़ना या खटकना। अति दु:खदायी होना। अप्रिय होना या कष्ट देना।

दिल ठण्डो होणूं।
दिल ठण्डा होना। दिल शान्त होना। शान्ति मिलना। उत्साहहीन होना।

दिल टुकड़ा-टुकड़ा होणूं।

दिल टुकड़ा-टुकड़ा होना। दु:ख के कारण मन बहुत खिन्न होना। निराश होना। बहुत भारी दु:ख होना।

दिल छोटो होणूं (करनूं)।
दिल छोटा होना या करना। दिल उदास होना या करना।

दिल टटोलनूं (देखणूं)।
दिल टटोलना या देखना। मन की बात जानने की कोशिश करना।

दिल थामी नऽ बठणूं।
दिल थामकर बैठना। मन मसोस कर रह जाना। चोट सह लेना।

दिल देणूं।
दिल देना। प्रेम करना। आशिक होना।

दिल नरम पड़णूं।
दिल नर्म पड़ना। कठोरता में कमी आना या पसीजना।

दिल पत्थर होणूं।
दिल पत्थर होना। दिल कठोर होना। संवेदन हीन होना।

दिल धक् सी रई जाणूं।
दिल धक् से रह जाना। एकदम घबरा जाना। असयंमित हो जाना।

दिल निकाळई नऽ धरी देणूं।
दिल निकालकर धर देना। सम्पूर्ण समर्पण के साथ काम करना। सब कुछ बता देना।

दिल पकड़ी नऽ बठी जाणूं।
दिल पकड़कर बैठ जाना। चिन्ता या हताशा में मन मारकर बैठ जाना।

दिल पऽ छुरी चलावणूं।
दिल पर छुरी चलाना। मन को काट देना, कष्ट पहुँचाना।

दिल पऽ आरी चलनूं।
दिल पर आरी चलना। हृदय को कष्ट पहुँचना।

दिल पऽ डाको डालणूं।
दिल पर डाका डालना। दिल पर कब्जा करना। मन जीतना। किसी का प्रेम पाना।

दिल पऽ सांप लोटणूं।
दिल पर साँप लोटना। ईर्ष्या करना। कुढ़न होना। सन्न रह जाना।

दिल पऽ बिजळई गिरनूं।
दिल पर बिजली गिरना। दिल पर गहरी चोट पहुँचना। आघात लगना।

दिल पऽ महहम लगाणूं (लगणूं)।
दिल पर मरहम लगाना या लगना। दुखी दिल को सांत्वना देना। राहत मिलना।

दिल फटणूं।
दिल फटना। किसी से विरक्त हो जाना। करुणा होना। उदासीन होना।

दिल मसोसी नऽ रई जाणूं।
दिल मसोसकर रह जाना। मन के दु:ख को दबाये रखना।

दिल बोलणूं।
दिल बोलना। मन का विश्वास पूर्वक सोचना।

दिल डूबणूं।
दिल डूबना। निराश होना।

दिल छुई लेणूं।
दिल छू लेना। बहुत अधिक प्रभावित करना।

दिल खोली नऽ रखणूं।
दिल खोलकर रखना। मन की सब बात कह देना।

दिल चीरी नऽ बतावणूं।
दिल चीर कर बताना। दिल में क्या चल रहा है, इसे बताना।

दिल जीतणूं।
दिल जीतना। किसी के मन पर अधिकार कर लेना।

दिल सी दूर जाणूं (करनूं)।
दिल से दूर जाना या करना। भुला देना।

दिल सी चाहणूं।
दिल से चाहना। बहुत प्यार करना।

दिल मऽ राखणूं।
दिल में रखना। स्मरण रखना। मन की बात मन में रखना।

दिल मऽ चुभणूं।
दिल में चुभना। मन में कोई बात लग जाना। चुभ जाना। दुखी करना।

दिल राखणूं।
दिल रखना। किसी की भावना की कद्र करना।

दिल सी धुओ निकलणूं।
दिल से धुँआ निकलना। दिल जल जाना। ईर्ष्या करना।

दिल हाथ पऽ राखणूं।
दिल हाथ पर रखना। उत्सर्ग के लिये तैयार होना। वश में रखना।

दिल पऽ हाथ राखणूं।
दिल पर हाथ रखना। सन्तोष देना। शपथ लेना।

दिल छिणी लेणूं।
दिल छीन लेना। दिल वश में कर लेना।

दिल्ली दूर होणूं।
दिल्ली दूर होना। लक्ष्य प्राप्ति में देर होना।

दिल्लगी करणूं।
दिल्लगी करना। हँसी मजाक करना।

दिवाळो निकलणूं।
दिवाला निकलना। व्यापार व्यवसाय में घाटा होना।

दिशा जाणूं।
दिशा जाना। शौच जाना।

दीदा खोणूं।
दीदे खोना। दृष्टि खोना। आँखें खोना।

दीदा फाड़ी नऽ देखणूं।
आँखें फाड़कर देखना। आश्चर्य से देखना।

दीदा फोड़णूं।
दीदा फोड़ना। आँखें फोड़ना। आँखों पर जोर देना।

दीदा निकालणूं।
दीदा निकालना। आँखें निकालना।

दीन दुनिया भूली जाणूं।
दीन दुनिया भूल जाना। कर्त्तव्य पर ध्यान न देना। किसी से कोई सम्बन्ध न होना। अपने में मगन रहना।

दीया तलऽ अन्धेरो होणूं।
दीया तले अन्धेरा होना। अच्छे व्यक्ति में भी कुछ बुराई का होना।

दिवाली होणूं।
दिवाली होना। आनंद होना, खुशियाँ मनाना।

दीवाल का भी कान होणूं।
दीवाल के भी कान होना। बहुत गुप्त बात को भी सुन लेने की शंका रहना।

दुंदुभी बजाणूं।
दुंदुभी बजाना। खुशी जाहिर करना।

दुख को पहाड़ टूटणूं।
दुख का पहाड़ टूटना। मुसीबतें आ जाना। घोर दुःख आ पड़ना।

दुखी हुई जाणूं।
दुखी हो जाना। शोक में होना।

दुःख पी जाणूं।
दुःख पी जाना। दुःख को चुपचाप सहन कर पाना।

दुखड़ो रोणूं।
दुखड़ा रोना। अपने दुख या कष्ट की बात करना।

दुखती रग पऽ हाथ धरनूं।
दुखती रग पर हाथ रखना। भूले दुःख को याद दिलाना।

दुखदर्द मऽ शामिल होणूं।
दुखदर्द में शरीक होना। कठिनाई या संकट में साथ देना।

दुधमुहो बच्चो।
दुधमुंहा बच्चा। बहुत कम उम्र, अनजान या भोला।

दुधारी गाय होणूं।
दुधारी गाय होना। ऐसा व्यक्ति जिससे दोहरा लाभ प्राप्त हो।

दुनिया की हवा लगणूं।
दुनिया की हवा लगना। सांसारिक अनुभव होना।

दुनिया चार दिन का मेलो होणूं।
दुनिया चार दिन का मेला होना। सब कुछ परिवर्तनशील होना।

दुनिया माथा पऽ उठाणूं।
दुनिया माथा पर उठाना। बहुत जिद करके सबको परेशान करना।

दुनिया बदली जाणूं।
दुनिया बदल जाना। स्थिति में परिवर्तन होना।

दुनिया सी कूच करी जाणूं।
दुनिया से कूच कर जाना। मृत्यु हो जाना।

दुनियादारी की वात करनूं।
दुनियादारी की बात करना। सामान्य लोक व्यवहार की बात करना।

दुनिया सी नातो तोड़णूं।
दुनिया से नाता तोड़ना। संन्यासी होना। विरक्त होना।

दुनिया सी उठी जाणूं।
दुनिया से उठ जाना। मृत्यु हो जाना।

दुपट्टो खींचणूं।
दुपट्टो खींचना। इज्जत बिगाड़ना।

दुफार मऽ आवणूं।
दुफार में आना। दोपहर में आना।

दुफार करी देणूं।
दुफार कर देना। बहुत देर कर देना। सूरज सिर पर चढ़ आना।

दुबारा नाम नी लेणूं।
दुबारा नाम नहीं लेना। फिर से झगड़ा न करना।

दुबारा रंग नी चढ़णूं।
दुबारा रंग न चढ़ना। पूर्व प्रभाव ज्यौं का त्यौं रहना। नये का कोई असर न होना।

दुम दबई नऽ बठणूं।
दुम दबाकर बैठना। चुपचाप डरकर बैठ जाना।

दुम दबई न भागणूं।
दुम दबाकर भागना। डरकर कुत्ते की तरह भागना।

दुम निकलई आवणूं।
दुम निकल आना। चापलूसी करने लग जाना।

दुम का पीछऽ पीछऽ चलणूं।
दुम के पीछे-पीछे चलना। साथ-साथ चलना। अनुकरण करना।

दुम झाड़ी नऽ निकलई जाणूं।
दुम झाड़कर निकल जाना। चुपचाप चले जाना।

दुम मऽ घूसणूं।
दुम में घुसना। जबरन शरण में आना। चाटुकारिता करना।

दुम सी बन्ध्यो रयणूं।
दुम से बंधा रहना। हर समय साथ रहना।

दुम हिलाणूं।
दुम हिलाना। चाटुकारी करना।

दुम सरीखो।
दुम के समान। किसी के पीछे-पीछे लगे रहना।

दुरुस्त करनूं।
दुरुस्त करना। मरम्मत करना। ठीक करना। अच्छी पिटाई करना।

दुलत्ती झाड़णूं।
दुलत्ती झाड़ना। दोनों पैर चलाना।

दुशाला मऽ लपटी नऽ मारनूं।
दुशाले में लपटकर मारना। चिकने चुपड़े शब्दों में व्यंग्य करना।

दुश्मनी मोल लेणूं।
दुश्मनी मोल लेना। बैर या लड़ाई करना।

दुही लेणूं।
दुही लेना। दूध या सार निकाल लेना। दोहन करना।

दुहाई देणूं।
दुहाई देना। रक्षा के लिये पुकारना।

दुहाई फिरनूं।
दुहाई फिरना। घोषणा करना या मुनादी फेरना।

दुआ मांगणूं।
दुआ माँगना। भगवान से प्रार्थना करना।

दुआ लगणूं।
दुआ लगना। आशीर्वाद का फल मिलना।

दूज को चांद होणूं।
दूज का चाँद होना। बहुत कम दिखाई देना।

दूध उतरनूं।
दूध उतरना। स्तनों में दूध आना।

दूध को दूध अरु पाणी को पाणी होणूं।
दूध को दूध और पानी का पानी। शुद्ध न्याय।

दूध मऽ सी मक्खी जसो निकाल फेंकणूं।
दूध में से मक्खी जैसा निकाल फेंकना। तिरस्कृत व्यक्ति या वस्तु को बाहर कर देना।

दूध का दाँत।
दूध के दाँत। शिशु अवस्था के दाँत।

दूध का दात नी टूटणूं।
दूध के दाँत न टूटना। बच्चा होना। बचपना न जाना।

दूध चुराणूं।
दूध चुराना। दूध छिपा लेना। स्तनों में दूध आते-आते रुक जाना।

दूध पड़णूं।
दूध पड़ना। अनाज के बीजों में रस भरना।

दूध पिलाणूं।
दूध पिलाना। बालक को स्तनपान कराना।

दूध भरई आणूं।
दूध भर आना। ममत्व के कारण स्तनों में दूध आ जाना।

दूध मूत करनूं।
दूध मूत करना। पालन-पोषण करना।

दूध की नद्दी नऽ ववणूं।
दूध की नदियाँ बहना। इफरात से दूध होना। अमन-चैन होना। सुखी होना।

दूध छुड़ावणूं।
दूध छुड़ाना। स्तनपान छुड़ाना।

दूध की बन्दी बांधणूं।
दूध की बन्दी बाँधना। प्रतिदिन महीने भर दूध लेना।

दूध पीतो बच्चो।
दूध पीता बच्चा। गोद का बच्चा।

दूध उगलणूं (डालणूं)।
दूध उगलना या डालना। छोटे बच्चे का दूध पीने के बाद मुँह से वापिस दूध निकालना।

दूध की गंध आवणूं।
दूध की गंध आना। दूध पीते बच्चे के मुँह से दूध की गन्ध आना।

दूध की चाय बणानूं।
दूध की चाय बनाना। दूध डालकर चाय बनाना। कुछ लोग बिना दूध की चाय पीते हैं।

दूध दही का भंडार होणूं।

दूध दही का भण्डार होना। अत्यधिक दूध, दही तथा दूध से बनी वस्तुओं का होना।

दूध घीव पीणूं।
दूध घी पीना। स्वास्थ्य बनाना या शरीर बनाना।

दूर की कौड़ी लावणूं।
दूर की कौड़ी लाना। विचित्र या बड़ी बात लाना।

दूर का ढोल सुहावणा लगणूं।
दूर के ढोल सुहावना लगना। दूर की सुनी बात भली लगती है। दूर की वस्तु के दोष न जानना।

दूर करनूं।
दूर करना। अलग करना।

दूर की कयणूं।
दूर की बात कहना। भविष्य के बारे में अनुमान लगाना।

दूर सी तमासो देखणूं।
दूर से तमाशा देखना। स्वयं न करना और खड़े-खड़े देखना। आगे होने वाली बात होना।

दूर की बात होणूं।
दूर की बात होना। भविष्य की बात होना। अप्राप्य।

दूर की सोचणूं।
दूर की सोचना। भविष्य की बातों पर विचार करना।

दूर की सूझणूं।
दूर की सूझना। भविष्य के बारे में अनुमान लगाना।

दूर तक जाणूं।
दूर तक जाना। किसी चीज को समझने के लिए गहरे तक जाना।

दूर तक पहुँचणूं।
दूर तक पहुँचना। बड़े बुजुर्गों को गाली देना।

दूर भागणूं।
दूर भागना। बराबरी दूरी बढ़ाते जाना।

दूर होणूं।
दूर होना। हट जाना।

देखत-देखतऽ।
देखते-देखते। नजरों के सामने।

देखणूं-सुणनूं।
देखना-सुनना। पूरा पता लगाना।

देखणऽ मऽ।
देखने में। बाहरी तौर पर या बाह्य रूप।

देखी लेवांगा।
देख लेंगे। प्रतिकार का भाव।

देख्यो जायगो।
देखा जायेगा। भविष्य पर टालना।

देखा-देखी करनूं।
देखा-देखी करना। नकल करना।

देखतऽ रयी जाणूं।
देखते रह जाना। चकित रह जाना। हक्के-बक्के रह जाना।

देखी लेओ।
देख लो। ध्यान दो, सावधान रहो।

देखणऽ लायक होणूं।
देखने लायक होना। अच्छा, सुन्दर या देखने लायक।

देवता सी राक्षस बणनूं।
देवता से राक्षस बनना। सत्य मार्ग से असत्य मार्ग पकड़ना।

देवलोक होणूं।
देवलोक होना। मृत्यु होना।

देस-देस की हवा खाणूं।
देश-देश की हवा खाना। जगह-जगह या देश-विदेश का अनुभव होना।

देह की खबर नी होणूं।
देह की खबर नहीं होना। बेसुध होना।

देह आधी रई जाणूं।
देह आधी रह जाना। बहुत दुर्बल हो जाना।

देह छोड़णूं (छूटणूं)।
देह छोड़ना या छूटना। मृत्यु होना।

दो कदम चलनूं।
दो कदम चलना। शवयात्रा में दो कदम चलना पुण्य माना जाता है।

दो-चार होणूं।
दो-चार होना। भेंट होना। आमने-सामने होना।

दुई आँसू ववाड़णूं।
दो आँसू बहाना। सहानुभूति दिखाना। थोड़ा रोना।

दुई कवड़ी को आदमी होणूं।
दो कवड़ी का आदमी होना। बहुत खराब प्रवृत्ति का व्यक्ति होना।

दुई कवड़ी की आबरू होणूं।
दो कवड़ी की आबरू होना। कोई इज्जत न होना। सब जगह असमान होना।

दुई कवड़ी की वात होणूं।
दो कवड़ी की बात होना। हल्की। ओछी बात होना।

दुई टूक वात करनूं।
दो-टूक बात करना। स्पष्ट अथवा खरी बात कहना।

दुई-चार लोग।
दो-चार लोग। बहुत कम लोग होना।

दुई दिन को।
दो दिन का। कुछ ही समय का होना।

दुई दिन को पावणो होणूं।
दो दिन का पावणा होना। जाने ही वाला या मृत्यु के निकट होना।

दुई नांव नऽ पऽ पांय धरणूं।
दो नावों पर पैर रखना। दोनों पक्षों का समर्थन करना।

दोनों चाटणूं।
दोना चाटना। झूठन खाना या चटोरा होना।

दोष देणूं।
दोष देना। खामियाँ, अवगुण दिखाना।

दौड़ धूप करनूं।
दौड़ धूप करना। बहुत मेहनत करना।

दौड़ लगावणूं।
दौड़ लगाना। दौड़ पड़ना। जल्दी पहुँचना।

दौर चलणूं।
दौर चलना। एक के बाद एक जाम पीना। समय प्रभावशाली होना।

दौरो करनूं।
दौरा करना। जाँच के लिए यात्रा करना।

दौरा पऽ होणूं।
दौरे पर होना। बाहर यात्रा पर होना।

दौलत इकट्ठी करनूं।
दौलत इकट्ठी करना। धन-सम्पत्ति संग्रह करना।

द्वार-द्वार भीख मांगणूं।
द्वार-द्वार भीख माँगना। घर-घर जाकर भीख माँगना।

द्वार खुलणूं।
द्वार खुलना। उपाय/मार्ग निकलना।

द्वार पऽ हाथी झूलणूं।
द्वार पर हाथी झूलना। सौभाग्यशाली होना। समृद्धशाली होना।

ध

धक् रई जाणूं।
धक् रह जाना। आश्चर्यचकित रह जाना। डर से बहुत घबरा जाना। दहल जाना।

धक्को देणूं।
धक्का देना। अपमानित होना। दु:खी होना। हृदय को कष्ट होना।

धक्का खाणूं।

धक्के खाना। भीड़ में कंधे से कंधे टकराना। हानि उठाना।

धक्का खाता फिरनूं।
धक्के खाते फिरना। मारे-मारे फिरना। भटकना या अपमानित होते रहना।

धक्का दई नऽ निकालणूं।
धक्के देकर निकालना। अपमानित कर निकालना।

धक-धक करनूं (होणूं)।
धक-धक करना। या होना। भय से व्याकुल करना। या होना।

धकेली देणूं।
धकेल देना। धक्के मारकर गिरा देना। वहाँ से जबरन हटा देना।

धचका खाणूं।
धचके खाना। हानि उठाना। धोखा खाना।

धज चढ़ावणूं।
धज चढ़ाना। ध्वजा मन्दिर पर लगाना।

धज्जियां उड़णूं (उड़ाणूं)।
धज्जियाँ उड़ना या उड़ाना। अत्यधिक दुर्गति होना। क्षति पहुँचना।

धड़ सी अलग करनूं।
धड़ से सिर अलग करना। गर्दन काटकर मार डालना।

धड़कणूं।
धड़कना। आशंका/भय से हृदय की गति तेज होना।

धता बतावणूं।
धता बताना। चलता करना। हटाना या भगाना। मना कर देना या बहाने कर टाल देना।

धतूरो खाणूं।
धतूरा खाना। मदमस्त होना।

धन उड़ावणूं।
धन उड़ाना। दौलत को बेरहमी से अंधाधुंध खर्च करना।

धनी धोरी नी होणूं।
धनी धोरी नहीं होना। कोई वारिस नहीं होना।

धनी मानी होणूं।
धनी मानी होना। धनवान और इज्जतदार होना।

धन्ना सेठ होणूं।
धन्ना सेठ होना। बहुत धनी होना।

धप्पो मारनूं।
धप्पा मारना। पीठ पर चपत लगाना। धोखे से माल उड़ाना।

धब्बो लगणूं।
धब्बा लगना। धड़धड़ाते घुस जाना।

धमकी नऽ देणूं।
धमकियाँ देना। भय दिखाना।

धमा चौकड़ी मचाणूं।
धमा चौकड़ी मचाना। उपद्रव या ऊधम मचाना।

धरती पऽ पांव नी पड़नूं।
धरती पर पैर न पड़ना। अकड़ में रहना।

धरनो देणूं।
धरना देना। जमकर बैठ जाना।

धरती अकास एक करनूं।
धरती आकाश एक करना। किसी कार्य हेतु बहुत हलचल मचाना।

धरती पाताल एक करणूं।
धरती पाताल एक करना। बहुत प्रयास करना। जी-जान से कोशिश करना।

धरम करणूं।
धरम करना। पुण्य कार्य करना।

धरम सी कयणूं।
धरम से कहना। सत्य धर्म की कसम लेकर कहना।

धरेल रयी जाणूं।

धरेल रह जाना। व्यर्थ रह जाना।

धर पकड़ करनूं।
धर पकड़ करना। अचानक पकड़े जाना।

धरी दबोचणूं।
धर दबोचना। जबरदस्ती अधिकार में करना।

धरम की डेल।
धरम की डेल। बहन के लिए सम्मानजनक सम्बोधन।

धरती को भार होणूं।
धरती का भार होना। जीवन व्यर्थ होना।

धरती मऽ गड़ी जाणूं।
धरती में गड़ जाना। बहुत लज्जित होना।

धरम सी नी डोलणूं।
धर्म से न डोलना। अपने कर्त्तव्य से विमुख न होना।

धरम करतऽ माथो फटणूं।
धरम करते माथा फूटना। अच्छा काम करते हुए भी बुराई मिलना।

धांधली करनूं।
धाँधली करना। बेईमानी करना।

धाक जमानूं।
धाक जमाना। खूब रौब होना।

धागा टूटणूं।
धागे टूटना। स्थिति कमजोर होना।

धागो कमजोर होणूं।
धागे कमजोर होना। प्रेम का बंधन ढीला होना।

धाड़ मारी नऽ रोणूं।
धाड़ मारकर रोना। बहुत जोर-जोर से रोना। पुक्का फाड़कर रोना।

धार देणूं।
धार देना। धार तेज करना।

धारा बदलणूं।
धारा बदलना। दिशा परिवर्तित कर देना।

धावो बोलणूं।
धावा बोलना। चारों ओर से घेर लेना। आक्रमण करना।

धुआंधार बरसात होणूं।
धुआँधार बरसात होना। अतिवृष्टि होना।

धुआं की तरह उड़ी जाणूं।
धुआँ की तरह उड़ जाना। एकदम गायब होना।

धुक धुकी होणूं।
धुक धुकी होना। अन्तिम साँस चलना।

धुकुर-पुकुर करनूं।
धुकुर-पुकुर करना। भय या आशंका होना।

धुन को पक्को होणूं।
धुन का पक्का होना। लगनशील। अपने काम को पूरी निष्ठा एवं लगन से करना।

धुन चढ़णूं।
धुन चढ़ना। किसी काम को करने की विशेष लगन होना।

धूप खाणूं (सेकणूं)।
धूप खाना या सेंकना। जाड़े की धूप में बैठकर धूप लेना।

धूम मचावणूं।
धूम मचाना। शोरगुल मचाना।

धूळ भरी आंधी चलणूं।
धूल भरी आँधी चलना। हवा के साथ धूल उड़ना।

धूल खाणूं।
धूल खाना। व्यर्थ बर्बाद होना। मारा-मारा फिरना।

धूळ चटाड़णूं।
धूल चटाना। परास्त कर देना या हरा देना।

धूळ झाड़ी नऽ अल्लग होणूं।
धूल झाड़कर अलग होना। दायित्व छोड़कर एकदम अलग-थलग हो जाना।

धूळो झाड़ी नऽ चली देणूं।
धूल झाड़कर चल देना। मार खाने के बाद खिसियाना होकर चल देना।

धूळो फेंकणूं।
धूल फेंकना। बदनाम करना।

धूळो डालणूं।
धूल डालना। भूल जाना। ध्यान न देना।

धूळ मऽ मिलणूं (मिलाणूं)।
धूल मऽ मिलना या मिलाना। पूरी तरह से नष्ट करना। या करवा देना।

धूळा मऽ लट्ठ मारनूं।
धूल में लट्ठ मारना। व्यर्थ काम करना।

धूल समझणूं।
धूल समझना। कुछ भी नहीं समझना। तुच्छ समझना। किसी गिनती में न लाना।

धेला-धेला का लेणऽ मुहताज होणूं।
धेले-धेले के लिए मोहताज होना। अत्यन्त गरीब होना।

धैर्य को बांध टूटी जाणूं।
धैर्य का बाँध टूट जाना। धीरज का और न रुक पाना।

धोई नऽ पी जाणूं।
धोकर पी जाना। एकदम ध्यान नहीं देना। पूरी तरह से अवहेलना या उपेक्षा करना।

धोखा मऽ रयणूं (आणूं)।
धोखे में रहना या आना। झूठे बहकावे में रहना या आना।

धोखो खाणूं।
धोखा खाना। ठगा जाना।

धोखो देणूं।
धोखा देना। छल करना। भ्रम में रखना।

धोखो लगणूं।
धोखा लगना। कुछ न कुछ शंका होना। दिखाई देना।

धोखा की टट्टी होणूं।
धोखे की टट्टी होना। भरोसेमन्द न होना। दिखावटीपन। बाहरी आकर्षण।

धोती ढीली होणूं।
धोती ढीली होना। डर लगना या भय से काँपना।

धोती बांधणूं।
धोती बाँधना। धोती पहनना।

धोती मऽ लपटाणूं।
धोती में लपटाना। बहुत दुबले-पतले होना।

धोती अद्दर सुखावणूं।
धोती ऊपर सुखाना। बहुत चतुर होना। अपने सारे काम अलग से करना।

धोबी को कुत्तो नऽ घर को नऽ घाट को।
धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का। कहीं का न रहना। आवारा या बेकार घूमने वाला।

धौंकणी चलणूं।
धौंकणी चलना। जोर-जोर से साँस लेना।

धौंस देणूं।
धौंस देना। रौब जमाना।

धौंस जमाणूं।
धौंस जमाना। रौब गाँठना।

धौंस पट्टी मऽ आवणूं।
धौंसपट्टी में आना। किसी के रौब में आकर काम करने लग जाना।

धौल धप्पा करनूं।
धौल धप्पा करना। मस्ती करना।

ध्यान लगाणूं (धरनूं)।
ध्यान लगाना या धरना। याद रखना। भगवान का ध्यान रखना।

ध्यान राखणूं।

ध्यान रखना। ख्याल रखना। याद रखना।

ध्यान बंटणूं।
ध्यान बँटना। चित्त इधर का उधर हो जाना।

ध्यान रयणूं।
ध्यान रहना। याद रखना। जेहन में होना।

ध्यान सी उतरनूं।
ध्यान से उतरना। याद न रखना।

ध्यान आवणूं।
ध्यान आना। विचार में आना।

ध्यान सी करणूं।
ध्यान से करना। सावधानी से करना।

ध्यान मऽ चढ़णूं।
ध्यान में चढ़ना। चिन्ता करना। अधिक महत्त्व देना। परवाह करना।

ध्यान देणूं।
ध्यान देना। गौर करना। महत्त्व देना।

ध्यान केन्द्रित होणूं।
ध्यान केन्द्रित होना। एक जगह ध्यान रखना। ध्यानस्थ होना।

ध्यान खींचणूं।
ध्यान खींचना। आकर्षित होना।

ध्यान बटाणूं।
ध्यान बँटाना। इधर-उधर मस्तिष्क फेर देना।

ध्यान सी पढ़णूं।
ध्यान से पढ़ना। मन लगाकर पढ़ना।

ध्यान दौड़ावणूं।
ध्यान दौड़ाना। अच्छी तरह याद करना।

धवळो पड़णूं।
धवला पड़ना। खून की कमी होना। बीमारी से शरीर का रंग श्वेत होना। सकते में आ जाना।

धवाड़णूं।
धवाना। स्तन से दूध पिलाना। सन्तुष्ट करना।

ध्वजा फयराणूं।
ध्वजा फहराना। कीर्ति फैलाना। विजय की सूचना देना।

ध्रुव होणूं।
ध्रुव होना। अपनी बात पर अटल होना।

न

नईं अईं को रयणूं नईं वईं को रयणूं।
न इधर का रहना, न उधर का रहना। कहीं का न रहना। दोनों ओर से नुकसान होना।

नईं उगळतऽ बणऽ नईं निगळतऽ बणऽ।
न उगलते बने, न निगलते। दुविधा की स्थिति में होना।

नईं दिन नऽ नईं रात।
न दिन न रात। ऐसा संधिकाल, जब न दिन हो और न रात हो।

नईं लेणऽ मऽ नईं देणऽ मऽ।
न लेने में न देने में। किसी से कोई मतलब नहीं रखना। तटस्थ।

नईं जीणूं नईं मरनूं।
न जीना न मरना। असामान्य स्थिति में होना।

नईं खाणूं नईं पीणूं।
न खाना न पीना। अन्न जल छूट जाना। मृत्यु के करीब पहुँचना।

नईं मारनूं नईं जीवाड़णूं।
नहीं जीने दे न मरने दे। असमंजस की स्थिति में होना।

नईं खावऽ नईं खाणऽ दे।
न खाये, नहीं खाने दे। जबर्दस्ती करना।

नईं खेलऽ नईं खेलणऽ दे।
न खेले, न खेलने दे। आतंक जमाना।

नई सोवऽ नई सोवणऽ दे।
न सोये न सोने दे। त्रास देना। परेशान करना।

नईं दिन खऽ दिन, नईं रात खऽ रात समझणूं।
न दिन को दिन, न रात को रात समझना। दिन-रात खूब मेहनत करना। दिन-रात लगे रहना।

नईं हार माननूं, नईं जीत माननूं।
न हार मानना, न जीत मानना। कोई निर्णय स्वीकार न करना।

नईं माथो नईं पांय होणूं।
न सिर पर पैर होना। निरर्थक या काल्पनिक बात।

नकल करणूं।
नकल करना। अनुकरण करना।

नक-नक करनूं।
न-न करना। हिले-हवाले करना। किसी चीज को खाने या लेने में बहानेबाजी करना। कम खाना।

नकर-चकर करनूं।
नकर-चकर करना। बहाने करना।

नकेल डालनूं।
नकेल डालना। वश में करना। उसकी मर्जी से न चलने देना।

नक्कार खाना मऽ तूती की आवाज होणूं।
नक्कारखाने में तूती की आवाज होना। कोई महत्त्व न होना। अधिक शोर में सुनाई न देना।

नकवाळी फूटणूं।
नकवाली फूटना। नाक से खून निकलना।

नकसो खींचणूं।
नक्शा खींचना। स्वरूप का वर्णन करना। ठीक-ठीक रंग-रूप जेहन में आ जाना।

नक्सो बदली जाणूं।
नक्शा बदल जाना। सब कुछ बदल जाना।

नक्सो जमी जाणूं।
नक्शा जम जाना। प्रभाव जम जाना।

नक्शो छे।
नक्शा है। प्रभाव है।

नखरा उठावणूं।
नखरा उठाना। नखरे बर्दाश्त करना।

नखरा उठावणूं।
नखरे उठाना। नखरे बर्दाश्त करना।

नखरा उठातऽ-उठातऽ थकी जाणूं।
नखरे उठाते-उठाते थक जाना। नखरे सहते-सहते परेशान हो जाना।

नखरा मऽ गरम मसालो होणूं।
नखरे में गरम मसाला होना। अत्यधिक नखरे दिखाना। नखरे बहुत अच्छे लगना।

नखरा घणा नातरा की बैयरू का।
बहुत नखरे नातरे की पत्नी के। पुनर्विवाहित स्त्री नखरे बहुत करती है।

नखसिख तक।
नखशिख तक। नाखून से चोटी तक।

नखरा बघारनूं।
नखरे बघारना। नाज नखरे करना।

नचाड़ी न्हाखणूं।
नचा डालना। बहुत घुमाना-फिराना।

नगद सौदो करनूं।
नगद सौदा करना। तुरन्त पैसा चुकाना। लाभ का सौदा होना।

नगदुल्ला गिणणूं।
नगदुल्ले गिनना। रोकड़े नगद गिनना।

नगद आसामी होणूं।
नगद आसामी होना। बहुत पैसे वाला होना।

नगदी चाँदी होणूं।
नगद चाँदी होना। अधिक रोकड़ा या पैसे मिलना।

नगद माल होणूं।
नगद माल होना। तुरन्त नगद पैसों का भुगतान होना। अच्छा माल होना। जिसमें कोई खोट न हो।

नगद की होड़ नी होय।
नगद की कोई प्रतिस्पर्धा नहीं। नगद व्यवहार व्यापार की सफलता का सबसे बड़ा 'गुर' है।

नगदुल्ला होय तो खेलऽ ख्याल।
नगदुल्ले हों तो सब खरीदा जा सकता है। नगद धन हाथ में हो तो दुनिया की कोई भी चीज क्रय की जा सकती है।

नगद लेणूं, नगद देणूं।
नगद लेना और नगद देना। व्यापार की स्पष्ट नीति होना।

नगद लेणी-देणी सदा सुखी।
नगद लेना-देना सदैव सुखकारी। नगद व्यवहार करने वाला हमेशा चिन्ता मुक्त होता है।

नगद को न्यौतो, उधार की कैंची।
नगद का न्यौता, उधार की कैंची। नगद व्यवहार दुबारा आमंत्रण करता है, जबकि उधार आदमी को कतराता है। दूरी बढ़ाता है।

नगद खूंटी ताणी सोवऽ, उधार धुणीधार रोवऽ।
नगद खूँटी तानकर सोये, उधार धुणीधार रोवे। नगद व्यवहार करने वाले को भुगतान की चिन्ता नहीं होती, जबकि उधार व्यवहार करने वाला भुगतान की चिन्ता में घुलता जाता है।

नजर लगणूं।
नजर लगना। बुरी दृष्टि लग जाना। 'नजर' वह बुरी दृष्टि, जिससे बच्चे, बूढ़े, जवान, किसी की भी शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि हो सकती है।

नजर बांधणूं।
नजर बाँधना। वश में करना।

नजर उतारनूं।
नजर उतारना। बुरी दृष्टि के प्रभाव को किसी मंत्र या युक्ति से हटा देना। नजर उतारने के हर अंचल में अलग-अलग 'टोटके' प्रचलित हैं, जिसमें 'राई' नमक खड़ी मिर्च को तीन या सात बार उतारकर आग में झोंकने की प्रथा आम है।

नजर उठणूं (उठाणूं)।
नजर उठना या उठाना। निगाह उठाकर देखना। सामना करने का साहस होना।

नजर करनूं।
नजर करना। भेंट देना। उपहार के रूप में देना। प्रस्तुत करना।

नजर मिलावणूं।
नजर मिलाना। सामना करने का साहस होना।

नजर कड़ी होणूं।
नजर कड़ी होना। पहरेदारी बढ़ाना। रुष्ट होना।

नजर मऽ आवणूं।
नजर में आना। ध्यान में आना।

नजर फेरनूं।
नजर फेरना। किसी का देखने का नजरिया बदल जाना। नजर घुमा लेना। उस तरफ नहीं देखना। ध्यान न देना।

नजर गड़ाणूं।
नजर गड़ाना। लेने के लिए ललचाई नजर से एकटक देखना।

नजर घुमाणूं।
नजर घुमाना। चारों तरफ सरसरी तौर पर देखना।

नजर घणा दिन मऽ आवणूं।
नजर बहुत दिन में आना। बहुत दिनों बाद दिखना या मिलना।

नजर राखणूं।
नजर रखना। ध्यान में रखना।

नजर चढ़ानूं।
नजर चढ़ाना। भेंट करना।

नजर चुराणूं।
नजर चुराना या छुपाना। सामने आने से बचने की कोशिश करना।

नजर बचाणूं।
नजर बचाना। सामने न आना। देखते ही इधर-उधर हो जाना।

नजर सी छिपणूं नी।
नजर से छिपना नहीं। मन की बात को भी जान लेना।

नजर मिलनूं।
नजर मिलना। एक दूसरे को देख लेना।

नजर सी बचावणूं।
नजर से बचाना। बुरा न होने देना।

नजर चार होणूं।
नजर चार होना। एक दूसरे को देखना। आँखों से आँखें मिलना। प्रेम होना।

नजर बुरी होणूं।
नजर बुरी होना। अच्छा नहीं सोचना।

नजर दौड़ाणूं।
नजर दौड़ाना। इधर-उधर देखना। इधर-उधर खोजना।

नजर अच्छी होणूं।
नजर अच्छी होना। अच्छा सोचना।

नजर-नजर मऽ फरक होणूं।
नजर-नजर में फर्क होना। देखने-देखने में अन्तर होना। दृष्टि का फर्क होना।

नजर पड़णूं।
नजर पड़ना। अचानक दिख जाना।

नजर नी पड़णूं।
नजर नहीं पड़ना। दिखाई न देना।

नजर सी बचणूं।
नजर से बचना। चोरी-चोरी या चुपके-चुपके निकल जाना।

नजर नी आवणूं।
नजर नहीं आना। दिखाई न देना।

नजर सी गिरनूं (गिराणूं)।
नजर से गिरना या गिराना। प्रतिष्ठा में कमी आना या करना।

नजर भरी नऽ देखणूं।
नजर भरकर देखना। अच्छी तरह से देखना। पूरी तरह से इच्छा भर देखना।

नजर मारनूं।
नजर मारना। सरसरी तौर पर देखना।

नजर नीची होणूं।
नजर नीची होना। शर्मिन्दा होना।

नजर फेर लेणूं।
नजर फेर लेना। किसी की ओर से उदासीन होना। प्रतिकूल होना।

नजर बदली जाणूं।
नजर बदल जाना। दृष्टि बदल जाना। नीयत बदल जाना।

नजर मऽ खटकणूं।
नजर में खटकना। अप्रिय या बुरा लगना।

नजर मऽ घूमणूं।
नजर में घूमना। हमेशा याद आना। आँखों में सूरत दिखती रहना।

नजर मऽ चढ़णूं।
नजर में चढ़ना। ध्यान में आना। महत्त्वपूर्ण होना।

नजर लड़नूं (लड़ाणूं)।
नजर लड़ना या लड़ाना। प्रेम होना या करना।

नजर सी उतरी जाणूं।
नजर से उतर जाना। किसी की प्रतिष्ठा पहले से कम हो जाना।

नजर का सामनऽ घूमणूं।
नजर के सामने घूमना। हमेशा जहन में बने रहना। स्मृति में रहना।

नजर बंद होणूं।
नजर बंद होना। जेल में होना।

नजरों-नजरों में।
आँखों-आँखों में। चुपचाप प्रेम होना। आँखों से बात होना।

नजर फिसलणूं।
नजर फिसलना। चकाचौंध हो जाना। आकर्षित होना।

नजर सी तोलनूं।
नजर से तोलना। गुणदोष की परीक्षा करना।

नजर सी हटणूं नी।
नजर से हटना नहीं। अच्छा प्रिय लगना।

नजाकत मऽ रयणूं।
नजाकत में रहना। नाज नखरों में रहना।

नजदीक पहुँचणूं (होणूं)।
नजदीक पहुँचना या होना। समीप आना या होना। गहरी मित्रता या प्रेम होना।

नत पेरावणूं।
नथ पहनाना। विवाह करना।

नथणा फूलनूं।
नथुने फूलना। सांस फूलना। क्रोध आना।

नदी नाव संयोग होणूं।
नदी नाव संयोग होना। अकस्मात् मिल जाना। भाग्य से एक ही जगह मिल जाना।

नन्नीं जान होणूं।
नन्हीं जान होना। बहुत छोटा बच्चा होना।

नपई करणूं।
नपई करना। जमीन का टुकड़ा अथवा कपड़ा नापना।

नपी तुली वात कयणूं (करनूं)।
नपी तुली बात कहना या करना। सन्तुलित बात बोलना। मर्यादा में रहना।

नफो नुकसान होणूं।
नफा नुकसान होना। लाभ-हानि होना।

नफीस होणूं।
नफीस होना। बहुत चतुर होना। बहुत अच्छा पहनने और खाने वाला।

नफरत कूटी-कूटी नऽ भरेल होणूं।
नफरत कूट-कूटकर भरी होना। अत्यधिक घृणा होना।

नब्ज टटोलणूं।
नब्ज टटोलना। विचार जानना। थाह लेना। मन की बात जानना।

नब्ज पकड़णूं।
नब्ज पकड़ना। मर्म की बात कह देना।

नब्ज चलणूं।
नब्ज चलना। नाड़ी का ठीक चलना।

नब्ज रुकणूं।
नब्ज रुकना। सांस बन्द होना। मृत्यु हो जाना। आदमी का ठंडा हो जाना।

नब्ज की पईचाण होणूं।
नब्ज की पहचान होना। आदमी के भीतर की बात को पहचानने की क्षमता होना।

नम होणूं।
नम होना। आँखें गीली होना। करुणा से भर जाना।

नमन करनूं।
नमन करना। झुककर प्रणाम करना।

नमूनो होणूं।
नमूना होना। उदाहरण होना। मौलिकता होना। अपने जैसा एक ही होना।

नमक हलाली करनूं।
नमक हलाली करना। मालिक के उपकार का बदला देना।

नमक हरामी करनूं।
नमक हरामी करना। मालिक के साथ विश्वासघात करना।

नमक ज्यादा होणूं।
नमक ज्यादा होना। खारापन होना।

नमक खायेल होणूं।
नमक खाया होना। नमक का लिहाज करना।

नमक मिर्च मिलावणूं।
नमक मिर्च मिलाना। बढ़ा चढ़ाकर कहना।

नमक छिड़कणूं।
नमक छिड़कना। जख्म को और कुरेदना। दुखी को और दुखी करना।

नमक अदा करनूं।
नमक अदा करना। मालिक के उपकार का बदला चुकाना।

नमक को कर्ज चुकावणूं।
नमक का कर्ज चुकाना। किये गये उपकार के बदले में उपकार करना।

नमक जोर मारनूं।
नमक जोर मारना। स्वामी भक्ति का भाव प्रबल होना।

नमकीन होणूं।
नमकीन होना। सुन्दर होना। स्वादिष्ट होना।

नम्र होणूं।
नम्र होना। विनयी होना।

नयो खून होणूं।
नयो खून होना। जवान होना। युवावस्था का जोश।

नयो जनम होणूं।
नया जनम होना। बहुत बड़ी कठिनाई। विपत्ति से बच निकलना। विचारों में पूर्ण परिवर्तन होना।

नयो रंग चढ़णूं।
नया रंग चढ़ना। नया प्रभाव होना। आधुनिक होना।

नयी वात करनूं।
नयी बात करना। बहुत आगे की बात करना।

नयी जान डालनूं।
नयी जान डालना। नव उत्साह भर देना। रोचकता प्रदान करना।

नयी जिन्दगी देणूं।
नयी जिन्दगी देना। नया जीवन या विचार प्रदान करना।

नयी दिशा देणूं।
नयी दिशा देना। नया मार्ग प्रशस्त करना।

नयी दुनिया बसाणूं।
नयी दुनिया बसाना। सर्वथा नये तरीके से जीवन जीना।

नयी लहर उठणूं।
नयी लहर उठना। नई चेतना का उदय होना। चलन नया होना।

नया जमाना का साथ चलणूं।
नये जमाने के साथ चलना। समय के साथ चलना।

नया सांचा मऽ ढलनूं।
नये सांचे में ढलना। नया रूप पाना।

नया सिरा सी काम करनूं।
नये सिरे से काम करना। फिर से काम प्रारम्भ करना।

नया सिरा सी जळम लेणूं।
नये सिरे से जन्म लेना। मरते-मरते बचना।

नरक की जिन्दगी होणूं।
नरक की जिन्दगी होना। दु:खपूर्ण या कष्टमय जीवन होना।

नरक भोगणूं।
नरक भोगना। दु:ख, तकलीफ या कष्ट उठाना।

नरक मऽ न्हाखणूं।
नरक में डालना। बुरी स्थिति में डालना।

नरक का कुआ मऽ पड़नूं।
नरक के कुँए में गिरना। दु:खदायी स्थितियों में फँसना।

नरक की आग मऽ बलणूं।
नरक की आग में जलना। अत्यन्त कष्टदायी स्थिति में होना।

नरक को दरवाजा पऽ जाणूं (देखणूं)।
नरक के दरवाजे पर जाना या देखना। बुरे कर्मों का बुरा नतीजा भुगतना।

नरक को पैसो कमाणूं।
नर्क का पैसा कमाना। बुरे कर्मों या पाप से धन कमाना।

नरक कुंड मऽ पड़नूं।
नर्क कुंड में पड़ना। पाप कर्म के फल भुगतना।

नरक होणूं।
नर्क होना। बहुत गंदा या दु:खदायी स्थान बनाना।

नरक बणानूं।
नर्क बनाना। बहुत गंदा वातावरण बनाना।

नरक को मुंडो देखणूं।
नरक का मुँह देखना। बुरी जगह पहुँच जाना।

नरम पड़नूं।
नरम पड़ना। कठोरता छोड़ देना या नरमाई होना।

नरम दिल होणूं।
नरम दिल होना। सहृदय होना।

नरम रुख अपनाणूं।
नरम रुख अपनाना। कोमलता का व्यवहार करना।

नरमी बरतणूं।
नरमी बरतना। कोमल व्यवहार करना।

नरम-नरम माल खाणूं।
नरम-नरम माल खाना। पकवान उड़ाना।

नरम-गरम होणूं।
नर्म-गर्म होना। तबियत खराब होना। कभी दयालु, कभी क्रोध में होना।

नरम-नरम गद्दा नऽ पऽ सोवणूं।
नर्म-नर्म गद्दों पर सोना। ऐश आराम की जिन्दगी जीना।

नवाब बणी नऽ घूमणूं।
नवाब बनकर घूमना। बनठनकर इतराना।

नशो करनूं।
नशा करना। भांग, गांजा या शराब पीना।

नश्यो उतरनूं।
नशा उतारना। नशीली वस्तुओं का नशा उतरना। अहंकार टूट जाना। भ्रम, जोश या आवेश का समाप्त होना।

नश्या मऽ चूर होणूं।
नशे में चूर होना। नशीली वस्तुओं का सेवन अधिक करना। किसी धुन का सिर पर ऐसा सवार होना, जो जल्दी दूर न होना।

नश्यो हिरण होणूं।
नशा हिरन होना। एकदम नशा उतर जाना।

नश्यो सिर पर सवार होणूं।
नशा सिर पर सवार होना। अत्यधिक नशे में अण्ड-बण्ड बकना।

नशीला डोळा होणूं।
नशीली आँखें होना। नशे में रहने वाली आँखें। चढ़ी हुई आँखें या मदमस्त आँखें।

नश्तर लगाणूं।
नश्तर लगाना। हानि पहुँचाना।

नस-नस फड़कणूं।
नस-नस फड़कना। बहुत खुश होना। उत्साहित होना।

नस-नस मऽ।
नस-नस में। सम्पूर्ण शरीर में। अधिक मात्रा में।

नस चढ़णूं।
नस चढ़ना। नस इधर-उधर खींच जाना।

नस नऽ ढीली होणूं।
नसें ढीली होना। थकावट होना। पुरुषत्व का अभाव।

नस छूटणूं।
नस छूटना। धीरे-धीरे मृत्यु के करीब जाना।

नस ठण्डी पड़णूं।
नस ठण्डी पड़ना। धीरे-धीरे मृत्यु के करीब पहुँचना।

नस खिंचाणूं।
नस खिंचाना। तनाव आना।

नसीब मऽ होणूं।
नसीब में होना। भाग्य में होना।

नसाजाळी कटणूं।
नसाजाली कटना। नाखून के पास की जाली कट जाना। नाखून में दर्द होना।

नसीब आजमाणूं।
नसीब आजमाना। भाग्य आजमाना।

नसीहत देणूं।
नसीहत देना। उपदेश देना। समझाईश देना।

न्हार सरीखो रयणूं।
नहार सरीखा रहना। शेर की तरह साहसी रहना।

न्हार का मुंडा मऽ जाणूं।
शेर के मुँह में जाना। मृत्यु को आमंत्रण देना। खतरा मोल लेना।

न्हार सरीखो डकारनू।
शेर के समान डकारना। रौब जमाना।

नाक कटणूं (काटणूं)।
नाक कटना या काटना। इज्जत चली जाना।

नाक ऊँची होणूं।
नाक ऊँची होना। मान सम्मान बढ़ना।

नाक को बाल होणूं।
नाक का बाल होना। बहुत नजदीकी महत्त्वपूर्ण व्यक्ति। हर बात पर सलाह देने वाला विश्वस्त आदमी।

नाक की सूदमसद।
नाक की सीध में। एकदम सामने।

नाक काटी नऽ ढोप्पर पऽ लगावणूं।
नाक काटकर कमर पर लगाना। निर्लज्ज होना। अपमान की परवाह न होना।

नाक चोटी काटी नऽ हात मऽ देणूं।
नाक चोटी काटकर हाथ में देना। अपमानित करना। अहंकार दूर करना। कठोर दण्ड देना।

नाक पऽ घुस्सो धरेल होणूं।
नाक पर गुस्सा रखा होना। गुस्सा आने में देर न होना। शीघ्र ताव खाने वाला।

नाक पऽ लिम्बू नी ठयरनू।
नाक पर निबू न ठहरना। तुरन्त गुस्सा आना।

नाक पऽ माखो नी बठणऽ देणूं।
नाक पर मक्खा नहीं बैठने देना। बहुत साफ और स्पष्ट आदत होना। कुछ भी एहसान न लेना।

नाक राखणूं।
नाक रखना। लाज रखना। इज्जत बचा लेना।

नाक लगई नऽ बठणूं।
नाक लगाकर बैठना। स्वयं बहुत सम्मानित बनना। अपने आप पर गुस्सा होकर एक तरफ बैठ जाना।

नाक मऽ दम करणूं।
नाक में दम करना। परेशान करना। तंग करना।

नाक मऽ दम आवणूं।
नाक में दम आना। हैरान परेशान हो जाना। त्रस्त हो जाना।

नाक पऽ टीचणूं।
नाक पर टीचना। उसी वक्त नगद पैसा देना। तत्काल सामने रख देना।

नाक पऽ चाक फिरेल होणूं।
नाक पर चाक फिरा होना। नाक चपटी होना।

नाक पऽ गाड़ी फिरना।
नाक पर गाड़ी फिरना। नाक चपटी और मोटी होना।

नाक नी देवाय।
नाक न देना। अति दुर्गन्ध होना।

नाक फटणऽ लगणूं।
नाक फटने लगना। असह्य दुर्गन्ध होना। सांस लेना मुश्किल होना।

नाक पऽ घुस्सो होणूं।
नाक पर गुस्सा होना। तुरन्त गुस्सा आने वाला होना। जल्दी गुस्सा करने वाला।

नाक बठणूं।
नाक बैठना। बैठी नाक वाला। चपटी नाक होना।

नाक सिकोड़णूं।
नाक सिकुड़ना। नफरत करना।

नाको चको चबावणूं।
नाको चना चबवाना। बहुत परेशान या तंग करना।

नाक रगड़नूं।
नाक रगड़ना। माफी माँगना। बहुत मिन्नतें करना।

नाक घिसणूं।
नाक घिसना। खुशामद करना। बहुत मिन्नतें करना।

नाक चढ़णूं।
नाक चढ़ना। गुस्सा होना। घृणा या नापसंद करना।

नाक तक भरनूं।
नाक तक भरना। ऊपर तक भरना। ठूंस-ठूंसकर भरना।

नाक वयणूं।
नाक बहना। सर्दी हो जाना। नज़ला होना।

नाक सड़णूं।
नाक सड़ना। दुर्गन्ध से भर जाना।

न

नाक कटाड़णूं।
नाक कटवाना। ऐसा काम करना जिससे इज्जत न बनी रहना।

नाक कटायेल होणूं।
नककटे होना। मान-अपमान कुछ भी नहीं हो।

नाक कट्टी होणूं।
नाक कट्टी होना। जिसकी नाक कटी हुई होना।

नाक पकड़नूं।
नाक पकड़ना। दोष दिखाना।

नाक को सवाल होणूं।
नाक का सवाल होना। इज्जत का प्रश्न होना। अस्मिता जाने का भय होना।

नाक का नीच्च।
नाक के नीचे। सामने या प्रत्यक्ष या बिल्कुल समीप।

नाक का बल गिरनूं।
नाक के बल गिरना। बहुत बुरी हालत में गिरना, जिसमें मुँह, दाँत और नाक पर चोट लगना।

नाक मऽ नकेल डालनूं।
नाक में नकेल डालना। कोई रोक टोक नहीं।

नाक तक डूब्यो होणूं।
नाक तक डूबा होना। कर्ज आदि में पूरा तरह से घिर जाना।

नाक तोड़ी देणूं।
नाक तोड़ देना। नाक पर प्रहार करना, जिससे नाक पर चोट आ जाये।

नाक नीची होणूं।
नाक नीची होना। अपमान होना। इज्जत जाना।

नाक पकड़तऽ दम निकलणूं।
नाक पकड़ते दम निकलना। अत्यन्त दुर्बल होना।

नाक मऽ कौड़ी डालनूं।

नाक में कौड़ी डालना। बहुत परेशान करना।

नाक मऽ सुतळई पिरोणूं।
नाक में सुतली पिरोना। बहुत कष्ट देना। काबू में रखना।

नाक फुलनूं (फुलाणूं)।
नाक फूलना या फुलाना। असंतोष प्रकट करना।

नाक की बात होणूं।
नाक की बात होना। इज्जत रक्षा की बात होना।

नाक गलणूं (टपकणूं)।
नाक गलना या टपकना। नजले जुकाम से नाक बहना।

नाक लगावणूं।
नाक लगाना। मन करके बैठना। गुस्सा करना। अपने आप को बड़ा समझना।

नाक कान काटनूं।
नाक कान काटना। परास्त कर देना। कठोर दण्ड देना।

नाक भौं सिकोड़णूं।
नाक भौंह सिकुड़ना। नापसंद करना। अप्रसन्नता प्रकट करना।

नाक बन्द होणूं।
नाक बन्द होना। सर्दी जुकाम से सांस लेने में तकलीफ होना।

नाक छेदन करनूं।
नाक छेदन कराना। नाक छिदाने की रस्म पूरी करना।

नाक मऽ नथ पेराणूं।
नाक में नथ पहनाना। विवाह या पुनर्विवाह करना।

नाक सी नथ उतरवाणूं।
नाक से नथ उतरवाना। अवैध सम्बन्ध स्थापित करना।

नाक टेढ़ी होणूं।
नाक टेढ़ी होना। जरा अकड़ वाला होना। घमण्ड होना।

नाक को लौंग होणूं।
नाक का लौंग होना। बहुत नजदीक होना। प्रिय होना।

नाक मऽ बोलणूं।
नाक में बोलना। अनुनाशिक होना। हर शब्द में न की ध्वनि होना।

नाक बोलनू (बजणूं)।
नाक बोलना। बजना। नाक से आवाज निकलना। खर्राटे भरना।

नाखून बढ़णूं।
नाखून बढ़ना। अतिरेक में होना। अहंकार दिखना। बढ़-चढ़कर अप्रिय काम करना।

नाखून खाणूं।
नाखून खाना। अफसोस करना। असमंजस में होना। गलती महसूस करना।

नाखून गड़ावणूं (खरोचणूं)।
नाखून गड़ाना या खरोचना। गुस्से का इजहार करना।

नाखून बड़ा होणूं।
नाखून बड़े होना। सुन्दरता के लिये नाखून बढ़ाना।

नाखून नीळा पड़णूं।
नाखून नीले पड़ना। मृत्यु का समय सन्निकट होना।

नाखून धवळा पड़णूं।
नाखून सफेद होना। खून की कमी होना।

नाखून काटणूं।
नाखून काटना। प्रभाव कम करना।

नाखून घिसई जाणूं।
नाखून घिसा जाना। काम करते-करते नाखून घिस जाना। अधिक श्रम करना।

नाखूनों मऽ मईल होणूं।
नाखूनों में मैल होना। नाखून गंदे होना। नाखून के मैल से पेट की बीमारी होना।

नाखून उखड़णूं।
नाखून उखड़ना। चोट से अंगुली का नाखून उखड़

जाना। अंगुली का भद्दा हो जाना। असुन्दर हो जाना।

नाखून तेज करणूं।
नाखून तेज करना। बदला लेने की तैयारी करना।

नाग खऽ जगाणूं।
नाग को जगाना। खतरनाक व्यक्ति को छेड़ना। खतरा मोल लेना।

नाग-नागण को जोड़ो होणूं।
नाग-नागिन का जोड़ा होना। स्त्री-पुरुष दोनों ही खतरनाक होना। दाम्पत्य जीवन का प्रतीक होना।

नागो करनूं।
नागा करना। काम से अनुपस्थित होना। बंदी खाली जाना।

नांगो करणूं।
नागा करना। लूट लेना। अपमानित करना। नंगा करना।

नाग खऽ दूध पिलावणूं।
नाग को दूध पिलाना। विषवृद्धि कराना। वैमनस्य पैदा करना। बदला लेने की तैयारी करना।

नागर बामण बणनूं।
नागर ब्राह्मण बनना। चतुराई करने वाला बनना।

नागर जोतणूं।
नागर जोतना। हल जोतना। खेत में हल चलाना।

नागर समाज मऽ बठणूं।
नागर समाज में बैठना। सभ्य समाज या बड़े धनवान और शिक्षित लोगों से व्यवहार रखना।

नागर वेली पान इसावणूं।
नागर वेली पान लाना। पूजा में काम आने वाले पान लाना।

नाग की चलती-फिरती धरती होणूं।
नाग की चलती-फिरती धरती होना। नाग कहीं भी किसी जगह दिखाई दे सकता है।

नाग यज्ञ मऽ सबई नाग बलई गया।
नागयज्ञ में सभी नाग जल गये। जनमेजय का नाग यज्ञ प्रसिद्ध है। महाभारत कालीन।

नाग पूजणूं।
नाग पूजना। नागपंचमी पर नाग की पूजा करना।

नाग पंचमी मनानूं।
नाग पंचमी मनाना। नाग पंचमी पर्व पर नाग मन्दिर में या नाग के चित्र भित्तियों पर बनाकर पूजा अनुष्ठान करना।

नाग देवता का दरसण होणूं।
नाग देवता का दर्शन होना। साक्षात् जीवित फनधारी नाग के दर्शन होना।

नाग कऽ नाथणऽ वाळो।
नाग को नाथने वाला। कृष्ण कन्हैया जिसने कालिया नाग को वश में किया था।

नाग का कान नी होणूं।
नाग के कान नहीं होना। नाग अपनी आँखों से सुनता है, इसलिए उसे चक्षुश्रवा कहा जाता है। नाग के कान नहीं होते।

नागण को डसणूं।
नागिन का डंसना। नागिन का काट लेना। धोखेबाज व्यक्ति द्वारा क्षति पहुँचाना। ऐसा कहा जाता है कि नागिन बारह साल में अपना बदला ले लेती है।

नाच न नचणूं।
नाच नचाना। किसी की इच्छा अनुसार काम करना।

नाच नाचणूं।
नाच नाचना। किसी के चाहने के अनुसार काम करना।

नाच करनूं।
नाच करना। नृत्य करना।

नाचतो फिरनूं।
नाचते फिरना। व्यर्थ में इधर-उधर घूमते रहना।

नाचण्यो होणूं।
नाच करने वाला होना। गम्मत, स्वाँग, रामलीला, रासलीला आदि में पुरुष स्त्री बनकर नाचने वाला।

नाज नखरा उठाणूं।
नाज नखरे उठाना। हर तरह के दिखावटीपन को सहना।

नाज करनूं।
नाज करना। गर्व करना।

नाजुक हालत होणूं।
नाजुक हालत होना। स्वास्थ्य बिगड़ा होना। गरीबी आना।

नाजुक घड़ी होणूं।
नाजुक घड़ी होना। विपत्ति या संकट का समय होना।

नाजुक मिजाज होणूं।
नाजुक मिजाज होना। कोमल स्वभाव होना। स्वास्थ्य नाजुक होना।

नाटक करनूं।
नाटक करना। दिखावटी ढोंग करना।

नाटक दिखाणूं।
नाटक दिखाना। झूठा दिखावा करना। स्वाँग करना।

नाटक नी चलनूं।
नाटक नहीं चलना। झूठ ज्यादा देर नहीं चलता।

नाड़ी देखणूं।
नाड़ी देखना। स्वास्थ्य का परीक्षण करना।

नाड़ी ढीली होणूं।
नाड़ी ढीली होना। काम करते-करते थक जाना। सुस्त होना।

नाड़ी नी चलणूं।
नाड़ी नहीं चलना। मृत्यु होने का संकेत होना।

नाड़ी पईचाणनूं।
नाड़ी पहचानना। परिस्थिति या मन:स्थिति को अच्छी तरह समझना।

नातो टूटणूं।
नाता टूटना। सम्बन्ध समाप्त होना।

नातो होणूं।
नाता होना। सम्बन्ध/रिश्तेदारी होना।

नातो नी राखणूं।
नाता नहीं रखना। सम्बन्ध न रखना।

नाद होणूं।
नाद होना। सांगीतिक अनुगूँज होना। सांगीतिक ध्वनि होना।

नानी को घर होणूं।
नानी का घर होना। माँ की माँ का घर होना। नानी के घर में अधिक आराम और आसानी महसूस करना।

नानी याद आवणूं।
नानी याद आना। होश ठिकाने आना।

नानी मरी जाणूं।
नानी मर जाना। भयभीत होना। काम अच्छा न करना।

नाप लेणूं।
नाप लेना। कपड़ा सिलने के लिए शरीर का नाप लेना। जमीन नापना आदि।

नाप तौल करनूं।
नाप तौल करना। नापना जोखना।

नाम करनूं।
नाम करना। यश अर्जित करना।

नाम कमावणूं।
नाम कमाना। यश/ख्याति या प्रसिद्धि पाना।

नाम चढ़ावणूं।
नाम चढ़ाना। नाम लिखा जाना।

नाम चलनूं।
नाम चलना। यादगार बनी रहना। स्मृति बनी रहना।

नाम जपणूं।

नाम जपना। रटना। नाम बार-बार लेना।

नाम डुबणूं।
नाम डूबना। अपकीर्ति होना। स्मरणीय न रहना।

नाम धरणूं।
नाम रखना। बदनाम होना। नामकरण करना। दोष निकालना।

नाम बिकणूं।
नाम बिकना। नाम की प्रसिद्धि से हर जगह सम्मान होना। भय होना।

नाम को।
नाम का। थोड़ा-सा। नाम मात्र का।

नाम को बी नी।
नाम का भी नहीं। थोड़ा-सा भी नहीं। किंचित मात्र भी नहीं।

नामजद होणूं।
नामजद होना। मनोनीत होना या चुनना।

नाम पऽ धब्बो लगणूं।
नाम पर धब्बा लगना। कलंक लगना। बदनामी होना।

नाम पऽ बट्टो लगणूं।
नाम पर बट्टा लगना। नाम की बदनामी होना। अपयश मिलना।

नाम पऽ जान देणूं।
नाम पर जान देना। यश चाहना। नाम के लिए मर मिटना।

नाम सी पुजाणूं।
नाम से पुजाना। नाम की प्रसिद्धि से सम्मान पाना।

नाम ज नाम रयी जाणूं।
नाम ही नाम रह जाना। केवल प्रसिद्धि रह जाना, लेकिन आचरण बिगड़ जाना।

नामी गिरामी होणूं।
नामी गिरामी होना। प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित होना।

नाम सी।
नाम से। नाम के प्रभाव से। नाम लेते ही। चर्चा से मालिक बनाकर।

नाम लई नऽ।
नाम लेकर। नाम के स्मरण कराने मात्र से। नाम के प्रभाव से।

नाम जपणूं।
नाम जपना। बार-बार नाम लेना।

नाम निकाळनूं।
नाम निकालना। बदनामी करवाना। नाम बदनाम करना।

नाम निकलणूं।
नाम निकलना। ख्याति होना। बदनामी होना।

नाम बाकी रई जाणूं।
नाम शेष रह जाना। केवल ख्याति रहना।

नाम बिगाड़णूं।
नाम बिगाड़ना। नाम का उच्चारण ठीक न करना या गलत ढंग से लिखना।

नाम बेची न्हाखणूं।
नाम बेच डालना। प्रतिष्ठा के विपरीत काम करना।

नाम मिटणूं।
नाम मिटना। समाप्त हो जाना।

नाम रखणूं।
नाम रखना। नामकरण करना। बदनामी करना।

नाम लगणूं (लगाणूं)।
नाम लगना या लगाना। झूठा नाम ले लेना या लगा देना। अपराध/कलंक मढ़ना या मढ़ा जाना।

नाम सी कांपणूं।
नाम से काँपना। नाम सुनते ही भयभीत होना।

नाम बी नी जानणूं।
नाम भी नहीं जानना। पूर्णतः अपरिचित होना।

नाम पुकारनूं।
नाम पुकारना। नाम से बुलाना। ईश्वर का स्मरण करना।

नामो निसाण बी नी होणूं।
नामोनिशान भी न होना। कुछ भी नहीं होना। सब कुछ नष्ट हो जाना।

नामलेवा बी नी होणूं।
नामलेवा भी नहीं होना। वंश में एक भी व्यक्ति का न रहना।

नाम सी भागणूं।
नाम से भागना। प्रसिद्धि से बचना। घृणा करना।

नाम रोशन करनूं।
नाम रोशन करना। नाम ऊँचा करना। कीर्ति बढ़ाना।

नाम पावणूं।
नाम पाना। प्रसिद्धि प्राप्त करना।

नाम सी चिढ़ होणूं।
नाम से चिढ़ होना। किसी से घृणा करना।

नाम साथ जाणूं।
नाम साथ जाना। कीर्ति ही शेष रह जाना।

नाम सी भड़कणूं।
नाम से भड़कना। नाम सुनते ही घबराना।

नाम रटनूं।
नाम रटना। हर समय स्मरण करना।

नाम का लेणऽ रोवणूं।
नाम के लिए रोना। ख्याति के लिए लालायित होना। नाम मात्र के लिए आँसू बहाना।

नाम को भूखो होणूं।
नाम का भूखा होना। यश या कीर्ति को पाने का इच्छुक होना।

नाम की माळा जपणूं।
नाम की माला जपना। याद करना।

नाम चलावणूं।
नाम चलाना। कीर्ति को आगे ले जाना।

नाम चमकणूं।
नाम चमकना। खूब प्रसिद्ध होना।

नाम करी जाणूं।
नाम कर जाना। यश कमा जाना।

नाम छोड़ी जाणूं।
नाम छोड़ जाना। कीर्ति छोड़ जाना।

नाम तक नी लेणूं।
नाम तक नहीं लेना। कोई सरोकार न रखना। बिल्कुल पसन्द न करना।

नाम बिकणूं।
नाम बिकना। नाम से चीजें बिकना। बदनामी फैलना।

नाम जिन्दो राखणूं।
नाम जिन्दा रखना। ख्याति को बनाये रखना।

नाम को डंको पिटाणूं (पिटणूं)।
नाम का डंका पिटाना या पिटना। सर्वत्र ख्याति होना। स्वयं ख्याति फैलाना।

नाम ऊँचो करनूं।
नाम ऊँचा करना। ख्याति का विस्तार करना या होना।

नाम बड़ा दरसण थोड़ा होणूं।
नाम बड़े दर्शन थोड़े होना। आडम्बर अधिक, लेकिन सार कुछ नहीं होना।

नायक होणूं।
नायक होना। मुखिया होना।

नाय बठाड़णूं।
नाय बैठाना। गाड़ी के पहिये में मध्य की लकड़ी बैठाना, जिसमें 'आरे' लगाये जाते हैं।

नारो लगावणूं।
नारा लगाना। उद्घोष करना।

नारियळ बधारनूं।
नारियल बधारना। किसी देवी-देवता या शुभ कार्य में नारियल तोड़ना।

नारियल देणूं।
नारियल देना। सगाई करना। देवी देवता को पूरा नारियल चढ़ाना।

नाल गड़णूं।
नाल गड़ना। अधिकार होना। किसी जगह से बहुत प्रेम होना।

ना-लायक निकलणूं।
नालायक निकलना। किसी भी योग्य न निकलना। धूर्त या बदमाश।

नाव पार लगणूं।
नाव पार लगना। कोशिश सफल होना। विपत्ति से छुटकारा पाना। किसी कार्य का समाप्त होना।

नाव भंवर मऽ फसनूं।
नाव भँवर में फँसना। विपत्ति की स्थिति होना।

नाव भंवर सी निकलणूं।
नाव भँवर से निकलना। संकट की स्थिति से निकलना।

नाव किनारऽ लगणूं।
नाव किनारे लगना। जीवन पूरा होना।

नाव खेणूं।
नाव खेना। नाव चलाना। जीवन-यापन करना।

नाव डगमगाणूं।
नाव डगमगाना। चिन्ताजनक स्थिति होना।

नाव चलनूं।
नाव चलना। गृहस्थी का खर्च चलना। काम आगे बढ़ना।

नाव बीच मझधार मऽ डूबणूं।
नाव बीच मझधार में डूबना। कार्य अधूरा रह जाना। पूरा काम न होना।

नासूर होणूं।
नासूर होना। पीड़ादायक फोड़ा होना। आजीवन कष्ट देना।

नासूर भरनूं।
नासूर भरना। फोड़ा ठीक होना। पीड़ा कम होना।

निकळई नऽ आवणूं।
निकलकर आना। आगे आना।

निकल करनूं।
निकल करना। कलाई करना।

निकली जाणूं।
निकल जाना। चला जाना।

निकळी पड़नूं।
निकल पड़ना। बाहर आना।

निकाळी देणूं।
निकाल देना। काट देना। बाहर करना।

निकाह होणूं (पढ़णूं)।
निकाह होना या पढ़ना। विवाह होना।

निखार आणूं।
निखार आना। स्वास्थ्य सुधरना। सुन्दर होना।

निगा राखणूं।
निगाह रखना। रखवाली करना। ध्यान में रखना। नजर रखना।

निगोड़ो होणूं।
निगोड़ा होना। लावारिस होना। कोई काम न करने वाला।

निचोड़ निकालणूं।
निचोड़ निकालना। सार निकालना।

निचुड़ी देणूं (न्हाखणूं)।
निचुड़ देना या डालना। पूरा श्रम करवा लेना।

निछावर करनूं।
निछावर करना। सब कुछ वार देना। किसी के लिए त्याग कर देना। सब कुछ निस्वार्थ रूप से दे देना।

निढाल होणूं।
निढाल होना। बुरी तरह थक जाना।

निजी काम होणूं (करणूं)।
निजी काम होना या करना।

नित का काम होणूं।
नित के काम होना। नित्य के बहुत से काम होना।

नित कुओ खोदणूं नऽ नित को पीणूं।
नित्य कुँआ खोदना, नित्य पानी पीना। रोजाना कमाना और खाना।

नित नवा लाड़ा करनूं।
नितनये पति बतानी। चरित्र का पतन होना।

नित नवा गराणा लावणूं।
नित नये उलाहना लाना। रोजाना लड़ाई करना।

नित सवा बहाना करणूं।
नित नये बहाने करना।

निद्रा टूटणूं।
निद्रा टूटना। नींद खुलना। समझ में आना।

निन्यानवे का फेर मऽ पड़णूं।
निन्यानवे के फेर में पड़ना। धन बढ़ाने की दिन-रात चिन्ता होना।

नियम को पाळण करनूं।
नियम का पालन करना। कायदे-कानून को मानना।

नियम तोड़णूं।
नियम तोड़ना। कायदे-कानून को न मानना।

निरबल होणूं।
निर्बल होना। कमजोर होना। धन सम्पत्ति। इच्छाशक्ति का कम होना।

निराधार होणूं।
निराधार होना। बिना आधार के होना। कोई सहारा न होना।

निराहार होणूं।
निराहार होना। उपवास में भी कोई चीज न खाना-पीना।

निसाणी देणूं।
निशानी देना। कोई यादगार वस्तु भेंट करना। पहचान की चीज देना।

निसाण उठाणूं।
निसान उठाना। ध्वज उठाना। किसी धार्मिक अनुष्ठान की ध्वजा लेकर चलना।

निहाळ होणूं।
निहाल होना। धनवान और सुखी होना। धन्य-धन्य होना।

निहाल करनूं।
निहाल करना। मालामाल करना।

निहोरो करणूं।
निहोरा करना या मनाना।

नींद भरी नऽ सोवणूं।
नींद भरकर सोना। मन भरकर सोना।

नींद लगणूं।
नींद लगना। नींद आ जाना। सो जाना।

नींद उचटणूं।
नींद उचटना। नींद खराब हो जाना।

नींद खराब करनूं।
नींद खराब करना। सोने में बाधा आना।

नींद होणूं (मारनूं)।
नींद लेना या मारना। खूब सोना।

नींद हराम करणूं (होणूं)।
नींद हराम करना या होना। चिन्ता के कारण नींद न आना। बीच में जाग जाना या जगा देना।

नीको लगणूं।
नीका लगना। अच्छा लगना।

नीच-ऊँच देखणूं (समझणूं)।
नीच-ऊँच देखना या समझना। भलाई-बुराई देखना या समझना।

नीचो दिखावणूं।
नीचा दिखाना। अपमानित करना।

नीचो-ऊँचो सुनाणूं।
नीच-ऊँच सुनाना। खरी-खोटी सुनाना।

नीच्चो-उच्चो पांय पड़नूं।
नीचा-ऊँचा पैर पड़ना। नैतिक-अनैतिक कार्य होना।

नीची नजर सी देखणूं।
नीची नजर से देखना। तुच्छ दृष्टि से देखना।

नीची जात को होणूं।
नीची जात का होना। निम्न विचार का व्यक्ति होना।

नीच्च सी अद्दर तक।
नीचे से ऊपर तक। नख से शिख तक, मतलब पूरे-पूरे।

नीची गरदन करनूं।
नीची गर्दन करना। शर्म के मारे झुक जाना। नत-मस्तक होना।

नीच्चो पाणी होणूं।
नीचा पानी होना। निम्न स्तरीय व्यवहार होना।

नीच जसी वात करनूं।
नीच जैसी बात करना। छोटे विचार या संकुचित विचार का होना।

नींबू उतारनूं।
नीबू उतारना। नजर उतारना।

नीड़ बणावणूं।
नीड़ बनाना। छोटा-मोटा घर बनाना।

नीयत मऽ खोट होणूं।
नीयत में खोट होना। मन में बुराई होना।

नीयत बिगड़नूं।
नीयत बिगड़ना। मन में बुराई आना। लालच आना।

नीयत मऽ फरक आवणूं।
नीयत में फर्क आना। इरादा बदल जाना। मन बदल जाना।

नीयत बदली जाणूं।
नीयत बदल जाना। इरादा बदल जाना।

नीयत साफ नी होणूं।
नीयत साफ नहीं होना। मन साफ नहीं होना। मन में कलुष होना।

नीयत डांवाडोल होणूं।
नीयत डाँवाडोल होना। प्राप्त करने की इच्छा होना। किसी पर दिल आ जाना।

नीयत बांधणूं।
नीयत बाँधना। पक्का इरादा करना। मन में ठान लेना।

नीयत भरई जाणूं।
नीयत भर जाना। मन की इच्छा पूरी हो जाना। जी भर जाना। तृप्त हो जाना।

नीयत लगणूं।
नीयत लगना। पाने की इच्छा होना।

नीयत नी होणूं।
नीयत न होना। मन में न होना।

नीयत को सच्चो होणूं।
नीयत का सच्चा होना। मन निर्मल और सच्चा होना।

नीर भरई आवणूं।
नीर भर जाना। आँखों में आँसू आ जाना। करुणा से भर जाना।

नीर ढलणूं।
नीर ढलना। आँखों से आँसू टपकना।

नीर भरी बदरी उठणूं।
नीर भरी बदली उठना। पानी से भरे बादल के टुकड़े का उठना।

नीर क्षीर विवेक होणूं।
नीर क्षीर विवेक होना। भले-बुरे की समझ आना या होना।

नीळो पड़ी जाणूं।
नीला पड़ जाना। चोट लगने पर आसपास नीला धब्बा पड़ जाना। साँप का जहर चढ़ जाना।

नीळो-पीळो होणूं।
नीला-पीला होना। गुस्सा होना।

नीलाम करनूं।
नीलाम करना। सरेआम घर-घर की सामग्री बेच देना।

नीव को दग्गड़ होणूं।
नींव का पत्थर होना। मूल आधार जहाँ से शुरुआत होना।

नीव पड़णूं।
नींव पड़ना। आधार रखना या आरम्भ होना। मकान बनवाने की शुरुआत होना।

नीव मजबूत होणूं।
नींव मजबूत होना। आधार ठोस और सुदृढ़ होना।

नुकसान उठावणूं।
नुकसान उठाना। घाटा या हानि उठाना।

नुकसान करनूं।
नुकसान करना। हानि पहुँचाना।

नुकसान पहुँचाणूं।
नुकसान पहुँचाना। दूसरों को हानि पहुँचाना।

नुकसान की भरपाई करनूं।
नुकसान की भरपाई करना। घाटे की पूर्ति करना। क्षति भरना।

नुसखो तैयार करनूं।
नुस्खा तैयार करना। बीमारी की दवाई तैयार करना।

नूर बरसणूं।
नूर बरसना। अत्यन्त सुन्दर होना। सर्वांग सुन्दर।

नेकी अरु पूछी-पूछी नऽ।
नेकी और पूछ-पूछ कर। उपकार में किसी बहाने की जरूरत नहीं।

नेकी बदी साथ जाणूं।
नेकी बदी साथ जाना। भलाई-बुराई आदमी के साथ जाती है।

नेकी करी नऽ दरिया मऽ डालनू।
नेकी कर दरिया में डालना। भलाई करना, बदले में कुछ न चाहना।

नेग देणूं।
नेग देना। रिवाज के अनुसार वस्त्र, नगद, बर्तन, नारियल आदि देना। सम्मान करना।

नेग को काम होणूं।
नेग का काम होना। पुण्य का कार्य होना।

नैया मझधार मऽ डूबणूं।
नाव मझधार में डूबना। बीच में ही अनिष्ट हो जाना।

नोक-झोंक करनूं।
नोक-झोक करना। तर्क-वितर्क या बहस करना।

नोक पऽ नी ठहरनूं।
नोक पर नहीं ठहरना। किसी बात को नहीं मानना।

नौ दिन चल्या ढाई कोस।
नौ दिन चले अढ़ाई कोस। बहुत धीमी गति होना।

नौकरी बजावणूं।
नौकरी बजाना। केवल नौकरी करना।

नौ दुई ग्यारा होणूं।
नौ दो ग्यारह होना। चल देना। भाग जाना।

नौबत आवणूं।
नौबत आना। स्थिति तक पहुँच जाना। दशा हो जाना।

नौबत बाजणूं।
नौबत बजना। खुशी का अवसर होना।

नौ-नौ हाथ उछलणूं।
नौ-नौ हाथ उछलना। बहुत खुश होना। अति उत्साहित होना।

नंगई पऽ उतरी आवणूं।
नंगई पर उतर आना। अनुचित या अमर्यादित आचरण पर उतर आना।

नंगो करी देणूं।
नंगा कर देना। बेइज्जत कर देना।

नंगी तलवार लटकणूं।
नंगी तलवार लटकना। खतरा सिर पर मंडराना। मौत का भय सदैव होना।

नंगी तलवार हात मऽ लई नऽ दौड़णूं।
नंगी तलवार हाथ में लेकर दौड़ना। मार डालने के लिये उद्यत होना।

नंगा हात जाणूं।
नंगा हाथ जाना। साथ में कुछ भी नहीं ले जाना। मृत्यु के समय कुछ साथ न ले जाना।

नंगो काई न्हाव काई निचवऽ काई।
नंगा नहाये क्या और निचोड़े क्या? जिसके पास कुछ भी न हो उसकी इज्जत जाने का सवाल ही नहीं उठता।

नंगा नऽ की जम्मात।
नंगों की जमात। जहाँ सभी नंगे हो। गरीबों का जमावड़ा।

नंगो भूखो होणूं।
नंगा भूखा होना। अत्यन्त गरीब होना।

नंगो करी जाणूं।
नंगा कर जाना। लूटकर माल ले जाना। कपड़े जेवर उतरवा लेना। बेइज्जत करना।

नंग धडंग होणूं।
नंग धड़ंग होना। सबके सामने वस्त्रविहीन होना।

नंगापण दिखावणूं।
नंगोपन दिखाना। व्यवहार में बहुत खुली और तुच्छ बात करना।

नांगलो घूमणूं।
नांगला घूमना। सर्वत्र वस्त्र विहीन होकर घूमना।

नांगळ वाड़ी का नाग।
नांगलवाड़ी के नाग। किसी स्थान विशेष के नाग देवता को श्रद्धा के साथ देखना-पूजना।

प

पकड़ मऽ आवणूं।
पकड़ में आना। वश में आना या सामना होना। गिरफ्त में आना या चालाकी मालूम होना।

पकड़ई जाणूं।
पकड़े जाना। गिरफ्त में आना। वश में आ जाना। गलती जानना।

पकड़ मऽ राखणूं।
पकड़ में रखना। अपने अधिकार में रखना।

पकड़ मऽ होणूं।
पकड़ में होना। पहचानने की शक्ति होना। अधिकार में होना।

पकड़-धकड़ करनूं (होणूं)।
पकड़-धकड़ करना या होना। गिरफ्तारी करना या होना।

पकड़ ढीली होणूं।
पकड़ ढीली होना। नियन्त्रण में कमी आना।

पक्की बात करनूं (कयणूं)।
पक्की बात करना या कहना। निश्चय पूर्वक करना या कहना। सगाई पक्की होना।

पको पकायेल मिलणूं।
पकापकाया मिलना। बिना परिश्रम के प्राप्त होना।

पक्को करणूं।
पक्का करना। निश्चय करना, तैयार करना, बलवान बनाना।

पकड़ नी राखणूं।
पकड़ न रखना। अधिकार से बाहर होना। अधीन न रहना। नियंत्रण न रहना।

पकड़ होणूं।
पकड़ होना। अधिकार में होना। ज्ञान होना।

पकड़ अच्छी होणूं।
पकड़ अच्छी होना। मजबूती से पकड़ने की होशियारी होना। सम्पूर्ण ज्ञान होना। हर चीज की जानकरी होना।

पक्को काम होणूं।
पक्का काम होना। काम की सुनिश्चितता होना। असली सोने चाँदी का काम होना।

पक्को खाणूं।
पक्का खाना। घी-तेल से बना भोजन।

पक्को गाणो।
पक्का गाना। राग रागिनी युक्त गाना, शास्त्रीय संगीत।

पक्को घर।
पक्का घर। ईट पत्थर सीमेन्ट से बना।

पक्को चेलो।
पक्का चेला। पूर्ण श्रद्धा रखने वाला शिष्य।

पक्को रंग।
पक्का रंग। काला या ताम्बई रंग।

पक्की पकड़ होणूं।
पक्की पकड़ होना। मजबूत नियंत्रण होना।

पक्की रसोई होणूं।
पक्की रसोई होना। घी-तेल से तला गया खाना।

पक्को कागज होणूं।
पक्का कागज होना। कानूनी दृष्टि से लिखा-पढ़ी होना।

पक्को भरोसो होणूं।
पक्का भरोसा होना। पूरा विश्वास होना।

पक्को पान होणूं।
पक्को पान होना। अधिक उम्र होना। कब झड़ जाय कोई भरोसा नहीं।

पंक मऽ फंसणूं।
पंक में फँसना। कीचड़ में फँसना। किसी विवाद में उलझना। बुरी आदतों में फँस जाना।

पंक्ति मऽ बठणूं।
पंक्ति में बैठना। जाति में बैठना। कतार में बैठना।

पक्ष लेणूं।
पक्ष लेना। तरफदारी करना।

पक्ष मऽ होणूं।
पक्ष में होना। किसी के पक्ष में अपना समर्थन देना। लाभकारी या कल्याणकारी होना।

पक्षपात करनूं।
पक्षपात करना। किसी एक की तरफदारी करना।

पखवाड़ा मऽ आवणूं।
पखवाड़े में आना। पन्द्रह दिन में एक बार आना।

पखेरु उड़णूं।
पखेरु उड़ना। पक्षियों का उड़ना। आकाश में घूमना।

पंख लगणूं।
पंख लगना। पर निकल आना। आकाश या हवा में उड़ना। ऊँची-ऊँची बात करना।

पंख लगई नऽ उड़ी जाणूं।
पंख लगाकर उड़ जाना। एकदम गायब हो जाना।

पंख खोलणूं।
पंख खोलना। उड़ने के लिये तत्पर होना। किसी कार्य को पूरी सक्षमता से करने को तैयार होना।

पंख काटणूं।
पंख काटना। साधनहीन कर देना। असहाय कर देना।

पंख तोलणूं।
पंख तोलना। उड़ने के पहले थोड़े पंख फड़फड़ाना। उड़ने की तैयारी करना। शक्ति का अनुमान करना।

पंख निकलणूं।
पंख निकलना। घमण्ड में चूर होना।

पंख पसारनूं (फैलाणूं)।
पंख पसारना या फैलाना। उन्नति का प्रयत्न करना।

पंखो झलणूं।
पंखा झलना। पंखे से हवा देना। सुकून पहुँचाना। सुख देना।

पग देणूं।
पग देना या आना। पैर रखना।

पग-पग चलणूं।
पग-पग चलना। पैर-पैर पैदल चलना।

पग-पग पऽ काटा बिछाणूं।
पग-पग पर काँटे बिछाना। हर जगह कष्टदायक होना। चुभने वाली बात होना। संकट पैदा करना।

पग-पग पऽ मिलणूं।
पग-पग पर मिलना। थोड़ी-थोड़ी दूरी पर उपस्थिति मिलना। हर जगह सुविधा मिलना।

पगड़ी उतारनूं।
पगड़ी उतारना। अपमान करना।

पगड़ी उछालनूं।
पगड़ी उछालना। दुर्दशा करना। बदनामी करना।

पगड़ी देणूं।
पगड़ी देना। मकान या दूकान किराये पर लेने के पहले धन देना।

पगड़ी रस्म होणूं।
पगड़ी रस्म होना। मृत्यु के बाद ग्यारहवें-बारहवें तेरहवें दिन मृतक परिवार में सिर पगड़ी बँधवाना। यह रस्म ससुराल पक्ष की ओर से होती है। सम्मान देना या साँत्वना बँधाना।

पंगत देणूं।
पंगत देना। समाज को सहभोज देना।

पंगति बठणूं।
पंगति (पंक्ति) बैठना। कतार में सहभोजन करने बैठना। सामूहिक भोज शुरू होना।

पंगत सी उठाणूं।
पंगत से उठाना। अपमान करना। जाति या समाज से बाहर कर देना।

पंगत लगणूं।
पंग लगना। भोजन के लिये पंक्तिबद्ध बैठना।

पंगत मऽ जीमणूं।
पंगत में जीमना। समाज के सहभोज में भोजन करना सम्मान का सूचक है।

पंगत को बुलावो देणूं।
पंगत का बुलावा देना। सामूहिक भोज का निमंत्रण देना।

पंगत मऽ रजा देणूं।
पंगत में रजा देना। परोसी गई पतलों के बाद हाथ जोड़कर घर मालिक का भोजन करने का विनयपूर्वक निवेदन करना। इसके बाद सब लोग भोजन शुरू करते हैं।

पंगत उठणूं।
पंगत उठना। सामूहिक भोज की पहली पंक्ति का उठ जाना। भोजन कर लेना। फिर दूसरी पंक्ति बैठती है। यही क्रम चलता रहता है।

पंगत को निवतो आवणूं।
पंगत का निवता आना। सामूहिक भोज का निमंत्रण मिलना।

पंगत मऽ नी बुलावणूं।
पंगत में न बुलाना। अपमानित होना।

पंगु करी देणूं।
पंगु कर देना। चलने से लाचार कर देना। बैठा देना।

पंगु हुई जाणूं।
पंगु हो जाना। कुछ करने लायक न रहना। लंगड़ा हो जाना।

पंच परमेसर होणूं।

पंच परमेश्वर होना। पाँच व्यक्तियों का सामूहिक निर्णय परमेश्वर के निर्णय के बराबर माना जाना है।

पंच बनणूं।
पंच बनना। लड़ाई झगड़े का निर्णायक होना। समाज का प्रमुख बनना।

पचड़ा मऽ पड़नूं (फँसणूं)।
पचड़े में पड़ना या फसना। झगड़े, परेशानी, दुविधा या हानि में पड़ना।

पची मरनूं।
पची मरना। बहुत परेशान होना।

पची जाणूं।
पच जाना। कोई चीज हजम हो जाना। हड़प लेना। बेईमानी करना।

पचई जाणूं।
पचा जाना। बात को हजम कर जाना।

पचनामो करनूं।
पंचनामा करना। किसी घटना की पुलिस द्वारा रिपोर्ट बनाना।

पच-पच करनूं।
पच-पच करना। कोई चीज सड़ जाना। पसीने से भीग जाना।

पचर-पचर करनूं।
पचर-पचर करना। बीच-बीच में बोलना। किसी चीज की पच-पच आवाज होना।

पचड़ो करनूं।
पचड़ा करना। झगड़ा करना या किसी चीज को उलझाना।

पच्चर ठोकणूं।
पच्चर ठोकना। बनता काम बिगाड़ देना। बाधा या अड़चन डालना।

पच्चीकारी करनूं।
पच्चीकारी करना। लकड़ी, पत्थर एवं वस्त्रादि पर बेलबूटे, फूल पत्ते आदि की खुदाई करना या काटना।

पचको करनूं।
पचका करना। कुछ न कुछ लफड़ा कर देना।

पछतावो करनूं।
पछतावो करना। पश्चाताप करना।

पछऽ फिरी नऽ देखणूं।
पीछे फिरकर देखना। सिंहावलोकन करना। पश्चाताप करना।

पछाड़ खाणूं।
पछाड़ खाना। खूब जोर से पछाड़ खाकर रोना। अत्यधिक दुख का आना। मूर्छित होकर गिरना।

पछाड़ी देणूं।
पछाड़ देना। पराजित कर देना। चित्त कर देना।

पछो जाणूं।
पीछे जाना। वापस जाना। अपनी जगह पर लौटना।

पजई देणूं।
पजा देना। धार तेज करना। पिटाई कर देना।

पट पड़णूं।
पट पड़ना। उल्टा गिरना। औंधा होना। कुश्ती में नीचे गिरना।

पट खुलणूं।
पट खुलना। मन्दिर के द्वार खुलना।

पट बन्द होणूं।
पट बन्द होना। मन्दिर के द्वार बन्द करना।

पटकी देणूं।
पटक देना। गिरा देना। हरा देना।

पटकणी देणूं।
पटकनी देना। पराजित करना।

पटरी पऽ आवणूं।
पटरी पर आना। सही रास्ते पर आना।

पटरी बठणूं।

पटरी बैठना। मन मिलना।

पटरी जमणू।
पटरी जमना। मेल होना। अपना प्रयास सफल होना।

पटरी खाणूं।
पटरी खाना। विचार एक होना।

पट सी बोलनूं।
पट से बोलना। बिना सोचे तत्काल कह देना। हाजिर जवाब।

पट-पट करनूं।
पट-पट करना। जल्दी-जल्दी करना। जल्दी काम निपटाना।

पटर-पटर करनूं।
पटर-पटर करना। अधिक बोलना। वाचाल।

पट-पट बाका देणूं, खोळा का दाळ्या नी देणूं।
पट-पट चुंबन दे, आँचल के चने न दे। ऊपरी दिखावा।

पटोलणूं।
पटोलना। खुशामद करना। पटाना या मक्खन लगाना।

पट्टो लिखाड़णूं।
पट्टा लिखाना। अधिकार होना। जागीर होना। वचन बद्धता।

पट्टा पऽ चढ़ावणूं।
पट्टा पर चढ़ाना। सरकारी कागजों पर जमीन जायदाद का लेखन करना।

पट्टा मऽ मिलनूं।
पट्टे में मिलना। उत्तराधिकार में मिलना। बाप दादों से मिलना।

पट्टो फाड़णूं।
पट्टा फाड़ना। अधिकार समाप्त करना। तलाक देना।

पट्टी पड़ावणूं।
पट्टी पढ़ाना। सिखाना, बहकाना या सिखावट में आना।

पट्टी मऽ आवणूं।
पट्टी में आना। बहकावे में आना या बातों में आना।

पट्टा को गांव होणूं।
पट्टा पर गाँव होना। सरकारी दस्तावेजों में गाँव की स्थिति। अनेक मालिकों का एक गाँव।

पट्टो तुड़ाणूं।
पट्टा तुड़ाना। बन्धन से मुक्त होने का प्रयास करना।

पट्टो लिखाड़ी लेणूं।
पट्टा लिखवा लेना। वादा करवा लेना।

पट्टी की पट्टी।
पट्टी की पट्टी। पूरे मोहल्ले का एक तरफ का हिस्सा।

पट्टी डोळा नऽ प बांधणूं।
आँखों पर पट्टी बाँधना। देखना नहीं। ध्यान न देना।

पट्टी खोलनूं।
पट्टी खोलना। घाव से पट्टी खोलना। घाव की स्थिति देखना।

पट्टी करनूं।
पट्टी करना। मरहम पट्टी करना। घाव पर दवा लगाना। सहानुभूति दिखाना।

पटड़ो बठणूं।
पटड़ा बैठना। काम ठप्प होना। सब कुछ नष्ट होना।

पटिया पऽ बठणूं।
पटिये पर बैठना। कंगाल हो जाना।

पटियो तोड़णूं।
पटिया तोड़ना। बैठे-बैठे खाना। कुछ कमाई न करना।

पटिया उखड़नूं।
पटिया उखड़ना। नष्ट हो जाना। कारोबार खतम हो जाना।

पटिया पऽ आवणूं।
पटिये पर आना। होश ठिकाने आ जाना। सुधर जाना। गलती समझ में आ जाना। ठीक हो जाना।

पड़ई देणूं।
पढ़ा या सिखा देना। सतर्क करना।

पड़ी जाणूं।
पड़ जाना। गिर पड़ना। लेट जाना।

पड़ता पऽ काम करनूं।
पड़ता पर काम करना। किसी की छुट्टी की एवज में काम करना।

पड़ताल करनूं।
पड़ताल करना। जाँच करना।

पड़ती की जमीन होणूं।
पड़ती की जमीन होना। अनुर्वर जमीन होना।

पड़ती छोड़णूं।
पड़ती छोड़ना। खेत का कोई एक हिस्सा ऐसे ही छोड़ देना, जिसमें कोई फसल आदि न बोना।

पड़ेल मिलणूं।
पड़ा हुआ मिलना। कहीं गिरी हुई चीज मिल जाना। बिना श्रम के मिलना।

पड़ेल बैल होणूं।
पड़ा बैल होना। सुस्त मरियल होना। कामचोर होना। काम में असमर्थ।

पड़ेल होणूं।
पड़ा होना। एक जगह पर बने रहना। उपयोग में रहना। बाकी रहना ।

पड़ाव डालनूं।
पड़ाव डालना। रहने लग जाना। डेरा डालना।

पड़ोसी बणनूं।
पड़ोसी बनना। पास में रहने आ जाना।

पढ़ी-पढ़ी नऽ न्हार मारनूं।
पढ़-पढ़कर शेर मारना। कम अक्ल होने पर भी पढ़ते रहना। ऊपर से फेल होते रहना। व्यंग्योक्ति।

पढ़णू-लिखणूं हंसी खेल नी होणूं।
पढ़ना-लिखना हँसी खेल नहीं होना। पढ़ने-लिखने में बुद्धि और प्रतिभा की जरूरत होती है।

पढ़ेल होणूं पण गुणेल नी होणूं।
पढ़े होना पर गुण न होना। पढ़ा-लिखा होने पर भी अविवेकशील होना।

पढ़ायेल पाठ खऽ वाचणूं।
पढ़े हुए पाठ को पढ़ना। रटे-रटाये शब्दों को बोलना। सिखाई हुई बात होना।

पढ़ी-पढ़ी नऽ घर भरनूं।
पढ़-पढ़कर घर भरना। कोई नया काम न करना। नाम ऊँचा न करना। विद्याध्ययन से कोई यश अर्जित न करना।

पढ़णऽ-लिखणऽ सी ग्यान आवणूं।
पढ़ने-लिखने से ज्ञान आना। शिक्षा यानी अक्षर ज्ञान से ही असली ज्ञान अर्जित किया जा सकता है।

पढ़्या पण गुण्या नी।
पढ़े पर गुने नहीं। अक्षर ज्ञान प्राप्त किया, लेकिन संज्ञान (विवेक) कुछ नहीं हुआ।

पढ्या-लिख्या ढोर होणूं।
पढ़े-लिखे जानवर होना। पढ़ने-लिखने के बाद भी अव्यवहारिक होना।

पढ्या-लिख्या गवार होणूं।
पढ़े-लिखे होकर मूर्खता करना। पढ़ने-लिखने की डिग्री होने के बावजूद मूर्खों जैसी बात करना।

पढ़ाई नी लिखाई ऊप्पर सी सफाई।
पढ़ाई न लिखाई ऊपर से सफाई। अनपढ़ होकर तर्क-वितर्क करना।

पढ़ाकू होणूं।
पढ़ाकू होना। खूब पढ़ने वाला होना। अध्ययनशील।

पणो पीणूं।
पना पीना। कच्ची केरी (आम) को उबालकर उसका रस बनाकर पीना।

प्रण करनूं।
प्रण करना। किसी बात को करने का दृढ़ संकल्प करना।

पत नी करनूं।
पत नहीं करना। किसी बात को नहीं मानना।

पत राखणूं।
पत रखना। इज्जत बचाना।

पत गंवाना खोणूं (उतारनूं)।
पत गंवाना, खोना, उतारना। बेईज्जत होना।

पत की वात करनूं।
पत की बात करना। सही या सच्ची बात करना। मानने योग्य बात कहना।

पतळो होणूं।
पतला होना। दुबला होना। कोई मामला अगम्भीर होना।

पतळो हाल होणूं।
पतले हाल होना। दस्त होना। नाजुक स्थिति होना।

पतवार हाथ मऽ होणूं।
पतवार हाथ में होना। सहारा देना। मार्गदर्शक होना। नैय्या पार लगाने वाला होना।

पतो चलनूं।
पता चलना। मालूम होना। समझ में आना।

पतो लगाणूं।
पता लगाना। जानकारी प्राप्त करना।

पता की वात करनूं।
पते की बात करना। बिल्कुल सटीक बात करना।

पताका फहराणूं।
पताका फहराना। झण्डा लहराना। अधिकार होना। विजयी होना।

पत्तो काटणूं (कटणूं)।
पत्ता काटना या कटना। एकदम अलग कर देना या हो जाना।

पत्तो खड़कणूं।
पत्ता खड़कना। आशंका होना। कुछ खुटका होना।

पत्तो नी खड़कणूं (हिलणूं)।
पत्ता नहीं खड़कना या हिलना। नीरवता होना। जरा भी हवा नहीं चलना। नि:शब्दता।

पत्ता खुलणूं।
पत्ता खुलना। रहस्य पता लगना या खुल जाना।

पत्थर फेकणूं।
पत्थर फेंकना। कठोर उत्तर देना।

पथ पऽ चलनूं।
पथ पर चलना। किसी पंथ/सम्प्रदाय/मत के सिद्धान्तों को मानना।

पथ जोहणूं।
पथ जोहना। राह या रास्ता देखना। प्रतीक्षा करना।

पथभ्रष्ट होना।
पथभ्रष्ट होना। गलत रास्ते पर चलना। अनुचित काम करना।

पथराव करनूं (होना)।
पथराव करना या होना। पत्थरों से मारना।

पथ पऽ पांय देणूं।
पथ पर पाँव देना। चलने के लिए पाँव बढ़ाना।

पथ को रोड़ो होणूं।
पथ का रोड़ा होना। मार्ग को रोकने वाला होना।

पथ बुहारनूं।
पथ बुहारना। मार्ग को रोकने वाला होना।

पथ बनानूं।
पथ बनाना। अपना नया मार्ग निर्माण करना।

पथ्य करनूं।
पथ्य करना। परहेज करना। खाने-पीने की चीजों में सावधानी रखना।

पथ मऽ ठोकर खाणूं।
पथ में ठोकर खाना। इधर-उधर मारे फिरना।

पद पाणूं।
पद पाना। कोई ओहदे पर पहुँचना।

पद की प्रतिष्ठा होणूं।
पद की प्रतिष्ठा होना। ओहदे के कारण सर्वत्र सम्मान होना।

पदचिन्ह बनणूं।
पदचिह्न बनना। पैरों के निशान बनना। स्मृतिचिह्न छोड़ जाना।

पदचिन्ह मिटणूं (मिटाणूं)।
पदचिह्न मिटना या मिटाना। पूरी तरह नष्ट होना। स्मृति शेष तक न रहना।

पद को धूळो माथा पऽ धरणूं।
पद रज सिर पर रखना। चरण छूकर सादर प्रणाम करना।

पधारी जाणूं।
पधार जाना या आ जाना। सम्मान के साथ प्रवेश करना।

पधारनऽ की किरपा करनूं।
पधारने की कृपा करना। आने की मेहरबानी करना।

पधारनऽ को धन्यवाद देणूं।
पधारने का धन्यवाद देना। आने का शुक्रिया करना। एहसानमन्द होना।

पन्नन आवणूं।
परिणय के लिए आना। विवाह करने आना।

पन्नायेल होणूं।
पन्नयेल होना। विवाहित होना।

पन्ना काळा करणूं।
पन्ने काले करना। फालतू में लिखते रहना। व्यर्थ की बातें लिखना।

पन्ना रंगणूं।
पन्ने रंगना। व्यर्थ लिखना।

पन्ना फाड़णूं।
पन्ने फाड़ना। कागज फाड़ देना। काम के कागज नष्ट कर देना।

पन्ना पऽ टीपी लेणूं।
पन्ने पर टीप लेना। एक अलग कागज पर अस्थाई रूप से यादगार के लिए लिख लेना।

पन्ना उलटणूं।
पन्ने उलटना। सरसरी तौर से देखना।

पना मांगणूं।
पनाह माँगना। शरण में आना या हार मानना। सुरक्षा चाहना। दुहाई देना। फरियाद करना।

पपड़ी निकळणूं।
पपड़ी निकलना। पतली तह का सूखकर निकलना। पुरानी बात होना।

प्रमाद होणूं।
प्रमाद होना। घमण्ड होना। पागल होना।

पयलऽ आवणूं।
पहले आना। प्रथम प्रवेश करना।

पयळऽ का।
पहले के। पूर्व के। पुराने या पुरातन।

पयलापयेल को।
पहले-पहल का। प्रथम शिशु होना। पहली बार होना।

पयलो धणी।
पहला धणी या पूर्व पति। पूर्व मालिक।

पंय्याल मऽ।
पाताल में। जमीन के नीचे पाताल लोक में। बहुत नीचे।

पयाण करनूं।
पयान करना। चल देना। कूच कर देना।

पयरो देणूं।
पहरा देना। रखवाली करना।

पयरा मऽ राखणूं।
पहरे में रखना या निगरानी में। बंधन में रखना।

पयलू गरम करनूं।
पयलू गरम करना। बगल में बैठना। समीप बैठना।

पयचाण होणूं।
पहचान होना। मेल-मुलाकात होना। पहचानना या जानना।

पयचाण खोणूं।
पहचान खोना। याददाश्त खो देना।

पर निकळई आवणूं।
पंख निकल आना। (व्यंग्योक्ति) अधिक समझदार हो जाना। घमण्ड आ जाना। चालाकी या चतुराई सूझना।

पर काटी देणूं।
पंख काट देना। असमर्थ। असहाय कर देना।

पर कटी जाणूं।
पंख कट जाना। निस्सहाय हो जाना। शक्ति का सहारा न होना। साहस या पहुँच समाप्त हो जाना।

परकट्टी होणूं।
परकट्टी होना। जिस महिला के बाल कटे हों।

पर बांधी देणूं।
पंख बाँध देना। वश में या अधिकार में कर लेना।

पर नी मारनूं।
पर नहीं मारना। किसी का प्रवेश तक न होना।

परिन्दा को पर नी मारनूं।
परिन्दे का पर न मारना। किसी का वहाँ आना-जाना न हो। सुनसान या एकान्त।

परदो डालणूं।
पर्दा डालना। छिपाना या नहीं करना। अवगुण या रहस्य छिपाना।

परदो पड़णूं।
पर्दा पड़ना। समझ में न आना। दिखाई न पड़ना।

परदो फास होणूं।
पर्दाफाश होना। भेद खुलना या रहस्य पता लगना।

परदा मऽ रयणूं।
पर्दे में रहना। छिपे रहना। बाहर न निकलना।

परदा का पीछऽ रयणूं।
पर्दे के पीछे रहना। किसी काली करतूत में हाथ होना।

परदो करनूं।
पर्दा करना। लिहाज करना। घूँघट करना। मर्यादा में रहना।

परदा की बात।
पर्दे की बात। जगजाहिर करने वाली बात नहीं। गोपनीय।

परदो उठणूं (हटणूं)।
पर्दा उठना या हटना। रहस्य खुलना।

परदो फाड़ी नऽ परगट होणूं।
पर्दा फाड़कर प्रकट होना। अचानक आ जाना।

परदा का माय।
पर्दे में। चुपचाप या भीतर।

परदो राखणूं।
पर्दा रखना। दुराव या छिपाव रखना। दूरी रखना।

परदा सी परहेज करनूं।
परदे से परहेज करना। घूँघट प्रथा अच्छी न लगना। किसी बात को छिपाना पसन्द नहीं।

परदा की आड़ सी सिकार करनूं।
पर्दे की ओट से शिकार करना। छिपकर किसी के विरुद्ध काम करना।

परदा का भीत्तर झाँकणूं।
पर्दे के भीतर झाँकना। रहस्य/भेद जानने की कोशिश करना।

परदा-परदा मऽ काम करनूं।
परदे-परदे में काम करना। गुप्त रूप से काम करना।

परदेस मऽ नाम कमावणूं।
परदेश में नाम कमाना। घर से बाहर अच्छे काम करना।

परम्परा निभावणूं।
परम्परा निभाना। बरसों से चली आ रही बातों को निभाना।

परखचा उड़णूं।
परखचे उड़ना। टुकड़े-टुकड़े होकर गिरना।

परचो होणूं।
परचा होना। किसी सन्त/ महापुरुष के चमत्कार की किंवदन्ती प्रचलित होना तथा उसका वाचिक या लिखित रूप मिलना।

पर जली जाणूं।
पर जल जाना। असहाय हो जाना। घबराना या डरना।

परछाई पड़णूं।
परछाईं पड़ना। प्रभाव होना। संगति का असर होना।

परछाई मिलणूं।
परछाई मिलना। पता लग जाना। हूबहू नकल होना।

परछाई सी डरनूं (भागणूं)।
परछाई से डरना या भागना। अपने ही रूप से डरना। घृणा करना या भयभीत होना।

परछण करनूं।
परछन करना। मण्डप में दूल्हे का परीक्षण करना।

परत उघाड़णूं।
परत उघाड़ना। एक-एक बुराई का खुलासा करना।

परती धरती होणूं।
परती भूमि होना। भूमि उपयोग में न आना।

परम गति खऽ प्राप्त होणूं।
परम गति को प्राप्त होना। मोक्ष प्राप्त करना। मृत्यु होना।

परम पद पावणूं।
परमपद पाना। स्वर्ण में जाना। मृत्यु होना।

परमधाम जाणूं।
परमधाम जाना। स्वर्गलोक में जाना। मृत्यु होना।

परमात्मा को मिलणूं।
परमात्मा का मिलना। ईश्वर की प्राप्ति या दर्शन होना।

परमेसर का दरसण होणूं।
परमेश्वर के दर्शन होना। ईश्वर से साक्षात्कार होना।

पर मारनूं।
पर मारना। प्रयत्न करना। साहस करना। उद्योग करना।

परला दरजा को होणूं।
परले दरजे का होना। अधिक बुरा, नीच या दुष्ट होना।

परला पार जाणूं।
परले पार जाना। उस किनारे जाना। सफलता या पूर्णता पाना। मुक्त होना।

परलोकवासी होणूं।
परलोकवासी होना। स्वर्गवास होना।

परलोक सिधारनूं।
परलोक सिधारना। स्वर्गवासी होना।

परलोक सुधारनूं।
परलोक सुधारना। अच्छे कर्म करना।

परवान चढ़णूं।
परवान चढ़ना। उन्नति करना।

परहेज करनूं (राखणूं)।
परहेज करना या रखना। अलग या दूर रहना। खाने-पीने में स्वास्थ्य का ध्यान रखना।

पराकाष्ठा हुई जाणूं।
पराकाष्ठा हो जाना। किसी भी चीज की अति हो जाना। अधिक बुराई या भलाई प्राप्त करना।

परायो होणूं।
पराया होना। अपनेपन से दूर जाना। घनिष्टता का व्यवहार न करना।

पराया को मुंडो ताकणूं।

परायों के मुँह ताकना। दूसरों से सहृदयता की अपेक्षा करना।

पराया घर जाणूं।
पराये घर जाना। दूसरे घर विवाह होकर जाना।

पराई होणूं।
पराई होना। लड़की का विवाह कर दूसरे घर जाना।

पराया का हाथ होणूं।
पराये के हाथ होना। विवश होना। स्वतंत्रता का न होना। दूसरों की मर्जी अनुसार चलना।

परीक्षा लेणूं।
परीक्षा लेना। आजमाना या जाँचना या परखना।

परोसी थाली मुंडा का सामनऽ सी खैंची लेणूं।
परोसी थाली मुँह के सामने से खींच लेना। सहज मिलती चीज को निर्ममता से हटा लेना। दुख देना। भूखे रखना। अपमान करना। दुर्भाग्य होना।

परवत खऽ राई गिणनूं।
पर्वत को राई गिनना। बड़े को छोटा समझना या मानना। मुश्किल काम को आसान समझना।

परवाय नी करनूं।
परवाह न करना। तवज्जो या ध्यान न देना। अपमानित करना।

परवानो होणूं।
परवाना होना। जान देने को तैयार रहना। न्यौछावर होना।

परायो समझणूं।
पराया समझना। भेदभाव करना। अपनत्व न होना।

परे रयणूं।
परे रहना। दूर या अलग रहना।

परे बठाड़णूं।
परे बिठाना। दूर बैठाना। घृणा करना। अपने बराबर/योग्य न समझना।

पराया माल पऽ डोळा लगावणूं।
पराये माल पर आँखें लगाना। दूसरे की सम्पत्ति पर नजर रखना। हड़पने की कोशिश करना।

पलक झपकणूं।
पलक झपकना। कुछ क्षण सो जाना। एक क्षण। डर जाना।

पलक झपकतऽ।
पलक झपकते। क्षण भर में या थोड़ी देर में।

पलक पावड़ा बिछावणूं।
पलक पावड़े बिछाना। खूब आवभगत करना। प्रेम से आदर या स्वागत करना। मार्ग में टकटकी लगाकर देखना।

पळ भर मऽ।
पल भर में। कुछ क्षण में।

पलटी जाणूं।
पलट जाना। बात से मुकर जाना। बदल जाना।

पलटी खाणूं।
पलटी खाना। इनकार करना। कहकर बदल जाना। नीचे-ऊपर होना।

पल्लो झाड़णूं।
पल्ला झाड़ना। काम से अलग हो जाना।

पल्लो छोड़ावणूं।
पल्ला छुड़ाना। छुटकारा पाना।

पल्लो पकड़णूं।
पल्ला पकड़ना। सहारा लेना, रोक लेना।

पल्लो पसारणूं।
पल्ला पसारना। हाथ फैलाना या माँगना। प्रार्थना करना।

पल्ला पड़णूं।
पल्ला पड़ना। हाथ लगना। समझ में आना। हिस्से में आना।

पल-पल की खबर राखणूं।
पल-पल की खबर रखना। हर गतिविधि की जानकारी रखना।

पलक नऽ मूंदणूं।
पलकें मूंदना। मृत्यु होना। नींद के कारण जबरन पलकें बन्द होना।

पलक बिछावणूं।
पलक बिछाना। दिल से स्वागत करना।

पलक लगणूं।
पलक लगना। नींद आना।

पलक भारी होणूं।
पलक भारी होना। नींद आना।

पलकनऽ पऽ बिठाणूं।
पलकों पर बिठाना। आत्मीय सम्मान देना। मन में बसाना।

पलड़ो भारी होणूं।
पलड़ा भारी होना। प्रभाव अधिक होना।

पल युग की तहर बीतणूं (कटणूं)।
पल युग की तरह बीतना। कटना या बहुत कष्टप्रद समय बीतना। भय होना।

पलीतो लगावणूं।
पलीता लगाना। झगड़ा करवाना।

पवन को चलणूं।
पवन का चलना। हवा गति से चलना।

पसोपेश मऽ रयणूं।
पसोपेश में रहना। असमंजस में रहना।

पसली ढीली होणूं।
पसली ढीली होना। मार खा-खाकर पस्त होना।

पसीनों छूटणूं।
पसीना आना। घबरा जाना।

प

पसीना की कमाई करनूं।
पसीना की कमाई करना। परिश्रम से धन कमाना।

पहिचान करनूं।
पहिचान करना। अपने को पहचानना।

पहरो लगणूं
पहरो लगना। निगरानी रखना।

पहरा मऽ होणूं।
पहरे में होना। हिरासत में होना। नजरबंद होना।

पहल करनूं।
पहल करना। किसी काम की शुरूआत करना।

पहाड़ उठाणूं।
पहाड़ उठाना। बड़े-बड़े काम करना।

पहाड़ जसो दिन होणूं।
पहाड़ जैसा दिन होना। बहुत लम्बा दिन हो जाना।

पहाड़ खड़ो करनूं।
पहाड़ खड़ा करना। विशाल रूप उपस्थित करना। रूकावट पैदा करना।

पहाड़ टूटणूं।
पहाड़ टूटना। अचानक कोई आपत्ति आना।

पहाड़ सी टकराई जाणूं।
पहाड़ से टकरा जाना। अपने से भारी से मुकाबला करना।

पहाड़ हिलई देणूं।
पहाड़ हिला देना। बड़े-बड़ों से टकरा जाना और उन्हें पस्त कर देना।

पहाड़ काटणूं।
पहाड़ काटना। मुश्किल काम करना।

पहाड़ खोदयो निकळयो चूहो।
पहाड़ खोदा निकला चूहा। बहुत मेहनत करके थोड़ा लाभ मिलना।

पहाड़ो पढ़नूं।
पहाड़ा पड़ना। किसी बात को बार-बार पढ़ना।

पहुँचो पकड़णूं।
पहुँचा पकड़ना। जबरदस्ती करना।

पहेली बुझाणूं।
पहेली बुझाना। सीधी बात को घूमा फिराकर कहना।

पाक साफ होणूं।
पाक साफ होना। किसी लफड़े या झगड़े में न होना।

पाको पान होणूं।
पक्का पान होना। अत्यधिक उम्र होना या बुजुर्ग।

पाको फोड़ो जसो होणूं।
पके फोड़े जैसा होना। बहुत दुखी होना। जरा हाथ लगाये तो फूट पना।

पगड़ी की लाज राखणूं।
पगड़ी की लाज रखना। अपमानजनक काम न करना।

पागड़ी नीची होणूं।
पगड़ी नीची होना। बेइज्जत या बदनामी होना।

पागड़ी बदलनूं।
पगड़ी बदलना। मित्र बनना।

पाग संवारनूं।
पाग संवारना। पगड़ी ठीक से बाँधना।

पागल हुई जाणूं।
पागल हो जाना। किसी चीज के पीछे दिवाना हो जाना। भले-बुरे को न समझना।

पगड़ी संभालणूं।
पगड़ी सँभालना। सम्मान की रक्षा करना।

पागड़ी बांधणूं।
पगड़ी बाँधना। सम्मान करना।

पांचई अंगळई नऽ बराबर नी होणूं।
पाँचो ऊँगलियाँ बराबर न होना। सब एक से नहीं होना।

पांचई ऊंगली नऽ घी मऽ होणूं।
पाँचों ऊँगलियाँ घी में होना। बहुत लाभ और आनंद की स्थिति में होना। हर तरह से सुखी होना।

पांव धोई नऽ पीणूं।
पांव धोकर पीना। बहुत आदर करना।

पांव पऽ खड़ो होणूं।
पाँव पर खड़े होना। अपने बूते पर कमाना।

पांव धरनूं।
पाँव धरना। प्रवेश करना या आना।

पांव दबाणूं।
पाँव दबाना। सेवा करना।

पांव दबणूं।
पाँव दबाना। ऋणी होना।

पांव नी उठणूं।
पाँव नहीं उठना। आगे चलने की स्थिति में न होना।

पांव नी देणूं।
पाँव न देना। भूलकर वहाँ न जाना। विरोध जताना।

पांव नी धुलवाणूं।
पाँव न धुलवाना। सेवा के योग्य न मानना।

पांव का नीच्च की जमीन खिसकी जाणूं।
पाँव के नीचे की जमीन खिसक जाना। ठगा सा रह जाना। कोई विस्मित कर देने वाली घटना का हो जाना। आश्चर्यचकित रह जाना।

पांव पड़णूं।
पाँव पड़ना। प्रणाम करना। खुशामद करना। प्रार्थना करना।

पांव पकड़णूं।
पाँव पकड़ना। शरण में आना।

पांव पऽ पत्थर लेणूं।
पाँव पर पत्थर लेना। मुसीबत मोल लेना।

पांव पत्थर होणूं।
पाँव पत्थर होना। पैर भारी-भारी हो जाना। दु:ख या बीमारी के मारे चल न पाना। कहीं न जाना या जाने योग्य न होना।

पांव पीछऽ नी रखणूं (पीछऽ नी हटाणूं)।
पाँव पीछे न रखना या पीछे न हटाना। किसी काम को करने से मना न करना।

पांव रखणूं (फैलाणूं)।
पाँव रखना या फैलाना। अधिकार कर लेना। अतिक्रमण करना।

पांव पऽ पांव धरी नऽ बठणूं।
पाँव पर पाँव रखकर बैठना। निश्चिंत होना। लापरवाह होना।

पांव-पांव चलणूं।
पाँव-पाँव चलना। पैदल चलना। अपने बलबूते पर चलना।

पांव पूजणूं।
पाँव पूजना। पैर की पूजा करना। दामाद बनाना।

पांव फिसलणूं।
पैर फिसलना। आचरण भ्रष्ट होना। गलती करना।

पांव फैलई नऽ सोवणूं।
पैर फैलाकर सोना। अधिक निश्चिन्तता से सोना। बेफिक्र होकर सोना। लम्बे चौड़े सोना।

पांव फूँकी फूँकी नऽ धरनूं (चलणूं)।
पाँव फूँक-फूँककर रखना या चलना। सँभलकर चलना।

पांव भरई जाणूं।
पाँव भर जाना। थक जाना। पैर दुखना।

पांव भारी होणूं।
पाँव भारी होना। गर्भवती होना।

पांव फैलाणूं।
पाँव फैलाना। और अधिक पाने की कोशिश करना या इच्छा होना।

पांव मण-मण भर का होणूं।
पांव मन-मन भरके होना। लज्जा या भय के कारण आगे न बढ़ना। अति दुख होना, अवसाद होना।

पांव मऽ काटो गड़णूं (चुभणूं)।
पाँव में काटा गड़ना या चुभना। मुसीबत में फँसना।

पांव मऽ चक्कर होणूं।
पैर में चक्कर होना। घूमते ही रहना। एक जगह नहीं टिकना।

पांव धरनऽ की जगा नी होणूं।
पैर रखने की जगह न होना। अत्यधिक भीड़ होना। हुजूम इकट्ठा होना।

पाँव टिकणऽ की जगा नी होणूं।
पैर टिकाने की जगह न होना। रहने का स्थान या घर द्वार न होना।

पांव घिसणूं।
पाँव घिसना। अधिक मेहनत करना। अधिक दिन जीना।

पांव घिसी-घिसी नऽ मरनूं।
पाँव घिस-घिसकर मरना। लम्बी आयु और लम्बी बीमारी के कारण धीरे-धीरे मरना। कष्टपूर्ण जिन्दगी होना।

पांव रोकणूं।
पाँव रोकना। आगे बढ़ने से अपने आपको रोक लेना। आगे काम न करना।

पांव लगणूं।
पैर लगना। बच्चे का पहली बार पैरों से चलना। वस्तु गायब होना। पैर छूकर प्रणाम करना।

पांव लड़खड़ाणूं।
पाँव लड़खड़ाना। कमजोरी आना। चलने से लाचार होना। मजबूरी में काम अधूरा छोड़ना।

पांव सिमटणूं (सिकोड़णूं)।
पाँव सिमटना या सिकोड़ना। सम्बन्ध या घनिष्ठता कम कर देना। काम में रुचि लेना कम कर देना।

पांव सहलाणूं।
पाँव सहलाना। सेवा करना। सम्मान देना।

पांव सोई जाणूं।
पाँव सो जाना। पैर सोना या झुनझुनी आना।

पांव हिलाणूं (डुलाणूं)।
पाँव हिलाना-डुलाना या चलना-फिरना या गतिशील होना।

पांव का नीच्ची रौंदणूं।
पाँव के नीचे रौंदना। कुचल देना या दबा देना। नष्ट करना।

पांव का नीच्च राखणूं।
पाँव के नीचे रखना। दबाकर रखना। वश में रखना।

पांव नऽ मऽ माथो रखणूं।
पाँवों पर माथा रखना। श्रद्धा प्रकट करना। अधीनता स्वीकार करना।

पांव नऽ पऽ लोटणूं।
पैरों में लोटना। शरणागत होना। श्रद्धा प्रकट करना। अधीन होना।

पांव गोर मऽ लटकणूं।
पैर गौर में लटकना। मरने के सन्निकट होना।

पांव की मयंदी घिसई जाणूं।
पैर की मेहंदी घिसा जाना। (व्यंग्योक्ति) कहीं आना-जाना नहीं।

पांव धरती पऽ नी पड़णूं।
पाँव धरती पर पड़ना। घमण्ड करना। खुशी से उछलना।

पांव नऽ मऽ बेड़ी पड़णूं।
पाँवों में बेड़ी पड़ना। बंधन में होना। विवाहित होना।

पांव नऽ पऽ खड़ो होणूं।
पाँवों पर खड़ा होना। स्वाबलम्बी होना।

पांव नऽ मऽ पागड़ी रखणूं।
पाँवों में पगड़ी रखना। दीनभाव दिखाना। मिन्नत करना। खुशामद करना।

प

पासो पलटणूं।
पासा पलटना। विपरीत परिणाम होना।

पाई-पाई को हिसाब देणूं।
पाई-पाई का हिसाब देना। खर्च का पूरा-पूरा हिसाब देना।

पाई-पाई चुकाणो।
पाई-पाई चुकाना। पूरा कर्ज लौटाना।

पाक दामन होणूं।
पाक दामन होना। निष्कलंक होना।

पाक साफ होणूं।
पाक साफ होना। भला ईमानदार होना।

पाकेटमार होणूं।
पाकेटमार होना। जेबकट होना।

पाखण्ड फैलाणूं।
पाखण्ड फैलाना। ढोंग या दिखावा करना।

पाखानो निकलई जाणूं।
पाखाना निकल जाना। भयभीत हो जाना। डर के मारे कपड़े खराब हो जाना।

पागल होणूं।
पागल होना। विक्षिप्त होना।

पाजामा सी भायर होणूं।
पायजामे से बाहर होना। शीघ्र ताव या गुस्से में आ जाना।

पाटी देणूं।
पाट देना। झर देना या बराबर कर देना। समतल कर देना।

पाटी पढ़ाणूं।
पाटी पढ़ाना या सिखाना। पढ़ाई की शुरुआत करना।

पाठ पढ़ाणूं।
पाठ पढ़ाना। बहकाना या सिखाना।

पाणिग्रहण करनूं।
पाणिग्रहण करना। विवाह करना।

पाताल तक की खबर राखणूं।
पाताल तक की खबर रखना। गहरे रहस्य को जानना।

पान की तरह फेरनूं।
पान की तरह फेरना। बहुत सेवा करना।

पान देणूं।
पान देना। सम्मान करना। वचनबद्ध होना।

पान पत्ता खिलावणूं।
पान पत्ते खिलाना। सामान्य शिष्टाचार होना।

पान फूल करनूं।
पान फूल करना। सामान्य सम्मान करना।

पान फूल सो होणूं।
पान फूल सा होना। कोमल नाजुक होना।

पानी उतरनूं।
पानी उतरना। लज्जा न रहना। आदर न रहना। चमक समाप्त होना।

पानी उतारना।
पानी उतारना। अपमानित करना।

पानी-पानी होणूं।
पानी-पानी होना। द्रवित होना। लज्जित होना।

पानी की तरह बहाणूं।
पानी की तरह बहाना। व्यर्थ खर्च करना। सस्ता देना।

पानी की तरह साफ होणूं।
पानी की तरह साफ होना। स्पष्ट होना।

पाणी की लकीर होणूं।
पानी की लकीर होना। क्षणिक या अस्थायी कार्य होना।

पानी की लहर नऽ गिणनूं।
पानी की लहरें गिनना। व्यर्थ या असम्भव कार्य करना।

पाणी का मोल जाणूं।
पानी के मोल जाना। बिल्कुल सस्ते में जाना या कोई खास कीमत न होना।

पाणी का रेला मऽ बई जाणूं।
पानी के रेले में बह जाना। समय के प्रभाव में आ जाना। प्रभावी के साथ हो जाना।

पाणी को भी नी पूछणूं।
पानी को भी नहीं पूछना। आदर सत्कार न करना।

पाणी खुलणूं।
पानी खुलना। वर्षा बन्द होना। आसमान साफ होना।

पाणी चढ़णूं।
पानी चढ़ना। चमक आना, बाढ़ आना, सुन्दरता बढ़ना। कई मंजिल तक पानी चढ़ना।

पाणी लगणूं।
पानी लगना। अच्छा स्वास्थ्य होना। निखार आना।

पानी पड़णूं।
पानी पड़ना। बरसात होना। शर्म से गड़ जाना।

पानी नी मांगणूं।
पानी नहीं माँगना। तुरन्त मौत हो जाना।

पाणी बी नी पीणूं।
पानी भी नहीं पीना। कोई सम्बन्ध न रखना।

पाणी चली जाणूं।
पानी चला जाना। प्रतिष्ठा चला जाना। चमक खत्म होना।

पाणी छोड़णूं।
पानी छोड़ना। त्याग देना। त्याग का संकल्प लेना। सम्बन्ध विच्छेद करना।

पाणीदार होणूं।
पानीदार होना। स्वाभिमानी होना। तेज स्वभाव का होना।

पाणी पिलई देणूं।
पानी पिला देना। छकाकर हरा देना।

पाणी पिलानऽ वाळो बी नी होणूं।
पानी पिलाने वाला तक न होना। एक भी वंशज न होना।

पानी दिखाणूं।
पानी दिखाना। मवेशियों को पानी पिलाने ले जाना।

पानी देवा न नाम लेवा होणूं।
पानी देने वाला, न नाम लेने वाला होना। वंश समाप्त होना। सन्तानहीन होना।

पाणी पी नऽ जात पूछणूं।
पानी पीकर जाति पूछना। बिना सोचे काम करके पछताना।

पाणी पी-पी नऽ कोसणूं।
पानी पी-पीकर कोसना। हर समय या लम्बे समय तक भला-बुरा कहना। गालियाँ देना।

पाणी फिरी जाणूं।
पानी फिर जाना। किया धरा सब नष्ट या समाप्त हो जाना। हानि हो जाना।

पाणी बदली जाणूं।
पानी बदल जाना। स्वास्थ्य पर असर होना।

पानी वाळणूं (बांधणूं)।
पानी वालना या बाँधना। मेढ़/बांध/क्यारी बनाकर पानी के बहाव को रोकना या बदलना।

पाणी भरनूं।
पानी भरना। बेजोड़ होना। तुलना में हीन होना।

पाणी मरनूं।
पानी मरना। निर्लज्ज होना। चमक चली जाना। स्वाभिमान चला जाना। पानी का दीवार में शोषित होना।

पाणी मऽ आग लगणूं।
पानी में आग लगना। अनहोनी या असम्भव बात होना। शान्त व्यक्ति को क्रोध आना।

पानी मऽ लोण सरीखो धुलनूं।
पानी में नमक सरीखा घुलना। पूरी तरह घुल मिल जाना। एकमेक होना।

पानी मऽ रई नऽ मग्गर सी बैर करनूं।
पानी में रहकर मगर से बैर करना। पास के ही किसी शक्तिशाली व्यक्ति से दुश्मनी करना।

पानी सिर सी ऊँचो होणूं।
पानी सिर से ऊपर होना। स्थिति काबू में न रहना।

पाणी सी पतलो होणूं।
पानी से पतला होना। बहुत हल्का होना। ज्ञान पानी से पतला होता है।

पानी मतरनूं।
पानी मतरना। पानी को अभिमंत्रित करना।

पानी पऽ लकीर खैंचणूं।
पानी पर लकीर खींचना। तत्काल नष्ट होने वाला कार्य करना। अस्थाई काम करना।

पानी मऽ प्यासो मरनूं।
पानी में प्यासा रहना। साधन होते हुए भी उसका लाभ न ले पाना।

पाणी की कमाई पाणी मऽ जाणूं।
पानी की कमाई पानी में जाना। पाप का कमाया धन नष्ट हो जाना। अवैध कमाना।

पाप कटणूं (काटणूं)।
पाप कटना या काटना। बुराई नष्ट होना। पाप काटना। झगड़ा दूर होना।

पाप को घड़ो भरनूं।
पाप का घड़ा भरना। बहुत-सा पाप इकट्ठा होना। अनाचार की पराकाष्ठा होना।

पाप को घड़ो फूटणूं।
पाप का घड़ा फूटना। बुरे कर्मों का फल मिलना।

पाप की गठड़ी उठावणूं।
पाप की गठरी उठाना। बहुत से पाप इकट्ठे हो जाना। पापी होना।

पाप धोवणूं।
पाप धोना। पुण्य कर्म से पाप के प्रभाव को कम करना।

पाप उदय होणूं।
पाप उदय होना। संचित पापों का फलना। पिछले जन्मों में किये गये बुरे कर्मों का फल मिलना।

पाप लगणूं।
पाप लगना। दोष लगना। बुराई से प्रभावित होना।

पाप चढ़णूं।
पाप चढ़ना। दुष्कर्म का प्रभाव होना।

पाप गळणूं।
पाप गलना। दुष्कर्म समाप्त होना।

पाप पड़नूं।
पाप पड़ना। दोष लगना। बुराई से प्रभावित होना।

पापड़ बेलणूं।
पापड़ बेलना। बहुत तरह के काम कर चुकना। बड़ी मेहनत करना।

पाबन्दी लगावणूं।
पाबन्दी लगाना। रोकना या मना करना। प्रतिबन्ध लगाना।

पायो मजबूत होणूं।
पाया मजबूत होना। स्थिति सुदृढ़ होना।

पायो भारी होणूं।
पाया भारी होना। स्थिति दृढ़ होना।

पायजामे सी भायर होणूं।
पायजामे से बाहर होना। आपे से बाहर होना। बहुत बिगड़ जाना।

पायजामा मऽ रयणूं।
पायजामे में रहना। मर्यादा में रहना। सीमा से बाहर न जाना।

पायो कमजोर होणूं।
पाया कमजोर होना। शरीर का गठन कमजोर होना।

पायो हिली जाणूं।
पायो हिल जाना। नींव कमजोर होना।

पारंगत होणूं।
पारंगत होना। हर विषय में निष्णात होना।

पार लगणू (लगाणूं)।
पार लगना या लगाना। काम ठीक से पूरा हो जाना या करना। नदी के दूसरे तट पर पहुँचना। सफल होना।

पारो चढ़णूं।
पारा चढ़ना। गरमी बढ़ना। क्रोध आना।

पारो उतरनूं।
पारा उतरना। गरमी कम होना। क्रोध शान्त होना।

पारो गरम होणूं।
पारा गर्म होना। क्रोध होना।

पारो पिलाणूं।
पारा पिलाना। किसी वस्तु को पारे से भारी कर देना। गले की आवाज बिगाड़ने के लिये पारा पिलाया जाता है।

पारायण करनूं।
पारायण करना। धर्मग्रन्थ का शुरू से अन्त तक पाठ करना।

पारावार नी होणूं।
पारावार न होना। जिसकी कोई सीमा न होना। असीम। अधिकता होना।

पालथी मारी नऽ बठणूं।
पालथी मारकर बैठना। कुछ न करना। बेकार बैठे रहना।

पालकी मऽ बठणूं।
पालकी में बैठना। विदाई होना। डोली उठना। छोटे बच्चों की खटोली में बैठना।

पालो मारी जाणूं।
पाला मार जाना। जाड़े के कारण पेड़-पौधे नष्ट होना। कुछ भी न करने की स्थिति होना।

पालो पड़नूं।
पाला पड़ना। वास्ता या सम्बन्ध होना। निराश या दु:खी होना। बर्फ गिरना।

पाले पड़नूं।
पाले पड़ना। वास्ता होना। अधिकार होना।

पाली पोसी नऽ बड़ो करनूं।

पाल-पोसकर बड़ा करना। परवरिश करना। योग्य बनाना।

पाळी राखणूं।
पाल रखना। किसी अवांछित व्यक्ति को प्रश्रय देना। साथ रखना।

पाळो जीतणूं।
पाला जीतना। पक्ष जीतना।

पाळ बांधणूं।
पाल बाँधना। उम्मीद करना। आशा लगाये रखना।

पालन-पोषण करनूं।
पालन-पोषण करना। परवरिश करना।

पाळणा मऽ झूलणूं।
पालने में झूलना। ऐश आराम से जीना।

पाळणा मऽ झुलाणूं।
पालने में झुलाना। खूब सुख-सुविधाएँ देना।

पाळदार नाव होणूं।
पालदार नाव होना। कपड़े के सहारे चलने वाली नाव होना।

पाळो खवाड़णूं।
पाला खिलाना। बकरी तथा अन्य मवेशियों को पत्तियाँ खिलाना।

पाल न्हाखणूं।
पाल डालना। कच्चे आमों को घास में पकाने के लिए रखना।

पाल खोलणूं।
पाल खोलना। पकने पर पाल से पके आम निकालना।

पासंग बरोबर बी नी होणूं।
पासंग बराबर भी नहीं होना। तुलना में जरा भी नहीं उतरना। तुलना न होना।

पासंग करनूं।
पासंग करना। दोनों पलड़े बराबर करना।

पासंग मऽ हाथी तुलनूं।
पासंग में हाथी तुलना। अत्यधिक धनवान होना।

पासंग भी नी होणूं।
पासंग भी नहीं होना। तुलना में कहीं नहीं लगना। बराबर नहीं होना।

पास करनूं।
पास करना। उत्तीर्ण कर देना। 'पास' अंग्रेज़ी शब्द है, जिसे निमाड़ी में आत्मसात् कर लिया है।

पास करी देणूं।
पास कर देना। बड़ी मुश्किल से उत्तीर्ण कर देना। जाने की अनुमति दे देना।

पास कईं नऽ कईं होणूं।
पास में कुछ न कुछ होना। कुछ न कुछ निजी सम्पत्ति होना।

पास बठणूं।
पास या समीप बैठना। संगति/सम्मति में रहना।

पास नी फटकणूं।
पास नहीं फटकना। सम्बन्ध न रखना। सम्बन्ध रखने से रोकना।

पासो उलटो पड़णूं।
पासा उल्टा पड़ना। भाग्य साथ न देना।

पासो सीधो पड़णूं।
पासा सीधा पड़ना। भाग्य का साथ देना। अनुकूल समय आना। सफलता मिलना।

पासो फेंकणूं।
पासा फेंकना। दांव खेलना। भाग्य की परीक्षा करना।

पास-पास रयणूं।
पास-पास रहना। एक-दूसरे के नजदीक रहना।

पिंजरा को पंछी होणूं।
पिंजरे का पक्षी होना। कैद में होना। परतंत्र होना। कष्ट सहना।

पिंजरा मऽ रयणूं।
पिंजरे में रहना। कैद में रहना। बंधन में रहना।

पिंजरो तोड़ी नऽ निकळई जाणूं।
पिंजरा तोड़कर निकल जाना। अपने प्रयासों से स्वतंत्र हो जाना। गुलामी की जंजीरें तोड़ देना।

पिंडदान करनूं।
पिंडदान करना। श्राद्धकर्म करना। तर्पण करना।

पिंड देणूं।
पिंड देना। तर्पण करना। श्राद्धकर्म करना।

पिंड छूटणूं।
पिंड छूटना। छुटकारा पाना।

पिंड छुड़ावणूं।
पिंड छुड़ाना। अनचाहे व्यक्ति या स्थिति से छुटकारा पाने का यत्न करना।

पिछलग्गू होणूं।
पिछलग्गू होना। पीछे-पीछे चलने वाला। अनुकरण करने वाला। सेवक होना।

पिछलो रोटो खाणूं।
पिछली रोटी खाना। समयानुकूल न सूझना या होना।

पिछला दरवज्जा सी निकळई जाणूं।
पिछले दरवाजे से निकल जाना। स्थिति का सामना न करना। चुपचाप पीछे से भाग जाना।

पिछला दरवज्जा सी घुसणूं।
पिछले दरवाजे से प्रवेश करना। मन में भय होना। चोरी-चोरी आना। अवैध तरीके से कुछ काम करना।

पित्त उछलणूं।
पित्त उछलना। उल्टी होना। क्रोधित होना।

पी जाणूं।
पी जाना। चुपचाप सहन कर जाना। प्रकट न होने देना।

पीछो करनूं।
पीछा करना। किसी को पकड़ने के लिए पीछे-पीछे चलना।

पीछो छूटणूं।
पीछा छूटना। किसी काम या बात से छुटकारा पाना।

पीछऽ पड़णूं।
पीछे पड़ना। जबरर्दस्ती किसी को परेशान करना। पीछे लग जाना। बार-बार कहना।

पीछऽ चलनूं।
पीछे चलना। अनुयायी होना। बात मानने वाला होना।

पीछऽ छूटणं (रयणूं)।
पीछे छूट जाना या रहना। हारना या समानता न कर पाना।

पीछऽ फिरनूं।
पीछे फिरना। वापस होना। वचन भंग करना।

पीछऽ हटणूं।
पीछे हटना। किसी काम से अलग होना। हार मानना। असफलता स्वीकार करना।

पीछऽ पछताणूं।
पीछे पछताना। कोई काम करके पश्चाताप करना।

पीछऽ की वात याद नी करनूं।
पीछे की बात याद नहीं करना। पिछली घटनाओं को भूल जाना।

पीछऽ की छोड़, आगऽ की सोच।
पीछे की छोड़, आगे की सोच। अतीत को भूल जाना, भविष्य की सोचना।

पीछऽ नी देखणूं, आगऽ देखणूं।
पीछे नहीं देखना, आगे देखना। पुरानी बातों को याद न करना, आगे भविष्य के बारे में सोचना।

पीछऽ-पीछऽ दौड़णूं।
पीछे-पीछे दौड़ना। किसी के जाने के बाद तुरन्त भेजना।

पीछऽ लगऽ आवणूं।

पीछे लगे आना। किसी के जाने के बाद तुरन्त आ जाना।

पी जाणूं।
पी जाना। उत्तर न देना। दुःख को व्यक्त न करना। रिश्वत लेना।

पीटी देणूं।
पीट देना। मारपीट कर देना।

पीठ उधेड़ी देणूं।
पीठ उधेड़ देना। बहुत मारना।

पीठ करनूं।
पीठ करना। मुँह मोड़ना। काम के प्रति रुचि न दिखाना।

पीठ दिखाणूं।
पीठ दिखाना। हार कर भागना।

पीठ ठोकणूं।
पीठ ठोकना। शाबाशी देना। बढ़ावा देना।

पीठ थपथपाणूं।
पीठ ठोकना। शाबाशी देना। बढ़ावा देना।

पीठ पऽ बठणूं।
पीठ पर बैठना या लदना। सहायक या समर्थक होना।

पीठ करी न बठणूं।
पीठ करके बैठना। मुँह मोड़कर बैठना। विरोध करना।

पीठ का बल लेटणूं।
पीठ के बल लेटना। चित्त लेटना। आराम की मुद्रा में लेटना।

पीठ फेरनूं।
पीठ फेरना। वापस लौटना। प्रतिकूल होना।

पीठ मऽ छुरो भोकणूं।
पीठ में छुरा मारना। विश्वासघात करना।

पीठ पीछऽ कईं करनूं।
पीठ पीछे कुछ करना। परोक्ष या अनुपस्थिति में करना।

पीठ जमीन सी लगणूं।
पीठ जमीन से लगना। पराजित होना या हारना।

पीठ सीधी करनूं।
पीठ सीधी करना। आराम करना या सुस्ताना।

पीठ पऽ हाथ होणूं।
पीठ पर हाथ होना। पीछे सहारा होना। आशीर्वाद होना।

पीठ पऽ हाथ फेरनूं।
पीठ पर हाथ फेरना। स्नेह या दुलार देना। शाबासी देना।

पीठ पऽ सवार होणूं।
पीठ पर सवार होना। हमेशा साथ लगे रहना।

पीठ पऽ थपकी देणूं।
पीठ पर थपकी देना। स्नेह प्रदर्शित करना।

पीठ पऽ चाबुक मारनूं (होणूं)।
पीठ पर चाबुक मारना या होना। पीठ पर चाबुक की मार के निशान बनना। मार का डर होना।

पीपल का पत्ता सईं कांपणूं।
पीपल के पत्ते के समान काँपना। अत्यधिक भयभीत होना।

पीसई जाणूं।
पीसा जाना। कष्ट में आ जाना। कष्ट पाना।

पुकार करनूं।
पुकार करना। बुलावा देना।

पुकार आवणूं।
पुकार आना। बुलावा आना। मृत्यु आना। मरने के निकट आना।

पुकार मचाणूं।
पुकार मचाना। घबरा कर बुलाना।

पुचकारनूं।
पुचकारना। झूठ-मूठ बहलाना। प्यार करना। माथे पर हाथ फेरना। शान्ति देना।

पुजाणे चढ़ावणूं।
पुजापा चढ़ाना। पूजा की सामग्री स्वयं हाथों से चढ़ाना।

पुट्ठा नऽ पऽ हाथ नी धरनऽ देणूं।
पुट्ठो पर हाथ न रखने देना। छूने न देना। कोई काम करने के लिये जरा राजी न होना।

पुतलई नऽ फिरी जाणूं।
पुतलियाँ फिर जाना। कमजोरी या बीमारी से आँखों में अँधेरा छाना। घमण्ड करना।

पुरखा तरी जाणूं।
पुरखे तर जाना। पूर्वजों का उद्धार हो जाना। उत्तम गति प्राप्त होना। कृतकृत्य होना।

पुरजा -पुरजा होणूं।
पुरजा-पुरजा होना। टुकड़े-टुकड़े होना।

पुरानी लकीर पीटणूं।
पुरानी लकीर पीटना। पुरानी बातों पर चलना। अन्ध भक्त होना।

पुराणो खुर्राट आदमी होणूं।
पुराना खुर्राट आदमी होना। अनुभवी व्यक्ति होना।

पुराणो घाघ होणूं।
पुराना घाघ होना। चालाक बुड्ढा।

पुल बांधणूं।
पुल बाँधना। बढ़ा-चढ़ाकर बात कहना।

पूँछ पकड़ी नऽ चलणूं।
पूँछ पकड़कर चलना। पिछलग्गू होना। सहारे से चलने वाला।

पूछताछ करनूं।
पूछताछ करना। जानकारी लेना।

पूछ परख करनूं।
पूछ परख करना। आवभगत करना। सम्मान देना।

पूरो उतरनूं।
पूरा उतरना। तौल में ठीक होना। बात में ठीक होना। परीक्षा में सफल होना।

पूरो होणूं।
पूरा होना। कार्य सम्पन्न होना।

पूरो नी पड़णूं।
पूरा नहीं पड़ना। आजीविका ठीक से न चलना।

पूरा करनूं।
पूरा करना। जैसे-तैसे जीवन चलाना। सुख-दुख के दिन बिताना।

पूरा दिन होणूं।
पूरे दिन होना। बालक के जन्म का समय होना। मृत्यु के निकट होना।

पेंच डालनूं।
पेंच डालना। पतंग के पेंच लड़ाना। दांव पेंच करना।

पेंच ढिल्लो होणूं।
पेंच ढीला होना। पागल या नासमझ होना।

पेचदार बात करनूं।
पेचदार बात करना। घुमावदार बात करना।

पेंच पड़णूं।
पेंच पड़ना। उलझन होना।

पेट ऐठणूं।
पेट ऐठना। पेट में दर्द होना। मरोड़ होना।

पेट मऽ मरोड़ होणूं।
पेट में मरोड़ उठना। पेट में रह-रहकर दर्द होना।

पेट काटणूं।
पेट काटना। पैसे बचाने के लिये कम खाना या कम पहनना।

पेट को सवाल होणूं।
पेट का सवाल होना। पेट भरने के लिए प्रयत्न करना। आजीविका का प्रश्न होना।

पेट को जायो।

पेट का जाया। पेट से पैदा हुआ पुत्र या सगा पुत्र।

पेट को पाणी नी हिलणूं।
पेट का पानी नहीं हिलना। आराम से रहना। परिश्रम न करना।

पेट की आग बुझाणूं।
पेट की आग बुझाना। भोजन कर लेना।

पेट की फिकर होणूं।
पेट की फिक्र होना। खाने-पीने की चिन्ता करना और व्यवस्था करना।

पेट पकड़ी नऽ बठणूं।
पेट पकड़कर बैठना। पेट में गड़बड़ होना। पेट दुखना। हाजत होना या भूखा होना।

पेट का लेण कई करनूं।
पेट के लिए कुछ करना। जीविका के लिये कुछ बजना।

पेट खऽ लगणूं वोत्तो खाणूं।
पेट को लगे उतना खाना। जितना पेट को लगता है, उतना ही खाना।

पेट खराब होणूं।
पेट खराब होना। अपच होना।

पेट बीमारी की जड़ होणूं।
पेट बीमारी की जड़ होना। पेट से ही सारी बीमारियाँ शुरू होती हैं।

पेट खाली होणूं।
पेट खाली होना। भूखा होना।

पेट गिराणूं।
पेट गिराना। गर्भ गिराना।

पेट सी होणूं।
पेट से होना। गर्भवती होना।

पेट गुड़गुड़ करनूं।
पेट में किसी प्रकार गड़बड़ होना। गैस बनना।

पेट छटणूं।
पेट छटना। तोंद कम होना। पेट की मोटाई कम होना।

पेट मऽ जलण होणूं।
पेट में जलन होना। पेट खराब होना।

पेट छिपाणूं।
पेट छिपाना। गर्भ छिपाना।

पेट रयणूं।
पेट रहना। गर्भ ठहरना। गर्भवती होना।

पेट दिखणूं।
पेट दिखाना। दीनता प्रकट करना।

पेट नी भराणूं।
पेट नहीं भरना। इच्छित भोजन न मिलना। निर्वाह न होना।

पेट पऽ छुरी चलाणूं।
पेट पर छुरी चलाना। जीविका छीन लेना।

पेट पऽ पट्टी बांधणूं।
पेट पर पट्टी बाँधना। भूखे रहना।

पेट पऽ लात मारना।
जीविका छीन लेना।

पेट पालनूं।
पेट पालना। भरण-पोषण करना।

पेट पीठ एक होणूं।
पेट पीठ एक होना। बहुत दुर्बल होना। भूखा होना।

पेट फुलनूं।
पेट फूलना। पेट में वायु का दर्द होना। अपच होना या ईर्ष्या होना।

पेट पीटणूं।
पेट पीटना। पेट पीटकर भूख का प्रदर्शन करना।

पेट बढ़नूं।
पेट बढ़ना। बेईमानी की कमाई होना।

पेट बड़ो होणूं।
पेट बड़ा होना। अधिक लालच करना। गहरापन होना।

पेट मऽ आंत नी मुंडा मऽ दांत नी होणूं।
पेट में आँत नहीं, मुँह में दाँत न होना। बहुत बूढ़ा होना।

पेट मऽ घुसी जाणूं।
पेट में घुस जाना। बहुत गहरे भेद जानना।

पेट का खातिर।
पेट के खातिर। पेट के लिए कुछ भी नैतिक-अनैतिक कार्य करना।

पेट मऽ खलबली मचणूं।
पेट में खलबली मचना। घबराहट होना। पेट में उथल-पुथल होना या दस्त होना।

पेट मऽ उंदरा दौड़णूं।
पेट में चूहे दौड़ना। बहुत जोर की भूख लगना।

पेट मऽ बल पड़णूं।
पेट में बल पड़ना। खूब हँसना।

पेट मऽ वात नी पचणूं।
पेट में बात नहीं पचना। रहस्य छिपा न पाना।

पेट मऽ रखनूं।
पेट में रखना। रहस्य छिपाकर रखना। किसी को न कहना।

पेटा मऽ जाणूं।
पेटे में जाना। ठेठ गहराई तक जानना।

पेड़ लगाणूं।
पेड़ लगाना। पौधारोपण करना।

पेश करनूं।
पेश करना। भेंट करना। प्रस्तुत करना।

पेशवाई करनूं।
पेशवाई करना। रक्षा के लिए साथ चलना। आगे-आगे चलना।

पेशाब निकळई पड़णूं।
पेशाब निकल पड़ना। डर जाना।

पेशाब का दिया बलणूं।
पेशाब के चिराग जलना। बहुत रौब दाब होना।

पैंग भरनूं।
पैंग भरना। प्रगति करना। मेलजोल करना। डींग हाँकना।

पैगाम लई जाणूं।
पैगाम ले जाना। सन्देशा ले जाना।

पैंतरो बदलनूं।
पैंतरा बदलना। मौका देखकर चलना।

पैंतरो बदली नऽ चलनू।
पैंतरा बदलकर चलना। अकड़कर चलना।

पैदा करनूं।
पैदा करना। उत्पन्न करना। आमदनी करना।

पैबन्द लगाणूं।
पैबन्द लगाना। बिगड़ी बात को सुधारना। अधूरी बात को पूरी करना।

पैनी नजर होणूं।
पैनी दृष्टि होना। तेज नजर। सूक्ष्मता से देखने की दृष्टि।

पैमानो भरई जाणूं।
पैमाना भर जाना। उम्र हो जाना।

पैर पऽ कुराड़ी मारनूं।
पैर पर कुल्हाड़ी मारना। अपना ही अहित करना।

पैर पऽ माथो धरनूं।
पैर पर सिर रख देना। शरण में आना। सम्मान करना या क्षमा माँगना।

पैर की जूती समझणूं।
पैर की जूती समझना। अत्यन्त तुच्छ समझना।

पैर धोई-धोई नऽ पीणूं।
पैर धो-धोकर पीना। बहुत आदर या खुशामद करना। एहसानमन्द होना।

प

पैर नऽ मऽ पर लगणूं।
पैरों में पर लगना। बहुत तेज चलना।

पैर नऽ मऽ बेड़ीनऽ डालणूं।
पैरों में बेड़िया डालना। चलने से रोक देना। पाबन्दी लगाना।

पैर नऽ मऽ मयंदी लगई नऽ बठणूं।
पैरों में मेहंदी लगाकर बैठना। काम न करने या न जाने का बहाना।

पैर नऽ पऽ नाक रगड़णूं।
पैरों पर नाक रगड़ना। पूर्णत: शरणागत होना। जी हुजूरी करना।

पैसो डूबणूं।
पैसा डूबना। घाटा होना। किसी को दिया हुआ पैसा वापस न आना।

पैसो कमाणूं।
पैसा कमाना। धन कमाना। अधिक श्रम करना।

पैसो-पैसो करनूं।
पैसा-पैसा करना। हमेशा धन अर्जित करने में लगे रहना।

पैसो उठी जाणूं।
पैसा उठ जाना। पैसा खर्च हो जाना।

पैसा लुटाणूं।
पैसा लुटाना। खुले हाथ खर्च करना।

पैसा वरतावणूं।
पैसे वर्ताना। पैसे खुले हाथ से बाँटना।

पैसा को गुलाम होणूं।
पैसे का गुलाम होना। पैसे के वश में होना।

पैसा की गर्मी होणूं।
पैसा की गर्मी होना। पैसा का घमण्ड होना।

पैसा-पैसा का लेणऽ तरसणूं (मोहताज होणूं)।
पैसे-पैसे के लिए तरसना। अत्यन्त दरिद्रता होना।

पैसा का बल पऽ।
पैसे के बल पर। पैसे की ताकत अकूत होती है। पैसे से हर काम सम्भव है।

पैसा खड़ा करनूं।
पैसे खड़े करना। एक ही उद्देश्य। पैसे किसी भी प्रकार से कमाना।

पैसो दांत सी उठावणूं।
पैसा दाँत से उठाना। बहुत लालची होना। कंजूस होना।

पैसो गूं मऽ सी हेड़णूं।
पैसा गूं में से उठाना। अत्यन्त लालची होना। बुरी जगह या बुरे कर्म से पैसा कमाना।

पों करी देणूं।
पों कर देना। हार जाना या हार मान लेना। हरा देना।

पोथा लिखणूं।
पोथे लिखना। बड़ी-बड़ी किताबें लिखना।

पोपलो मुंडो।
पोपला मुँह। मुँह में जिसके दाँत न होना।

पोर-पोर मऽ बदमासी भरेल होणूं।
पोर-पोर में बदमाशी भरी होना। नस-नस में बदमाशी के लक्षण दिखना।

पोल खोलणूं।
पोल खोलना। भंडाफोड़ होना। कमजोरी जाहिर करना।

पौ बारा होणूं।
पौ बारह होना। खूब लाभ में होना। जीत का दाँव पड़ना। लाभ का अवसर मिलना।

प्याज का छालटा हेड़णूं।
प्याज के छिलके निकालना। कमजोरियों को गिनाना। रहस्य प्रकट करना।

प्यादा सी फरजी होणूं।
प्यादे से फरजी बनना। शह और मात का खेल खेलना। छोटे पद से बड़ा पद प्राप्त करना।

प्यास बुझणूं।
प्यास बुझना। इच्छा पूर्ण होना।

प्यास खऽ पाणी पिलाणूं।
प्यासे को पानी पिलाना। आवश्यकता वाले को उसकी चीज मिलना।

प्यासा मरनूं।
प्यासा मरना। प्यास से व्याकुल हो जाना।

प्रकाश डालनूं।
प्रकाश डालना। प्रकाशित करना। स्थिति को और अधिक स्पष्ट करना।

परपंच करनूं।
प्रपंच करना। झंझट करना। बात को फैलाना।

परलय मचाणू।
प्रलय मचाना। उत्पात या ऊधम मचाना।

प्राण उड़ी जाणूं।
प्राण उड़ जाना। मृत्यु हो जाना।

प्राण खाणूं।
प्राण खाना। किसी एक बात को बार-बार कहकर तंग करना।

प्राण मऽ प्राण आणूं।
प्राण में प्राण आना। जी में जी आना। विश्वास आना।

प्राण डालनूं (फूँकणूं)।
प्राण डालना या फूँकना। जीवन प्रदान करना। जोश भरना।

प्राण छूटणूं।
प्राण छूटना। मृत्यु होना।

पराण निकळई जाणूं।
प्राण निकल जाना। मर्मान्तक कष्ट होना।

प्राण निछावर करनूं।
प्राण निछावर करना। अत्यन्त प्रिय मानना।

पराण लई लेणूं।
प्राण ले लेना। मार डालना। बहुत कष्ट देना।

प्राणों की आहुति देणूं।
प्राणों की आहुति देना। किसी कार्य के लिए जान दे देना।

प्राणों की बाजी लगाणूं।
प्राणों की बाजी लगाना। ऐसे काम में अपने आपको लगाना, जिसमें जान भी जाने का खतरा हो।

प्राण नऽ की भीख मांगणूं।
प्राणों की भीख माँगना। जान न ली जाने के लिए गिड़गिड़ाना।

पराण नऽ सी बी प्यारो होणूं (बढ़ी नऽ होणूं)।
प्राणों से भी प्यारा होना या बढ़कर होना। बहुत प्रिय होना।

पराण नऽ मऽ समाई जाणूं।
प्राणों में समा जाना। मन में उतर जाना। मन को अच्छा लगना। प्रेम या भय का मन पर गहरा प्रभाव होना।

पोतो फेरनूं।
पोता फेरना। गलत बात को बढ़ावा देना।

पोत पोवणूं।
पोत पोना। मोतियों की माला पिरोना। गले की मोतियों की माला।

पोतड़ो बांधणूं।
पोतड़ा बाँधना। शिशु को कपड़े की लंगोट बाँधना।

पोता पाती करनूं।
पोता पाती करना। ऊपर से अवगुणों को ढाँकना।

पराण सुखई जाणूं।
प्राण सूख जाना। एकदम डर जाना। किसी अनिष्ट की आशंका से भर जाना।

पराण नऽ का लाला पड़नूं।
प्राणों के लाले पड़ना। प्राण संकट में पड़ जाना। जान पर आ जाना।

प्राण नऽ पऽ आई बणनूं।
प्राणों पर आ बनना। जान जाने का भय होना।

फक-फक करनूं।
फक-फक करना। व्यर्थ की बातें करना। डींग हाँकना। खोखलापन होना।

फक रयी जाणूं।
फक रह जाना। आश्चर्यचकित रह जाना। घबरा जाना। भय के चिह्न चेहरे पर व्यक्त होना।

फकर की वात होणूं।
फक्र की बात होना। सन्तोष की बात होना। भरोसेमंद बात।

फक्कड़ होणूं।
फक्कड़ होना। अकेला होना। मस्त तबियत का होना।

फकीर होणूं।
फकीर होना। गरीब होना।

फंको मारनूं।
फांका मारना। हथेली पर चूर्ण रखकर मुँह में डालना।

फजीहत करनूं।
फजीहत करना। बदनामी करना। संकट में डालना।

फजीहत होणूं।
फजीहत होना। परेशानी होना।

फटकणऽ नी देणूं।
फटकने नहीं देना। पास न आने देना।

फटकारणूं।
फटकारना। बुरा-भला करना। अपमानित करना। डाँटना।

फट्या हाल होणूं।
फटेहाल होना। गरीब होना।

फट्या मऽ पांय देणूं।
फटे में पैर डालना। झगड़े या विवाद में पड़ना।

फट्या हाल मऽ रयणूं।
फटेहाल में रहना। दरिद्रता या गरीबी में रहना।

फट्ट सी।
फट्ट से। तत्काल या तुरन्त।

फटी पड़नूं।
फट पड़ना। झल्ला पड़ना। क्रोध से आगबबूला होना।

फटेल मन को फिरी नी जुड़णूं।
फटे हुए का फिर से न जुड़ पाना। दिल टूट जाना। सम्बन्ध समाप्त होना।

फटेल कपड़ो सी संकाज, फाटेल मन नी सिवाणूं।
फटा कपड़ा सी सकते हैं, फटा नहीं सी सकते। एक बार मन फट जाने पर फिर वह स्वाभाविक रूप में नहीं रहता।

फट्यो पड़णूं।
फट पड़ना। बहुत दर्द या कष्ट होना।

फटकणूं-पछोड़णूं।
फटकना-पछोड़ना। सूपड़े से अनाज फटकना-पछोड़ना। किसी को होशियारी से अलग करना।

फटीचर होणूं।
फटीचर होना। गरीब या दुर्दशाग्रस्त होना।

फट्या दुखणूं।
फट्या दुखना। कंधे दर्द करना। शरीर निढाल होना।

फट्टी डालनूं।
फट्टी डालना। दरी बिछाना। बैठने की व्यवस्था करना।

फट्या-फट्या डोळा नऽ सी देखणूं।
फटी-फटी आँखों से देखना। आश्चर्य से देखना। भावशून्य होकर देखना।

फट्या बाँस सी आवाज करनूं।
फटे बाँस की आवाज होना। भद्दी कर्कश आवाज होना।

फटली जुबान होणूं।
फटी जुबान होना। बेतुकी बातें करने वाला होना।

फटाफट करनूं।
फटाफट करना। अतिशीघ्र कार्य करना।

फटेल मुंडो होणूं।
फटा मुँह होना। चाहे जिसका कुछ भी कह देने वाला। अश्लील बातें भी कहने में संकोच न करना।

फट्यो-फट्यो फिरनूं।
फटा-फटा फिरना। जरा-जरा सी बात पर गुस्सा होने वाला।

फटाफट बोलनूं।
फटाफट बोलना। तुरन्त जवाब देना।

फट्यो सो मुंडो रई जाणूं।
फटा-सा मुँह रह जाना। खिसियाना आश्चर्यचकित रहना।

फड़की उठणूं (जाणूं)।
फड़क उठना या जाना। उत्साहित हो जाना। अधिक प्रसन्न हो जाना। उत्तेजित/मोहित हो जाना।

फड़कतो हुयो होणूं।
फड़कता हुआ होना। जोश दिलाने वाली कोई चीज होना। प्रभावशाली होना।

फड़फड़ई जाणूं।
फड़फड़ा जाना। आकुल-व्याकुल हो जाना। विकल या आवेशपूर्ण होना। क्रुद्ध होना।

फड़फड़ई नऽ रई जाणूं।
फड़फड़ा कर रह जाना। क्रोध को पी जाना। आवेग को रोक लेना।

फड़-फड़ करनूं।
फड़-फड़ करना। कपड़े/कागज का हवा में उड़ना। ध्वज का उड़ना। बीच-बीच में अधिक बोलना।

फड़बाजी होणूं।
फड़बाजी होना। नाच-गाने में प्रतिस्पर्धा होना।

फड़ ख्याल होणूं।
फड़ खेल होना। कलगी-तुर्रा गायकी की स्पर्धा होना। चंग पर गाना-बजाना। एक लोकगायन विधा।

फड़ वाळई।
फड़वाली। नाचने वाली स्त्रियों की एक जाति।

फड़ मऽ भरती होणूं।
फड़ में भर्ती होना। नाचने वालियों की मण्डली में मिलना।

फड़कनूं आँख को (डोळा को)।
आँख का फड़कना। शकुन/अपशकुन होना।

फड़ पऽ आवणूं।
फड़ पर आना। मुकाबले में आना।

फड़कई जाणूं।
फड़का जाना। दाल, खीर आदि को चाट-चाटकर पी जाना।

फड़ड़-फड़ड़ करनूं।
फड़ड़-फड़ड़ करना। पीते समय मुँह बजाना।

फतह को डंको बचाणूं।
फतह का डंका बजाना। विजय की घोष होना। सफलता का प्रचार होना। प्रशंसा की धूम होना।

फतवो देणूं।
फतवा देना। धार्मिक निर्णय या आदेश सुनाना। अधिकारिक निर्णय देना। किसी को कुछ भी आनन-फानन कह देना।

फत्तर पड़णूं।
पत्थर पड़ना। नष्ट होना। इच्छा पूरी न होना। अकल मारी जाना।

फत्तर हेटऽ दबणूं।
पत्थर के नीचे दबना। विवश होना। संकट में फँसना।

फत्तर हेटऽ सी हात निकालणूं।
पत्थर के नीचे से हाथ निकालना या संकट से अपने आपको बचाना।

फत्तर पसीजणूं।
पत्थर पसीजना। निर्दयी को भी दया आना।

फत्तर फेकी न मारनू।

फत्तर फेंककर मारना। असह्य या कड़ी बात करना।

फत्थर सी माथो फोड़णूं।

पत्थर से सिर फोड़ना। मूर्ख को समझाना। असम्भव कार्य करना।

फत्तर हुई जाणूं।

पत्थर हो जाना। कठोर हो जाना। दिल कड़ा करना। अधिक दु:ख का आना। निर्दयी या कठोर हो जाना।

फत्तर फाड़ जुवाब देणूं।

पत्थर फाड़ जवाब देना। अत्यन्त कटु वाक्य या शब्द बोलना।

फत्तर सी बी गाँठ पड़नूं।

पत्थर से भी काम पड़ना। कभी-कभी पत्थर भी काम आ जाता है।

फत्तर फेंकणूं।

पत्थर फेंकना। गालियाँ देना। भला-बुरा कहना।

फत्तर पूजणूं।

पत्थर पूजना। कई देवी-देवताओं से मन्नत माँगना। पुत्र प्राप्ति के लिए अनेक देवी-देवताओं की पूजा करना।

फत्तर की लकीर होणूं।

पत्थर की लकीर होना। अमिट बात होना।

फदर-फदर करनूं।

फदर-फदर करना। किसी गाढ़े घोल का फैल जाना।

फदकी पड़नूं।

फदक पड़ना। बीच में मेंढक जैसा कूद पड़ना। बीच में हस्तक्षेप करना।

फंदा मऽ फँसणूं।

फंदे में फँसना। षड़्यंत्र का शिकार होना। वश में होना।

फन्दो पड़नूं।

फंदा पड़ना। फँसना या जाल पड़ना।

फंदो लगावणूं।

फंदा लगाना। फाँसी लगाना।

फंदो कटणूं।

फंदा कटना। दु:ख दूर होना। पीछा छूटना।

फंदो टूटनूं।

फंदा टूटना। मायामोह से मुक्त होना। बंधन मुक्त होना।

फंदा मऽ आवणूं।

फंदे में आना। किसी के धोखे या बहकावे में आना।

फंदो डालना।

फंदा डालना। जाल में फँसाना।

फफकी-फफकी नऽ रोणूं।

फफक-फफककर रोना। फूट-फूटकर रोना।

फफोला पड़ी जाणूं।

फफोले पड़ जाना। जलने के बाद शरीर पर जलजले उठ जाना। बीमारी में जलजले होना।

फफोला फूटणूं (फोड़णूं)।

फफोले फूटना या फोड़ना। दिल की जलन निकलना। आक्रोश प्रकट करना।

फफकी पड़णूं।

फफक पड़ना। जोर से हिचकी लेकर रोना।

फफूंद लगणूं।

फफूंद लगना। खराब होना या नष्ट होना। रेशे निकल आना। सड़ जाना।

फबती कसणूं।

फब्ती कसना। मजाक उड़ाना। व्यंग्य करना। ताना मारना।

फबणूं।

फबना। सुन्दर लगना। भाना। उचित लगना। लाभदायक होना।

फरक होणूं।

फर्क होना। अन्तर होना। शत्रुता या विद्वेष मानना।

फरक करनूं।

फर्क करना। अन्तर या भेद करना। मनमुटाव होना।

फरार होणूं।
फरार होना। भाग जाना। चले जाना।

फरेब करनूं।
फरेब करना। धोखा देना। चालाकी करना।

फरमाइस करनूं।
फरमाइश करना। किसी चीज का आदेश देना।

फरियाद करणूं।
फरियाद करना। निवेदन या शिकायत करना।

फर्राटा मारनूं।
फर्राटा मारना। शीघ्रता से दौड़ना।

फरफंद दिखावणूं।
फरफंद दिखाना। छल-छिद्र दिखाना। बुराई दिखाना।

फरिश्तो बणी नऽ आवणूं।
फरिश्ता बनकर आना। अत्यन्त नेक या दयालु व्यक्ति का अचानक आ जाना। सहायता करना

फर-फर उड़णूं (करनूं)।
फर-फर उड़ना या करना। कपड़े का उड़ना। ध्वज का हवा में लहराना। फर-फर की आवाज करना।

फरकाणूं।
फरकाना। कपड़ा गीला होने के बाद सुखाने की स्थिति में आधा गीला, आधा सूखा होना।

फर फराणूं।
फरफराना। कपड़े या कागज का हवा में आवाज के साथ उड़ना।

फर्रर-फर्रर करनूं।
फर्रर-फर्रर करना। कपड़े या ध्वज का हवा में फहराना।

फर्र सी निकळई जाणूं।
फर्र से निकल जाना। सर्राटे से निकल जाना। पलक झपकते चले जाना।

फर्रो लगणूं।
फर्रा लगना। ढेर लगना। बहुत सी चीज इकट्ठी होना।

फरज निभावणूं।
फर्ज निभाना। दायित्व निभाना।

फरड़-फरड़ करनूं।
फरड़-फरड़ करना। दाल, छाल, खीर आदि फड़काना।

फरागत होणूं।
फरागत होना। फुरसत मिलना।

फल चाखणूं।
फल चखना। बुरे काम का दुष्परिणाम भुगतना। दण्ड भुगतना।

फल खाणूं।
फल खाना। मेहनत का फल मिलना। प्रयत्न का लाभ मिलना।

फळ मिलणूं।
फल मिलना। अच्छे या बुरे कर्मों का परिणाम मिलना। भला-बुरा परिणाम मिलना।

फलनूं-फूलनूं।
फलना-फूलना। सुखी होना। इच्छाएँ पूरी होना। उन्नति करना।

फळ भुगतणूं।
फल भुगतना। भूल, दोष, आलस्य का दुष्परिणाम।

फलांग भरनूं या लगाणूं।
फलांग भरना। लगाना। खाईं या गड्ढे को कूद जाना। जोखिम का काम करना। साहस दिखाना।

फर्लांग दो फर्लांग होणूं।
फर्लांग दो फर्लांग होना। एक या दो किलोमीटर दूरी होना।

फसल मारी जाणूं।
फसल मारी जाना। फसल नष्ट हो जाना।

फसल लयलहाणूं।
फसल लहलहाना। खेत में फसल अच्छी होना। हरियाली होना।

फसाद करनूं।
फसाद करना। झगड़ा करना।

फसी जाणूं।
फँस जाना। प्रेम सम्बन्ध या अनुचित सम्बन्ध होना।

फसई देणूं।
फँसा देना। किसी मामले में घसीट देना। संकट में ला देना।

फाका मारनूं।
फाँके मारना। भूखे मरना।

फाका मस्ती होणूं।
फाकामस्ती होना। दरिद्रता में भी प्रसन्न या मस्त रहना।

फाक करनूं।
फाँक करना। दो टुकड़े करना। बराबर बाँट देना।

फाचर फसावणूं।
फाचर फँसना। बाधा डालना।

फाचर अड़ावणूं।
फाचर अड़ाना। अड़ंगे लगाना।

फाचर मारनूं।
फाचर मारना। किसी काम में अड़चन डालना।

फाचर लगावणूं।
फाचर लगाना। किसी ढीले काम को मजबूत करना।

फाटी पड़णूं।
फट पड़ना। अचानक क्रोध करना। कष्ट या वेदना बहुत होना।

फाँस गड़णूं (चुभणूं)।
फाँस गड़ना या चुभना। किसी बात से मन में पीड़ा पहुँचना।

फाँस निकलणूं।
फाँस निकलना। कष्ट दूर होना। कंटक दूर होना।

फाँसी का फंदा पऽ झूली जाणूं।
फाँसी के फंदे पर झूल जाना। मौत को अपनाना। फाँसी की सजा भुगतना। कष्टप्रद मौत होना। शहीद होना।

फाँसी लगणूं।
फाँसी लगना। मौत होना। कष्टप्रद मौत होना।

फाँसी लगाणूं।
फाँसी लगाना। आत्महत्या करना।

फाँसी गले की।
गले की फाँसी बनना। प्राणों के लाले पड़ना। मौत का भय होना। प्राण संकट में पड़ जाना।

फाग जगाणूं।
फाग जगाना। फागुन महीने में फाग के गीत गाना।

फाटक खोलणूं।
फाटक खोलना। सबके लिए दरवाजा खोलना। नया काम शुरू करना।

फारखती लिखणूं।
फारखती लिखना। तलाकनामा लिखाना। कोई सम्बन्ध नहीं, ऐसा लिखकर देना।

फारिग होणूं।
फारिग होना। हाजत जाना।

फारसी पढ़णूं अरु तेल बेचणूं।
पढ़े फारसी बेचे तेल। पढ़ाई के अनुरूप कार्य न करना।

फावड़ो चलावणूं।
फावड़ा चलाना। मजदूरी करना।

फिकरा कसणूं।
फिकरा कसना। कोई चुभती हुई बात कह देना या छेड़ना।

फिकर करनूं।
फिक्र करना। चिन्ता करना।

फितूर होणूं।
फितूर होना। दिमाग में लगना या उपद्रव खड़ा करना।

फिरन्ट रयणूं।

फिरन्ट रहना। बेरूखी रखना। विरोध में रहना।

फिरकी की तरह घूमणूं।
फिरकी की तरह घूमना। खूब चक्कर लगाना।

फिराक मऽ रयणूं।
फिराक में रहना। खोज में रहना। चाह में रहना।

फिरौती मांगणूं।
फिरौती माँगना। छुटकारे के लिए धन माँगना।

फिस्स हुई जाणूं।
फिस्स हो जाना। समास हो जाना। पीछे रह जाना। हवा निकल जाना।

फिसळई जाणूं।
फिसल जाना। अपनी बात पर टिके न रहना। प्रेम में पड़ना।

फिसिर-फिसिर करनूं।
फिसिर-फिसिर करना। धीरे-धीरे बूँद-बूँद पानी आना।

फीको पड़णूं।
फीका पड़ना। चमक चली जाना। वैसा प्रभावशील न रहना।

फीको लगणूं।
फीका लगना। महत्त्वहीन होना। तुच्छ या चमकहीन लगना। नीरस लगना। बेस्वाद लगना। तुलना में श्रीहीन लगना।

फीकी मुस्कान होणूं।
फीकी मुस्कान होना। जबरन हँसने की कोशिश करना। प्रभावहीन हँसी।

फीकोफस होणूं।
फीकाफस होना। महत्त्वहीन या एकदम अच्छा नहीं। बेस्वाद होना।

फाईल खोलणूं।
फाईल खोलना। किसी के विरुद्ध कागज एकत्र करना।

फुंकार छोड़णूं।
फुँकार छोड़ना। क्रोध प्रकट करना।

फुफकार करनूं।

फुफकार करना जहर उगलना। बुराई करना।

फुरसत पाणूं।
फुरसत पाना। व्यस्तता समाप्त होना। झंझट खतम होना।

फुरफुरी अवणूं।
फुरफुरी आना। चैतन्य होना। ताजगी आना या सुस्ती छोड़ना।

फुर्र हुई जाणूं।
फुर्र हो जाना। उड़ जाना। भाग जाना। पकड़ से बाहर होना।

फुलझड़ी छोड़णूं।
फुलझड़ी छोड़ना। कोई मजाक की बात कह देना। व्यंग्य करना। मनोरंजन करना। तारीफ करना। ऐसी बात कह देना, जिससे सबकी हँसी और गुदगुदी हो।

फुलवारी लगाणूं।
फुलवारी लगाना। बगीचा लगाना। फूल वाले पौधे लगाना।

फुसफुसावणूं।
फुसफुसाना। धीरे-धीरे बोलना। गुप्त रूप से बात करना।

फूंक मारनूं।
फूँक मारना। मुँह से हवा निकालना।

फूंक देणूं।
फूँक देना। व्यर्थ खर्च करना।

फूंक निकळणूं (सरकणूं)।
फूँक निकलना या सरकना। मरना या दम निकल जाना। हताश होना। बहुत डर लगना।

फूंकी-फूंकी मऽ पांय धरनूं।
फूँक-फूँककर पैर रखना। सावधानी से काम करना।

फूंक मारी नऽ उड़ई देणूं।

फूँक मारकर उड़ा देना। सरलता से परास्त करना। नष्ट कर देना।

फूंक सी पहाड़ उड़ाणूं।
फूँक से पहाड़ उड़ाना। असम्भव कार्य करने की कोशिश करना।

फूट डालनूं।
फूट डालना। आपस में मनमुटाव कर देना। विरोध या विरुद्ध करवा देना।

फूट पड़नूं।
फूट पड़ना। आपस में ही भेद होना।

फूटी-फूटी नऽ रोवणूं।
फूट-फूटकर रोना। बहुत जोर से रोना।

फूटेलो भाग होणूं।
फूटा भाग्य होना। दुर्भाग्य या भाग्यहीन होना।

फूटलो ढोल।
फूटा ढोल। व्यर्थ चीज या अनचाही वस्तु।

फूटली आँख नी सुहाणूं।
फूटी आँख न सुहाना। अप्रिय या बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगना।

फूटली कौड़ी नी मिलनूं (होणूं)।
फूटी कौड़ी नहीं मिलना या होना। कुछ भी नहीं मिलना। अत्यन्त दरिद्रता।

फूटलो हंडलो।
फूटा मटका। बहुत बड़-बड़ करने वाला।

फुटली तगारी।
फूटी तगारी। चुगलखोर।

फूली उठणूं।
फूल उठना। बहुत प्रसन्न होना।

फूली नऽ कुप्पो होणूं।
फूलकर कुप्पा होना। अधिक मोटा होना। अधिक प्रसन्न होना।

फूल झड़णूं।
फूल झरना। पेड़ से फूलों का अपने आप गिरना। हँसी के फूल झरना।

फूलणू-फलणूं।
फूलना-फलना। विस्तारित होना या समृद्ध होना। सुखी होना या उन्नति करना।

फूल सिराणूं।
फूल सिराना। शवदाह के बाद अस्थियाँ पवित्र नदी में डालना।

फूल सूंघी नऽ रयणूं।
फूल सूँघकर रहना। बहुत कम खाना।

फूल होणूं।
फूल होना। सुन्दर होना।

फूल्यो-फूल्यो फिरनूं।
फूला-फूला फिरना। प्रसन्न होना। घमण्ड करना।

फूल्यो नी समाणूं।
फूले नहीं समाना। बहुत अधिक प्रसन्न होना।

फूल नऽ सी सेज पऽ सोवणूं।
फूलों की सेज पर सोना। खूब समृद्धि होना। घर में सारे सुख होना।

फूस मऽ चिनगारी पड़णूं।
फूस में चिनगारी पड़ना। शान्त मित्रों में झगड़ा कराना। सब कुछ जलकर नष्ट हो जाना।

फेफड़ा जलाणूं।
फेफड़े जलाना। दु:ख उठाना। बीड़ी-सिगरेट का सेवन करना।

फेर खाणूं।
फेर खाना। चक्कर में पड़ना।

फेर देणूं।
फेर देना। वापस करना।

फेर पड़ना।

फेर पड़ना। अन्तर होना। चक्करदार मार्ग होना।

फेर मऽ पड़णूं।
फेर में पड़ना। चक्कर में पड़ना।

फेरी देणूं।
फेरी देना। बार-बार आना।

फेरी लगाणूं।
फेरी लगाना। घूम-घूमकर सौदा बेचना।

फेरा फिरणूं।
फेरे फिरना। विवाह करना।

फेरा पड़ना।
फेरे पड़ना। विवाह होना।

फैलणूं।
फैलना। विस्तार होना।

फैशन होणूं।
फैशन होना। प्रचलन या सामान्य बात होना।

फोकट मऽ।
फोकट में। मुफ्त में या सस्ता होना।

फों-फों करनूं।
फों-फों करना। क्रोधित होना।

फोकट को माल उड़ावणूं।
फोकट का माल उड़ाना। मुफ्त का, व्यर्थ, बिना लाभ का कार्य।

फोकट मऽ पंगो लेणूं।
फोकट में पंगा लेना। व्यर्थ में या जबरन झगड़ा करना।

फोकट को चंदन, घिस म्हारा नंदन।
फोकट का चन्दन, घिस मेरे नन्दन। मुफ्त की चीज का मजा लेना।

फोकट मऽ बीच मऽ आवणूं।
फोकट में बीच में आना। व्यर्थ में बीच-बचाव करने आना।

फोकट की दादागिरी करनूं।
फोकट की दादागिरी करना। जबरन धौंस जमाना।

फोकट्या नऽ कऽ कोई काम नी।
फालतुओं को कोई काम नहीं। निरर्थक व्यक्तियों का काम नहीं करना।

फोड़ो फूटणूं।
फोड़ा फूटना। दुःख समाप्त होना।

फौजदारी करनूं।
फौजदारी करना। मारपीट का मुकदमा करना।

फौलाद होणूं।
फौलाद होना। बहुत मजबूत होना।

फोकट का टुकड़ा तोड़नूं।
फोकट के टुकड़े तोड़ना। निकम्मे बैठकर दूसरों का दिया भोजन करना।

फोकट का।
फोकट का। मुफ्त का। बिना मेहनत का।

फेफड़ बंदी जाणूं।
फेफड़ीबंद जाना। बात करने की भी स्थिति नहीं होना।

फांदी जाणूं।
फाँद जाना। उलाँघ जाना। कूद जाना।

ब

बईल जसो कमाणूं।
बैल जैसा कमाना। कठिन परिश्रम से दिन-रात कमाना।

बक-बक करनूं।
बक-बक करना। अधिक बोलना।

बक-झक करणूं।
बक-झक करना। अधिक बोलने के साथ तर्क-वितर्क करना।

बकर-बकर करनूं।
बकर-बकर करना। अप्रासंगिक बोलते ही जाना।

बकतो फिरणूं।

बकता फिरना। इधर-उधर कहते फिरना। शिकायत करना।

बकरी की तरह मुंडो चलावणूं।
बकरी की तरह मुँह चलाना। लगातार खाते ही रहना।

बकरी होणूं।
बकरी होना। बिल्कुल सीधे सच्चे होना। बिल्कुल भोला-भाला होना। निरीह होना।

बकरी सरी मैं-मैं करनूं।
बकरी की तरह मैं-मैं करना। अपनी आत्म स्तुति में लीन होना।

बकरी खऽ काई मारनूं, शेर खऽ मारी नऽ देख।
बकरी को क्या मारना, शेर को मार कर देख। कमजोर को मारना आसान, पर ताकतवर को मारना मुश्किल होना।

बकरी समझी नऽ छोड़ देणूं।
बकरी समझकर छोड़ देना। कमजोर समझकर छोड़ देना।

बकरी शेर का आगऽ काई बोलऽ।
बकरी शेर के आगे क्या बोले? चुपचाप मौत को स्वीकार कर लेना।

बकरी का दूध लेकरु नऽ का लेण अच्छो रहेज।
बकरी को दूध बच्चों के लिये अच्छा रहता है।

बकरी की मेंगणी सी उन्दा खाद बणज।
बकरी की मेंगनियों से उन्दा खाद बनता है।

बखत काटणूं।
समय काटना। मन बहलाना। दु:ख का समय जैसे-तैसे व्यतीत करना।

बखत चूकणूं।
समय चूकना। अवसर चूकना। नियत समय पर न पहुँचना।

बखत पऽ।
बखत पर। समय पर या आवश्यकता के समय।

बखत हाथ सी खोवणूं।
बखत हाथ से खोना। अच्छे समय का लाभ न लेना।

बखत-बखत की वात होणूं।
समय-समय की बात होना। अलग-अलग अवसर पर अलग ढंग से बात कही समझी जाती है।

बखत पऽ बाको, तो गधा खऽ भी बणावणूं पड़ऽ काको।
समय आये बाँका तो गधे को भी बनाना पड़े काका। मतलब निकालने के लिये जिनसे काम न पड़ता हो, उनके पास भी जाना पड़ता है। उनकी खुशामद करनी पड़ती है।

बखत बलवान होज।
समय बलवान होता है। संयोग-वियोग सब समय के हाथ में है।

बखत की खाणूं।
भाग्य का खाना। सब भाग्य से मिलता है।

बखत की रोटी, कदि नी होय छेटी।
बखत की रोटी, कभी न हो छेटी। समय पर भोजन मिल जाय, बस जीवन में यही चाहिए।

बखत हो मार्‍यो होणूं।
बखत का मारा होना। समय या भाग्य का मारा होना। दुर्भाग्य होना। दरिद्रता का होना।

बखतज बन्दम खऽ सिखाड़ज।
बखत (समय) ही आदमी को सिखाता है। समय से बड़ा कोई गुरु नहीं है।

बखत सी बायर कोई नही हंई।
समय से बाहर कोई नहीं है। समय बलवान है।

बखत सबको आवज।
वक्त सबका आता है। हर व्यक्ति एक समय में प्रभावशील होता है, जिसकी प्रतिष्ठा सब जगह होती है।

बखत पऽ याद आवणूं।
वक्त पर याद आना। कोई चीज समय पर स्मृति में आ जाना।

बखत पऽ भूली जाणूं।

वक्त पर भूल जाना। आवश्यकता पड़ने पर विस्मरण हो जाना।

बखतज घाव बूझी सकज।
वक्त ही घाव बुझा सकता है। समय ही दुःख या पीड़ा दूर कर सकता है।

बखत की बलिहारी होणूं।
वक्त की बलिहारी होना। सब वक्त के हाथ में होना, जो कराता है, वह सब समय कराता है।

बखत-बखत पऽ आवणूं सोभा देणू।
वक्त-वक्त पर आना शोभा देता है। रोज-रोज आना अवमानना का सबब है। विशेष अवसरों या किसी काम वश आना जाना ही व्यावहारिक है।

बखत पऽ मिलणूं।
वक्त पर मिलना। समय यानी भाग्य में होगा, तभी किसी चीज का मिलना, उसकी तिथि और समय निश्चित है।

बखत देखी नऽ नी आवतो।
वक्त देखकर नहीं आता। भाग्य हमेशा साथ नहीं देता। इसलिए कर्म करते रहना चाहिए। समय की गति समान है।

बखत खराब चलनूं।
वक्त खराब चलना। आर्थिक स्थिति खराब होना।

बखत कोई पूछी नऽ नी आवणूं।
समय कोई पूछकर नहीं आता। संकट कभी भी किसी समय भी आ सकता है।

बखियो उधेड़नूं।
बखिया उधेड़ना। बहुत भला-बुरा कहना। कटु आलोचना करना।

बखेड़ो खड़ो करनूं।
बखेड़ा खड़ा करना। झंझट करना।

बखेड़ा मऽ पड़नूं।
बखेड़े में पड़ना। बेकार के झंझट में पड़ना।

बखेड़ा मऽ डालनूं।
बखेड़े में डालना। झंझट परेशानी में डालना। उलझन में डालना।

बखान करनूं।
बखान करना। चर्चा करना। प्रशंसा करना। बुराई करना।

बखशी देणूं।
बख्श देना। छोड़ देना। क्षमा कर देना।

बखशीस देणूं।
बख्शीश देना। इनाम या पुरस्कार देना।

बखत काटणूं।
वक्त काटना। संकट में समय गुजारना।

बखत भरणूं।
वक्त भरना। समय पूरा करना।

बखत फिरणूं।
वक्त फिरना। अच्छा समय आना।

बखत भण्णूं।
वक्त पढ़ना। समय के अनुसार चलना।

बगल झांकणूं।
बगल झाकना। सोच विचार में पड़ना। उत्तर न दे पाना।

बगल कर देणूं।
बगल कर देना। एक तरफ कर देना। अलग करना।

बगल मऽ छिपाणूं (राखणूं)।
बगल में छिपाना या रखना। अधिकार कर लेना या ले लेना।

बगल मऽ दुश्मन पालणूं।
बगल में दुश्मन पालना। खतरनाक आदमी को साथ रखना।

बगली मारनूं।
बगली मारना। कुश्ती का एक दांव लगाना।

बगली मार मारणूं।
बगली मार मारना। साथ रहकर वार करना। विश्वासघात करना।

बगल मऽ मुंडो न्हाखणूं।
बगल में मुँह डालना। जबरन देखने की या हस्तक्षेप करने की कोशिश करना। शर्मिन्दा होना।

बगलो चल्यो हंस की चाल।
बगला चला हंस की चाल। क्षमता न होते हुए बड़े काम करना।

बगलो भगत।
बगला भगत। ढोंगी।

बगल मऽ ईमान राखणूं।
बगल में ईमान रखना। बेईमानी करना।

बगला का पंख सईं धवळो।
बगले के पंख के समान श्वेत। एकदम सफेद, उज्जवल या सफेदझक।

बगल मऽ दबाणूं।
बगल में दबाना। वश में करना। अपनी ओर मिलाना। साथ लेना।

बगुले का हंस होणूं।
बगुले का हंस होना। अयोग्य व्यक्ति का योग्य बनने की कोशिश करना।

बगली घूसो पड़नूं।
बगली घूसा पड़ना। धोखे की मार या वार करना।

बगावत करनूं।
बगावत करना। विद्रोह करना।

बचई लेणूं।
बचा लेना। रक्षा कर लेना। शेष रहना।

बच्चो समझणूं।
बच्चा समझना। नासमझ समझना। छोटी उम्र का समझना।

बच्चा-बच्चा की जुबान पऽ होणूं।
बच्चे-बच्चे की जुबान पर होना। प्रत्येक व्यक्ति को जानकारी होना। याद होना।

बच्चा की तरह काई करनूं।
बच्चे की तरह क्या करना? नासमझ की तरह व्यवहार करना।

बच्चा नऽ को ख्याल समझणूं।
बच्चों का खेल समझना। मामूली सरल काम या मजाक समझना।

बची नऽ कां जाणूं।
बचकर कहाँ जाना? दुनिया की निगाह से कोई नहीं बच सकता।

बची-खुची इज्जत को बी जाणूं।
बची-खुची इज्जत का भी चला जाना। प्रतिष्ठा पूरी तरह से समाप्त होना।

बचपन का दिन याद आवणूं।
बचपन के दिन याद आना। बचपन की स्मृतियों में खो जाना।

बची नऽ निकळई जाणूं।
बचकर निकल जाना। धोखा देकर भाग जाना।

बचाव करनूं।
बचाव करना या बचाना। किसी के पक्ष में खड़े होना।

बचन तोड़णूं।
वचन तोड़ना। प्रतिज्ञा पूरी न करना। बात पूरी न करना। कही बचन और कही वचन बोला जाता है। दोनों एक ही अर्थ देते हैं।

बचन देणूं।
वचन देना। जबान देना। पक्की बात करना।

बचन निभावणूं।
वचन निभाना। जो कहना वही करना।

बचन मऽ बांधणूं।
वचन में बाँधना। प्रतिज्ञा करना।

बचन लेणूं।

वचन लेना। बात पक्की होना। प्रतिज्ञा कराना। कौल लेना।

बचन सी फिसलना।
वचन से फिसलना। कहकर मुकर जाना। बात का धनी न होना।

बचन हारनूं।
वचन हारना। वायदा करना। कहकर पूरा न करना।

बचन डालनूं।
वचन डालना। कसम खाना।

बचन को पक्को होणूं।
वचन को पक्का होना। अपनी बात पर अड़िग रहने वाला होना।

बचन नी जाणऽ देणूं।
वचन नहीं जाने देना। अपने द्वारा किये गये वायदे को पूरा निभाना।

बचन का खातिर जान देणूं।
वचन के खातिर जान देना। अपनी बात पर मर मिटना।

बचन अनमोल होणूं।
अनमोल वचन होना। जीवन में सद्वचन अनमोल और अनुकरणीय होना।

बछिया बांधणूं।
बछिया बाँधना। गाय पालना। गौ सेवा करना।

बछिया देणूं।
बछिया देना। गाय का प्रसव होना। बच्चा देना।

बछिया को ताऊ।
बछिया का ताऊ। महामूर्ख।

बछिया लगाणूं।
बछिया लगाना। गाय का दूध दुहना।

बछड़ा सईं उछलणूं।
बछड़े की तरह उछलना। उधम करना। एक जगह न बैठना।

बछड़ा नऽ मऽ शामिल होणूं।
बछड़ों में शामिल होना। कम अवस्था के बच्चों में बैठना-उठना।

बछड़ा को रस्सी तुड़ाणूं।
बछड़े का रस्सी तुड़ाना। उच्छृंखल होना।

बछड़ा का पाछऽ गाय को चलनूं।
बछड़े के पीछे गाय का चलना। ममत्व दिखाना।

बछड़ा-बछड़ी नऽ कऽ कोंडणू
बछड़े-बछड़ी को कोंडना। गाय के बछड़ों को एक बाड़े में रखना।

बछड़ा को खूंटा पऽ उछलणूं।
बछड़े का खूँटे पर उछड़ना। किसी के सहारे धृष्टता करना। सहारा पाकर इतराना।

बछड़ो समझी नऽ छोड़णूं।
बछड़ा समझकर छोड़ना। बच्चा समझकर छोड़ देना। ध्यान न देना।

बछड़ा को हुमड़ो मारणूं।
बछड़े का हुमड़ा मारना। बिना किसी कारण के चोट पहुँचाना।

बजार गरम होणूं।
बाजार गरम होना। अधिक रौनक दिखाई देना। काम धंधे का समय होना। सीजन होना।

बजन उठाणूं।
बजन उठाना। बोझ उठाना। किसी की जिम्मेदारी लेना।

बजन धरनूं।
वजन धरना। आर्थिक बोझ डालना। खर्च करवाना।

बजन बढ़णूं।
वजन बढ़ना या मोटा होना। प्रभावशील होना।

बजन तोलणूं।
वजन तोलना। शरीर का भार जानना। प्रभाव देखना।

बजन घटाणूं।

वजन घटाना। शरीर का भार कम करना। फुर्तीले होना।

बजनदार होणूं।
वजनदार होना। प्रभावशाली होना। रसूख वाला होना।

बजन की कमी होणूं।
वजन की कमी होना। भार कम होना।

बजन रखणूं।
वजन रखना। काम कराने के लिये रिश्वत देना।

बजन देणूं।
वजन देना। जोर लगाना या दबाब डालना।

बजन सी बचणूं।
वजन से बचना। किसी चीज को ढोने या तोकने से आना कानी करना।

बजन मरनूं।
वजन मरना। बोझ से दब जाना। कष्ट सहन करना।

बजन निकलणूं।
वजन निकलना। बुरी तरह थक जाना।

बजई देणूं।
बजा देना। पीट देना। कर्त्तव्य निभा देना।

बजई-बजई नऽ कयणूं।
बजा-बजाकर कहना। डंके की चोट कहना। सबके सामने कहना।

बजर मूरख होणूं।
वज्रमूर्ख होना। जड़ मूर्ख।

बजर किवाड़ होणूं।
वज्र किवाड़ होना। लोहेजड़ा लकड़ी का दरवाजा। किलाबन्दी होना। बहुत कठोर।

बज्रपात होणूं (बज्र गिरनूं)।
वज्रपात होना या वज्र गिरना। अधिक अनिष्ट होना। बुरा होना।

बज्र टूटणूं।
वज्र टूटना। भारी मुसीबत आना।

बज बयरियो होणूं।
वज्र बहरा होना। एकदम न सुनने वाला। बिल्कुल न सुनने वाला होना।

बटमार होणूं।
बटमार होना। रास्ते में लूट खसोट करने वाला होना।

बटेर हाथ लगणूं।
बटेर हाथ लगना। बिना श्रम के मनचाही चीज मिल जाना।

बट्टा खाता जाणूं।
बट्टे खाते जाना। बेकार खर्च हो जाना। वसूल न होना।

बट्टो लगावणूं (लगणूं)।
बट्टा लगाना या लगना। कलंक लगाना। बदनाम करना।

बट्टो काटणूं।
बट्टा काटना। पैसे कम करके देना। ब्याज लगाना।

बट्टा खाता मऽ न्हाखणूं (जाणूं)।
बट्टे खाते में डालना या जाना। वसूल न होना। व्यर्थ जाना, हानि। वसूल न होने के रूप में लिखना।

बट्टा पऽ देनूं।
बट्टे पर देना। कुछ कमी करके देना। वस्तु का विनिमय बिना लाभ के होना।

बड़-बड़ करनूं।
बड़-बड़ करना। अधिक बातें करना। प्रलाप करना। व्यर्थ की बातें करना।

बड़बड़ानूं।
बड़बड़ाना। व्यर्थ बोलते जाना। कुछ भी कहना। अप्रासंगिक बातें करना। स्वयं से बातें करना।

बड़बोले होणूं।
बड़बोला होना। आत्मप्रशंसा करना। बढ़-चढ़कर बातें करना। घमण्ड भरी बातें करना।

बड़ा आदमी होणूं।
बड़ा आदमी होना। ऊँचे पद पर आसीन। सम्मानित या धनी व्यक्ति होना।

बड़ो घर होणूं।
बड़ो घर होना। प्रतिष्ठित घर होना। धनी परिवार होना।

बड़ो नाम करनूं (कमाणूं)।
बड़ा नाम करना या कमाना। नाम बहुत ऊँचा करना। बहुत यश कमाना।

बड़ो बोल बोलनूं।
बड़े बोल बोलना। बड़ी-बड़ी बातें करना। अपनी खुद की प्रशंसा करना। घमण्ड भरी बातें करना।

बड़ाई करणूं।
बड़ाई करना। प्रशंसा करना।

बड़ाई मारनूं।
बड़ाई मारना। झूठी प्रशंसा करना।

बड़ा घर की बड़ी पोल।
बड़े घर की बड़ी पोल। जितना बड़ा घर परिवार हो, उतनी ही ज्यादा परेशानियाँ भी होती हैं।

बड़ी नाक होणूं।
बड़ी नाक होना। मान-अपमान का ध्यान रखना।

बड़ी-बड़ी वात नऽ करनूं।
बड़ी-बड़ी बातें करना। डींग हाँकना।

बड़ी बात होणूं।
बड़ी बात होना। कोई आश्चर्यजनक बात होना या काम होना। बड़ी सफलता मिलना। कोई न कोई रहस्य होना।

बड़ी पहुँच होणूं।
बड़ी पहुँच होना। बड़े-बड़े व्यक्तियों से सम्बन्ध/सम्पर्क होना।

बड़ा गुरु को चेलो होणूं।
बड़े गुरु का चेला होना। अधिक ज्ञानवान होना। धूर्त चालाक होना।

बड़ा घर की हवा खाणूं।
बड़े घर की हवा खाना। जेल जाना।

बड़ा घर भिजवानूं।
बड़े घर भिजवाना। कारागृह में बन्द करवाना।

बड़ा पेट वाळा होणूं।
बड़ा पेट वाला होना। सबकी बात सुनने वाला होना। बेईमानी होना।

बड़ा बाप को बेटो होणूं।
बड़े बाप का बेटा होना। धनी मानी या प्रतिष्ठित व्यक्ति का पुत्र होना।

बड़ी वात नी।
बड़ी बात नहीं। कुछ कठिन नहीं।

बड़ा लोग होणूं।
बड़े लोग होना। उच्च वर्ग के धनी या अधिकारी होना।

बड़ो कलेजो राखणूं।
बड़ा कलेजा रखना। उदार होना। हिम्मत रखने वाला होना।

बड़ो दिल होणूं।
बड़ा दिल होना। उदार होना। सबको समान-सम्मान देने वाला।

बड़ो बोल बोलनूं (सुनाणूं)।
बड़ा बोल बोलना या सुनाना। घमण्ड की बातें करना। भला-बुरा कहना।

बड़ो हाथ होणूं।
बड़ा हाथ होना। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति की कृपा होना। उदार होना।

बड़ा कांटा की टक्कर होणूं।
बड़े काँटे की टक्कर होना। बराबर ताकतवरों का आमना-सामना होना।

बड़ा घर की बेटी होणूं।
बड़े घर की बेटी होना। प्रतिष्ठित घर की लड़की होना।

बड़ा देवता होणूं।
बड़े देवता होना। बड़े नेक सज्जन होना। व्यंग्य में- ठीक विपरीत होना- दुष्ट, बेईमान, दुर्जन।

बड़ा लाट सा'ब होणूं।

बड़े लाट सा'ब होना। बड़े अधिकारी की तुलना करना।

बड़ा सी बड़ा।
बड़े से बड़ा। कितना ही बड़ा व्यक्ति हो। बहुत बड़ा।

बड़प्पन होणूं।
बड़प्पन होना। उदारता होना।

बड़पन दिखाणूं।
बड़पन दिखाना। उदारता दिखाना।

बढ़ी-चढ़ी नऽ वात करनूं (होणूं)।
बढ़-चढ़कर बात करना या होना। धृष्टतापूर्वक बातें करना। बहुत अधिक बातें करना। खूब अच्छा होना।

बढ़ी चढ़ी नऽ हाथ मारनूं।
बढ़-चढ़कर हाथ मारना। निस्संकोच किसी वस्तु के लिए जाना या खाना। खूब लाभ करना।

बढ़बोलापण होणूं।
बड़बोलापन होना। खूब बकवास करने वाला होना।

बढ़ई-चढ़ई नऽ कयणूं।
बढ़ा-चढ़ाकर कहना। वास्तविकता से अधिक कहना।

बढ़ी चढ़ी नऽ होणूं।
बढ़-चढ़कर होना। श्रेष्ठ होना।

बढ़ती होणूं।
बढ़ती होना। उन्नति होना।

बढ़ावो देणूं।
बढ़ावा देना। प्रोत्साहन देना। आगे बढ़ाना या उकसाना।

बढ़ावा मऽ आवणूं।
बढ़ावे में आना। उत्तेजना या प्रेरणा में कोई ऐसा वैसा काम कर जाना।

बढ़ोत्तरी होणूं।
बढ़ोत्तरी होना। उन्नति होना। धनधान्य से सम्पन्न होना।

बढ़णूं-घटणूं।
बढ़ना-घटना। कम-ज्यादा होना।

बणी बठणूं।
बन बैठना। अधिकार में कर लेना। कोई पद या अधिकार बलपूर्वक हथियाना।

बणी पड़णूं।
बन पड़ना। मौका मिल जाना। मौके का फायदा उठाना। हो सकना या सम्भव होना।

बणई नऽ राखणूं।
बनाकर रखना। सबसे अच्छे सम्बन्ध या मैत्री रखना।

बणेल खेल बिगड़णूं।
बना खेल बिगड़ना। सफल होते-होते रह जाना। सब कुछ अच्छा चलते-चलते एकदम सब बिगड़ जाना। उन्नति से अवनति को जाना।

बणी जाणूं।
बन जाना। सुधर जाना। अनुकूल परिस्थिति आना। सुअवसर आना।

बणी नऽ बिगड़ी जाणूं।
बनकर बिगड़ जाना। सब कुछ अच्छा हो जाने के बाद भी विपत्ति में आ जाना। गर्त में आना।

बण्यो काम बिगड़नूं।
बना काम बिगड़ना। सफलता की सम्भावना होते हुए भी काम असफल हो जाना।

बणी-ठणी नऽ रयणूं।
बन-ठनकर रहना। सज-सँवरकर निकलना।

बणी नऽ कईं करनूं।
बनकर कुछ करना। नकलीपन दिखाकर कुछ करना। कृत्रिमता दिखाकर व्यवहार करना।

बणई जाणूं।
बन जाना। मूर्ख बनाना। धोखा देना। चूना लगा जाना।

बण्यो बणायो होणूं।
बना-बनाया होना। तैयारशुदा या पूरा होना।

बणाया नी बणणूं।
बनाये न बनना। पूरी ताकत लगाने पर भी सफलता नहीं मिलना।

बठयो रयणूं।
बना रहना। जीवित रहना। साथ रहना। उपस्थित रहना।

बणिया-बक्काल होणूं।
धनवान, कंजूस। हानि-लाभ के बारे में पहले सोचने वाला। कायर होना। प्रतिष्ठित।

बणी बणायेल बिगड़नूं।
बनी-बनाई बिगड़ना। सब कुछ अच्छा होते हुए भी एकदम सब नष्ट हो जाना।

बणेल होणूं।
बना होना। ढोंगी, झूठा या धोखेबाज होना।

बण्या खऽ कोण बिगाड़ज।
बने की कौन बिगाड़ सकता है। जिसका सब कुछ अच्छा चल रहा है, उसका कौन बिगाड़ सकता है। उनका कुछ भी नहीं बिगड़ता। विपत्ति के समय में भी उनकी आर्थिक स्थिति खराब नहीं होती।

बतोला मारनूं।
बतोले मारना। डींग हाँकना। निखालिस बातें करना।

बत्ती बुझावणूं।
बत्ती बुझाना। अँधेरा करना। कुछ सूझ न पड़ना।

बत्ती बढ़ावणूं।
बत्ती बढ़ाना। दिया बुझाना।

बत्ती जलावणूं।
बत्ती जलाना। दिया-बत्ती करना। प्रकाश करना। सांझ होना।

बाती दिखाणूं।
बत्ती दिखाना। मार्गदर्शन करना। प्रकाश दिखाना।

बत्तीसी दिखावणूं।
बत्तीसी दिखाना। हँसना या दाँत निपोरना। कृतज्ञता प्रकट करने के उद्देश्य से दाँत दिखाना।

बत्तीसी बजणूं।
बत्तीसी बजना। ठंड के कारण दाँत कटकटाना।

बत्तीसी झड़ी जाणूं।
बत्तीसी झड़ जाना। सब दाँत गिर जाना।

बत्तीसी उखाड़णूं।
बत्तीसी उखाड़ना। बहुत मारना-पीटना। दाँत तोड़ देना।

बतासा वटाड़णूं।
बताशे बंटाना। खुशी जाहिर करना। शिशु जन्म या विवाह की खुशी में बताशे बाँटना।

बतासा सरीखो घुळी जाणूं।
बताशे सरीखा घुल जाना। शीघ्र घुल-मिल जाना। शीघ्र नष्ट हो जाना।

बदनाम करनूं।
बदनाम करना। बुराई करना। अवगुण बताना।

बद अच्छो बदनाम बुरो होणूं।
बद अच्छा बदनाम बुरा होना। बुरे से बुराई खराब होना।

बदी नऽ कयणूं।
बदकर कहना। बिल्कुल निश्चयपूर्वक कहना।

बदनीयत होणूं।
बदनीयत होना। बुरी नीयत होना। मन में कलुष होना।

बदनीयती करनूं।
बदनीयती करना। बुरी नजर रखना।

बदसलूक करनूं।
बदसलूकी करना। खराब व्यवहार करना।

बदगुमानी होणूं।
बदगुमानी होना। घमण्ड में चूर होकर बेलगाम व्यवहार करना। सन्देह की नजर से देखने वाला।

बदतमीजी करनूं।

बदतमीजी करना। मर्यादा या शिष्टाचार के खिलाफ व्यवहार करना।

बदचलन होणूं।
बदचलन होना। आचरण अच्छा नहीं होना।

बदन धरनूं।
वदन धरना। स्वस्थ होना। मोटा होना। शरीर में कसावट–चमक आना।

बदन टूटणूं।
वदन टूटना। जोड़–जोड़ में पीड़ा होना।

बदन बनाणूं।
वदन बनाना। अंग–प्रत्यंग को मजबूत करना। कसरत करना।

बदन कसणूं।
वदन कसना। तैयार होना या शरीर कसावटपूर्ण होना।

बदन की सुद नी रयणूं।
वदन की सुध न रहना। बदहोश। लापरवाह होना।

बदन चुराणूं।
वदन चुराना। सिकुड़ना या कामचोर होना।

बदन ढीलो पड़नूं।
वदन ढीला पड़ना। कमजोरी या शिथिलता अनुभव करना।

बदन भारी होणूं।
वदन भारी होना। बहुत मोटापा होना। बीमार होना। अस्वस्थता का अनुभव करना।

बदन मऽ रगत पीत्ती होणूं।
बदन में कोढ़ होना। हाथ–पैर में गलने वाली बीमारी होना। बुरे कर्म का प्रतीक–ऐसी लो मान्यता।

बदन मऽ आग लगणूं।
वदन में आग लगना। गुस्से से भर जाना।

बदला लेणूं।
बदला लेना। विरोध में किसी अन्य तरीकों से हानि पहुँचाना। प्रतिशोध लेना या बैर निकालना।

बदलो चुकाणूं।
बदला चुकाना। प्रतिदान देना। अपकारी का अपकार करना। जैसे को तैसा व्यवहार करना।

बदलो देणूं।
बदला देना। भलाई के साथ भलाई और बुराई के साथ बुराई देना।

बदला की भावना राखणूं।
बदले की भावना रखना। बैर निकालने की सोचते रहना।

बदला मऽ कई नी चायणूं।
बदले में कुछ नहीं चाहना। कर्म करते रहना फल की चाहना न होना।

बदली होणूं।
बदली होना। स्थानान्तरित होना। बादल छाना

बदली बजाणूं।
बदली बजाना। किसी के एवज में काम करना।

बदली जाणूं।
बदली जाना। परिवर्तित हो जाना।

बदली उठणूं।
बदली उठना। आकाश में थोड़े पानी भरे बादलों का जमा होना।

बदली–बदली सूरत होणूं।
बदली–बदली सूरत होना। सबकुछ बदल जाना। हालत बदलना।

बदहवास होणूं।
बदहवास होना। घबरा जाना। परेशान होना।

बद सी बत्तर होणूं।
बद से बदतर होना। बहुत खराब होना। उत्तम गुणवत्ता का न होना।

बदी नी करनूं।

बदी नहीं करना। जहाँ तक हो भला करना।

बदी पऽ उतरनूं।
बदी पर उतरना। हानि पहुँचाने का निश्चय करना।

बदी सी डरनूं।
बदी से डरना। आदमी को बुराई से डरना चाहिए।

बद्दुआ निकलणूं।
बद्दुआ निकलना। किसी के बुरा करने पर बुराई के विरूद्ध निकले वचन या शब्द। श्राप देना।

बद्दुआ सी लखोण्डो भी भसम हुई जाज।
बद्दुआ से लोहा भी भस्म हो जाता है। बद्दुआ अच्छे-अच्छे व्यक्ति की हैसियत को मिटा देती है।

बदेल होणूं।
बदा होना। भाग्य में होना।

बदर-बदर होणूं।
बदर-बदर होना। धीरे-धीरे खिसकना।

बद-बद की आवाज होणूं।
बद-बद की आवाज होना। भरे और खाली का अन्दाज होना।

बधिया होणूं।
बधिया होना। डरपोक या साहसहीन होना।

बधिया बठणूं।
बधिया बैठाना। काम बिगड़ना। अधिक हानि पहुँचना।

बधावो गावणूं।
बधावा गाना। शुभ अवसर पर मांगलिक गाना-बजाना होना।

बधाई बजणूं।
बधाई बजना। शुभ अवसर पर गाजे-बाजे बजना।

बनणूं-बिगड़णूं विधि हाथ होणूं।
बनना-बिगड़ना विधाता के हाथ होना। किसी कार्य की सफलता-असफलता ईश्वर के हाथ में है।

बनणूं-संवरनूं।
बनना-सँवरना। साज-शृंगार करना।

बनणूं।
बनना। कृत्रिमता दिखाना। स्वयं को श्रेष्ठ प्रदर्शित करना।

बनाणूं।
बनाना। किसी को धोखा देना। मूर्ख बनाना।

बनावटी होणूं।
बनावटी होना। झूठा, नकली या दिखावटी होना।

बनारसी ठग होणूं।
बनारसी ठग होना। बहुत चतुराई से ठगने वाला होना।

बन्द होणूं।
बन्द होना। दुकान, काम आदि बन्द होना।

बन्द करणूं।
बन्द करना। रोक देना।

बन्द-बन्द टूटणूं।
बन्द-बन्द टूटना। जोड़-जोड़ में दर्द होना।

बन्द-बन्द ढीला होणूं।
बंद-बंद ढीले होना। थक जाना या कमजोर होना।

बन्द मऽ गाठ देणूं।
बंद में गाँठ देना। याद रखने के लिये गाँठ बाँधना।

बन्दर घुड़की (भपकी देणूं)।
बन्दर घुड़की या भपकी देना। डराने-धमकाने के लिये डाँटना-डपटना। कोरी धमकी।

बन्दर सई नचाड़णूं।
बन्दर के समान नचाना। बहुत परेशान करना।

बपौती होणूं।
बपौती होना। अपना पूरा अधिकार जताना या होना।

बफारो होणूं।
बफारा होना। उमस होना। गर्मी में पसीने से भर जाना। बेचैनी होना।

बब्बर सेर होणूं।
बब्बर शेर होना। खूंखार होना। बहुत बहादुर होना।

बबूल बोवणूं।
बबूल बोना। काँटे बोना। अहितकर कार्य करना।

बबूल का पेड़ सी आम की आसा करनूं।
बबूल का पेड़ से आम की आशा करना। बुरे व्यक्ति से अच्छे व्यवहार की उम्मीद करना।

बबूल बोबऽ ते आम कहां सी पावऽ।
बबूल बोये तो आम कहाँ से पाये। बुरे कर्म का अच्छा फल कहाँ मिलना?

बमठस भरनूं।
बमठस भरना। पूरा-पूरा भरना।

बम भरनूं।
बम भरना। पूरा भरना।

बमचख करणूं।
बमचख करना। हो हल्ला करना। व्यर्थ की बहस करना।

बमबारी होणूं।
बमबारी होना। युद्ध छिड़ना। युद्ध होना। बम के गोले चलना।

बम बोली जाणूं।
बम बोल जाना। कुछ न रहना। खत्म हो जाना। दिवालिया होना। दम निकल जाना। हार जाना।

बमभोला की जयकार होणूं।
बमभोले की जयकार होना। आनन्द होना। भक्तिमय वातावरण होना।

बम-बम भोला, भांग का गोळा।
बम-बम भोले, भांग के गोले। भगवान शिव को भांग पीना प्रिय है, इसलिए भांग पीने वाले पहले शिव का नाम लेकर भांग पीते हैं।

बम शंकर, काटा लगऽ नी कंकर।
बम शंकर, काँटे लगे न कंकर। भगवान शंकर के नाम लेने से किसी प्रकार की विपत्ति या संकट नहीं आता।

बयान देणूं।
बयान देना। अदालत में मजिस्टेट के सम्मुख शपथ पूर्वक अपनी बात कहना।

बयान करनूं।
बयान करना। वर्णन करना। स्वीकार करना।

बयानो देणूं।
बयाना देना। पेशगी देना।

बयड़ी चढ़णूं।
बयड़ी चढ़ना। कठिन काम करना।

बयड़ी-खयड़ी होणूं।
बयड़ी-खयड़ी होना। उबड़ खाबड़ ऊँची-नीची जमीन होना।

बयार चलनूं।
बयार चलना। ठण्डी हवा चलना।

बरकत होणूं।
बरकत होना। कमाई में बचत होना। हर कार्य का जल्दी होना।

बरसाती नाळो होणूं।
बरसाती नाला होना। जल्दी गुस्सा करने वाला और गुस्सा उतरने वाला होना। क्षणिक उपलब्धियों पर इतराना।

बरसाती ढेढर होणूं।
बरसाती मेंढक होना। बहुत बक-बक करने वाला होना।

बरसी जाणूं।
बरस जाना। एकदम वर्षा हो जाना। एकदम गुस्सा हो जाना।

बरसो बरस झुलाणूं (झुलणूं)।
बरसो बरस झुलाना या झूलना। बहुत प्रतीक्षा कराना या करना।

बरसो की मीनत काम आवणूं।
बरसों की मेहनत काम आना। पूर्व में की गई मेहनत का फल मिलना।

बरस लगी जाणूं।

बरस लग जाना। बहुत समय लग जाना।

बरसादा लगणूं।
बरसादा लगना। कई बरस लग जाना।

बरफ को पिघलणूं।
बर्फ का पिघलना। शीघ्र नष्ट होने वाला होना। प्रभावित होना।

बरफ हुई जाणूं।
बर्फ हो जाना। ठण्डा हो जाना। शान्त हो जाना।

बरपी जाणूं।
बरप जाना। गुस्सा हो जाना।

बराबर करनूं।
बराबर करना। खर्च। नष्ट करना। पूरा करना।

बराबर को होणूं।
बराबर का होना। समान शक्ति, धन या अवस्था का होना।

बराबरी करनूं।
बराबरी करना। मुकाबला करना। सामना करना। नकल करना।

बरोबर होणूं।
बराबर होना। समूल नष्ट होना। मिटाना या पूरा कर देना।

बरबाद करनूं।
बरबाद करना। नष्ट करना।

बरोबर की टक्कर होणूं।
बराबर की टक्कर होना। समान शक्तिवालों का मुकाबला होना।

बराबरी वाला।
बराबरी वाले। पड़ोस में रहने वाले। समान स्थिति वाले।

बरी होणूं।
बरी होना। अदालत से केस जीतना। दोष मुक्त होना। बिना लांछन के जीतना। छोड़ा जाना।

बर्खास्त होणूं।
बर्खास्त होना। नौकरी से निकालना।

बर्र का छत्ता मऽ हाथ न्हाखणूं।
बर्र के छत्ते में हाथ डालना। आफत या संकट मोल लेना।

बरगळावणूं।
बरगलाना या बहकाना। बहका देना। चित्त विचलित कर देना। दुविधा में डाल देना।

बळ खाणूं।
बल खाना। अकड़ना, टेढ़ा होना या ऐंठना।

बळ पड़नूं।
बल पड़ना। विरोध या सिकुड़न होना। काम का उलझ जाना।

बळ देणूं।
बल देना। ऐंठना या जोर देना। किसी काम के लिये विवश करना।

बळ निकळणूं।
बल निकलना। घमण्ड चूर होना।

बळ खोलणूं (निकाळणूं)।
बल खोलना या निकालना। ऐंठन या उलझन सुलझना।

बलबूता पऽ काम करणूं।
बलबूते पर काम करना। अपनी ताकत के भरोसे काम करना।

बळ पऽ कईं करणूं।
बल पर कुछ करना। अपने भरोसे। या सहारे पर कार्य करना।

बल मिलणूं।
बल मिलना। प्रोत्साहन या बढ़ावा मिलना।

बला टालनूं।
बला टालना। टालमटूली करना। झंझट या परेशानी से छुटकारा पाना।

बला गळा पड़णूं।
बला गले पड़ना। अनचाहे झंझट में पड़ना।

बला मोल लेणूं।
बला मोल लेना। जानबूझकर झंझट में पड़ना।

बला सी जाणूं।
बला से जाना। कोई चिन्ता न होना।

बला की चीज होणूं।
बला की चीज होना। कुछ विशेष होना। अधिक आकर्षक या अधिक अनाकर्षक। विशेष गुण अवगुण सम्पन्न।

बला होण लेणूं।
बलाएँ लेना। दुआएँ देते हुए प्यार करना। सिर, गाल, ठोड़ी पर हाथ फेरना और हाथ को चूमना।

बला माथा पऽ लेणूं।
बला सिर पर लेना। जानबूझकर झंझट लेना। परेशानी में फँसना।

बलात् हटावणूं।
बलात् हटाना। जबरन हटा देना।

बलि देणूं (चढ़ाणूं)।
बलि देना या चढ़ाना। किसी जीवित पशु या पक्षी को भेंट चढ़ाना। देवी-देवता के लिए पशु-पक्षी को मार डालना।

बलि को बकरो होणूं।
बलि का बकरा होना। दूसरों के लिये मारा जाना।

बलिदान देणूं।
बलिदान देना। प्राणोत्सर्ग करना।

बलिहारी होणूं।
बलिहारी होना। प्रेम दिखाना। प्रभाव होना। न्यौछावर होना।

बल्ली उछलणूं।
बल्लियाँ उछलना। अत्यधिक प्रसन्न होना।

बलि जाणूं।
बलि जाना। न्यौछावर होना।

बलिवेदी पऽ शीश चढ़ाणूं।
बलिवेदी पर शीश चढ़ाना। अपना बलिदान करना। मातृभूमि पर मर मिटना।

बल्ली लगावणूं।
बल्ली लगाना। सहारा देना। किसी को गिराने की कोशिश करना।

बवाल मचावणूं।
बवाल मचाना। झगड़ा- झंझट करना। तूफान मचाना।

बवाल उठणूं।
बवाल उठना। झगड़ा बढ़ना। अनचाहा काम होना।

बवंडर उठणूं।
बवंडर उठना। तूफान उठना। हो हल्ला करना। आक्रोश प्रकट करना।

बवंडर खड़ो करनूं।
बवंडर खड़ा करना। झगड़ा करना। अशान्ति पैदा करना।

बवाल कटणूं।
बवाल कटना। झंझट दूर होना। परेशानी दूर होना।

बवालज करनऽ पऽ उतारु होणूं।
बवाल ही करने पर उतारू होना। झगड़ा ही करने पर उतारू होना। झगड़े के लिये तैयार होना।

बशर करनूं।
बशर करना। जीवन यापन करना।

बस मऽ होणूं।
वश में होना। अधिकार में होना।

बस का भायर होणूं।
वश के बाहर होना। अपने बूते से बाहर का काम होना।

बस चलनूं।
वश चलना। अधिकार में होना। शक्ति या सामर्थ्य होना।

बस नी चलनूं।
वश नहीं चलना। अधिकार में न होना। कोई प्रभाव न होना।

बस मऽ करनूं।
वश में करना। अधिकार में कर लेना। मोहित कर लेना या होना।

बस की बात नी होणूं।
वश की वात नहीं होना। बूते में नहीं होना। कर न सकना।

बस करनूं।
वश करना। आगे काम न कर पाना। आगे की गतिविधि रोकना।

बस मऽ कर लेणूं।
बस में कर लेना। पराजित करना। अधिकार में करना।

बसेरो करनूं।
बसेरा करना। बस जाना। स्थायी रह जाना। ठहरना या निवास करना।

बसेरो मिलणूं।
बसेरा मिलना। बस जाने का सहारा मिलना। जगह मिलना।

बसेल खऽ उजाड़णूं।
बसे को उजाड़ना। किसी जगह रहने वाले को स्थान छोड़ने को बाध्य होना। किसी की जीविका छीन लेना।

बसेल घर उजाड़णूं।
बसा घर उजाड़ना। पत्नी की मृत्यु होना। बड़ा अहित होना या घर के लोगों का विलग-विलग हो जाना।

बसी जाणूं।
बस जाना। स्थायी निवास कर लेना। समा जाना।

बस्तो बांधणूं।
बस्ता बाँधना। जाने की तैयारी करना।

बहकी जाणूं।
बहक जाना। भावातिरेक में आ जाना।

बहकी-बहकी वात नऽ करनूं।
बहकी-बहकी बातें करना। असम्बद्ध बातें करना। इधर-उधर की बातें करना। बड़ी-बड़ी बातें करना।

बही जाणूं।
बह जाना। भावुक हो जाना। नष्ट हो जाना।

बहती गंगा मऽ हात धोणूं।
बहती गंगा में हाथ होना। हाथ आये अवसर का पूरा-पूरा लाभ लेना।

बहकई लई जाणूं।
बहका ले जाना। धोखा देकर भगा ले जाना।

बहतो पाणी होणूं।
बहता पानी होना। अस्थिर या निरन्तर गतिशील। यहाँ वहाँ घूमने वाला।

बहन बेटी एक करनूं।
बहन बेटी एक करना। गाली गलौच करना।

बहाई लईं जाणूं।
बहा ले जाना। प्रभावित कर लेना। भावातिरेक में हो जाना।

बहानो बणाणूं।
बहाना बनाना। झूठा कारण बताना।

बहार पऽ आवणूं।
बहार पर आना। पूर्ण विकसित शोभा होना। यौवन पर आना।

बहाल करनूं।
बहाल करना। फिर से नौकर रख लेना।

बहाव मऽ बहणूं।
बहाव में बहना। किसी कार्य या विचार के प्रभाव में होना।

बही खाता मऽ लिखणूं।

बही खाते में लिखना। उधार खाते में लिखना।

बहुत दूर की कौड़ी लावणूं।
बहुत दूर की कौड़ी लाना। अनूठी बात कहना। या करना।

बहुत दूर की सूझणूं।
बहुत दूर की सूझना। भविष्य की चिन्ता करना। ऊँची कल्पना करना।

बहुत खूब करनूं।
बहुत खूब करना। कमाल का काम करना। श्रेष्ठ काम।

बहुत कुछ होणूं।
बहुत कुछ होना। जो सोचा नहीं, वह हो जाना।

बहुत पांय पटकणूं।
बहुत पाँव पटकना। खूब कोशिश करना। अधिक प्रयत्न करना।

बहुरुप्योपण करनूं।
बहुरुपियापन करना। स्वांग करना। ढोंग करना। नकल उतारना।

बहुत भारी पड़णूं।
बहुत भारी पड़ना। सिर पर बोझ होना। काफी प्रभावशील होना। तुलना न होना।

बांकपण होणूं।
बांकपन होना। कुछ विशेष होना। टेढ़ापन होना। कटीली अदा होना।

बाकी रयणूं।
बाकी रहना। शेष रहना। ऋण रहना।

बाकी नी राखणूं।
बाकी न रखना। सब कुछ कह या कर डालना।

बाखल मऽ।
बाखल में। मोहल्ले में।

बाखला डालणूं।
बाखला डालना। बाहरी बाधा से बचना।

बांग देणूं।
बांग देना। सुबह मुर्गे का बोलना। पुकारना या चिल्लाना।

बागडोर हाथ मऽ आवणूं।
बागडोर हाथ में आना। कब्जे में आना। प्रबन्ध या संचालन हाथ में आना।

बाग-बाग होणूं।
बाग-बाग होना। अत्यन्त प्रसन्न होना।

बागड़ लगावणूं।
बागड़ लगाना। प्रवेश निषेध करना। काँटे बिछाना। अपना अधिकार करना।

बागड़ मऽ सेंधळ्ई देणूं।
बागड़ में सेंधला देना। एक तरफ कर देना। काँटों में डाल देना।

बागुल करनूं।
बागुल करना। खाने की चीज को बार-बार चबाना या व्यर्थ में मुँह चलाना।

बाघ अरु बकरी नऽ एक घाट पाणी पीणूं।
बाघ और बकरी एक घाट पानी पीना। समानता होना। हिंसक और निरीह दोनों एक साथ होना। भेदभाव न होना।

बांछऽ नऽ खिळी जाणूं।
बाँछें खिल जाना। प्रसन्न हो जाना।

बाज आवणूं।
बाज आना। परेशान होना।

बाजू करनूं।
बाजू करना। एक तरफ कर देना।

बाजार गरम करनूं (होणूं)।
बाजार गर्म करना या होना। अनुकूल होना। खूब काम मिलना-करना। अच्छी कमाई होना।

बाजार ठण्डो होणूं।
बाजार ठण्डा होना। बाजार में लेन-देन कम होना। दाम घटना। कारोबार कम चलना।

बाजार मन्दो पड़णूं।
बाजार मन्दा पड़ना। बाजार में किसी चीज की माँग कम होना।

बाजार भाव पिटणूं।
बाजार भाव पिटना। बाजार में लेवल कम होना। कीमत घट जाना।

बाजार गिरनूं।
बाजार गिरना। मूल्य में कमी होना।

बाजार चढ़णूं (तेज होणूं)।
बाजार चढ़ना या तेज होना। मूल्य बढ़ना। माँग में वृद्धि होना।

बाजार भाव ठहरनूं।
बाजार भाव ठहरना। मूल्य स्थिर होना।

बाजार मजबूत होणूं।
बाजार मजबूत होना। बाजार में व्यापारियों को अच्छा मूल्य मिलना। माँग बनी रहना।

बाजार बन्द होणूं।
बाजार बन्द होना। बाजार की दूकानें न खुलना।

बाजार छाणी न्हाखणूं।
बाजार छान डालना। बाजार भावों को अच्छी तरह से जान लेना। बाजार की वस्तुओं की अच्छी जानकारी करना।

बाजार मऽ गरमी आवणूं।
बाजार में गरमी आना। चीजों की अधिक माँग होना।

बाजार मऽ डंको पीटणूं।
बाजार में डंका पीटना। खुले आम कहना। सब जगह फैलाना।

बाजार लगावणूं।
बाजार लगाना। देह व्यापार में लिप्त होना। वस्तुएँ बेचना।

बाजार मऽ बठणूं।
बाजार में बैठना। वैश्यावृत्ति करना।

बाजार बगलणूं।
बाजार फैलाना। इज्जत खुल जाना।

बाजारू होणूं।
बाजारु होना। आदमी/औरत की कोई इज्जत न होना। बदचलन स्त्री या पुरुष।

बाजार मऽ आग लगणूं।
बाजार में आग लगना। वस्तुएँ बहुत महंगी होना। महंगाई बढ़ना।

बाजार करनऽ जाणूं।
बाजार करने जाना। बाजार में सौदा करने जाना।

बाजार लूटणूं।
बाजार लूटना। बाजार में किसी चीज का अधिक बिकना।

बाजार देखी नऽ वस्तु निकालणूं।
बाजार देखकर वस्तु बेचना। बाजार के भाव देखकर उत्पाद बेचना। दो पैसे अधिक मिलना।

बाजार मऽ मिलणूं।
बाजार में मिलना। वस्तु किसी के घर में नहीं मिलना, बाजार में ही उपलब्ध होना।

बाजार बतावणूं।
बाजार बताना। बेच देना या बेचने ले जाना।

बाजी मारनूं।
बाजी मारना। जीतना या विजयी होना। स्पर्धा में प्रथम आना।

बाजी खाणूं।
बाजी खाना। पराजित होना।

बाजी खेलणूं।
बाजी खेलना। हार जीत की शर्त लगाना।

बाजी पऽ लगावणूं।
बाजी पर लगाना। दांव पर लगाना। जुआ खेलना।

बाजी हात सी जाणूं।

बाजी हाथ से जाना। पराजय मिलना।

बाजी पलटणूं।
बाजी पलटना। स्थिति बदल जाना। जीत की हार हो जाना।

बाजी मारी लेणूं।
बाजी मार लेना। विजित हो जाना। सफल हो जाना।

बाजीगर होणूं।
बाजीगर होना। जादूगर होना। किसी काम को सफलता से करने वाला होना। तंत्र-मंत्र, जादू के खेल करने वाला।

बाजीगरी दिखाणूं।
बाजीगरी दिखाना। होशियारी या प्रवीणता का प्रदर्शन करना।

बाजू टूटणूं।
बाजू टूटना। मददगार न रह जाना।

बाजू आजमाणूं।
बाजू आजमाना। ताकत दिखाना।

बाट देखणूं।
बाट देखना। राह देखना। प्रतीक्षा करना।

बाट जोहणूं।
बाट जोहना। रास्ता देखना। प्रतीक्षा करना।

बाट जोहतऽ जोहतऽ डोळ्या पथरई जाणूं।
बाट देखते-देखते आँखें पथरा जाना। प्रतीक्षा करते-करते थक जाना। बहुत प्रतीक्षा करना।

बाढ़ आवणूं।
बाढ़ आना। पानी बढ़ना। किसी चीज की अधिकता आना।

बाढ़ पऽ आवणूं।
बाढ़ पर आना या बढ़ना। उत्तेजित होना। जोश में आना।

बाढ़ मऽ वही जाणूं।
बाढ़ में बह जाना। पूर में घर मकान बह जाना। धन जन की हानि होना। किसी बात या मत के गहरे प्रभाव में बह जाना।

बाढ़ पऽ चढ़णूं।
बाढ़ पर चढ़ना। जोश में आना। साहस बढ़ना।

बाण चलाणूं।
बाण चलाना। व्यंग्य करना। कष्ट देना। पीड़ा देना।

बाण सरीखो सीना मऽ चुभणूं।
बाण सरीखा सीने में धंसना। हृदय में तकलीफ होना। चुभना या दर्द होना।

बात को बतंगड़ बनाना।
बात का बतंगड़ बनाना। साधारण बात को व्यर्थ बड़ा बनाना।

बात को सिर-पैर नी होणूं।
बात के सिर पैर न होना। बेतुकी या बेढंगी बात करना।

बात की तह तक जाणूं।
बात की तह तक जाना। असली बात या पूरे रहस्य को जान लेना।

बात आई-गई हुई जाणूं।
बात आई-गई हो जाना। बात भूल जाना। बात को और अधिक महत्त्व न देना।

बात को आगऽ बढ़णूं (बढ़ाना)।
बात को आगे बढ़ना या बढ़ाना। चर्चा आगे बढ़ना या बढ़ाना। झगड़ा होना। अनुचित ढंग से बात होना।

बात उगलणूं।
बात उगलना। गुप्त बात को सबके सामने बता देना।

बात खऽ उछालनूं।
बात को और अधिक नमक मिर्च लगाकर लोगों को कहना। बदनाम करना या अफवाह फैलाना।

बात उड़णूं (उड़ावणूं)।
बात उड़ना या उड़ाना। बात फैलना। अधिक चर्चा होना। चर्चा या अफवाह फैलाना।

बात उलटणूं (पलटणूं)।
बात उलटना या पलटना। अपनी कही हुई बाल पर टिके न रहना। बात को बदल देना।

बात आई पड़णूं।
बात आ पड़ना। प्रतिष्ठा का प्रश्न होना। इज्जत का सवाल होना।

बात आईना की तरह साफ होणूं।
बात काँच की तरह साफ होना। सरल या समझने योग्य बात होना।

बात उठणूं।
बात उठना। चर्चा होना।

बात उड़ई देणूं।
बात उड़ा देना। बात को टाल देना। महत्त्व न देना। ध्यान न देना।

बात उलझी जाणूं।
बात उलझ जाना। समस्या का हल न निकलना।

बात ऊँची राखणूं।
बात ऊँची रखना। अपनी बात मनवाने का आग्रह होना।

बात को कच्चो होणूं।
बात का कच्चा होना। अपनी बात पर स्थिर न रहने वाला।

बात को पक्को होणूं।
बात का पक्का होना। अपनी बात पर अडिग रहने वाला।

बात की कड़ी जोड़नूं।
बात की कड़ी जोड़ना। बात को आगे बढ़ाना।

बात की बात मऽ।
बात की बात में। तुरन्त या बिना विशेष प्रयत्न हो जाना।

बात खुलणूं (खोलणूं)।
बात खुलना या खोलना। गुप्त बात प्रकट होना या करना। रहस्य खुलना या खोलना।

बात खोली नऽ कयणूं।
बात खोलकर कहना। बात स्पष्ट करके बताना।

बात गळा को नीच्च उतरनूं।
बात गले के नीचे उतरना। किसी बात को समझकर स्वीकारना।

बात चुभी जाणूं।
बात चुभ जाना। हृदय को बहुत बुरा लगना।

बात छिपाणूं।
बात छिपाना। बात को गुप्त रखना।

बात छुई जाणूं।
बात छू जाना। बात का गहरा प्रभाव पड़ना।

बात जमणूं।
बात जमना। किसी बात का हृदय में भलीभाँति स्थान बना लेना। युक्ति सफल होना।

बात झूठी पड़णूं।
बात झूठी पड़ना। कही बात पूरी न होना। वचन का पालन न करना।

बात टालई जाणूं।
बात टाल जाना। किसी बात के बदले अन्य बात करना।

बात तक पहुँचणूं।
बात तक पहुँचना। असल मतलब या अर्थ समझना।

बात ताजी हुई जाणूं।
बात ताजी हो जाना। फिर से चर्चा में आना।

बात तीर सी चुभणूं।
बात तीर सी चुभना। बात का हृदय को पीड़ा पहुँचाना।

बात तोली नऽ कयणूं।
बात तोलकर कहना। समझ-बूझकर बात कहना। अप्रासंगिक बात न बोलना।

बात नी करनूं।
बात नहीं करना। मनमुटाव होना।

बात करनूं नी आवणूं।

बात करना नहीं आना। कुछ कह नहीं पाना।

बात नीची पड़णूं।

बात नीची पड़ना। बात का प्रभाव न होना।

बात पी जाणूं।

बात पी जाना। किसी कड़वी बात को मन में दबा जाना।

बात पेट मऽ न्हाखणूं।

बात पेट में डालना। बात अपने तक गुप्त रखना। छुपाकर रखना।

बात कान मऽ न्हाखणूं।

बात कान में डालना। कोई बात याद रखने के लिये कह देना।

बात पची जाणूं।

बात पच जाना। किसी बात का अपने तक सीमित रखना।

बात पऽ चलनूं।

बात पर चलना। किसी के कहे अनुसार काम करना।

बात बड़ी करणूं।

बात बड़ी करना। बात को फैलाना। बात की इज्जत करना।

बात बढ़णूं (बढ़ाणूं)।

बात बढ़ना या बढ़ाना। विवाद या झगड़ा बढ़ाना। व्यर्थ माथापच्ची होना।

बात बढ़ई नऽ कयणूं।

बात बढ़ाकर कहना। अपनी ओर से अतिशयोक्ति पूर्ण तरीके से कहना।

बात बिगड़नूं (बिगाड़नूं)।

बात बिगड़ना या बिगाड़ना। स्थिति खराब होना या करना।

बात लगणूं।

बात लगना। किसी बात से हृदय व्यथित होना।

बात राखी लेणूं।

बात रख लेना। इज्जत बनाये रखना। कही बात के अनुसार काम हो जाना।

बात आइनो होणूं।

बात आइना होना। बात सहज समझ में आने वाली होना।

बात काटणूं।

बात काटना। बीच में बोलना। विरोध करना। बात न मानना।

बात कान मऽ पड़णूं।

बात कान में पड़ना। बात सुनने में आना। पता चलना।

बात को धनी होणूं।

बात का धनी होना। कहकर निभाने वाला। सत्यप्रतिज्ञ होना।

बात को हेटो होणूं।

बात को हेटा होना। बात का ओछा होना। झूठा या कहकर न करने वाला होना।

बात खऽ गांठ मऽ बांधणूं।

बात को गाँठ में बाँधना। याद रखना। शिक्षा ग्रहण करना।

बात खाली जाणूं।

बात खाली जाना। बात को न निभाना। कहना व्यर्थ जाना।

बात खोणूं।

बात खोना। सम्मान गंवाना।

बात गढ़णूं (बनाणूं)।

बात गढ़ना या बनाना। बहाने बनाना।

बात गोल करनूं।

बात गोल करना। बात को छोड़ देना। भूल जाना।

बात चलनूं।

बात चलना। चर्चा होना।

बात जाणूं।

बात जाना। विश्वास समाप्त होना।

बात टली जाणूं।

बात टल जाना। काम या चर्चा भविष्य में न होना। झगड़ा रुक जाना।

बात टकई जाणूं।

बात टका जाना। हमेशा याद रखने योग्य होना।

बात छिलणूं।

बात छिलना। अधिक बहस करना। आलोचना करना।

बात दबी जाणूं।

बात दब जाना। झगड़ा रुक जाना। बदनामी न होना।

बात ठहरनूं।

बात ठहरना। बात निश्चित होना। पक्की होना।

बात ठुकरावणूं।

बात ठुकराना। प्रस्ताव न मानना।

बात तोड़नूं (मरोड़नूं)।

बात तोड़ना या मरोड़ना। बात का गलत या कुछ से कुछ अर्थ लगाना।

बात दुइराणूं।

बात दोहराना। एक ही बात को दो बार कहना। उलटकर जवाब देना।

बात नी फूटणूं।

बात नहीं फूटना। चुप रहना। बोलने का साहस न होना।

बात पकड़नूं।

बात पकड़ना। कही हुई बात पर तर्क करना।

बात पक्की करनूं।

बात पक्की करना। सगाई या विवाह सुनिश्चित करना।

बात पटणूं।

बात पटना। सौदा या लेनदेन तय होना। सामन्जस्य होना।

बात पऽ जाणूं।

बात पर जाना। कहने का विश्वास करना।

बात पर तुली जाणूं।

बात पर तुल जाना। बात पर अड़ जाना या जिद करना।

बात पल्लू मऽ बांधी लेणूं।

बात पल्लू में बाँध लेना। हमेशा के लिये याद रखना।

बात पूछणूं।

बात पूछना। सुख-दुख के बारे में बातें करना। आदर करना।

बात फेंकणूं।

बात फेंकना। इधर-उधर की बातें करना। तीखे वचन कहना।

बात फेरनूं।

बात फेरना। प्रसंग बदलना। बात पलटना।

बात होठ नऽ पऽ लावणूं।

बात ओठों पर लाना। कहने में आना। किसी की बात पर विश्वास करना।

बात मऽ बात निकलणूं।

बात में बात निकलना। एक प्रसंग से दूसरा प्रसंग निकलना।

बात राखणूं।

बात रखना। अपना वचन निभाना।

बात लाणूं (चलाणूं)।

बात लाना या चलाना। सगाई सम्बधी बात चलना। चलाना।

बात लई उड़णूं।

बात ले उड़ना। किसी बात का गलत अर्थ ले लेना। अपने मतलब की बात पर ध्यान देना।

बात नऽ मिलावणूं।

बातें मिलाना। झूठ बोलना।

बात नऽ मलावणू।

बातें मलाना। बाते खूब जमा-जमा या तर्क पूर्ण तरीके से कहना।

बात नऽ लगावणूं।

बात लगाना। इधर की बात उधर लगाना। चुगली करना। निन्दा करना।

बात नऽ छांटणूं।
बातें छाँटना। बढ़-चढ़कर बातें करना।

बात नऽ सुनणूं।
बातें सुनना। शिकायतें सुनना। गालियाँ सुनना।

बात नऽ सुणाणूं।
बातें सुनाना। डाँटना या बुरा भला कहना।

बात नऽ मऽ आवणूं।
बातों में आना। विश्वास करना।

बात नऽ खोई जाणूं।
बातों में खो जाना। बातों में तल्लीन हो जाना। शेष कामों की याद भूल जाना।

बात नऽ मऽ लगाणूं।
बात में लगाना। किसी का ध्यान बातचीत में लगाना।

बादळ घुमड़णूं।
बादल घुमड़ना। बादलों का छा जाना। वर्षा होने का संकेत।

बादळ गरजणूं।
बादल गरजना। बादलों का आपस में टकराना। उसकी आवाज आना। गड़गड़ाहट होना।

बादळ मंडराणूं।
बादल मंडराना। वर्षा के आसार नजर आना। आने वाली विपत्ति की सूचना होना।

बादल फटणूं।
बादल फटना। घनघोर वर्षा होना। मूसलाधार वर्षा होना।

बादळा मऽ बुरको करनूं।
बादलों (आकाश) में छेद करना। असंभव कार्य करना।

बादळ घिरनूं।
बादल घिरना। चारों ओर बादल छा जाना।

बादळा मऽ थेगळो लगावणूं।
बादल (आकाश) में थेगला लगाना। असंभव काम करना।

बादळा सी वात करनूं।
बादल (आकाश) से बात करना। ऊँची-ऊँची बात करना।

बाधा आवणूं (पड़णूं)।
बाधा आना या पड़ना। रुकावट आना। कठिनाई आना। हानि होना या कष्ट आना।

बानो धारण करनूं।
बाना धारण करना। विशेष वेश धारण करना। कपड़े पहनना।

बाप तक जाणूं।
बाप तक जाना। बाप को गाली देना। पिता को अपमानित करना।

बापदादा नऽ को नाव डुबावणूं।
बाप दादाओं का नाम डूबाना। परिवार का सम्मान खो देना।

बाप दादा का जमाना का।
बाप दादों के जमाने का। कई पीढ़ियों से चला आना।

बापदादा बखाणणूं।
बाप दादा बखानना। बाप दादा से सम्बधित गालियाँ देना।

बाप बणावणूं।
बाप बनाना। खुशामद करना। आदर करना।

बापदादा के नाम उजागर करनूं।
बाप दादा का नाम उजागर करना। पूर्वजों के यश को बढ़ाना।

बाप.... रे।
बाप.... रे। आश्चर्य या दुःख सूचक शब्द।

बाप को कुओ होय तो डूबी मरनूं।
बाप का कुँआ हो तो डूब मरना। सुविधा का दुरुपयोग तक करना।

बाप खऽ बाप नी कयणूं।
बाप को बाप नहीं कहना। पिता के रिश्ते का भी सम्मान न करना।

बाबा आदम का जमाना को होणूं।
बाबा आदम के जमाने का होना। बहुत पुरातन होना।

बाबाजी बणनूं।
बाबाजी बनना। लुटा जाना। साधु बन जाना।

बाया हात को काम होणूं।
बायें हाथ का काम होना। अत्यन्त सरलता से किया जाने वाला काम।

बारहखड़ी याद करनूं।
बारहखड़ी याद करना। एक-एक चीज याद करना। प्रारंभिक ज्ञान का होना।

बारात चलनूं।
बारात चलना। बहुत से लोगों का साथ होना। धूमधाम से जलशा निकलना।

बारात चढ़णूं।
बारात चढ़ना। दूल्हे का बारातियों सहित दुल्हन के द्वार पर पहुँचना।

बारीकी करनूं।
बारीकी करना। कंजूसी करना।

बारीकी निकालणूं।
बारीकी निकालना। सामान्य गुण दोष निकालना।

बारी बांधणूं।
बारी बाँधना। क्रम से नम्बर आना। अलग-अलग समय निश्चित होना।

बारूद को ढेर होणूं।
बारूद का ढेर होना। सर्वनाश का सामान या विस्फोटक होना।

बारूद बिछाणूं।
बारूद बिछाना या नाश। हानि पहुँचाने की तैयारी करना।

बाल की खाल निकालणूं।
बाल की खाल निकालना। बारीक से बारीक गुणदोष निकालना।

बाल बाको नी होणूं।
बाल बाका नहीं होना। कुछ नहीं बिगड़ना।

बाल बरोबर नी समझणूं।
बाल बराबर न समझना। तुच्छ या महत्त्वहीन समझना।

बाल परवाय नी करनूं।
बाल परवाह न करना। कोई ध्यान न देना।

बाल पकणूं।
बाल पकना। अनुभव होना।

बाल पकाणूं।
बाल पकाना। बूढ़ा अनुभवी होना।

बाल खिचड़ी होणूं।
बाल खिचड़ी होना। सफेद काले बाल होना। मिश्रित बाल होना।

बाल धूप मऽ धवळा होणूं।
बाल धूप में सफेद होना। बूढा होना लेकिन अनुभव कुछ नहीं होना।

बाळ देणूं।
बाल देना। पिता के मरने पर दशा कर्म में बाल देना।

बाल-बाल बचणूं।
बाल-बाल बचना। खतरे से सुरक्षित बच जाना।

बाल खड़ा होणूं।
बाल खड़े होना। रोमांचित होना। भयभीत होना।

बाला-बाला करना।
बाला-बाला करना। ऊपर-ऊपर, बाहर-बाहर, ऐसे करना जैसे किसी को पता न चले। बिना किसी को बताये या कहे।

बाल-बाल मोती पुरावणूं।
बाल-बाल मोती पुरोना। अत्यधिक परम्परा के अनुसार शृंगार प्रिय होना।

बलाए ताक राखणूं।
बलाए ताक रखना। एकदम भूल जाना। उठाकर एकदम अलग रख देना।

बालू को घरौंदा बणाणूं।
बालू का घरौंदा बनाना। जल्दी तहस-नहस होने या टूटने वाला घर बनाना। नष्ट होने वाला अस्थायी घर बनाना।

बालू मऽ नाव चलाणूं।
बाल में नाव चलाना। मूर्खतापूर्ण और निष्फल प्रयत्न करना।

बावन तोला पाव रत्ती।
बावन तोले पाव रत्ती। बिल्कुल ठीक या सही।

बावन्यो होणूं।
बावन्या होना। छोटे कद का या वामन के आकार का।

बासी कढ़ी मऽ उबाल आना।
बासी कढ़ी में उबाल आना। जोश ठंडा होने के पश्चात् फिर से बहुत दिन बाद जोश आना।

बाहर की हवा लगणूं।
बाहर की हवा लगना या बाहर के वातावरण को अधिक पसंद करना।

बाहर-भीतर करनूं।
बाहर-भीतर करना। असमंजस में होना। ना समझी करना।

बिकाऊ होणूं।
बिकाऊ होना। बिकने वाला या किसी मूल्य पर सिद्धान्त से हटना।

बिकी जाणूं।
बिक जाना। गुलाम हो जाना।

बिखरी जाणूं।
बिखर जाना। गिरकर फैल जाना। हठ करना या नाराज होना।

बिगड़ी जाणूं।
बिगड़ जाना। लड़ना या रुठना या खराब हो जाना। बुरी लत में लग जाना।

बिगाड़ होणूं।
बिगाड़ होना। नुकसान होना।

बिजळई गिरनूं।
बिजली गिरना। नष्ट होना या प्रभावित करना।

बिधि विधान सी काम होणूं।
विधि विधान से काम होना। नियम कानून के अनुसार होना।

बिदा लेणूं।
विदा लेना। जाने की अनुमति लेना। अन्तिम विदाई लेना।

विपदा को आवणूं।
विपदा का आना। संकट का आना।

बिरादरी सी भायर होणूं।
बिरादरी से बाहर होना। जाति बाहर होना। बहिष्कृत होना।

बिलग होणूं।
बिलग होना। अलग होना। खुश न होना।

बिल ढूंढणूं।
बिल ढूँढना। बचने या छिपने की जगह ढूँढना।

बिल बिलाणूं।
बिल बिलाना। पीड़ा से कराह उठना। कष्ट में रहना।

बिस्तर बांधणूं।
बिस्तर बाँधना। कहीं जाने की तैयारी करना।

बीच बचाब करनूं।
बीच बचाव करना। झगड़े को रोकना। सुलह करवाना।

बीच मऽ पड़नूं।
बीच में पड़ना। पंच बनना या फैसला करना। सहायता के लिये उतर पड़ना।

बीच मऽ धरी नऽ।
बीच में रखकर। गवाह रखकर या मध्यस्थ होना।

बिच्छू चढ़णूं।

बिच्छू चढ़ना। अति दुख होना।

बिच्छू को बिडार पुट पर।

बिच्छू का हथिचार पीठ पर। जहरीला बिच्छू सदैव डंक उठाकर चलता है।

बीड़ो उठाणूं।

बीड़ा उठाना। किसी कार्य करने के लिये कटिबद्ध होना।

बीसी होणूं।

बीसी होना। चारों तरफ से कमाई होना।

बीस विस्वा सई होणूं।

बीस विस्वा सही होना। हर तरह से सत्य या पक्का होना। निश्चित रूप से।

बुखार आवणूं।

बुखार आना। ज्वर चढ़ना। काम करने में आना कानी करना।

बुरो फँसणूं।

बुरा फँसना। बड़ी आफत में आना।

बुरों माननूं।

बुरा मानना। अप्रसन्न होना। अनुचित समझना।

बुरो हाळ होणूं।

बुरा हाल होना। चिन्ताजनक दशा होना।

बूट की ठोकर मारनूं।

बूट की ठोकर मारना। अपमानित करना। असम्मान करना। हेय समझना।

बूंद भर होणूं।

बूंद भर होना। बहुत थोड़ा होना।

बूंद-बूंद सी घड़ो भरनूं।

बूंद-बूंद से घड़ा भरना। थोड़ी-थोड़ी धीरे-धीरे बचत से ही पैसा इकट्ठा होना।

बूंद नऽ पड़णूं।

बूंदे पड़ना। हल्की वर्षा होना।

बेईमानी करनूं।

बेईमानी करना। धोखा देना। छल करना।

बेकार की वात नऽ करनूं।

बेकार की बातें करना। व्यर्थ की बातें करना।

बेगार टालणूं।

बेगार टालना। ठीक से काम न करना। काम में मन न लगना।

बेची खाणूं।

बेच खाना। खो देना। नष्ट कर देना।

बेटो बणानूं।

बेटा बनाना। किसी लड़के को गोद लेना। दत्तक पुत्र होना।

बेड़ो गर्क करनूं।

बेड़ो गर्क करना। दुःख में पड़कर नष्ट होना।

बेड़ो पार होणूं।

बेड़ा पार होना। संकट से मुक्त होना। कठिन कार्य में सफल हो जाना।

बेड़ी काटणूं।

बेड़ी काटना। बंधन से मुक्त होना।

बेतुकी वात नऽ करनूं।

बेतुकी बातें करना। बेसिर पैर की बातें करना।

बे ते करनूं।

बे ते करना। बहस करना। मैं-मैं तू-तू करना। ऊँचे स्वर से बोलना।

बेदम्म होणूं।

बेदम होना। थक जाना।

बेपरवाह होणूं।

बेपरवाह होना। लापरवाह होना।

बेपर की उड़ावणूं।

बिना पर की उड़ाना। झूठी बातें करना। काल्पनिक बातें करना।

बे पेंदी को लोट्यो होणूं।
बे पेंदी का लोटा होना। हर तरफ झुकने वाला। बहुत अस्थिर प्रकृति का होना।

बे भाव की पड़णूं।
बेभाव की पड़ना। बिना कारण के पिट जाना। बहुत मार पड़ना।

बेरुखी करनूं (दिखाणूं)।
बेरुखी करना या दिखाना। कठोरता का व्यवहार करना। नाराज होना।

बेल बढ़णूं।
बेल बढ़ना। वंश वृद्धि होना।

बे लगाम होणूं।
बे लगाम होना। नियत्रंण में न रहना।

बेसिर पैर की वात करनूं।
बेसिर पैर की बात करना। बेढंगी बात करना। अप्रासंगिक बात करना।

बेहयाई करनूं।
बेहयाई करना। बेशर्म होना। निर्लज्ज होना।

बेशरम होणूं।
बेशर्म होना। निर्लज्ज होना।

बैकुण्ठवासी होणूं।
बैकुण्ठवासी होना। मृत्यु होना। स्वर्गवासी होना।

बैठ्या ठाल्या।
बैठे ठाले। खाली समय में।

बैर निकालणूं।
बैर निकालना। दुश्मनी निकालना। बदला लेना।

बैर ठाणनूं।
बैर ठानना। दुश्मनी करना।

बैर पड़नूं।
बैर पड़ना। दुश्मनी होना।

बैर मोल लेणूं।
बैर मोल लेना। दुश्मनी पैदा करना।

बैर लेणूं।
बैर लेना। बदला लेना। बदला चुकाना।

बैरी होणूं।
बैरी होना। सनातन दुश्मन होना।

बैल की तरह कमाणूं।
बैल की तरह कमाना। दिनरात मेहनत करके कमाना। कठिन श्रम से पैसा कमाना।

बैस को होणूं।
बैस का होना। जरा ठीक ठाक होना।

बोझ उठावणूं।
बोझ उठाना। भारी काम का उत्तरदायित्व लेना।

बोझ होणूं।
बोझ होना। जबरन की मुसीबत होना।

बोटी-बोटी फड़कणूं (करनूं)।
बोटी-बोटी फड़कना या करना। अंग-अंग उत्तेजित होना। बदले के लिये उद्यत होना। टुकड़े-टुकड़े करना।

बोटी-बोटी नोचणूं।
बोटी-बोटी नोचना। बहुत तकलीफ पहुँचाना। हर समय कुछ न कुछ माँगते रहना।

बोतल चढ़ावणूं।
बोतल चढ़ाना। शराब पीना।

बोरिया बिस्तर बांधणूं।
बोरिया बिस्तर बाँधना। चल देना या चल देने की तैयारी करना।

बोली मऽ मिठास होणूं।
बोली में मिठास होना। विनम्रता से बोलना।

बोली उठणूं (जाणूं)।
बोल उठना या जाना। हार मानना। एकदम बोल देना। सिटपिटाना। पुराना होना। मर जाना।

बोलती बन्द होणूं।
बोलती बन्द होना। चुप रहना। मुँह से एक शब्द न निकलना।

बोलता का काई हात पकड़ाज।
बोलने के क्या हाथ पकड़ते बनता है। बोलने वाले के क्या हाथ पकड़े जा सकते हैं। बोलने से रोकना किसी के बस की बात न होना।

बोल मारनूं।
बोल मारना। ताने मारना।

बोहणी होणूं।
बोहनी होना। दिन की पहली बिक्री होना। खेत में बीज बोना।

बौछार करनूं।
बौछार करना। किसी काम में बहुत पैसा लगाना।

ब्याह करनूं।
ब्याह करना। विवाह करना। गृहस्थ होना।

ब्याह लावणूं।
ब्याह लाना। शादी करके ले आना।

ब्याहली छे ब्याहली है।
शादी शुदा है।

भ

भक्क लगणूं।
भक लगना। सुनसपट लगना। जहाँ कोई न होना।

भकर-भकर जाणूं।
भकर-भकर जाना। बिखर-बिखर जाना। सूखा-सूखा होना।

भिकोरी जाणूं।
भकोर जाना। जो मिले वह खा जाना। भूख न होने पर भी खा लेना।

भक्ति करनूं।
भक्ति करना। परमात्मा में ध्यान लगाना। ईश्वर का स्मरण करना।

भक्त अरु भगवान को रिश्तो होणूं।
भक्त और भगवान का रिश्ता होना। ईश्वर की भक्ति में लीन होना। ईश्वर के दर्शन कर लेना।

भगत होणूं।
भगत होना। ईश्वर की भजन भक्ति में डूबे रहना। भला बनना।

भगर-भगर करनूं।
भगर-भगर करना। छल कपट करना। भुरभरापन होना।

भगदड़ मचणूं।
भगदड़ मचना या भय। आशंका के कारण बहुत से लोगों का इधर-उधर भागना या गिर पड़ना।

भगवान खऽ प्यारो होणूं।
भगवान को प्यारा होना। मर जाना।

भगवान का घर जाणूं।
भगवान के घर जाना। मृत्यु को प्राप्त हो जाना।

भगवान सबई नऽ कऽ देखज।
भगवान सबको देखता है। भगवान से इन्सान की कोई बात नहीं छुपती।

भगवान की देण होणूं।
भगवान की देन होना। बच्चे भगवान की देन है।

भगवान बचावऽ।
भगवान बचाये। मतलब नीचता या दुष्टता से भगवान भी डरता है।

भगवान रखवाळो छे।
भगवान रखवाला है। भगवान ही सबकी रक्षा करने वाला है।

भगवान भरोसा होणूं।
भगवान के भरोसे होना। सब कुछ ईश्वर पर छोड़ देना।

भगवान की मरजी होणूं।

भगवान की मर्जी होना। संयोग वियोग ईश्वर की मर्जी (कृपा) पर निर्भर होना।

भगवान की कसम लेणूं (उठावणूं)।

भगवान की कसम लेना या उठाना। भगवान के नाम पर सत्य वचन कहना। सत्य की शपथ लेना। सच्चा सिद्ध करना।

भगवान का लेणऽ।

भगवान के लिए। और किसी के लिए नहीं तो कम से कम भगवान के खातिर।

भगवो धारण करनूं।

भगवा धारण करना। संन्यास लेना।

भगई नऽ लई जाणूं।

भगाकर ले जाना। किसी स्त्री को अपने साथ चुपचाप भगाकर ले जाना।

भगीरथ प्रयत्न करनूं।

भगीरथ प्रयत्न करना। जी जान लगाकर कोशिश करना। अति कठिन काम करना।

भगोड़ी होना।

भगोड़ा होना। युद्ध से भागना। कायर या किसी भी संघर्ष का सामना न करने वाला होना।

भंग छाणनूं।

भंग छानना। भांग बनाना, छानना और पीना।

भंग करनूं।

भंग करना। तोड़ देना। सभा या सीमित वचन आदि का टूट जाना।

भंगेड़ी होणूं।

भंगेड़ी होना। भांग-गाँजा पीने वाला होना।

भंगार होणूं।

भंगार होना। पुराना या टूटा-फूटा या कटे-छटे बरतन होना।

भच्च होणूं।

भच्च होना। कीचड़ में पत्थर पड़ने से जो आवाज निकलती है, वह भच्च होना। एकदम फेंक देना।

भच-भच होणूं।

भच-भच होना। सिर में धमाके के साथ दर्द होना।

भचर-भचर होणूं।

भचर-भचर होना। रोटी का आटा ठीक से न बनना। रोटी और लोई का बार-बार टूटना।

भजन करनूं।

भजन करना। ईश्वर आराधना। किसी चीज का न मिलना। प्रिय वस्तु का गुम जाना।

भटकणूं (भटकतो फिरनूं)।

भटकना या भटकते फिरना। इधर-उधर खोजना। गलत रास्ते पर चलना।

भट्टो बठणूं।

भट्टा बैठना। काम बिगड़ना। बहुत हानि होना। दिवालिया होना।

भट्टी मऽ झोकणूं।

भट्टी में झोकना। नष्ट करना या मिटाना। भर दोपहरी में काम करने को कहना। कष्टदायक स्थिति में डाल देना।

भठियारखाणो लगावणूं।

भटियार खाना लगाना। उधम उत्पात मचाना। लड़ाई झगड़ा करना।

भड़की उठणूं।

भड़क उठना। नाराज होना या उग्र रूप धारण करना। आंदोलन तेज होना।

भड़कई देणूं।

भड़का देना। उत्तेजित करना।

भड़ भड़ियो होणूं।

भड़भड़िया होना। अधिक बात करने वाला होना। वाचाल किन्तु मन से साफ होना।

भड़ास निकालणूं।
भड़ास निकालना। मन का गुबार निकालना।

भणी जाणूं।
पढ़ जाना। पढ़ लिखकर डिग्री लेना।

भण्णू-गुण्णूं।
भणना-गुणना। पढ़-लिखकर योग्य बनना।

भद उड़नूं।
भद उड़ना। उपहास करना। जगहँसाई होना।

भद्दी गाळई देणूं।
भद्दी गाली देना। गंदे या अपशब्द निकालना।

भनक तक नी पड़नूं।
भनक तक न पड़ना। तनिक भी पता न लगना।

भन्नई जाणूं।
भन्ना जाना। उत्तेजित हो जाना। नाराज हो जाना।

भपकी देणूं।
भपकी देना। डराना या घुड़की देना।

भपकी मऽ आवणूं।
भपकी में आना। झूठी धमकी में आना। भय दिखाना।

भभूत लगाणूं (रमाणूं)।
भभूत लगाना या रमाना। साधु होना। बैरागी होना। संन्यास लेना।

भभ्भड़ होणूं (मचणूं)।
भभ्भड़ होना या मचना। जल्दी इधर-उधर दौड़ना-भागना। अव्यवस्था होना।

भभ्भड़ को दिन होणूं।
भभ्भड़ का दिन होना। भागदौड़ वाला दिन या झंझट झमेले का दिन। भीड़-भाड़ का दिन।

भमणूं।
भमना या घूमना। इधर-उधर की खाक छानना।

भमी-भमी नऽ थकी जाणूं।
घूम-घूमकर थक जाना। चल-चलकर थक जाना। परेशान हो जाना।

भय खाणूं।
भय खाना। डर जाना।

भयभीत होणूं।
भयभीत होना। बहुत डर जाना।

भरती को माल होणूं।
भरती का माल होना। आलतू-फालतू सामान होना। वास्तविक न होना। दिखाये का होना। रद्दी माल होना।

भर नजर देखणूं।
भर नजर देखना। अच्छी तरह देख लेना।

भर नींद सी उठावणूं।
भर नींद से उठाना। गहरी नींद से जगाना।

भर नींद सोवणूं।
भर नींद सोना। निश्चिन्त होकर सोना।

भरपूर होणूं।
भरपूर होना। पर्याप्त मात्रा में होना।

भरी पाणूं।
भर पाना। उकता जाना।

भरोपूरो परिवार होणूं।
भरापूरा परिवार होना। सुख-समृद्धि से सम्पन्न परिवार होना।

भरम खुलनू।
भ्रम खुलना। रहस्य मालूम होना।

भरम मऽ रयणूं (जीणूं)।
भरम में रहना या जीना। भुलावे में रहना या जीना।

भरमई जाणूं।
भरमा जाना। भुलाये में आना। गलत सलाह में आना।

भर भरई नऽ गिरी जाणूं।
भर भराकर गिर जाना। अचानक दीवार या मकान का गिर जाना।

भरमार होणूं।
भरमार होना। अधिकता होना।

भरेल बठणूं।
भरा बैठना। क्रोध में होना। मन का गुबार निकालने के लिये तैयार बैठना।

भरायेल होणूं।
भरे हुए होना। कीचड़, गोबर या आटे आदि में हाथ भरे होना।

भरेल गंगा मऽ कयणूं।
भरी गंगा में कहना। पंचायत या भरी सभा में सबके सामने कहना। गंगा की कसम खाकर कहना।

भरी जवानी मऽ मांजो ढीलो होणूं।
भरी जवानी में मांजा ढीला होना। जवानी में आलसीपन होना। नपुंसक होना।

भरी थालई खऽ लात मारनूं।
भरी थाली को लात मारना। लगी हुई जीविका को ठुकराना। सुख सुविधा को त्याग देना।

भरी गिरस्ती होणूं।
भरी गृहस्थी होना। परिवार में माता-पिता, पुत्र वधू, पोता आदि का होना।

भरेल गोद खाली होणूं।
भरी गोद खाली होना। सन्तान की मृत्यु का होना।

भरेल का साथी हर कोई होणूं।
भरे हुए का साथी हर कोई होना। पैसे वाले या सुख में सब साथ निभाते हैं।

भलो बुरो कयणूं।
भला-बुरा कहना। गुणदोष बताना। भर्त्सना करना। अपमान करना।

भवसागर सी तरनूं।
भवसागर से तरना। इस संसार से विदा होना। अपना उद्दार करना।

भव होण वाकी करनूं।
भंवें टेड़ी करना। क्रोध करना।

भव होण ताणनूं।
भंवें तानना। क्रोधित होना।

भसम करी देणूं (होणूं)।
भसम कर देना या होना। बरबाद या नष्ट कर देना या हो जाना।

भांजी मारनूं।
भांजी मारना। काम में अड़ंगे डालना। बीच में रुकावट डालना।

भागी जाणूं (भाग खड्यो होणूं)।
भाग जाना या भागखड़ा होना। छोड़ देना या हट जाना।

भागता भूत की लंगोटी भली।
भागते भूत की लंगोटी भली। डूबते धन में से थोड़ा बहुत भी मिल जाय तो बेहतर होना।

भागतो फिरनूं।
भागते फिरना। इधर-उधर भागते रहना।

भाग मऽ होणूं।
भाग्य में होना। किस्मत में होना।

भाग फूटणूं।
भाग्य फूटना। काम बिगड़ना। बुरे दिन आना।

भाग जागणूं।
भाग्य जागना। किस्मत खुलना। समय अनुकूल होना।

भाग चमकणूं।
भाग चमकना। यश फैलना। सफलता मिलना।

भाग पलटणूं।
भाग पलटना। अच्छे से बुरा, बुरे से अच्छा समय आना।

भाग को लिखेल मिटणूं नी।
भाग्य का लिखा मिटता नहीं। तकदीर में जो होना होता है, वह होकर रहता है।

भाड़ झौकणूं।
भाड़ झोकना। फालतू काम करना। समय बेकार करना।

भाड़ मऽ जाणूं।
भाड़ में जाना। नष्ट होना।

भाड़ा को टट्टू होणूं।
भाड़े का टट्टू होना। किराये पर काम करना। पैसे लेकर काम करना। वफादार होना।

भात देणूं।
भात देना। सम्बन्धियों को सम्मान में वस्त्र देना। एक रिवाज।

भादव मचावऽ कादव।
भांदव मचाये कांदव। भादौ में अधिक वर्षा होना और कीचड़ मचना।

भानमती को कुनबो जोड़णूं।
भानमती का कुनबा जोड़ना। इधर-उधर के लोगों का जमघट लगाना। अन्य लोगों से रिश्ता जोड़ना।

भापी जाणूं।
भांप लेना। मन्तव्य की जानकारी हो जाना।

भायर पड़णूं।
बाहर पड़ना। अतिरेक में होना।

भार उठाणूं।
भार उठाना। उत्तरदायित्व अपने पर लेना।

भार उतरनूं (उतारनूं)।
भार उतरना या उतारना। कर्त्तव्य के ऋण से मुक्त होना या करना।

भार बणी जाणूं।
भार बन जाना। दु:खदायी हो जाना।

भारी भरकम होणूं।
भारी भरकम होना। मोटा या अधिक भारी होना।

भारी लगणूं।
भारी लगना। अरुचिकर होना। असहनीय होना।

भालू का तन मऽ बाल का क्या टोटा।
भालू के तन पर बाल का क्या टोटा। जहाँ किसी चीज की इफरात हो, वहाँ उस चीज की कमी महसूस नहीं होना।

भाव-ताव करनूं।
भाव-ताव करना। मूल्य या कीमत तय करना। दाम निश्चित करना।

भाव खाणूं।
भाव खाना या अकड़ना। अपने आप को श्रेष्ठ या अलग समझना।

भावना मऽ बयणूं।
भावना में बहना। भावुक हो जाना। अपने विचारों में तन्मय होना।

भाव चढ़णूं।
भाव चढ़ना। दाम बढ़ना।

भाव उतरनूं।
भाव उतरना। दाम कम होना।

भाव का भाव मऽ देणूं।
भाव के भाव में देना। जितने में खरीदी गई वस्तु को उतने में ही बेच देना।

भिगई जाणूं।
भींग जाना। प्रेम में मग्न हो जाना। अच्छी तरह से प्रभावित हो जाना।

भिड़ी जाणूं।
भिड़ जाना। लड़ाई करना। टकरा जाना।

भिड़ानूं।
भिड़ाना। लड़ाई करवाना। झूठी शिकायत करना।

भिनकी जाणूं।
भिनक जाना। चिढ़ जाना।

भीगी बिल्ली होणूं।
भीगी बिल्ली होना। दब्बू या डरपोक होना।

भीड़ बड़ावणूं।
भीड़ बड़ाना। अधिक लोगों का जमा होना।

भीतर घात करनूं।
भीतर घात करना। अन्दर ही अन्दर आघात करना।

भीत्तर भायर एक होणूं।
भीतर बाहर एक होना। कथनी करनी एक होना।

भुगती लेणूं।
भुगत लेना। सामना करना।

भुजा फड़कनूं।
भुजा फड़कना। लड़ने के लिये तैयार होना।

भुजा मऽ भरी लेणूं।
भुजा में भर लेना। आलिंगन करना। प्रेम करना।

भुट्टा सईं अकड़नूं।
भुट्टे के समान अकड़ना। अत्यधिक अकड़ दिखाना।

भुन-भुन करनूं।
भुन-भुन करना। धीरे-धीरे असन्तोष व्यक्त करना।

भुन भुनानूं।
भुन भुनाना। अस्पष्ट शब्दों में रोष व्यक्त करना।

भुनानूं।
भुनाना। पहचान या सम्बन्धों के जरिये काम निकालना। एक वस्तु के बदले दूसरी लेना। बड़े नोट के बदले में छोटे नोट लेना।

भुरता बनना।
भुरता बनना। बुरी तरह से पिसना या सताना।

भुलक्कड़ होणूं।
भुलक्कड़ होना। भूलने की आदत वाला।

भुलावा मऽ आवणूं।
भुलावे में आना। धोखे में आना। छल छिद्र में आना।

भुस भरवाणूं।
भुस भरवाना। बहुत कठिन दण्ड देना।

भूख प्यास चली जाणूं।
भूख प्यास चली जाना। खाने-पीने की इच्छा न होना। मन भर जाना। भय या आश्चर्य से आत्म विस्मृत होना।

भूख हड़ताल करनूं।
भूख हड़ताल करना। अनशन करना। भोजन छोड़ देना।

भूखऽ मरनूं।
भूखो मरना। दरिद्र या अभावग्रस्त होना।

भूत चढ़णूं।
भूत चढ़ना। किसी के शरीर में भूत लगना। हठ होना। बहुत क्रोध आना।

भूत लगणूं।
भूत लगना। किसी सामान्य व्यक्ति के शरीर में भूत प्रेत का प्रभाव हो।

भूत उतारनूं।
भूत उतारना। भूत को भगाना।

भूत बणी नऽ लगणूं (चिपकणूं)।
भूत बनकर लगना या चिपकना। पीछा न छोड़ना।

भूत सिर पऽ सवार होणूं।
भूत सिर पर सवार होना। किसी बात की धुन लग जाना।

भूत की तरह लगी जाणूं।
भूत की तरह लग जाना। किसी काम में बुरी तरह लग जाना।

भूनी न्हाखणूं।
भून डालना। गोली मार देना।

भूंजी भांग बी नी होणूं।
भूंजी भांग भी नहीं होना। कुछ भी नहीं होना।

भुंज्यो पाण्ड बी नी फूटणूं।
भुंजा पापड़ भी न टूटना। सरल काम भी न होना।

भूमिका होणूं।
भूमिका होना। मुख्य हाथ होना।

भूल-चूक होणूं।
भूल-चूक होना। अनजाने में गलती होना।

भूल भुलैया मऽ पड़णूं।
भूल भुलैया में पड़ना। किंकर्त्तव्यविमूढ़ होना। चक्कर में पड़ना।

भूलो भटक्यो होणूं।
भूला भटका होना। कभी-कभी आने वाला होना।

भैंट करनूं।
भेंट करना। मिलना या अर्पण करना। घूस देना।

भैंस का आगऽ बीन बजाणूं।
भैंस के आगे बीन बजाना। अज्ञानी के आगे कला दिखाना।

भेजो खाणूं।
भेजा खाना। बहुत बात करना।

भेजो खाली करनूं।
भेजा खाली करना। दिमाग खाली करना।

भेजो चाटणूं।
भेजा चाटना। बातें कर-करके पचा देना।

भेड़ चाल होणूं।
भेड़ चाल होना। एक के पीछे एक चलने वाला।

भेड़ बकरी की सईं काटणूं।
भेड़ बकरी की तरह काटना। निर्दयतापूर्वक मारना।

भेड़िया धसाण होणूं।
भेड़िया धसान होना। बिना लक्ष्य के एक के पीछे एक चलना।

भैंस होणूं।
भैंस होना। मोटी या काली स्त्री होना।

भोंकणूं।
भोंकना। बेकार की जोर-जोर से बातें करना।

भोजन का लाला पड़णूं।
भोजन के लाले पड़ना। खाने की व्यवस्था न होना।

भोपूं होणूं।
भोंपू होना। दूसरों की बात कहने वाला।

भोग लगावणूं।
भोग लगाना। खाने की वस्तु देवता को अर्पण करना। भोजन करना।

भोर को तारो होणूं।
सुबह का तारा होना। प्रभावहीन होना।

भौहं टेड़ी करनूं।
भौंह टेढ़ी करना। गुस्सा होना।

भौह नचाणूं।
भौंह नचाना। चंचल होना।

भौंचक रई जाणूं।
भौंचक रह जाना। अचम्भे में रह जाना।

भ्रम टूटणूं।
भ्रम टूटना। शंका दूर होना।

म

मकड़ी को जाळो होणूं।
मकड़ी का जाला होना। सहज टूटने वाला। फँसाने वाला।

मक्खन लगावणूं।
मक्खन लगाना। किसी को प्रसन्न करने के लिये प्रयत्न करना।

मक्खीचूस होणूं।
मक्खीचूस होना। बहुत कंजूस होना।

मक्खी निगलणूं।
मक्खी निगलना। नुकसान सहना।

मक्खी मारनूं।
मक्खी मारना। फुरसत में रहना। कुछ न करना।

मक्खी की सईं निकाली फेंकणूं।
मक्खी की तरह निकाल फेंकना। बिल्कुल अलग करना।

मक्खी नऽ सईं भिन भिनानूं।
मक्खियों की तरह भिनभिनाना। मक्खियों का इकट्ठा होना या झूमना।

मखमल मऽ थेगळा लगाणूं।
मखमल में थेगले लगाना। अच्छे और मूल्यवान के साथ तुच्छ या सामान्य व्यक्ति का मेल बिठाना। असुन्दर काम करना।

मखमल का जूता नऽ सी मारनूं।
मखमल के जूतों से मारना। मीठी फटकार देना।

मखमल मऽ लपटी नऽ मारनूं।
मखमल में लपेटकर मारना। मीठी चोट लगाना।

मखमली वात करनूं।
मखमली बात करना। चिकनी चुपड़ी बात करना।

मखौल उड़ावणूं।
मखौल उड़ाना। उपहास करना। हँसी उड़ाना।

मखाणा खाणूं।
मखाने खाना। समृद्ध होना।

मखाणा की खीर खाणूं।
मखाने की खीर खाना। अति धनवान होना।

मगज खाणूं।
मगज खाना। बहुत बक-झक करना या सिर खाना।

मगज खाली करनूं।
मगज खाली करना। दिमाग का अधिक उपयोग करना।

मगज मारनूं।
मगज मारना। दिमाग चलाना। बहुत सोच विचार करना। तर्क करना।

मगज का कीड़ा झाड़णूं।
मगज के कीड़े झाड़ना। दिमाग की बदमिजाजी निकाल देना। शंका-कुशंकाएँ मिटा देना। तर्क-वितर्क में हराना। हेकड़ी निकाल देना।

मगज भिन्नाणूं।
मगज भिन्नाना। शोर शराबे से परेशान होना। बदबू सहन न होना।

मगज की देणूं।
मगज की देना। गहरी चोट करने वाली दिमागी बात करना।

मगज चली जाणूं।
मगज चल जाना। घमंड आ जाना। अधिक सोचना।

मगज खौली जाणूं।
मगज खौल जाना। दिमाग की परेशानी बढ़ जाना। गर्मी के कारण दिमाग ठीक न रहना।

मगज पचाणूं।
मगज पचाना। बहुत बक-बक कर तंग करना या पचाना।

मगजपच्ची करणूं।
मगजपच्ची करना। व्यर्थ बहस करना। दिमाग खाली करना।

मगज सी निकलणूं।
मगज से निकलना। भूल जाना या विस्मृत हो जाना।

मचाण पऽ बठणूं।
मचाण पर बैठना। ऊँचाई पर बैठना। रखवाली करना।

मजमो जामवणूं।
मजमा जमाना। तमाशा करना।

मझधार मऽ डुबावणूं।
मझधार में डुबाना। अधूरा कार्य करना। विश्वास खो देना।

मंगनी करणूं।
मंगनी करना। सगाई करना। विवाह से पूर्व की रस्म।

मंजिल पऽ पहुँचणूं।

मंजिल पर पहुँचना। लक्ष्य पर पहुँचना।

मंजिल मारनूं।
मंजिल मारना। बड़ा काम करना।

मगन होणूं।
मगन होना। खुश होना या मस्त होना।

मजमून भापणूं।
मजमून भापना। मन के भाव जान लेना। विषय जान लेना।

मजो आई जाणूं।
मजा आ जाना। आनंद मिलना।

मजो लूटनूं।
मजा लूटना। खूब आनंद करना या मिलना।

मजो किरकिरो करनूं।
मजा किरकिरा करना। आनंद में व्यवधान होना।

मजो चखाणूं।
मजा चखाना। दण्ड देना।

मजो लेणूं।
मजा लेना। आनंद प्राप्त करना।

मज्या मऽ होणूं।
मजे में होना। आनंद में होना। सुख से होना।

मज्या को होणूं।
मजे का होना। अच्छा या अधिक होना।

मज्या पऽ आवणूं।
मजे पर आना। जवानी में होना। अच्छी दशा में होना।

मजाक करनूं (उड़ाणूं)।
मजाक करना या उड़ाना। दिल्लगी करना।

मटियामेट करी देणूं।
मटियामेट कर देना। तहस-नहस कर देना। पूरी तरह से नष्ट कर देना।

मटरगश्ती करनूं।
मटरगश्ती करना। उधम या उत्पात करना।

मतभेद होणूं।
मतभेद होना। विचारों में अन्तर होना।

मतमारी जाणूं।
मतमारी जाना। अक्ल न चलना।

मतलब को यार होणूं।
मतलब का यार होना। स्वार्थी होना।

मतलब गांठणूं।
मतलब गाँठना। स्वार्थ सिद्ध करना।

मतलब की बात करनूं।
मतलब की बात करना। हमेशा स्वार्थ सिद्धि में लगे रहना। मुख्य बात करना। काम की बात करना।

मतलब का लेण गधा खऽ बी बाप बणानूं।
मतलब के कारण गधे को भी बाप बनाना। अपने स्वार्थ सिद्धि के लिये अयोग्य से भी रिश्ता कायम कर लेना।

मतलब की यारी दोस्ती होणूं।
मतलब की यारी दोस्ती होना। स्वार्थ के कारण मित्रता करना।

मतलब की सुणनूं।
मतलब की सुनना। केवल अपने स्वार्थ की बात सुनना।

मत पऽ चलणूं।
मत पर चलना। किसी की राय या सिद्धान्त के अनुसार चलना।

मति बौराणूं।
मति बौराना। दिमाग चढ़ जाना। सद्-असद् का विवेक खो देना।

मति मऽ आवणूं।
मति में आना। समझ में आना। बुद्धि में आना।

मति खोणूं।
मति खो देना। बुद्धि खो देना। अच्छे- बुरे की पहचान न होना।

मतिमारी जाणूं।
मतिमारी जाना। बुद्धि भ्रष्ट होना।

मदमस्त होणूं।
मदमस्त होना। घमंड में चूर होना।

मद भर्या डोळ्या होणूं।
मदभरी आँखें होना। नशीली आँखें होना।

मदारी को ख्याल दिखावणूं।
मदारी का खेल दिखाना। तमाशा दिखाना। बन्दर भालू को डुग-डुगी बजाकर नचाना।

मद पऽ आवणूं।
मद पर आना। भरपूर जवानी आना। उमंग से भरना।

मन आणूं।
मन आना। आकर्षित होना। प्रेम होना।

मन अटकणूं।
मन अटकना। प्रेम होना या किसी चीज की ओर ध्यान लगा रहना।

मन भटकणूं।
मन भटकना। एक जगह ध्यान न होना। एक से प्यार न होना।

मन करनूं।
मन करना। इच्छा करना।

मन चलनूं।
मन चलना। इच्छा होना। कुछ अच्छी चीज खाने की इच्छा होना।

मन टूटणूं।
मन टूटना। हिम्मत हार जाना। मन उदास हो जाना। निराश होना।

मन बढ़णूं।
मन बढ़ना। उत्साहित होना। हिम्मत खुलना।

मन डोलणूं।
मन डोलना। लालच में आ जाना। मन चंचल होना।

मन टटोलणूं।
मन टटोलना। मन की बात जानना। दिली इच्छा जानना।

मन फिरनूं।
मन फिरना। मन उचट जाना। अच्छा न लगना।

मन फेरनूं।
मन फेरना। मन बदल जाना। चित्त हट जाना।

मन बईलाणूं।
मन बहलाना। मन को किसी तरह मनोरंजन आदि से खुश करने की कोशिश करना।

मन बिगड़ी जाणूं।
मन बिगड़ जाना। अच्छा नहीं लगना। अनिच्छा होना।

मन भाणूं।
मन भाना। अच्छा लगना। पसंद आना। मोहित होना।

मन माननूं।
मन मानना। विश्वास होना। तसल्ली होना।

मन फावणूं।
मन फाना। मन में अच्छा लगना। पसंद आना।

मन राखणूं।
मन रखना। मन में आई बात को पूरी करना। सम्मान करना।

मन लेणूं।
मन लेना। मन का रहस्य लेना। मन की बात का पता लगाना।

मन मोड़णूं।
मन मोड़ना। मन बदलना। विचार बदलना।

मन जोड़नूं।
मन जोड़ना। दिल लगना। प्रेम होना।

मन रोवणूं।
मन रोना। दिल का रोना। अत्यन्त दुखी होना।

मन खैंचाणूं।

मन खिचाना। मन खीज से भर जाना। दूरी बढ़ जाना।

मन बठणूं।
मन बैठना। मायूस हो जाना। निराश हो जाना।

मन बांधणूं।
मन बाँधना। मन वश में करना। आकर्षित करना।

मन रेतणूं।
मन रेतना। मन को कष्ट देना।

मन हारनूं।
मन हारना। थक जाना। मन किसी के वश में हो जाना।

मन मसोसणूं।
मन मसोसना। दुखी होकर रह जाना।

मन खिलणूं।
मन खिलना। प्रसन्न होना।

मन मारनूं।
मन मारना। इच्छा दबाना। दुखी या उदास होना।

मन डूबणूं।
मन डूबना। मन उदास होना। गहरे सोच में पड़ना।

मन को मारेल होणूं।
मन का मारा होना। मन से बहुत दुखी होना।

मन को मैळो होणूं।
मन का मैला होना। मन में छलकपट रखने वाला।

मन को काळो होणूं।
मन का काला होना। मन में कलुष होना।

मन को उजळो होना।
मन का उजला होना। मन का निर्मल या साफ होना। अच्छा होना।

मन को नेठू होणूं।
मन का नेठू होना। छोटे मन का व्यक्ति होना। संकुचित मनोवृत्ति वाला।

मन को काचो होणूं।
मन का कच्चा होना। साहसहीन होना।

मन का पाको होणूं।
मन का पक्का होना। दृढ़ विश्वासी होना।

मन को सच्चो होणूं।
मन का सच्चा होना। सकारात्मक सोच वाला होना।

मन को धन करनूं।
मन को धन करना। मन के अनुसार चलने वाला होना।

मन को मौजी होणूं।
मन का मौजी होना। मनमौजी या अलमस्त होना। मन की तरंग में रहने वाला होना।

मन को मालिक होणूं।
मन का मालिक होना। मन का स्वामी होना। मन के अनुरूप चलने वाला होना।

मन की मन मऽ रयणूं।
मन के मन में रहना। अभिलाषा अधूरी रहना।

मनज मन मऽ समझणूं।
मन ही मन में समझना। अपने आप समझ जाना।

मनज मन मऽ लाडू फूटणूं।
मन ही मन में लड्डू फूटना। व्यर्थ आशा में खुश होना।

मनज मन मऽ कूढणूं।
मन ही मन में कुढ़ना। अन्दर ही अन्दर कलपना या दुखी होना।

मनज मन मऽ घोकणूं।
मन ही मन याद करना। मन में याद करना।

मन खाटो होणूं।
मन खट्टा होना। अच्छा नहीं लगना। घृणा हो जाना।

मन फाटी जाणूं।
मन फट जाना। नफरत हो जाना।

मन भरईं जाणूं।
मन भर जाना। मन तृप्त हो जाना। अधिक की इच्छा न

करना। आँखों में आँसू आ जाना।

मन भारी करनूं।
मन भारी करना। उदास या दुःखी होना।

मन मारी नऽ रई जाणूं।
मन मारकर रह जाना। इच्छाओं को मारकर रह जाना।

मन मऽ आवणूं।
मन में आना। इच्छा पैदा होना।

मन मऽ जमणूं।
मन में जमना। मन में ठीक लगना या जँचना।

मन मऽ ठाणणूं।
मन में ठानना। निश्चय करना। संकल्प कर लेना।

मन मऽ राखणूं।
मन में रखना। स्मरण रखना। नहीं कहना, छिपाये रखना।

मन मैला करणूं।
मन मैला करना। अप्रसन्न या दुखी होना। असंतुष्ट होना, खिन्न होना।

मन हात मऽ लेणूं।
मन हाथ में लेना। वश में करना।

मन हरो होणूं।
मन हरा होना। दिल प्रसन्न होना।

मन्नत माननूं।
मन्नत मानना। प्रतिज्ञा या संकल्प लेना।

मन खराब होणूं।
मन खराब होना। नाराज होना। घृणा करना। बीमार होना।

मन मऽ बसणूं।
मन में बसना। दिल में समा जाना। बहुत अच्छा लगना।

मन मऽ भरणूं।
मन में भरना। विश्वास पैदा करना।

मन मऽ भरणूं।
मन में भरना। विश्वास पैदा करना।

मन मऽ लावणूं।
मन में लाना। सोचना या ध्यान देना।

मन मोहिणूं।
मन मोह लेना। मोहित कर लेना। आकर्षित कर लेना।

मन लगणूं।
मन लगना। अच्छा लगना। पसंद आना। दिल खुश रहना।

मन लगावणूं।
मन लगाना। ध्यान देना। प्रेम करना।

मन लेणूं।
मन लेना। दिल की बात का पता करना।

मन सी उतरनूं।
मन से उतरना। नफरत हो जाना। अच्छा न लगना।

मन ज मन।
मन ही मन। अपने आप।

मन ज मन फूगी जाणूं।
मन ही मन फूग जाना। अपने आप गुस्सा हो जाना। बोलचाल बन्द कर देना।

मन होणूं।
मन होना। इच्छा होना।

मन आदो होणूं।
मन आधा होना। हतोत्साह होना।

मन अगास मऽ उड़णूं।
मन आकाश में उड़ना। मन में कई कल्पनाओं का उठना।

मन कड़ो करनूं।
मन कड़ा करना। मन से दुर्बलता दूर करना।

मन कांपी जाणूं।
मन काँप जाना। मन भयभीत हो जाना।

मन को बोझो हळको करनूं।
मन को बोझ हल्का करना। किसी दायित्व या चिन्ता से

मुक्त होना।

मन को मारेल होणूं।
मन का मारा होना। दुखी होना।

मन को मैल।
मन का मैल। विकार होना। ईर्ष्या जलन होना।

मन की करनूं।
मन की करना। अपनी इच्छा अनुसार कार्य करना।

मन की गांठ खोलणूं।
मन की गाँठ खोलना। मन की बात कहना। मन का दुर्भाव भी कह देना।

मन कुम्हलाणूं।
मन कुम्हलाना। मन उदास होना।

मन छोटो होणूं।
मन छोटा होना। मन संकुचित होना। हताश या निराश होना।

मन खिली उठणूं।
मन खिल उठना। अत्यन्त प्रसन्न होना।

मन जीतणूं।
मन जीतना। मन की वासनाओं को वश में करना।

मन चंगो होणूं।
मन चंगा होना। मन अच्छा या पवित्र होना।

मन गवई नी देणूं।
मन गवाह न देना। किसी काम को करने में हिचकिचाहट होना।

मन झूमी उठणूं।
मन झूम उठना। अत्यधिक आनंद में होना।

मन पऽ छाई जाणूं।
मन पर छा जाना। हृदय पर गहरा और व्यापक असर होना।

मन पसीजणूं।
मन पसीजना। मन में दया आना।

मन फटणूं।
मन फटना। विरक्ति होना। अलगाव होना।

मन मचली उठणूं।
मन मचल उठना। किसी वस्तु को देखकर उसे पाने की ललक बढ़ जाना।

मन माननऽ की वात होणूं।
मन मानने की बात होना। मन को अच्छा लगे तब ही करना।

मन मिलनऽ की वात होणूं।
मन मिलने की बात होना। विचार या भाव मिलने पर आगे कुछ किया जाना।

मन मऽ काटा की सईं खटकणूं।
मन में काँटे के समान खटकना। जरा भी अच्छा नहीं लगना। जरा भी नहीं सुहाना। किसी के कष्टदायक व्यवहार की याद करना।

मन मऽ चोर होणूं।
मन में चोर होना। शंका या संदेह होना। कोई बुरा कार्य करके स्वयं मन में आशंकित रहना।

मन मऽ दराड़ पड़ी जाणूं।
मन में दरार पड़ जाना। मन में शंका पैदा हो जाना। अलगाव पैदा होना।

मन मऽ फरक होणूं।
मन में फर्क होना। पहले के मन के भाव से कुछ अन्तर आ जाना।

मन मऽ फुरफुरी भराणूं।
मन में फुरफुरी भराना। मन सिहर उठना। मन में आवेग आना।

मन मऽ फूलनूं।
मन में फूलना। बहुत खुश होना।

मन मऽ भावऽ नऽ मुंडी हिलावऽ।
मन में भावे पर मुँह हिलाये। मन में तो अच्छा लगे, लेकिन ऊपर से नकारा करना।

मन ललचावणूं।
मन ललचाना। मन मोहित होना। आकर्षित होना। पाने की इच्छा जागना।

मन सी दूर होणूं।
मन से दूर होना। भूल जाना। मन न मिलना।

मन हलको करनूं।
मन हलका होना। मन की कोई बात कहकर या रोकर चिन्ता मुक्त होना।

मन मानो चलनूं।
मन माना चलना। अपने मन से कुछ भी करना।

मन्सूबा बांधणूं।
मन्सूबे बाँधना। कल्पनाकर योजनाएँ बनाना।

मनहूस घड़ी आवणूं।
मनहूस घड़ी आना। अशुभ समय आना।

मनावर करनूं।
मनावर करना। किसी को प्यार से मनाना। नमुजे करना।

मनमानी करनूं।
मनमानी करना। किसी की न सुनना। अपने मन के अनुसार कार्य करना।

मन की करनूं, सुणणूं सबकी।
सुनना सबकी करना मन की। सुन सबकी लेना लेकिन अपने मन के अनुसार करना।

मरम्मत होणूं (करणूं)।
मरम्मत होना या करना। टूटी फूटी चीज ठीक करना। पीटना।

मरी मिटणूं।
मर मिटना। जान दे देना। न्यौछावर होना।

मरनऽ की फुरसत नी होणूं।
मरने की फुरसत न होना। बिल्कुल अवकाश न होना।

मरतऽ-मरतऽ।
मरते-मरते। अन्त समय तक।

मरता दम तक।
मरते दम तक। अन्त समय तक।

मरतऽ जीतऽ।
मरते जीते। किसी तरह, किसी तकलीफ से।

मर्‌यो जाणूं।
मरा जाना। व्याकुल हुए जाना। बहुत दुख उठाना। आतुर या इच्छुक होना।

मरेल कऽ काई मारनूं।
मरे हुए को क्या मारना। जो पहले ही अशक्त हो, उसे क्या सताना।

मरद की जुबाण एक होणूं।
मर्द की जबान एक होना। पुरुष वही है, जो अपनी कही गई बात पर अटल रहे।

मर्यादा तोड़णूं।
मर्यादा तोड़ना। नियम कानून तोड़ना। मर्यादा के विरूद्ध चलना।

मशाल जळई नऽ ढूंढणूं।
मशाल जलाकर ढूँढना। खूब सब जगह ढूँढना।

मसली देणूं।
मसल देना। नष्ट कर देना।

मस्तक नत होणूं।
मस्तक नत होना। सिर झुक जाना।

महंगाई मऽ आटो गीलो होणूं।
महंगाई में आटा गीला होना। नुकसान में और नुकसान होना।

महल बणानूं।
महल बनाना। सपने देखना। खूब पैसा इकट्ठा करना।

काल्पनिक बातों में लगे रहना। जायदाद खड़ी करना।

महल ढही जाणूं।
महल ढह जाना। इच्छा अपूर्ण रह जाना। सपना टूट जाना।

महाजन को पेट भरनूं।
महाजन का पेट भरना। कर्ज लेकर ब्याज चुकाते रहना।

महाभारत करनूं।
महाभारत करना। लड़ाई-झगड़े करना।

म्हावरो या मुहावरो होणूं।
महावरा या मुहावरा होना। अभ्यास या आदत होना।

मुहरत निकालणूं।
मुहूर्त निकालना। किसी कार्य के शुभारंभ की तिथि और समय निकालना।

मांग उठाणूं।
मांग उठाना। अधिकार माँगना। आवश्यकता के लिये आंदोलन करना।

मांग बढ़णूं।
मांग बढ़ना। किसी चीज की खपत बढ़ जाना। बिक्री अधिक होना।

मांग फीकी होणूं।
मांग फीकी होना। बिक्री कम होना। खपत कम होना।

मांग उजड़णूं।
मांग उजड़ना। विधवा होना। पति का मर जाना।

मांगी तुंगी नऽ काम चलावणूं।
मांग तुंगकर काम चलाना। उधार-पाव लेकर जीवन चलाना।

मांगणूं खाणूं।
मांगना खाना। भीख माँगकर निर्वाह करना।

मांग निकालणूं।
मांग निकालना। बाल काढ़ना।

मांग पुछणूं।
मांग पुछना। माँग पुछ या मिट जाना। विधवा होना।

मांगी-मांगी नऽ खाणूं।
मांग-मांगकर खाना। भीख मांगकर खाना।

मांस नोची-नोची नऽ खाणूं।
मांस नोच-नोचकर खाना। बुरी तरह से आर्थिक रूप से लूटना खसोटना। परेशान करना।

माई को लाल होणूं।
माई का लाल होना। बहादुर होना। वीर। साहसी होना।

माई-बाप समझणूं।
माई-बाप समझना। माता-पिता, मालिक, अन्नदाता समझना। संरक्षक, सहायक या पक्षपाती समझना।

मात करनूं।
मात करना। अधिक बढ़कर निकलना।

मात खाणूं (होणूं)।
मात खाना या होना। हार जाना।

मात देणूं।
मात देना। पराजित करना।

मातम मनानूं।
मातम मनाना। दुःख प्रकट करना। मृत्यु पर दुःख होना।

माता निकलणूं।
माता निकलना। चेचक निकलना।

माता पूजणूं।
माता पूजना। कुलदेवी का पूजन करना। शीतला, दुर्गा या काली आदि देवियों की पूजा करना या मानना।

माथो टेकणूं।
माथो टेकना। सिर झुकाना। नमस्कार करना।

माथो मारनूं।
माथा मारना। बहुत सोचना- विचारना।

माथऽ मारनूं।
माथे मारना। बेकार कोशिश करना। जबरन काम सौंपना।

अपमान के साथ लौटाना।

माथो चढ़णूं।
माथा चढ़ना। घमण्ड होना। गुस्सा होना।

माथ माढ़णूं।
माथे मढ़ना। दोषारोपणं करना। बदनाम करना।

माथो ठनकणूं।
माथा ठनकना। आशंका होना।

माथो नीच्चो होणूं।
माथा नीचे होना। लज्जित होना।

माथो नीच्चो कर देणूं।
माथा नीचा कर देना। बुरे काम से सिर झुक जाना। लज्जित कर देना।

माथो पकड़ी नऽ बठी जाणूं।
माथा पकड़कर बैठ जाना। हताश या थककर बैठ जाना। निष्क्रिय होना। पश्चाताप करना।

माथा पऽ सींग उगणूं।
माथे पर सींग उगना। कोई विशेष होना।

माथा पऽ हाथ धरी नऽ रयनूं।
माथे पर हाथ रखकर रोना। भाग्य को रोना।

मांथो पर मुंडातज ओला पड़नूं।
सिर मुँडाते ही ओले पड़ना। प्रारम्भ में ही विघ्न आना।

माथो पीटणूं।
माथा पीटना। शोक प्रकट करना।

माथो गरम होणूं।
माथा गरम होना। गुस्सा आना।

माथो रगड़नूं (घिसणूं)।
माथा रगड़ना या घिसना। दीनता दिखाना। खुशामद करना।

माथा पऽ आई जाणूं।
माथे पर आ जाना। कुछ दी दिन शेष रहना। दिन बहुत चढ़ जाना।

माथऽ चढ़णूं।
माथे चढ़ना। अभद्र होना। बदतमीजी करना।

माथा पऽ खून सवार होणूं।
माथे पर खून सवार होना। प्राण लेने पर उतारू होना।

माथा पऽ चढ़ी नऽ बोलनूं।
माथे पर चढ़कर बोलना। स्वयं प्रकट होना। मन की बात मुँह पर आना। घमण्डी।

माथऽ पड़णूं।
माथे पड़ना। दायित्व आ जाना।

माथऽ पऽ बल पड़णूं।
माथे पर बल पड़ना। काम में आनाकानी का भाव आना। गुस्सा आना।

माथा पऽ छप्पर राखणूं।
माथे पर छप्पर रखना। दबाव बनाना या डालना।

माथऽ मढ़णूं।
माथे मढ़ना। किसी पर दोष लगाना।

माथा चढ़ावणूं।
माथे पर चढ़ाना। मुँह लगाना। बहुत प्रश्रय देना।

माथो खपावणूं।
माथा खपाना। बहुत समझाना।

माथा का बल चलनूं।
माथे के बल चलना। सम्मानपूर्वक आना या जाना।

माथा को पस्यो एड़ी तक आवणूं।
सिर का पसीना एड़ी तक आना। बहुत मेहनत करना।

माथा को एक बाल बी नी छोड़णूं।
माथे का एक बाल भी नहीं छोड़ना। सब कुछ ले लेना।

माथो गंजो कर देणूं।
माथा गंजा कर देना। आर्थिक संकट में डाल देना।

माथे उक्खल मऽ देणूं।
माथा ऊखल में देना। जान पर खेलना। विपत्ति में पड़ना।

माथा को बाल टूट्यो, गूं मऽ जाय कि मूत मऽ जाय।
माथे का बाल टूटा, गूं में जाये कि मूत में जाये? एक बार विलग होने पर फिर परवाह न करना।

माथा अद्दर सी बळा टलणूं।
माथे के ऊपर से बला टालना। मुसीबत समाप्त होना। झंझट दूर होना।

माथा का अद्दर पाणी होणूं।
सिर के ऊपर पानी होना। बर्दाश्त के बाहर होना।

माथा को टीको होणूं।
माथे का टीका होना। विशेष सम्मान या प्रिय होना।

माथो दुखणूं।
माथा दुखना। किसी काम को न करने का बहाना ढूँढना।

मान करनूं।
मान करना। आदर करना। रूठना।

मानता माननूं।
मानता मानना। कोई मनौती लेना।

मान मनुहार करनूं।
मान मनुहार करना। एक-दूसरे को मनाना।

मान मरदन करनूं।
मान मर्दन करना। अपमानित करना।

मान देणूं।
मान देना। शिशु के जमाल निकालना। मनौती पूरी करना। गिर पड़ना। आदर करना।

मान नी मान हऊं थारो मिजवान।
माने या न माने मैं तो तेरा मेहमान। जबरन ठसना।

मान को पान होणूं।
मान को पान होना। आदर से दी गई चीज का महत्त्व होना।

मान मरियादा बचावणूं (राखणूं)।
मान मर्यादा बचाना या रखना। अपनी इज्जत को बचाये रखना।

मान राखणूं।
मान रखना। इज्जत करना। सम्मान करना।

माप जोख करनूं।
माप जोख करना। नापना या जाँचना।

मापदण्ड होणूं।
मापदण्ड होना। मूल्यांकन का कोई सिद्धान्त होना।

मापी नऽ देणूं।
मापकर देना। कंजूसी करके देना।

माफ करनूं।
माफ करना। क्षमा माँगना।

माफी मांगणूं।
माफी माँगना। क्षमा माँगना।

मामलो उठणूं (उठाणूं)।
मामला उठना या उठाना। प्रकरण या प्रसंग विचार में लेना या उठाना।

मामलो ढीलो होणूं।
मामलो ढीला होना। प्रकरण कमजोर होना।

मामलो पक्को होणूं।
मामलो पक्का होना। प्रकरण या स्थिति मजबूत होना।

मामळो संगीन होणूं।
मामला संगीन होना। गम्भीर स्थिति होना।

मामूली वात होणूं।
मामूली बात होना। सामान्य बात होना। कोई विशेष बात न होना।

मामूली घर को (हैसियत को होणूं)।
मामूली घर का या हैसियत होना। गरीब परिवार का होना।

मामलो किरकिरो होणूं।
मामला किरकिरा होना। काम बिगड़ जाना। प्रकरण में रोड़े आना।

मामळो गरम होणूं।
मामला गरम होना। झगड़ा बढ़ना। खूब प्रचारित होना।

मामळो गोळ होणूं।
मामला गोल होना। बात खत्म हो जाना। झगड़ा या मुकदमा शान्त हो जाना। बेईमानी होना।

मामळो रफादफा होणूं।
मामला रफादफा होना। मुकदमा या जाँच समाप्त होना। झगड़ा खत्म होना। ले देकर झगड़ा निपटा लेना।

मामळो बणई देणूं।
मामला बना देना। छोटी सी बात को कोर्ट कचहरी तक घसीट ले जाना।

मामलो सल्टई देणूं।
मामला सल्टा देना। मामला या झगड़ा सुलझा देना।

मामलो गड़बड़ होणूं।
मामला गड़बड़ होना। शंकास्पद प्रकरण होना।

मामलो पेचीदो होणूं।
मामला पेचीदा होना। केस उलझा हुआ होना।

मामला की सुणवाई होणूं।
मामले की सुनवाई होना। मुकदमे की जज के सामने सुनवाई होना।

मामलो खारिज होणूं।
मामलो खारिज होना। कोर्ट से केस समाप्त या बन्द होना।

मामळा की तह तक जाणूं।
मामले की तह तक जाना। प्रकरण के मूल कारणों को जानना।

मामलो बिगड़ी जाणूं।
मामला बिगड़ जाना। प्रकरण खचरे में पड़ जाना। सफल न होना।

मायका को कागळो भी प्यारो होणूं।
मायके का कौआ भी प्यारा लगना। मायके की कोई भी चीज अच्छी लगना।

माय भैण एक करणूं।
माँ बहन एक करना। माँ बहन की गाली देना।

माय को दूध लजाणूं।
माता का दूध लजाना। लज्जा या उपहास का पात्र बनना।

माय मथारी बखाणनूं।
माँ मथारी बखानना। माँ बहन की गालियाँ देना।

माय पोर्‍यो होणूं।
माँ पुत्र होना। माँ के साथ-साथ या माँ के बिना जारया भी रहने वाला पुत्र होना।

माय-बाप समझणूं।
माँ-बाप समझना। माता-पिता की तरह सम्मान देना।

माय नी बाप।
माँ न बाप। निराश्रित होना। न माँ और न पिता का होना।

माय का पल्लू सी बंधू रह्यणूं।
माँ के आँचल से बँधा रहना। माँ के बिना न रहना। माँ से अधिक लगाव होना।

माय भात्यो होणूं।
माँ की तरह होना। माँ के समान व्यवहार करने वाला।

माय मम्माय को नातो होणूं।
माँ और नानी का नाता होना। माँ की तरफ का रिश्ता होना।

माय को लाड़लो होणूं।
माँ का लाड़ला होना। माँ का बहुत प्रिय बेटा होना।

माया जाळ मऽ फँसणूं।
माया जाल में फँसना। सांसारिक झंझटों में फँसना। धोखे में फँसना।

मार धाड़ करनूं।
मार धाड़ करना। लड़ाई-झगड़ा करना।

मार सी भूत बी भागणूं।
मार से भूत भी भागना। पिटाई के डर से धृष्टता दूर भागती है।

मार खाणूं।
मार खाना। पिट जाना। आर्थिक रूप से नुकसान होना। कामकाज में हानि होना।

मार गिराणूं।
मार गिराना। परास्त कर देना।

मारकाट करनूं।
मारकाट करना। लड़ाई होना।

मार सी बचणूं।
मार से बचना। पिटाई से बचना। पिटाई का डर होना।

मारी-मारी नऽ बिछई देणूं।
मार-मारकर बिछा देना। बहुत बिछा देना।

मारी-मारी नऽ मळीदो बणई देणूं।
मार-मार कर भूसा निकाल देना। बहुत पिटाई करना। शरीर को सूजा देना।

मार्‍यो जाणूं।
मार्‍या जाना। मर जाना। बहुत प्रताड़ित होना।

मार्‍यो-मार्‍यो फिरनूं।
मारा-मारा फिरना। बिना काम काज किये फालतू घूमते फिरना।

मारका की वात होणूं।
मार्के की बात होना। ध्यान देने लायक बात होना।

मारा मारी करनूं।
मारा-मारी करना। बहुत दौड़ धूप करना।

मारा पीटी करनूं।
मारा पीटी करना। एक दूसरे की पिटाई करना।

मारी लावणूं।
मारकर ले आना। अनुचित रूप से ले आना। चोरी करके ले आना।

मार सी डरनूं।
मार से डरनूं। मार से भयभीत होना।

म

मार खाय छम-छम, विद्या आव धम-धम।
मार खाये छम-छम विद्या आये धमधम। जितनी छड़ी की मार पड़े उतनी ही विद्या आती है। (एक प्राचीन लोक विश्वास)

मार्‍यो खुशी को फूलो नी समाणूं।
मारे खुशी का फूला ना समाना। अत्यधिक आनंदित होना।

मार्‍यो खुसी को नाची उठणूं।
मारे खुशी का नाच उठना। अत्यधिक प्रसन्न होकर नाचना। तालियाँ पीटकर खुशी जाहिर करना।

मारग मऽ फूल बिछावणूं।
मार्ग में फूल बिछाना। हार्दिक स्वागत सत्कार करना।

मारग मऽ काटा बिछावणूं।
मार्ग में काँटे बिछाना। प्रगति या उन्नति में बाधक होना।

माल उड़ावणूं।
माल उड़ाना। खूब तर खाना पीना। मौज करना। मुफ्त या चोरी का पैसा बरबाद करना।

माल हजम करनूं।
माल हजम करना। किसी की धन सम्पति हड़प लेना।

माला माल होणूं।
मालामाल होना। बहुत पैसा कमाना।

माल काटणूं।
माल काटना। अवैध रूप से धन कमाना। चोरी करना।

माल मत्तो होणूं।
माल मत्ता होना। खूब धन सम्पत्ति होना।

माल मारनूं।
माल मारना। धन ऐंठना। बेईमानी से धन कमाना। स्वादिष्ट भोजन खाना।

माळा फेरनूं (जपणूं)।
माला फेरना या जपना। भगवान के भजन करना। स्मरण करना।

मासा तोळा होणूं।
मासा-तोला होना। कभी कम या कभी ज्यादा होना। पूरा होना।

मासा अल्ला होणूं।
मासा अल्ला होना। अयोग्य या मूर्ख होना।

माहौल बणाणूं।
माहौल बनाना। वातावरण अनुकूल बनाना।

मिजाज आवणूं।
मिजाज आना। घमण्ड करना।

मिजाज को रंगज बदलणूं।
मिजाज का रंग बदलना। स्वभाव में परिवर्तन हो जाना।

मिजाज गरम होणूं।
मिजाज गरम होना। क्रोधी स्वभाव होना।

मिजाज ठण्डो होणूं।
मिजाज ठण्डा होना। शान्त स्वभाव का होना।

मिजाज ठीक करनूं।
मिजाज ठीक करना। पीटना या दण्ड देना।

मिजाज दिखावणूं।
मिजाज दिखाना। घमण्ड या दिखाना।

मिजाज पूछी लेणूं।
मिजाज पूछ लेना। कुशल समाचार पूछना। दण्ड देना।

मिजाज आणूं।
मिजाज आना। घमण्ड आना।

मिजाज ठिकाणऽ लगावणूं।
मिजाज ठिकाने लगाना। घमण्ड तोड़ देना।

मिजाज आसमान मऽ होणूं।
मिजाज आसमान में होना। बहुत घमण्ड आ जाना।

मिजाज देखी नऽ काम करनूं।
मिजाज देखकर काम करना। किसी भी व्यक्ति के स्वभाव (मूड) को जानकर ही काम करना।

मिजाज नी मिलणूं।
मिजाज नहीं मिलना। स्वभाव नहीं मिलना।

मिजाज ठीक होणूं।
मिजाज ठीक होना। दण्ड मिलना।

मिटी जाणूं।
मिट जाना। नष्ट हो जाना। प्रेम करना।

मिट्टी उठणूं।
मिट्टी उठना। शवयात्रा निकलना।

मिट्टी हुई जाणूं।
मिट्टी हो जाना। मर जाना या शरीर पंचतत्त्व में मिल जाना।

मिट्टी को फुतलो होणूं।
मिट्टी का पुतला होना। मनुष्य मिट्टी का चलता-फिरता पुतला है।

मिट्टी को माधो होणूं।
मिट्टी का माधव होना। निरा मूर्ख होना।

मिट्टी पलीत होणूं।
मिट्टी पलीत होना। दुर्दशा या अपमान होना।

मिट्टी का मोल बिकणूं।
मिट्टी के मोल बिकना। बिना मूल्य के मुफ्त में जाना। बहुत सस्ता होना।

मिट्टी को सेर होणूं।
मिट्टी का सेर होना। बनावटी बहादुर होना।

मिट्टी ठिकाणऽ लगावणूं।
मिट्टी ठिकाने लगाना। अन्त्येष्टि करना।

मिट्टी डालनूं।
मिट्टी डालना। छोड़ देना। भूल जाना।

मिट्टी देणूं।
मिट्टी देना। दफनाना।

मिट्टी मऽ मिलणूं।

मिट्टी में मिलना। मरना या नष्ट हो जाना।

मिट्टी होणूं।
मिट्टी होना। मृत्यु का होना। शरीर से प्राण निकल जाना।

मिट्टी खऽ हाथ लगावतऽ सोन्नो होणूं।
मिट्टी को हाथ लगाते ही सोना हो जाना। जिस काम को उठाये वही सफल हो जाना।

मिट्टी को खिलौनो होणूं।
मिट्टी का खिलौना होना। मनुष्य मिट्टी का खिलौना है, यह जीवन शीघ्र नष्ट होने वाला है।

मिट्टी पकड़नूं।
मिट्टी पकड़ना। जड़ जमाना या स्थायी होना।

मिठी चुटकी लेणूं।
मिठी चुटकी लेना। हल्का व्यंग्य करना।

मिन-मिन करनूं।
मिन-मिन करना। बहाना करना। कोई शिकायत होना, जो स्पष्ट रूप से न कहना।

मिमियाणूं।
मिमियाना। दीनता दिखाना। दीन-हीन भाव होना।

मिया मिट्ठू बणणूं।
मियां-मिट्ठू बनना। अपने मुँह अपनी तारीफ करना।

मिरची लगणूं।
मिर्ची लगना। बुरा लगना।

मिली-जुली नऽ रयणूं।
मिल-जुलकर रहना। आपस में सद्भावपूर्वक रहना।

मिलई नऽ राखणूं।
मिलाकर रखना। अपना समर्थक बनाकर रखना।

मिलेल-जुलेल होणूं।
मिला-जुला होना। मिश्रित होना।

मिलई लेणूं।
मिला लेना। अपने पक्ष में कर लेना।

मिली भगत होणूं।
मिली भगत होना। किसी गलत काम/षड़यंत्र में साथ होना।

मिसरी घोलणूं।
मिश्री घोलना। मीठी-मीठी बातें करना। मधुर आवाज में बोलना।

मिसरी की डली होणूं।
मिश्री की डली होना। अत्यन्त मीठा होना। सरल काम होना।

मिस्सी लगावणूं।
मिस्सी लगाना। दाँतों को मिस्सी से माँजना।

मीठो ठग होणूं।
मीठा ठग होना। मीठा-मीठा बोलकर ठगने वाला। धोखा देने वाला।

मीठो मुंडो करनूं।
मीठा मुँह करना। किसी खुशी में मिठाई बाँटना या खिलाना।

मीठो होणूं।
मीठा होना। लालची होना।

मीठी छुरी होणूं।
मीठी छुरी होना। अप्रत्यक्ष रूप से हानि पहुँचाना।

मीन मेख निकालनूं।
मीन मेख निकालना। दोष निकालना।

मील को पत्थर होणूं।
मील का पत्थर होना। उदाहरण, प्रेरक या प्रतिमान होना।

मूंडो आवणूं।
मुँह आना। मुँह में छाले आना।

मूं झाकळा उठणूं।
मुँह झाकले उठना। बहुत सबेरे उठना।

मुंडो धोवणूं।
मुँह धोना। सचेत होना। नींद से जागना।

मुंडो उठई नऽ कयणूं।
मुँह उठाकर कहना। मुँह में जो आये वह कह देना।

मुंडो उठई नऽ चल्यो जाणूं।
मुँह उठाकर चले जाना। बेधड़क कहीं भी चला जाना।

मुंडो तोड़ी नऽ जुवाब देणूं।
मुँह तोड़कर जवाब देना। ऐसा उत्तर देना कि दूसरा बोल न सके।

मुंडो ताकणूं।
मुँह ताकना। कुछ न करना। विवशता से देखना। टकटकी लगाकर देखना।

मुंडो वाको करनूं।
मुँह बाका करना। चेहरे से अप्रसन्नता दिखना।

मुंडो मुचकावणूं (मिचकावणूं)।
मुँह मुचकाना या मिचकाना। घृणा करना। अच्छा न लगना। न करने का संकेत देना।

मुंडो उयटो करनूं।
मुँह झूठा करना। चखना या नाममात्र का भोजन करना।

मुंडो चाटणूं।
मुँह चाटना। खुशामद करना।

मुंडो फाटेल रयी जाणूं।
मुँह फटा रह जाना। आश्चर्यचकित रह जाना। कहते हुए शरमा जाना। खुले मुँह मृत्यु होना।

मुंडो खराब करनूं।
मुँह खराब करना। गंदी या भद्दी बात करना।

मुंडा का बल पड़णूं।
मुँह के बल पड़ना। धोखा खाना। ठोकर खाकर गिरना। बहुत अपमानित होना।

मुंडा का माखा नी उड़णूं।
मुँह के मक्खी नहीं उड़ना। बहुत कमजोर होना। कुछ करने लायक न होना।

मुंडा की खाणूं।
मुँह की खाना। अपमानित होना। धोखा खाना। बुरी तरह पराजित होना। मुँह पर ही बुरा उत्तर सुनना, जिसे सबक सिखाने जाना खुद ही हानि उठा लेना।

मुंडो काळो करनूं।
मुँह काला करना। बदनामी करना। अनुचित या बलपूर्वक संभोग करना।

मुंडा सी कयड़ो होणूं।
मुँह से कड़क होना। उद्दण्डता से बातें करने वाला।

मुंडा से काचो होणूं।
मुँह का कच्चा होना। हर बात कह देने वाला।

मुंडो उतरनूं।
मुँह उतरना। उदास हो जाना।

मुंडो धोई नऽ राखणूं।
मुँह धोकर रखना। प्रतीक्षा ही करते रहना। कोई चीज न मिले, तो आस लगाना। आशा नहीं करना।

मुंडो नी देखणूं।
मुँह नहीं देखना। मिलना-जुलना नहीं। प्रत्यक्ष घृणा करना।

मुंडा पऽ कयणूं।
मुँह पर कहना। जो कुछ भी कहना सामने कहना।

मुंडा पऽ थूकणूं।
मुँह पर थूकना। अपमानित करना।

मुंडा पऽ नाक नी होणूं।
मुँह पर नाक नहीं होना। शर्म या लज्जा न होना।

मुंडा पऽ पाणी आई जाणूं।
मुँह पर पानी आ जाना। खुश होना। ताजगी लौटना।

मुंडा पऽ मारनूं।
मुँह पर मारना। अप्रसन्नता से देना।

मुंडा पऽ लावणूं।
मुँह पर लाना। वर्णन करना या बताना।

मुंडा पऽ बारा बजणूं।
मुँह पर बारह बजना। चेहरा निस्तेज या फक्क हो जाना।

मुंडो फाड़ी नऽ कयणूं।
मुँह फाड़कर कहना। निर्लज्जता से कहना।

मुंडो फुलावणूं।
मुँह फुलाना। चेहरे से अप्रसन्नता दिखाना।

मुंडो फेरणूं।
मुँह फेरना। पीठ फेरना। उपेक्षा जताना।

मुंडो फाड़णूं।
मुँह फाड़ना। अधिक की इच्छा होना या चाहना।

मुंडो सी नऽ बठणूं।
मुँह सीकर बैठना। मौन या चुपचाप बैठना। कुछ न बोलना।

मुंडो भरी नऽ बोलणूं।
मुँह भरकर बोलना। बड़े प्रेम से बोलना। सभ्यता से बोलना।

मुंडो कोलसो होणूं।
मुँह कोयला होना। मुँह काला पड़ जाना। बदनाम होना। बहुत बुरा लग जाना।

मुंडो कोल्या सईं लगी जाणूं।
मुँह कोल्या की तरह लग जाना। बहुत दुर्बल हो जाना। निराश हो जाना।

मुंडा मऽ खून लगणूं।
मुँह में खून लगना। चस्का लगना।

मुंडा मऽ जुबान नी होणूं।
मुँह में जबान न होना। बोलने का साहस या शक्ति न होना।

मुंडा मऽ पाणी आवणूं।
मुँह में पानी आना। ललचाना।

मुंडो बिगड़णूं।
मुँह बिगड़ना। मुँह का रंग फीका होना। चेहरा विकृत होना।

मुंडो चलणूं।
मुँह चलना। वाचाल होना। कुछ न कुछ खाते रहना।

मुंडो बिगाड़नूं।
मुँह बिगाड़ना। इतनी पिटाई करना कि चेहरा पहचान न आये। उपेक्षा में मुँह बनाना। घृणा करना।

मुंडा पऽ हवई नऽ उड़णूं।
मुँह पर हवाइयाँ उड़ना। चेहरे पर चिन्ता की लकीरें उभरना। उदासी छाना। डर या दुःख से चेहरे का रंग फीका पड़ जाना।

मुंडा का मिट्ठू उड़ी जाणूं।
मुँह के मिट्ठू उड़ जाना। बोला न जाना।

मुंडो संभाळी न बोलनूं।
मुँह सँभालकर बोलना। सोच-समझकर बोलना।

मुंडो मोड़णूं।
मुँह मोड़ना। विरुद्ध होना।

मुंडा की वात छिनणूं।
मुँह की बात छीनना। किसी के मन की बात कह देना।

मुंडा का सामनऽ 'हां-हां' करनूं।
मुँह के सामने 'हाँ-हाँ' करना। प्रत्यक्ष में सहमत होना, परन्तु बाद में असहमति प्रकट करना।

मुंडो खुलणूं।
मुँह खुलना। रहस्य या गोपनीय बात बताने की कोशिश करना।

मुंडो चुरावणूं।
मुँह चुराना। लज्जा के मारे सामने न आना।

मुंडो छोटो सो हुई जाणूं।
मुँह छोटा सा हो जाना। लज्जित हो जाना।

मुंडा मऽ मुण्डो न्हाखणूं।

मुँह में मुँह डालना। जबरन बीच में बात करने की कोशिश करना।

मुंडो बतावणऽ की जगा नी रयणूं।
मुँह बताने की जगह न रखना। अत्यधिक लज्जित। अपमानित होना।

मुंडो देखी नऽ टीको काढ़णूं।
मुँह देखकर तिलक करना। ऊपरी दिखावा करना। स्थिति के अनुकूल व्यवहार करना।

मुंडो नोची लेणूं।
मुँह नोच लेना। उचित दण्ड दे देना। जैसे को तैसा व्यवहार करना।

मुंडा पऽ तमाचो लगणूं।
मुँह पर तमाचा लगना। अपमानित होना या करना। माकूल उत्तर देना।

मुंडा पऽ झाड़ू फिरनूं।
मुँह पर झाड़ू फिरना। अपमान के कारण चेहरा उतर जाना।

मुंडा पऽ ताळो जड़नूं।
मुँह पर ताला जड़ना। कुछ बोलना या बोलने न देना।

मुंडो फूलनूं।
मुँह फूलना। गुस्सा होना।

मुंडो बंद होणूं।
मुँह बन्द होना। चुप करा देना या होना।

मुंडा मऽ घी शक्कर देणूं।
मुँह में घी शक्कर देना। मनोनुकूल कोई बात होने पर 'घी-शक्कर' यानी मीठा खिलाने का कहना।

मुंडा मऽ कौळ मऽ माथा मऽ टोळयो।
मुँह में कौल और माथे में टोला। उपकार करने के बाद ऊपर से व्यंग्य करना। भला-बुरा कहना।

मुंडा मऽ दात नऽ पेट मऽ आत।
मुँह में दाँत न पेट में आँत। बहुत बूढ़ा होना।

मुंडा मऽ राम, बगळ मऽ छूरी।
मुँह में राम बगल में छुरी। ऊपर से साधू होना, लेकिन दुष्ट घात करने वाला होना।

मुंडो लटकी जाणूं।
मुँह लटक जाना। उदास हो जाना।

मुंडो धवळो फट्ट पड़नूं।
मुँह सफेद फक होना। चोरी पकड़ी जाने पर चेहरे की रंगत उड़ जाना।

मुंडा को कौळ छिणनूं।
मुँह का कौल छिनना। किसी का अंश या प्राप्य उसे मिलने न देना, खुद ही ग्रहण करना।

मुंडा सी फूल झड़णूं।
मुँह से फूल झड़ना। बहुत मीठी एवं सारगर्भित बातें करना।

मुंडा मांगी मौत बी नी मिलणूं।
मुँह माँगी मौत भी नहीं मिलना। मनुष्य के चाहने से मृत्यु नहीं आती।

मुंडो हात धोवणूं।
मुँह-हाथ होना। नित्यकर्म से निपटना।

मुंडा मांगी मुराद मिली जाणूं।
मुँह माँगी मुराद मिल जाना। इच्छित वस्तु मिल जाना।

मुंडा सी सीधी वात नी निकलणूं।
मुँह से सीधी बात नहीं निकलना। हमेशा टेढ़ी बात करना। कटुवचन कहना।

मुंडा-मुंडा वात जाणूं।
मुँह-मुँह बात जाना। मौखिक प्रचार-प्रसार होना।

मुंडा को पाणी उतरनूं।
मुँह का पानी उतरना। चेहरे की चमक चली जाना। उदास हो जाना।

मुंडो खोली नऽ मांगणूं।
मुँह खोलकर माँगना। इच्छानुसार स्पष्ट रूप से माँगना।

मुंडो चिढ़ावणूं।
मुँह चिढ़ाना। उपहास करना।

मुंडो चढेल रयणूं।
मुँह चढ़ा रहना। हमेशा गुस्से में रहना।

मुंडो चढ़ेल होनूं।
मुँह चढ़ा होना। बहुत प्रिय और बदमिजाज होना।

मुंडो छूट होणूं।
मुँह छूट होना। चाहे जिसको जो बोलने वाला होना। मुँहजोर होना।

मुंडा तक आवणूं।
मुँह तक आना। कोई बात कहने को उत्सुक होना। कोई बर्तन पैमाना पूरा भरना।

मुंडो देखी नऽ वात करनूं।
मुँह देखकर बात करना। पक्षपात करना। समान व्यवहार न करना।

मुंडो देणूं।
मुँह देना। मृत्यु पर स्त्रियों का रोना।

मुंडा मऽ लगाम नी होणूं।
मुँह में लगाम न होना। अनाप-शनाप बकना। बकवास करना। बिना सोचे-समझे बोलना।

मुंडो खुलवाणूं।
मुँह खुलवाना। रहस्य उगलवाना।

मुंडो चूमणूं।
मुँह चूमना। प्यार करना या चुम्बन लेना। किसी के प्रति प्रेम प्रकट करना।

मुंडो चलावणूं।
मुँह चलाना। अधिक बोलना। मुँहजोरी करना।

मुंडो झटकई जाणूं।
मुँह झटक जाना। दुर्बल हो जाना। आघात लगना। सुस्त होना। चेहरा उतर जाना।

मुंडो तक देखणूं पसंद नी करणूं।
मुँह तक देखना पसन्द नहीं करना। बेइन्तहा नफरत करना।

मुंडो थकी जाणूं।
मुँह थक जाना। बहुत बार कहना।

मुंडो देखणूं।
मुँह देखना। शकुन या अपशकुन होना। आश्चर्य से देखना। सामने आना।

मुंडो पकड़नूं।
मुँह पकड़ना। बोलने न देना।

मुंडा पऽ बी नी रखणूं।
मुँह पर भी नहीं रखना। स्वाद तक न लेना। देखने मात्र से खाने की चीज से वितृष्णा हो जाना।

मुंडो फाड़णूं।
मुँह फाड़ना। बहुत पैसा माँगना।

मुंडा मऽ वात नी रयणूं।
मुँह में बात नहीं रहना। बात का सुदूर फैलना। बात न पचना।

मुंडो लाल होणूं।
मुँह लाल होना। गुस्सा करना। तमतमा जाना।

मुंडा सी लार टपकणूं।
मुँह से लार टपकना। बहुत लालच करना।

मुंडो सूखणूं (सुखाणूं)।
मुँह सूखना या सुखाना। प्यास लगना। भय से मुँह फीका होना। प्रेम से बोल-बोलकर थक जाना।

मुकद्दर की वात होणूं।
मुकद्दर की बात होना। भाग्य की बात होना।

मुकद्दर आजमाणूं।
मुकद्दर आजमाना। भाग्य की परीक्षा करना।

मुकद्दमो लड़नूं।

मुकदमा लड़ना। कोर्ट कचहरी में केस लड़ना।

मुकद्दर चमकणूं।

मुकद्दर चमकना। भाग्य खुलना।

मुकाबलो होणूं।

मुकाबला होना। टक्कर लेना।

मुकाम बणनूं।

मुकाम बनना। एक पहचान बनना। एक स्थान निश्चित होना।

मुजरो करनूं।

मुजरा करना। किसी बड़े व्यक्ति के सम्मुख नाचना-गाना।

मुट्ठी गरम करनूं।

मुट्ठी गरम करना। रिश्वत लेना।

मुट्ठी मऽ होणूं।

मुट्ठी में होना। वश में होना।

मुड़ी नऽ नी देखणूं।

मुड़कर न देखना। ख्याल तक न करना। आगे बढ़ते जाना।

मुफत की रोटीहोण तोड़णूं।

मुफ्त की रोटियाँ तोड़ना। बिना मेहनत के खाना। दूसरे के खाने पर गुज़र करना।

मुफत मऽ।

मुफ्त में। व्यर्थ में। बिना दाम के।

मुरदो होणूं।

मुर्दा होना। मरा हुआ होना। कोई हलचल न होना।

मुरव्वत करनूं।

मुरव्वत करना। लिहाज करना।

मुराद पूरी होणूं।

मुराद पूरी होना। इच्छा पूरी होना। जो चाहना वही मिल जाना।

मुलायम होणूं।

मुलायम होना। नरम पड़ना।

मुलायजो करनूं।

मुलाहिजा करना। लिहाज करना।

मुश्किल पैदा करनूं।

मुश्किल पैदा करना। परिस्थिति प्रतिकूल बनाना।

मुसीबत को पहाड़ टूटणूं।

मुसीबत का पहाड़ टूटना। बड़े संकट का आना।

मुसीबत खड़ी करनूं।

मुसीबत खड़ी करना। बाधा उत्पन्न करना।

मुसीबत मऽ फँसणूं।

मुसीबत में फँसना। कष्ट या कठिनाई में आ जाना।

मुसीबत झेलनूं।

मुसीबत झेलना। संकट का सामना करना।

मुहर लगावणूं।

मुहर लगाना। स्वीकृति देना। मतदान करना।

मोहरो बणी जाणूं।

मोहरा बन जाना। किसी के आदेश-निर्देशों पर चलना।

मुहर्रम मनानूं।

मुहर्रम मनाना। शोक मनाना।

मुहिम चलावणूं।

मुहिम चलाना। संघर्ष या आन्दोलन चलाना।

मुहरत होणूं।

मुहूर्त्त होना। शुभ समय निश्चित होना।

मूंछ ऊंची रखणूं।

मूँछ ऊँची रखना। मान-सम्मान बनाये रखना।

मूंछ नऽ पऽ ताव देणूं।

मूँछों पर ताव देना। साहस का प्रदर्शन करना। गुस्सा बताना।

मूंछ नीची होणूं।
मूँछ नीची होना। बेइज्जत होना। अपमानित होना।

मूंछ मुंडाणूं।
मूँछ मुड़ाना। बात पर अडिग रहना। बात की रक्षा के लिए हानि उठाना। शर्त बदना।

मूंछ मरोड़नूं।
मूँछें मरोड़ना। वीरता या अकड़ दिखाना।

मूंड मुंडाणूं।
सिर मुड़ाना। साधु संन्यासी होना।

मूठ मारनूं।
मूठ मारना। जादू-टोना करना।

मूळी-गाजर समझणूं।
मूली-गाजर समझना। तुच्छ या कमजोर समझना।

मूसलाधार वरसा होणूं।
मूसलाधार वर्षा होना। अधिक तेज या लगातार वर्षा होना।

मेढ़की खऽ जुकाम होणूं।
मेंढक को जुकाम होना। साधारण व्यक्ति को गर्व होना।

मेल खाणूं।
मेल खाना। समानता होना।

मेल-जोल होणूं।
मेल-जोल होना। आपस में सद्व्यवहार रखना।

मेहनत की रोटी खाणूं।
मेहनत (मिनत) की रोटी। परिश्रम से जीविका चलाना।

मैं-मैं करनूं।
मैं-मैं करना। अपनी प्रशंसा स्वयं ही करना।

मैदान छोड़ी नऽ भागणूं।
मैदान छोड़कर भागना। युद्धस्थल से भागना।

मैदान मारनूं।
मैदान मारना। विजित होना।

मैदान साफ होणूं।
मैदान साफ होना। विरोध खत्म होना।

मैयत मऽ जाणूं।
मैयत में जाना। शवयात्रा में शरीक होना।

मैल रखणूं।
मैल रखना। छल-कपट, द्वेष या वैमनस्य रखना।

मोच आवणूं।
मोच आना। शरीर में चोट लगना। हड्डी टूटना या माँसपेशियों में चोट आना।

मोटो खाणू, मोटो पहिरनूं।
मोटा खाना, मोटा पहिनना। सामान्य रूप से जो मिला वह खा लेना और जो मिले वह पहन लेना।

मोटी अकल होणूं।
मोटी अक्ल होना। कम बुद्धि होना।

मोटी आमदनी होणूं।
मोटी आमदनी होना। अधिक आय होना।

मोड़ी देणूं।
मोड़ देना। परिवर्तन कर देना। दिशा बदल देना।

मोम को दिल होणूं।
मोम का दिल होना। कोमल हृदय या दयालु होना।

मोम की गुड़िया होणूं।
मोम की गुड़िया होना। बहुत नाजुक होना।

मोरचाबंदी करनूं।
मोर्चाबंदी करना। युद्ध की तैयारी करना।

मोल-तोल करनूं।
मोल-तोल करना। घटा-बढ़ाकर मूल्य निश्चित करना।

मोल लेणूं।
मोल लेना। खरीद लेना। मूल्य चुकाना।

मोहताज होणूं।
मोहताज होना। दाने-दाने के लिए तरसना। निर्धन होना।

मोहलत मांगणूं।
मोहलत माँगना। समय माँगना।

मौको हाथ लगणूं।
मौका हाथ लगना। अनुकूल अवसर आना।

मौज करनूं।
मौज करना। आनन्द में रहना। सुखी रहना।

मौत को बुलावो आणूं।
मौत का बुलावा आना। मृत्यु का समय नजदीक आना।

मौत का घाट उतारनूं।
मौत के घाट उतारना। मार डालना।

मौत का मुंडा मऽ जाणूं।
मौत के मुँह में जाना। मरने की स्थिति में होना।

मौन धारण करनूं।
मौन धारण करना। मौन व्रत लेना।

म्याऊ-म्याऊ करनूं।
म्याऊ-म्याऊ करना। खुशामद करना।

म्यान सी भायर होणूं।
म्यान से बाहर होना। युद्ध के लिए ललकारना। अधिक गुस्सा होना।

य

यकायक पहुँचणूं।
यकायक पहुँचना। अचानक पहुँचना।

यकीन करनूं।
यकीन करना। भरोसा करना।

यथा नाम तथा गुण होणूं।
यथा नाम तथा गुण होना। जैसा नाम वैसा गुण होना।

यदाकदा आवणूं।
यदाकदा आना। कभी-कभी आना।

यमदूत भेजणूं।
यमदूत भेजना। मृत्यु सन्निकट होना।

यमपुरी जाणूं।
यमपुरी जाना। मृत्यु होना।

यमराज को राज होणूं।
यमराज का राज होना। मृत्यु का साम्राज्य होना।

यम की यातना नऽ सयणूं।
यम की यातनाएँ सहना। मृत्यु की पीड़ा सहना।

यम की फासी कटणूं।
यम की फांसी काटना। मृत्यु से बच जाना। भारी संकट से उबरना।

यमलोक भेजणूं।
यमलोक भेजना। मार डालना।

यम का फंदा सी छूटणूं।
यम के फंदे से छूटना। मरते हुए का बच जाना।

यम का पाश मऽ बंधणूं।
यम के पाश में बँधना। मृत्यु के शिकंजे में कसना।

यम को संदेसो मिलनूं।
यम का संदेशा मिलना। मृत्यु का संकेत होना।

यश का लेणऽ करनूं।
यश के लिए करना। प्रसिद्धि के लिए करना।

यश कमावणूं।
यश कमाना। अच्छे काम करके प्रसिद्धि पाना।

यश गान करनूं।
यशगान करना। प्रशंसा करना।

य्हां को य्हांज रयणूं।
यहाँ का यहाँ रहना। शरीर भी साथ नहीं जाता। सब यहीं रह जाना। क्षणभंगुर संसार।

याद करनूं।

याद करना। स्मरण करना। पछताना।

याद नी पड़नूं।
याद नहीं पड़ना। जानकारी में होना। स्मृति में न होना।

याद सतावणूं।
याद सताना। बहुत याद करना।

याद की पोटली खोलणूं।
याद की पोटली खोलना। यादों में खो जाना।

याद ताजी होणूं।
याद ताजी होना। फिर से याद आ जाना।

याद सी उतरनूं।
याद से उतरना। भूल जाना।

याद सी।
याद से। ध्यान से।

याद आवणूं।
याद आना। स्मरण आना।

याद राखणूं।
याद रखना। स्मरण में रखना। बदले की भावना व्यक्त करना।

या बी काई पूछणऽ की वात आय।
यह भी क्या पूछने की बात है। आपकी राय से सहमत होना।

या बी खूबज रई।
यह भी खूब रही। मजे की बात होना।

यार बणानूं।
यार बनाना। दोस्त बनाना।

यारवाज होणूं।
यारबाज होना। दोस्तों का दोस्त होना। दोस्ती करने वाला या निभाने वाला।

यारी गांठणूं।
यारी गाँठना। गहरी दोस्ती करना।

ये दिन भी देखणूं थो।
यह दिन भी देखना था। दुर्दिन आना।

युग-युग जीणूं।
युग-युग जीना। बहुत समय तक जीवित रहना।

युग-युग तक होणूं।
युग-युग तक होना। भविष्य में नाम अमर होना।

युग बीती जाणूं।
युग बीत जाना। बहुत समय निकल जाना।

युग पुरुष होणूं।
युग पुरुष होना। महान व्यक्ति होना। अपने कामों में सारे संसार में प्रसिद्धि पाने वाला।

यूं ज देणूं।
यूं देना। मुफ्त या बिना मूल्य के देना।

यूं ज उड़ई देणूं।
यूँ ही उड़ा देना। तुच्छ या हीन समझकर छोड़ देना।

यूं जज।
यूँ ही। ऐसा ही सही।

योज तो रोवणो होणूं।
यही तो रोना है। यही मुसीबत है। यही कष्ट है।

योज कयणूं (पड़ज)।
यही कहना पड़ता है। यही मुख्य बात है।

यो को योज।
यही का यही। सदैव एक सा।

यौवन पऽ आवणूं।
यौवन पर आना। जवानी पर आना।

र

रकम इसावणूं।
रकम बनाना। गहने बनवाना। आभूषण गढ़वाना।

रकम देणूं।
रकम देना। रुपये देना।

रकम मांगणूं।
रकम माँगना। रुपये माँगना।

रकम गिरवऽ धरनूं।
रकम गिरवे धरना। गहने गिरवी रखना।

रकम गिरवी छुड़ायणूं।
रकम गिरवी रखी हुई को छुड़ाना। ऋण मुक्त होना। गहने नहीं डूबना।

रकम मोड़नूं (तोड़नूं)।
रकम मोड़ना या तोड़ना। गहने गिरवी न रखकर सीधे बेच देना। या गिरवी रखी चीजों को साहूकार को बेच देना।

रकम खाई जाणूं।
रकम खा जाना। गहने वापस न करना। दूसरे के धन को हड़प जाना।

रकम नऽ गढ़ावणूं।
रकमें गढ़ाना। सुनार से सोने-चाँदी के आभूषण गढ़वाना।

रकम होणूं।
रकम होना। एक ही नग होना। विचित्र होना।

रकम डूबी जाणूं।
रकम डूब जाना। धन/वस्तु न मिलना।

रकम खड़ी करनूं।
रकम खड़ी करना। रुपये वसूल करना। किसी चीज को बेचकर मूल दाम वसूल करना।

रकम ढीली करनूं।
रकम ढीली करना। खर्च करना। कंजूस से पैसा खर्च करवाना।

रकम भरनूं।
रकम भरना। किसी के बाकी रुपये देना।

रकम नऽ गंज की होणूं।
बहुत से गहने होना। विविध वस्तुएँ होना।

रकम एक बी काम की नी होणूं।
रकम एक भी काम की नहीं होना। बहुत सी वस्तुओं में काम में आने वाली एक भी वस्तु न होना।

रकत की नद्दी ववणूं।
रक्त की नदी बहना। अधिक मारकाट होना। घमासान युद्ध होना।

रकतपात होणूं।
रक्तपात होना। खूनखराबा होना।

रकत मऽ उबाळ आवणूं।
रक्त में उबाल आना। जोश भर जाना।

रख रखाव होणूं।
रखरखाव होना। सुरक्षा का पूरा प्रबन्ध होना।

रखी लेणूं।
रख लेना। न लौटाना। पत्नी बना लेना।

रखी छोड़णूं।
रख छोड़ना। बचा रखना।

रखेल होणूं।
रखैल होना। उपपत्नि होना। प्रेमिका होना।

रखेल चीज खऽ हाथ नी लगाणूं।
रखी हुई चीज को हाथ नहीं लगाना। व्यवस्था को बिखरने न देना।

रखी नऽ भूली जाणूं।
रखकर भूल जाना। किसी चीज को कहीं रखकर भूल जाना।

रखी देणूं।
रख देना। किसी चीज को सँभालकर रख देना।

रखवई देणूं।
रखवा देना। किसी चीज को व्यवस्थित रखवा देना। नौकरी दिलवा देना।

रग-रग खऽ पईचाणनूं।
रग-रग को पहचानना। पूरी तरह से जानना। मन के भावों तक को जानना।

रग दबणूं।
रग दबना। कमजोरी प्रकट होना। दबाव मानना।

रग-रग फड़कणूं।
रग-रग फड़कना। अंग-अंग उत्साहित होना। चुलबुला होना।

रग फड़कणूं।
रग फड़कना। अपशकुन होना।

रग पकड़नूं।
रग पकड़ना। कमजोरी पकड़ना।

रग दुखती पकड़नूं।
दुखती रग पकड़ना। मूल मन्तव्य को समझना। कमजोरी को भाँप लेना।

रग-रग मऽ।
रग-रग में। पूरे शरीर में। शरीर के हर हिस्से में।

रग-रग मऽ कूटी-कूटी नऽ।
रग-रग में कूट-कूटकर। बहुत अधिक मात्रा में। पूरे रक्त में।

रग-रग मऽ फैलनूं।
रग-रग में फैलना। पूरे शरीर में प्रभाव करना।

रग मऽ खून दौड़णूं।
रग में खून दौड़ना। जोश आना।

रग मऽ बिजळई दौड़नूं।
रग में बिजली दौड़ना। साहस और उत्साह होना।

रगड़ी देणूं।
रगड़ देना। अच्छी तरह से भला-बुरा कहना। सजा देना। बदला लेना।

रगड़ पड़नूं (खाणूं)।
रगड़ पड़ना या खाना। निशान या लकीर पड़ना। बहुत मेहनत करना। खरोंच लगना।

रगड़ पट्टी करनूं।
रगड़पट्टी करना। बहुत काम करना। बहुत घसीटना।

रगड़ो लगावणूं।
रगड़ा लनाना। पीछे पड़ना। जिद करना या बार-बार कहना।

रगड़ो होणूं।
रगड़ा होना। कोई न कोई अड़चन होना। बंधन होना।

रंग चढ़णूं।
रंग चढ़ना। फन्दे में फँसना। प्रभाव होना। रंग का किसी वस्तु पर खिलना।

रंग जमावणूं।
रंग जमाना। मुग्ध होना या करना। प्रभाव बनाना।

रंग आवणूं।
रंग आना। आनन्द आना। चेहरे पर रौनक आना। रंग पक्का होना। रंग खिलना।

रंग उतरनूं।
रंग उतरना। प्रभाव कम होना। रंग फीका होना। भय और शर्म से चेहरे पर रौनक न रहना। नशा दूर होना।

रंग जमणूं।
रंग जमना। प्रभाव बनना। ठीक जँचना। मस्ती होना।

रंग ढंग देखणूं।
रंग ढंग देखना। चाल-चलन परखना।

रंगत आवणूं।
रंगत आना। आनन्द आना। चमक आना।

रंग बतावणूं।
रंग बताना। संकट या विपत्ति में फँसाना। अपना मूल स्वभाव दिखाना।

रंग पऽ आवणूं।
रंग पर आना। जवानी पर आना। उत्तेजित होना। पूरे शबाब पर आना।

रंग फक होणूं।

रंग फक होना। चेहरे पर रौनक चली आना। हल्का रंग होना। चेहरे का रंग सफेद होना।

रंग फीको होणूं (रयणूं)।
रंग फीका होना या रहना। पूरा प्रभाव न होना।

रंग बदलनूं।
रंग बदलना। अप्रसन्न होना। दशा बदल जाना।

रंग बरसणूं।
रंग बरसना। बहुत शोभा होना।

रंग बिरंगो होणूं।
रंग बिरंगा होना। विविध रंगों वाला।

रंग मऽ भंग होणूं।
रंग में भंग होना। आनन्द, भोग अथवा हँसी में विघ्न पड़ना।

रंग रेली नऽ करनूं।
रंगरेलियाँ करना। आनन्द या भोग में मस्त होना। मौजमस्ती करना।

रंग हटावणूं।
रंग हटाना। प्रभाव दूर करना।

रंक सी राजा होणूं।
रंक से राजा होना। गरीब का धनवान होना।

रंग खिलणूं।
रंग खिलना। किसी एक रंग की प्रमुखता होना।

रंग गांठणूं।
रंग गाँठना। रुआब जमाना।

रंग चोखो होणूं।
रंग चोखा होना। अधिक प्रभाव जमाना।

रंग भरनूं।
रंग भरना। बात को बढ़ा-चढ़ाकर अतिरंजित करके कहना।

रंग मऽ मस्त होणूं।
रंग में मस्त होना। अपने आपमें खोये रहना। किसी कार्य में लगे रहना।

रंग मऽ रंगी जाणूं।
रंग में रंग जाना। किसी के प्रभाव में पूरी तरह आ जाना।

रंग लावणूं।
रंग लाना। शामिल होते ही अपने प्रभाव या गुण दिखलाना। प्रभावित करना।

रंगेल सियार होणूं।
रंगा सियार होना। ढोंगी या धोखेबाज होना।

रंगीन तबीयत होणूं।
रंगीन तबियत होना। रसिक मिजाज का व्यक्ति होना।

रंगेल हाथ पकड़ानूं।
रंगे हाथ पकड़ना। बुरा काम करते हुए सप्रमाण पकड़ा जाना।

रंग खेलणूं।
रंग खेलना। रंग डालना।

रंगी देणूं।
रंग देना। रंगों में सराबोर कर देना। पूरी तरह प्रभावित कर लेना।

रची देणूं।
रच देना। बना देना। कविता अथवा कोई कृति रच देना।

रचना परभू की।
रचना प्रभु की। यह सृष्टि प्रभु की रचना है।

रची-बसी जाणूं।
रच-बस जाना। अच्छी तरह से घुल-मिल जाना। स्थायी होना।

रचना करनूं।
रचना करना। कोई चीज़ बना देना। साहित्य की रचना करना।

रट लगावणूं।

रट लगाना। एक चीज़ को बार-बार कहना। बार-बार याद करना या जिद करना।

रटन्त विद्या लगावणूं।
रटन्त विद्या लगाना। रट-रटकर पास होना।

रटी-रटी नऽ मरी जाणूं।
रट-रटकर मर जाना। याद कर-करके परेशान हो जाना।

रटण करनूं।
रटन करना। बार-बार याद करना।

रट्यो रटायो होणूं।
रटा-रटाया होना। कण्ठस्थ होना।

रड़ फूटणूं।
रड़ निकलना। रोना-रोना आ जाना।

रड़ी नऽ बतावणूं।
रोकर बताना। कमजोरी दिखाना या डर जाना।

रड़णूं।
रोना। रो दोना। झिकना।

रड़ी भरनूं।
रो भरना। हिम्मत हारना। किसी काम को न कर पाना।

रड़णऽ सी काम नी चलनू।
रोने से काम नहीं चलना। बहानेबाजी करने से काम पूरा नहीं होना।

रड़ी-रड़ी नऽ घर भरनूं।
रो-रोकर घर भरना। अत्यधिक रोना। रोना बन्द ही न करना। हमेशा शिकायत करना।

रण पऽ चढ़णूं।
रण पर चढ़ना। युद्ध पर जाना।

रतजगो करनूं।
रतजगो करना। पूजा के निमित्त रात भर जागरण करके भजन गाना।

रत्ती भर बी नी।
रत्ती भर भी नहीं। थोड़ा-सा भी नहीं।

रत्ती-रत्ती, राई-राई।
रत्ती-रत्ती, राई-राई। प्रत्येक छोटी से छोटी चीज।

रत होणूं।
रत होना। संलग्न होना।

रति उठणूं।
रति उठना। शवयात्रा निकलना। अर्थी निकलना।

रति सळ पऽ धरनूं।
रति सल पर रखना। मृत शरीर चिता पर रखना।

रथ पऽ चढ़णूं।
रथ पर चढ़ना। विशेष घोड़ागाड़ी पर बैठना। आरूढ़ होना। किसी काम को करने के लिए तैयार होना।

रथ आगऽ बढ़ावणूं।
रथ आगे बढ़ाना। किसी काम को अग्रसर करना।

रथयात्रा निकलणूं।
रथयात्रा निकलना। विशेष सुसज्जित रथ (गाड़ी) पर भगवान की यात्रा (जुलूस) निकालना।

रथ निकलणूं।
रथ निकलना। गणगौर पर्व पर रनुदेवी और धणियर के 'रथ' (मूर्तियाँ) जुलूस के साथ निकलना। विसर्जन होना।

रथ सजावणूं।
रथ सजाना। रनु और धणियर राजा की मूर्तियाँ सजाना।

रथ बौड़ाणूं।
रथ बौड़ाना। रनु और ईश्वर राजा के रथों को एक दिन और मेहमान बनाना।

रथ नचाड़णूं।
रथ नचाना। गणगौर धणियर की मूर्तियाँ रथ सिर पर रखकर ढोल की ताल पर नचाना।

रथ का दुई पंईया।

रथ के दो पहिये। स्त्री और पुरुष जीवन रथ के दो पहिये हैं।

रद्दी समझणूं।
रद्दी समझना। खराब या किसी काम का न समझना।

रद्द समझणूं।
रद्द समझना। खारिज कर देना। समाप्त होना।

रद्दी की टोकरी मऽ डालणूं।
रद्दी की टोकरी में डालना। व्यर्थ तुच्छ या कोई काम का नहीं।

रद्दो लगावणूं।
रद्दा लगाना। थप्पी या एक के ऊपर एक रखते जाना।

रंदो लगावणूं।
रन्दा लगाना। लकड़ी को चिकनी करना।

रंध्र होणूं।
रन्ध्र होना। छेद होना। सन्धि होना। बुराइयाँ होना।

रनुबाई होणूं।
रनुबाई होना। देवी स्वरूपा होना।

रफा-दफा करनूं।
रफा-दफा करना। झगड़ा निपटाना।

रफूचक्कर होणूं।
रफूचक्कर होना। भगा देना।

रफ काम करनूं।
रफ काम करना। कच्चा काम करना।

रफ्तार बढ़ावणूं।
रफ्तार बढ़ाना। गति बढ़ाना।

रफता-रफता।
रफता-रफता। धीरे-धीरे।

रफत मऽ आवणूं।
रफत में आना। आदत में आना।

रफत होणूं।
रफत होना। आदत होना। स्वभाव में होना।

रफू करनूं।
रफू करना। पुराने कपड़े को सीना।

रब जाणऽ।
रब जाने। ईश्वर जाने। पता नहीं।

रबी फसल आवणूं।
रबी की फसल आना। वर्षा की द्वितीय फसल। बाद में आने वाली फसल।

रंभाणूं।
रँभाना। गाय या गाय के बछड़े का आवाज करना।

रमी जाणूं।
रम जाना। किसी चीज या काम में संलग्न हो जाना। तल्लीन हो जाना। साधना में लीन हो जाना।

रमणूं।
रमना। दिल बहलाना।

रमण-भमण होणूं।
रमण-भमण होना। अस्त-व्यस्त होना।

रमाणूं (धूणी)।
रमाना। वैराग्य लेना।

रयट्यो चलावणूं।
रयट्या चलाना। चरखा चलाना। चक्कर चलाना। सूत काटना।

रळकी जाणूं।
रलक जाना। फिसल जाना।

रवां होणूं।
रवां होना। अनुभव होना। काम करते-करते विश्वास आना।

रवा भर होणूं।
रवा भर होना। थोड़ा-सा।

रवादार घी होणूं।
रवेदार घी होना। बहुत अच्छा दाने-दाने वाला घी होना।

रवा-रवा होणूं।
रवा-रवा होना। दाना-दाना खिल जाना।

रवो।
रवा। मोटा आटा, सूजी।

रस लेणूं।
रस लेना। आनन्द लेना। रुचि लेना।

रस आवणूं।
रस आना। आनन्द आना। किसी चीज में शामिल होना।

रस भंग होणूं।
रस भंग होना। मजा किरकिरा हो जाना। आनन्द टूट जाना।

रसातळ खऽ जाणूं।
रसातल में जाना। बर्बाद हो जाना। पानी का स्रोत बहुत नीचे चला जाना। पतन होना।

रस्तो बतावणूं।
रास्ता बताना। मार्ग दिखाना। भ्रमित करना। तरीका बताना।

रस्तो देखणूं।
रास्ता देखना। प्रतीक्षा करना।

रस्तो काटणूं।
रास्ता काटना। आड़े आना। बाधा पहुँचाना।

रस्ता सी बेरस्ता होणूं।
रास्ते से बेरास्ता होना। कुमार्ग पर चलना।

रस्तो उबड़-खाबड़ होणूं।
रास्ता ऊबड़खाबड़ होना। मार्ग खराब होना। चलने की परेशानी होना। कठिनाई भरा मार्ग।

रस्तो पकड़नूं।
रास्ता पकड़ना। चलते जाना।

रस्तो नी सूझणूं।
रास्ता नहीं सूझना। मार्ग नहीं समझ पड़ना। उपाय न समझ में आना।

रस्तो नापणूं।
रास्ता नापना। जाना या चले जाना।

रस्तो देणूं।
रास्ता देना। आने देना। प्रवेश पर रोक न होना।

रस्ता पऽ लावणूं।
रास्ते पर लाना। ठीक करना।

रस्तो रोकणूं।
रास्ता रोकना। प्रवेश निषेध करना। राह रोक देना। आड़े फिर जाना। निकलने नहीं देना।

रस्ता पऽ आवणूं।
रास्ते पर आना। ठीक हो जाना। सलाह मानना।

रस्ता मऽ।
रास्ते में। चलते-चलते। राह में।

रस्ता सी चलनूं।
रास्ते से चलना। अच्छा व्यवहार करना।

रस्सी को फंदो गळा मऽ डालनूं।
रस्सी का फंदा गले में डालना। फाँसी लगना। अपने आपको विपत्ति में डालना।

रस्सी कऽ साँप समझणूं।
रस्सी को साँप समझना। भ्रमित होना।

रस्सी बली जाणूं, पण बळ नी जाणूं।
रस्सी जल जाना, लेकिन बल न जाना। बहुत हानि उठाने पर भी रुख में अन्तर न आना। घमण्ड ज्यों का त्यों रहना।

रस्सी तुड़ई नऽ भागणूं।
रस्सी तुड़ाकर भागना। बंधन तोड़कर भाग जाना।

रस्सी ढीली छोड़णूं (करनूं)।
रस्सी ढीली छोड़ना या करना। नियंत्रण में कमी करना।

रस्सी हाथ मऽ राखणूं।
रस्सी हाथ में रखना। नियंत्रण में रखना। वश में करना।

रहणऽ देणूं।
रहने देना। ध्यान न देना। छोड़ना या क्षमा करना।

रहम खाणूं।
रहम खाना। दया आना।

रहन रखणूं।
रहन रखना। गिरवी रखना।

रह्यो नी जाणूं।
रहा नहीं जाना। किसी चीज के बिना न रहना। अपने को रोक नहीं पाना।

रह्यो-सह्यो होणूं।
रहा-सहा होना। शेष या बचा हुआ होना। कोई अचानक विपत्ति का आना।

रई-रई नऽ याद आवणूं।
रह-रहकर याद आना। बार-बार या थोड़ी-थोड़ी देर में याद आना।

राई लोण वरावणूं।
राई नमक उतारना। नजर उतारना। बुरी दृष्टि के प्रभाव से बचाने का यत्न करना।

राई-रत्ती चुकावणूं।
राई-रत्ती चुकाना। सारा कर्जा चुकाना। पाई-पाई चुका देना।

राई को पहाड़ बणानूं।
राई का पर्वत बनाना। छोटी सी बात को बहुत बड़ा बनाना।

राई रत्ती कऽ पईचाणनू।
राई रत्ती को पहचानना। सब कुछ जानना। एक-एक बात जानना।

रांड को सांड।
राँड का साँड। विधवा का बिगड़ैल पुत्र।

रांड हुई जाणूं।
रांड हो जाना। विधवा होना।

राख हुई जाणूं।
राख हो जाना। बरबाद हो जाना। खाक हो जाना।

राख उड़नूं।
राख उड़ना। नष्ट हो जाना। बिखर जाना। कुछ भी न बचना।

राख डालनूं (न्हाखणूं)।
राख डालना या दबा देना। ढँक देना। भूल जाना।

राखोड़ी समेटनूं।
राख समेटना। जलाने के बाद की राख को एकत्र करना।

राखोड़ी मलनूं।
राख मलना। साधु-संन्यासी होना।

राखेड़ी मस्तक पऽ लगावणूं।
राख मस्तक पर लगाना। भस्मी लगाना।

राख होणूं।
राख होना। सब कुछ नष्ट हो जाना। नश्वर शरीर जल जाना।

राखी बांधणूं।
राखी बाँधना। भाई बनाना। राखी पर्व पर बहन द्वारा भाई के हाथ में रक्षाबंधन करना।

राखी को धागो।
राखी का धागा।

राखी देखी करनूं।
राखी देखी करना। व्यवहार में लाकर परखना।

राख की चिनगारी होणूं।
राख की चिनगारी होना। दबा हुआ जोश या आक्रोश उभरना।

राखी बंध भाई होणूं।
राखी बंध भाई होना। राखी बाँधकर बनाया गया भाई।

राग अलापणूं।
राग अलापना। अपनी ही बात कहते रहना, दूसरों की न सुनना।

राग छोड़णूं।
राग छेड़ना। विचित्र या अप्रिय बात आरम्भ करना। दूसरों की न सुनना।

राग रंग मऽ डूबणूं।
राग रंग में डूबना। मौज मस्ती में रहना। दूसरों की ओर ध्यान न देना।

राग खड़ो करनूं।
राग खड़ा करना। झगड़ा कराना। झंझट पैदा करना।

राग सुनावणूं।
राग सुनाना। अपनी बात सुनाना।

राज करनूं।
राज करना। सुख से रहना।

राजी खुशी सी।
राजी खुशी से। सकुशल या स्वयं की मर्जी से।

राजी होणूं।
राजी होना। सन्तुष्ट होना। सहमत होना।

राज खुलनूं (खोलनूं)।
राज खुलना या खोलना। रहस्य प्रकट करना।

राजगद्दी पऽ बठणूं।
राजगद्दी पर बैठना। राजा होना।

राजनीति करनूं।
राजनीति करना। चाल चलना। स्वार्थपूर्वक कार्य करना।

राजमहल सी लई नऽ झोपड़ा नऽ का पास।
राजमहल से लगाकर झोपड़ियों में। हर स्तर के लोगों के बीच सर्वत्र।

राजकाज होणूं।
राजकाज होना। बड़े आदमियों या शासन का काम होना।

राज होणूं।
राज होना। शासन होना। अधिकार या प्रभाव होना।

राजी खुशी होणूं।
राजी खुशी होना। प्रसन्न या सही सलामत होना।

राजी खुशी कोई काम करणूं।
राजी खुशी कोई काम करना। प्रसन्नतापूर्वक कोई काम करना।

राज देणूं।
राज देना। रहस्य या गुप्त बात बताना।

राज छिपाणूं।
राज छिपाना। रहस्य की बात को किसी से न बताना।

राज की बात होणूं।
राज की बात होना। कोई रहस्य की बात होना। गोपनीय बात होना।

राज उलटी जाणूं।
राज्य उलट जाना। तख्ता पलट जाना। सत्ता बदल जाना। राज हथिया लेना।

राज मऽ रयणूं।
राज्य में रहना। मेहरबानी से रहना। किसी राज्य के नागरिक होना।

रात-दिन को फरक होणूं।
रात और दिन का फर्क होना। जमीन-आसमान का अन्तर होना। बिल्कुल नहीं मिलना।

रात-दिन को रोवणो रोणूं।
रात-दिन का 'रोना' रोना। हमेशा की शिकायत या दु:ख होना।

रात-दिन होणूं।
रात-दिन होना। सदैव होना। रोज होना।

रात-दिन बराबर होणूं।
रात-दिन बराबर होना। सदा का कष्ट या मुसीबत होना। रोज का दु:ख होना।

रात-दिन कटकट करनूं।
रात-दिन कटकट करना। हमेशा या रोज झगड़ा करना।

रात-दिन कोसणूं।
रात-दिन कोसना। रोज गाली देना। उलाहना देना। रोज ताना कसना।

रात-दिन मरनूं।
रात-दिन मरना। दिन-रात मेहनत करना। श्रम करना। जरा भी फुरसत न होने देना।

रात-दिन को रड़णूं।
रात-दिन का रोना। सदैव की पीड़ा। हमेशा की परेशानी।

रात-दिन को झगड़ो।
रात-दिन का झगड़ा। सदैव का झंझट। रोज-रोज की लड़ाई।

रात डोळा नऽ मऽ काटणूं।
रात आँखों में काटना। रात जागते हुए बिताना।

रात पड़े कां जाणूं?
रात होने पर कहाँ जाना? रात में किधर जाना?

रात सूली पऽ चढ़नूं।
रात सूली पर चढ़ना। पूरी रात न सो पाना। बहुत कष्ट में समय बिताना।

रात-दिन एक करनूं।
रात-दिन एक करना। खूब मेहनत करना।

रातोंरात करनूं।
रातोंरात करना। एक ही रात में सारा कार्य करना।

रात बीती, वात बीती।
रात बीती, बात बीती। समय समाप्त हुआ, बात भी नहीं होना।

रात ढलनूं।
रात ढलना। रात बीतना। सुबह होने को होना।

रात भारी होणूं।
रात भारी होना। रात बहुत कष्ट से बीतना।

राम जाणऽ।
राम जाने। मालूम न होना।

राम करऽ।
राम करे। भगवान चाहे तो। अपने आप सब काम हो जाना। सम्भावना होना। एक प्रार्थना।

राम नाम सत्य होणूं।
रामनाम सत्य होना। मृत्यु को प्राप्त होना।

राम कहाणी सुणानूं।
राम कहानी सुनाना। अपनी बीती सुनाना। अपना कष्ट कहना।

राम-राम करनूं।
राम-राम करना। एक-दूसरे को नमस्कार करना। सामान्य परिचय होना।

रामबाण दवा होणूं।
रामबाण दवा होना। अचूक दवाई होना।

राम राज लावणूं।
रामराज्य लाना। सुख-शान्ति का समय लाना।

रामभरोसे होणूं।
रामभरोसा होना। भाग्य या भगवान के सहारे होना।

रामायण सुणाणऽ लगणूं।
रामायण सुनाने लगना। अपना लम्बा-चौड़ा कष्ट बताने लगना।

रार मोल लेणूं।
रार मोल लेना। जानबूझकर झगड़ा करना।

राळ गिरनूं (टपकणूं)।
राल गिरना या टपकना। किसी चीज को पाने को लालायित होना।

राशि मिलणूं।
राशि मिलना। दो आदमियों की एक जैसी जन्मकुण्डली होना। स्वभाव मिलना।

रास आवणूं।
रास आना। अच्छा लगना। अनुकूल या लाभदायक होना।

रास मऽ लावणूं।
रास में लाना। वश में करना। आचरण ठीक करना।

रास करणूं।
रास करना। कृष्ण राधा के संग नृत्य करना। विलासी जीवन बिताना।

रास तुड़ाणूं।
रास तुड़ाना। रस्सी तुड़ाना। बंधन मुक्त होने की कोशिश करना।

रास खैचणूं।
रास खिचना। रस्सी कड़ी करना। ढील न देना। लगाम लगाना। वश में करना।

रास्तो छोड़णूं।
रास्ता छोड़ना। मार्ग से हट जाना। बाधा न डालना।

रास्तो दिखाई देणूं।
रास्ता दिखाई देना। उपाय समझ में आना।

रास्तो देखणूं।
रास्ता देखना। राह देखना। प्रतीक्षा करना।

रास्तो निकलनूं (निकालणूं)।
रास्ता निकलना या निकालना। युक्ति निकलना या निकालना।

रास्तो फूटणूं।
रास्ता फूटना। एक ही मार्ग से कई रास्ते निकलना।

रास्तो बणाणूं।
रास्ता बनाना। नया उपाय या परम्परा खोजना।

रास्ता को कांटो होणूं।
रास्ते का काँटा होना। प्रगति में बाधक होना। कष्ट देना।

रास्ता मऽ डोळा बिछावणूं।
रास्ते में आँखें बिछाना। बहुत मान-सम्मान या आदर करना।

राह चलते मिली जाणूं।
राह चलते मिल जाना। रास्ते में मिल जाना। मित्र बन जाना।

राहजनी करनूं।
राहजनी करना। रास्ते में लूटना।

राह दिखाणूं।
राह दिखाना। मार्गदर्शन करना।

राह सी बेराह होणूं।
राह से बेराह होना। कुमार्ग पकड़ना। भटक जाना। गलत काम करना या बेईमानी करना।

रिजणो चलावणूं।
रिजणा चलाना। पंखा झलना।

रिमझिम होणूं।
रिमझिम होना। हल्की बरसात होना।

रिवाज होणूं।
रिवाज होना। परम्परा होना।

रिश्वत खाणूं।
रिश्वत खाना। किसी काम के लिए अनुचित धन लेना।

रीझी जाणूं।
रीझ जाना। मोहित हो जाना।

रीड़ की हड्डी होणूं।
रीड़ की हड्डी होना। मुख्य आधार या सहारा होना।

रीड़ टूटणूं।
रीढ़ टूटना। आधार खतम होना। समर्थन समाप्त होना।

रीड़ मजबूत होणूं।
रीढ़ मजबूत होना। आधार शक्तिशाली होना।

रीत निभावणूं।
रीत निभाना। परम्परा का निर्वाह करना।

रुक्को लिखवाणूं।
रुक्का लिखवाना। कर्ज के कागज तैयार कर हस्ताक्षर करना।

रुख देखी नऽ वात करनूं।
रुख देखकर बात करना। मूड या अवसर देखकर बात

करना। सामने वाले के स्वभाव को देखकर बात करना।

रुख नरम होणूं।
रुख नरम होना। अनुकूल होना।

रुख पलटी देणूं।
रुख पलट देना। बातचीत का या व्यवहार का रूप बदल देना। दिशा बदल देना।

रुख पईचाणनूं।
रुख पहचानना। दृष्टिकोण या विचार को पहचानना।

रुचि दिखाणूं।
रुचि दिखाना। संलग्न होना। प्रिय/रोचक लगना। प्रेम दिखलाना।

रुचि राखणूं।
रुचि रखना। लगाव रखना। अपनी पसन्द के अनुसार कार्य करना।

रुप्यो ऐंठणूं।
रुपये ऐंठना। गलत तरीके से अधिक पैसा वसूल लेना।

रुप्या खड़ा करनूं।
रुपया खड़ा करना। अधिक कमाना।

रुप्या पाणी की तरह ववाड़णूं।
रुपये पानी की तरह बहाना। बिना सोचे-समझे खूब खर्च करना।

रुप्या पाणी मऽ फेंकणूं।
रुपया पानी में फेंकना। व्यर्थ पैसा खर्च करना।

रुप्या फूंकणूं।
रुपया फूँकना। बेहिसाब खर्च करना। रुपये की कद्र न करना।

रुप्यो हाथ को मैइळ होणूं।
रुपया हाथ का मैल होना। धन तुच्छ होना। धन खूब कमाया जा सकता है।

रुप्यो बरसणूं।
रुपया बरसना। चारों ओर से अत्यधिक कमाई होना।

रूखो होणूं।
रूखा होना। अव्यावहारिक होना। सपाट सुभाव होना।

रूखो-सूखो खाना।
रूखा-सूखा खाना। जो भी मिल जाए, वह खा लेने की दशा होना।

रूखड़ा पऽ फेंकणऽ लायक होणूं।
रूखड़े पर फेंकने लायक होना। बेकार की चीज होना। किसी काम की वस्तु न होना।

रूप को पुजारी होणूं।
रूप का पुजारी होना। सुन्दरता से प्रेम करने वाला होना। सुन्दरता का आदर करने वाला होना।

रूप को रूड़ो होणूं।
रूप को रूड़ा होना। अत्यन्त सुन्दर होना।

रूप संवारनूं।
रूप सँवारना। और अधिक सुन्दर बनने की कोशिश करना।

रूह कापी जाणूं।
रूह काँप जाना। आत्मा सिहर जाना। डर जाना।

रूह निकळी जाणूं।
रूह निकल जाना। मर जाना।

रेंगणूं।
रेंगना। घसीटकर चलना। बहुत धीमे-धीमे चलना।

रेकार्ड तोड़नूं।
रिकार्ड तोड़ना। पूर्व से बहुत अच्छा कार्य करना।

रेड मारनूं।
रेड मारना। बिगाड़ देना। हानि पहुँचाना।

रेत पऽ नाव चलाणूं।
रेत पर नाव चलाना। असम्भव काम करना।

रेलम पेलम होणूं।
रेल-पेल होना। अधिकता होना। खूब भीड़ होना। आवाजाही होना।

रेळो आवणूं।
रेला आना। अचानक भीड़ आना। अपनी बुराई सुनकर गुस्सा आना।

रेवड़ी बांटणूं।
रेवड़ी बाँटना। अपने-अपने को देना। पक्षपात करना।

रेवड़ हांकणूं।
रेवड़ हाँकना। मूर्ख या अज्ञानी लोगों से काम लेना। भीड़/समूह से काम लेना।

रोंगटा खड़ा होणूं।
रोंगटा खड़ा होना। भयभीत होना। शरीर के रोम खड़े होना। रोमांचित होना।

रोक-टोक करनूं।
रोक-टोक करना। रोक देना। आना-जाना बन्द करना।

रोक लगावणूं।
रोक लगाना। प्रतिबन्ध लगाना।

रोग को घर होणूं।
रोग का घर होना। रोग का कारण या अधिक रोग उत्पन्न होना।

रोग पाली लेणूं।
रोग पाल लेना। दुर्व्यसन आदत बना लेना।

रोजगार (रुजगार) चलनूं।
रोजगार चलना। जीविका का साधन होना।

रोजो खोलणूं।
रोजा खोलना। शाम के वक्त दिन भर बिन खाए रहकर हल्का नाश्ता करना।

रोजी चलाणूं।
रोजी चलाना। खाने कपड़े का प्रबन्ध करना।

रोटी होण तोड़णूं।
रोटियाँ तोड़ना। मुफ्त का खाना या बिना काम किये खाना।

रोटी को लाला पड़णूं।
रोटियों के लाले पड़ना। भूखे मरना।

रोटी खऽ लात मारनूं।
रोटियों को लात मारना। अपनी आजीविका को स्वयं छोड़ देना।

रोटी खऽ तरसणूं।
रोटी के लिये तरसना। भूखे मरना।

रोटी दाळ चलणूं।
रोटी दाल चलना। केवल पेट भराई होना।

रोटा पाणी मऽ लगणूं।
रोटी पानी में लगना। घरगृहस्थी के काम में लग जाना।

रोटी बेटी को समंध होणूं।
रोटी बेटी का सम्बन्ध होना। खानपान और विवाह का व्यवहार होना।

रोड़ो अटकाणूं।
रोड़ा अटकाना। बाधा डालना।

रोई धोई नऽ काम करनूं।
रो-धोकर काम करना। बड़ी मुश्किल से या बिना इच्छा के काम करना।

रोवणूं आवणूं।
रोना आना। दशा देखकर दुखी होना। क्लेश होना।

रोणूं पीटणूं करनूं।
रोना पीटना करना। विलाप करना।

रोणो रोणूं।
रोना रोना। दु:ख या विपत्ति की कथा सुनाना।

रोवणो वाळी नी होणूं।
रोने वाला न होना। वंश या परिवार में एक आदमी न बचना। वंश समाप्त होना।

रोम रोम मऽ।
रोम-रोम में। प्रत्येक वस्तु में।

रोम रोम जलणूं।
रोम-रोम जलना। अत्यधिक गर्मी होना। जलन होना।

रोयो नी उखड़णूं।
रोया नहीं उखड़ना। कुछ भी हानि न होना। खरोच तक न लगना।

रोई-रोई नऽ घर भरणूं।
रो रोकर घर भरना। अत्यधिक रोना। चुप ही न होना।

रोशनी डालनूं।
रोशनी डालना। प्रकाश डालना या समझाना।

रौनक होणूं।
रौनक होना। चमक-दमक। शोभा, उन्नति या प्रभाव होना।

रौब गांठणूं।
रौब गाँठना। अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना। धाक जमाना।

रौख नरक भोगणूं।
रौख न भोगना। घनघोर नर्क के कष्ट भोगना। दुःख उठाना। दुर्दशा होना।

रौंदी डालणूं।
रौंद डालना। पैरों से कुचल डालना। पूरी तरह से समाप्त कर देना।

ल

लक-लक होणू।
लक-लक होना। बहुत दुर्बल होना। हवा में झोंके खाना।

लकदक होणूं।
लकदक होना। बहुत सुव्यवस्थित और सम्पन्नता से रहने वाला होना।

लकी होणूं।
लकी होना। भाग्यशाली होना।

लकीर को फकीर होणूं।
लकीर का फकीर होना। सिद्धान्तों पर सुदृढ़ रहने वाला। बात का धनी होना।

लकड़ी देणूं।
लकड़ी देना। दाह कर्म करना। चिता जमाना या पंच लकड़ी देना।

लकीर खीचणूं।
लकीर खींचना। पुरानी प्रथा या बात को मानना।

लकड़ी को सहारो होणूं।
लकड़ी का सहारा होना। हाथ में कूबड़ी के सहारे से चलना।

लकड़ी सरीखो हुई जाणूं।
लकड़ी सरीखा होना। बहुत दुर्बल होना।

लकड़ी होणूं।
लकड़ी होना। सूख जाना।

लकड़ी चलणूं।
लकड़ी चलना। लाठियों से मारपीट होना। झगड़ा होना।

लक्कड़ फाड़णूं।
लक्कड़ फाड़ना। मेहनत मजदूरी करना।

लकड़हारो होणूं।
लकड़हारो होना। जंगल से लकड़ी काटकर बेचने वाला।

लक्खण दिखई देणूं।
लक्षण दिखाई देना। आभास होना।

लक्खण अच्छा नी होणूं।
लक्षण अच्छे नहीं होना। बुराई के आसार नजर आना।

लगन लिखाणूं।
लगन लिखाना। शुभ विवाह निश्चित होना।

लगण लगणूं।
लगन लगना। धुन लगना। किसी चीज में खो जाना। विवाह होना।

लगती कयणूं।
लगती कहना। चुभती बात कहना। व्यंग करना।

लगणूं।
लगना। असर होना। मन मुटाव होना। झगड़ा होना। रिश्ते में होना।

लग्यो रयणूं।
लगा रहना। काम में लीन रहना।

लगाम कसणूं।
लगाम कसना। रोकना या नियंत्रण में करना।

लगाम हाथ में लेणूं।
लगाम हाथ में लेना। किसी कार्य को करने की जिम्मेदारी लेना। स्वयं नियंत्रण करना।

लगाव होणूं।
लगाव होना। प्रेम होना। सम्बन्ध होना।

लगी लगाई रोजी पऽ लात मारनूं।
लगी लगाई नौकरी पर लात मारना। लगे हुए नियमित काम से मुँह मोड़ना। छोड़कर चले जाना।

लगा हाथ।
लगे हाथ। साथ-साथ। इसी समय, फौरन।

लग्या दम।
लगे दम। एक काम खत्म होते ही, दूसरा करना।

लग्गो लगावणूं।
लग्गा लगाना। कार्य को प्रारम्भ करवाना। बार-बार दबाव डालना।

लग्गी लगाना।
लग्गी लगाना। हरी पीली झण्डियाँ लगाना। किसी उत्सव, शुभ कार्य का संकेत होना।

लंगर डालनूं।
लंगर डालना। रुकना या जहाज का बन्दरगाह में लंगर डालकर रुके रहना।

लंगर मऽ जाणूं।
लंगर में जाना। लोगों को बिना पैसा लिये भरपेट भोजन कराना।

लंगोट कसणूं।
लंगोट कसना। कुश्ती के लिये अखाड़े में उतरना।

लंगोट को पक्को होणूं।
लंगोट का पक्का होना। ब्रह्मचारी होना। पहलवान।

लंगोटियो यार होणूं।
लंगोटिया यार होना। बचपन का गहरा मित्र।

लंगोटी नी बचणूं।
लंगोटी न बचना। सब नष्ट हो जाना। कंगाल हो जाना। बेईज्जत होना।

लत पड़णूं।
लत पड़ना। आदत लगना।

लच्छादार बोलणूं।
लच्छेदार बोलना। मीठी-मीठी बातें करना। अलंकारिक भाषा का उपयोग करना।

लचको खाणूं।
लचको खाना। झोल लगना। झोंका आना।

लचकी जाणूं।
लचक जाना। नम जाना। झुक जाना।

लज्जा का मारे गड़ी जाणूं।
लज्जा के मारे गड़ जाना। बहुत शर्म महसूस करना।

लट्टू होणूं।
लट्टू होना। आशक्त होना। प्रभावित होना।

लट्ठ चलनूं।
लट्ठ चलना। झगड़ा होना। लाठी चलना।

लट्ठ लई नऽ फिरनूं।
लट्ठ लेकर फिरना। हर समय पीछे लगे रहना। हर समय लड़ने के लिये तैयार रहना।

लट्ठ माथा पऽ मारी देणूं।
लट्ठ ही माथे पर मार देना। बहुत कड़ा और मुँह फट उत्तर देना।

लड़ाई मोळ लेणूं।
लड़ाई मोल लेना। हाथ करके झगड़ा करना। जानबूझकर

लड़ना।

लड्डू फूटणूं।
लड्डू फूटना। मन में खुशी होना। लाभ की बात होना।

लड्डू खाणूं।
लड्डू खाना। किसी खुशी को जाहिर करना।

लताड़ खाणूं।
लताड़ खाना। भला बुरा कहना।

लतीफो छोड़णूं।
लतीफा छोड़ना। मजाक की बात करना। नयी बात कहना। चुटकुला सुनाना।

लत्ता लेणूं।
लत्ते लेना। खूब भला-बुरा कहना या लताड़ना। दुर्गति करना।

लथड़ई जाणूं।
लथड़ा जाना। चूक जाना। कहते-कहते रुक जाना। कुछ हो जाना।

लप-लप करनूं।
लप-लप करना। बीच-बीच में उचकना या ललचाना।

लपट चलनूं।
लपट चलना। गरम हवा चलना। लू-लपट चलना।

लपेट मऽ आवणूं।
लपेट में आना। प्रभाव में आना। बुरा असर होना।

लबड़ धों-धों होणूं।
धबड़ धों-धों होना। गड़बड़ी करने वाला होना। हड़बड़ी करने वाला।

ललाट पऽ लिखेल होणूं।
ललाट पर लिखा होना। भाग्य में होना।

लल्लो चप्पो करणूं।
लल्लो-चप्पो करना। खुशामद करना। चमचागिरी करना।

लहर आणूं (उठणूं)।
लहर आना या उठना। आनंद आना। पीड़ा देना। रह रहकर दर्द होना।

लहर मऽ बई जाणूं।
लहर में बह जाना। तत्कालीन प्रभाव में आ जाना।

लहू को प्यासो होणूं।
लहू का प्यासा होना। खून करने के लिये कटिबद्ध होना। प्रबल शत्रु होना।

लहू सुखाणूं।
लहू सुखाना। कष्ट सहन करना।

लहू लुहान होणूं।
लहू-लुहान होना। खून से लथपथ होना।

लाख टकझ की वात करनूं।
लाख टके की बात करना। बहुत उपयोगी और सार्थक बात करना।

लाख समझावणूं।
लाख समझाना। बार-बार समझाना।

लाख की घर होणूं।
लाख का घर होना। जलने की संभावना वाला घर होना। नष्ट होने वाला घर होना।

लाखों का घाटो होणूं।
लाखों का घाटा होना। बहुत नुकसान होना।

लागऽ लाग बठणूं।
लागऽ लाग बैठना। पक्षपात करना। इधर-उधर लगाना।

लागत लगणूं।
लागत लगना। संभावित व्यय होना। सही मूल्य लगना।

लाग लगणूं।
लाग लगना। प्रेम होना। बराबर बैठना। कोशिश पूरी होना।

लागू होणूं।
लागू होना। व्यवहार में आना। उपयोग में होना।

लगेल होणूं।
लगेल होना। लगा हुआ होना। बंद होना। चिपका होना। किसी स्त्री से पराये पुरुष से सम्बन्ध होना।

लगी जाणूं।
लग जाना। मन में चोट पहुँचना। बुरा लगना। प्रभावित होना।

लई उड़णूं।
ले उड़ना। लेकर भाग जाना। एक ही बात को लेकर बैठ जाना।

लई नऽ डूबणूं।
लेकर डूब जाना। अपने साथ दूसरे का भी अहित करना।

लई दई नऽ।
ले देकर। रिश्वत आदि देकर छूटना।

लाज राखणूं।
लाज रखना। इज्जत या मान सम्मान बनाये रखना।

लाज आवणूं।
लाज आना। शर्म आना।

लाट होणूं।
लाट होना। लड़की का लम्बाई में बड़ी होना। लकड़ी का चिकना खम्बा होना।

लाट साब होणूं।
लाट साहब होना। अपने आपको बहुत बड़ा और महत्त्वपूर्ण समझना।

लाठी घुमावणूं (चलाणूं)।
लाठी घुमाना या चलाना। लाठी से प्रहार करना। हिंसा पर उतारू होना। मारपीट करना।

लात खाणूं।
लात खाना। मार खाना। ठोकर खाना। गलती करने पर भला-बुरा सुनना।

लात मारणूं।
लात मारना। त्याग देना। छोड़ देना।

लात का भूत, बात सी नी माणनूं।
लातों के भूत बातों से नहीं मानते। मार से ही कुछ लोग सुधरते हैं, मानते हैं।

लात खाया बिगरे नी रयणूं।
लात खाये बगैर न रहना। मार खाये बगैर न रहना। बिना मार के कोई काम न होना।

लानत देणूं।
लानत देना। बुरा-भुला कहना।

लाय लगणूं।
लाय लगना। कड़ी धूप पड़ना। आग लगना।

लार टपकणूं।
लार टपकना। लालच होना। लालायित होना।

लाल पीळो होणूं।
लाल पीला होना। गुस्सा होना।

लाल-लाल डोळा करनूं।
लाल-लाल आँखें करना। क्रोध करना।

लाला पड़णूं।
लाला पड़ना। खाने-पीने की भी व्यवस्था न होना। मिलने को तरसना। बहुत कमी होना।

लाल चट (भम) होणूं।
लाल-लाल होना। विशेष लाल होना।

लाश ढोणूं।
लाश ढोना। ऐसे कार्य को करना, जिसमें कोई सार्थकता न हो। निष्प्राण की तरह जीना। कहीं कोई महत्व न मिलना।

लिखेल मेटी नी सकणूं।
लिखा मेट नहीं सकना। भाग्य में जो लिखा होता है, वह मिट नहीं सकता।

लिफाफो देखी नऽ मजमून भापणूं।
लिफाफा देखकर मजमून जान लेना। चेहरे से ही किसी का दुःख दर्द पहचान लेना।

लिफाफो खुलणूं।
लिफाफा खुलना। रहस्य जान लेना। मजमून पता हो जाना।

लियो दियो बराबर होणूं।
लिया-दिया बराबर होना। हिसाब बराबर होना। खाता समाप्त होना।

लिहाज करनूं।
लिहाज करना। लज्जा या ध्यान रखना।

लीक तोड़नूं।
लीक तोड़ना। परम्परा को तोड़ना। लाभ के बदले हानि होना।

लीचड़ होणूं।
लीचड़ होना। बहुत सुस्त और गंदा रहने वाला। स्वभाव से भी सक्रिय न होना।

लीपापोती करनूं।
लीपापोती करना। झूठ-सच बोलकर बात को छुपाने की कोशिश करना। बिगड़े काम को बनाने की असफल कोशिश करना।

लुंज-पुंज होणूं।
लुंज-पुंज होना। शक्तिहीन होना।

लुकाछिपी करनूं।
लुकाछिपी करना। चोरी छिपे काम करना। कभी छिप जाना, कभी प्रगट होना।

लम्बी ताणणूं।
लम्बी तानना। निश्चिन्त होकर सोना।

लुटिया डुबावणूं।
लुटिया डुबोना। नुकसान होना या काम बिगड़ना। असफल होना।

लूट खसोट करनूं।
लूट खसोट करना। गलत तरीके से किसी से रुपया - गहने छीनकर भाग जाना।

ल

लेखनी चलना।
लेखनी चलना। निरन्तर लिखना।

लेखो जोखो राखणूं।
लेखा-जोखा रखना। हानि-लाभ का हिसाब रखना।

ले दे करनूं।
ले दे करना। हुज्जत करना।

लेट लतीफ होणूं।
लेट लतीफ होना। हर काम को देरी से करने की आदत होना।

लेणूं एक नी, देणूं दो नी।
लेना एक नहीं, देना दो नहीं। कुछ मतलब नहीं।

लुतर्‌या लगावणूं।
लुतर्‌या लगाना। चुगली करना।

लोट-पोट होणूं।
लोट-पोट होना। बहुत आनंदित होना। आसक्त होना।

लोट्‌यो थाळी तक बिक जाना।
लोटा थाली तक बिक जाना। दिवाला निकल जाना।

लोण मीरी लगावणूं।
नमक मिर्ची लगाना। बढ़ा-चढ़ाकर कोई बात बताना।

लोण हलाल करनूं (चुकावणूं)।
नमक हलाल या चुकाना। उपकार का बदला लेना।

लोहो माननूं।
लोहा मानना। प्रभुत्व या श्रेष्ठता स्वीकार करना। पराजित होना।

लोहो लेणूं।
लोहा लेना। लड़ना, युद्ध करना। मुकाबला करना। झगड़ा करना।

लोहा का चणा चबाणूं।
लोहे के चने चबाना। बहुत कठिन कार्य करना।

लोहा की छाती करनूं।
लोहे की छाती करना। कठोर से कठोर होना।

लोहा खऽ लोया सी काटणूं।
लोहे को लोहे से काटना। जो जैसा हो, उसके साथ वैसी ही नीति अपनाना।

लौ लगणूं।
लौ लगना। धुन या लगन लगना। प्रेम होना। तन्मयता होना।

लेणो एक नऽ देणो दुई।
लेना एक न देना दो। कोई मतलब नहीं होना।

लेणऽ को न देणऽ को।
लेने का न देने का। किसी काम का नहीं।

व

वकालात करनूं।
वकालत करना। पक्ष लेना या पक्ष में दलीलें देना।

वकीली करनूं।
वकीली करना। नियम कानून की बातें करना। दलीलें देना। तर्क-वितर्क करना। अपना पक्ष रखना।

वक्त काटणूं।
वक्त काटना। बुरे दिन बिताना। दिल बहलाना।

वक्त खोणूं।
वक्त खोना। समय बरबाद करना।

वक्त हाथ सी जाणऽ देणूं।
वक्त हाथ से जाने देना। अवसर चूक जाना।

वक्त पर काम करनूं।
वक्त पर काम करना। समय पर काम करना।

वक्त-वक्त की वात होणूं।
वक्त-वक्त की बात होना। समय-समय की बात होना।

वखरनूं।
वखरना। खेत में हल चलाना। बोने की तैयारी करना।

वखत खराब होणूं।
वक्त खराब होना। समय अच्छा न होना।

वघार लगाणूं।
वघार लगाना। छोंक लगाना।

वघार नी लगणूं।
वघार नहीं लगना। बहुत कम पैसों से काम न चलना।

वचन निभावणूं।
वचन निभाना। कही बात को पूरी करना। अडिग रहना।

वचन देणूं।
वचन देना। वादा या प्रतिज्ञा करना। किसी को पक्का विश्वास देना।

वचन को पक्को होणूं।
वचन का पक्का होना। बात का धनी होना। कही हुई बात पर अडिग रहने वाला होना।

वजन बढ़ावणूं।
वजन बढ़ाना। प्रभाव बढ़ाना। भार बढ़ाना।

वज्र पड़नूं।
वज्र पड़ना। नाश होना।

वट करनूं (बतावणूं)।
वट करना या बताना। घमण्ड करना। बताना।

वटी जाणूं।
बँट जाना। दो भागों में बँट जाना। एक तरफ हो जाना। लौट आना।

वट देणूं।
वट देना। मूँछ पर ताव देना।

वड़ पूजा करनूं।
वड़ पूजा करना। वटवृक्ष की पूजा करना। जल चढ़ाना।

वणजारा सरीखो घूमणूं।
बनजारे सरीखा घूमना। आवारापन होना।

वस मऽ होणूं।
वश में होना। अधिकार में होना।

वस चलनूं।
वश चलना। सामर्थ्य में होना।

वसूल करनूं।
वसूल करना। धन वापस मिल जाना।

वादो करनूं।
वादा करना। पक्का वचन या विश्वास देना।

वादो पूरो करनूं।
वादा पूरा करना। वचन के अनुसार कार्य करना।

वानो धरनूं।
वाना धरना। दूल्हे को सम्मान स्वरूप नगद देना।

वापस करनूं।
वापस करना। लौटा देना।

वार करनू।
वार करना। हमला करना।

वार खाली जाणूं।
वार खाली जाना। प्रचार से बच जाना। दांव न लगना।

वार पऽ वार करनूं।
वार पर वार करना। एक के बाद एक वार (चोट) या प्रहार करना।

वारा न्यारा होणूं।
वारा-न्यारा होना। खूब लाभ या फायदा होना।

वाबेलो मचाणूं।
वावेला मचाना। खूब शोर मचाना।

वास्तो रखणूं।
वास्ता रखना। सम्बन्ध रखना।

वास्तो पड़नूं।
वास्ता पड़ना। सम्पर्क में आना। सम्बन्ध होना।

वाह-वाह लूटणूं।
वाह-वाह लूटना। तारीफ/प्रशंसा पाना।

विचार मऽ डूबणूं।
विचार में डूबना। विचारमग्न होना। सोचते रहना।

विद्रोह करनूं।
विद्रोह करना। किसी की खिलाफत करना।

विधि को लेखा होणूं।
विधि का लेख होना। भाग्य में जो लिखा है, वही होना।

विपत्ति को पहाड़ टूटणूं।
विपत्ति का पहाड़ टूटना। एकाएक बड़ा संकट आ पड़ना।

विरासत मऽ मिलनूं।
विरासत में मिलना। जन्म से या संस्कार से प्राप्त।

विश्वास खोई देणूं।
विश्वास खो देना। भरोसा समाप्त हो जाना।

विष उगळणूं।
विष उगलना। जहर उगलना। अप्रिय कटु बोलना। किसी के खिलाफ बोलना या बुराई करना।

विष का दात तोड़णूं।
विष के दाँत तोड़ना। नुकसान के कारण समूल नष्ट कर देना। जहर के मूल को हटा देना।

विस्फोट होणूं।
विस्फोट होना। अचानक फूट पड़ना। बात का प्रकट होना।

वैतरणी पार करनूं।
वैतरणी पार करना। किसी दुःखदायी स्थिति से गुजरना।

वैर निकालनूं।
वैर निकालना। दुश्मनी निकालना।

वैर बांधणूं।
बैर बाँधना। दुश्मनी निकालना।

व्रत धारण करनूं।
व्रत धारण करना। किसी नियम का पालन करना।

वंश डुबाड़णूं।
वंश डुबाना। कुल का नाश करना।

वात को धणी।
बात का धनी। अपनी बात पर टिका रहने वाला।

वात को माथो पांय नी होणूं।
बात का सिर-पैर न होना। बिना ठिकाने/आधार की बात करना।

वात का पेंद तक पहुँचणूं।
बात की तह तक पहुँचना। बात की जड़ तक पहुँचना। मूल कारण/बात को जान लेना।

वात की वात मऽ।
बात की बात में। क्षण भर में या तुरन्त।

वात खटाई मऽ पड़णूं।
बात खटाई में पड़ना। बात विवाद या झगड़े में पड़ना।

वात खाली जाणूं।
बात खाली जाना। कथन व्यर्थ जाना।

वात खुलनूं।
बात खुलना। छिपी बात सार्वजनिक होना।

वात खोणूं।
बात खोना। विश्वास उठना। सम्मान गँवाना।

वात गई गुजरी होणूं।
बात गई गुजरी होना। भूली बिसरी बात होना।

वात गढ़णूं।
बात गढ़ना। प्रसंगवश बात बना देना।

वात पल्ला मऽ बांधणूं।
बात पल्लू में बाँधना। कहे को याद रखना।

वात गोळ-गोळ करनूं।
बात गोल-गोल करना। बात को घुमा देना। स्पष्ट बात न करना।

वात जमणूं।
बात जमना। बात मन में बैठ जाना।

वात टालणूं।
बात टालना। बात का व्यर्थ जाना। बात पलट देना।

वात पकड़णूं।
बात पकड़ना। तर्क करना। गलती की ओर संकेत करना।

वात पक्की करणूं।
बात पक्की करना। मामला निश्चित करना। वादा करना।

वात पचावणूं।
बात पचाना। बात मन में रखना।

वात मऽ वात निकलनूं।
बात में बात निकालना। एक बात में दूसरा सन्दर्भ निकालना।

वात पी जाणूं।
बात पी जाना। बुरी बात सह जाना।

वात वघारणूं।
बात बघारना। व्यर्थ शेखी बताना।

वात मऽ आवणूं।
बात में आना। धोखे में आना।

वात मऽ दम नी होणूं।
बात में दम नहीं होना। बात में कोई सत्य नहीं होना।

वात वणावणूं।
बात बनाना। बहाना करना या व्यर्थ की बात करना। खुशामद करना।

वात लावणूं।
बात लाना। विवाह का प्रस्ताव लाना।

वात नऽ सुणावणूं।
बातें सुनाना। कड़वी बातें कहना। भली-बुरी कहना।

वात नऽ मऽ उड़ावणूं।
बातों में उड़ाना। हँसी में टाल देना। ध्यान न देना।

वात नऽ मऽ फुसलावणूं।
बातों में फुसलाना। केवल बातों में सन्तुष्ट करना। अपने में मिला लेना।

वादळा नऽ सी वात करनूं।
बादलों से बात करना। बहुत ऊँचे उठना या उन्नति करना।

वासी कड़ी मऽ उबाळ आवणूं।
बासी कढ़ी में उबाल आना। असमर्थ में क्षणिक सामर्थ्य आना। वृद्धावस्था में युवावस्था का उत्साह होना।

वार लगावणूं।
वार लगाना। देर करना।

वायदो पूरो करनूं।
वायदा पूरा करना। प्रतिज्ञा अथवा वचन पूरा करना।

श

शक होणूं।
शक होना। शंका होना।

शकल बिगड़णूं (बिगाड़नूं)।
शक्ल बिगड़ना या बिगाड़ना। सूरत बिगड़ना या बिगाड़ना। बदसूरत होना। स्वरूप खराब करना।

शकल नी सूरत होणूं।
शक्ल न सूरत होना। बदसूरत होना। भद्दा होना। असुन्दर होना।

शकल नी दिखाणूं।
शक्ल न दिखाना। दिखाई न देना। कभी न जाना या आना।

शकल पऽ नी जाणूं।
शक्ल पर न जाना। सूरत पर न जाना। धोखा होना।

शगुन होणूं।
शगुन होना। मंगनी की रस्म अदा करना। अच्छा फल मिलना।

शतरंज की चाल चलनूं।
शतरंज की चाल चलना। दोनों ओर से युक्तियों द्वारा होशियारी से कार्य करना।

शनि की दृष्टि पड़नूं।
शनि की दृष्टि पड़ना। किसी की बुरी दृष्टि पड़ना। बुरे दिन आना। हर काम गड़बड़ा जाना।

शब्द नऽ मऽ बांधणूं।
शब्दों में बाँधना। ऐसे प्रभावशाली शब्दों का प्रयोग करना, जिससे सामने वाला आकर्षित हो जाय।

शरीर छुटणूं।
शरीर छूटना। मृत्यु होना।

शरीर मऽ काटो तो खून नी।
शरीर में काटो तो खून नहीं। बहुत डर जाना। भयभीत हो जाना।

शरीर भरई जाणूं।
शरीर भर जाना। मोटा हो जाना। शरीर पुष्ट हो जाना।

शरीर मऽ नी समाणूं।
शरीर में न समाना। बहुत मोटा होना।

शरीर मऽ बिजळी दौड़ी जाणूं।
शरीर में बिजली दौड़ जाना। सिहरन हो जाना। रोमांचित हो जाना।

शरीर सुन्न पड़ी जाणूं।
शरीर सुन्न पड़ जाना। चेतना रहित हो जाना।

शरीर सी पसीनो छूटी जाणूं।
शरीर से पसीना छूट जाना। भय से पसीना आ जाना।

शरम सी गड़ी जाणूं।
शर्म से गड़ जाना। बहुत लज्जा महसूस करना।

शह देणूं।
शह देना। नीचा दिखाना। बढ़ावा देना।

शहद की छुरी होणूं।
शहद की छुरी होना। मुँह पर मीठा बोलकर पीठ पीछे बुराई या अहित करने वाली।

शहद मऽ लपटी नऽ देणूं।
शहद में लपेटकर देना। बड़ी मासूमियत से मीठा खिलाकर जहर देना। बहुत होशियारी से मृत्यु देना।

शहनशाही बतावणूं।
शहंशाही बताना। रौब दिखाना। झूठी शान दिखाना।

शहीद होणूं।
शहीद होना। देश पर मर मिटना।

शाबासी देणूं।
शाबासी देना। प्रोत्साहन/बढ़ावा देना।

शामत आवणूं।
शामत आना। कठिनाई में पड़ना।

शान दिखावणूं (गांठणूं या बघारनूं)।
शान दिखाना, गाँठना या बघारना। रौब दिखाना। झूठी शान दिखाना।

शान पऽ चढ़ावणूं।
शान पर चढ़ाना। और उत्तेजित करना। किसी भाव को और बढ़ाना।

शान मऽ बट्टा लगणूं।
शान में बट्टा लगना। रौब में कमी आना। मान-मर्यादा घटना। दोष आना।

शिकार करणूं।
शिकार करना। स्वार्थ साधना। मारना।

शिकार बणनूं।
शिकार बनना। कुप्रभाव में आना। वश में होना। लक्ष्य बनना।

शिकार हाथ से निकळई जाणूं।
शिकार हाथ से निकल जाना। लाभदायक अवसर या आसामी वश से निकल जाना।

शिखर पऽ पहुँचणूं।
शिखर पर पहुँचना। उच्चतम स्थान पर पहुँचना।

शिरोधार्य करनूं।
शिरोधार्य करना। सादर स्वीकार करना।

शिरोमणि होणूं।
शिरोमणि होना। श्रेष्ठ होना।

शीशा मऽ अपणो मुंडो (चेहरो) देखणूं।
शीशे में अपना चेहरा देखना। अपनी स्थिति या औकात को देखना।

शूळ की तरह गढ़णूं।
शूल की तरह गड़ना। निरन्तर ह्रदय में खटकना। पीड़ा देना।

शेखी बघारनूं।
शेखी बघारना। डींग हाँकना। बढ़-चढ़कर बातें करना।

शेर को बच्चो होणूं।
शेर का बच्चा होना। बहादुर का बहादुर बच्चा होना।

शेर का कान कतरनूं।
शेर का कान कतरना। बहुत वीर और साहसी होना।

शेर का दात गिननूं।
शेर के दाँत गिनना। बहुत कठिन काम करना।

शेर बकरी को एक घट पाणी पीणूं।
शेर बकरी का एक घाटपर पानी पीना। सबल निर्बल सबको समान सुविधा होना।

शैतान सवार होणूं।
शैतान सवार होना। किसी ऐसे काम की ओर जबर्दस्त प्रवृत्त होना, जो अनुचित हो। दुष्टता से ग्रसित होना।

शैतान की आटंडी होणूं।
शैतान की आँत होना। दुष्टता का कोई अन्त न होना। लम्बाई में बड़ी होना।

शैतान को पोर्यो।
शैतान का पुत्र। नीच से नीच होना। दुष्ट से दुष्ट होना।

शौक चर्राणूं (चढ़णूं)।
शौक चर्राना या चढ़ना। किसी चीज/आदत को गले लगाना। खूब उपयोग करना। उसी में डूब जाना।

श्री गणेश करनूं।
श्री गणेश करना। शुभ शुरूआत करना।

श्वास छूटणूं।
श्वाँस छूटना। मृत्यु होना।

'ष' षट्कोण का। 'ष' निमाड़ी में 'स', 'ख' और 'छ' में अन्तर्निहित है। वाचिक व्यवहार में 'ष' नहीं उपयोग किया जाता। फिर भी हिन्दी में लिखते समय कुछ मुहावरे लिये जा सकते हैं।

षड़्यंत्र रचणू (करनूं)।
षड़्यंत्र रचना या करना। छिपकर किसी के विरुद्ध मुहिम चलाना।

षटराग करनूं।
खटराग करना। किसी कार्य को बहुत बहानेबाजी से करना।

षोड़श उपचार करनूं।
षोड़श उपचार करना। देवी पूजा में सोलह पूजाओं का महत्त्व है।

षष्ठी पूजा करनूं।
षष्ठी पूजा करना। छठी पूजा करना।

षष्ठ होणूं।
षष्ठ होना। छठ तिथि होना।

स

सक करनूं।
शक करना। सन्देह करना। शंका रखना।

सकल बणावणूं।
सकल बनाना। रूप या चेहरा बनाना। सूरत बिगाड़ देना।

सकल बिगाड़णूं।
सकल बिगाड़ना। पिटाई करना। सूरत खराब कर देना।

सकरो समेटणूं।
सकरा समेटना। रसोईघर में फैला जूठा आटा समेटना।

संकट का बादळ घिरई जाणूं।
संकट के बादल घिर जाना। चारों ओर से विपत्ति का आना।

संकट मऽ पड़णूं।
संकट में पड़ना। कष्ट उठाना।

संकट काटणूं।
संकट काटना। दु:ख दूर करना। जबर्दस्ती आ पड़े काम को किसी प्रकार पूरा करना।

संकटमोचन होणूं।
संकटमोचन होना। संकट/विपत्ति से बचाने वाला होना।

संकल्प करनूं (लेणूं)।
संकल्प करना या लेना। प्रतिज्ञा करना। दृढ़ निश्चय करना।

सखा होणूं।
सखा होना। दोस्त होना।

सखी सहेली होणूं।
सखी सहेली होना। साथ में खेलने कूदने वाली। सुख-दु:ख में साथ निभाने वाली सहेली होना।

सखी दाता राम होणूं।
सखी दाता राम होना। दानी का भण्डार राम यानी ईश्वर भरते रहते हैं।

सगाई करनूं।
सगाई करना। विवाह निश्चित करना। एक रस्म।

सगुण करणूं।
सगुन करना। शुभारम्भ करना। सबसे पहले भोजन का कौल लेना।

सगुण होणूं।
सगुण होना। शुभ संकेत होना।

संग-संग रयणूं।
संग-संग रहना। साथ-साथ रहना।

सच्चो आदमी होणूं।
सच्चा आदमी होना। लगन और उत्साह से काम करने वाला। ईमानदारी से काम करने वाला।

सच्चाई की सदा जीत होणूं।

सच्चाई की सदा जीत होना। सत्यमेव जयते।

सच-सच कयणूं।
सच-सच कहना। सत्य बात बोलना।

संजा फूलणूं।
संजा फूलना। संध्याकाल होना।

संजा बत्ती करनूं।
संजा बत्ती करना। संध्या में दीपक आदि जलाना।

संजा बखत।
संजा वक्त। संध्या के समय।

सजणूं-धजणूं।
सजना-धजना। शृंगार प्रिय होना।

सजग रयणूं।
सजग रहना। सचेत या जागरुक रहना।

सजीव करी देणूं (हुई उठणू)।
सजीव कर देना या हो उठना। मूर्ति या चित्र में जान ला देना।

सटर-पटर करनूं।
सटर-पटर करना। असम्बद्ध काम करना।

सटकी जाणूं।
सटक जाना। निकल भागना। चुपके से निकल जाना।

सट्टो लगाणूं।
सट्टा लगाना। जुआ खेलना।

सठियाई जाणूं।
सठिया जाना। बुद्धि मन्द हो जाना। उम्र साठ के ऊपर हो जाना।

सड़क पऽ आई जाणूं।
सड़क पर आ जाना। नौकरी/धन्धा सब चौपट हो जाना।

सटपटातो रयणूं।
सटपटाते रहना। परेशान होना। पश्चाताप करते रहना।

सड़क नापणूं।
सड़क नापना। फालतू इधर-उधर घूमना। नौकरी-धन्धा न होना।

सड़ी जाणूं।
सड़ जाना। एक ही जगह पर पड़े रहना। खराब हो जाना।

सड़पो मारनूं।
सड़पो मारना। एकदम निगल जाना। कपड़े का बनाया कोड़ा मारना।

सड़-सड़ करनूं।
सड़-सड़ करना। 'सड़-सड़' की आवाज करना।

सत पऽ रयणूं।
सत पर रहना। सत्य पर टिके रहना। पतिव्रत धर्म को निभाना।

सत पऽ चढ़णूं।
सत पर चढ़ना। पति के शव के साथ जलना।

सत छोड़णूं।
सत छोड़ना। सत्य से विचलित होना।

सत डोलनूं।
सत डोलना। नियत बिगड़ना। धैर्य न रखना।

सत्यानास होणूं।
सत्यानाश होना। पूरी तरह नष्ट होना। बर्बाद होना।

सत्तू बांधी नऽ पीछऽ पड़णूं।
सत्तू बाँधकर पीछे पड़ना। पूरी तैयारी के साथ पीछे लग जाना।

सत्ता मऽ होणूं।
सत्ता में होना। शासन में होना। राज करना।

सती होणूं।
सती होना। पति के साथ चिता में जलना।

सदमो उठावणूं।
सदमा उठाना। शोक सहना। मुसीबत में फँसना। दुःख लगना।

सदमो पहुँचानूं।
सदमा पहुँचाना। शोक/दु:ख/तकलीफ पहुँचाना।

सदर पंगत मऽ बठणूं।
सदर पंगत में बैठना। जाति भोज की पंक्ति में बैठना सम्मान का सूचक होना।

सदा सुखी रयणूं।
सदा सुखी रहना। एक आर्शीवचन।

सदा सुहागेण रयणूं।
सदा सुहागन रहना। मरते दम तक पति का साथ होना।

सदावरत करनूं।
सदाव्रत करना। गरीबों को भोजन-वस्त्र दान करना।

सनक सवार होणूं।
सनक सवार होना। धुन में होना। जिद होना।

सनसनई जाणूं।
सनसना जाना। भयभीत हो जाना।

सन्नई जाणूं।
सन्ना जाना। दंग रह जाना। अचम्भित हो जाना। धक् हो जाना।

सन्नाटो छाणूं।
सन्नाटा छाना। उदासी या दु:ख देने वाली शान्ति में छा जाना।

सन्नाटा मऽ आई जाणूं।
सन्नाटे में आ जाना। हक्का-बक्का रह जाना। अचम्भित अवस्था होना।

सन्नाटा सी।
सन्नाटे से। शीघ्रता से।

सनन होणूं।
सनन होना। एकदम बढ़िया होना।

सनसी निकळई जाणूं।
सन से निकल जाना। एकदम से तीव्रगति से निकल जाना।

सनीचर घुसणूं।
सनीचर घुसना। बुरे दिन आना। दरिद्रता बढ़ती जाना।

सनई जाणूं।
सना जाना। पूरी तरह से भर जाना।

सन भण होणूं।
सन भन होना। अस्त-व्यस्त होना।

सन-सन करनूं।
सन-सन करना। कानों में 'सन-सन' की आवाज आना। कान बजना। हवा का 'सन-सन' चलना।

सनातन होणूं।
सनातन होना। पुराने समय से चले आते रहने वाला।

सपना देखणूं।
सपने देखना। बड़ी-बड़ी कल्पनाएँ करना।

सपणो होणूं।
सपना होना। बहुत मुश्किल से मिलने वाला होना।

सपणो पूरो होणूं (साकार होणूं)।
सपना पूरा होना या साकार होना। कल्पना यथार्थ में बदल जाना। मनोकामनाएँ पूरी होना।

सपणा को संसार सजाणूं।
सपने का संसार सजाना। भविष्य की कल्पनाओं का संसार। कल्पना लोक में रहना।

सपणा का मयल बणावणूं।
सपनों के महल बनाना। काल्पनिक सुखों में रहना।

सपणा मऽ खोई रयणूं।
सपने में खोये रहना। कल्पना लोक में विचरण करना।

सपणा मऽ भी नी।
सपने में भी नहीं। कभी नहीं।

सफई देणूं।
सफाई देना। दलील देना। निर्दोष प्रमाणित करना। स्थिति स्पष्ट करना।

सफायो करनूं।
सफाया करना। बर्बाद कर देना।

सफा उड़ई लेई जाणूं।
सफा उड़ाकर ले जाना। बहा ले जाना। चुपचाप चुरा लेना।

सफा उड़ी जाणू।
सफा उड़ जाना। एकदम बदल जाना। इनकार कर देना। बहाना करना।

सफा-सफा बचणूं।
सफा-सफा बचना। बाल-बाल बच जाना।

सफा-सफा छूटी जाणूं।
सफा-सफा छूट जाना। बेदाग बच जाना।

सफेदी आवणूं।
सफेदी आना। बुढ़ापा आना।

सफेद झूठ बोलनूं।
सफेद झूठ बोलना। एकमद झूठ बोलना। ढीठता से झूठ बोलना।

सफलता का दरवाजा तक पहुँचणूं।
सफलता के दरवाजे तक पहुँचना। सफलता अत्यन्त नजदीक होना।

सफलता को सेहरो माथा पऽ बांधणूं।
सफलता का सेहरा सिर पर बाँधना। सफलता का श्रेय लेना या देना।

सफल होणूं।
सफल होना। हर कार्य में सफलता प्राप्त करना।

सफेद बाळ नऽ की लाज राखणूं।
सफेद बालों की लाज रखना। बुढ़ापे का सम्मान बनाये रखना।

सफेदी मऽ दाग लगावणूं।
सफेदी में दाग लगाना। उज्ज्वल कीर्ति में अपयश आ जाना।

सबक सिखावणूं (देणूं)।
सबक सिखाना या देना। शिक्षा देना।

सबक लेणूं।
सबक लेना। शिक्षा लेना।

सब खऽ एकज लाकड़ी सी हांकणूं।
सबको एक ही लकड़ी से हाँकना। सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना।

सबई मिलई नऽ।
सब मिलाकर। कुल।

सबर करी नऽ बठणूं।
सब्र करके बैठना। धैर्यपूर्वक सहना।

सबसी मिली-जुली नऽ रयणूं।
सबसे मिल-जुलकर रहना। आपस में सद्भाव के साथ रहना।

सबई दूर फैलणूं।
सभी दूर फैलना। चारों ओर बात फैलना। खबर होना7

समझ मऽ आवणूं।
समझ में आना। संज्ञान में आना।

समझ पऽ दग्गड़ पड़नूं।
समझ पर पत्थर पड़ना। सोच न पाना। बुद्धि भ्रष्ट हो जाना।

समझावणूं-बुझावणूं।
समझाना-बुझाना। अच्छी तरह गले उतारना।

समां बांधणूं।
समा बाँधना। किसी महफिल में गाने अथवा नृत्य का चरम आना।

समई जाणूं।
समा जाना। मिल जाना। एक-दूसरे में बस जाना।

सम्मान देणूं (करनूं)।
सम्मान देना या करना। इज्जत देना। करना। समारोहपूर्वक सम्मान देना।

सम्मान को भूखो होणूं।
सम्मान का भूखा होना। हर जगह सम्मान कराने की तीव्र इच्छा होना।

सम्मान मऽ खरोच आवणूं।
सम्मान में खरोंच आना। प्रतिष्ठा में ठेस पहुँचना।

सम्मान की रक्षा करनूं।
सम्मान की रक्षा करना। प्रतिष्ठा को बचाये रखना। ध्यान रखना।

समय आई जाणूं।
समय आ जाना। मृत्यु निकट होना।

समय को फेर होणूं।
समय का फेर होना। भाग्य दशा का पलटा खाना।

समय का साथ चलनूं।
समय के साथ चलना। वर्तमान परिस्थिति के अनुसार सोचना और चलना।

समय बलवान होणूं।
समय बलवान होना। भाग्य/समय का साथ होने पर आदमी सब कुछ भूल जाता है।

समय लदी जाणूं।
समय लद जाना। अच्छा समय बीत जाना। बुरे दिन आना। मान प्रतिष्ठा खत्म होना।

समय-समय की वात होणूं।
समय-समय की बात होना। अलग-अलग परिस्थिति में अलग-अलग बात का महत्त्व देना।

समय पूरो हुई जाणूं।
समय पूरा हो जाना। किसी व्यक्ति या वस्तु का समय समाप्त हो जाना।

समय को पलटो खाणूं।
समय का पलटा खाना। स्थिति में परिवर्तन होना। अमीर का गरीब और गरीब का अमीर होना।

सम्हळी-सम्हळी नऽ पांय धरनूं।
सम्हलकर-सम्हलकर पैर रखना। बड़ी सावधानी से काम करना।

सरम खाणूं।
शर्म खाना। संकोच करना।

सरम राखणूं।
शर्म रखना। सम्मान रखना। लिहाज करना।

सरम सी पाणी-पाणी होणू।
शर्म से पानी-पानी होना। अत्यधिक लज्जित होना। बहुत अधिक शर्म आना।

सरीक होणूं।
शरीक होना। सम्मिलित होना।

सरीक करनूं।
शरीक करना। शामिल करना।

सरत लगावणूं।
शर्त लगाना। बाजी लगाना। जिम्मेदारी लेना।

सरग नरक य्हांज होणूं।
सरग-नरक यही होना। परिणाम जीवन में ही भोगना।

सरी मऽ भराणूं।
सरी में भराना। लिपटना।

सरपट चलनूं।
सरपट चलना। तेज चलना।

सरद-गरम होणूं।
सर्द गर्म होना। ठण्डा-गर्म होना। सर्दी जुकाम होना।

सलाम करनूं।
सलाम करना। नमस्कार करना। अभिवादन करना।

सलामी लेणूं।
सलामी लेना। दूसरों का अभिवादन स्वीकार करना।

सलामत रयणूं।
सलामत रना। स्वस्थ और सुखी रहना। जीवित रहना।

सवायो होणूं।
सवाया होना। बढ़कर होना।

सवाल जुवाब करनूं।
सवाल जबाव करना। तर्क–वितर्क करना। हुज्जत करना।

सवाल हल करनूं।
सवाल हल करना। गणित की समस्या हल करना। कठिनाई या विपत्ति दूर करना।

सवायो परसाद चढ़ावणूं।
सवाया प्रसाद चढ़ाना। मनौती पूरी होने पर कबूला गया प्रसाद चढ़ाना।

सवा घड़ो भरनूं।
सवा घड़ा भरना। मृत्यु के पश्चात् जीव को आत्मा में मिलाना। एक मृत्यु संस्कार की रस्म।

सवारी गांठणूं।
सवारी गाँठना। रौब जमाना। अपने वश में करना। सवारी करना।

सवाल खड़ो करनूं (होणूं)।
सवाल खड़ा करना या होना। समस्या या प्रश्न उठना या होना।

सवाल नऽ की झड़ी लगणूं।
सवालों की झड़ी लगना। एक के बाद एक प्रश्न पूछा जाना।

सवाळ नऽ का घेरा मऽ घिरई जाणूं।
सवालों के घेरे में घिर जाना। सब तरफ प्रश्न ही प्रश्न खड़े होना। निरुत्तर होना।

सवाल की जुबाब देणूं।
सवाल का जवाब देना। प्रश्न का उत्तर जरूरी होना।

सवाद लेणूं।
स्वाद लेना या चखना। किसी चीज की खाकर परीक्षा करना।

सवाद का लेणऽ मरी जाणूं।
स्वाद के लिये मर जाना। खाने में अत्यधिक रुचि होना।

सस्ता मऽ छूटी जाणूं।
सस्ते में छूट जाना। सरलता से मुक्त हो जाना। किसी जिम्मेदारी से सरलता से बच जाना।

सहारो देणूं।
सहारा देना। आधार देना। मदद करना। आशा देना।

सहारा की लाकड़ी होणूं।
सहारा की लकड़ी होना। कमजोरी में सहायक होना।

सहारो होणूं।
सहारा होना। सहायता का भरोसा होना।

सही सईं कदम उठाणूं।
सही कदम उठाना। ठीक निर्णय लेना। ठीक काम करना।

साक–भाजी लाणूं।
साग–भाजी लाना। हरे पत्ते की सब्जियाँ लाना।

साख होणूं।
साख होना। इज्जत होना।

साख जमणूं।
साख जमना। विश्वास और प्रतिष्ठा होना।

साख मऽ बट्टो लगणूं।
साख में बट्टा लगना। प्रतिष्ठा नष्ट होना।

साग पात समझणूं।
साग–पात समझना। तुच्छ समझना।

सागर पार करनूं।
सागर पार करना। किसी कार्य को पूरा करना। संसार से मुक्त होना।

साग केरी।
साग केरी। डाल पर ही पका आम।

साज छेड़णूं।
साज छेड़ना। गाना बजाना शुरू करना।

साज बाज करनूं।
साज–बाज करना। गठजोड़ करना। साजिश करना।

साजिश करनूं।
साजिश करना। मिलकर षड़्यंत्र करना।

साटा सईं पिळ्ळई जाणूं।
गन्ने की तरह पिला जाना। नष्ट हो जाना।

साटो हत्ती का मुंडा मऽ सी पछो नी आवतो।
गन्ना हाथी के मुँह में जाने पर वापस नहीं आता। एक बार गई हुई चीज वापस नहीं आती।

साटा को रस निकालणूं।
साटे का रस निकालना। तत्व प्राप्त कर लेना। गन्ने का रस निकालना।

साठा का पाठा होणूं।
साठे का पाठा होना। साठ वर्ष की उम्र होने पर भी तन्दुरुस्त रहना।

साड़ा तीन होणूं।
साढ़े तीन होना। थोड़ा अधिक होना। थोड़ी बुद्धि अधिक होना।

सात जनम तक याद राखणूं।
सात जन्म तक याद रखना। कभी नहीं भूलना।

सात जनम लेणूं।
सात जन्म लेना। जन्म जन्मान्तर का हिसाब होना।

सात जनम तक।
सात जन्म तक। बहुत लम्बे समय तक।

सात जनम मऽ भी नी।
सात जन्म में भी नहीं। कभी नहीं।

सात पुरखा तरी जाणूं।
सात पीढ़िया तर जाना। एक ही परिवार के पूर्वजों का उद्दार हो जाना।

सात पुरखा नऽ तक पोचणूं।
सात पुरखों तक पहुँचना। पूर्वजों को गालियाँ देना, उनके गुण-अवगुणों को बखानना।

सात समुद्दर पार।
सात समुद्र पार। बहुत दूर। समुद्र के उस पार।

सात वार नौ तेवार होणूं।
सात वार नौ त्योहार होना। रोज ही कुछ न कुछ उत्सव व्रत त्योहार लगे रहना।

सात पांच करनूं।
सात-पाँच करना। चालाकी चतुराई या धूर्तता करना।

सातवां आसमान पऽ चढ़णूं।
साँतवे आसमान पर चढ़ना। बहुत ऊँची उड़ान भरना। बहुत उन्नति करना।

सातज दिन।
सातों दिन। रोज।

सात ताळा मऽ रखणूं।
सात तालों में रखना। बहुत सुरक्षित बन्द करके रहना।

सात परदा मऽ राखणूं।
सात पर्दों में रखना। बहुत सँभालकर या छिपाकर रखना।

साथ देणूं (निभावणूं)।
साथ देना या निभाना। पूरी तरह सहयोग करना। सहायता करना।

साथ-साथ रयणं।
साथ-साथ रहना। पति-पत्नी की तरह रहना। साथ में रहना।

सान पऽ चढ़ावणूं।
सान पर चढ़ाना। धार तेज करना या निखारना।

सान धरणूं।
सान धरना। धार तेज करना। किसी बात को बढ़ावा देना। तेज करना।

सापनाथ वसोज नागनाथ।
साँपनाथ वैसा ही नागनाथ। व्यक्ति-व्यक्ति प्रवृत्ति में एक समान होना।

साफ जुबाब देणूं।

साफ जुवाब देना। स्पष्ट रूप से उत्तर देना। हाँ या ना।

साफ उड़ई देणूं।
साफ उड़ा देना। बिल्कुल इन्कार कर देना।

साफ बोलणूं, सुखी रयणूं।
साफ बोलना, सुखी रहना। स्पष्ट बोलने से कोई झंझट नहीं होना।

साफ छूटी जाणूं।
साफ छूट जाना। निर्दोष सिद्ध हो जाना।

साफ करनूं।
साफ करना। स्थिति स्पष्ट करना। मार देना या खा जाना।

साफ बचणूं।
साफ बचना। सुरक्षित बच निकलना।

साफ-साफ कयणूं।
साफ-साफ कहना। बहुत स्पष्ट कह देना।

साफ झूठ बोलणूं।
साफ झूठ बोलना। दृढ़ता से झूठ पर झूठ बोलना। एकदम झूठ बोलना।

साफ-साफ सुणाणूं।
साफ-साफ सुनाना। खरी-खोटी सुनाना।

साबको पड़णूं।
साबका पड़ना। व्यवहार करने की जरूरत पड़ना। सम्पर्क में आना।

सामनो करणूं।
सामना करना। विरोध करना। झगड़े का सामना करना।

सामनऽ की बात होणूं।
सामने की बात होना। आँखों देखी बात होना।

सामनऽ पड़नूं।
सामने पड़ना। दिखाई देना।

सामनो बांधणूं।
सामना बाँधना। झगड़ा करना।

सामान बांधणूं।
सामान बाँधना। चलने की तैयारी करना।

सामनो होणूं।
सामना होना। मुलाकात होना।

सामनऽ की थाळई छिनी जाणूं।
सामने की थाली छिन जाना। मिली हुई वस्तु चली जाना।

सामनऽ की थाळई खैयची लेणूं।
सामने से थाली खींच लेना। मिलती हुई चीज हटा लेना। मिलते-मिलते रह जाना।

सायो पड़नूं।
सायो पड़ना। प्रभाव होना।

साया मऽ रयणूं।
साये में रहना। छत्रछाया में रहना।

साया सी बचणूं।
साये से बचना। दूर-दूर रहना। डर के मारे सामने न आना। नजर न मिलाना।

सारो कर्‌यो करायो पाणी मऽ जाणूं।
सारा किया किराया पानी में जाना। अभी तक जो अच्छाई या भलाई की, उसका अनुकूल फल न मिलना।

सारा तन मन मऽ आग लगी जाणूं।
सारे तन मन में आग लग जाना। अत्यन्त क्रोधित हो जाना।

सारा शरीर मऽ आग फुकाणूं।
सारे शरीर में आग फुकाना। क्रोध भड़क जाना।

सावण का अन्धा कऽ हरोज हरो देखाणूं (सूझणूं)।
सावन के अन्धे को हरा ही हरा दिखाई देना। समझ पड़ना। सब कुछ एक समान दिखाई देना।

सावन की झड़ी लगणूं।
सावन की झड़ी लगना। खूब बरसात होना।

सिक्को जमणूं।
सिक्का जमना। प्रभाव होना।

सिक्को चलणूं।
सिक्का चलना। रोब-दाब होना। अधिकार में होना।

सिक्को जमावणूं।
सिक्का जमाना। प्रभाव जमाना। श्रेष्ठता स्थापित करना।

सिक्का का दुई पयलू होणूं।
सिक्के के दो पहलू होना या हर बात के दो स्वरूप होना।

सिकंजा मऽ कसणूं।
सिकंजे में कसना। बहुत दुःख देना। बंधन कड़े करना।

सिकस्त देणूं।
सिकस्त देना। हराना। पराजित करना।

सिकार करनूं।
शिकार करना। पशु मारना। स्वार्थ साधना।

सिखाणूं-पढ़ाणूं।
सिखाना-पढ़ाना। बहकाना।

सिखई-पढ़ई नऽ भेजणूं।
सिखा-पढ़ाकर भेजना। समझा-बुझाकर भेजना। मन्तव्य बताकर।

सिटपिटई जाणूं।
सिटपिटा जाना। लज्जित हो जाना। संकुचित हो जाना। घबरा जाना।

सिट्टी-पिट्टी गुम होणूं।
सिट्टी-पिट्टी गुम होना। सिटपिटा जाना। होशहवास गुम होना।

सितम करनूं (ढाणूं)।
सितम करना या ढाना। अन्याय करना। गजब करना। जुल्म ढाना।

सितारो चमकणूं।
सितारा चमकना। अच्छे दिन आना। बड़ी उपलब्धि पाना।

सितारो बुलन्द होणूं।
सितारा बुलन्द होना। अच्छे दिन आना। उपलब्धि भरे दिन आना।

सितारो ऊँचो होणूं।
सितारा ऊँचा होना। भाग्य चमकना। उन्नति होना।

सितारा गरदिश मऽ होणूं।
सितारा गर्दिश में होना। दुःख भरे दिन आना। बदकिस्मत होना।

सिप्पो जमणूं (जमावणूं)।
सिप्पा जमना या जमाना। प्रभाव जबर्दस्त होना। प्रभाव स्थापित करना।

सिप्पो भिड़ावणूं।
सिप्पा भिड़ाना। युक्ति करना।

सिप्पो चलणूं।
सिप्पा चलना। नाम से काम होना। सब दूर जबर्दस्त प्रभाव होना।

सियार बोलणूं।
सियार बोलना। एकदम सुनसान होना। रात का सन्नाटा होना।

सिर उठावणूं।
सिर उठाना। विरुद्ध खड़ा होना। फिर ताकतवर होना।

सिर उठई नऽ चलणूं।
सिर उठाकर चलना। गर्व के साथ चलना। अभिमान के साथ जीना।

सिर आसमान पऽ उठाणूं।
सिर आसमान पर उठाना। बहुत गर्व करना। अत्यधिक ऊधम करना।

सिर उठाणूं मुश्किल होणूं।
सिर उठाना मुश्किल होना। बहुत लज्जित होना। काम में जरा भी फुर्सत न होना।

सिर ऊँचो करनूं।

सिर ऊँचा करना। कोई बहुत गौरवशाली काम करना। प्रतिष्ठा का काम करना। उन्नति करना।

सिर ओखळई मऽ देणूं।
सिर ओखली में देना। संकट या कष्ट में पड़ना। किसी कठिन कार्य को करने का बीड़ा उठाना।

सिर कळम करनूं (करवाणूं)।
सिर कलम करना या करवाना। सिर काट लेना या देना।

सिर उतारनू (उतरणूं)।
सिर उतारना या उतरना। सिर धड़ से काटकर अलग करना या हो जाना।

सिर उड़ावणूं।
सिर उड़ाना। नाश करना। मार डालना।

सिर पऽ एक बाल नी बचणूं।
सिर पर एक बाल न बचना। खूब दुर्गति होना। पिटाई होना।

सिर को बोझ उतरनूं (उतारणूं)।
सिर का बोझ उतरना या उतारना। किसी ऋण/दायित्व/झंझट से मुक्त होना।

सिर को पसीनो एड़ी तक जाणूं (पहुँचणूं)।
सिर का पसीना ऐड़ी तक जाना या पहुँचना। अत्यधिक परिश्रम करना।

सिर की कसम खाणूं।
सिर की कसम खाना। शपथ लेने की एक प्रचलित पद्धति।

सिर कुचलनूं।
सिर कुचलना। पराजित करना। दया देना। मार डालना।

सिर का बल रयड़ो होणूं।
सिर के बल खड़ा होना। बहुत प्रयत्न करना। आज्ञाकारी होना।

सिर का बल।
सिर के बल। आदर या तत्परता से।

सिर का बल चली न आवणूं।
सिर के बल चले आना। बिल्कुल आज्ञाकारी की तरह हाजिर होना।

सिर का बल चलनूं।
सिर के बल चलना। एकदम उल्टा या अनुचित काम करना।

सिर आँख नऽ पऽ रखणूं।
सिर आँखों पर रखना। स्नेह आदर के साथ लेना।

सिर का बाल नोचणूं।
सिर के बाल नोचना। अपने आप पर खीजना। पछतावे में आकर अपने ही सिर के बालों को खींचना।

सिर का बाल सफेद होणूं।
सिर के बाल सफेद होना। बुढ़ापा आना। अनुभवी होना।

सिर खपाणूं (मारनूं)।
सिर खपाना या मारना। व्यर्थ तर्क-वितर्क करना। माथा-पच्ची करना। किसी बात को लेकर बहुत सोच-विचार करना।

सिर खाणूं।
सिर खाना। व्यर्थ बकवास करना।

सिर खुजलाणऽ की फुरसत नी होणूं।
सिर खुजाने की फुरसत न होना। बहुत व्यस्त होना।

सिर चकराणूं (घूमणूं)।
सिर चकराना या घूमना। सिर में चक्कर आना। घबराहट होना।

सिर चढ़ी नऽ बोलणूं।
सिर चढ़कर बोलना। गर्व करना। उद्दण्ड होना। प्रभावपूर्ण होना।

सिर चढ़णूं।
सिर चढ़ना। दृष्ट होना। कर्ज सिर पर होना।

सिर चढ़ाणूं।
सिर चढ़ाना। अनुचित महत्त्व देकर उद्दण्ड बनाना।

श्रद्धापूर्वक बहुत महत्त्व देना।

सिर छिपई नऽ बठणूं।
सिर छिपाकर बैठना। शर्म के कारण बाहर न निकलना।

सिर छिपाणऽ की जगह होणूं।
सिर छिपाने की जगह होना। कोई आश्रय की जगह होना, जहाँ सुख-दुख की बातें हो सके।

सिर झुकाणूं।
सिर झुकाना। हार मानना। अधीनता मानना। स्वीकार करना।

सिर झुकई नऽ मानी लेणूं।
सिर झुकाकर मान लेना। बिना किसी प्रतिवाद के विनयपूर्वक स्वीकार करना।

सिर तक पाणी आई जाणूं।
सिर तक पानी आ जाना। आपाद् संकट की स्थिति होना। कर्ज में डूबना।

सिर थामी नऽ बठणूं।
सिर थामकर बैठना। दु:ख या चिन्ता में बैठना।

सिर नी पैर होणूं।
सिर न पैर होना। कोई आधार न होना। कोई तुक न होना।

सिर धुननूं।
सिर धुनना। पछताना।

सिर नीचो करनूं (होणूं)।
सिर नीचा करना या होना। शर्म से सिर झुक जाना। लज्जा अनुभव करना।

सिर पकड़ी नऽ रोवणूं।
सिर पकड़ी कर रोना। बहुत पछताना।

सिर पकड़ी नऽ बठणूं।
सिर पकड़कर बैठना। दु:ख के साथ बैठे रहना। निष्क्रिय होना।

सिर पटकी नऽ मरी जाणूं।
सिर पटककर मर जाना। बहुत कोशिश करके हार जाना।

सिर पटकणूं।
सिर पटकना। बहुत मेहनत या प्रयत्न करना। पछताना।

सिर पड़नूं।
सिर पड़ना। जिम्मे आना।

सिर पत्थर पऽ पटकणूं।
सिर पत्थर पर पटकना। बहुत आकुल-व्याकुल होकर सिर फोड़ लेना।

सिर पऽ आई पड़नूं।
सिर पर आ पड़ना। दायित्व स्वयं पर आ पड़ना। स्वयं को ही भोगना पड़े।

सिर पऽ आसमान उठई लेणूं।
सिर पर आसमान उठाना। बहुत चीखना चिल्लाना। गर्व करना।

सिर पऽ आसमान टूटी पड़णूं।
सिर पर आसमान टूट पड़ना। बहुत बड़ी विपत्ति का अचानक आना।

सिर सी पांय तक।
सिर से पैर तक। पूरा-पूरा।

सिर पऽ कफ्फन बांधणूं।
सिर पर कफन बाँधना। मरने को तैयार होना। किसी काम में जी जान से लग जाना।

सिर पऽ करजो होणूं।
सिर पर कर्जा होना। कर्ज का बोझ होना।

सिर पऽ कोई बोझ नी होणूं।
सिर पर कोई बोझ न होना। कोई दायित्व न होना। बेफिक्र होना।

सिर पऽ खून चढ़णूं (सवार होणूं)।
सिर पर खून चढ़ना या सवार होना। जान लेने पर उतारू होना।

सिर पऽ भूत सवार होणूं।
सिर पर भूत सवार होना। पागलपन की हद तक जाना।

सिर पर चढ़ी नऽ मूतणूं।
सिर पर चढ़कर मूतना। लाड़-प्यार के कारण बिगड़ी हुई औलाद का अनुचित आचरण करना।

सिर पऽ चढ़णूं (चढ़ावणूं)।
सिर पर चढ़ना या चढ़ाना। उद्दण्ड होना। किसी की कुछ न सुनना। बहुत महत्त्व देकर आदत बिगाड़ना।

सिर पऽ छाया होणूं।
सिर पर छाया होना। कोई सहारा या आश्रय होना। माता-पिता का होना।

सिर फोड़णूं।
सिर फोड़ना। माथा पचाना। माथापच्ची करना। सिर पर आघात करना।

सिर पऽ तलवार लटकणूं।
सिर पर तलवार लटकना। जान जाने का भय बना रहना।

सिर पऽ थोपणूं।
सिर पर थोपना। जबरन कार्य देना। इल्जाम लगाना। किसी कार्य का दायित्व दूसरे पर डालना।

सिर पऽ पहाड़ गिरनूं।
सिर पर पहाड़ गिरना। एकाएक घोर विपत्ति का आना।

सिर पऽ पांय धरी नऽ भागणूं।
सिर पर पैर रखकर भागना। बेतहाशा भागना। जान छोड़कर भागना। घबराकर भागना।

सिर पऽ बिजळई गिरनूं।
सिर पर बिजली आना। गहरा संकट आना। गजब हो जाना।

सिर पऽ मऊत मंडराणूं।
सिर पर मौत मँडराना। ऐसी खतरनाक स्थिति आना, जिसमें मौत का भय हो।

सिर पऽ लादी देणूं।
सिर पर लाद देना। जबरन काम या दायित्व सौंप देना।

सिर पऽ सवार होणूं।
सिर पर सवार होना। तगादा करना।

सिर पऽ सींग होणूं।
सिर पर सींग होना। कोई विशेषता होना।

सिर पऽ सेहरो बांधणूं।
सिर पर सेहरा बाँधना। दायित्व देना/लेना।

सिर पऽ हाथ फेरनूं।
सिर पर हाथ फेरना। आशीर्वाद देना। प्रेम दिखाना।

सिर पऽ हाथ रखणूं (होणूं)।
सिर पर हाथ रखना या होना। छत्रछाया होना। आशीष देना। आश्रय देना।

सिर पिटी लेणूं।
सिर पीट लेना। भाग्य पर रोकर बैठ जाना।

सिर पीटणूं।
सिर पीटना। शोक करना। प्रयत्न करना।

सिर पीट-पीटकर रोवणूं।
सिर पीट-पीटकर रोना। बहुत पछता-पछता कर रोना।

सिर फटनूं।
फिर फटना। सिर में बहुत दर्द होना।

सिर फिरणूं।
सिर फिरना। विचार बदल जाना। बहुत दबाव में आना। घमण्ड करना।

सिर भारी होणूं।
सिर भारी होना। सिर में पीड़ा होना।

सिर मारनूं।
सिर मारना। समझाते-समझाते थक जाना।

सिर मुंडातज ओळा पड़णूं।
सिर मुँडाते ही ओले पड़ना। कार्यारम्भ करते ही विघ्न पड़ना।

सिर खुजाळ आवणूं।
सिर खुजाल आना। पिटने के लक्षण करना।

सिर मऽ भूसा भरेल होणूं।
सिर में भूसा भरा होना। महामूर्ख होना।

सिर सलामत होणूं।
सिर सलामत होना। जीवित रहना। जिन्दगी का महत्त्व होना।

सिर सी बला टलणूं।
सिर से बला टलना। आफत या झंझट हटना।

सिर बचाता फिरनूं।
सिर बचाते फिरना। अपनी रक्षा के लिए भागते फिरना।

सिर भिन्नाणूं।
सिर भिन्नाता। सिर में चक्कर आना। गुस्सा आना।

सिरमौर होणूं।
सिरमौर होना। सर्वश्रेष्ठ होना।

सिर मूंडनूं।
सिर मुँडना। आर्थिक नुकसान पहुँचाना। धोखे में फँसाकर उल्लू बनाना।

सिर रगड़ी नऽ मरी जाणूं।
सिर रगड़कर मर जाना। बार-बार मना-मनाकर थक जाना।

सिर रगड़णूं।
सिर रगड़ना। बहुत कोशिश करना।

सिर सी हाथ उठणूं।
सिर से हाथ उठना। छत्रछाया उठ जाना। संरक्षण समाप्त होना।

सिर हथेली पऽ लई नऽ फिरनूं।
सिर हथेली पर लेकर फिरना। मरने को तैयार रहना।

सिर हल्को होणूं।
सिर हल्का होना। सिर दर्द मिटना।

सिर हिलावणूं।
सिर हिलाना। मना करना। अस्वीकृति में सिर हिलाना।

सिर होणूं।
सिर होना। माथे पड़ना। उलझना या पीछे पड़ना।

सिरो पकड़नूं।
सिरा पकड़ना। वास्तविकता का पता लगाना। कारण खोजना।

सिरा को होणूं।
सिरे का होना। अन्तिम होना। सबसे बढ़कर होना।

सिरा सी कोई काम करनूं।
सिरे से कोई काम करना। शुरू से कार्य आरम्भ करना।

सिरई देणूं।
सिरा देना। नदी या तालाब में डाल देना।

सिरो बणाणूं।
सिरा बनाना। हलवा बनाना। किसी काम का प्रारम्भ अच्छा होना।

सिर फुटव्वल होणूं।
सिर फुटव्वल होना। मारपीट होना।

सिरा पऽ बठणूं।
सिरे पर बैठना। एक किनारे पर बैठना।

सिरा सी खारिज करनूं।
सिरे से खारिज करना। शुरू से नकार देना।

सिरको ओढ़ी नऽ सोई जाणूं।
सिर का ओढ़कर सो जाना। रजाई में दुबककर सो जाना। स्थिति से बचने का उपाय करना।

सिर फिर्‍यो होणूं।
सिरफिरा होना। औंधी बुद्धि वाला। पागल होना।

सिलसिलो लगणूं।
सिलसिला लगना। व्यवस्था या प्रबन्ध होना।

सिसकी नऽ भरनूं।

सिसकियाँ भरना। सिसक-सिसक कर रोना।

सींग कटई नऽ बछड़ा नऽ मऽ मिलणूं।
सींग कटाकर बछड़ों में शामिल होना। बूढ़ा या अधेड़ अवस्था में भी युवकों जैसे काम करना।

सींग निकलणूं।
सींग निकलना। थोड़ा अधिक समझदार बनना।

सींग समावणूं।
सींग समाना। ठिकाना होना।

सीढ़ी तैयार करनूं।
सीढ़ी तैयार करना। किसी की सफलता के लिए मार्ग बनाना। ठठरी तैयार करना।

सीध बांधणूं।
सीध बाँधना। निशान लगाना। पंक्ति में खड़े होना।

सीधो रास्तो छोड़ी नऽ औघड़ रास्तऽ चलनूं।
सीधा रास्ता छोड़कर औंधे रास्ते चलना। काम को ठीक और सीधे तरीके से न करके टेढ़े तरीके से करना।

सीधा मुंडा वात नी करनूं।
सीधे मुँह बात न करना। ऐंठकर बोलना।

सीधो रास्तो बणी जाणूं।
सीधा रास्ता बन जाना। सहज उपाय समझ में आना।

सीधी उंगळई सी घी नी निकलणूं।
सीधी उँगली से घी न निकलना। सीधे सरल उपाय से काम न होना।

सीधा मुंडा वात नी करनूं।
सीधे मुँह बात न करना। बहुत घमण्ड के कारण टेढ़ा बोलना।

सीनो खोली नऽ चलनूं।
सीना खोलकर चलना। निर्भीकता से घूमना। दादागिरी के साथ घूमना।

सीनो ताणी नऽ चलनूं।
सीना तानकर चलना। घमण्ड के साथ अकड़कर चलना।

सीना चौड़ो होणूं।
सीना चौड़ा होना। अभिमान से भर जाना। गर्व करना।

सीनाजोरी करनूं।
सीनाजोरी करना। जबर्दस्ती करना।

सीना पऽ सांप लोटनूं।
सीने पर साँप लोटना। ईर्ष्या होना।

सीना सी लगाणूं।
सीने से लगाना। बहुत प्यार करना।

सीमा मऽ रयणूं।
सीमा में रहना। मर्यादा का उल्लंघन न करना।

सीमा का पार होणूं।
सीमा के पार होना। मर्यादा का उल्लंघन करना।

सुख की नींद सोवणूं।
सुख की नींद सोना। निश्चिन्त होना।

सुख की साँस लेणूं।
सुख की साँस लेना। चैन से दिन बिताना। कष्ट के बाद आराम मिलना।

सुख मऽ डूबी रयणूं।
सुख में डूबे रहना। सुख के दिन होना। सब तरह का आराम होना।

सुदामा का तांदुल होणूं।
सुदामा के चावल होना। तुच्छ भेंट होना।

सुध लेणूं।
सुध लेना। खोज खबर लेना।

सुध-बुध खोणूं।
सुध-बुध खोना। सब कुछ भूल जाना।

सुणी-अनसुणी करनूं।
सुनी-अनसुनी करना। कोई बात सुनना और नहीं भी सुनना।

सुबह को भूल्यो घर आई जाय तो वोखऽ भूल्यो नी कयता।

सुबह का भूला घर आ जाये तो उसे भूला नहीं कहते। पहले गलत रास्ते पर चलने वाले का ठीक रास्ते पर आना।

सुर मऽ सुर मिलावणूं।

सुर में सुर मिलाना। हाँ में हाँ मिलाना। एकमत होना।

सुर सुरी छोड़नूं।

सुरसुरी छोड़ना। किसी बात का सिलसिला शुरू करना। उत्कट इच्छा होना।

सुराग लगावणूं।

सुराग लगाना। आभास होना या पाना।

सुस्ती करनूं।

सुस्ती करना। विलम्ब करना।

सुहाग उजड़नूं।

सुहाग उजड़ना। विधवा हो जाना। पति मर जाना।

सुई का नाका सी हत्ती निकालणूं।

सुई के नाके से हाथी निकालना। कठिन या असम्भव काम का होना।

सूको जुबाब देणूं।

सूख जवाब देना। स्पष्ट इन्कार करना।

सूखो पड़नूं।

सूखा पड़ना। वर्षा न होने के कारण खेती न हो पाना।

सूखो सट टरकावणूं।

सूखा सट टरकाना। इच्छा पूरी किये बगैर वापस लौटाना।

सूखा मऽ नाव चलाणूं।

सूखे में नाव चलाना। असम्भव कार्य होना।

सूझ-बूझ सी काम लेणूं।

सूझ-बूझ से काम लेना। समझदारी से काम लेना।

सूत बरोबर।

सूत बराबर। जरा सा भी या सूक्ष्म।

सूत नी कपास।

सूत न कपास। किसी काम के लिए तैयारी या साधन न होना।

सूनो-सूनो लगणूं।

सूना-सूना लगना। लोगों के न होने पर सूनापन महसूस करना। सन्नाटा महसूस करना।

सूरज खऽ दियो बतावणूं।

सूरज को दिया बताना। जो स्वयं विख्यात हो, उसका परिचय देना।

सूरज पऽ थूकणूं या धूळो फैकणूं।

सूरज पर थूकना या धूला फेंकना। किसी निर्दोष या साधु पुरुष को लांछन लगना।

सूरज पऽ धूलो फेंकणूं।

सूरज पर धूल फेंकना। निर्दोष को दोष देना। समर्थ को कुछ कहना।

सूरत नजर नी आवणूं।

सूरत नजर नहीं आना। कोई उपाय समझ में न आना।

सूरत बणाणूं।

सूरत बनाना। मुँह बनाना। नाक-भौं सिकुड़ना।

सूरज खऽ दियो बतावणूं।

सूरज को दीपक बताना। अतिगुणवान को सलाह देना।

सूरत बिगड़नूं।

सूरत बिगड़ना। चेहरे की रंगत फीकी होना।

सूरत सी नफरत होणूं।

सूरत से नफरत होना। बहुत चिढ़ होना।

सूळी पऽ चढ़ावणूं।

सूली पर चढ़ाना। फाँसी देना।

सेंत मेंत मऽ।

सेंत मेंत में। मुफ्त में या बिना मतलब।

सेन्द लगावणूं।
सेंद लगाना। दीवार में छेद करके माल चुराकर ले जाना।

सेर को सवा सेर होणूं।
सेर का सवा सेर होना। तुलना में बड़ा होना।

सेहरी बांधणूं।
सेहरा बाँधना। श्रेय देना।

सोची समझी नऽ चलणूं।
सोच-समझकर चलना। खूब सावधानी से काम करना।

सोन्ना की कटोरी।
सोने की कटोरी। सुन्दर किन्तु विनाशकारी।

सोनो उगलणूं।
सोना उगलना। अत्यन्त लाभदायक होना।

सोना कऽ हात लगावतऽ माटी होणूं।
सोने को हाथ लगाते मिट्टी होना। अच्छे या बने-बनाये कार्य में हाथ डालते ही उसका नष्ट हो जाना।

सोना का अण्डा देणूं।
सोने के अण्डे देना। बहुत लाभदायक होना।

सोना की ईट नऽ बणावणूं।
सोने की ईंटें बनाना। खूब लाभ कमाना।

सोना की चिड़िया फँसणूं।
सोने की चिड़िया फँसना। किसी पैसे वाले को चंगुल में फंसाना।

सोना की लंका बणाणूं।
सोने की लंका बनाना। खूब समृद्धि होना।

सोना मऽ सुहागो होणूं।
सोने में सुहागा होना। अच्छे में और अच्छा होना।

सोना सी लदई जाणूं।
सोने से लद जाना। अत्यधिक गहने धारण करना।

सोयेल शेर खऽ जगाणू।
सोये हुए शेर को जगाना। बलवान से छेड़छाड़ करना।

स

सोळा आणा सच होणूं।
सोलह आने सच होना। पूर्ण रूप से सच होना।

सोळा सिणगार करनूं।
सोलह श्रृंगार करना। पूरी तरह से अंग-प्रत्यंग का श्रृंगार करना।

सौ की एकज वात होणूं।
सौ की एक ही बात होना। बहुत सी बातों का एक निचोड़ होना।

सौ दफा गरज होय तो।
सौ बार गरज हो तो। अत्यधिक गरज होने पर।

सौ फीसदी सई होणूं।
सौ फीसदी सही होना। बिल्कुल सही होना।

सौ वरस मऽ रूखड़ा का दिन भी फिरनूं।
सौ वर्ष में घूड़े के दिन फिरना। सबके जीवन में एक न एक दिन खुशियाली आती है।

सौ सुनार की नऽ एक लुहार की।
सौ सुनार की और एक लुहार की। एक ही प्रयत्न में मुँहतोड़ जवाब देना।

सौक लावणूं।
सौत लाना। घर में दूसरी पत्नी लाना।

सौतिया डाह होणूं।
सौतिया डाह होना। किसी प्रकार एक दूसरे को न सहन कर पाना।

सौतेली माय सरीखो व्यवहार करनूं।
सौतेली माँ जैसा व्यवहार करना। कठोर और नीरस व्यवहार करना।

सौ-सौ घड़ा पाणी पड़नूं।
सौ-सौ घड़े पानी गिरना। अत्यधिक लज्जित होना।

सौदो करनूं।
सौदा करना। मोल-भाव करना या खरीदना।

सौदो पटणूं।

सौदा पटना। मोल-भाव करके मूल्य/कीमत तय हो जाना। बिक जाना।

सौदो होणूं।
सौदा होना। किसी वस्तु का दाम तय करके लेना या तय हो जाना।

सौ-सौ उंदरा खाई नऽ बिल्ली तीख (हज) खऽ चलनूं।
सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चलना। बहुत पाप या बुरा करके तब भला बनने की कोशिश करना।

स्टाम्प पऽ लिखाड़णूं।
स्टाम्प पर लिखाना। पक्की कार्यवाही होना। पक्की बात तय होना।

स्तर ऊँचो उठणूं।
स्तर ऊँचा उठना। तुलनात्मक दृष्टि से उत्थान होना।

स्तर गिरनूं।
स्तर गिरना। तुलनात्मक दृष्टि से पतन होना।

स्थान ऊँचो होणूं।
स्थान ऊँचा होना। महत्त्वपूर्ण स्थान होना।

स्थान खोवणूं।
स्थान खोना। पद-प्रतिष्ठा खोना।

स्थान ग्रहण करनूं।
स्थान ग्रहण करना। बैठना या किसी पदभार को सँभालना।

स्थान बणावणूं।
स्थान बनाना। अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना। स्थिति सुदृढ़ करना।

स्वयं कुओ खोदणूं।
स्वयं कुँआ खोदना। अपना अहित स्वयं करना।

स्वर अलापणूं।
स्वर अलापना। गाना गाना। अपनी कहे जाना।

स्वर ऊँचो होणूं।
स्वर ऊँचा होना। जोर से बोलना।

स्वर बदलणूं।
स्वर बदलना। मत परिवर्तन होना।

स्वर मऽ स्वर मिलावणूं।
स्वर में स्वर मिलाना। हाँ में हाँ मिलाना।

स्वर्णाक्षर नऽ मऽ लिखई जाणूं।
स्वर्णाक्षरों में लिखा जाना। आदर, सम्मान या महत्त्व के साथ सदैव याद किया जाना।

स्वाद चखाणूं।
स्वाद चखाना। किसी को उसके किये अपराध का दण्ड देना।

स्वांग करनूं (भरनूं)।
स्वांग करना या भरना। झूठी नकल करना। ढोंग करना।

स्वांग बणावणूं।
स्वांग बनाना। हँसी करना। नाटक करना।

स्वारथ मऽ अन्धो होणूं।
स्वार्थ में अन्धा होना। अपना मतलब निकालने के लिए कुछ भी करना।

स्वार्थ सिद्ध होणूं।
स्वार्थ सिद्ध होना। मतलब बन जाना।

स्वाहा हुई जाणूं।
स्वाहा हो जाना। जल जाना। नष्ट हो जाना।

संकरी गली मऽ रयणूं।
संकरी गली में रहना। संकुचित स्थान में रहना। विचार से संकुचित होना।

संकल्प करनूं।
संकल्प करना। दृढ़ निश्चय करना। मन में ठानना।

संकट का बादळा मँडराणूं।
संकट के बादल मँडराना। विपत्ति का आना।

संग लगणूं।
संग लगना। साथ चलना।

संग लगाणूं।

संग लगाना। साथ ले चलना।

संगत करनूं।
संगत करना। साथ रहना। संगति में रहना। गायक के साथ साज बजाना।

संगत मऽ पड़णूं।
संगत में पड़ना। बुरी आदत वाले के साथ रहना। कुसंगत करना।

संग संगाती।
संग संगाती। यार-दोस्त।

संगत को असर आवणूं।
संगत का असर आना। संगत से गुण-दोष आना।

संझा फूलणूं।
संझा फूलना। सूरज ढलने का समय होना।

संझाबत्ती करनूं।
संझाबत्ती करना। शाम के समय के दिये जलाना।

संझा का समय सोवणूं नी।
संझा के समय सोना नहीं। दिन ढलते समय सोना ठीक नहीं माना जाता।

संझा को तेवर मणाणूं।
संझा फूली का त्योहार मनाना। किशोरियों का एक त्योहार संझाफूली मनाना।

संझा की आरती करनूं।
संझा की आरती करना। गोबर फूलों से बनाई संझामाता की आरती करना।

संसार की हवा खाणूं।
संसार की हवा खाना। दुनिया के रंग-ढंग देखना।

संसार की हवा लगणूं।
संसार की हवा लगना। चालबाजी सीखना। चतुराई आ जाना।

संसार सी उठणूं।
संसार से उठना। मरना या समाप्त हो जाना।

संसार बणाणूं (बसाणूं)।
संसार बनाना या बसाना। विवाह करके घर गृहस्थी बनाना।

संसार चलावणूं।
संसार चलाना। गृह-गृहस्थी चलाना।

संसार उजड़ी जाणूं।
संसार उजड़ जाना। सब कुछ नष्ट हो जाना। बदल जाना।

संसारी होणूं।
संसारी होना। घर-गृहस्थी वाला होना।

संसार सी नातो टूटणूं।
संसार से नाता टूटना। मर जाना। संन्यास ले लेना।

संसार चक्र को चलनूं।
संसार चक्र का चलना। संसार के चलने का क्रम। संसार रूपी पहिया कभी रूकता नहीं।

संतोष की साँस लेणूं।
सन्तोष की साँस लेना। सन्तुष्टि पाना।

संदेह को लाभ लेणूं।
संदेह का लाभ लेना। शंका में अपने अनुकूल काम कर लेना।

संबंध तोड़णूं।
सम्बन्ध तोड़ना। नाता-रिश्ता खत्म करना।

संजा खऽ आवणूं।
संध्या को आना। शाम के समय आना।

संजा बखत
संध्या के वक्त। सूरज ढलने के समय।

संजीवन करनूं।
संजीवन करना। मूर्ति बनाकर उसमें प्राण प्रतिष्ठा करना।

संजीवनी बूटी होणूं।
संजीवनी बूटी होना। प्राण-दान देने वाली औषधि।

संगीन जुर्म करनूं।
संगीन जुर्म करना। कोई हत्या आदि का अपराध करना।

संगीत सीखणूं (सिखाणूं)।
संगीत सीखना या सिखाना। गाना-बजाना सीखना।

संग्राम मचणूं।
संग्राम मचना। झगड़ा होना, द्वन्द्व होना।

संवेदना खोई देणूं।
संवेदना खो देना। किसी से कोई भावपूर्ण लगाव न रखना। सुख-दु:ख में कोई प्रतिक्रिया न करना।

संवेग मऽ आवणूं।
संवेग में आना। जोश में आ जाना। उबाल आना।

संयम राखणूं।
संयम रखना। अपने आपको वश में रखना। धैर्य रखना।

ह

हक जताणूं (जमावणूं)।
हक जताना या जमाना। अधिकार बताना या अधिकार कर लेना।

हक निभावणूं।
हक निभाना। कर्त्तव्य पालन करना।

हक बांधणूं।
हक बाँधना। अधिकार जताना।

हक होणूं।
हक होना। अधिकार होना।

हक की मांगणूं।
हक की माँगना। अधिकार का हिस्सा माँगना।

हक मांगणूं।
हक माँगना। अधिकार माँगना।

हक दबणूं (दबाणूं)।
हक दबना या दबाना। किसी का अधिकार किसी के द्वारा हड़प लेना।

हक्का-बक्का रयणूं।
हक्का-बक्का रहना। आश्चर्यचकित रह जाना।

हक का लेण लड़णूं।
हक के लिए लड़ना। अधिकार पाने के लिए लड़ना।

हगी देणूं।
हग देना। पस्त हो जाना। दस्त कर देना।

हगी नऽ पाछऽ देखणूं।
हगकर पीछे देखना। करने के बाद पछताना।

हगती की जणती करनूं।
हगती की जनती करना। कुछ का कुछ बताना। अनैतिक दोषारोपण करना।

हजम करनूं।
हजम करना। लेकर न देना। बेईमानी करना। खा जाना।।

हजामत करणूं।
हजामत करना। धोखा देकर हानि पहुँचाना।

हटई देणूं।
हटा देना। नौकरी से बर्खास्त कर देना। दूर कर देना।

हठ पकड़नूं।
हठ पकड़ना। जिद करना।

हड़पी जाणूं।
हड़प जाना। बेईमानी से ले लेना।

हड़का पासळा देखाणूं।
हड़के पसले दिखना। बहुत दुबला-पतला होना। केवल हड्डियाँ दिखना।

हड्डी पासळई नऽ तोड़णूं।
हड्डी पसली तोड़ना। बहुत पिटाई करना।

हड़िया/हंडिया चढ़णूं (चढ़ानूं)।
हड़िया चढ़ना या चढ़ाना। खाना बनाना शुरू होना। लाभ होना।

हत्थे चढ़णूं (पड़णूं)।

हत्थे चढ़ना या पड़ना। हाथ में आना या प्राप्त होना। वश में होना।

हत्या होणूं।
हत्या होना। मार डालना।

हत्या गळा पड़नूं।
हत्या गले पड़ना। जबर्दस्ती कोई काम जिम्मे लगना।

हथकंडो करनूं।
हथकंडा करना। दाव-पेंच करना। चालाकी करना।

हथियई लेणूं।
हथिया लेना। जबर्दस्ती अधिकार कर लेना।

हथियार डालनूं।
हथियार डालना। हार मानना।

हथेळी पऽ जान लई नऽ फिरनूं।
हथेली पर जान लेकर फिरना। मरने तक की परवाह न करना।

हथेळी लगाणूं।
हथेली लगाना। सहायता करना। रोकना या बाधा डालना।

हथेळो लगावणूं।
हथेला लगाना। विवाह करना। हाथ में हाथ देना।

हथेळी पऽ सरसू उगाणूं।
हथेली पर सरसो उगाना। बहुत जल्दी परिणाम चाहना।

हथेळी पऽ उठई नऽ राखणूं।
हथेली पर उठाकर रखना। किसी बात का बड़ा प्रचार होना। बहुत अधिक उठा देना।

हथेळी पऽ जान होणूं।
हथेली पर जान होना। प्राणों का भय होना।

हथेळई पऽ राई जमाणूं।
हथेली पर राई जमाना। सीमा से शीघ्र कार्य करने की अभिलाषा।

हथेळई पऽ माथो धरनूं।
हथेली पर सिर रखना। प्राणों की परवाह नहीं करना।

हथेळी पऽ आवणूं।
हथेली पर आना। नगद प्राप्त होना।

हथेळी पऽ खुजाळ आवणूं।
हथेली पर खुजाल आना। धन प्राप्ति या जाने का संकेत होना।

हथेळा की रांडई होणूं।
हथेले की विधवा होना। विवाह होते ही पति मर जाना।

हथेळी पऽ राखणूं।
हथेली पर रखना। पूर्ण सुख-सुविधा के साथ रहना। देने के लिए पैसे हाथ में तैयार रखना।

हद करनूं।
हद करना। कमाल करना। सीमा से कहीं अधिक करना।

हद सी बढ़ी जाणूं।
हद से बढ़ जाना। किसी काम की अति/अधिकता करना। सीमा से बाहर जाना।

हद होणूं।
हद होना। बर्दाश्त से बाहर होना। चरम सीमा या अति होना।

हद दरजा को।
हद दर्जे का। बहुत अधिक।

हद बांधणूं।
हद बाँधना। सीमा निर्धारित करना।

हद सी गुजरनूं।
हद से गुजरना। मर्यादा का अतिक्रमण करना।

हद मऽ रयणूं।
हद में रहना। सीमा या मर्यादा में रहना। बदतमीजी न करना।

हद सी भायर जाणूं।

हद से बाहर जाना। सीमा/मर्यादा से अधिक होना।

हद नापणूं।
हद नापना। सीमा या सरहद नापना। अनैतिक सम्बन्ध बनाना।

हद की बी सीमा होणूं।
हद की भी सीमा होना। मर्यादा भी कहाँ तक रखना? मर्यादा को भी तोड़ देना।

हनुमान होणूं।
हनुमान होना। बड़े-बड़े काम करने वाला होना।

हप करनूं।
हप करना। बेईमानी से हड़प कर लेना। खा जाना। खामोश करना। डाँटना या मुँह पर अँगुली रखना।

हपड़-हपड़ करनूं।
हपड़-हपड़ करना। जज्दी-जल्दी करना।

हबड़-हबड़ करनूं।
हबड़-हबड़ करना। जल्दी मचाना। हड़बड़ी करना।

हमल रयणूं।
हमल रहना। गर्भ ठहरना। गर्भवती होना।

हमल गिरनूं।
हमल गिरना। गर्भपात होना।

हमेशा रड़तो रयणूं।
हमेशा रोते रहना। हमेशा दु:खी होना। हमेशा शिकवा-शिकायत करना।

हरकत करनूं।
हरकत करना। शैतानी या बुरा काम करना।

हरकत देणूं (दिखाणूं)।
हरकत देना या दिखाना। गड़बड़ करना। धोखा देना। बुरा काम करना।

हरफ लिखणूं।
हर्फ लिखना। अक्षर लिखना या बनाना।

हरफनमौला होणूं।
हरफनमौला होना। हर काम में होशियार होना। धूर्त होना।

हराम करनूं।
हराम करना। मुश्किल कर देना। परेशानी में डालना।

हराम करी देणूं।
हराम कर देना। मुश्किल कर देना।

हराम की खाणूं।
हराम की खाना। मुफ्त का या बिना मेहनत का खाना। पाप कर्म करना।

हरामखोरी करनूं।
हरामखोरी करना। बिना परिश्रम का अन्न खाना और उलजलूल बातें करते फिरना।

हराम मुंडा मऽ लगणूं।
हराम मुँह में लगना। फोकट की या मुफ्तखोरी की आदत हो जाना। परिश्रम से जी चुराना या बचाना।

हरो हुई जाणूं।
हरा हो जाना। मन प्रसन्न हो जाना। ताजा हो जाना।

हरो-हरो सूझणूं।
हरा-हरा सूझना। चारों ओर आनन्द ही आनन्द दिखाई देना। पैसे से हर चीज को खरीदने की ताकत रखना।

हरो-हरो होणूं।
हरा-भरा होना। धनधान्य सम्पन्न या प्रसन्न होना।

हरो भर्‌यो बाग होणूं।
हरा-भरा बाग होना। बड़ी-बड़ी आशाएँ होना। धनधान्य या परिवार सुखी होना।

हरी-भरी बगिया होणूं।
हरी-भरी बगिया होना। घर में हर तरह की सुख-सुविधा। नाती-पोती भरा-पूरा परिवार होना।

हरियाळी होणूं।
हरियाली होना। चारों ओर हरा-भरा होना। वातावरण में ठण्डक और खुशी होना। आँखों को अच्छा लगना।

हरी झण्डी दिखाणूं।
हरी झण्डी दिखाना। काम हो जाने की स्वीकृति का संकेत होना। आगे बढ़ने या काम करने का इशारा होना।

हर्र लगऽ नी फिटकड़ी रंग चोखो हुई जाणूं।
हर्र लगे न फिटकरी रंग चोखा हो जाना। बिना खर्च या परिश्रम के काम सफल हो जाना।

हलक मऽ सी हेड़णूं।
हलक में से निकालना। कोई वस्तु किसी से भी बलपूर्वक छीनना।

हळक मऽ सी हात न्हाखी नऽ निकालणूं।
हलक में हाथ डालकर निकालना। कोई वस्तु किसी से बलपूर्वक छीनना या वसूल करना।

हळको होणूं।
हलका होना। उऋण होना। भार कम होना या करना। सामान्य या तुच्छ होना।

हलकोपण दिखावणूं।
हल्कापन दिखाना। तुच्छता दिखाना। नीचता का व्यवहार करना।

हलाकान होणूं।
हलाकान होना। दुखी या परेशान होना।

हळको पड़णूं।
हल्का पड़ना। कमजोर होना। बराबरी का न होना। तुच्छ या निम्न होना।

हळको पातळो मत समझणूं।
हल्का पतला नहीं समझना। सामर्थ्य में कम न आंकना।

हळ हळाट होणूं।
हल हलाट होना। भयंकर डाकन होना। बुरी नजर रखने वाली होना।

हल निकलणूं (निकालणूं)।
हल निकलना या निकालना। काम का कोई परिणाम निकलना या निकालना। फल मिलना। ।

हळ जोतणूं।
हल जोतना। कृषि कार्य की तैयारी करना। बीज बोने के लिये जमीन तैयार करना।

हलदी लगई नऽ बठणूं।
हल्दी लगाकर बैठना। असमर्थता प्रकट करके कार्य से मन चुराना।

हली नऽ पाणी नी पीणूं।
अपने हाथ से पानी तक न पीना। अत्यन्त आलसी होना।

हळबळ होणूं।
हलबल होना। नित्य की गतिविधि शुरू होना। हलचल होना।

हलदी लगणूं।
हलदी लगना। विवाह शुरू होना।

हल्का होणूं।
हल्का होना। निवृत्त होना।

हलाल करनूं।
हलाल करना। धीरे-धीरे काटकर मारना। ईमानदारी से व्यवहार करना।

हलाल की कमाई।
हलाल की कमाई। ईमानदारी से या खून पसीने से कमाया धन।

हलाल को खाणूं नऽ खूटी ताणी सोणूं।
हलाल का खाना और खूँटी तानकर सोना। ईमानदारी की खरी कमाई और निश्चिन्त रहना।

हवन करतऽ हात बळणूं।
हवन करते हाथ जलना। अच्छे काम का बुरा फल मिलना।

हवन करनूं।
हवन करना। अग्नि में आहुति देना। अपव्यय करना।

हवा बिगड़नूं।
हवा बिगड़ना। वातावरण खराब होना। स्थिति ठीक न होना।

हवा उड़णूं।
हवा उड़ना। अफवाह उड़ना।

हवा सी वात करनूं।
हवा से बात करना। जल्दी करना। तेजतम दौड़ना।

हवा हुई जाणूं।
हवा हो जाना। भाग जाना या गायब हो जाना।

हवा बदलणूं।
हवा बदलना। स्थिति बदल जाना।

हवा मऽ उड़नूं।
हवा में उड़ना। अनुमान पर चलना। इतराना या घमण्ड करना।

हवा चलनूं।
हवा चलना। नयी फैशन आना। प्रचलन में आना। प्रचार होना।

हवा खाणूं।
हवा खाना। घूमने जाना।

हवा का घोड़ा पऽ सवार होणूं।
हवा के घोड़े पर सवार होना। बहुत तेज चलना। अतिशय गति।

हवा को रुख देखणूं।
हवा का रुख देखना। अवसर समझना।

हवा निकलनूं।
हवा निकलना। पंचर होना। होश ठिकाने लगना। औकात मालूम हो जाना।

हवा करनूं।
हवा करना। पंखा झलना।

हवा का घोड़ा पऽ सवार हुई न आवणूं।
हवा के घोड़े पर सवार होकर आना। अल्प समय के लिये आना।

हवा का घोड़ा का साथज चलनूं।
हवा के घोड़े के साथ ही चलना। परिस्थिति के मान से काम करना।

हवा खराब होणूं।
हवा खराब होना। वातावरण दूषित होना।

हवा खोरी करनूं।
हवा खोरी करना। टहलना या नित्य वायुसेवन करना।

हवा खाणूं।
हवा खाना। वायु सेवन करना। प्राप्ति न होना। आशा न रखना।

हवा खिलाणूं।
हवा खिलाना। बाहर घुमाने ले जाना।

हवा देणूं।
हवा देना। बढ़ावा देना। उत्तेजित करना।

हवा तक छू नी जाणूं।
हवा भी छू नहीं जाना। कोई प्रभाव न होना। संस्कारों में न होना।

हवा नी लगणूं।
हवा न लगना। गुप्त रहना। किसी को कानो कान पता न लगना।

हवा पलटणूं (बदलनूं)।
हवा पलटना या बदलना। परिस्थिति या दशा में परिवर्तन होना।

हवा पी नऽ रयणूं।
हवा पीकर रहना। बिना खाये पीये रहना।

हवा फैलणूं।
हवा फैलना। प्रचारित होना।

हवा भरनूं।
हवा भरना। उत्तेजित करना। प्रेरित करना।

हवा बताणूं।
हवा बताना। किसी चीज को गायब कर देना। वंचित रखना या टालना।

हवा बिगड़नूं।
हवा बिगड़ना। परिस्थिति या प्रतिकूल होना। प्रभाव समाप्त होना।

हवा मऽ उड़णूं।
हवा में उड़ना। कल्पना में मस्त रहना। प्रभाव न होना।

हवा मऽ उड़ाणूं।
हवा में उड़ाना। ध्यान न देना।

हवा मऽ छलांग लगावणूं।
हवा में छलाँग लगाना। कल्पना में मस्त होना।

हवा मऽ मयल बनाणूं।
हवा में महल बनाना। कल्पना में सपने बुनना।

हवा मऽ सी पकड़णूं।
हवा में से पकड़ना। सुनी सुनाई बात या अफवाह पर विश्वास करना।

हवा मऽ रयणूं।
हवा में रहना। वास्तविकता से दूर रहना।

हवा मऽ बात उड़ावणूं।
हवा में बात उड़ाना। अफवाह फैलाना या प्रचार करना।

हवा का समान होणूं।
हवा के समान होना। हल्का होना।

हवा झाड़नूं।
हवा झाड़ना। भला बुरा कहना। डाँटना-डपटना। अपमानित करना।

हवा को रुख देखणूं।
हवा का रुख देखना। अवसर के मान से बात करना।

हवा खऽ देखी नऽ तिवायो धरनूं।
हवा देखकर तिवाया रखना। अवसर के अनुसार चलना।

हवा टाइट करनूं।
हवा टाइट करना। वश में करना। भला-बुरा सुनाना। गलतियाँ बताना।

हवालो देणूं।
हवाला देना। संदर्भ या नाम बताना। प्रमाण देना।

हवालऽ करणूं।
हवाले करना। अधिकार में देना या सौंपना।

हवा हुई जाणूं।
हवा हो जाना। भाग जाना।

हवा सी बचणूं।
हवा से बचना। प्रभाव से अलग रहना।

हवा आंधी चलणूं।
हवा आँधी चलना। तूफान आना। संकट आना।

हवालात मऽ जाणूं।
हवालात में जाना। जेल जाना।

हवालात मऽ डालनूं।
हवालात में डालना। जेल में डालना।

हवा बिगाड़णूं।
हवा बिगाड़ना। बदनामी करना। वातावरण खराब करना।

हवा मऽ हाथ पांव मारनूं।
हवा में हाथ पैर मारना। व्यर्थ कोशिश करना।

हवा मऽ वात करनूं।
हवा में बात करना। बिना आधार के बात कहना।

हवा सी वात नऽ करनूं।
हवा से बातें करना। बहुत तेज दौड़ना। अपने आप से या व्यर्थ की बातें करना।

हवाई नऽ उड़णूं।
हवाईयाँ उड़ना। चेहरे का रंग फीका पड़ना।

हवाई किल्ला बणावणूं।
हवाई किला बनाना। ख्याली सपने देखना। कल्पना में मन्सूबे बाँधना।

हवास गुम हुई जाणूं।
होश गुम हो जाना। भय आदि से अचम्भित होना। होश ठिकाने आना।

हस्ती मिटणूं (मिटाणूं)।
हस्ती मिटना या मिटाना। जड़ मूल से बर्बाद हो जाना या कर देना।

हां मऽ हां मिलाणूं।
हाँ में हाँ मिलाना। किसी की कही हुई बात से सहमत होना। भली-बुरी सभी बातों का समर्थन करना।

हाँ जी हाँ जी करणूं।
हाँ जी हाँ जी करना। खुशामद करना।

हाट लगणूं।
हाट लगना। गाँव या शहर में बाजार लगना।

हात आवणूं।
हाथ आना। मिलना या पकड़ में आना। ताश के खेल में बारी आना या प्राप्त होना।

हात आजमावणूं।
हाथ आजमाना। बल आजमाना। ताकत दिखाना।

हात आई चिड़ी उड़ी जाणूं।
हाथ आई चिड़ियाँ उड़ जाना। हाथ आया काम का धन या व्यक्ति निकल जाना।

हात उच्चो करनूं।
हाथ ऊँचा करना। सम्मान देने की निशानी। तौबा कर देना।

हात कटाड़णूं।
हाथ कटाना। लिखा होना।

हात कान पऽ धरणूं।
हाथ कान पर रखना। आश्चर्य चकित होना।

हात को मैइल होणूं।
हाथ का मैल होना। तुच्छ या साधारण। पैसा हाथ का मैल।

हात को सच्चो।
हाथ का सच्चा। ईमानदार, अचूक निशाना साधने वाला।

हात पऽ हात धरी नऽ बठणूं।
हाथ पर हाथ रखकर बैठना। व्यर्थ समय गँवाना।

हात का तोता उड़ी जाणूं।
हाथ के तोते उड़ जाना। आश्चर्य में पड़ जाना। बुद्धि छूट जाना।

हात खऽ हात नी सूझणूं।
हाथ को हाथ न सूझना। गहन अँधकार होना। निविड़।

हात खाली जाणूं।
हाथ खाली जाना। लक्ष्य ठीक नहीं बैठना। सफलता न मिलना।

हात खयचणूं।
हाथ खींचना। संदर्भ से अलग होना।

हात खुल्लो करनूं।
हाथ खुला करना। खूब खर्च करना।

हात मऽ खुजाल आवणूं।
हाथ में खुजाल आना। धन मिलना या जाने का संकेत। पीटने की मन में आना।

हात जोड़णूं।
हाथ जोड़ना। प्रणाम करना। सम्मान देना। सम्बन्ध नहीं रखना।

हात झाड़ी नऽ ऊखो होणूं।
हाथ झाड़कर खड़ा होना। सक्षम होकर भी असमर्थता प्रकट करना।

हात धरणूं।
हाथ धरना। सहारा देना।

हात धोई नऽ पाछऽ पड़णूं।
हाथ धोकर पीछे पड़ना। जी जान से जुट जाना।

हात नी धरनऽ देणूं।
हाथ नहीं रखने देना। बातों में बिल्कुल न आना।

हात पऽ हात मारनूं
हाथ पर हाथ मारना। प्रतिज्ञा करना। शर्त बदना।

हात पसारनूं।
हाथ पसारना। हाथ फैलाना या माँगना।

हात पांय चलनूं।
हाथ पैर चलना। कार्य की सामर्थ्य होना।

हात पांय जोड़णूं।
हाथ पैर जोड़ना। विनती करना।

हात पऽ हात नऽ पांय पऽ पांय।
हाथ पर हाथ और पैर पर पैर। बिल्कुल जगह न बचना, इतनी भीड़।

हात पांय बरफ होणूं।
हाथ पैर बर्फ होना। हाथ पैर ठण्डे होना। मृत्यु का समय नजदीक आना।

हात पांय फुलनूं।
हाथ पैर फूलना। भय से घबरा जाना।

हात पांय बचावणूं।
हात पैर बचाना। सचेत होकर कार्य करना।

हात पांय मारनूं।
हाथ पैर मारना। बहुत प्रयत्न करना।

हात फेरनूं।
हाथ फेरना। ले लेना। आशीर्वाद देना।

हात वाटणूं (वटाणू)।
हाथ बंटना या बंटाना सहयोग देना।

हात झाड़नू।
हाथ झाड़ना। काम करने से साफ मना करना।

हात भर को कलेजो होणूं।
हाथ भर का कलेवा होना। उत्साह बढ़ जाना। गर्व से सीना फूल जाना।

हात धोई नऽ पीछऽ पड़णूं।
हाथ धोकर पीछे पड़ना। सब छोड़कर एक के पीछे लग जाना। तंग करना।

हात मलणूं।
हाथ मलना या पछताना। पछताते रहना।

हात मिलणूं (मिलाणूं)।

ह

हाथ मिलना या मिलाना। दोस्ती होना। समझौता कर लेना या करा देना।

हात सी जाणऽ नी देणूं।
हाथ से जाने न देना। किसी भी हालत में न खोना।

हात हलई नऽ आवणूं।
हाथ हिलाते आना। साथ में कुछ लेकर न आना। खाली हाथ आना।

हात पांय हिलाणूं।
हाथ पैर हिलाना। थोड़ा बहुत परिश्रम करना।

हात पांय होणूं।
हाथ पैर होना। एक मात्र सहायक या आधार होना।

हात पीला करनूं।
हाथ पीले करना। विवाह करना।

हात पांय निकालणूं।
हाथ पैर निकालना। आपे से बाहर होना। विरोध करना। सामर्थ्य दिखाना।

हात पांय पकड़नूं।
हात पैर पकड़ना। खुशामद करना।

हात पांय बंधणूं।
हाथ पैर बँधना। मजबूर हो जाना।

हाथ बंधणूं।
हाथ बँधना। नियम में जकड़ा होना। खर्च करने की स्वतत्रंता न होना।

हात बढ़ाणूं।
हाथ बढ़ाना। सहयोग करना। सहायता करना।

हात बांधी नऽ उब्यो रयणूं।
हाथ बाँधकर खड़ा रहना। कुछ भी काम न करना। सेना में उपस्थित रहना। अधीन होना।

हातोहात बिकणूं।
हाथोहाथ बिकना। तुरन्त बिक जाना।

हातों बिकणूं।

हाथों बिकना। किसी के गुलाम हो जाना। अनुयायी हो जाना। अन्धभक्त।

हात बठणूं।
हाथ बैठना। काम का अभ्यास हो जाना। पारंगत होना।

हात भरई जाणूं।
हात भरा जाना। हाथ थक जाना। आगे बराबर काम न होना।

हात खींचणूं।
हाथ खींचना। काम में रुचि न लेना।

हात मंजणूं।
हाथ मंजना। कुशल कारीगर हो जाना। कार्य में दक्षता प्राप्त कर लेना।

हात साफ होणूं।
हाथ साफ होना। काम में साफ सुथरापन होना।

हात सफाई करनूं।
हाथ सफाई करना। चोरी करना।

हाथ मजबूत करनूं।
हाथ मजबूत करना। स्थिति सुदृढ़ करना। समर्थन करना।

हाथ मारनूं।
हाथ मारना। चोरी करना।

हात मऽ आवणूं।
हाथ में आना। अधिकार में आना। सर्वेसर्वा होना। करने के लिये स्वतंत्र होना।

हात मऽ करी लेणूं।
हात में कर लेना। अधिकार में कर लेना। वश में कर लेना।

हात मऽ खेलणूं।
हाथ में खेलना। इशारों पर चलना या नाचना।

हात मऽ चूड़ी न पेरी नऽ बठणूं।
हाथ में चूड़ियाँ पहनकर बैठना। साहसहीन होना। पुरुषों का कायर होना।

हात मऽ मयंदी लगणूं।
हाथ में मेहंदी लगना। कुछ काम न करना।

हात मऽ राखणूं।
हात में रखना। अधिकार या वश में रखना।

हात मऽ लेणूं।
हाथ में लेना। किसी काम की जिम्मेदारी लेना।

हात मऽ हात देणूं।
हात में हाथ देना। विवाह करना।

हात मऽ हाथ होना।
साथ होना। भरोसा होना।

हात मऽ होणूं।
हाथ में होना। वश या अधिकार की बात होना।

हात रंग्या होणूं।
हाथ रंगे होना। भ्रष्टाचार में लिप्त होना। अपराध में शामिल होना। मामले में सम्बद्ध होना।

हात खुल्लो होणूं।
हाथ खुला होना। खूब खर्च करने वाला होना।

हात रोकी नऽ खरच करनूं।
हाथ रोककर खर्च करना। फालतू खर्च न करना।

हात लगाणूं।
हाथ लगाना। काम शुरू करना। काम की जिम्मेदारी लेना।

हात लगाणऽ देणूं।
हाथ लगाने देना। छूने की अनुमति देना।

हात सेंकणूं।
हाथ सेंकना। लाभ उठाना।

हात धोणूं।
हाथ धोना। अधिकार से निकल जाना।

हात सी देणूं।
हाथ से देना। अपने हाथ से यानी स्वयं देना।

हात होणूं।

हाथ होना। प्रभाव, हिस्सा या प्रेरणा होना। शामिल होना।

हाती का दाँत होणूं।
हाथी के दाँत होना। बनावटी या दिखावटी होना।

हाती पऽ बठणूं।
हाथी पर बैठना। सम्पन्न या सम्मानित होना।

हाती पालणूं।
हाथी पालना। खर्चीला काम होना। सम्पन्न होना।

हात मऽ बिकी जाणूं।
हाथ में बिक जाना। पूरी तरह परवश में हो जाना।

हात मऽ सौंपणूं।
हाथ में सौपना। सुपुर्द करना।

हानि उठावणूं।
हानि उठाना। नुकसान होना।

हामी भरनूं।
हामी भरनूं। स्वीकार करना।

हाय मचाणूं।
हाय मचाना। शोर मचाना। बद्दुआ देना। शिकायत करना।

हाय-हाय करनूं।
हाय-हाय करना। बहुत अधिक श्रम करना। हर समय काम में लगे रहना। दम लेने की फुरसत न होना।

हाय पड़नूं।
हाय पड़ना। जल्दी पड़ना।

हाय तौबा करनूं।
हाय तौबा करना। जल्दी-जल्दी करना। असहिष्णु होना।

हार करी नऽ।
हार कर। विवश होकर।

हारी जाणूं।
हार जाना। हिम्मत टूट जाना। पराजित हो जाना।

हार-जीत होणूं।
हार-जीत होना। जय-पराजय या हानि-लाभ होना। जुआ खेलना।

हार खाणूं।
हार खाना। हिम्मत परास्त हो जाना।

हाल को होणूं।
हाल का होना। अभी-अभी का होना।

हालत नाजुक होणूं।
हालत नाजुक होना। दशा खराब होना।

हाल बेहाल होणूं।
हाल बेहाल होना। दुर्दशा होना।

हालचाल पूछणूं।
हालचाल पूछना। कुशल क्षेम पूछना।

हावी होणूं।
हावी होना। भारी पड़ना। विजयी या श्रेष्ठ होना।

हाशिया पऽ जाणूं।
हाशिये पर जाना। एक तरफ कर देना। महत्त्वहीन होना।

हा हा करनूं (मचाणूं)।
हा हा करना या मचाना। मुँह जलना या गिड़गिड़ाना।

हाहाकार करनूं (मचाणूं)।
हाहाकार करना या मचाना। अन्याय या दुर्घटना के कारण चिल्लाना।

हा हा ही ही करनूं।
हा-हा ही-ही करना। हँसी मजाक करना। जोर-जोर से हँसना।

हिचकी बंधी जाणूं।
हिचकी बँध जाना। अत्यधिक रोना। रोने में लम्बी-लम्बी और बार-बार सांस लेना।

हिकारत की नजर सी देखणूं।
हिकारत की नजर से देखना। तुच्छ समझना। नफरत करना।

हिम्मत टूटणूं (छूटणूं)।
हिम्मत टूटना या छूटना। साहस टूट जाना या चला जाना। धैर्य न रहना।

हिम्मत जबाव देणूं।
हिम्मत जवाब देना। हिम्मत हार जाना। साहस न रहना।

हिम्मत खुलनूं।
हिम्मत खुलना। साहस दिखाना। जोखिम उठाना।

हिम्मत करनूं।
हिम्मत करना। साहस करना।

हिम्मत सी काम लेणूं।
हिम्मत से काम लेना। साहस न छोड़ना।

हिया भरी आवणूं।
हिया भर आना। दुख से मन भर जाना। हृदय भर आना।

हियो हरकणूं।
हियो हरकना। हृदय प्रसन्न हो जाना।

हिया की वात कयणूं।
हिया की बात कहना। हृदय की बात कह देना।

हिया सी लगावणूं।
हिया से लगाना। हृदय से या छाती से लगाना। बहुत प्रेम करना।

हिरण होणूं।
हिरण होना। भाग जाना। स्वस्थ हो जाना।

हिरासत मऽ लेणूं।
हिरासत में लेना। हवालात में बंद कर देना।

हिली नऽ पाळी नी पीणूं।
हिलकर पानी न पीना। बहुत आलसी होना।

हिलई देणूं।
हिला देना। डराना या आतंकित करना। प्रभाव समाप्त करना।

हिली मिली नऽ रयणूं।
हिल मिलकर रहना। आपस में एक दूसरे से सद्भाव के साथ रहना।

हिसाब देणूं।
हिसाब देना। व्यय विवरण देना।

हिसाब साफ होणूं।
हिसाब साफ होना। पूरा भुगतान कर देना। लेना-देना बराबर होना।

हिसाब सी लगावणूं।
हिसाब से लगाना। सही कीमत लगाना। ब्यौरे के अनुसार होना।

हिसाब निकलणूं।
हिसाब निकलना। राशि शेष रहना। धन देय होना।

हिसाब सी।
हिसाब से। ठीक-ठाक ढंग से या उचित।

हींग हगणूं।
हींग हगना। काम करने में कमजोर होना। परेशान या अधिक बीमार रहना।

हीरो होणूं।
हीरा होना। सुयोग्य, चरित्रवान या सच्चा आदमी होना।

हीरा की खाण होणूं।
हीरा की खान होना। योग्य आदमी पैदा करने की खदान होना।

हीरो इंधारा मऽ भी चमकज।
हीरा का अंधेरे में भी चमकना। योग्य व्यक्ति हर जगह अपनी पहचान कायम कर लेता है।

हीला हवाला करनूं।
हीला हवाला करना। बहाने बनाना या देरी करना।

ही ही करनूं।
ही ही करना। बेशर्मी से हँसना।

हुंडी सकारनूं।
हुंडी सकारना। हुंडी का रुपया देना स्वीकार करना।

हुकुम बजाणूं।
हुकुम बजाना। आज्ञा पालन करना।

हुकुमत चलावणूं।
हुकुमत चलाना। शासन करना या अधिकार का प्रयोग करना।

हुक्को पाणी बंद करनूं।
हुक्का पानी बंद करना। जाति से बहिष्कृत करना।

हुक्को भरनूं।
हुक्का भरना। चापलूसी करना। तुच्छ सेवा करना। मामूली काम करना।

हुलियो पईचाणनूं।
हुलिया पहचानना। किसी व्यक्ति, वस्तु के आकार-प्रकार या रंग-रूप आदि की सूचना देना।

हुलियो तंग करनूं।
हुलिया तंग (टाइट) करना। ठीक कर देना। प्रताड़ित करना।

हुलियो बिगाड़नूं।
हुलिया बिगाड़ना। अंगभंग करना। चेहरा बिगाड़ देना। अधिक मारना पीटना।

हूं हां करनूं।
हूँ हाँ करना। स्पष्ट मत नहीं देना। बेमन से स्वीकारना। हीला हवाला करना।

हूक उठणूं।
हूक उठना। याद आना। मन में पीड़ा या असंतोष का अनुभव होना।

हूर की परी होणूं।
हूर की परी होना। अत्यन्त सुन्दर होना।

हेकड़ी दिखावणूं।
हेकड़ी दिखाना। घमण्ड दिखाना। शान दिखाना। अकड़ दिखाना। जिद प्रकट करना।

हेकड़ी भूली जाणूं।
हेकड़ी भूल जाना। घमण्ड चूर हो जाना। शान खत्म हो जाना।

हेराफेरी करनूं।
हेरा-फेरी करना। चोरी चकारी करना।

हेलमेल करनूं।
हेलमेल करना। मेल-मिलाप बढ़ाना। मित्रता करना।

हैं हैं करनूं।
हैं हैं करना। गिड़गिड़ाना, खुशामद करना या मना करना।

हैरान करनूं।
हैरान करना। परेशान करना।

हैसियत होणूं।
हैसियत होना। धन-सम्पत्ति, जायदाद-सम्मान रखने वाला।

होंठ काटणूं।
होंठ काटना। विवशता भरा क्रोध प्रकट करना।

होंठ चबाणूं।
होंठ चबाना। नाराज होना। आक्रोश बताना।

होंठ सी लेणूं।
होंठ सी लेना। कुछ नहीं बोलना। मौन रहना।

होम करतऽ हात बलणूं।
होम करते हाथ जलना। अच्छा करने पर भी नुकसान होना।

होम देणूं।
होम देना। पूरी तरह से अपने आपको लगा देना। समर्पित कर देना।

होळ्ई खेलनूं।
होली खेलना। रंग-गुलाल लगाना। होली उत्सव मनाना।

होश उड़णूं।
होश उड़ना। घबरा जाना।

होश ठिकाणऽ लगणूं।
होश ठिकाने लगना। घमण्ड चूर होना।

होश संभालणूं।
होश सँभालना। स्याना होना या होशियार होना। समझदार होना।

हौल दिल होणूं।
हौल दिल होना। घबरा जाना।

हौसलो बढ़ाणूं।
हौसला बढ़ाना। प्रोत्साहित करना या बढ़ावा देना।